अतीत से संभावनाओं की उड़ान तक..

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास

2021

उदयपुर

कुलगीत

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की प्रतिमा कल्याणी।
'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' उपनिषदों की वाणी।।
यह प्रताप की कर्म भूमि के माथे का चन्दन।
मीरा का निष्काम भक्ति से है अटूट बंधन।

श्रीएकलिंगजी, श्रीनाथजी, चारभुजा, बेणेश्वर।
सूफी संतों की धरती ने माना एक ही ईश्वर।।
वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
यहाँ साधनारत प्रतिभाएँ ज्योतिर्मन्त बनें।
राष्ट्र धर्म का स्वर विजयी हो, महिमावन्त बनें।

मुक्त गगन में आदर्शों की पुण्य ध्वजा फहरे।
जन मानस में ज्ञान ज्योति का दिव्य प्रकाश भरे।।
ज्ञानदायिनी मूर्तिमंत महिमा का अभिनन्दन।
युवाशक्ति हो सत्यनिष्ठ संकल्पित अन्तर्मन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

श्री कलराज मिश्र

महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान

01 जुलाई, 1941 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सैदपुर गाँव में जन्मे श्री कलराज मिश्र एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, कुशल प्रशासक तथा आम व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध सहृदय व्यक्तित्व के लिए विख्यात हैं। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ से एम. ए. की उपाधि प्राप्त श्री मिश्र ने 09 सितंबर, 2019 को राजस्थान के राज्यपाल का पद ग्रहण किया और इससे पूर्व आप उत्तर प्रदेश विधानसभा, लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आप भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उपक्रमों के मंत्रालय के मंत्री रहे हैं। आप हिमाचल प्रदेश के भी राज्यपाल रह चुके हैं।

मार्गदर्शक

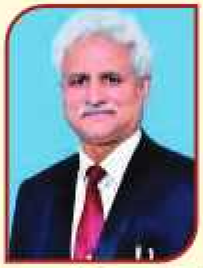

प्रो. अमेरिका सिंह

माननीय कुलपति

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास (2021)

© सर्वाधिकार सुरक्षित

सम्पादक मण्डल

मुख्य संपादक

प्रो. एस. के. कटारिया
आचार्य, लोक प्रशासन

सह संपादक

प्रो. नीरज शर्मा
आचार्य, संस्कृत

सहायक संपादक

डॉ. नवीन नंदवाना
सह–आचार्य, हिन्दी

डॉ. हरीश
सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान

डॉ. सचिन गुप्ता
सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन

डॉ. मनीष श्रीमाली
सहायक आचार्य, इतिहास

मुरलीधर पालीवाल
सहायक आचार्य, संस्कृत

शिल्पी तंवर
शोधार्थी, लोक प्रशासन

टाईपिस्ट एवं व्यवस्थापक

मनीष बंसल
एस. एफ. ए. बी. क्लर्क

मुख्यपृष्ठ परिकल्पना

प्रो. हेमन्त द्विवेदी एवं डॉ. शाहिद परवेज
दृश्य कला विभाग

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

श्री मनोज कलोशिया एवं श्री राजेश पाण्डे

प्रकाशक

रजिस्ट्रार

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर–313001

वेबसाइट : www.mlsu.ac.in, ई–मेल : registrar@mlsu.ac.in

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
	संदेश	x-xvi
	शुभाशंसा	xvii-xviii
	आमुख	xix-xx
अध्याय–1	**मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास यात्रा** प्रो. एस. के. कटारिया, प्रो. नीरज शर्मा डॉ. मनीष श्रीमाली, मुरलीधर पालीवाल	**1–19**
	❖ रियासत काल में शिक्षा तंत्र	1-2
	❖ मेवाड़ में आधुनिक शिक्षा	2-3
	❖ महाविद्यालयीय शिक्षा व्यवस्था	4-5
	❖ विश्वविद्यालय की योजना	6-7
	❖ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास-यात्रा	7-12
	❖ कुलगीत	12-13
	❖ विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न	14-17
	❖ Vision of the University	17
	❖ Mission of the University	17-18
	❖ मोहनलाल सुखाड़िया: एक संक्षिप्त जीवनवृत्त	18-19
अध्याय–2	**सांविधिक निकाय एवं पदाधिकारी** प्रो. एस. के. कटारिया	**20–45**
	❖ नियंत्रण मण्डल	20-21
	❖ कार्यकारी समिति	21-23
	❖ प्रबंध मंडल	23-25
	❖ विद्वत् परिषद	25-28
	❖ अधिष्ठाता परिषद्	29
	❖ कुलाधिपति	29-30
	❖ कुलपति	31
	❖ विभिन्न कुलपतियों के कार्यकाल का संक्षिप्त विवरण	31-33
	❖ डॉ. जी.एस. महाजनि : एक संक्षिप्त परिचय	31-32
	❖ अन्य पदाधिकारी	34-35
	❖ कुलसचिव	35-36
	❖ वित्त नियंत्रक	37-38
	❖ परीक्षा नियंत्रक	38
	❖ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	38-39
	❖ अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन	39-40
	❖ विश्वविद्यालय अभियंता	41
	❖ उपकुलसचिव	42
	❖ Administration	42
	❖ Academic-Administration	42
	❖ Faculty Chairman	43
	❖ University College of Commerce and Management Studies	43
	❖ University College of Law	43
	❖ University College of Science	43
	❖ University College of Social Sciences and Humanities	43

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
	❖ Faculty of Management Studies	44
	❖ Special Cells & Units	44
	❖ Hostels	45
	❖ NCC/NSS/Red Ribbon Club/Scout	45
अध्याय–3	**अकादमिक यात्रा** प्रो. एस. के. कटारिया	**46–68**
	❖ आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल	47
	❖ एस. बी. एस. एच. में विद्यार्थी एवं शिक्षक	48
	❖ विभाग, पाठ्यक्रम तथा डिग्रियाँ	48-54
	❖ सन् 1964 के पश्चात् नए विभाग एवं पाठ्यक्रमों का विवरण	54-56
	❖ विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति	57
	❖ परीक्षाएँ	57
	❖ परीक्षाओं की मान्यता देने वाली शुरूआती संस्थाएँ	57-58
	❖ कला पाठ्यक्रम	59-60
	❖ शिक्षा पाठ्यक्रम	60
	❖ विधि पाठ्यक्रम	60
	❖ विज्ञान पाठ्यक्रम	60-61
	❖ वाणिज्य पाठ्यक्रम	61
	❖ नये संकाय, विभाग एवं पाठ्यक्रम	62-63
	❖ शोध डिग्री	64
	❖ विगत दशक में दी गई पीएच.डी. डिग्रियाँ	64
	❖ दीक्षान्त समारोह	65
	❖ मेडल एवं पुरस्कार	66
	❖ प्रकाशन	67-67
	❖ Internal Quality Assurance Cell	67-68
	❖ College Development Council	68
अध्याय–4	**आधारभूत संरचना एवं संसाधन** प्रो. एस. के. कटारिया एवं शिल्पी तंवर	**69–85**
	❖ भूमि एवं भवन	69-70
	❖ Land & Building Details of Old Campus	70-71
	❖ Land & Building Details of New Campus	72-73
	❖ नवीन अतिथि गृह	74
	❖ कुलपति निवास	74
	❖ विवेकानन्द सभागार	75
	❖ छात्रावास	75-76
	❖ वर्तमान में संचालित छात्रावास	76
	❖ विश्वविद्यालय में स्थापित प्रतिमाएँ	76-77
	❖ स्वर्ण जयंती द्वार	77-78
	❖ सेट	78
	❖ अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इण्डोर हॉल	79
	❖ मानव संसाधन	79
	❖ विश्वविद्यालय प्रशासकीय कार्यालय	79-81
	❖ Self Finance Advisory Board	81
	❖ पुस्तकालय	81
	❖ ICT Facilities	82-83
	❖ विश्वविद्यालय का विभाजन	83-85

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
अध्याय–5	**गौरवशाली उपलब्धियाँ** प्रो. एस. के. कटारिया एवं डॉ. मनीष श्रीमाली	**86–108**
	❖ हम अग्रणी हैं	86–87
	❖ एल्यूमनाई और डॉ. डी. एस. कोठारी : एक संक्षिप्त परिचय	87–88
	❖ अकादमिक आयोजन	88–89
	❖ Udaipur Declaration on Higher Education in South Asia	89–91
	❖ स्वर्ण जयंती वर्ष आयोजन	91–92
	❖ गणमान्य अतिथि	92
	❖ शोध एवं प्रकाशन	92–93
	❖ पेटेण्ट	93
	❖ प्रतिष्ठा एवं सम्मान	93–94
	❖ विश्वविद्यालय-सामाजिक दायित्व निर्वहन	94
	❖ संस्थागत सहयोग	94–95
	❖ पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास	95
	❖ जन्नत गार्डन	95
	❖ सामाजिक वानिकी	96
	❖ कबाड़ से कलाकृति	96–97
	❖ सौर ऊर्जा उत्पादन	98
	❖ जल संरक्षण	99
	❖ डिजिटल इंडिया और प्रो. के. वेणुगोपालन : एक संक्षिप्त परिचय	99
	❖ इंटरनेट और ऑनलाईन सुविधाएँ	99
	❖ I.U.M.S.	99–100
	❖ हेल्प लाईन	100
	❖ M.o.U.	100
	❖ संसाधन गतिशीलन	100–101
	❖ रूसा	101–102
	❖ विश्वविद्यालय आनन्द एवं आरोग्य केन्द्र के अंतर्गत गीता स्वाध्याय	102–103
	❖ आनन्दम्	103–104
	❖ संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों का प्रसार	104
	❖ 108 फीट का राष्ट्रीय ध्वज	104
	❖ रक्तदान एवं अन्य आयोजन	104–105
	❖ एनसीसी	105
	❖ एनएसएस	105
	❖ रेड रिबन क्लब	105
	❖ रोजगार सहायता	106
	❖ खेलकूद	106
	❖ सांस्कृतिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियाँ	106
	❖ Finishing School and Placement Cell	106–108
अध्याय–6	**प्रगति पथ पर बढ़ते अभिनव कदम** डॉ. नवीन नंदवाना	**109–130**
	❖ प्रो. अमेरिका सिंह : एक परिचय	109
	❖ विद्वत परिषद की बैठकों की निरंतरता	109–110
	❖ प्रबंध मंडल की बैठकों की निरंतरता	110
	❖ कानूनी मामलों के लिए संकायवार समिति का गठन	110
	❖ परीक्षा व्यवस्था संचालन एवं बदलाव	110

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
	❖ विभाग प्रभारियों को प्रभारी विभागाध्यक्ष बनाना	110-111
	❖ छात्र-सेवा केंद्रों की स्थापना	111
	❖ विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाने का कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का रोड़ मैप	111-112
	❖ नैक और एन.आई.आर.एफ.	112
	❖ प्लानिंग सेल का गठन	112
	❖ नए संकायों की स्थापना	112-113
	❖ रानी पद्मिनी के नाम से संघटक कन्या महाविद्यालय	113
	❖ नए विभागों की स्थापना	113
	❖ नए केंद्रों की स्थापना	113
	❖ नए पाठ्यक्रमों का आरंभ	113-114
	❖ नियमित कक्षाएँ	115
	❖ वेबिनार और विमर्श कार्यक्रम	115-116
	❖ दीक्षांत समारोह	116-117
	❖ रूसा प्रोजेक्ट्स	117
	❖ नई शिक्षा नीति	117-118
	❖ एच.आर.डी.सी.	118
	❖ एम.ओ.यू.	118-119
	❖ ई-बुक्स लेखन	119
	❖ एकेडेमिक एक्सचेंज प्रोग्राम	119
	❖ नेशनल एक्सपो-2021 में सुविवि के शिक्षक भाग लेंगे	119
	❖ 'राजस्थान दिवस' सप्ताह की शुरूआत	119
	❖ नए भवनों का लोकार्पण	120
	❖ नए भवनों का शिलान्यास	120
	❖ आर्किटेक्चर कॉलेज के नवीन भवन का निर्माण कार्य आरंभ	120
	❖ भव्य स्वागत द्वार	120
	❖ संविधान पार्क	120
	❖ विश्वस्तरीय साइंस सेंटर	120-121
	❖ ई-रिक्शा संचालन	121
	❖ मेवाड़ सदन	121
	❖ विश्वविद्यालय के उद्यानों का रखरखाव	121
	❖ विश्वविद्यालय की गतिविधियों का सेटेलाइट के माध्यम से प्रसारण	122
	❖ सुविवि कुलपति की महापौर से भेंट, सिटी बसों और प्याऊ निर्माण पर बातचीत	122
	❖ स्थायीकरण एवं सी.ए.एस.	122
	❖ सम्मान व पुरस्कार	122-123
	❖ सेवानिवृत्ति पर अभिनंदन	123
	❖ मास्क वितरण	123-124
	❖ साड़ी वितरण	124
	❖ थार गाँव गोद लेना	124
	❖ हकदर गाँव गोद लेना	124
	❖ कैलाशपुरी गाँव गोद लेना	124
	❖ महिला सम्मान	124-125
	❖ परमार्थ योजना	125
	❖ आशाधाम में निराश्रितों को देंगे स्नेहभोज	125
	❖ आदिवासी मिलाप योजना	125

क्रमांक	विषयवस्तु		पृष्ठ संख्या
	❖ आदिवासी बच्चों के लिए रोजगार सृजन		125
	❖ लोक विरासत अध्ययन केंद्र		126
	❖ मेवाड़ पीठ		126
	❖ आनंदम्		126
	❖ रेड रिबन क्लब		127
	❖ कुलपति का कक्षा अध्यापन		127
	❖ संविधान के मूल कर्त्तव्यों का वाचन		127–128
	❖ 'विश्वविद्यालय रोवर क्रू' का शुभारंभ		128
	❖ संघटक महाविद्यालयों की यात्रा		128
	❖ शिक्षकों के साथ संवाद		128
	❖ शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ संवाद		129
	❖ सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ संवाद		129
	❖ छात्रसंघ पदाधिकारियों के साथ संवाद		129
	❖ संबद्ध महाविद्यालयों के साथ संवाद		129
	❖ मीडियाकर्मियों के साथ संवाद		129
	❖ पूर्व छात्रों के साथ संवाद		129
	❖ अन्य विश्वविद्यालयों व संस्थानों के साथ संवाद		130
अध्याय–7	**... यादों के झरोखे से**		**131–144**
	❖ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक हैं नैतिक मूल्य	डॉ. गिरिजा व्यास	131
	❖ Lead like a Leader	Prof. R. K. Rai	132
	❖ बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं विश्वविद्यालय	प्रो. बी. एल. चौधरी	132–133
	❖ सहयोग से होती हैं बाधाएँ पार	प्रो. आई. वी. त्रिवेदी	133
	❖ विश्वविद्यालय जगाते हैं शिक्षा की अलख	प्रो. कैलाश सोडाणी	134
	❖ उपलब्धिपूर्ण रहा है विश्वविद्यालय का अतीत	प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत	134
	❖ अध्यापक रहता है सदैव विद्यार्थी	प्रो. प्रेम सुमन जैन	135
	❖ देनी होगी विभागों को स्वायत्तता	प्रो. अरूण चतुर्वेदी	135–136
	❖ Four Decades: Many Seasons at MLSU	Prof. Sharad Srivastava	136–137
	❖ स्थानीय आवश्यकताओं को पहचानें विश्वविद्यालय	प्रो. आर. एन. व्यास	137
	❖ कुम्भा पीठ : एक स्वागत योग्य कदम	प्रो. के. एस. गुप्ता	138
	❖ 21वीं सदी के अनुरूप ढलना होगा शिक्षण संस्थाओं को	प्रो. जी. सोरल	138–139
	❖ सरकार करे निजी शिक्षण संस्थाओं पर नियंत्रण	श्री ए. एल. सहलोत	139
	❖ गौरव की बात थी एम. बी. कॉलेज में पढ़ना	श्री हरिशंकर द्विवेदी	140
	❖ लाजवाब है फर्श से अर्श तक का सफर	श्री ए. एस. खान	140–141
	❖ दशम दशक में मेरा महाविद्यालय : बदलते रहे नाम	डॉ. के. एल. कोठारी	142–144
अध्याय–8	**विविधा**		**145–175**
	❖ मुख्य अधीक्षक, छात्रावास		145
	❖ गार्गी कन्या छात्रावास		146
	❖ महर्षि दयानन्द सरस्वती जनजाति कन्या छात्रावास		146
	❖ नेहरु शिक्षक सदन छात्रावास		147
	❖ कमला नेहरू कन्या छात्रावास		147
	❖ डॉ. डी. एस. कोठारी रिसर्च छात्रावास		148
	❖ राणा पूंजा जनजाति छात्रावास		148
	❖ विधि छात्रावास		149

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
	❖ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय	150-153
	❖ NCC Air Wing	154
	❖ जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र	155
	❖ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	156
	❖ विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय	157-160
	❖ विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती अतिथि गृह	161-162
	❖ विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल	163
	❖ विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल में उपलब्ध संसाधन	163-166
	❖ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ	167-173
	❖ विश्वविद्यालय योग केंद्र	174-175
	❖ विश्वविद्यालय योग केन्द्र में उपलब्ध संसाधन	175
अध्याय-9	**विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय**	**176-193**
	❖ DEAN	177
	❖ STUDENT UNION PRESIDENT	178
	❖ Department of Accountancy and Business Statistics	179-184
	❖ Department of Banking and Business Economics	185-187
	❖ Department of Business Administration	188-192
	❖ University College of Commerce and Management Studies Library	193
अध्याय-10	**विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय**	**194-199**
	❖ महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ	196-198
	❖ छात्रसंघ अध्यक्ष सूची	199
	❖ छात्रसंघ उपाध्यक्ष सूची	199
	❖ छात्रसंघ महासचिव सूची	199
	❖ छात्रसंघ संयुक्त सचिव सूची	199
अध्याय-11	**विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय**	**200-270**
	❖ Former and Present Students Union	205
	❖ Department of Biotechnology	206
	❖ Department of Botany	207-208
	❖ Department of Chemistry	209-213
	❖ Department of Computer Science	214-219
	❖ Department of Environmental Sciences	220-223
	❖ भू-विज्ञान विभाग	224-228
	❖ Department of Mathematics & Statistics	229-240
	❖ Department of Microbiology	241-242
	❖ Department of Pharmaceutical Sciences	243-251
	❖ भौतिक शास्त्र विभाग	252-256
	❖ Department of Zoology	257-270
अध्याय-12	**विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय**	**271-362**
	❖ Among the Alumni	274-275
	❖ List of Distinguished Deans of UCSSH	275-276
	❖ Student's Union	277
	❖ Centre for Women's Studies	278-281
	❖ Department of Economics	282-286

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
	❖ Department of Education	287
	❖ Department of English	288-291
	❖ Department of Fashion Technology and Designing	292-294
	❖ Department of Geography	295-298
	❖ हिंदी विभाग	299-303
	❖ इतिहास विभाग	304-307
	❖ Department of Jainology and Prakrit	308-310
	❖ पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	311-312
	❖ Department of Library and Information Science	313
	❖ Department of Social Work	314
	❖ संगीत विभाग	315-317
	❖ दर्शनशास्त्र विभाग	318-320
	❖ Department of Political Science	321-325
	❖ Department of Psychology	326-331
	❖ Department of Public Administration	332-334
	❖ राजस्थानी विभाग	335-337
	❖ संस्कृत विभाग	338-340
	❖ Department of Sociology	341-346
	❖ Department of Urdu	347-348
	❖ Department of Visual Arts	349-361
	❖ पुस्तकालय	362
अध्याय-13	**प्रबंध अध्ययन संकाय**	**363-376**
	❖ Establishment and Evolution	364-365
	❖ Achievements	365-375
	❖ Department of Tourism and Hotel Management	376
	❖ Achievements	376
	छः दशक : राष्ट्रीय परिदृश्य	377
	सामूहिक फोटो	378-394
	तब और अब (.... एक जमाना बीत गया)	395
	संदर्भ ग्रंथ सूची	396
	Annexures	397-448
	I विश्वविद्यालय का प्रथम विधान	397
	II महाराणा भूपाल कॉलेज की उदयपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्धता	398
	III उदयपुर विश्वविद्यालय का नाम मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय किये जाने सम्बन्धित विधान	399-400
	IV महाराणा भूपाल कॉलेज से चार महाविद्यालयों का सृजन	401-402
	V मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का विभाजन	403
	VI भू-विज्ञान विभाग का राजस्थान विश्वविद्यालय से हस्तांतरण	404
	VII प्रथम दीक्षांत भाषण (2 फरवरी, 1964)	405-415
	VIII महाराणा भूपाल कॉलेज का प्रथम स्टाफ (1964)	416-424
	IX विश्वविद्यालय की वर्तमान पेंशनर्स सूची	425-438
	X विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय	439-448

कलराज मिश्र

राज्यपाल, राजस्थान

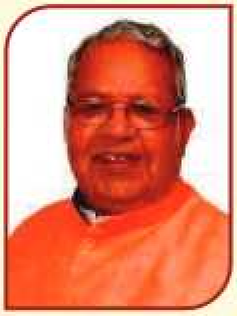

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा अपनी स्थापना से लेकर छः दशकों की विकास यात्रा को संजोते पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय ज्ञान के अजस्र स्रोत्र हैं। विद्यार्थियों के भविष्य की नींव यहीं से तैयार होती है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय का अपना गौरवमय इतिहास रहा है। यहां से अध्ययन करने वाले विद्यार्थी आज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन ही नहीं हैं बल्कि अपने स्तर पर ज्ञान की धारा का प्रवाह करने में भी लगे हैं। छांदोग्य उपनिषद में आता है,

'इतिहासः पंचमोवेदः'

अर्थात् इतिहास पाँचवा वेद है। मैं यह मानता हूं कि हमारे ऋषि–मुनियो ने इतिहास को पांचवे वेद की संज्ञा इसीलिए दी है कि वह इसके जरिए ही अतीत जीवंत होता है। जो कुछ बीत गया है, उससे प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। मेरे लिए यह जानना सुखद है कि आपका विश्वविद्यालय इस बार अपनी स्थापना का 60 वां वर्ष मनाते हुए विभिन्न गतिविधियों के साथ यह प्रकाशन कर रहा है।

यह समय अतीत से प्रेरणा लेते भविष्य की नई राहों के निर्माण का भी है। मैं चाहता हूँ, कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय देश में ही नहीं विश्वभर में अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचारो के आलोक में अग्रणी रहते हुए नवीन इतिहास बनाए।

उम्मीद करता हूँ, विश्वविद्यालय की विकास यात्रा के संबंध में प्रकाशित पुस्तक में विश्वविद्यालय के गौरवमय अतीत के साथ शिक्षा से जुड़े सभी आयामों को समाहित करते हुए इसे सभी वर्गो के लिए उपादेय रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

पुस्तक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी स्वस्ति कामना है।

(कलराज मिश्र)

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा अपनी ऐतिहासिक विकास यात्रा तथा उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु एक पुस्तक **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** का प्रकाशन किया जा रहा है।

किसी भी संस्था के लिए 60 वर्षों की यात्रा की समयावधि इतिहास के झरोखे से गुजरना है। यह गर्व का विषय है कि वर्ष 1962 में स्थापित विश्वविद्यालय दक्षिण राजस्थान के आदिवासी अंचल 'मेवाड़' के उदयपुर, राजसमंद, सिरोही तथा चित्तौड़गढ़ के सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा का मार्गदर्शन कर रहा है। महात्मा गाँधी के ग्राम–स्वराज की अवधारणा में भारत के गाँवों को शिक्षित करने का बड़ा उद्देश्य निहित है। ग्रामीण भारत में उच्च शिक्षा के सुलभ होने से निःसंदेह ग्रामीण–शहरी विषमता कम होगी, ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रुकेगा और ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था उन्नत होगी। विश्वविद्यालय का ग्रामीण भारत में उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार का भगीरथ प्रयत्न सचमुच स्तुत्य है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्वविद्यालय की यह छवि प्रकाशित होने वाली पुस्तक में मुखर होगी। गतिशील वैश्विक परिस्थितियों के मध्य अब यह आवश्यक हो गया है कि हम अद्यतन शोध–निष्कर्षों को वास्तविक धरातल पर अपने संस्थानों में क्रियान्वित करें। इसी को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने 'नई शिक्षा नीति' को भी लागू किया है जिसमें 'इंडियन, इंटरनेशनल, इंपैक्टफुल, इंक्लूसिव तथा इंटरैक्टिव' सोच के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। इस नीति के माध्यम से हम अपनी ग्रामीण एवं पारम्परिक कलाओं, संस्कृति तथा शिक्षा को तो संरक्षित करेंगे ही, साथ ही विश्व के उपयोगी ज्ञान को भी आत्मसात करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अक्षरशः अनुपालन से भारत 'ज्ञान की महाशक्ति' तथा पुनः 'विश्वगुरु' के रुप में पुनर्स्थापित होगा।

इस अवसर पर पुस्तक का प्रकाशन प्रशंसनीय है क्योंकि पुस्तक अभिव्यक्ति का एक प्रबल एवं सुलभ माध्यम है। मुझे विश्वास है कि पुस्तक में विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की प्रगति तथा उपलब्धियों का समावेश होगा। निःसंदेह पुस्तक में लेख, संस्मरण तथा अन्य रचनाएँ पठनीय और ज्ञानवर्धक होंगी।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के पदाधिकारियों, कुलपति, शिक्षकवृंद एवं विद्यार्थियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ तथा पुस्तक "मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास" के प्रकाशन हेतु मंगलकामनाएँ।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

सत्यमेव जयते

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** नामक पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का गौरवशाली इतिहास रहा है। आदिवासी अंचल के चार जिलों उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और सिरोही के विद्यार्थियों को शिक्षित करने और उनका मार्गदर्शन करने में इस विश्वविद्यालय का महती योगदान रहा है। यहाँ शिक्षित विद्यार्थियों ने देश और दुनिया में नाम रोशन किया है।

आशा है इस उच्च शिक्षण संस्थान की स्थापना से लेकर उसकी अद्यतन उपलब्धियों को पुस्तक रुप में प्रकाशमान करने से यहाँ हुए शोध एवं अनुसंधान और अन्य संस्थागत और रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी एक महत्वपूर्ण दस्तावेज का रुप ले सकेगी।

मैं विश्वविद्यालय के इस प्रकाशन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(अशोक गहलोत)

डॉ. सी. पी. जोशी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा

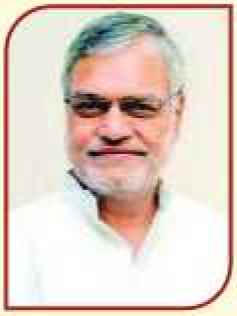

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि उदयपुर राजस्थान में स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अपने इतिहास तथा छः दशकीय विकास यात्रा को लेकर एक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहा है।

स्वाभाविक ही है कि **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** नामक इस पुस्तक में विश्वविद्यालय अपने समस्त पड़ावों, संघर्षों, योगदान और बाधाओं इत्यादि की विवेचना कर सुधी पाठकों के लिए उपलब्ध कराएगा। मेरी मान्यता है कि इस प्रकार की पुस्तकें पूर्ण निष्पक्ष तथा कठिन परिश्रम की मांग करती हैं ताकि विश्वसनीय एवं पठनीय सामग्री का प्रकाशन किया जा सके।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा इस पुस्तक में उन सभी गौरवपूर्ण तथ्यों एवं उपलब्धियों का यथास्थान इस प्रकार वर्णन किया जाएगा कि विश्वविद्यालय का विद्यार्थी वर्ग प्रेरित हो गर्व का अनुभव कर सके।

पुस्तक के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएँ।

(डॉ. सी. पी. जोशी)

भंवर सिंह भाटी
राज्य मंत्री,उच्च शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार)
राजस्व, उपनिवेशन एवं कृषि सिंचित क्षेत्रीय विकास
एवं जल उपयोगिता विभाग, राजस्थान सरकार
जयपुर-302005

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है तथा इस अवसर पर इस संस्थान द्वारा **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** नामक पुस्तक का प्रकाशन हो रहा है।

किसी भी अकादमिक संस्थान द्वारा अपनी विकास यात्रा का सुव्यवस्थित, क्रमिक तथा औपचारिक दस्तावेजीकरण न केवल वर्तमान पीढी को गर्व का भाव तथा सीख देता है बल्कि इससे आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा मिलती है । मुझे विश्वास है कि इस पुस्तिका में विश्वविद्यालय के गौरवमयी इतिहास व समस्त सूचनाओं का समावेश किया जाएगा।

इस पुस्तिका के सफल प्रकाशन हेतु विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएँ।

(भंवर सिंह भाटी)

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के साठवें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अपने अतीत की यादों को समेटते हुए **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** नामक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी अकादमिक संगठन की विरासत तथा समाज में दिया गया उसका योगदान प्रमुखतः शिक्षा एवं जनजागरुकता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका को इंगित करता है। अपनी संघर्षपूर्ण एवं गौरवशाली अकादमिक यात्रा को सुव्यवस्थित रूप से पुस्तकाकार रूप में प्रलेखीकरण कर शिक्षक समुदाय, विद्यार्थियों एवं आमजन को उपलब्ध कराना उच्च शिक्षा संस्थानों का दायित्व भी है।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की भांति एक आकर्षक एवं विश्वसनीय दस्तावेज सिद्ध होगी।

इस अवसर पर मैं अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करता हूँ।

(धीरेन्द्र पाल सिंह)

शुचि शर्मा, आई.ए.एस.
शासन सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा ऐतिहासिक विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तक **''मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का इतिहास''** का प्रकाशन किया जा रहा है। आशा है यह पुस्तक इस उच्च शिक्षा संस्थान की छः दशकीय यात्रा का सार्थक एवं सारगर्भित विवरण प्रस्तुत करेगी।

इस प्रकार के अकादमिक प्रयास न केवल विद्यार्थियों बल्कि आमजन के लिए भी महत्वपूर्ण दस्तावेज सिद्ध होते हैं तथा संस्थाओं के सतत् प्रवाह को गतिमान रखते हैं।

मेरी ओर से असीम शुभकामनाएँ।

(शुचि शर्मा)

शुभाशंसा

प्रो. अमेरिका सिंह
कुलपति
मो.ला.सु.वि.वि., उदयपुर

हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का इतिहास इस ग्रंथ के माध्यम से हम सबके हाथों में पहुँच रहा है। इतिहास कुछ घटना, परिस्थिति और उनमें किए गए मानवीय कार्य–प्रयासों का दस्तावेज ही नहीं बल्कि यह हमारे वर्तमान अस्तित्व या संरचना की भौतिक आधार भूमि और वैचारिक मूलाधारों के विस्तार का भी विवरण है। हमारा वर्तमान हमारे इतिहास का परिणाम है। इस तरह से हमारा वर्तमान हमारे भविष्य की भूमिका तय करता है। इतिहास से वर्तमान का प्रशिक्षण होता है और भविष्य के निर्माण के लिए मार्गदर्शन मिलता है। दूसरे तल का निर्माण प्रथम तल के बिना नहीं हो सकता है। प्रासाद की मनभावन ऊँचाई और आकर्षण का सुख आधार तलों की भारवाही क्षमताओं का प्रतिफल होता है। जो आनंद, समृद्धियाँ एवं अनुकूलताएँ हमें अपने वर्तमान से प्राप्त हो रही हैं उनके भीतर हमारे इतिहास के संघर्ष, हमारे पूर्वजों के परिश्रम, ज्ञान, कौशल, तप और दूरदर्शिता के सर्वोच्च मानवीय गुण सन्निहित हैं। वर्तमान में हमारा दृष्टिकोण और आचरण देहली–दीपक की तरह होता है जिसके एक ओर इतिहास है और दूसरी ओर भविष्य।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। छह दशकों की विकास यात्रा की इस कालावधि में अनेक मोड़ और पड़ाव आए हैं जिन्होंने विश्वविद्यालय की दिशा तय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। इतिहास में घट चुकी घटनाएँ और उनके साथ प्राप्त हुए हमारे अनुभव हमें सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देते हैं। साथ ही आकांक्षाओं और जिज्ञासाओं की पूर्ति हमारे भीतर उत्साह–उमंग का संचार करती है। वैचारिक तृप्ति सर्वोपरि और विलक्षण होती है। इस तृप्ति से हमेशा आनंद का अनुभव होता है और यह अनुभूति अपने साथ कुछ नए विचारों को जन्म देने वाली बौद्धिक उर्वरता भी लेकर आती है। वैचारिक विश्लेषण की योग्यता और क्षमता का विकास ज्ञानार्जन का मुख्य उद्देश्य होता है। विश्वविद्यालय के जीवन में जहाँ ज्ञान की उपासना ही सर्वप्रधान होती है वहाँ समस्त अनुशासनों में चारों दिशाओं से आने वाले विचार अभिनंदनीय होते हैं। कल्याणप्रद विचारों का सभी ओर स्वागत करना हमारी वैदिक मान्यता भी है– 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः'। अपने ऐतिहासिक अनुभवों से परिपक्व हुए हमारे विचार समकालीन नवाचारों को अधिक समृद्ध करते हैं और ज्ञान के अभिनव आयामों के सृजन और विस्तार में भी सहयोग करते हैं। समृद्ध वैचारिकी सदैव ही निरंतर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है, यह भी हमारा अनुभूत सत्य है।

मुझे अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि इस ग्रंथ में न केवल हमारी वैचारिक समृद्धि की विकास यात्रा पर पर्याप्त विमर्श किया गया है अपितु हमारे आधारभूत संरचनात्मक विकास और विस्तार की विकास यात्रा को भी पर्याप्त स्थान दिया गया है। विभिन्न अध्यायों में विभक्त इस ग्रंथ के माध्यम से हम विश्वविद्यालय के किसी भी

संभावित विकास आयाम का सुगमता से अधिगम कर सकते हैं। यह इतिहास भविष्य में, उच्च शिक्षा जगत के विकास के लिए आलोक स्तम्भ की तरह उसका मार्गदर्शन करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

बीज से वटवृक्ष बनने तक की समग्र कथा को लेखनी से लिख पाना निश्चय ही असंभव सा कार्य है, लेकिन हमारे विश्वविद्यालय के विद्वान् आचार्य प्रो. सुरेंद्र कटारिया के ऊर्जावान् नेतृत्व में संपादक मण्डल के निष्ठावान् शिक्षक साथियों ने परिश्रमपूर्वक विश्वविद्यालय के इतिहास लेखन के मेरे एक विचार को महत्त्वपूर्ण ग्रंथ के रूप में साकार कर दिया है। इसके लिए इन्हें वर्धापन और शुभाशीष प्रदान करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कर्मचारी अपने यशस्वी इतिहास से प्रेरणा लेकर वर्तमान में अपनी भूमिका को समझेंगे और विश्वविद्यालय के नए इतिहास सृजन के लिए अपनी भूमिका तय करेंगे। भविष्य में जब भी इस ग्रंथ के नए संस्करण प्रकाशित होंगे तब उनमें आपके योगदान और कीर्तिमान अवश्य लिखे जाएंगे। हमारे विश्वविद्यालय से इतर उच्चशिक्षा जगत में कार्यरत विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों आदि के लिए भी यह ग्रंथ अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा तथा उनके संस्थागत और अकादमिक विकास और विस्तार की योजनाओं के निर्माण में सहयोगी होगा।

अंत में मैं इस विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय के इतिहास ग्रंथ के प्रकाशन के इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर अपने माननीय कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी के प्रति विनम्रतापूर्वक आभार प्रकट करता हूँ जो निरंतर हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान अशोक गहलोत जी एवं माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी जी के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जो विश्वविद्यालय के विकास के लिए हमें सतत प्रोत्साहित करते हैं। हमारे विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य एवं राजस्थान प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ. सी. पी. जोशी जी के प्रति भी मैं आभारी हूँ जो विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास के लिए सदैव सद्भावना रखते हैं।

विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों कर्मचारियों शोधार्थियों और छात्रों को इस अवसर पर बधाई देता हूँ और ग्रंथ के संपादक मंडल को स्वर्णिम और उज्ज्वल अकादमिक भविष्य के लिए पुनः शुभकामनाएँ समर्पित करता हूँ। इतिहास का सृजन निरंतर जारी है। प्रतिदिन सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच प्राप्त होने वाले जीवन की इस प्रकाश रेखा में हम अपने मन–वचन–कर्म या पुरुषार्थ से जो कुछ कर रहे हैं उसी का स्वार्थरहित, लोकोपयोगी और सर्वोत्तम प्रेरक तत्त्व इतिहास में स्थान प्राप्त करेगा। आइए हम सब इस जीवन और प्राप्त हुए आज के दिन को सकारात्मकता और सृजनात्मकता के साथ भरपूर जीएँ क्योंकि आनन्दपूर्ण आज का दिन भी इतिहास में दर्ज होने वाला है।

प्रो. अमेरिका सिंह

आमुख

किसी भी राष्ट्र, समाज, संस्थान, कुल या व्यक्ति का इतिहास जानना और पढ़ना, दोनों ही रोमांचकारी अनुभव होते हैं किंतु इतिहास की घटनाओं के विश्वसनीय स्रोत ढूँढ़ना, उपलब्ध सूचनाओं की सत्यता जाँचना और उन्हें वर्तमान की आवश्यकताओं और संदर्भ में विश्लेषित कर निष्पक्ष, प्रामाणिक एवं पठनीय स्वरूप में प्रस्तुत करना निःसंदेह असंभव न सही किंतु कठिन कार्य अवश्य होता है, इसीलिए कहा गया है–

श्लाघ्यः स एव गुणवान् रागद्वेषबहिष्कृता।

भूतार्थकथने यस्य स्थेयस्येवसरस्वती।।

–कल्हण (राजतरंगिणी 1/7)

अर्थात् वही गुणवान प्रशंसनीय है जिसकी वाणी रागद्वेषों का बहिष्कार कर न्यायाधीश के समान भूतकालीन घटनाओं को यथार्थ रुप में प्रस्तुत करती है।

यह पुस्तक उपर्युक्त विचार पद्धति का ही समुचित अनुगमन करते हुए पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के इतिहास एवं उपलब्धियों को लेकर लिखी गई यह पुस्तक माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के मौलिक विचार एवं पहल का सुपरिणाम है। इस संपादित पुस्तक की सूचनाओं का मुख्याधार विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालयों में उपलब्ध वार्षिक प्रतिवेदन, फाईलें, रिपोर्ट्स तथा पत्राचार और विश्वविद्यालयों के विभागों एवं अन्य विशिष्ट इकाइयों से प्राप्त दस्तावेज रहे हैं तथापि राजस्थान राज्य अभिलेखागार, जिला गेजेटियर्स, विभिन्न वेबसाईट्स तथा वरिष्ठ व्यक्तियों के साक्षात्कारस्वरूप मिले संस्मरण भी सहायक रहे हैं। यह ग्रंथ सामाजिक अनुसंधान की अवलोकन (Observation) एवं अन्तर्वस्तु विश्लेषण (Content Analysis) पद्धतियों के अनुप्रयोग से लिखा गया है।

इस पुस्तक के लेखन के क्रम में हमें बहुत सारी संस्थाओं, विभागों तथा महानुभावों से मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ है। इस क्रम में संपादक मंडल सर्वप्रथम प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को अपना आभार प्रदर्शित करता है जिन्होंने इस टीम पर विश्वास प्रकट करते हुए यह गुरुतर दायित्व सौंपा और हमेशा प्रोत्साहित करते रहे। हम पुस्तक–प्रकाशन हेतु आशीर्वचन प्रदान करने के क्रम में डॉ. सी. पी. जोशी, विधानसभा अध्यक्ष, श्री अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, श्री कलराज मिश्र, महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री भंवर सिंह भाटी, उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान, प्रो. डी. पी. सिंह, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा श्रीमती शुचि शर्मा, शासन सचिव उच्च शिक्षा, राजस्थान सरकार के ह्रदय के अंतः स्थल से आभारी हैं। अपने संस्मरणों से इस कृति को समृद्ध बनाने वालों में सर्व श्री हरिशंकर द्विवेदी, डॉ. गिरिजा व्यास, प्रो. आर. के. राय, प्रो. बी. एल. चौधरी, प्रो. आई. वी. त्रिवेदी, प्रो. कैलाश सोडाणी, प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत, प्रो. आर. एन. व्यास, प्रो. के. एस. गुप्ता, प्रो. प्रेम सुमन जैन, प्रो. अरुण चतुर्वेदी, प्रो. शरद श्रीवास्तव, प्रो. जी. सोरल, प्रो. के. एल. कोठारी, श्री ए. एस. खान तथा श्री ए. एल.सहलोत को बहुत–बहुत साधुवाद समर्पित करते हैं।

हम प्रो. एस. एल. शर्मा (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर), प्रो. सी. आर. सुथार, प्रो. पी. के. सिंह, प्रो. करुणेश सक्सेना प्रो. सुधीश कुमार, प्रो. आई. एम. कायमखानी, डॉ. आनंद मंगल वाजेपयी, डॉ. सुनीता चौधरी, डॉ. सी. एम. कटारिया और प्रो. जी. एस. कुम्पावत द्वारा तत्काल उपलब्ध करवायी गई सहायता एवं आशीर्वाद के लिए उनके सम्मुख नतमस्तक हैं। राजस्थान विधानसभा के अन्वेषण एवं संदर्भ अधिकारी श्री विनोद मिश्रा तथा राजस्थान राज्य अभिलेखागार, उदयपुर के श्री बसंत सिंह सोलंकी और श्री सोहन लाल डामोर द्वारा प्रदत्त सहायता हेतु हम उनके आभारी हैं।

पुस्तक के मुख्यपृष्ठ की आकर्षक डिजाइनिंग की परिकल्पनाकर्ता प्रो. हेमन्त द्विवेदी एवं डॉ. शाहिद परवेज तथा इसकी कम्प्यूटर ग्राफिक्स निर्मित करने वाले श्री मनोज कलोशिया एवं श्री राजेश पाण्डे को हम सादर धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। सम्पादन – सहायता हेतु डॉ. राहुल कटारिया को भी हम अपना आभार प्रदर्शित करते हैं।

पुस्तक का संपादक मंडल विश्वविद्यालय के समस्त प्रशासनिक पदाधिकारियों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, इकाई प्रभारियों तथा कार्मिकों को अपना धन्यवाद ज्ञापित करता है जिनकी सहायता के बिना इस पुस्तक का प्रकाशन नितांत असंभव था।

प्रशासनिक पद स्थिति में अतिरिक्त और विशेष सहायता प्रदान करने के लिए हम सर्व श्री भूपेश माथुर, श्री एस. के.जैन, डॉ. आर. सी. कुमावत, श्री मुकेश बारबर, प्रो. कनिका शर्मा, प्रो. बी. एल. आहूजा, प्रो. सीमा मलिक, प्रो. एन. लक्ष्मी, प्रो. मंजू बाघमार, प्रो. एम. एस. राठौड़, प्रो. हनुमान प्रसाद, प्रो. जी. एस. राठौड़, प्रो. प्रदीप त्रिखा, प्रो. पी. एम. यादव, प्रो. अनिल कोठारी, प्रो. निधि राय, प्रो. आनंद पालीवाल, प्रो. सीमा जालान, डॉ. मीनाक्षी जैन, डॉ. रितेश पुरोहित, डॉ. राजश्री चौधरी, डॉ. शिल्पा सेठ, डॉ. गिरिराज सिंह चौहान, डॉ. दीपा सोनी, डॉ. सतीश चंद, डॉ. आर. एम. लोढ़ा, डॉ. अविनाश पँवार, डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. अंजलि सिंह, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. राजकुमार व्यास, श्रीमती कोपल वत्स, डॉ. पी. एस. राजपूत, डॉ. एन. के. पारीक, श्री रमेश जारोली, डॉ. एस. आर. मेनारिया, श्री एम. के. व्यास, श्री मांगीलाल भील, श्री हेमंत कुमावत, श्री भँवर सिंह चौहान, श्रीमती एकता शर्मा, श्री दिनेश जोशी, श्री रमेश कुमावत, श्री पी. एस. आमेटा, श्री दिनेश हरकावत, श्री हर्षवर्धन सिंह कृष्णावत, श्री अंकुर भटनागर, श्री जीवन वैष्णव, श्री शंकर लाल डांगी, श्री कृष्ण मुरारी, श्रीमती चेतना काबरा, श्री राकेश जैन, श्री एच. काजी, श्री प्रमोद पालीवाल, श्री संपत सिंह राव, डॉ. भूपेंद्र आर्य, श्री महेश सोनी, श्री ई. एस. श्रीकुमार, श्री जगदीश गुर्जर, डॉ. रेखा बैरवा, श्री पुष्पेंद्र पुरोहित, श्री दिलीप शर्मा, श्रीमती मीनाक्षी सेन, श्री नरेंद्र बुनकर, श्री गणपत लाल माली, श्री हितेश सालवी, श्री खेमराज डांगी, श्री विनीत चौबीसा, श्री गिरिजा शंकर मेनारिया, श्री मुन्ना गमेती, श्री दीपक वर्मा, श्रीमती दिव्यानी सेन, श्री चंपालाल गमेती इत्यादि को धन्यवाद ज्ञापित करना अपना पुनीत कर्त्तव्य मानते हैं।

पुस्तक की आकर्षक एवं संतुलित फोरमेटिंग के लिए श्री मोहम्मद कुदुस तथा सीमा प्रिन्टर्स को भी अपना साधुवाद ज्ञापित करते हैं।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि पुस्तक के उत्तरवर्ती भाग में वर्णित सूचनाएँ संबंधित विभाग या इकाई से प्राप्त सामग्री पर आधारित हैं तथा शुरुआती अध्यायों के लेखकों से संबंधित भाग की सामग्री निजी तरीकों एवं दायित्वों से एकत्रित एवं वर्णित की है। आशा है यह कृति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिवार एवं अन्य सभी जिज्ञासु पाठकों की अकादमिक क्षुधा पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होगी। समालोचनाओं का सदैव स्वागत है।

संपादक मण्डल

1 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास यात्रा (Evolution of Mohanlal Sukhadia University)

प्रो. एस. के. कटारिया, प्रो. नीरज शर्मा, डॉ. मनीष श्रीमाली, मुरलीधर पालीवाल

''अतीत के जिस अंश तक प्रमाण की किरणें पहुँच सकती हैं, उसे हम इतिहास की संज्ञा देते हैं, जो जीवन के स्पंदन से रहित इतिवृत मात्र है, जो हमारे तर्क की सीमा के पार घटित हो चुका है वह पुराण की सीमा में आबद्ध होकर जीवन की ऐसी गाथा बन जाता है जिसमें इतिवृत का सूत्र खोजना कठिन है।''

महादेवी वर्मा

भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत ब्रिटिश काल में हुई। उस समय भारत के कुछ प्रांतों में प्रत्यक्ष ब्रिटिश शासन था जबकि राजपूताना सहित कई क्षेत्र देसी रियासतों के अधीन संचालित होते थे। स्वतंत्रता से पूर्व राजस्थान को राजपूताना के नाम से जाना जाता था। यह राजपूताना उस समय के प्रमुख राजपूत राजवंशों के अधीन कई रियासतों में विभाजित था। तत्समय की प्रमुख रियासतें– जयपुर, जोधपुर, बीकानेर एवं मेवाड़ थी। कुल 19 देसी रियासतों तथा 3 चीफशिप में विभक्त राजपूताना के दक्षिण भाग में मेवाड़ नाम की प्रमुख रियासत थी। मेवाड़ पर गुहिल वंश का शासन था जो लगभग 7वीं शताब्दी से इस क्षेत्र पर शासन कर कर रहा था। यह राजपूताना का सबसे प्राचीन राजवंश भी था। स्वतंत्रता पूर्व के मेवाड़ को देखें तो वर्तमान के उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ को मिलाकर मेवाड़ का निर्माण होता था। चूंकि यह दक्षिण राजपूताना की सबसे बड़ी एवं प्रभावशाली रियासत थी अतः ब्रिटिश काल से ही यह राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से इस क्षेत्र में अग्रगामी रही। यहाँ पर प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा का विकास शनैःशनैः हुआ।

रियासत काल में शिक्षा तंत्र

डॉ. मनीष श्रीमाली

पाश्चात्य शिक्षा व्यवस्था के आगमन से पूर्व परिवार एवं समुदाय ही शिक्षा के मुख्य स्थान हुआ करते थे, जहाँ घर के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा मिलती थी। सांस्कृतिक परंपराओं–नियमों एवं वंशानुगत व्यवसाय की शिक्षा के अतिरिक्त ज्ञानार्जन हेतु बालक को विद्यालय भेजा जाता था या घर पर ही शिक्षक नियुक्त किये जाते थे। मध्यकालीन शिक्षा के उद्देश्य धर्म से प्रभावित होने के कारण शिक्षण संस्थाएँ भी प्रत्येक धर्म के अनुरूप पृथक् अस्तित्व लिए हुए थी। हिन्दुओं के प्राथमिक शिक्षा केन्द्र 'पाठशाला' हुआ करते थे तथा अध्यापक को गुरु कहा जाता था और वे मुख्यतः ब्राह्मण होते थे। हिंदुओं के उच्च शिक्षा केन्द्र अस्थल और मठ होते थे। जैनियों के शिक्षा के स्थल 'उपासरा' कहलाते थे। ये प्राथमिक और उच्च दोनों ही प्रकार की शिक्षा के केन्द्र होते थे। शिक्षकों को 'जती' कहा जाता था उपासरा की शिक्षा में उनके साधुओं के प्रवचन सुनना और प्राचीन पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपि तैयार करने पर अधिक बल दिया जाता था। मुस्लिम शिक्षा में 'मकतब' प्राथमिक शिक्षा के केन्द्र थे तथा 'मदरसे' और मस्जिद उच्च शिक्षा के केन्द्र थे। मकतबों में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने का कार्य मौलवी करते थे। मदरसों एवं मस्जिद में उच्च शिक्षा प्रदान करने का कार्य धर्मगुरु उलेमा करते थे। उपरोक्त शिक्षण संस्थाओं के अतिरिक्त चौपाल, दुकानें तथा गुरुगृह भी शिक्षा के केन्द्र थे। एकलिंगजी में प्राप्त शिलालेख में भृगु आश्रम के विवरण से गुरुगृह शिक्षा व्यवस्था के प्रचलन की जानकारी प्राप्त होती है। यह व्यवस्था आश्रम व्यवस्था के समान ही थी, इसमें बालक गुरु के घर पर रह कर ही अध्ययन करता था। राजपरिवार के बालक भी इस प्रकार के आश्रमों में अध्ययन हेतु जाते थे।

उच्च शिक्षा के केन्द्र के रूप में 19वीं सदी में मेवाड़ में मठ व्यवस्था प्राचीन परिपाटी के रूप में प्रचलित थी। महाराणा भीमसिंह के काल में तीर्थ गुरुकाक द्वारा सन् 1807 में लिखे गये पत्र से ज्ञात होता है कि उनके पूर्वजों ने वर्ष 1680–98 में अपना मठ वहाँ स्थापित किया था। गुरुकाक के पूर्वज महाराणा जयसिंह के शिक्षक थे। इसके अतिरिक्त भीलवाड़ा में आत्मानंद गिरीराज का मठ था यहाँ अनेक नागरिक ज्ञान अर्जित करते थे। विद्यागुरु बैजनाथ का आश्रम भी प्रसिद्ध था। मठों के समान ही मेवाड़ में आश्रम भी स्थापित किए गए। उदयपुर में सर्वप्रथम मठ आश्रम अस्थल की स्थापना मारवाड़ के स्वामी नारायण शरण देवाचार्य ने सन् 1681 में की थी। उन्हें महाराणा जयसिंह ने सूरजपोल में भूमि भेंट का खरिता प्रदान किया। उदयपुर में वेदान्त दर्शन की द्वैताद्वैत शाखा को शिक्षा के स्वरूप में प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य एवं ऋषि मनु की प्रेरणा के अनुरूप अस्थल आश्रम की स्थापना की गई थी। उदयपुर के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर लगभग 30 मठ–आश्रम थे। इनमें लादूवास का मठ प्रमुख था।

इन्हीं महंतों की संतति में महंत माधव दास जी बड़े शिक्षा–प्रेमी एवं दूरदर्शी थे। उन्होंने शिक्षा में नवीन स्वरूप, जिसका की भारत में प्रारंभ होने लगा था, का उदयपुर अस्थल में परिचय कराया। इसके लिए यहाँ एक पृथक् माधव किशोर एंग्लो–वर्नाक्यूलर विद्यालय की स्थापना की गई। इस पाठशाला में संस्कृत एवं आध्यात्मिक शिक्षा के अतिरिक्त हिन्दी एवं अंग्रेजी भी पढ़ाई जाती थी।

मेवाड़ में आधुनिक शिक्षा

मेवाड़ में शिक्षा की आधुनिक स्थिति को देखें तो यह प्रारंभ सन् 1818 में यहाँ के शासक भीमसिंह द्वारा मराठा आक्रमण एवं आंतरिक समस्याओं के समाधान हेतु अंग्रेजों के साथ की गई संधि के साथ होता है। आरंभ में शिक्षा पर अंग्रेजी प्रभाव बहुत कम था। शिक्षा में बदलाव शनैः शनैः क्रमिक रूप से हुआ जो मोटे तौर पर कुछ इस तरह से समझा जा सकता है–

वर्ष 1818 से 1862 का काल आधुनिक शिक्षा के प्रारंभ का काल था। भारत में सन् 1817 में कोट्टायम में चर्च मिशनरी सोसायटी का 'CMS college' तथा कोलकाता में 'हिन्दु कॉलेज' देश के प्रथम आधुनिक महाविद्यालय थे तथा जनवरी, 1857 में कलकत्ता, बम्बई एवं मद्रास में विश्वविद्यालय स्थापित हुए अतः इस समय प्रचलित शिक्षा व्यवस्था में कोई द्रुत परिवर्तन नहीं दिखाई पड़ते हैं। सन् 1813 के चार्टर एक्ट के द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी भारत में प्रति वर्ष एक लाख रुपये शिक्षा पर व्यय करने की घोषणा कर चुकी थी। सन् 1835 में लॉर्ड मैकाले द्वारा भावी शिक्षा व्यवस्था पर नीति जारी की जा चुकी थी तथा सन् 1854 में वुड डिस्पैच की घोषणा एवं उस नीति का क्रियान्वयन भी हो चुका था अतः यह दौर ब्रिटिश भारत में शिक्षा के विकास का एक महत्त्वपूर्ण काल खंड था किंतु इस परिवर्तन से अछूता रहा मेवाड़ भी बदलाव की बयार महसूस कर रहा था। सन् 1818 से 1862 के मध्य मेवाड़ की शिक्षा पूर्णतः देशी शिक्षा पर आधारित थी एवं उसका अध्यापन क्षेत्र भी अधिक व्यापक नहीं था। यद्यपि सन् 1818 में मेवाड़ का ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ समझौते के पश्चात् मेवाड़ का अंग्रेजों से संपर्क प्रारंभ हो गया था किंतु अंग्रेजों ने सन् 1863 से पूर्व मेवाड़ की शिक्षा प्रणाली को प्रभावित नहीं किया।

सन् 1818 में मेवाड़–ब्रिटिश संधि होने के पश्चात् तत्कालीन मेवाड़ के सामाजिक एवं आर्थिक जन–जीवन पर कोई मौलिक प्रभाव नहीं पड़ा अतः यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को उद्देश्य एवं स्वरूप के आधार पर ही निर्धारित किया जाता था। 19वीं शताब्दी के सत्तरवें दशक तक शिक्षा का पाठ्यक्रम मध्यकालीन शिक्षा व्यवस्था के अनुरूप–लिखना, पढ़ना एवं साधारण हिसाब तक ही सीमित रहा। संस्कृत एवं राजस्थानी भाषा के अतिरिक्त उर्दू और फारसी भाषाओं का भी अध्ययन किया जाता था। इन भाषाओं का शाब्दिक ज्ञान कराकर छात्र को इस स्तर का बना दिया जाता था, जिससे वह अपने धर्म से सम्बन्धित पुस्तकों का ज्ञान प्राप्त कर सके। हिसाब के अध्ययन में अंक बत्तीसी एवं पहाड़ा पट्टी पढ़ाई जाती थी। इनके माध्यम से अंकों का ज्ञान एवं पहाड़े सिखाये जाते थे। शिक्षा के दूसरे चरण में धर्मशास्त्रों और इतिहास के माध्यम से नैतिक–सांस्कृतिक शिक्षा एवं राष्ट्रीय भावनाओं को प्रेरित करने वाली शिक्षा प्रदान की जाती थी। राजपूताना में प्रथम स्कूल सन् 1819 में अजमेर में डेविड ऑक्टोरलोजी के प्रयासों से शुरु हुआ तथा सन् 1836 में अजमेर में राज्य का पहला आधुनिक सरकारी स्कूल शुरु हुआ जो सन् 1868 में इण्टरमीडिएट तथा सन् 1869 में स्नातक कॉलेज में परिवर्तित हुआ। इसके बाद जयपुर, जोधपुर तथा बीकानेर रियासतें नवीन शिक्षा पद्धति की ओर बढ़ी।

मेवाड़ में आधुनिक शिक्षा का प्रारंभ सन् 1863 से होता है। यद्यपि इस समय तक सन् 1835 में मैकाले के निर्देशन में यूरोपीय पद्धति आधारित नई शिक्षा व्यवस्था का प्रारंभ हो चुका था तथा सन् 1857 में कलकत्ता, मद्रास एवं बम्बई में लंदन विश्वविद्यालय के तर्ज पर विश्वविद्यालय प्रारंभ किए गए अतः देशभर में नई शिक्षा पद्धति को अपनाया जाने लगा था। ए.जी.जी. एवं रेजिडेंटों के प्रभाव से मेवाड़ भी इस बदलाव से बच न सका। महाराणा शंभूसिंह के काल में बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने हेतु **जनवरी, 1863 में एक पाठशाला की स्थापना** की गई। चूंकि पाठशाला की स्थापना महाराणा शंभूसिंह के आदेश से हुई थी, अतः इसे 'महाराणा शंभूसिंह साहिब का मदरसा' भी कहा जाता था। इसकी स्थापना में रेजिडेंट कर्नल ईडन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। जगदीश चौक, उदयपुर में बना **यह मेवाड़ का प्रथम सरकारी विद्यालय था**। सन् 1873 में यह क्रमोन्नत होकर राज्य का प्रथम मिडिल स्कूल बना। सन् 1874 में महाराणा शंभूसिंह की मृत्यु हुई, जिसके पश्चात् उनका दत्तक पुत्र सज्जनसिंह मेवाड़ का महाराणा बना। इन्होंने अपने पिता की स्मृति, उनके गुरुरत्नेश्वर की विद्यालय निर्माण में योगदान की स्मृति तथा गुरु–शिष्य की भारतीय परम्परा के अनुरूप विद्यालय का नाम– 'शंभू–रत्न पाठशाला' रखा। यह पाठशाला प्रमुख रूप से लड़कों की शिक्षा का स्थल था। पॉलिटिकल एजेन्ट कर्नल निक्सन द्वारा महाराणा को परामर्श देने पर **सन् 1866 में उदयपुर में पहली बार कन्या विद्यालय खोला गया**। सन् 1871 तक संपूर्ण मेवाड़ में केवल दो ही राजकीय विद्यालय थे– एक लड़कों का और दूसरा लड़कियों का और दोनों ही उदयपुर में ही स्थित थे। सन् 1872 में एक राजकीय विद्यालय, भीलवाड़ा में एवं एक अन्य विद्यालय मेवाड़ की पूर्व राजधानी चित्तौड़गढ़ में स्थापित किया गया।

इस प्रकार सन् 1863 में 'पाठशाला' के निर्माण के साथ जिस श्रेष्ठ धारा का सूत्रपात हुआ उसका बहाव शनैः शनैः मेवाड़ के अन्य क्षेत्रों में भी होने लगा। सन् 1873 तक मेवाड़ में चार विद्यालय थे जिनमें से एक मिडिल तक था। मिडिल स्कूल अर्थात् माध्यमिक विद्यालय जिसमें बच्चों को आठवीं कक्षा तक शिक्षित किया जाने लगा। सन् 1865 में मेवाड़ के कुछ प्राथमिक विद्यालयों में अंग्रेजी का

अध्ययन–अध्यापन प्रारंभ किया गया। इस कालखंड के प्रारंभिक वर्षों में शिक्षा का मूल उद्देश्य मेवाड़वासियों को मात्र साक्षर बनाना था। सन् 1865 के बाद राज्य द्वारा अनुभव किया गया कि मात्र अक्षर ज्ञान तक ही शिक्षा को सीमित रखना शिक्षा के विकास के मार्ग को अवरुद्ध करना होगा अतः यहाँ शिक्षा शास्त्रियों द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान की अभिवृद्धि हेतु पाठ्यक्रम की सुव्यस्थित रूपरेखा बनाई गई।

मेवाड़ में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरुकता एवं विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि ने विद्यालयों के प्रसार पर बल दिया। राज्य में निरन्तर शैक्षणिक गतिशीलता एवं आधुनिक शिक्षा के महत्त्व को देखते हुए पॉलिटिकल ऐजेन्ट मेवाड़ कर्नल इम्पी ने सन् 1877 में एक शिक्षा समिति का गठन किया जिसके अध्यक्ष स्वयं महाराणा थे एवं उपाध्यक्ष पोलिटिकल एजेन्ट मेवाड़ नियुक्त हुए। इस शिक्षा समिति ने ब्रह्मपोल ब्रांच स्कूल एवं दूसरा कुशलपोल ब्रांच स्कूल प्रारंभ किए। शिक्षा समिति ने राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी प्राथमिक विद्यालय प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा, फलस्वरूप राज्य के अनेक क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालय प्रारंभ किए गए।

मेवाड़ के आरंभिक विद्यालय

क्र. सं	विद्यालय का नाम	प्रारंभिक वर्ष
1.	शंभू–रत्न पाठशाला (महाराणा शंभू सिंह साहिब का मदरसा)	1863
2.	जावर विद्यालय	1875
3.	ऋषभदेव (केसरिया जी) विद्यालय	1875
4.	ब्रह्मपोल ब्रांच स्कूल	1877
5.	कुशलपोल ब्रांच स्कूल	1887
6.	जहाजपुर विद्यालय	1883
7.	सादड़ी विद्यालय	1883
8	कोटड़ा विद्यालय	1883

इस प्रकार वर्ष 1874–1884 के मध्य राज्य में कुल सात नये प्राथमिक विद्यालय एवं एक हाई स्कूल प्रारंभ किया गया । इससे मेवाड़ में सन् 1884 तक कुल 14 प्राथमिक विद्यालय, एक मिडिल स्कूल (सन् 1873 से प्रारंभ) एवं एक हाई स्कूल था।

महाराणा ने गैर सरकारी शैक्षणिक प्रयत्नों को भी सहयोग दिया। उन्होंने सन् 1877 में ईसाई मिशनरी संस्था– 'प्रेस ब्रिटेरिअन' मिशन संस्था को राज्य में विद्यालय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान कर स्वरूप सागर के निकट भूमि प्रदान की। बिशप शेफर्ड के नेतृत्व में उदयपुर में गणेशघाटी पर सर्वप्रथम एक प्राथमिक मिशनरी विद्यालय स्थापित किया गया। महाराणा सज्जनसिंह के काल में शिक्षा के विकास को तीव्र गति प्रदान की गई। उनके काल में शंभूरत्न पाठशाला को क्रमोन्नत करके सन् 1883 में हाई स्कूल बना दिया गया। **यह राज्य का प्रथम हाईस्कूल था**। उदयपुर में हाई स्कूल स्थापित होने के पश्चात् माध्यमिक शिक्षा का पाठ्यक्रम हाई स्कूल के पाठ्यक्रम के अनुरूप व्यवस्थित किया जाने लगा, जिससे छात्र को हाई स्कूल की उच्च शिक्षा प्राप्त करते समय विषयों के चुनाव में कठिनाई न हो। हाई स्कूल का पाठ्यक्रम प्रारंभ में कलकत्ता विश्वविद्यालय से प्रभावित था क्योंकि हाई स्कूल की परीक्षाओं के आयोजन का संबंध कलकत्ता विश्वविद्यालय से था। सन् 1887 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् मेवाड़ की हाई स्कूल की परीक्षाओं का संबंध इलाहाबाद विश्वविद्यालय से किया गया अतः सन् 1887 से राज्य का माध्यमिक एवं हाई स्कूल का पाठ्यक्रम भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रभावित होने लगा। सन् 1929 में राजपूताना, अजमेर–मेरवाड़ा सहित ग्वालियर एवं मध्य भारत के नये संयुक्त बोर्ड की, स्थापना की गई, जिसका मुख्यालय अजमेर रहा तथा पाठ्यक्रम को नये सिरे से पुनर्व्यवस्थित किया गया। इस नये बोर्ड की स्थापना से शिक्षा के विकास में विशेष प्रभाव पड़ा। अब तक नये विषयों का अध्ययन प्रारंभ करने के लिए संयुक्त प्रांत बोर्ड से उक्त विषयों की परीक्षा के लिए मान्यता लेनी पड़ती थी, चूंकि संयुक्त प्रांत बोर्ड के पास अधिक जिम्मेदारियाँ होने से वह राज्य द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की ओर शीघ्र ध्यान नहीं दे पाता था अतः सीमित पाठ्यक्रम का ही अध्ययन हो पाता था। वाणिज्य एवं आयुर्विज्ञान जैसे विषयों का अध्ययन राज्य में इस समय तक आरम्भ नहीं हुआ था।

सन् 1894 में मेवाड़ राज्य की शिक्षा समिति को भंग कर दिया गया। महाराणा के इस निर्णय का मेवाड़ की शिक्षा की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। नये विद्यालयों को प्रारंभ करने की गति में शिथिलता आ गई। जिसके परिणामस्वरूप अगले चार वर्षों तक कोई नया विद्यालय प्रारंभ नहीं किया जा सका। सन् 1930 में ही महाराणा भूपालसिंह ने राज्य के शिक्षा विभाग को पुनर्गठित किया तथा स्वतंत्र रूप से निर्देशक सरिश्ते तालिम पद का सृजन किया।

सन् 1901 में मेवाड़ राज्य की जनसंख्या 10.21 लाख थी जिसमें 4 प्रतिशत आबादी पढ़–लिख सकती थी। आजादी के समय यह आंकड़ा 8 प्रतिशत हुआ। उदयपुर शहर में बोहरा समुदाय बहुत आगे था क्योंकि उन्होंने वर्ष 1907–08 में प्राइवेट स्कूल स्थापित कर लिया था जिसमें उर्दू, फारसी, अरबी तथा हिंदी पढाई जाती थी और इसमें 200 लड़के एवं 150 लड़कियाँ अध्ययनरत थी।

महाविद्यालयीय शिक्षा व्यवस्था

सन् 1922 में इंटरमीडिएट कॉलेज की स्थापना के साथ ही मेवाड़ राज्य ने शिक्षा के विकास क्रम में प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई स्कूल के पश्चात् चतुर्थ सोपान के रूप में कॉलेज शिक्षा की ओर प्रारंभिक कदम उठाया। अजमेर के अतिरिक्त राजपूताना में जयपुर और जोधपुर के पश्चात् मेवाड़ चतुर्थ राज्य था जहाँ इंटरमीडिएट की कक्षाओं के अध्ययन की व्यवस्था की गई थी। प्रारंभ में इंटरमीडिएट कॉलेज की कक्षाएँ उदयपुर के प्राकृतिक प्रांगण सज्जननिवास बाग के नवलखा महल में प्रारम्भ की गई। इन कक्षाओं के साथ–साथ हाई स्कूल की कक्षाएँ जो कि पूर्व में जगदीश चौक स्थित शंभूरत्न पाठशाला के भवन में संचालित होती थी, उन्हें भी इंटरमीडिएट कक्षाओं के साथ नवलखा महल में स्थानान्तरित कर दिया गया था। सन् 1934 में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट कक्षाएँ शहर से डेढ़ मील दूर चम्पाबाग के समीप कॉलेज के लिए नवनिर्मित भवन (आज का विश्वविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय) में स्थानान्तरित कर दी गई।

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में महाविद्यालय शिक्षा से तात्पर्य उस शिक्षा से था जिसके अन्तर्गत विद्यार्थी हाई स्कूल अर्थात् दसवीं कक्षा के स्तर तक सीमित परिधि में ज्ञान अर्जित करने के उपरांत उस ज्ञान–क्षेत्र को विस्तृत करने हेतु कॉलेज में प्रवेश लेता था। उस काल में कॉलेज–शिक्षा तीन भागों में विभक्त थी– प्रथम इंटरमीडिएट जिसके अंतर्गत ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ, दूसरा स्नातक डिग्री कक्षाएँ जिसके अन्तर्गत तेरहवीं एवं चौदहवीं तथा तीसरा स्नातकोत्तर जिसमें पन्द्रहवीं एवं सोलहवीं कक्षाओं के पाठ्यक्रम का अध्ययन कराया जाता था। इंटरमीडिएट कक्षाओं की परीक्षाओं का आयोजन अजमेर स्थित राजपूताना बोर्ड द्वारा किया जाता था।

सन् 1921 में मेवाड़ की राजनैतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों में परिवर्तन होना प्रारंभ हो चुका था, तदनुसार ब्रिटिश सरकार की घोषणा के अनुसार राज्य–कार्यों में अनेक अधिकार युवराज भूपालसिंह को हस्तांतरित कर दिए गए। इसके अतिरिक्त उस समय यहाँ अतिवृष्टि का भी प्रकोप नहीं था। प्रथम विश्व युद्ध भी समाप्त हो चुका था। यद्यपि इस युद्ध के प्रभावों के कारण यहाँ की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं थी किंतु राज्य के विकास हेतु पुनः निर्माण एवं विकास कार्य किए गए। सन् 1921 में राज्य–कार्य संभालने के पश्चात् सर्वप्रथम युवराज भूपालसिंह ने सड़कों, स्कूलों एवं दवाखानों में धन लगाने की घोषणा की थी। इससे विकास कार्यों को नई गति प्राप्त हुई, फलस्वरूप सन् 1922 में उदयपुर में इंटरमीडिएट कॉलेज की स्थापना करके एक प्रगतिशील शैक्षणिक कदम उठाया गया। जुलाई, 1931 में **विद्या भवन सोसायटी** तथा अगस्त, 1937 में **राजस्थान विद्यापीठ** की स्थापना होने से उच्च शिक्षा का परिदृश्य बदलने लगा। उदयपुर में विद्याप्रचारिणी सभा के तत्त्वावधान में क्रमोन्नत रूप में सन् 1923 में भूपाल नोबल्स प्राथमिक स्कूल, सन् 1929 में हाई स्कूल, सन् 1954 में इंटरमीडिएट कॉलेज, सन् 1960 में डिग्री कॉलेज, सन् 1978 में पी. जी. कॉलेज तथा सन् 2015 में बी. एन. विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

सन् 1938 में प्रकाशित श्री देवनाथ पुरोहित की पुस्तक 'Mewar History: Guide to Udaipur' के अनुसार महाराणा इंटरमीडिएट कॉलेज के चंपा बाग स्थित भवन (आज का कॉमर्स कॉलेज) के निर्माण पर रुपये चार लाख की लागत आयी थी।

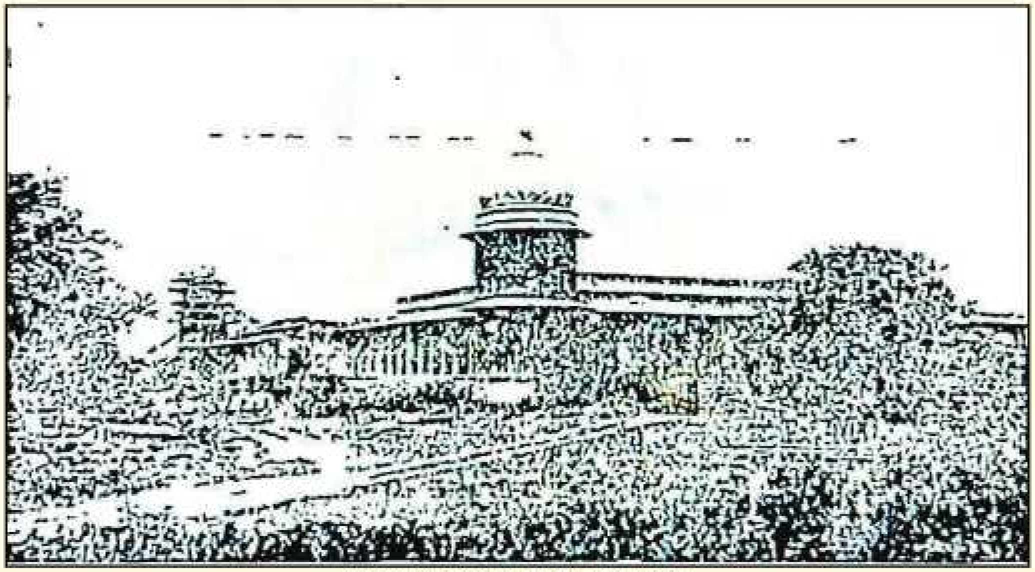

MAHARANA'S COLLEGE

(महाराणा इंटरमीडिएट कॉलेज का यह चित्र सर सुखदेव ठाकुर जसनगर की सन् 1938 में प्रकाशित पुस्तक 'Mewar Under Maharana Bhupal Singh Ji' से लिया गया है।)

महाराणा इंटरमीडिएट कॉलेज 24 वर्ष पश्चात् **1 जून, 1945 को क्रमोन्नत होकर डिग्री कॉलेज** बन गया। मेवाड़ में लंबे समय से उच्च शिक्षा के लिए डिग्री कॉलेज की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा था क्योंकि 20वीं शताब्दी के प्रारंभ से ही मेवाड़ में भी शिक्षा एवं रोजगार एक दूसरे के पूरक बनने लग गए थे। विशेषकर प्रथम महायुद्ध के पश्चात् रोजगार वंशानुगतता की बजाय अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं पर निर्भर होने लगे थे और उसके लिये उच्च शिक्षा की आवश्यकता थी। यद्यपि सन् 1940 में मेवाड़ सेन्ट्रल एडवाइजरी बोर्ड में गैर–सरकारी सदस्य हमीरलाल मुर्डिया ने महाराणा कॉलेज में तत्काल स्नातक कक्षाएँ प्रारंभ करने की जोरदार वकालत की तथा सभी सरकारी एवं गैर–सरकारी सदस्यों का भी उक्त प्रस्ताव को समर्थन प्राप्त हुआ किंतु आर्थिक कठिनाइयों वश राज्य सरकार उस प्रस्ताव को कार्यरूप देने में असमर्थ थी क्योंकि स्नातक कक्षाएँ प्रारंभ करने का अर्थ होता कि इंटरमीडिएट कॉलेज एवं हाई स्कूल को पृथक्–पृथक् भवनों में स्थानान्तरित किया जाए, जिसके लिए एक नये भवन एवं साज–सामान की आवश्यकता थी किंतु शिक्षा की बढ़ती मांग, छात्रों की संख्या एवं आवश्यकता को देखते हुए सन् 1945 में महाराणा कॉलेज में कला एवं विज्ञान दोनों ही संकायों में स्नातक स्तर की कक्षाएँ प्रारंभ की गई। इंटरमीडिएट एवं स्नातक कॉलेज की कक्षाएँ एक ही भवन में संचालित की गई तथा हाई स्कूल की कक्षाओं को नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित कर दिया गया और **जुलाई, 1945 में इसका नया नाम 'महाराणा भूपाल कॉलेज'** रखा गया। फतह स्कूल की स्थापना इसी समय पृथक् से हुई। यह नाम तत्कालीन महाराणा भूपालसिंह द्वारा उच्च शिक्षा के विकास में प्रदत्त योगदानों को ध्यान में रखते हुए उनके नाम पर रखा गया।

सन् 1921 से 1945 तक तीन प्राचार्य और अनेक प्राध्यापकों ने अपनी सेवाएँ कॉलेज को दी। इस इंटरमीडिएट कॉलेज के **प्रथम प्राचार्य कन्हैयालाल वर्मा थे**। ये उक्त पद पर सन् 1929 तक बने रहे। प्राचार्य कन्हैयालाल वर्मा ने विज्ञान की शिक्षा के लिये उपयुक्त व्यवस्था करने के उद्देश्य से कॉलेज में अनुसंधान कक्ष स्थापित करवाया तथा गैस प्लांट एवं पानी के पाईप और टैप की व्यवस्था भी करवाई थी। सन् 1928 में राजपूताना, अजमेर, मेरवाड़ा, ग्वालियर और मध्य भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिये स्थापित नये बोर्ड की संविधान सभा के ये सदस्य थे तथा बोर्ड की अंग्रेजी विषय कमेटी में भी सदस्य थे। इनके बाद सन् 1930 में लक्ष्मीलाल जोशी एवं सन् 1931 में सचीन्द्र बोस को प्राचार्य बनाया गया। महाराणा भूपाल कॉलेज में विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार प्राचार्य एवं प्राध्यापक की नियुक्ति का आधार योग्यता रखा गया था। स्नातक कॉलेज में सर्वप्रथम प्राचार्य के पद पर **डॉ. प्रफुल्ल चंद्र बसु** को नियुक्त किया गया, जो कि एम. ए., पीएच. डी. थे। मेवाड़ के शैक्षणिक इतिहास में पहली बार डॉक्ट्रेट की उच्च उपाधि प्राप्त व्यक्ति की नियुक्ति की गई थी।

उदयपुर में कॉलेज स्तर की शिक्षा व्यवस्था हो जाने के पश्चात् मेवाड़ सेन्ट्रल एडवाइजरी बोर्ड के गैर–सरकारी सदस्य हमीरलाल मुर्डिया एवं रामचन्द्र समदानी ने भीलवाड़ा में कॉलेज शिक्षा प्रारंभ करने की पुरजोर माँग की, किंतु वे उस मांग को मनवाने में सफल नहीं हुए।

कानूनी शिक्षा

सन् 1886 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कानून से संबंधित अध्ययन प्रारंभ हुआ। सरकार ने उच्च न्यायालयों के वकीलों के लिए कानून में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य घोषित कर दिया अर्थात् एलएल. बी. डिग्री होना आवश्यक हो गई। वर्ष 1887 से 1928 तक मेवाड़ का इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबंध था। उस विश्वविद्यालय में होने वाले परिवर्तनों से मेवाड़ के विद्यार्थी प्रभावित अवश्य होते थे अतः मेवाड़ के छात्र एलएल. बी. के अध्ययन हेतु इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अतिरिक्त लखनऊ एवं बनारस विश्वविद्यालय में भी जाने लगे। कानून की शिक्षा की ओर बढ़ते आकर्षण को देखकर सन् 1946 में उदयपुर के महाराणा भूपाल कॉलेज में भी एलएल. बी. की कक्षाएँ प्रारंभ की गई। स्थानाभाव के चलते ये कक्षाएँ सायंकाल आयोजित होती थी।

तकनीकी शिक्षा

मेवाड़ में जिस **तकनीकी शिक्षा** को विकसित करने का सबसे अधिक प्रयत्न हुआ, वह कृषि थी। चूंकि मेवाड़ उस समय कृषि प्रधान राज्य था और यहाँ के अधिकांश निवासियों की आजीविका कृषि पर आधारित थी अतः कृषि की नवीन तकनीकें कृषकों तक पहुँच पाए, इस हेतु सन् 1930 से प्राथमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में कृषि को अनिवार्य विषय में रखा गया। प्राध्यापक भी विद्यालयों में विद्यार्थियों को कृषि की जानकारी समुचित रूप से प्रदान कर पाएँ इस उद्देश्य से (माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को कृषि की जानकारी प्रदान करने हेतु)'लम्बरदार विद्यालय' में सन् 1930 से नार्मल कक्षाएँ प्रारंभ की गई। सन् 1936 से माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी कृषि विषय को अनिवार्य पाठ्क्रम में सम्मिलित किया गया। वर्ष 1938–1939 में इन्टरमीडिएट कॉलेज में भी कृषि विषय का अध्यापन प्रारंभ किया गया, किंतु कॉलेज में कृषि अध्ययन को अनिवार्य विषय में सम्मिलित न कर वैकल्पिक विषय के रूप में रखा गया। इस प्रकार मेवाड़ में कृषि से संबंधित नवीन तकनीक से नागरिकों को परिचय कराने का प्रयत्न शिक्षा के प्राथमिक स्तर से ही प्रारंभ कर दिया गया था। साथ ही ग्रामीण नागरिकों को भी कृषि की नवीन तकनीक से प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से ग्रामों में रात्रि–कक्षाएँ प्रारंभ की गई।

विश्वविद्यालय की योजना

सन् 1922 में प्रथम कॉलेज की स्थापना के होने से सन् 1948 तक की 26 वर्षों की मध्यावधि में मेवाड़ में कुल पाँच महाविद्यालय स्थापित किए गए थे। सन् 1939 तक यहाँ पाँच प्रतिशत जनता ही कॉलेज शिक्षा का लाभ प्राप्त कर रही थी। सन् 1947 में छात्रों का प्रतिशत छः और छात्राओं का मात्र एक प्रतिशत था। स्नातक कॉलेज की स्थापना के बाद राज्य में विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रयत्न प्रारंभ किए जाने लगे। 20 अक्टूबर, 1945 को मेवाड़ सेण्ट्रल एडवाइजरी बोर्ड के ग्यारहवें अधिवेशन में हमीरलाल मुर्डिया द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में एक प्रस्ताव रखा गया था जिसे कुछ संशोधन के पश्चात् सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। प्रस्ताव के अनुसार यह मांग की गई थी कि मेवाड़ में भी एक हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए एवं उसके लिये हिन्दी विद्यापीठ को ही इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रचूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। हिन्दी विद्यापीठ विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव के पीछे उस्मानिया विश्वविद्यालय की प्रेरणा थी। जिस प्रकार उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद उर्दू भाषा के विकास में कार्यरत था उसी प्रकार मेवाड़ में भी हिन्दी के विकास के लिये हिन्दी विद्यापीठ से अपेक्षा थी। 13वें अधिवेशन में भी बोर्ड ने अपने पूर्व प्रस्ताव को 21 अप्रैल, 1947 को पुनः दोहराया। इस अधिवेशन में उपरोक्त प्रस्तावों पर और अधिक गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। सन् 1947 के प्रारंभिक महीनों में भारत स्वतंत्रता प्राप्त करने की तैयारी में लगा हुआ था। स्वतंत्रता का राजनैतिक वातावरण देखकर महाराणा ने **मेवाड़ का नया संविधान** प्रसिद्ध संविधानविद् के. एम. मुंशी की देखरेख में तैयार करवाया। नये संविधान के चौथे भाग में उदयपुर में एक विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की गई। जिसका नाम महाराणा प्रताप के नाम पर **प्रताप विश्वविद्यालय** रखना तय हुआ था। विश्वविद्यालय के निर्माण के लिये चित्तौड़ में एक हजार बीघा भूमि भी प्रदान की गई। वहाँ सभी विषयों में एम. ए. की परीक्षा की तैयारी के अतिरिक्त शोध कार्य की भी व्यवस्था का प्रावधान रखा गया था। शिक्षा की मुख्य विशेषता आर्य धर्म की शिक्षा देना स्वीकार किया गया। महाराणा भूपालसिंह कुलपति नियुक्त किये गये और उन्हें उपकुलपति नियुक्त करने का अधिकार दिया गया था किंतु विश्वविद्यालय की योजना व्यावहारिक रूप नहीं ले सकी क्योंकि 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् मेवाड़ में माणिक्यलाल वर्मा के नेतृत्व में गठित लोकप्रिय सरकार ने महाराणा द्वारा बनाये गये संविधान को अस्वीकार कर दिया। इस प्रकार मेवाड़ में विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा का प्रवेश नहीं हो सका। यदि उस समय मेवाड़ में विश्वविद्यालय स्थापित कर दिया जाता तो राजस्थान में जयपुर के पश्चात् मेवाड़ ही ऐसा राज्य होता जहाँ उच्च शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय स्तर की व्यवस्था होती।

मेवाड़ में आधुनिक शिक्षा की विकास यात्रा

क्र.सं.	वर्ष	शिक्षा–सोपान
1	सन् 1818	मेवाड़ राज्य की अंग्रेजों से संधि।
2	सन् 1863	मेवाड़ राज्य के प्रथम सरकारी प्राथमिक विद्यालय जगदीश चौक (उदयपुर) में 'महाराणा शंभू सिंह साहिब का मदरसा' नामक पाठशाला की स्थापना। यह सन् 1874 में 'शंभू–रत्न पाठशाला' कहलाने लगा।
3	सन् 1866	उदयपुर में कन्या प्राथमिक विद्यालय स्थापित।
4	वर्ष 1875–1882	जावर, जहाजपुर, सादड़ी तथा कोटड़ा इत्यादि में विद्यालयों की स्थापना। सन् 1877 में उदयपुर में एक मिशनरी स्कूल स्थापित।
5	सन् 1883	शंभू–रत्न पाठशाला हाई स्कूल में क्रमोन्नत।(कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्धता)
6	सन् 1887	इलाहाबाद विश्वविद्यालय बनने से हाईस्कूलों की संबद्धता इलाहाबाद विश्वविद्यालय से।
7	सन् 1922	उदयपुर में नवलखा महल में महाराणा इण्टरमीडिएट कॉलेज की स्थापना।
8	सन् 1929	अजमेर में 'संयुक्त बोर्ड' (राजपूताना , अजमेर–मेरवाड़ा, ग्वालियर तथा मध्य भारत) की स्थापना से स्कूली शिक्षा की संबद्धता शुरु।
9	सन् 1934	महाराणा इण्टरमीडिएट कॉलेज चम्पाबाग (आज का वाणिज्य महाविद्यालय) में स्थानान्तरित।
10	सन् 1945	महाराणा इण्टरमीडिएट कॉलेज, डिग्री कॉलेज में क्रमोन्नत। जुलाई,1945 में महाराणा भूपाल कॉलेज (एम.बी.कॉलेज) नाम दिया गया। फतह स्कूल की स्थापना। 20 अक्टूबर,1945 को मेवाड़ सेन्ट्रल एडवाइजरी बोर्ड के 11वें अधिवेशन में श्री हमीरलाल मुर्डिया ने मेवाड़ राज्य में हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा जो बोर्ड के 13वें अधिवेशन (21 अप्रैल,1947) में पुनः दोहराया गया।

क्र.सं.	वर्ष	शिक्षा–सोपान
11	वर्ष 1922–1948	मेवाड़ राज्य में कुल पाँच कॉलेज स्थापित।
12	सन् 1946	एम. बी. कॉलेज में एलएल. बी. का अध्ययन शुरु।
13	सन् 1947	श्री के. एम. मुंशी द्वारा मेवाड़ राज्य के संविधान का निर्माण। चितौड़गढ़ में 'प्रताप विश्वविद्यालय' के नाम से भूमि आवंटित तथा महाराणा भूपाल सिंह को कुलपति बनाने की घोषणा। एम . बी. कॉलेज की संबद्धता राजपूताना विश्वविद्यालय (सन् 1957 से राजस्थान विश्वविद्यालय) से शुरु।
14	सन् 1948	संयुक्त राजस्थान के निर्माण के समय एम. बी. कॉलेज सरकार के हाथों में।
15	वर्ष 1947–55	जोबनेर में जागीरदार द्वारा कृषि महाविद्यालय की स्थापना जिसे सन् 1955 में राजस्थान सरकार ने लिया। सन् 1955 में उदयपुर में 'राजस्थान कृषि महाविद्यालय' तथा बीकानेर में 'राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय' स्थापित।
16	सन् 1962	राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना (12 जुलाई, 1962) तथा उपर्युक्त तीनों महाविद्यालय इसके संघटक महाविद्यालय बने।
17	सन् 1964	राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को बहुसंकाय में परिवर्तित करते हुए उदयपुर विश्वविद्यालय की स्थापना तथा एम.बी. कॉलेज इसका संघटक महाविद्यालय बना और नाम पड़ा 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH)'.

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास–यात्रा

प्रो. एस. के. कटारिया

भारत की स्वतंत्रता के समय राजस्थान 19 देशी रियासतों तथा 3 चीफशिप (कुशलगढ़, लावा, नीमराणा) से संचालित होता था। ऐसे में राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया की सुगबुगाहट 1945–48 से ही शुरु हो गई थी। सन् 1948 में मत्स्य संघ, हाड़ौती संघ तथा संयुक्त राजस्थान के निर्माण के दौरान मेवाड़ का 18 अप्रैल, 1948 को संयुक्त राजस्थान में विलय हो गया साथ ही उदयपुर राजधानी बना एवं महाराणा भूपाल सिंह राजप्रमुख तथा माणिक्य लाल वर्मा प्रधानमंत्री बनाए गए। 30 मार्च, 1949 को यह व्यवस्था राजस्थान में परिवर्तित हुई तथा जयपुर को राजधानी बनाया गया और आधुनिक राजस्थान अस्तित्व में आया। इसी प्रक्रिया के दौरान सन् 1948 में एम. बी. कॉलेज सरकार का हो गया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रारंभिक उद्देश्य कृषि विकास से संबंधित अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसंधान कार्य करना था। स्वतंत्रता के समय राज्य में राजपूताना विश्वविद्यालय, जयपुर की 8 जनवरी,1947 को तथा जुलाई, 1947 में जोबनेर में राज्य के प्रथम कृषि महाविद्यालय की स्थापना हो चुकी थी। जोबनेर कृषि महाविद्यालय सन् 1892 में बना एक रजवाड़ी विद्यालय था जिसे ठाकुर नरेन्द्र सिंह ने कृषि महाविद्यालय के रूप में सन् 1947 में क्रमोन्नत किया। सन् 1955 में इस महाविद्यालय को राजस्थान सरकार ने अधिगृहीत कर लिया। स्वतंत्रता के पश्चात् दूसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान देशभर में आधुनिक कृषि विकास को प्राथमिकता देते हुए केन्द्र एवं राज्य सरकारें सतत प्रयत्नशील थी। बढ़ती जनसंख्या तथा खाद्यान्न की कमी को देखते हुए ऐसा करना अपरिहार्य हो चुका था अतः अमरीकी **Land Grant Scheme** के अंतर्गत भारत ने भी राज्य प्रायोजित कृषि विश्वविद्यालयों (स्वायत्त) की स्थापना की ओर कदम बढ़ाए। अमेरिकी कानून **Morrill Act, 1862** तथा 1890 के अंतर्गत यह प्रावधान था कि संघ सरकार राज्यों को अपनी भूमि अनुदान में देते हुए कृषि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थापना करे ताकि कृषि विकास को राज्य द्वारा प्रश्रय मिल सके। ऐसे विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी को अध्ययन के दौरान कमाने की सुविधा भी मिलती थी। इसी नीति को राजस्थान सरकार ने भी अपनाया तथा सन् 1955 में राजस्थान कृषि महाविद्यालय की उदयपुर में तथा इसी वर्ष बीकानेर में 'राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय' की स्थापना की गई । सन् 1960 में देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर में स्थापित हुआ।

> वर्ष 1952–53 में राजस्थान में 8 स्नातक कॉलेज, 20 इंटर कॉलेज, 113 हाई स्कूल, 540 मिडिल स्कूल तथा 3540 प्राथमिक स्कूल थे और राज्य में साक्षरता दर थी मात्र 8 प्रतिशत। मोटर वाहन थे केवल साढ़े दस हजार।

लैण्ड ग्राण्ट स्कीम

पूँजीवादी देश संयुक्त राज्य अमेरिका की मूल अवधारणा 'लैण्ड ग्राण्ट स्कीम' का तात्पर्य उस योजना से था जिसमें संघीय सरकार किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय को कृषि–शिक्षा एवं अनुसंधान शुरु करने के लिए भूमि एवं अनुदान देती थी। ऐसी शिक्षा पद्धति में संस्था की स्वायत्तता, शिक्षा प्राप्ति के साथ आजीविका सुनिश्चित करना तथा सेमेस्टर एवं आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली इत्यादि विशेषताएँ सम्मिलित थी।

सन् 1962 में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के समय प्रथम वर्ष में 2,29,297 अमेरिकी डॉलर अर्थात् 10.91 लाख रुपयों (4.76 रुपयों का एक डॉलर था) की सहायता प्राप्त हुई थी जो कुलपति के वेतनमान से लगभग 550 गुणा के बराबर थी।

कालान्तर में राजस्थान विधानसभा में **राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय विधेयक, 1961** प्रस्तुत हुआ जिसे 6 जून, 1962 को राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस विधेयक के क्रम में तत्कालीन कृषि मंत्री श्री नाथू राम मिर्धा ने विधानसभा में वक्तव्य दिया कि– ''कृषि–शिक्षा और अनुसंधान के लिए भारत सरकार द्वारा गठित **Indo-American Team** ने यह पुरजोर अनुशंसा की है कि कृषि–शिक्षा, अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों के लिए राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों की महती आवश्यकता है।'' **Indo-American Team on Agriculture Education (1955 & 1960)** मूलतः भारत और अमेरिका के बीच एक तकनीकी सहयोग कार्यक्रम था जो **ओहियो विश्वविद्यालय** तथा भारत के कृषि महाविद्यालयों के मध्य अकादमिक आदान–प्रदान के लिए कार्यरत था। इस क्रम में सितंबर, 1955 में प्रो. ब्लैकमेन भारत आए तथा उन्होंने एक वर्ष बीकानेर में तथा एक वर्ष उदयपुर में बिताया। इसी वर्ष डॉ. सट्टन तथा डॉ. रूमल ने भारत भ्रमण किया तथा भारत सरकार को यह सुझाव दिया कि भारतीय कृषि वैज्ञानिकों को ओहियो विश्वविद्यालय में कृषि प्रशिक्षण दिया जाए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अमेरिकी सरकार ने भारत को USAID योजना के अंतर्गत 26156 डॉलर पुस्तकों के क्रय हेतु तथा 203141 डॉलर कृषि उपकरणों की खरीद हेतु दिए। राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम,1962 में कृषि का तात्पर्य 'भूमि तथा जल के प्रबंध, फसल तथा पशुधन के उत्पादन एवं प्रबंध, गृह विज्ञान और ग्रामीण जनता के सुधार के आधारभूत तथा व्यावहारिक विज्ञान' से लगाया गया था और इसी अवधारणा के अंतर्गत राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर ने अपनी अकादमिक यात्रा प्रारंभ की।

तत्कालीन राज्यपाल डॉ. संपूर्णानंद ने एक आदेश जारी करके **आई. ए. एस. अधिकारी श्री जी. बी. के. हूजा** को इस विश्वविद्यालय का प्रथम उपकुलपति (बाद में पदनाम कुलपति हुआ) पद पर नियुक्ति प्रदान की जिन्होंने 05 जुलाई, 1962 को पद ग्रहण किया। श्री हूजा उदयपुर में सन् 1958 से 1960 तक जिला कलक्टर रह चुके थे अतः उन्हें यहाँ की परिस्थितियों का भली–भाँति आभास एवं अनुभव था। इस विश्वविद्यालय की विधिवत् स्थापना 12 जुलाई, 1962 से मानी गयी। माननीय राज्यपाल, राजस्थान सरकार, डॉ. संपूर्णानंद ने दिनांक 12 जुलाई, 1962 को विश्वविद्यालय का विधिवत् उद्घाटन किया। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के प्रांगण में हुए इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया तथा कृषि मंत्री श्री नाथूराम मिर्धा उपस्थित थे। राज्यपाल महोदय ने अपने उद्बोधन में इसे बहुसंकाय विश्वविद्यालय बनाने की आवश्यकता वर्णित की। राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर को राज्य का दूसरा विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है जबकि जोधपुर विश्वविद्यालय सन् 1962 में बना तीसरा विश्वविद्यालय था। दरअसल राज्य विधानसभा द्वारा जोधपुर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 (1962 का 17वाँ) तथा राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, अधिनियम (1962 का 18वाँ) कानून था किन्तु जोधपुर विश्वविद्यालय का उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने 24 अगस्त, 1962 को किया था।

एम. बी. कॉलेज के प्रथम भवन (1928–34) का बाहरी दृश्य (आज के विश्वविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय का पुस्तकालय)

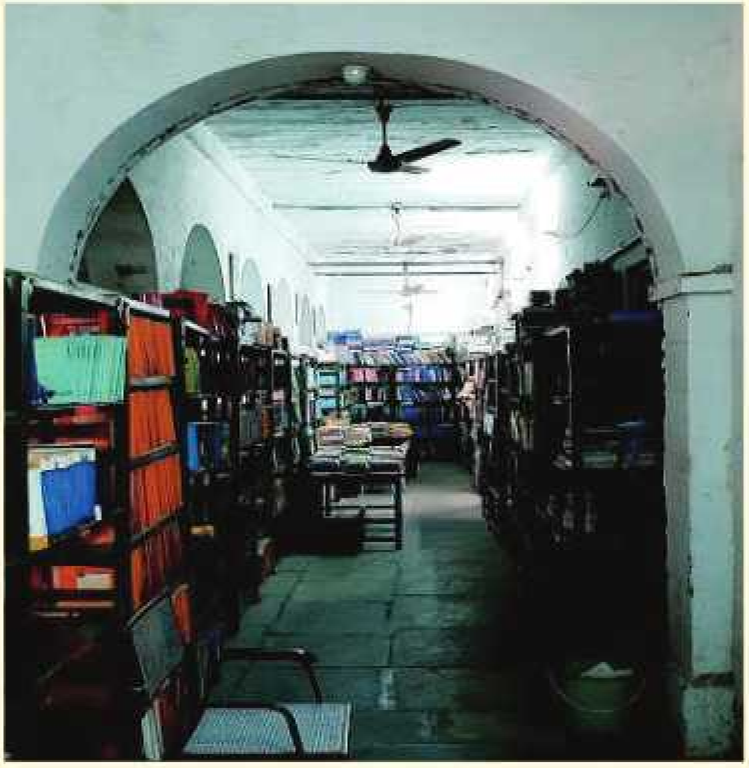

प्रथम भवन का वह बरामदा जिसमें आज वाणिज्य महाविद्यालय का पुस्तकालय है।

उस समय राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अधीन निम्नांकित तीन महाविद्यालय थे:–

1. राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
3. राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

इन तीनों महाविद्यालयों का कुल बजट 65 लाख रुपये था तथा विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर की एक प्रयोगशाला विंग में संचालित होता था। कृषि शिक्षा के प्रसार हेतु 1 जनवरी, 1962 से कृषि विस्तार विंग की स्थापना की गई। ये सभी महाविद्यालय सेमेस्टर और इंटरनल असेसमेंट पद्धति पर अध्ययन–अध्यापन करवाते थे। इनमें बी. एससी. तथा एम. एससी. कृषि , प्री यूनिवर्सिटी कृषि, बी. एससी.,पशु चिकित्सा एवं पशुपालन का अध्यापन करवाया जाता था। ज्ञात रहे कि उस समय 'कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, अजमेर' में भी उस समय कृषि कक्षाएँ सम्मिलित थी। वर्ष 1963–64 में विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में कुल 1180 विद्यार्थी बैठे तथा उनमें से 809 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। विश्वविद्यालय का **प्रथम दीक्षान्त समारोह 02 फरवरी, 1964** को आयोजित किया गया जिसमें दीक्षांत भाषण डॉ. वी.के.आर.वी.राव, सदस्य, योजना आयोग ने प्रदान किया था। राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर, कृषि विज्ञान एवं पशु चिकित्सा से संबंधित पाठ्यक्रमों का अध्ययन–अध्यापन करवा रहा था। सन् 1961 में विधानसभा में विधेयक आते ही स्थानीय जनता की राज्य के मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया से यह पुरजोर मांग हो चुकी थी कि इस विश्वविद्यालय में सामान्य शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों को भी सम्मिलित करते हुए इसे बहु संकाय विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाए। उस समय उदयपुर में महाराणा भूपाल कॉलेज (M.B.) संचालित होता था जिसकी स्थापना सन् 1922 में महाराणा, उदयपुर द्वारा की गई थी। इस महाविद्यालय की परीक्षा तथा डिग्री कार्य राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा निष्पादित होता था। आम जनता की मांग पर राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 में परिवर्तन करते हुए उदयपुर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 के नाम से नया संशोधित कानून लाया गया जिसे 26 अक्टूबर, 1963 को राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई।

विगत सदी के सत्तर के दशक में स्थापित उदयपुर विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के नाम जैसे–प्राचार्य के स्थान पर अधिष्ठाता, शोध हेतु पी. जी. स्टडीज का कार्यालय और 'स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज एण्ड ह्यूमेनिटिज' इत्यादि ओहियो विश्वविद्यालय से निरन्तर संपर्क, **USAID** के अधिकारियों का यहाँ सघन संवाद, **'Indo-American Team on Agriculture Education'** की परस्पर यात्राएँ इत्यादि के कारण **अमेरिकी प्रभाव** लिए हुए हैं जो कि राज्य के अन्य विश्वविद्यालय से भिन्न दिखाई पड़ते हैं।

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को बहुसंकाय विश्वविद्यालय बनाने हेतु और इसमें आधारभूत विज्ञान एवं मानविकी विषय सम्मिलित करने हेतु तत्कालीन कुलपति ने सन् 1962 में एक उपसमिति का गठन किया था। समिति में निम्नांकित सदस्य सम्मिलित थे–

1. श्री भीमसेन, कुलसचिव, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर (संयोजक)
2. श्री के. पी. रोडे, प्रधान, तकनीकी विभाग, उदयपुर विश्वविद्यालय
3. श्री वी. वी. जॉन, आचार्य, महाराणा भूपाल, महाविद्यालय, उदयपुर
4. डॉ. ए. राठौड़, अधिष्ठाता, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
5. डॉ. डी. जे. हॉफ रज वैज्ञानिक सं. राज अनुदान, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
6. डॉ. डी. एस. कोठारी, प्रधान भौतिकी विभाग, महाराणा भूपाल महाविद्यालय, उदयपुर

इस समिति ने अनुशंसा की थी कि उदयपुर में चल रहे राजकीय महाराणा भूपाल (एम.बी.) महाविद्यालय में लगभग सभी प्रमुख विज्ञान एवं मानविकी विषय एवं प्राध्यापक उपलब्ध हैं अतः इस महाविद्यालय का विश्वविद्यालय में सम्मिलित किया जाना उचित रहेगा।

इस प्रकार महाराणा भूपाल कॉलेज 01 जुलाई, 1964 से उदयपुर विश्वविद्यालय का एक संघटक महाविद्यालय हो गया तथा इसे स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज एण्ड ह्यूमिनिटिज (SBSH) नाम दिया गया। इस विश्वविद्यालय के अधीन जुलाई, 1964 में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना हुई। इस प्रकार जुलाई, 1964 से विश्वविद्यालय की आंतरिक कार्यप्रणाली दो स्वरुपों में बंट गयी–

उदयपुर विश्वविद्यालय

कृषि विंग → (कृषि, पशुपालन एवं गृह विज्ञान संकाय हेतु)

शिक्षा विंग → (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य, विधि तथा शिक्षा संकाय)

विश्वविद्यालय के प्रथम उपकुलपति जी.बी.के. हूजा का कार्यकाल 20 नवंबर, 1963 (पूर्वाह्न) तक रहा तथा एक अकादमिक कुलपति के रूप में डॉ. जी. एस. महाजनि ने 20 नवंबर, 1963 (अपराह्न)को पद ग्रहण किया तथा वे इस पद पर साढ़े आठ वर्ष तक पदस्थापित रहे जो किसी कुलपति का इस विश्वविद्यालय में सर्वाधिक कार्यकाल है।

वर्ष 1963-64 में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी इस प्रकार थे–

क्र.सं.	पद	नाम
1	कुलपति (अब कुलाधिपति)	डॉ. संपूर्णानंद, माननीय राज्यपाल, राजस्थान सरकार
2	उपकुलपति(अब कुलपति)	डॉ. जी. बी. के. हूजा एवं डॉ. जी. एस. महाजनि
3	कुलसचिव	डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा (रीडर, कृषि वनस्पति शास्त्र)
4	वित्त नियंत्रक	श्री के. डी. भार्गव तथा श्री जी. एस. सिमलोत
5	1) अधिष्ठाता, राजस्थान कृषि महाविद्यालय,उदयपुर	डॉ. ए. राठौड़
	2) अधिष्ठाता, श्री नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय,जोबनेर	डॉ. एन. प्रसाद
	3) अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान महाविद्यालय	डॉ. मोहन सिंह

इस समय विश्वविद्यालय के अधीन निम्नांकित संबद्ध (Affiliated - संपित) महाविद्यालय थे जिन्हें 'Associated College' कहा जाता था –

1. राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर
2. भूपाल नोबल्स महाविद्यालय, उदयपुर
3. गोविंदराम सेकसरिया विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर
4. श्रमजीवी कॉलेज, उदयपुर
5. उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, उदयपुर
6. राजस्थान महिला विद्यालय (गृह विज्ञान महाविद्यालय), उदयपुर

इस वर्ष में विश्वविद्यालय ने समस्त प्रकार की 2614 डिग्रियाँ प्रदान की थी।

उदयपुर विश्वविद्यालय के अधिनियम में सबसे बड़ा बदलाव अध्यादेश सं. 6 दिनांक 09 अगस्त, 1983 के द्वारा आया जिसके अन्तर्गत निम्नांकित परिवर्तन हुए–

- उदयपुर विश्वविद्यालय का नाम 'मोहनलाल सुखाड़िया **कृषि** विश्वविद्यालय' किया गया।
- विश्वविद्यालय में आंतरिक रूप में चल रही कृषि शाखा एवं शिक्षा शाखा को अधिनियम में स्थान दिया गया।
- कृषि एवं शिक्षा शाखा के लिए पृथक–पृथक विद्वत् (अकादमिक) परिषद बनायी गयी।
- नियंत्रण मंडल एवं कार्यकारी समिति के स्थान पर 'प्रबंध मंडल' बनाया गया।
- SBSH के निदेशक की नियुक्ति 'प्रबंध मंडल' द्वारा होने लगी।

दिनांक 2 फरवरी, 1982 को श्री मोहनलाल सुखाड़िया का बीकानेर में हृदय गति रुकने से स्वर्गवास हो गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवचरण माथुर की सरकार ने यह निर्णय लिया कि उदयपुर विश्वविद्यालय का नाम स्व. मोहनलाल सुखाड़िया के नाम पर रखा जाए। इस हेतु अध्यादेश सं. 6 (1983) के द्वारा इसका नाम मोहनलाल सुखाड़िया कृषि विश्वविद्यालय रखा गया तथा उसी वर्ष कुछ माह पश्चात् इसके नाम में से 'कृषि' शब्द हटा दिया गया। इस हेतु 15 अक्टूबर, 1983 को एक अध्यादेश (1983 का 8वाँ) के द्वारा उदयपुर विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित करके 'मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय' किया गया। इस अध्यादेश को सन् 1984, (1984 का 9वाँ) के विधिवत् कानून द्वारा अधिनियम में परिवर्तित किया गया।

कालांतर में यह अनुभव किया गया कि राज्य में पृथक् से कृषि विश्वविद्यालय होना चाहिए अतः सन् 1987 में राज्य सरकार के अध्यादेश सं.13 के द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर को दो विश्वविद्यालयों में परिवर्तित कर दिया गया–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।

दिनांक **1 अगस्त, 1987** से लागू इस विभाजन में कृषि एवं पशुपालन से संबंधित समस्त महाविद्यालय, संसाधन, पाठ्यक्रम तथा अन्य लेन–देनदारियाँ राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर को हस्तांतरित कर दी गई। वर्ष 1987–88 में राजस्थान विश्वविद्यालय का उदयपुर स्थित भू–विज्ञान (भू–गर्भ शास्त्र) विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का दिया गया। इसी वर्ष पत्राचार महाविद्यालय बंद किया गया तथा इसके समस्त संसाधन एवं स्टाफ कोटा खुला विश्वविद्यालय को दिए गए।

विश्वविद्यालय के प्रथम वार्षिक विवरण (1962–63) के मुखपृष्ठ पर ही 'राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय' के साथ–साथ कोष्ठक में नीचे छोटे अक्षरों में 'उदयपुर विश्वविद्यालय' भी अंकित है तथा प्रतीक चिह्न में भी उदयपुर विश्वविद्यालय लिखा हुआ है अर्थात् सन् 1964 में विधिवत् उदयपुर विश्वविद्यालय कहलाने से पूर्व ही यह शब्दावली (उदयपुर विश्वविद्यालय) प्रचलन में आ चुकी थी। जिला गेजेटियर्स (1979), उदयपुर के अनुसार सन् 1963 में ही इसका नाम 'उदयपुर विश्वविद्यालय' हो चुका था।

सन् 2012 में राजस्थान सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया कि राज्य के इस आदिवासी बहुल अंचल में पृथक् से जनजातीय विश्वविद्यालय होना चाहिए। इस क्रम में राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना की गई तथा अपने प्रथम चार वर्षों तक यह विश्वविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित राणा पूँजा छात्रावास में कार्य करता रहा। कालान्तर में सन् 2016 में इस जनजातीय विश्वविद्यालय का नाम महान क्रांतिकारी गोविन्द गुरु के नाम पर रखा गया। राज्य सरकार की अधिसूचना एस–ओ–47 दिनांक 24 जून, 2016 के माध्यम से तीन जिले यथा– बांसवाडा, डूंगरपुर तथा प्रतापगढ़ में स्थित समस्त महाविद्यालय गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा को दे दिए गए तथा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पास निम्नांकित चार जिलों के महाविद्यालय रहे–

1. उदयपुर 2. राजसमंद 3. सिरोही 4. चितौड़गढ़

इस प्रकार सन् 1962 में राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा सन् 1964 में उदयपुर विश्वविद्यालय का बीजारोपण हुआ था वह छः दशक के पश्चात् विशाल वटवृक्ष बन कर निम्नांकित विश्वविद्यालयों के रूप में विस्तारित हो चुका है–

- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
- राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
- श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर
- गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कुलगीत

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का कुलगीत सन् 2008 में तत्कालीन कुलपति (अतिरिक्त प्रभार) एवं संभागीय आयुक्त श्री राजेश्वर सिंह, आई.ए.एस. के प्रयासों से अस्तित्व में आया। इस कुलगीत के बोल लिखे प्रसिद्ध कवि पं. नरेन्द्र मिश्र ने तथा संगीतबद्ध किया विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के प्रभारी डॉ. प्रेम भंडारी तथा विभाग के अतिथि संकाय सदस्यों एवं बाहरी कलाकारों ने। इस कुलगीत का लोकार्पण तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने सर्किट हाउस, उदयपुर में किया था।

एक–दो वर्ष के दौरान ही अनुभव किया गया कि कुलगीत की गायन अवधि अधिक है अतः सन् 2010 में तत्कालीन कुलपति प्रो. आई.वी.त्रिवेदी तथा प्रबंध मंडल के आग्रह पर डॉ. प्रेम भण्डारी ने मूल कुलगीत में कुछ पंक्तियाँ हटाते हुए तथा मेवाड़ के शौर्य एवं ज्ञान सहित गौरवशाली परम्परा को विश्वविद्यालयीय परिवेश के साथ जोड़ते हुए कतिपय नए शब्दों के साथ कुलगीत को संशोधित किया तथा नई संगीत रचना निर्मित की जिससे वर्तमान में यह बहुत मधुर एवं लोकप्रिय कुलगीत बन चुका है।

विश्वविद्यालय का मूल कुलगीत इस प्रकार था

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म संगम को कोटि नमन।।

'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की प्रतिमा सुखदा वरदा।
मानवता की अमर सम्पदा, शाश्वत ज्ञानप्रदा।।

अंधकार पर यह प्रकाश की विजयी कल्याणी।
'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' उपनिषदों की वाणी।।

समरसता,सद्भाव,शान्ति का निष्कामी निश्चय।
मूल्य मनुजता के विजयी हों, जन्म–भूमि की जय।।

रक्ततलाई, हल्दीघाटी का बलिदानी यश।
भक्ति–स्वरूपा मीरा का यह पावन कीर्ति कलश।।

यह प्रताप की कर्म–भूमि के माथे का चंदन।
स्वाभिमान से स्वतंत्रता का यह अटूट बन्धन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म संगम को कोटि नमन।।

यहाँ साधनारत प्रतिभाएँ ज्योतिर्मन्त बनें।
राष्ट्र–धर्म का स्वर विजयी हो, महिमावन्त बनें।।

यही कामना, इस धरती का तप आलोकित हो।
युग–युग का इसका ज्ञान दान दिग्विजयी घोषित हो।।

मुक्त गगन में आदर्शों की पुण्य ध्वजा फहरे।
जन मानस में ज्ञान ज्योति का दिव्य प्रकाश भरे।।

शक्ति भक्ति की परम्परा में अविचिल निष्ठा हो।
मृण्मय में चिन्मय की पावन प्राण प्रतिष्ठा हो।।

ज्ञानदायिनी मूर्तिमंत महिमा का अभिनन्दन।
युवाशक्ति हो सत्यनिष्ठ संकल्पित अन्तर्मन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म संगम को कोटि नमन।।

डॉ. प्रेम भण्डारी द्वारा किए गए संशोधन एवं परिवर्तन के पश्चात् कुलगीत इस प्रकार है-

कुलगीत

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की प्रतिमा कल्याणी।
'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' उपनिषदों की वाणी।।
यह प्रताप की कर्म भूमि के माथे का चन्दन।
मीरा का निष्काम भक्ति से है अटूट बंधन।

श्रीएकलिंगजी, श्रीनाथजी, चारभुजा, बेणेश्वर।
सूफी संतों की धरती ने माना एक ही ईश्वर।।
वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
यहाँ साधनारत प्रतिभाएँ ज्योतिर्मन्त बनें।
राष्ट्र धर्म का स्वर विजयी हो, महिमावन्त बनें।

मुक्त गगन में आदर्शों की पुण्य ध्वजा फहरे।
जन मानस में ज्ञान ज्योति का दिव्य प्रकाश भरे।।
ज्ञानदायिनी मूर्तिमंत महिमा का अभिनन्दन।
युवाशक्ति हो सत्यनिष्ठ संकल्पित अन्तर्मन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

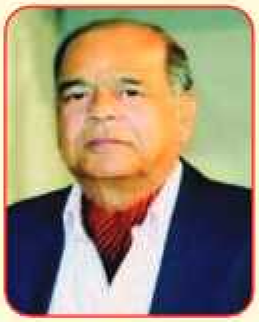

डॉ. प्रेम भण्डारी

स्मार्ट फोन पर QR Code Scan App के द्वारा आप इस कुलगीत को सुन भी सकते हैं।

इस प्रकार वर्तमान कुलगीत 17 मध्यमाकार पंक्तियों तथा 124 शब्दों से सजा तथा 2 मिनट के मधुर संगीत के साथ समूहगान में संगीतबद्ध एक अत्यंत कर्णप्रिय कुलगीत है जो प्रायः नवागन्तुक को मंत्रमुग्ध कर देता है।

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न

प्रो. नीरज शर्मा

विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इसका लोगो अथवा प्रतीक चिह्न तथा ध्येय वाक्य निर्धारित किया गया। यह नियंत्रक मंडल की बैठक में दिनांक 24 मार्च, 1963 को स्वीकृत हुआ था। प्रतीक चिह्न के मध्य गर्भ में अन्न का बीज स्थापित है जिसमें से तीन पत्रदल ऊर्ध्वगामी होकर उत्सर्ग और जीवन के भावी विकास का बोध कराते हैं। अंकुरित बीज विकास और समृद्धि का प्रतीक है। बीज ही जीवन की उत्पत्ति का कारण है, जीवन में समग्र विकास का आधार है तथा उसके सतत विकास को मूल से पोषण प्रदान करता है। प्रारम्भिक रूप से कृषि विश्वविद्यालय होने के कारण देश की कृषि–शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह कृषि–शिक्षा की भूमिका और महत्त्व का भी ज्ञापन करता है। बीज से निकलने वाली तीन पत्तियाँ कृषि के बहुआयामी विकास की सूचक हैं। प्रतीक चिह्न के गर्भ में ही जिज्ञासुओं को आमन्त्रित करती खुली हुई पुस्तक ज्ञान–सम्पदा और परमाणु संरचना का प्रतीक चिह्न वैज्ञानिक तकनीकी शोध और चेतना के विकास का उद्देश्य स्पष्ट करता है। ज्ञान–विज्ञान दोनों के मध्य अंकुरित बीज विश्वविद्यालय के मूल स्वरूप और प्रतिष्ठा का सूचक है।

विश्वविद्यालय प्रतीक चिह्न का भीतरी वृत्त औद्योगिक विकास या यान्त्रिक प्रगति का बोध कराता है । इस वृत्त के चौबीस दांते (आरे) 24 घंटों की निरन्तर गतिशीलता और क्रिया तत्परता की प्रेरणा देते हैं। प्रतीक चिह्न के गर्भ में मौजूद ज्ञान–विज्ञान और कृषि देश के औद्योगिक कौशल, दक्षता, तकनीकी और अभियान्त्रिकीय निरन्तरता का अभिप्राय प्रकट करते हैं। देश के सर्वतोमुखी विकास की परिकल्पना इस प्रतीक के द्वारा ज्ञापित होती है। प्रतीक चिह्न के बाहरी वृत्त में ऊपर की ओर विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य **'विद्यया विन्दतेऽमृतम्'** है तथा नीचे की ओर विश्वविद्यालय का नाम अंकित है । बाहरी वृत्त में इन दोनों के मध्य दाँए और बाँए स्वस्तिक चिह्न बनाया गया है । ध्येय वाक्य के द्वारा जहाँ ज्ञान के चरम लक्ष्य को इंगित किया गया है वहीं स्वस्तिक सम्पूर्ण विश्व में शिक्षाजन्य सर्वतोमुखी कल्याण, मंगल, शुभता और शिवत्व का बोध कराते हैं। स्वस्तिक चिह्न से 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव प्रकट होता है। दो स्वस्तिक चिह्न भूमण्डल के इस छोर से उस छोर तक अथवा पूर्वी क्षितिज से पश्चिमी क्षितिज तक भारतीय ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा और वैज्ञानिक शोध के द्वारा सत्य, शिव और सौन्दर्य की प्रेरणा और प्रतिष्ठा करने का संकल्प प्रकट करते हैं। विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य और स्वस्तिक परस्पर लोक कल्याण और आत्म कल्याण के प्रयोजन की पूर्णता का महाभाव प्रकट करते हैं।

प्रतीक चिह्न के बाहरी वृत्त के चारों ओर वृत्ताकार परिधि में सभी दिशाओं की ओर किरणें निकलती दिखाई देती हैं। इन रश्मियों की संख्या 60 है जो समयावधि के एक मिनट के साठ सैकेण्ड तथा एक घंटे के साठ मिनट अर्थात् प्रत्येक सैकेण्ड और प्रत्येक मिनट अप्रतिहत निरन्तर कर्मशीलता और कर्म ऊर्जा की प्रेरणा प्रदान करते हैं। जिस प्रकार उदय के पश्चात् दिन का चढ़ता सूर्य सघन अंधकार को नष्ट करने के बाद अपने तेज, प्रकाश, ऊर्जा और उष्मा से सारे संसार को भर देता है तथा सभी को अपने–अपने कार्य में प्रेरित करता हुआ उनमें जीवन का संचार करता है उसी प्रकार यह विश्वविद्यालय कृषि–शिक्षा, ज्ञान–विज्ञान, तकनीकी तथा शोध के बहुआयामी विकास के द्वारा सम्पूर्ण संसार को आलोकित, प्रकाशित एवं उपकृत करने का विराट् भाव धारण करता है।

इस प्रकार मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न जीवन के सर्वोपरि मूल्य–लोककल्याण की चेतना के साथ वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास एवं औद्योगिक विस्तार का समन्वय करता है जो परस्पर अविरोधी सहमति से समग्र शैक्षणिक विकास की प्रतिष्ठा के महान् संकल्प को धारण करते हैं। विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न सभी शिक्षकों, कार्मिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों को विश्वकल्याण के महानतम संकल्प के लिए आत्मार्पण की प्रेरणा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के विचारवान और दूरदर्शी संस्थापकों, महापुरुषों, शिक्षाविदों तथा वैज्ञानिकों ने अपने जिन महान संकल्पों को प्रतीक चिह्न के रूप में अंगीकृत किया कालान्तर में उन संकल्पों ने तदनुरूप ही आकार भी ग्रहण किया । जिस प्रकार

> विश्वविद्यालय के पुराने दस्तावेज देखने से यह पता चलता है कि इसके 'प्रतीक चिह्न' के मुद्रण में कई बार असावधानी बरती गई है। मूल प्रतीक चिह्न में इसके अंदरूनी वृत्त पर 24 आरे थे जो वर्ष 1975–76 के वार्षिक प्रतिवेदन पर 16 दिखाए गए हैं तथा अस्सी के दशक से इन आरों की संख्या 12 दिखाई जा रही हैं। इसी तरह मूल प्रतीक चिह्न में **विन्दते** और **ऽमृतम् के** बीच रिक्त स्थान नहीं है जो कालान्तर में असावधानीवश रिक्त स्थान के साथ लिखा एवं मुद्रित किया जाता रहा है।

एक बीज भविष्य में अनेक वृक्षों को जन्म देता है उसी प्रकार उदयपुर विश्वविद्यालय ने राजस्थान प्रदेश की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों को जन्म दिया है जो ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी शिक्षा का चहुँ ओर प्रकाश फैला रहे हैं और कीर्ति अर्जित कर रहे हैं।

भारतीय ज्ञान गंगा का अमृत प्रवाह : विद्यया विन्दतेऽमृतम्

विश्वविद्यालय का अर्थ है समग्र विद्याओं या ज्ञान के समस्त अनुशासनों के अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान के लिए अवसर प्रदान करने वाला विद्यास्थान। समस्त ज्ञानानुशासनों या विद्याओं की उपलब्धि का चरम प्रयोजन या लक्ष्य मुक्ति अथवा आनन्द है। समग्र व्यक्तित्व–विकास, उदार तथा उत्तरदायित्वपूर्ण दृष्टिकोण, श्रमनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, कौशल–विकास के साथ गरिमापूर्ण जीवन ज्ञानार्जन की सहवर्ती महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हैं जो समाज और राष्ट्रनिर्माण की आधार–भूमि बनते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में साधन और साध्य के सर्वोपरिस्वरूप की अभिव्यक्ति विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य में निहित होती है। विद्या साधन है तथा मुक्ति या आनन्द साध्य है। ज्ञान, विज्ञान और दर्शन के द्वारा आत्मसंस्कार का नाम विद्या है। यह विद्या यथाजात असंस्कृत को संस्कृत, अपूर्ण को पूर्ण, अनुन्नत को समुन्नत, अज्ञ को विज्ञ, अप्रबुद्ध को प्रबुद्ध, अविकसित को विकसित तथा अस्वस्थ को स्वस्थ बनाने का कार्य करती है। विद्या हमें अपने उपलब्ध शरीर, साधन और परिस्थितियों का सदुपयोग करना सिखाती है। मानवीय जीवन की गरिमा के साथ मनुष्य की शेष प्रकृति, समाज और राष्ट्रकल्याण में सहभागिता के लिए जिस विवेक की आवश्यकता होती है, उसका विकास विद्या से संभव होता है। विश्वविद्यालय के ध्येय में साधन विद्या एवं साध्य आनन्द–स्वरूपानुभव दोनों सन्निहित हैं। सर्वोपरि ज्ञानोपलब्धि एवं उसके आश्रय, अन्विति, हेतुता आदि की समग्रता विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा होती है। शैक्षणिक राजमार्ग का लक्ष्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक–समष्टिगत मुक्ति और आनन्द है। तैत्तिरीयोपनिषद् में इसे अधिविज्ञान कहा गया है। इसमें आचार्य पूर्वरूप तथा शिष्य उसका उत्तररूप कहा गया है। विद्या इन दोनों को जोड़ने वाली संधि है। प्रवचन इसका संधान है–

''अथाधिविज्ञानम्। आचार्यः पूर्वरूपम्। अन्तेवास्युत्तररूपम्। विद्या संधिः। प्रवचनं संधानम्। इत्यधिविद्यम्।''

मनुष्य के जीवन में अभ्युदय और निःश्रेयस् अर्थात् लौकिक और आध्यात्मिक प्रगति दोनों समान रूप से आवश्यक है। भारतीय ज्ञानपरम्परा में इन दोनों की प्राप्ति का साधन प्रस्थानत्रयी को माना जाता है। प्रस्थान शब्द का अर्थ है–''प्रतिष्ठते लक्ष्यं प्राप्तुम् अनेन पथा इति प्रस्थानं मार्गः'' अर्थात् जिस मार्ग पर चलकर ध्येय अथवा लक्ष्य को प्राप्त किया जाए वह प्रस्थान कहलाता है। प्रस्थानत्रयी में तीन ग्रन्थ प्रतिष्ठित हैं–उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र और श्रीमद्भगवद्गीता। इनमें उपनिषद् को वेदों के सारभूत ज्ञान का प्रतिपादक होने से वेदान्त भी कहा जाता है। उपनिषद् के द्वारा अविद्या या अज्ञानजन्य दुःखों से निवृत्ति तथा सहज सुखराशि सच्चिदानन्द या निःश्रेयस् का बोध एवं अनुभव होता है। उपनिषद् सनातन ज्ञानपरम्परा के मूल स्रोत हैं। ये प्राचीन ऋषियों की प्रखर प्रज्ञा और अनुभूति के फल हैं। इस विद्या के द्वारा हमें उचित और अनुचित में प्रवृत्ति तथा निवृत्तिमूलक आचरण का विवेक तथा प्रेरणा प्राप्त होती है। सत्य और असत्य, महान और क्षुद्र, विराट् और लघु में हमें किसे स्मरण रखना है और किसे भूल जाना है, इसका बोध आवश्यक है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा से मिलकर व्यक्तित्व बनता है। अपने क्रियमाण कर्मों में हमारी लोकहित की समझ ही जीवन में सुख, शांति और आनन्द की भूमिका तय करती है। इस संसार में विवेक ही शुचिता का सर्वोच्च आधार है। ज्ञान से पवित्र और कुछ नहीं–

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।

भारतीय साहित्य, कला, दर्शन, ज्ञान–विज्ञान के सभी आयाम उपनिषद् के इस महान आदर्श की दिशा में चरम विस्तार प्राप्त करते हैं। ज्ञान ने ही हमारी संस्कृति को सनातन और विश्ववारा की प्रतिष्ठा दी है। उपनिषद् के ज्ञानालोक ने सम्पूर्ण जगत् को प्रकाशित किया। भारतीय प्रज्ञा और तत्त्वचिन्तन के विषय में फ्रांसिसी विद्वान् विंटरनिट्स लिखते हैं कि

'We are constrained to bend the knee before the philosophy of the east.

प्रसिद्ध जर्मन विद्वान् श्लेगेल भारतीय मनीषा का माहात्म्य प्रकट करते हुए लिखते हैं– Even the lofetiest philosophy of the Europeans appears in comparison with the abundant light and viguor of oriental idealism like a feeble promethean spark in the full flood and heavenly glory of noonday sun, faltering and feeble and everready to be extinguised'

उच्चतम लक्ष्य और परमादर्श भारतीय विद्या को आत्मकल्याण और लोककल्याण के साधन के रूप में सम्पूर्ण संसार के लिए उपयोगी बनाते हैं।

हमारे विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठापक विद्वान् पूर्व आचार्यों ने लोककल्याणकारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके वैश्विक आदर्श की उपर्युक्त पृष्ठभूमि में उपनिषद् मूल से ही अपना ध्येय वाक्य चयनित किया।

विद्यया विन्दतेऽमृतम्

विद्या से अमृत की प्राप्ति होती है। अमृत क्या है ? सामान्यतः अमृत समुद्रमंथन से उत्पन्न दुर्लभ पदार्थ माना जाता है जिसे पाकर देवता अमर होते हैं। हमारे शास्त्रों में मनुष्य जीवन में आरोग्य, सुख, शांति और आनन्द प्रदान करने वाले अनेक पदार्थों को अमृत कहा गया है। इनमें दूध, जल, छाछ, शहद, भोजन, आँवला, सूर्य की किरणें, ब्रह्मचर्य, तप, मधुरवाणी, मानसिक शांति, समता, सहिष्णुता आदि प्रमुख हैं। अयाचित और बाहुबल से अर्जित वस्तु भी अमृत कहलाती है। कालान्तर में इन सभी अमृतों के प्रभाव और परिणाम क्षीण अथवा नष्ट हो जाते हैं। इनके विपरीत भारतीय परम्परा में एक ओर अमृत है जो सर्वोपरि है, जो स्वयं पर आश्रित होने के कारण कभी भी क्षीण या समाप्त नहीं हो सकता है, वह है–विद्या, आत्मज्ञान या ब्रह्मज्ञान।

भारतीय विचारपरम्परा का विकास वाद–प्रतिवाद, संवाद की शैली से हुआ है। तत्त्वविमर्श के लिए यहाँ वस्तुस्वरूप पर बहस, तर्क एवं पूर्वपक्ष के लिए भरपूर अवसर दिया जाता है। यह विशिष्टता भारतीय परम्परा के शाश्वत प्रवाह को निरन्तर निर्मल बनाए रखती है। प्रश्न करना और समाधान का विमर्श करना आवश्यक है। तर्क की कसौटी पर परख कर उत्तर पक्ष और सिद्धान्त की स्थापना करना भारतीय दर्शन का वैशिष्ट्य है। सामवेद की तलवकार शाखा का उपनिषद् है–केनोपनिषद्। जिज्ञासा का परिणाम बोध की प्राप्ति कराता है। 'केन' का अर्थ है 'किसके द्वारा'। किसके द्वारा अथवा किससे प्रेरित होकर हमारा मन, ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियाँ कार्यों में प्रवृत्त होती हैं। उस प्ररेक तत्त्व का बोध या ज्ञान ही हमारी मुक्ति और आनन्द का साधन बन सकता है। सर्वव्यापी ब्रह्म या आत्मतत्त्व की अनुभूति का यह विमर्श केनोपनिषद् के द्वितीय खण्ड के चतुर्थमंत्र में इस प्रकार किया गया है–

प्रतिबोधविदितं मतममृतत्त्वं हि विन्दते।
आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम्।।

इसी मंत्र के अंतिम चरण को हमारे विश्वविद्यालय ने अपना ध्येय वाक्य बनाया है। इस मंत्र का विमर्श अन्तिमचरण के अवबोध के लिए अपेक्षित है।

'प्रतिबोधविदितम्' अर्थात् जो बोध, बोध के प्रति विदित होता है। बोध वस्तुतः बुद्धिजन्य प्रतीति या ज्ञान है। इस बोधरूपी क्रिया का कर्त्ता, बोध रूप से विदित होने के कारण वह 'आत्मा' प्रतिबोधविदित कहलाता है। वही एक–एक कर होने वाली समस्त प्रतीतियों का साक्षी है। वह विशुद्ध, विभु, नित्य, निर्विशेष, एक एवं सर्वगत होकर सम्पूर्ण जड़–चेतन में व्याप्त रहता है। वह नित्य, अविनाशी, ज्ञानस्वरूप प्रकाशमय आत्मा ही ब्रह्म है। उसके प्रत्यगात्मविषयक बोध या प्रत्येक प्रतीति में सर्वत्र, सर्वगत आत्मज्ञान के द्वारा अमृततत्त्व या मुक्ति की प्राप्ति होती है। 'प्रतिबोधविदितम्' पद में द्विरुक्ति है 'बोधं–बोधं प्रति' यह द्विरुक्ति सम्पूर्ण प्रतीतियों में आत्मा या ब्रह्म की व्याप्ति की सूचक है। ये प्रतीतियाँ आत्मोपलब्धि का द्वार हैं। प्रत्येक प्रत्यय के अवभास में जो प्रत्यगात्म स्वरूप से जाना जाता है वही ब्रह्म है। इस आत्मज्ञान के द्वारा मुक्ति, आनन्द या अमृत प्राप्त होता है। इसके विपरीत अज्ञान से बंधन, दुःख तथा मृत्यु की प्राप्ति होती है।

बोध या जागरण जीवन में अत्यावश्यक है। जागरण के अभाव में ही व्यक्ति अज्ञान, दुःख, बंधन और मृत्यु से ग्रस्त होता है। जागरण से इनसे छुटकारा मिलता है। अविद्या के अंधकार का नाश होते ही यथार्थ स्वभाव एवं स्वरूप के आनन्द का नित्य अनुभव होता है। ऋषि कहते हैं– उत्तिष्ठत। जाग्रत। प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात् उठो, जागो और वरेण्य आचार्यों से बोध–ज्ञान प्राप्त करो। श्रेष्ठ आचार्यों के प्रतिबोध से जिज्ञासु के व्यक्तित्व में विराट् रूपान्तरण होता है।

इस आत्मज्ञान के द्वारा अमरता कैसे प्राप्त होती है ? इस जिज्ञासा का समाधान करते हुए ऋषि कहते हैं कि मुक्तिगामी जिज्ञासु या मुमुक्षु अपने स्वरूप या आत्मज्ञान के द्वारा वीर्य अथवा बल को प्राप्त करता है। यह बल ही अक्षर या अविनाशी आनन्द का सामर्थ्य है। आत्मविद्या से भिन्न संसार का कोई भी सामर्थ्य या बल मृत्यु का पराभव नहीं कर सकता है और नित्यानन्द की प्राप्ति नहीं करा सकता है। संसार के सभी सुख कारण–सापेक्ष और दूसरों पर अवलम्बित होते हैं। अविद्याजन्य सामर्थ्य नाशवान होता है। कारण समाप्त होते ही दुःख आकर पुनः घेर लेते हैं। आत्मविद्याजनित बल–वीर्य बाहरी साधनों पर निर्भर नहीं रहने के कारण मृत्यु को जीतता है। निर्बल व्यक्ति साधनों पर आश्रित होकर क्षणिक सुख–दुःख में दोलायमान रहता है। मुण्डकोपनिषद् में कहा गया है कि यह आत्मा बलहीन व्यक्ति के द्वारा प्राप्त करने योग्य नहीं है –''नायमात्मा बलहीनेन लभ्यः।''

आत्मविद्या के बल–वीर्य से ही मृत्यु या अज्ञान का नाश होता है। इसी से अमृत या अमरता की प्राप्ति होती है। विद्या का बल संसार का सर्वोच्च बल है। ज्ञान के बल से संसार के सारे बल परास्त होते हैं। विद्याजनित बल ही वास्तविक बल, अमृत और अविनाशी होता है।

यह अमृततत्त्व या सच्चिदानंदभाव आत्मज्ञान से उत्पन्न नहीं होता है अपितु स्वयं आत्मा से या नित्यात्मस्वभाव से ही प्राप्त होता है न कि किसी कारण या आश्रय से। ''विद्यया विन्दतेऽमृतम्'' में विन्दते शब्द से यही अभिप्राय है कि अमरता या शाश्वत आनन्द की प्राप्ति आत्मविज्ञान की अपेक्षा रखती है। यदि इसे विद्या से उत्पन्न मान लिया जाएगा तो यह कर्मफल के समान अनित्य हो जाएगा। यह आनन्द विद्या से उत्पाद्य नहीं है। यह स्वभावानुभूति है। भगवत्पाद शंकराचार्य कहते है कि विद्या अनात्मविज्ञान को निवृत्त करती

हुई, उसकी निवृत्ति से स्वाभाविक अमृतत्व का हेतु बनती है। विद्या से अज्ञान के अंधकार का निवारण होता है और चिदानंद स्वभाव स्वरूप प्रकाशित हो जाता है। आचार्य रामानुज 'प्रतिबोध' को उपासना और विद्या को 'भक्ति' के रूप में व्याख्यायित कर उसके द्वारा अमृत या परमात्मा की प्राप्ति का कथन करते हैं। भगवत् साक्षात्कार अथवा परमात्मा की प्राप्ति भक्ति, धृति और समाहितात्म ज्ञान स्वरूप से होती है। अद्वैत दर्शन की भूमिका में 'अमृत' सच्चिदानंद स्वरूप की अनुभूति है तथा विशिष्टाद्वैत की भूमिका में यह भगवत्प्राप्ति है। दोनों ही स्थितियों में अज्ञान–अविद्या के अंधकार के निवारण और ब्रह्मानुभूति–भगवत्प्राप्ति–आनंदानुभूति में विद्या का प्रस्थान प्रमाणित और सिद्ध है।

वेदान्त के इस अमृत को व्यावहारिक धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। भगवान् श्रीकृष्ण ने मनुष्यमात्र के प्रतिनिधि अर्जुन को ज्ञान, कर्म और भक्ति के रूप में यह 'अमृत' प्रदान किया। यह उक्ति प्रसिद्ध है कि सारी उपनिषदें गाय हैं इनका दूध दूहने वाले स्वयं श्रीकृष्ण गोपालनंदन है, पार्थ अर्जुन बछड़े की तरह है तथा जिज्ञासु मनीषी इस गीतारूपी अमृत के भोक्ता है –

सर्वोपनिषदो गावो दोग्धा गोपालनन्दनः।
पार्थो वत्सः सुधीर्भोक्ता दुग्धं गीतामृतं महत्।।

गीतारूपी अमृत के चतुर्थ अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण 'अमृत' का वर्णन करते हुए कहते हैं–

यज्ञशिष्टामृतभुजो यान्ति ब्रह्म सनातनम्।

अर्थात् यज्ञ से बची हुई वस्तु को भोगने वाले मनुष्य सच्चिदानंद अमृत को प्राप्त करते हैं। भारतीय परंपरा में यज्ञशेष पदार्थ को अमृत माना जाता है। यज्ञ का अर्थ है– परमार्थ, परोपकार, सेवा, त्याग। हमारे पास जो कुछ भी शक्ति, सामर्थ्य, साधन–संपदा, योग्यता–पात्रता, दक्षता–कौशल हैं, उसके एक अंश को आत्म–कल्याण–लोक कल्याण के लिए, दीन–हीन वंचितों के लिए एवं दूसरों की सेवा में समर्पित करना चाहिए क्योंकि सर्वत्र, सर्वगत जड़–चेतन प्राणिमात्र में प्रत्यगात्म रूप से वह अंतर्यामी परमात्मा मौजूद है। इस 'यज्ञ' के उपरांत शेष बचे हुए साधन–सामर्थ्य को व्यक्तिगत उपयोग में व्यय करना चाहिए। ईशावास्योपनिषद् में इसे ही त्यागपूर्वक भोग कहा गया है–

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्वित् धनम्।।

इस प्रकार दूसरों को सुख बाँटने से स्वयमेव शाश्वत सुख प्राप्त किया जा सकता है। परोपकार और परमार्थपूर्ण दृष्टिकोण रखकर जीवन का सदुपयोग करने वाले मनुष्य को 'अमृताशी' कहा जाता है। ऐसा मनुष्य सत्य–शिव–सुंदर–शाश्वत आनंद का अनुभव करता है।

''विद्यया विन्दतेऽमृतम्'' का यही व्यावहारिक पक्ष है कि हमें विद्या के द्वारा सामर्थ्य–संपन्न बनना चाहिए तथा प्रत्यगात्म प्रतिबोध से सर्वगत आत्मचेतना या परमात्मा के विस्तार का अनुभव करना चाहिए। उदारता, पूर्णता, नित्य–निरंतर अखंड, आनंद–स्वभाव अथवा परमात्म कृपानुभव से ''इदं न मम'' के भाव के साथ यज्ञ करते हुए आत्मकल्याण–लोककल्याण के लिए अपने जीवन के आनंद–अमृत से दूसरों के जीवन में आनंद– अमृत को प्रवाहित करते रहें।

Vision of the University

'To provide knowledge and quality based education to the students by inculcating moral values, scientific temper and employing state of the art technologies. It aims to pursue excellence towards creating manpower with high degree of intellectual, professional and cultural development to meet the national and global challenges."

Mission of the University

1. To impart value based education leading to holistic development and preparing enlightened citizens.
2. To provide up-to-date, relevant and need based knowledge.
3. To utilize the acquired knowledge in solving problem and innovation through research and development.
4. To integrate latest technology such as Information and Communication Technology with teaching, research, extension and governance.
5. To help students to think rationally and develop ability to work in multi disciplinary teams.
6. To ensure access of all sections of the society for higher education keeping in view the prevailing socio-economic deprivations.

7. To increase access of women to education and ensuring gender justice and their empowerment.
8. To develop self reliant, enterprising and employable human resource.
9. To use new knowledge created through research and innovation for sustainable utilization and management of locally available natural resources.
10. To protect, preserve and promote the cultural heritage.
11. To provide ambience in environment for freedom of expression in order to create liberal ethos.

The overall mission of the University is to move towards excellence in higher education in order to achieve just, plural and equitable society in consonance with the constitutional values.

मोहनलाल सुखाड़ियाः एक संक्षिप्त जीवनवृत्त

मुरलीधर पालीवाल

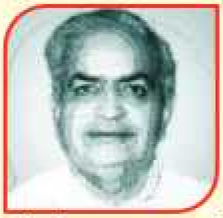
स्व. श्री मोहनलाल सुखाड़िया

यस्मिन् श्रुतिपथं प्राप्ते दृष्टे स्मृतिमुपागते ।
आनन्दं यान्ति भूतानि जीवितं तस्य शोभते ।।
(योगवाशिष्ठ, 5/39/54)

अर्थात् जिनका वृत्तान्त सुनकर तथा जिनका स्मरण करने पर प्राणियों को आनन्द होता है, उन्हीं का जीवन शोभा देता है।

विश्वविद्यालय के संस्थापकपुरुष चिरस्मरणीय श्रीमान् मोहनलाल सुखाड़िया जी का जन्म एक जैन परिवार में 31 जुलाई, 1916 को झालावाड़, राजस्थान में हुआ। इनके पिता श्री पुरुषोत्तम लाल जी बम्बई टीम के कुशल क्रिकेट–क्रीडक थे। पितृवात्सल्य की प्राप्ति इनके जीवन में चार–पाँच वर्षों तक ही रह सकी। अल्पायु में ही इनके पिताजी दिवंगत हो गए । आपकी प्रारंभिक शिक्षा नाथद्वारा एवं उदयपुर नगरों में संपन्न हुई। महाविद्यालय–शिक्षार्जन हेतु इन्होंने मुंबई प्रस्थान किया, जहाँ उन्होंने विक्टोरिया टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट से विद्युत अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) में डिप्लोमा किया। महाविद्यालयीय जीवन से ही इनके नेतृत्व–कौशल का अभिज्ञान छात्र–संगठन के महासचिव चुने जाने के रूप में प्राप्त हुआ। महाविद्यालयीय शिक्षा के अन्तराल में ही ये देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में आ चुके थे, जिनमें सुभाषचन्द्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, अशोक मेहता तथा युसूफ मेहरली इत्यादि प्रमुख थे।

महाविद्यालय–शिक्षा के उपरान्त आजीविकोपार्जन हेतु इनके द्वारा नाथद्वारा में इलेक्ट्रिक दुकान प्रारम्भ की गई। यह व्यवसायारम्भ इनके जीवन में राष्ट्रोत्थान की भावना को दृढता प्रदान करने वाला भी हुआ। इनका अन्तर्जातीय विवाह श्रीमती इन्दुबाला सुखाड़िया के साथ 1 जून, 1938 को संपन्न हुआ। ये छुआछूत एवं सामाजिक बुराइयों के प्रबल उन्मूलक थे। इन्होंने दक्षिण राजस्थान में आदिवासी समाज की समस्याओं के निराकरण हेतु जनसंघर्ष किया तथा 'प्रजामण्डल' से जुड़े। भारत छोड़ो आंदोलन (1942) से जुड़ने के कारण श्री सुखाड़िया को कारावास में डाल दिया गया।

राजस्थान की प्रथम विधानसभा में चुने गए युवा एवं प्रभावी राजनेताओं में आपका नाम अग्रणी था। आपने वर्ष 1952–54 में कृषि, सिंचाई एवं अकाल राहत मंत्री रहते हुए भूमि–सुधार एवं पंचायतीराज के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। आधुनिक राजस्थान के निर्माण के शुरुआती चरणों में आप मेवाड़ क्षेत्र की सरकार में नागरिक–आपूर्ति, सार्वजनिक निर्माण तथा राहत एवं पुनर्वास मंत्री (1946), वृहद् राजस्थान सरकार में नागरिक आपूर्ति, कृषि विकास एवं सिंचाई मंत्री (1948) रहे तथा 38 वर्ष की अल्पायु में ही इन्होंने राजस्थान मुख्यमंत्री–पद को सुशोभित किया। 13 नवंबर, 1954 को मुख्यमंत्री–पदभार ग्रहण कर निरन्तर 17 वर्षों तक इन्होंने चार कार्यकाल पूर्ण किए, जो किसी एक व्यक्ति का अब तक का सर्वाधिक वर्षों वाला मुख्यमंत्रित्व काल है। इनके मुख्यमंत्रित्व की सुशासनावधि में राजस्थान का अप्रतिम विकास हुआ जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, भूमि–सुधार एवं जागीरदारी उन्मूलन इत्यादि प्रमुख हैं अतः इन्हें आधुनिक राजस्थान का निर्माता या शिल्पी नाम से भी विभूषित किया जाता है। दक्षिण–भारत के कर्नाटक (1972–75), आंध्रप्रदेश (1976), तमिलनाडु (1977–79) राज्य भी इनके राज्यपाल–पदारोहण से सुराज्य–स्थिति को प्राप्त हुए। उनकी यह लोकरंजक एवं प्रजाराधक जीवनयात्रा बीकानेर में 2 फरवरी, 1982 को समाप्त हुई। सन् 1988 में श्री सुखाड़िया की स्मृति में भारतीय डाक विभाग ने डाक टिकिट भी जारी किया।

विश्वविद्यालयो धन्यो यन्नाम्नाऽयं प्रतिष्ठितः।
राजस्थानस्य नव्यस्य शिल्पिनं तं वयं नुमः ।।

अर्थात् जिनके नाम से प्रतिष्ठित यह विश्वविद्यालय धन्य हुआ है और जो आधुनिक राजस्थान के शिल्पी हैं, ऐसे (श्री मोहनलाल जी सुखाड़िया) को हम नमन करते हैं।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की विकास यात्रा

क्र.सं.	वर्ष	शिक्षा—सोपान
1	वर्ष 1922—1948	सन् 1922 में उदयपुर में महाराणा इण्टरमीडिएट कॉलेज की स्थापना जो सन् 1945 में डिग्री कॉलेज बना तथा महाराणा भूपाल महाविद्यालय कहलाने लगा। सन् 1947 में यह स्नातकोत्तर हुआ तथा सन् 1948 में राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के अधीन हुआ।
2	वर्ष 1950—57	सन् 1950 में एम. बी. कॉलेज का विज्ञान खण्ड भवन तथा सन् 1957 में कला एवं वाणिज्य भवन का निर्माण।
3	सन् 1955	राजस्थान कृषि महाविद्यालय की उदयपुर में स्थापना।
4	सन् 1958	कॉलेज शिक्षा निदेशालय की स्थापना होने पर एम. बी. कॉलेज इसके अधीन हुआ।
5	सन् 1962	राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना। 12 जुलाई, 1962 को उद्घाटन। राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर तथा राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, बीकानेर को संघटक महाविद्यालय बनाया गया। अस्थायी कार्यालय राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के भवन में रखा गया।
6	सन् 1964	राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर को बहुसंकाय में परिवर्तित करके 'उदयपुर विश्वविद्यालय' के नाम से स्थापना (01 जुलाई,1964)। एम.बी. कॉलेज को भी इसका संघटक महाविद्यालय बनाया गया तथा इसे 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH)' नाम दिया गया। पॉलीटेक्निक संस्थान में 'प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय (CTAE) शुरु।
7	सन् 1966	विश्वविद्यालय के नए भवन में (वर्तमान) पुस्तकालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया तथा उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया ने किया (सन् 1971)।
8	सन् 1966	कृषि महाविद्यालय के अधीन गृहविज्ञान महाविद्यालय शुरु।
9	सन् 1969	गृह विज्ञान महाविद्यालय का पृथक् अस्तित्व।
10	सन् 1973	विधि महाविद्यालय की स्थापना।
11	सन् 1975	एम. बी. कॉलेज (SBSH) के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय विश्वविद्यालय के नये परिसर में स्थानान्तरित।
12	सन् 1978	कृषि महाविद्यालय में डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शुरु।
13	सन् 1979	'विश्वविद्यालय में पत्राचार इकाई' की स्थापना (सन् 1987 में बंद)
14	वर्ष 1981—82	एक उपनिदेशक के अधीन 02 नवंबर, 1982 से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय का स्वतंत्र इकाई का दर्जा। एक फरवरी , 1983 से पृथक् बजट तथा 10 अगस्त, 1983 से पूर्ण निदेशक का स्तर दिया गया।
15	सन् 1982	विधि महाविद्यालय अपने वर्तमान भवन में स्थानान्तरित। डेयरी प्रौद्योगिकी का पृथक् महाविद्यालय एवं संकाय।
16	सन् 1983	उदयपुर विश्वविद्यालय को पहले (09.08.1983) 'मोहनलाल सुखाड़िया कृषि विश्वविद्यालय' तथा कुछ माह बाद (15.10.1983) 'मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय' नाम दिया गया।
17	सन् 1984	23 जून, 1984 से आधारिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय को चार महाविद्यालयों विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिक अध्ययन एवं मानविकी तथा पत्राचार अध्ययन में विभक्त किया गया।
18	सन् 1987	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दो विश्वविद्यालयों में बाँटा गया– 1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर 2. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
19	वर्ष 1987—88	पत्राचार अध्ययन महाविद्यालय बंद किया गया तथा संपूर्ण संसाधन एवं स्टाफ कोटा खुला विश्वविद्यालय को दिया गया।
20	सन् 1988	राजस्थान विश्वविद्यालय के सन् 1950 में बने भू–विज्ञान विभाग का मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में विलय।
21	सन् 2016	सन् 2012 में बने राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, उदयपुर को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा नाम देते हुए तीन जिलों यथा– बांसवाडा, प्रतापगढ तथा डूंगरपुर के महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से पृथक् किए गए तथा इससे मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का क्षेत्र उदयपुर, राजसमंद, चितौड़गढ़ तथा सिरोही जिलों तक सीमित हुआ।

2 सांविधिक निकाय एवं पदाधिकारी (Statutory Bodies & Officials)

प्रो. एस. के. कटारिया

"इतिहास का खेल न्यारा है। सदा नये चमत्कार होते रहते हैं, नए गुल भी खिलते रहते हैं। संभव और असंभव यह दोनों शब्द इतिहास में निरर्थक हैं।"

लाला हरदयाल

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 तथा बाद में बने उदयपुर विश्वविद्यालय अधिनियम (1964 का 18 वाँ) के अंतर्गत विश्वविद्यालय की आंतरिक कार्यप्रणाली से जुड़े निम्नांकित 'Authority' निकाय विश्वविद्यालय में थे–

1. नियंत्रण मण्डल (Board of Control)
2. कार्यकारी समिति (Executive Committee)
3. विद्वत् परिषद (Academic Council)
4. अधिष्ठाता परिषद (Council of Deans)
5. अध्ययन मंडल (Board of Studies)

नियंत्रण मण्डल (Board of Control)

नियंत्रण मंडल की संरचना में कुलपति, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, समस्त अधिष्ठाता, रजिस्ट्रार, राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश, शिक्षा मंत्री, कृषि मंत्री, विकास आयुक्त, वित्त सचिव, कृषि सचिव, शिक्षा सचिव, निदेशक कृषि विभाग, निदेशक पशुपालन विभाग, निदेशक कॉलेज शिक्षा, निदेशक प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा, निदेशक तकनीकी शिक्षा, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष (आचार्य एवं सहआचार्य), अध्यक्ष नगर निगम, उदयपुर तथा अन्य पदेन सदस्य सम्मिलित थे। इसके अलावा राजस्थान बोर्ड ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग स्नातकों में से दो प्रतिनिधि, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं अन्य विश्वविद्यालय से एक प्रतिनिधि, महाविद्यालयों से एक प्राचार्य, विद्वत् परिषद से चार निर्वाचित सदस्य, विश्वविद्यालय के विभागों से दो शिक्षक प्रतिनिधि सम्मिलित होते थे। मनोनीत सदस्यों में राज्य सरकार द्वारा कृषि या पशुपालन का एक विद्वान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से एक सदस्य, राज्य सरकार द्वारा अखिल भारतीय महिला कॉंफ्रेंस से एक सदस्य, जिला परिषद् द्वारा मनोनीत दो किसान, राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सहकारी समितियों का एक प्रतिनिधि, चिकित्सा, उद्योग एवं वाणिज्य, वन, सार्वजनिक निर्माण, खान एवं भूगर्भ विज्ञान, विकास एवं नियोजन और विधि एवं न्यायिक मामलों से दो सदस्य, कुलाधिपति (चांसलर) द्वारा मनोनीत शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सेवाएँ देने वाले दो व्यक्ति तथा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत राज्य विधानसभा का एक सदस्य होता था। महत्त्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि **विश्वविद्यालय को एक मुश्त एक लाख रुपये की राशि अथवा संपति प्रदान करने वाले व्यक्ति को नियंत्रण मण्डल का आजीवन सदस्य बनाया जाता था।**

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (बाद में उदयपुर विश्वविद्यालय) ने अपने आंतरिक कार्य संचालन के लिए सर्वप्रथम **सन् 1963** में **Statute** बनाया जिसे राजस्थान सरकार के कृषि विभाग ने F.2(89)AGR/3/62 दिनांक 07 अगस्त, 1963 के द्वारा अधिसूचित किया। कालान्तर में इस दस्तावेज में विश्वविद्यालय के नियंत्रण मण्डल (Board of Control) द्वारा निम्नांकित बैठकों में संशोधन किए गए–

1. जनवरी 18,1964
2. जून 20,1964
3. अक्टूबर 27,1964
4. मार्च 16,1966
5. जुलाई 31,1966
6. मार्च 29,1967
7. सितंबर 5,1967
8. दिसंबर 23,1967
9. अप्रैल 17, 1968
10. जुलाई 29, 1969
11. मई 9, 1970
12. मई 6, 1972
13. मई 7, 1973
14. मई 5, 1974
15. अप्रैल 22, 1975

नियंत्रण मंडल द्वारा तीन स्थायी उप समितियाँ भी बनाई गई थी इनमें योजना समिति, वित्त समिति तथा मुख्य निर्माण समिति सम्मिलित थी।

विश्वविद्यालय के प्रथम नियंत्रण मंडल का गठन इस प्रकार था–

(1) अध्यक्ष	1. श्री बी. मेहता, मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार
(2) पदेन सदस्य	1. श्री आर. डी. माथुर, विकास आयुक्त, राज.राज्य 2. श्री आर. डी. थापर, वित्त सचिव, राजस्थान सरकार 3. श्री खेमचंद, कृषि सचिव, राजस्थान सरकार 4. श्री टी. सी. कल्ला, निदेशक, कृषि, राजस्थान राज्य 5. डॉ. जी. एस. राठौड़, निदेशक, पशुपालन, राज. राज्य
(3) प्रतिनिधि सदस्य	
1. अभियांत्रिक संस्थान का राज. बोर्ड	श्री के. एन. भार्गव, मुख्य अभियांत्रिक लोक स्वास्थ्य, राजस्थान।
2. पंजीयित स्नातक	रिक्त
3. विज्ञान निकाय	
(अ) राजस्थान विश्वविद्यालय	डॉ. एल. एस. रामस्वामी, अधिष्ठाता विज्ञान निकाय, प्राध्यापक, प्राणिशास्त्र, यशवंत महाविद्यालय, जोधपुर 05 .09.62 से 26 .11.62, डॉ. आर. सी. मेहरोत्रा प्राध्यापक एवं वि. वि. के रसायन शास्त्र विभाग के प्रधान (दिनांक 22.06.62 से)
(ब) जोधपुर विश्वविद्यालय	डॉ. जी. वी. बकोरे प्रधान, रसायन विभाग, जसवन्त महाविद्यालय, जोधपुर
4. मनोनीत सदस्य—	
1. वैज्ञानिक जिसने पशु विज्ञान कृषि विशिष्टता प्राप्त की हो	डॉ. पी.सी. राहेजा, निदेशक अरिड अंचल में अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
2. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मनोनीत सदस्य	डॉ. आर. एन. माथुर, अपर कृषि आयुक्त, भारत सरकार
3. अखिल भारतीय महिला सम्मेलन शाखा	श्रीमती शांता द्विवेदी, मुख्य सचिव, राजस्थान, राजस्थान महिला परिषद, उदयपुर
4. उन्नत किसान	1. श्री गुलाबसिंह शेखावत भीण्डर (जिला–उदयपुर) 2. श्री चण्डीदान डेठा, सरपंच गाँव बोरुन्दा (जिला जोधपुर)
5. सहकारी समितियाँ	श्री वी.एन.काक, कृषि सलाहकार, राजस्थान सरकार

नियंत्रण मण्डल का आकार हमेशा ही विशालकाय रहा तथा वर्ष 1978–79 में इसमें 109 सदस्य थे। प्रथमतः इसके अध्यक्ष राज्य के मुख्य सचिव थे किन्तु बाद में कुलपति इसके अध्यक्ष बनाए जाने लगे।

कार्यकारी समिति (Executive Committee)

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 की धारा 19(10) में एक 'कार्यकारी समिति' अथवा 'कार्यकारिणी समिति' का भी प्रावधान था। इसी क्रम में नियंत्रण मंडल की बैठक दिनांक 8 फरवरी, 1964 में हुए निर्णय की सिफारिश पर राज्यपाल महोदय ने प्रथम बार कार्यकारी समिति गठित की, जिसका निम्नांकित स्वरूप था–

1. कुलपति
2. अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय
3. अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय
4. वित्त सचिव, राजस्थान सरकार
5. निदेशक, कृषि, राजस्थान सरकार
6. निदेशक, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार
7. निदेशक, पशुपालन, राजस्थान सरकार
8. कुलपति द्वारा नामित दो अन्य अधिष्ठाता

9. नियंत्रण मंडल द्वारा नामित आठ वैज्ञानिक
10. कुलपति द्वारा नामित दो वरिष्ठ विभागाध्यक्ष
11. मंडल के दो गैर शिक्षक सदस्य जिनमें एक स्नातक हो
12. चांसलर द्वारा नामित मंडल के दो सदस्य
13. मंडल के सदस्य के रूप में निर्वाचित प्राचार्य / विभागाध्यक्ष।

धारा–36 के अंतर्गत यह समिति अन्य विश्वविद्यालयों की **सिंडिकेट** की तरह मानी गई जिसे विश्वविद्यालय का प्राधिकारी मानते हुए कार्यकारी एवं अकादमिक शक्तियाँ दी गई। नियंत्रण मंडल को अन्य विश्वविद्यालयों की **सीनेट** की तरह माना गया। इस समिति की प्रथम बैठक 14 मार्च, 1964 को हुई थी।

कार्यकारी समिति (Executive Committee) की बैठकें

- **1964**
  - 14 मार्च, 1964
  - 7 अप्रैल, 1964
  - 07 मई, 1964
  - 21 जुलाई, 1964
  - 26 अक्टूबर, 1964
- **1965**
  - 01 मार्च, 1965
  - 11 सितंबर, 1965
  - 13 नवंबर, 1965
- **1966**
  - 15 मार्च, 1966
  - 15 अप्रैल, 1966
  - 19 मई, 1966
  - 30 जून, 1966
  - 30 जुलाई, 1966
  - 26 सितंबर, 1966
  - 14 नवंबर, 1966
- **1967**
  - 9 जनवरी, 1967
  - 28 फरवरी, 1967
  - 28 मार्च, 1967
  - 17 मार्च, 1967
  - 16 जून, 1967
  - 04 सितंबर, 1967
  - 22 दिसंबर, 1967
- **1968**
  - 03 मार्च, 1968
  - 16 अप्रैल, 1968
  - 15 जुलाई, 1968
  - 7 सितंबर, 1968
  - 26 अक्टूबर, 1968
- **1969**
  - 16 जनवरी,1969
  - 28 जुलाई, 1969
  - 06 अगस्त, 1969
  - 16 अगस्त, 1969
  - 17 अगस्त, 1969
  - 04 अक्टूबर, 1969
  - 16 दिसंबर, 1969
- **1970**
  - 02 मार्च, 1970
  - 24 मार्च, 1970
  - 5॰6 मई, 1970
  - 08 जून, 1970
  - 20 जुलाई, 1970
  - 19 अगस्त, 1970
  - 15॰16 सितंबर, 1970
  - 16 नवंबर, 1970
  - 18 दिसंबर,1970
  - 17 अगस्त, 1969
  - 16 अगस्त, 1969
- **1971**
  - 03 फरवरी, 1971
  - 02 अप्रैल, 1971
  - 06 जुलाई, 1971
  - 25 जुलाई, 1971
  - 20 सितंबर, 1971
  - 15 नवंबर, 1971
- **1972**
  - 2 जनवरी, 1972
  - 7 फरवरी, 1972
  - 22 सितंबर, 1972
  - 14 सितंबर, 1972
  - 15 अप्रैल, 1972
  - 17 अप्रैल, 1972
  - 5 मई, 1972
  - 12 मई, 1972
  - 2 अप्रैल, 1972
  - 22 जुलाई, 1972
  - 22 सितंबर, 1972
  - 21 अक्टूबर, 1972
  - 28 दिसंबर, 1972
- **1973**
  - 17 फरवरी, 1973
  - 19 अप्रैल, 1973
  - 30 जून, 1973
  - 2 अगस्त, 1973
  - 29 सितंबर, 1973
  - 16 नवंबर, 1973
  - 17 नवंबर, 1973
  - 21 दिसंबर, 1973
- **1974**
  - 31 जनवरी, 1974
  - 17 मार्च, 1974
  - 14 अप्रैल, 1974
  - 9 अगस्त, 1974
  - 26 सितंबर, 1974
  - 26 नवंबर, 1974

❖ 1975
09 जनवरी, 1975
18 फरवरी, 1975
10 अप्रैल, 1975
26 जून, 1975
11 सितंबर, 1975
28 सितंबर, 1975
1 नवंबर, 1975
20 दिसंबर, 1975

❖ 1976
24 जनवरी, 1976
20 मार्च, 1976
22 मई, 1976
01 जुलाई, 1976
31 जुलाई, 1976
25 सितंबर, 1976
27 नवंबर, 1976

❖ 1977
25 जनवरी, 1977
9 अप्रैल, 1977
4 जून, 1977
16 जुलाई, 1977
12 नवंबर, 1977

❖ 1978
20 मार्च, 1978
27 मार्च, 1978
21 जून, 1978
18 नवंबर, 1978
23 दिसंबर, 1978

❖ 1979
10 फरवरी, 1979
19 मई, 1979
4 अगस्त, 1979
13 दिसंबर, 1979

❖ 1980
14 फरवरी, 1980
10 अप्रैल, 1980
29 जुलाई, 1980
1 अक्टूबर, 1980
15 नवंबर, 1980

❖ 1981
20 जनवरी, 1981
30 मार्च, 1981
25 अप्रैल, 1981
18 मई, 1981
13 जुलाई, 1981
25 अगस्त, 1981
3 दिसंबर, 1981

❖ 1982
10 जनवरी, 1982
10 अप्रैल, 1982
10 मई, 1982
23 जून, 1982
26 जुलाई, 1982
19 अगस्त, 1982
03 सितंबर, 1982
17 सितंबर, 1982
09 अक्टूबर, 1982
21 अक्टूबर, 1982

❖ 1983
07 जुलाई, 1983

नोटः– यह सूची संपूर्ण नहीं है बल्कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर बनी है।

प्रबंध मंडल (Board of Management)

राज्य सरकार द्वारा जारी किये गये अध्यादेश सं. 6 दिनांक 09 अगस्त, 1983 के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रवर्तित अधिनियम की धारा–19 में वर्णित नियंत्रण मंडल एवं कार्यकारी समिति को विलोपित करते हुए 'प्रबंध मंडल' के गठन का प्रावधान किया गया। यह मंडल विश्वविद्यालय का सर्वोच्च नीति–निर्माण निकाय है।

प्रथम प्रबंध मंडल में निम्नांकित सदस्य थे–

1. श्री पी. एन. भण्डारी, कुलपति (अध्यक्ष)
2. डॉ. मोहन सिंह मेहता
3. श्री के. के. भटनागर
4. श्री डी. सी. सामन्त
5. श्री ए. के. पान्डे
6. श्री सी. पी. जोशी
7. डॉ. मोहन सिंह
8. डॉ. पी. भट्टाचार्य
9. डॉ. एस. एम. गाँधी
10. डॉ. बी. के. लवानिया
11. श्री महेन्द्र सिंह, उत्पादन सचिव
12. श्री आर. एस. कुमट, विशिष्ट सचिव, योजना विभाग
13. श्री शिवनाथ सिंह, निदेशक, कॉलेज शिक्षा
14. श्री जी. एस. शर्मा (सदस्य सचिव)

नियंत्रण मंडल के विशाल आकार तथा कार्यकारी समिति से किंचित् दोहराव की दुविधा के बीच सन् 1983 में इन दोनों निकायों के स्थान पर एक निकाय 'प्रबंध मण्डल या बॉम' गठित किया गया।

प्रबंध मंडल (Board of Management) की बैठकें

1983	**1999**	**2008**	**2015**
4 दिसंबर, 1983	27 अक्टूबर, 1999	06 फरवरी, 2008	09 मई, 2015
		29 मार्च, 2008	03 जुलाई, 2015
1984	**2000**	18 जून, 2008	06 नवम्बर, 2015
09 नवंबर, 1984	21 अक्टूबर, 2000	28 जुलाई, 2008	19 दिसम्बर, 2015
	21 नवम्बर, 2000		
1985	12 दिसम्बर, 2000	**2009**	**2016**
11 नवंबर, 1985		17 सितम्बर, 2009	28 अप्रैल, 2016
	2001		
1986	14 फरवरी, 2001	**2010**	**2017**
15 जनवरी, 1986	15 फरवरी, 2001	20 अप्रैल, 2010	10 जून, 2017
24 फरवरी, 1986	27 मई, 2001	13 अगस्त, 2010	17 नवम्बर, 2017
19 मई, 1986	28 अगस्त, 2001	27 नवम्बर, 2010	
07 जून, 1986	29 दिसम्बर, 2001		**2018**
		2011	10 मई, 2018
1987	**2002**	03 फरवरी, 2011	25 जून, 2018
21 फरवरी, 1987	04 मई, 2002	05 मार्च, 2011	30 जून, 2018
08 दिसम्बर, 1987		28 अप्रैल, 2011	15 दिसम्बर, 2018
	2003	30 सितम्बर, 2011	
1988	21 अप्रैल, 2003	03 नवम्बर, 2011	**2019**
14 मई, 1988	19 सितम्बर, 2003		07 सितम्बर, 2019
	20 दिसम्बर, 2003	**2012**	01 दिसम्बर, 2019
1989		17 फरवरी, 2012	
31 मई, 1989	**2004**	29 जून, 2012	**2020**
	26 मार्च, 2004	15 अक्टूबर, 2012	15 फरवरी, 2020
1991	29 मई, 2004		28 नवम्बर, 2020
31 अक्टूबर, 1991	06 जुलाई, 2004	**2013**	
	22 नवम्बर, 2004	01 फरवरी, 2013	**2021**
1992		20 अप्रैल, 2013	20 फरवरी, 2021
28 मई, 1992	**2005**	22 मई, 2013	
	16 मई, 2005		
1994		**2014**	
27 अगस्त, 1994	**2006**	21 जून, 2014	
	12 अप्रैल, 2006	09 जुलाई, 2014	
1998		30 सितम्बर, 2014	
01 जून, 1998	**2007**		
	17 मई, 2007		
	25 जून, 2007		

नोटः– यह सूची संपूर्ण नहीं है बल्कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर बनी है।

प्रबंध मंडल – संरचना (मार्च, 2021)

Relevant Sec. No. of the Act	Provision of the Section-19 (I to IV)	Name of Members
19(I)	**Vice Chancellor as Chairman**	Prof. Amarika Singh
(II) i)	Principal Secretary, Finance	
ii)	Principal Secretary, Hr. Education	
iii)	Secretary, Planning Department	
iv)	Commissioner, College Education	
v)	Registrar (Member Secretary)	Registrar
(III) i)	Two Deans	1. Prof. Kanika Sharma
		2. Prof. P.K. Singh
ii)	Two Professors	1. Prof. G. S. Rathore, UCoS, MLSU
		2. Prof. Seema Jalan, UCSSH, MLSU
iii)	Two Eminent Educationists (To be nominated by the Chancellor)	1. Prof. B.P. Saraswat, Ajmer
		2. Dr. Sangeeta Kumari, Assistant Professor, Muzaffarpur
iv)	One Teacher other than Professor	Dr. Ajit Kumar Bhabor
v)	One Principal of a College from amongst the Affiliated Colleges. (To be nominated by the State Govt.)	Dr. Yadugopal Sharma, Principal, Government College Sarada, Udaipur
vi)	Two MLAs (To be nominated by the State Govt.)	1. Sh. Dayaram Parmar, Hon'ble MLA Kherwara (ST), Purana Bus stand, Kherwara, Udaipur
		2. Sh. Sudarshan Singh Rawat Hon'ble MLA Bhim ,
(IV)	**Two Elected Members**	1. ....
		2. ....

विद्वत् परिषद (Academic Council)

विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के निर्धारण हेतु एक विद्वत् या अकादमिक परिषद होती है। वर्ष 1962–1983 तक विश्वविद्यालय की एक ही विद्वत् परिषद थी किन्तु अध्यादेश सं. 6 दिनांक 09 अगस्त, 1983 के द्वारा कृषि शाखा और शिक्षा शाखा दोनों के लिए अलग–अलग विद्वत् परिषद बना दी गयी।

- ❖ Agricultural Academic Council
- ❖ Education Academic Council

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 तथा उदयपुर विश्वविद्यालय अधिनियम (1964 का 18 वाँ) के अंतर्गत विद्वत् या अकादमिक परिषद की संरचना इस प्रकार थी–

1. कुलपति, अध्यक्ष
2. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
3. सभी अधिष्ठाता एवं सह अधिष्ठाता
4. निदेशक, आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल
5. निदेशक एवं सह निदेशक कृषि परीक्षण स्टेशन
6. निदेशक, प्रसार शिक्षा
7. प्रत्येक महाविद्यालय (SBSH सहित) एवं केम्पस के शिक्षकों में से चयनित तीन व्यक्ति

प्रथम विद्वत् परिषद

1.	कुलपति, अध्यक्ष	श्री जी.बी.के.हूजा
2.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा (पंजीयक)
3.	अधिष्ठाता एवं स्थापन्न अधिष्ठाता	1. डॉ. ए. राठौड़, अधिष्ठाता रा.कृ.म.वि.,उदयपुर 2. डॉ. मोहनसिंह, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर। 3. डॉ. एन. प्रसाद, स्थापन्न अधिष्ठाता, एस. के. एन.कृ.म.वि., जोबनेर।
4.	निदेशक, आधारभूत विज्ञान एवं मानविकी स्कूल	रिक्त
5.	निदेशक, कृषि प्रयोग स्टेशन एवं स्थापन्न निदेशक (कार्यकारी)	डॉ. एन. प्रसाद, स्थापन अधिष्ठाता, जोबनेर
6.	निदेशक, शिक्षा प्रसार	रिक्त
7.	प्रत्येक महाविद्यालय के शिक्षकों में से 2 वर्ष के लिये 3 व्यक्तियों का चयन किया गया	**उदयपुर क्षेत्र** 1. डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा, 2. डॉ. एच. एन. सक्सेना 3. डॉ. के. एस. कुशवाहा **जोबनेर क्षेत्र** 1. प्राध्यापक एम. आर. वाजपेयी 2. प्राध्यापक डी. गुप्ता 3. डॉ. डी. पी. श्रीवास्तव **बीकानेर क्षेत्र** 1. श्री के. आर. लोढ़ा 2. श्री पी. डी. माथुर 3. प्राध्यापक पी. एन. मेहरोत्रा

विद्वत् परिषद (Academic Council) की बैठकें

- ❖ 1969 — 06/07 जनवरी, 1969
- ❖ 1974 — 29 मार्च, 1974; 24 अप्रैल, 1974
- ❖ 1983 — 16 जनवरी, 1983
- ❖ 1988 — 23 जून, 1988
- ❖ 1990 — 18 जुलाई, 1990
- ❖ 1991 — 07 जनवरी, 1991; 02 अक्टूबर, 1991; 08 दिसंबर, 1991
- ❖ 1992 — 06 मार्च, 1992; 02 मई, 1992; 26 जुलाई, 1992; 14 दिसंबर, 1992
- ❖ 1993 — 18 अप्रैल, 1993; 30 अगस्त, 1993; 14 दिसंबर, 1993
- ❖ 1995 — 16 दिसंबर, 1995; 19 दिसंबर, 1995
- ❖ 1996 — 26 दिसंबर, 1996
- ❖ 1997 — 20 मई, 1997
- ❖ 1998 — 15 दिसंबर, 1998; 22 दिसंबर, 1998
- ❖ 1999 — 29 जनवरी, 1999; 18 अप्रैल, 1999; 28 अगस्त, 1999; 22 दिसंबर, 1999; 29 दिसंबर, 1999
- ❖ 2000 — 30 अप्रैल, 2000; 21 मई, 2000
- ❖ 2001 — 14 फरवरी, 2001; 22 अप्रैल, 2001; 28 दिसंबर, 2001
- ❖ 2002 — 10 जून, 2002
- ❖ 2003 — 04 जनवरी, 2003; 05 मई, 2003; 14 जून, 2003; 18 दिसंबर, 2003
- ❖ 2004 — 19 मार्च, 2004; 15 मई, 2004; 16 नवंबर, 2004
- ❖ 2005 — 16 जून, 2005

- ❖ 2006 10 अप्रैल, 2006
  07 जून, 2006
- ❖ 2008 23 जनवरी, 2008
- ❖ 2009 07 सितंबर, 2009
- ❖ 2010 08 जनवरी, 2010
  19 अप्रैल, 2010
  24 जुलाई, 2010
  11 अक्टूबर, 2010
  10 नवंबर, 2010
- ❖ 2011 10 जनवरी, 2011
  03 मार्च, 2011
  17 जून, 2011
  01 अगस्त, 2011
  16 सितंबर, 2011
  22 दिसंबर, 2011
  29 दिसंबर, 2011
- ❖ 2012 10 अप्रैल, 2012
  25 मई, 2012
  18 अक्टूबर, 2012
- ❖ 2013 05 मार्च, 2013
  11 अक्टूबर, 2013
- ❖ 2014 14 जून, 2014
  06 दिसंबर, 2014
- ❖ 2015 13 जून, 2015
  17 अक्टूबर, 2015
- ❖ 2016 04 जून, 2016
  01 दिसंबर, 2016
- ❖ 2017 16 मार्च, 2017
  11 नवंबर, 2017
- ❖ 2018 28 सितंबर, 2018
  14 दिसंबर, 2018
- ❖ 2019 30 नवंबर, 2019
- ❖ 2020 14 सितंबर, 2020
  19 अक्टूबर,2020
  24 नवंबर, 2020
- ❖ 2021 28 जनवरी, 2021

नोटः– यह सूची संपूर्ण नहीं है बल्कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर बनी है।

विद्वत् परिषद–संरचना (जनवरी, 2021)

S.N.	MEMBERS AS PER ACT-21(1)	NAME OF MEMBERS
21(1)(a)	Vice-Chancellor (In Chair)	Prof. Amarika Singh
(b)	Dean, P.G. Studies	Prof. B.L. Ahuja (11.07.2019)
(c)	One Professor from each Faculty to be nominated by the Vice-Chancellor	
	Science	Prof. Kanika Sharma
	Commerce	Prof. B. L. Verma
	Humanities	Prof. Pradeep Trikha
	Education	Dr. Arvind Ashiya, Principal, Vidyabhawan Govindram Sekseriya Teachers Training College, Mohan Singh Mehta Marg, Udaipur
	Social Sciences	Prof. S.K. Kataria
	Management	
	Law	Prof. Anand Paliwal
	Earth Science	Prof. Seema Jalan
(d)	One Head of a Constituent Colleges to be nominated by the Vice- Chancellor	Prof. Madan Singh Rathore
(e)	Secretary to the State Govt. of the Higher Education Department or his nominee not below the rank of a Special Secretary.	Ex-Officio Member
(f)	Commissioner College Education, Rajasthan	Ex-Officio Member
(g)	Heads of University Department	
	History	Prof. Digvijay Bhatanagar
	Hindi	Dean, UCSSH
	Psychology	Prof. Kalpana Jain
	Sociology	Prof. P.M. Yadav
	Philosophy	Prof. Sudha Choudhary

S.N.	MEMBERS AS PER ACT-21(1)	NAME OF MEMBERS
	Visual Arts	Prof. Madan Singh Rathore
	Public Administration	Prof. C.R. Suthar
	Political Science	Dean,UCSSH
	English	Dr. Meenakshi Jain
	Economics	Dean,UCSSH
	Sanskrit	Prof. Neeraj Sharma
	Geography	Prof. Seema Jalan
	Jainology & Prakrit	Prof. Jinendra Kumar Jain
	Lib. & Information Sc./Rajasthani/ Music/ Journalism	Dean, UCSSH
	Urdu	Prof. Hadees Ansari
	Chemistry	Dr. Jyoti Choudhary
	Zoology	Prof. Arti Prasad
	Physics	Prof. K.B. Joshi
	Botany	Dr. Ganpat Singh Deora
	Mathematics & Statistics	Prof. G.S. Rathore
	Computer Science	Dr. Avinash Panwar
	Geology	Dr. Ritesh Purohit
	Pharmacy	Prof. C.P. Jain
	Environmental Science	Prof. Nidhi Rai
	Law	Prof. Anand Paliwal
	Business Administration	Prof. R. Narendran
	Accountancy & Statistics	Prof. Shurveer S. Bhanawat
	Banking & Bus. Economics	Prof. Mukesh Mathur
(h)	One Principal of Affiliated College to be nominated by the State Govt.	Dr. Praveen Pandya (Principal), Lecturer Economics, Govt. Girls College, Kherwara, Udaipur
(i)	Two persons having special attainment one by Vice - Chancellor and the other by the State Govt.	Dr. Bhuri Lal Meena, Geography Lecturer, Govt. Meera Girls college, Udaipur
		Dr. Asha Vajpayee , Principal, Govt. College, Gogunda /Jhadol, Udaipur Adress-209, Secter -6, Hiran Mangri, Udaipur
(j)	One teacher other than the Professor, from a Constituent College, Department having a minimum ten years experience in teaching.	Dr. Harish Deptt. of Botany, UCoS, MLSU, Udaipur
(k)	One teacher other than the Principal from affiliated college	Dr. Jujhar Hussain Bohra,
(l)	Registrar (Member Secretary)	REGISTRAR
(2)	The term of office of a nominated or elected member	

अधिष्ठाता परिषद (Council of Deans)

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों से सभी अधिष्ठाता मिलकर इस परिषद का निर्माण करते थे। यह व्यवस्था अभी भी यथावत् है।

प्रथम अधिष्ठाता परिषद

1.	कुलपति (अध्यक्ष)	श्री जी. बी. के. हूजा
2.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा (पंजीयक)
3.	अधिष्ठाता एवं स्थापन्न अधिष्ठाता	1. डॉ. ए. राठौड़ अधिष्ठाता राज. कृ.म. वि.,उदयपुर 2. डॉ. मोहनसिंह अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर 3. डॉ. एन. प्रसाद स्थापन्न अधिष्ठाता, एस. के. एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
4.	निदेशक, पाठशाला आधारभूत विज्ञान एवं मानविकी	–

विभिन्न निकायों की प्रथम बैठक

1.	अधिष्ठाता परिषद	–	17–18 अगस्त, 1962
2.	अकादमिक परिषद	–	26–27 सितंबर, 1962
3.	नियंत्रण मंडल	–	6 अक्टूबर, 1962
4.	कार्यकारी समिति	–	14 मार्च, 1964
5.	अध्ययन मंडल (कृषि)	–	4 सितंबर, 1962
6.	अध्ययन मंडल (पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान)	–	4–6 सितंबर, 1962
7.	योजना समिति	–	3 नवम्बर, 1962
8.	वित्त समिति	–	5 नवम्बर, 1962
9.	प्रबंध मण्डल (B.o.M.) सन् 1983 में गठित	–	4 दिसम्बर, 1983

कुलाधिपति (Chancellor)

डॉ. संपूर्णानंद
प्रथम कुलाधिपति

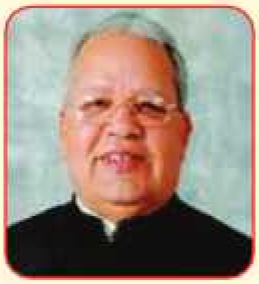

श्री कलराज मिश्र
वर्तमान कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के अधिनियम में कुलाधिपति, कुलपति, समस्त अधिष्ठाता, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संघटक महाविद्यालय अधिष्ठाता, तथा संपदा अधिकारी (विश्वविद्यालय अभियंता) को अधिकारी घोषित किया गया है। राज्य के महामहिम राज्यपाल (Governor) को विश्वविद्यालय का सर्वोच्च पदाधिकारी एवं कुल–संरक्षक का दायित्व दिया गया है।

कुलाधिपति–सूची

क्र. सं.	नाम	कार्यकाल
1	राज प्रमुख सवाई श्री मानसिंह	30 मार्च, 1949 से 31 अक्टूबर, 1956
2	सरदार श्री गुरुमुख निहाल सिंह	1 नवंबर, 1956 से 15 अप्रैल, 1962
3	डॉ. संपूर्णानंद	16 अप्रैल, 1962 से 15 अप्रैल, 1967
4	सरदार श्री हुकुम सिंह	16 अप्रैल, 1967 से 19 नवंबर, 1970
5	जस्टिस जगतनारायण (प्रभार)	20 नवंबर, 1970 से 23 दिसंबर, 1970
6	सरदार श्री हुकुम सिंह	24 दिसंबर, 1970 से 30 जून, 1972
7	सरदार श्री जोगिन्दर सिंह	1 जुलाई, 1972 से 14 फरवरी, 1977
8	जस्टिस श्री वेदपाल त्यागी (प्रभार)	15 फरवरी, 1977 से 11 मई, 1977
9	श्री रघुकुल तिलक	12 मई, 1977 से 8 अगस्त, 1981
10	जस्टिस श्री के. डी. शर्मा (प्रभार)	8 अगस्त, 1981 से 5 मार्च, 1982
11	एयर चीफ मार्शल ओ. पी. मेहरा	6 मार्च, 1982 से 4 जनवरी, 1985
12	जस्टिस पी. के. बेनर्जी (प्रभार)	5 जनवरी, 1985 से 31 जनवरी, 1985
13	एयर चीफ मार्शल ओ. पी. मेहरा	1 फरवरी, 1985 से 3 नवंबर, 1985
14	जस्टिस डी. पी. गुप्ता (प्रभार)	4 नवंबर, 1985 से 19 नवंबर, 1985
15	श्री वसंत राव पाटिल	15 अक्टूबर, 1985 से 14 नवंबर, 1987
16	जस्टिस जगदीश शरण वर्मा (प्रभार)	15 नवंबर, 1987 से 19 फरवरी, 1988
17	श्री सुखदेव प्रसाद	20 फरवरी, 1988 से 2 फरवरी, 1989
18	जस्टिस जगदीश शरण वर्मा (प्रभार)	3 फरवरी, 1989 से 19 फरवरी, 1989
19	श्री सुखदेव प्रसाद	20फरवरी, 1989 से 2 फरवरी, 1990
20	श्री मिलाप चंद जैन (प्रभार)	3 फरवरी, 1990 से 13 फरवरी, 1990
21	प्रो. देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय	14 फरवरी, 1990 से 25 अगस्त, 1991
22	डॉ. स्वरूप सिंह (प्रभार)	26 अगस्त, 1991 से 4 फरवरी, 1992
23	डॉ. एम. चेन्ना रेड्डी	5 फरवरी, 1992 से 30 मई, 1993
24	श्री धनिकलाल मंडल (प्रभार)	31 मई, 1993 से 29 जून, 1993
25	श्री बलिराम भगत	30 जून, 1993 से 30 अप्रैल, 1998
26	श्री सरदार दरबारा सिंह	1 मई, 1998 से 24 मई, 1998
27	श्री एन. एल. टिबरेवाल (प्रभार)	25 मई, 1998 से 15 जनवरी, 1999
28	जस्टिस श्री अंशुमान सिंह	16 जनवरी, 1999 से 13 मई, 2003
29	श्री निर्मल चंद्र जैन	14 मई, 2003 से 22 सितंबर, 2003
30	श्री कैलाशपति मिश्रा (प्रभार)	22 सितंबर, 2003 से 13 जनवरी, 2004
31	श्री मदनलाल खुराना	14 जनवरी, 2004 से 1 नवंबर, 2004
32	श्री टी. वी. राजेश्वर (प्रभार)	1 नवंबर, 2004 से 8 नवंबर, 2004
33	श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील	8 नवंबर, 2004 से 23 जून, 2007
34	डॉ. ए.आर. किदवई (प्रभार)	23 जून, 2007 से 6 सितंबर, 2007
35	श्री शीलेन्द्र कुमार सिंह	6 सितंबर, 2007 से 9 जुलाई, 2009
36	श्री रामेश्वर ठाकुर (प्रभार)	10 जुलाई, 2009 से 22 जुलाई, 2009
37	श्री शीलेन्द्र कुमार सिंह	23 जुलाई, 2009 से 1 दिसंबर, 2009
38	श्रीमती प्रभा राव (प्रभार)	3 दिसंबर, 2009 से 24 जनवरी, 2010
39	श्रीमती प्रभा राव	25 जनवरी, 2010 से 26 अप्रैल, 2010
40	श्री शिवराज पाटील (प्रभार)	28 अप्रैल, 2010 से 11 मई, 2012
41	श्रीमती मारग्रेट आल्वा	12 मई, 2012 से 7 अगस्त, 2014
42	श्री राम नाईक (प्रभार)	8 अगस्त, 2014 से 3 सितंबर, 2014
43	श्री कल्याण सिंह	4 सितंबर, 2014 से 9 सितंबर, 2019
44	श्री कलराज मिश्र	9 सितंबर, 2019 से ....

कुलपति (Vice Chancellor)

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्रथम कुलपति (वाइस चांसलर को उप कुलपति कहा जाता था) श्री जी. बी. के. हूजा, आई. ए. एस. थे जिन्होंने 05 जुलाई, 1962 को पद ग्रहण किया था और नियमित कुलपति नियुक्त होने पर नवंबर 19, 1963 को उन्होंने यह पद छोड़ दिया और उसी दिन डॉ. जी. एस. महाजनि ने एक स्थायी और अकादमिक कुलपति के रूप में पद ग्रहण किया। फर्गुसन कॉलेज, पूना के पूर्व प्राचार्य रह चुके डॉ. महाजनि, इससे पूर्व वर्ष 1947 में बने राजपूताना विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति रह चुके थे। वर्ष 1963 से 1972 तक डॉ. महाजनि उदयपुर के इस विश्वविद्यालय में सर्वाधिक लंबे कार्यकाल तक रहने वाले (1963–72) कुलपति रहे हैं। इनके अतिरिक्त दो कार्यकाल पाने वालों में प्रो. ए. के. सिंह तथा प्रो. आई. वी. त्रिवेदी सम्मिलित हैं।

विभिन्न कुलपतियों के कार्यकाल का संक्षिप्त विवरण

12 जुलाई, 1962 को 'राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय' की स्थापना के पाँच दिन पूर्व ही इसके प्रथम कुलपति श्री जी. बी. के. हूजा, आई. ए. एस. पदग्रहण कर चुके थे। चूँकि श्री हूजा वर्ष 1958–60 तक उदयपुर के जिला कलक्टर रह चुके थे अतः उन्हें यहाँ की भौगोलिक, प्रशासनिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ भली–भाँति पता थी। उनके नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के प्रयोगशाला खण्ड में शुरू हुआ तथा उन्होंने सर्वप्रथम राज्य सरकार से प्रशासनिक पदों पर प्रतिनियुक्ति पर स्टाफ की माँग की तथा कुछ ही दिनों में विश्वविद्यालय का कार्य संचालन शुरू हो गया। सांविधिक निकायों का गठन और तत्काल उनकी बैठकें करवा कर विधिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सम्पन्न करवाई गई।

श्री हूजा के 16 माह के कार्यकाल के बाद राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया के आग्रह पर डॉ. जी. एस. महाजनि ने 19 नवंबर, 1963 को अपराह्न में कार्यभार ग्रहण किया। वे राजपूताना विश्वविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके थे। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय का वर्तमान नवीन परिसर राज्य सरकार द्वारा अधिगृहीत लगभग 1000 बीघा भूमि पर विकसित हुआ तथा केन्द्रीय पुस्तकालय के भवन का उद्घाटन भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के हाथों (सन् 1966) करवाया गया। 5 वर्ष पश्चात् सन् 1971 में विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय इस पुस्तकालय भवन में आया जो कि राजस्थान कृषि महाविद्यालय की एक प्रयोगशाला में संचालित हो रहा था। डॉ. महाजनि को अत्यंत परिश्रमी, सादगीपूर्ण जीवनशैली तथा शैक्षिक विकास हेतु प्रतिबद्धता के लिए देशभर में जाना जाता है। उन्होंने दर्शनशास्त्र विभाग की स्थापना, संस्कृत एवं ड्राईंग एण्ड पेंटिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू कराए तथा सन् 1971 में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना भी की। वर्ष 1966–67 में गृह विज्ञान महाविद्यालय एवं कृषि महाविद्यालय की इकाई के रुप में स्थापना करवाई तथा वर्ष 1969–70 से गृहविज्ञान महाविद्यालय को एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा प्रदान किया। उन्होंने एम. बी. कॉलेज का उदयपुर विश्वविद्यालय में विलय तथा कार्मिक समायोजन की प्रक्रिया भी संपन्न कराई।

डॉ. जी. एस. महाजनि : एक संक्षिप्त परिचय

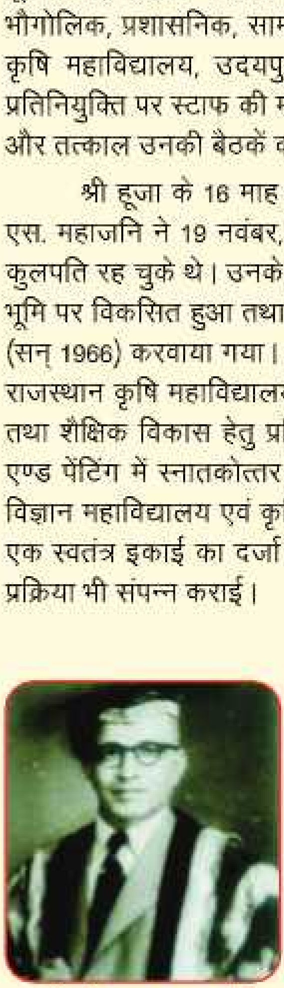

डॉ. जी. एस. महाजनि
कुलपति (1963–1972)

सुप्रसिद्ध गणितज्ञ डॉ. गणेश सखाराम महाजनि उदयपुर विश्वविद्यालय के प्रथम पूर्णकालिक एवं अकादमिक कुलपति थे जो इस पद पर लगातार लगभग नौ वर्षों तक पदासीन रहे। आप विगत सदी के तीसरे दशक में पूना के प्रसिद्ध फर्गुसन कॉलेज के प्राचार्य थे। यह कॉलेज बाल गंगाधर तिलक एवं अन्य द्वारा डक्कन एजूकेशन सोसायटी के तत्त्वाधान में सन् 1885 में स्थापित किया गया था। डॉ. महाजनि को गणित में उच्च प्रतिभा के कारण 'Wrangler' (Academic Supremacy) की उपाधि दी गई थी। महान् अकादमिक प्रतिभा के धनी डॉ. जी. एस. महाजनि, गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा सन् 1905 में स्थापित सर्वेण्ट्स ऑफ इण्डिया सोसायटी के भी सदस्य थे तथा आप सर सी. वी. रमण द्वारा सन् 1934 में स्थापित 'इण्डियन एकेडमी ऑफ साइंस, बैंगलोर' के भी संस्थापक सदस्य थे।

सन् 1947 में जयपुर में राजस्थान के प्रथम विश्वविद्यालय (राजपूताना विश्वविद्यालय) की स्थापना हुई तब जयपुर राज्य द्वारा डॉ. जी. एस. महाजनि को कुलपति पद संभालने हेतु आमंत्रित किया गया था क्योंकि फर्गुसन कॉलेज की स्वर्ण जयंती (सन् 1935) के अवसर पर महात्मा गांधी इस कॉलेज की भूरि–भूरि प्रशंसा कर चुके थे। डॉ. महाजनि ने राजपूताना विश्वविद्यालय के संस्थापक अकादमिक कुलपति (1 नवंबर, 1947 से 30 जून, 1953) रहते हुए अभूतपूर्व कार्य किए तथा इसके पश्चात् इन्हें भारत सरकार द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति (1953–57) पद हेतु आमंत्रित

> राजस्थान में शुरु में Chancellor को 'कुलपति' तथा Vice Chancellor को 'उप कुलपति' कहा जाता था। सन् 1975 में ये पदनाम अंग्रेजी में यथावत् रहे तथा हिन्दी में क्रमशः कुलाधिपति एवं कुलपति हो गए।

किया गया और सन् 1953–63 तक आप संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे। इस बीच सन् 1949 में एन. सी. सी. की गर्ल्स डिवीजन हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्माण समिति के भी आप सदस्य रहे।

डॉ. महाजनि ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से एम. ए. एवं पीएच. डी. की थी। उदयपुर विश्वविद्यालय में जब राष्ट्रमंडल अभियान के सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल आया (5 सितंबर, 1965) तो उनके स्वागत भाषण में डॉ. महाजनि ने कहा था कि–**'20 फरवरी ,1947 को मैं ब्रिटेन की संसद की दर्शक–दीर्घा में उस समय उपस्थित था जब लॉर्ड एटली ने भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।'** मैं भावावेश में बह गया था और मुझे मैकाले के वे शब्द याद आने लगे थे जिनमें उन्होंने कहा था कि 'जिस दिन भारत स्वतंत्र होगा, वह दिन इंग्लैंड के लिए गर्व का दिन होगा।'

जयपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना एवं उसे गति देते समय राजस्थान सरकार के सर्वोच्च प्रशासनिक पदाधिकारी डॉ. महाजनि की कार्यशैली एवं प्रतिबद्धता से परिचित हो चुके थे अतः सन् 1963 में संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होते ही राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया ने उन से उदयपुर में नवस्थापित विश्वविद्यालय की सुव्यवस्थित अकादमिक यात्रा को गति देने हेतु कुलपति पद संभालने का आग्रह किया और शैक्षिक विकास को समर्पित डॉ. महाजनि ने इस आग्रह को सहर्ष स्वीकार किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लगाए गए आरोपों से आहत, ढलती उम्र तथा गृह राज्य की स्वाभाविक चाहत पर डॉ. महाजनि सन् 1972 में त्याग पत्र देकर वापिस पूना लौटे तथा वर्ष 1972–1976 तक आप सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के दस्तावेजों के अनुसार डॉ. महाजनि अत्यंत सादगी, अनुशासनप्रियता तथा कर्मठता से भरा जीवन जीते थे तथा वे सरकारी कार के बजाय प्रायः पैदल चलना पसंद करते थे। उनकी अकादमिक प्रतिबद्धता तथा मानव सेवा के चलते महाराष्ट्र सरकार ने पुणे में उनकी स्मृति में एक सड़क का नाम 'डॉ. जी. एस. महाजनि पथ' रखा है।

डॉ. पी. एस. लाम्बा के कार्यकाल में लोकप्रशासन विभाग की शुरूआत, रोजगार ब्यूरो, विधि विभाग का महाविद्यालय में उन्नयन और प्रशासनिक अनुशासन की स्थापना प्रमुख रहा है। इस दौर में देश आंतरिक कारणों से लगे राष्ट्रीय आपातकाल से भी प्रभावित था अतः व्यवस्थाएँ सजग रहती थी।

डॉ. रणवीर सिंह के कार्यकाल में कृषि महाविद्यालय में डेयरी प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हुआ तथा कृषि विस्तार कार्यक्रमों सहित प्रौढ़ शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय के दायित्वों पर चिन्तन होने लगा।

श्री पी. एन. भंडारी, आई. ए. एस. का कार्यकाल भी बहुत उपलब्धिपूर्ण है। उन्होंने अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय देते हुए 650 से अधिक नियमित संकाय सदस्यों की भर्ती की तथा स्टाफ को नियमित पदस्थापन दिया। प्रत्येक प्रश्नपत्र के 100 प्रश्नों का 'प्रश्न बैंक' बनवाया गया। डेयरी प्रौद्योगिकी को पृथक् संकाय बनाया गया तथा वाणिज्य संकाय के तीन विभाग बने। श्री भंडारी के कार्यकाल में राजस्थानी विभाग की स्थापना तथा आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH) के चार स्वतंत्र महाविद्यालय बनाए गए। इन्हीं के कार्यकाल में 'उदयपुर विश्वविद्यालय' का नाम 'मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय' किया गया।

डॉ. के. एन. नाग के द्वारा पदभार ग्रहण करने तक देश में युवा प्रधानमंत्री सत्तासीन हो चुके थे। ऐसे में विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर सेंटर की स्थापना तथा कम्प्यूटर विषय स्नातक स्तर पर शुरू किया गया। मंत्रालयिक वर्ग की भर्तियाँ एवं नियमितीकरण संपन्न हुआ।

प्रो. आर. एन. सिंह के कार्यकाल में राजस्थान विश्वविद्यालय का भू–विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दिया गया तथा लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। उनकी प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता उल्लेखनीय रही है।

प्रो. आर. के. राय के कार्यकाल में नए संकाय सदस्यों की नियुक्ति, राज्यस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन, तदर्थ कार्मिकों का स्थायीकरण, डिग्री पर होलोग्राम, नए विभागों का गठन तथा उनकी स्वायत्तता की पैरवी करना इत्यादि प्रमुख हैं। पर्यावरण विज्ञान एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज का विकास उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। उनकी छवि एक निष्पक्ष प्रशासक, मित्रवत् व्यवहारकर्त्ता तथा कुशल नेतृत्वकर्ता की मानी जाती है।

प्रो. आर्य कुमार सिंह के दो कार्यकाल भी उल्लेखनीय प्रगति के लिए याद किए जाते हैं जिसमें प्रशासनिक सुदृढ़ता एवं एक दर्जन नए भवनों का निर्माण, उत्तर–पुस्तिकाओं पर बार कोडिंग कर परीक्षा सुधार, समस्त संकाय सदस्यों की अकादमिक उपलब्धियों को लेकर संकलित 'Compendium Academia' एवं 'दर्पण' पत्रिका का प्रकाशन, नैक से प्रथम बार प्रत्यायन, बरसों से रुके पड़े दीक्षांत समारोह का आयोजन तथा विश्वविद्यालय में अनुशासन की स्थापना प्रमुख हैं।

प्रो. बी. एल. चौधरी के कार्यकाल में बड़ी शोध परियोजनाएँ, नियमित दीक्षांत समारोह, सी. ए. एस. के अंतर्गत शिक्षक पदोन्नति, भवन निर्माण, योग केन्द्र की शुरुआत, पुस्तकालय आधुनिकीकरण, बड़े अकादमिक आयोजन तथा नए संकाय सदस्यों की नियुक्ति हुई।

श्री राजेश्वर सिंह, आई. ए. एस. की अकादमिक अभिरुचि ने विश्वविद्यालय की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया जिसमें कुलगीत की रचना, उन्मेष पत्रिका का प्रकाशन, पुस्तकालय में 'Must read Corner', सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान की शुरूआत, जिला कलक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों से विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष संवाद तथा अन्य अकादमिक आयोजन प्रमुख थे।

श्रीमती अर्पणा अरोड़ा, आई. ए .एस. के कार्यकाल में यू. जी. सी. के अकादमिक निष्पादन से संबंधित मानकों (2009) का सफल एवं त्वरित क्रियान्वयन हुआ जिसमें विशेषतः पीएच. डी. शोध से जुड़ी प्रवेश परीक्षा, कोर्स वर्क तथा 'सार्थक' पत्रिका का प्रकाशन प्रमुख हैं।

प्रो. आई. वी. त्रिवेदी के दो कार्यकाल उपलब्धियों से परिपूर्ण रहे हैं जिनमें वर्ष 2011–12 में सी. ए. एस. पदोन्नति एवं नए संकाय सदस्यों की भर्ती, दो बार लिपकीय स्टाफ की भर्ती, नैक द्वारा प्रत्यायन, डिग्री पर बारकोडिंग एवं क्यू. आर. कोड, लगातार प्रतिवर्ष दीक्षांत समारोह, बायोमैट्रिक उपस्थिति की शुरूआत, स्व. श्री मोहनलाल सुखाड़िया की मूर्ति की स्थापना, विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन, स्वास्थ्य केन्द्र सहित कई भवनों का निर्माण, स्वर्ण जयंती द्वार का निर्माण तथा दक्षिण एशिया कुलपति सम्मेलन सहित सैकड़ों चर्चित एवं महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन उल्लेखनीय रहे हैं।

प्रो. जे. पी. शर्मा के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में एक सौ नए संकाय सदस्यों की भर्ती हुई। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने 108 फीट का राष्ट्रीय ध्वज, भवन में लिफ्ट की स्थापना, कुलपति आवास का निर्माण, एस. एफ. ए. बी. का गठन, रूसा के अंतर्गत आधारभूत संरचना विकास, फिनिशिंग स्कूल की स्थापना इत्यादि प्रमुख उपलब्धियाँ रही हैं।

वर्तमान कुलपति **प्रो. अमेरिका सिंह** के कार्यकाल का अद्यतन विवरण आगे के अध्यायों में वर्णित है।

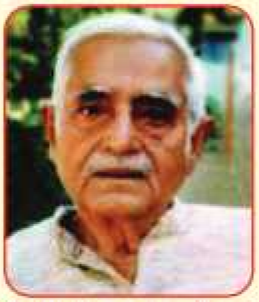

श्री जी. बी. के हूजा (आई. ए. एस.)
प्रथम कुलपति (1962–63)

प्रो. अमेरिका सिंह
वर्तमान कुलपति

कुलपति–सूची

S. No	Name	From	To
1	SHRI G.B.K. HOOJA, IAS	05-07-1962	19-11-1963(F/N)
2	DR G.S. MAHAJANI	19-11-1963(A/N)	02-01-1972
3	SHRI S.P. SINGH, IAS	03-01-1972	03-07-1972
4	SHRI L.R. SHAH	04-07-1972	28-03-1973
5	DR. P.S. LAMBA	29-03-1973	17-07-1977
6	DR. RANVEER SINGH	18-07-1977	30-06-1979
7	DR. RAJNATH SINGH	01-07-1979	30-08-1981
8	SHRI P.N. BHANDARI, IAS	31-08-1981	15-01-1985
9	SHRI N.S. SISODIA, IAS	16-01-1985	26-08-1985
10	DR. H.N. MEHROTRA	27-08-1985	03-09-1985
11	DR. K.N. NAG	04-09-1985	05-08-1987
12	SHRI J.P. SINGH, IAS	6-08-1987	19-07-1988
13	PROF. R.N. SINGH	20-07-1988	19-07-1991
14	PROF. G.C. RAI	20-07-1991	23-01-1992

S. No	Name	From	To
15	PROF. R.K. RAI	23-01-1992	30-12-1997
16	PROF.A.K. SINGH	30-12-1997	03-08-2004
17	PROF.B.L. CHAUDHARY	03-08-2004	02-08-2007
18	SHRI RAJESHWAR SINGH, IAS	02-08-2007	22-01-2009
19	SMT. APARANA ARORA, IAS	22-01-2009	25-06-2009
20	PROF. D.S. SENGER	25-06-2009	10-07-2009
21	SMT. APARANA ARORA, IAS	10-07-2009	14-06-2010
22	PROF. I.V. TRIVEDI	14-06-2010	13-06-2016
23	PROF. UMA SHANKER SHARMA	14-06-2016	04-08-2016
24	SHRI BHAWANI SINGH DETHA, IAS	05-08-2016	04-12-2016
25	PROF. J.P. SHARMA	05-12-2016	22-08-2019
26	DR. NARENDRA SINGH RATHORE	29-08-2019	05-09-2019
27	PROF. J.P. SHARMA	26-09-2019	04-12-2019
28	DR. NARENDRA SINGH RATHORE	04-12-2019	22-07-2020
29	PROF. AMARIKA SINGH	22-07-2020	

विश्वविद्यालय के अन्य कई कुलपतियों का कार्यकाल विविध कारणों से अल्पकालीन रहा है जिसमें अतिरिक्त प्रभार होना प्रमुख कारण है लेकिन सभी ने अपने–अपने ढंग से इसके विकास में योगदान दिया है जिसमें श्री एस.पी. सिंह, (आई. ए. एस.), श्री एल. आर. शाह, डॉ. राजनाथ सिंह, श्री एन. एस. सिसोदिया, (आई. ए. एस.), डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा, श्री जे. पी. सिंह, (आई. ए. एस.), प्रो. जी. सी. राय, प्रो. डी. एस. सेंगर, प्रो. उमा शंकर शर्मा, श्री भवानी सिंह देथा, (आई. ए. एस.) तथा प्रो. नरेन्द्र सिंह राठौड़ सम्मिलित हैं। राजस्थान में दो नियमित कुलपतियों के कार्यकाल के बीच के समय में संभागीय आयुक्त या किसी अन्य नजदीकी विश्वविद्यालय के कुलपति को अतिरिक्त प्रभार देने की प्रशासनिक परम्परा रही है।

अन्य पदाधिकारी (Other Officials)

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की विधिवत् स्थापना (12 जुलाई, 1962) से पूर्व ही 07 जुलाई, 1962 को श्री जी. बी. के. हूजा कुलपति का पद ग्रहण कर चुके थे। इसके बाद उन्होंने विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु राज्य सरकार से संपर्क किया। राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर **श्री भीमसेन आचार्य,** राजकीय महाविद्यालय, अजमेर को कुलसचिव (रजिस्ट्रार) तथा वित्त विभाग के प्रस्ताव पर राजस्व मंडल, अजमेर के लेखाधिकारी **श्री के. डी. भार्गव** को वित्त नियंत्रक नियुक्त किया गया। इन दोनों ने 04 अगस्त, 1962 को अपने पद ग्रहण किए। श्री भीमसेन द्वारा सितंबर, 1962 में त्याग पत्र देने पर अंशकालिक रजिस्ट्रार के रूप में डॉ. ए. राठौर को दायित्व दिया गया। **रजिस्ट्रार ही छात्र कल्याण अधिष्ठाता के पद का दायित्व भी वहन करते रहे।** कुछ दिनों बाद डॉ.एच. एन. मेहरोत्रा कुलसचिव बने। डॉ. मेहरोत्रा ने 6 अगस्त, 1965 तक इस पद पर कार्य किया तथा अगले दिन श्री आर. एस. गुप्ता ने पद ग्रहण किया और चयन प्रक्रिया द्वारा उन्हें 01 सितंबर, 1965 को नियमित किया गया। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के सहायक आचार्य श्री गौरी लाल को सहायक कुलसचिव और श्री लक्ष्मी नारायण छीबर (सहायक सचिव, राजस्थान सरकार) को सहायक वित्त नियंत्रक बनाया गया किन्तु नियंत्रण मंडल की अनुशंसा पर ये दोनों पद समाप्त कर दिए गए। सम्पदा अधिकारी का कार्यभार वित्त नियंत्रक ही संभालते रहे। संपदा अधिकारी पद पर 25 जनवरी, 1965 को श्री चन्द्रभूषण शर्मा प्रतिनियुक्ति पर आए।

आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH) के निदेशक पद पर श्री भीमसेन पहले स्थापन्न निदेशक के रूप में एम. बी. कॉलेज से विश्वविद्यालय के "SBSH" में आए। उन्हें चयन प्रक्रिया द्वारा 16 नवंबर, 1965 को नियमित किया गया। ओहियो विश्वविद्यालय की तर्ज पर बने डीन, पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज पद पर रसायन शास्त्र विभाग (SBSH) के प्रो. जी. वी. बकोरे ने 01 अप्रैल, 1966 को पद ग्रहण किया।

प्रथम पदाधिकारियों के नाम

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर (1962)

क्र. सं.	पद	व्यक्ति का नाम
1.	कुलाधिपति	डॉ. सम्पूर्णानंद
2.	कुलपति	श्री जी. बी. के. हूजा
3.	कुलसचिव	श्री भीमसेन आचार्य
4.	वित्त नियंत्रक	श्री के. डी. भार्गव
5.	परीक्षा अधीक्षक / सहायक कुलसचिव (परीक्षा)	श्री जी. एस. शर्मा
6.	अधिष्ठाता, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर	डॉ. ए. राठौर
7.	संबंद्व अधिष्ठाता, एस. के. एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	डॉ. एन. प्रसाद
8.	अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	डॉ. मोहन सिंह
उदयपुर विश्वविद्यालय(1964) बनने के बाद		
1.	कुलपति	डॉ. जी. एस. महाजनि
2.	निदेशक, आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल	श्री भीमसेन
3.	अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन	डॉ. जी. वी. बकोरे
4.	सम्पदा अधिकारी	श्री चन्द्र भूषण शर्मा

कुलसचिव (Registrar)

श्री भूपेश माथुर
वर्तमान कुलसचिव (कार्यवाहक)

कुलसचिव–सूची

S.No	Name	From	To
1	Shri Bhimsen	04.08. 1962	09.11. 1962
2	Dr. A. Rathore	10.11. 1962	26.03. 1963
3	Dr. H.N. Mehrotra	27.03. 1963	06.08. 1965
4	Shri R.S. Gupta	07.08. 1965	29.06. 1969
5	Dr. N. Prasad	30.06. 1969	14.11. 1969
6	Shri L.R. Shah	15.11. 1969	03.07. 1972
7	Shri G.S. Sharma	04.07. 1972	28.03. 1973
8	Shri L.R. Shah	29.03. 1973	15.09. 1975
9	Shri G.S. Sharma	16.09. 1975	23.10. 1981
10	Shri M.K. Bhargava	24.10. 1981	19.10. 1982
11	Shri G.S. Sharma	20.10. 1982	31.01. 1989
12	Prof. Y.D. Tyagi (Officiating)	02.02.1989	05.07.1989
13	Shri H.N. Sharma, **RAS**	06.07.1989	02.09.1991

S.No	Name	From	To
14	Shri H.C. Sharma, **RAS**	03.09.1991	12.11. 1991
15	Shri Sher Nath, **RAS**	13.11. 1991	31.03. 1993
16	Shri O.P. Pandya(Officiating)	01.04. 1993	03.06. 1993
17	Shri K.C. Gupta, **RAS**	27.08. 1993	13.06. 1994
18	Shri R.R. Bangar, **RAS**	15.06. 1994	31.12. 1994
19	Shri O.P. Pandya(Officiating)	01.01. 1995	30.06. 1995
20	Shri C.S. Mogra(Officiating)	01.07. 1995	25.07. 1995
21	Shri H.M. Chandalia, **RAS**	26.07. 1995	23.10. 1996
22	Shri C.S. Mogra(Officiating)	24.10. 1996	04.12. 1996
23	Shri K.C. Gupta, **RAS**	05.12. 1996	06.01. 1998
24	Shri A.L. Sahlot(Officiating)	07.01. 1998	23.07. 1998
25	Shri Babu Lal, **RAS**	24.07.1998	02.04. 1999
26	Shri A.L. Sahlot(Officiating)	03.04. 1999	07.05. 1999
27	Shri S.L. Choudhary, **RAcS**(Officiating)	08.05.1999	28.06.1999
28	Shri K. Khilji, **RAS**	29.06.1999	22.10.2000
29	Shri Somnath Mishra, **RAS**	23.10.2000	16.01.2001
30	Shri M.L. Sharma, **RAS**	17.01.2001	27.02.2004
31	Shri A.L. Sahlot(Officiating)	28.02.2004	13.07.2004
32	Shri J.K. Upadhyay, **RAS**	14.07.2004	20.07.2005
33	Shri A.L. Sahlot(Officiating)	21.07.2005	26.07.2005
34	Shri S.L. Nagda, **RAS**	27.07.2005	30.04.2007
35	Shri A.L. Sahlot(Officiating)	01.05.2007	31.07.2007
36	Shri S.L.Choudhary, **RAcS**(Officiating)	01.08.2007	04.09.2007
37	Shri K.C. Sharma, **RAS**	05.09.2007	01.07.2008
38	Shri K.C. Goyal(Officiating)	02.07.2008	13.08.2008
39	Shri M.L. Sharma, **RAS**	14.08.2008	07.09.2008
40	Shri K.C. Goyal(Officiating)	08.09.2008	29.09.2008
41	Shri Karni Singh, **RAcS**(Officiating)	30.09.2008	05.10.2008
42	Shri A.A. Chhipa, **RAS**	06.10.2008	02.03.2010
43	Shri H.L. Kunawat, **RAS**(Officiating)	03.03.2010	25.06.2010
44	Dr. R.C. Kumawat (Officiating)	26.06.2010	25.07.2010
45	Shri M.L. Sharma, **RAS**	26.07.2010	31.08.2011 Retd.
46	Dr. R.C. Kumawat (Officiating)	01.09.2011	02.12.2011
47	Shri L.N. Mantri, **RAS**	03.12.2011	24-02-2014
48	Dr. R.C. Kumawat (Officiating)	24-02-014	25-02-2014
49	Dr.R.P. Sharma , **RAS**	26-02-2014	31-7-2015 Retd.
50	Shri S.L. Chaudhary, RAcS. (Officiating)	01-8-2015	03-12-2015
51	Shri Jagmohan Singh, **RAS**	03-12-2015	21-06-2016
51	Shri Himmat Singh Bhati, **RAS**	22-06-2016	17-09-2019
52	Shri Suresh Kumar Jain, RAcS	18-092019	29-09-2019
53	Shri Himmat Singh Barhath, **RAS**	30-09-2019	20-11-2020
54	Shri Suresh Kumar Jain, RAcS	20-11-2020	27.03.2021
55	Shri Bhupesh Mathur, RAcS	31-03-2021	....

वित्त नियंत्रक (Comptroller)

श्री भूपेश माथुर
वर्तमान वित्त नियंत्रक

वित्त नियंत्रक–सूची

S. No	Name	From	To
1	Shri K. D. BHARGAVA	04-08-1962	18-01-1964
2	Shri G. S. SIMLOT	19-01-1964	16-11-1971
3	Shri K. R. BHANSALI	17-11-1971	26-12-1971
4	Shri A. C. SHARMA	27-11-1971	30-05-1975
5	Shri K. C. JAIN	31-05-1975	24-09-1975
6	Shri NIRMAL MUKARJEE	25-09-1975	26-09-1977
7	Shri S. L. NARSINGHPURA	27-09-1977	13-11-1977
8	Shri D. S. KOCHAR	14-11-1977	02-08-1978
9	Shri D. K. JAIN	03-08-1978	31-10-1980
10	Shri R. C. GOYAL	01-11-1980	31-08-1985
11	Shri L. S. SINGHVI	01-09-1985	03-09-1985
12	Shri RANJEET SINGH	04-09-1985	03-09-1987
13	Shri RAMROOP SHARMA	04-09-1987	30-06-1988
14	Shri L. S. SINGHVI	01-07-1988	04-07-1988
15	Shri G. N. SHARMA	05-07-1988	22-07-1989
16	Shri R. C. DOSHI	23-07-1989	31-12-1989
17	Shri L. S. SINGHVI	01-01-1990	14-01-1990
18	Shri H. M. CHANDALIA	15-01-1990	31-07-1992
19	Shri DHARAMVIR VERMA	01-08-1992	25-07-1993
20	Shri RAJESH KUMAR SHARMA	26-07-1993	02-03-1994
21	Shri S. L. NARSINGHPURA	03-03-1994	08-07-1994
22	Shri RAVINDRA SINGH	08-07-1994 **AN**	26-09-1995
23	Shri M. L. GUPTA	27-09-1995	29-05-1998
24	Shri S. L. CHAUDHARY	01-06-1998	05-04-2003
25	Shri RAVINDRA SINGH	05-04-2003	17-07-2005
26	Shri S. L. CHAUDHARY	18-07-2005	02-08-2006
27	Smt. BHARTI RAJ	02-08-2006	02-07-2007
28	Shri S. L. CHAUDHARY	02-07-2007	19-04-2008

S. No	Name	From	To
29	Shri KARNI SINGH	19-04-2008	17-09-2009
30	Dr. G. L. VASITA	17-09-2009	01-10-2009
31	Dr. RAVINDRA SINGH	01-10-2009	02-03-2010
32	Smt. MANJU BALA JAIN	02-03-2010	18-10-2010
33	Dr. G. L. VASITA	18-10-2010	22-10-2010
34	Shri D. N. PUROHIT	22-10-2010	07-08-2013
35	Shri T. R. AGRAWAL	08-08-2013	03-03-2014
36	Dr. (Smt.) KUMUDINI CHANVARIA	04-03-2014	27-10-2014
37	Shri S. L. CHOUDHARY	27-10-2014	30-04-2016
38	Shri JAGMOHAN SINGH	01-05-2016	09-05-2016
39	Shri D. N. PUROHIT	09-05-2016	19-11-2016
40	Shri GIRISH KACHHARA	19-11-2016	08-03-2019
41	Shri SURESH KUMAR JAIN	08-03-2019	27-03-2021
42	Shri BHUPESH MATHUR	31-03-2021	

परीक्षा नियंत्रक (Controller of Examinations)

डॉ. राजेश चन्द्र कुमावत
वर्तमान परीक्षा नियंत्रक

1. परीक्षा अधीक्षक / सहायक कुलसचिव (परीक्षा) – श्री जी. एस. शर्मा

परीक्षा नियंत्रक

2. डॉ. आई.एल. भण्डारी
3. श्री ओम प्रकाश पण्ड्या
4. श्री चंदन सिंह मोगरा
5. डॉ. भगवती लाल चावत
6. सन् 2002–2011 तक कुलसचिव द्वारा निर्वहन
7. डॉ. राजेश चन्द्र कुमावत (सन् 2011 से निरंतर)

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (Dean, Student Welfare)

प्रो. पी. एम. यादव
वर्तमान अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण –सूची

S. No	Name	From -To
1	Dr. R.K. RAI	01-11-1989 to 25-01-1992
2	Prof. M.K. PANDYA	25-01-1992 to 28-06-1993
3	Dr. P.N. SHARMA	05-07-1993 to 15-10-1993
4	Dr. O.P. MEHTA	20-09-1994 to 10-06-1994
5	Dr. B. L. CHOUDHARY	13-06-1994 to 31-7-2000
6	Dr. PREM SUMAN JAIN	01-08-2000 to 30-07-2002
7	Dr. P.S. RANAWAT	01-08-2003 to 05-07-2007
8	Prof. S.R. VYAS	21-08-2007 to 30-08-2009
9	Prof. VIJAYLAXMI CHOUHAN	25-09-2009 to 30-09-2011
10	Prof. KAILSH SODANI	01-10-2011 to 18-10-2012
11	Prof. D.S. CHUNDAWAT	18-10-2012 to 10-07-2014
12	Prof. VINOD AGRAWAL	10-07-2014 to 10-10-2014
13	Prof. D.S. CHUNDAWAT	11-10-2014 to 02-09-2015
14	Prof. ANAND PALIWAL	02-09-2015 to 01-09-2016
15	Prof. M.S. RATHORE	02-09-2016 to 07-05-2018
16	Prof. B.L. VERMA	11-07-2018 to 10-07-2019
17	Prof. M.S. DHAKA	18-07-2019 to 07-08-2019
18	Prof. P.M. YADAV	08-08-2019

अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन (Dean, Post Graduate Studies)

विश्वविद्यालय में डी. एससी.,डी. लिट्, पीएच.डी, एम. फिल. इत्यादि शोध कार्यों से संबंधित प्रशासनिक दायित्व को निष्पादित करने हेतु पृथक् से एक अधिकारी एवं इकाई शुरु से ही कार्यरत रही है। वर्ष 1965–66 में स्थापित यह इकाई पहले स्नातकोत्तर अध्ययन परिषद कहलाती थी। मार्च, 1966 से कार्यरत इस कार्यालय तथा पद की अवधारणा अमेरिका के ओहियो विश्वविद्यालय से ली गई थी। इस कार्यालय को सर्वप्रथम सुशोभित करने वाले प्रो. जी.वी. बकोरे, रसायनशास्त्र विभाग (विश्वविद्यालय आधारिक विकास एवं मानविकी स्कूल) में आचार्य थे।

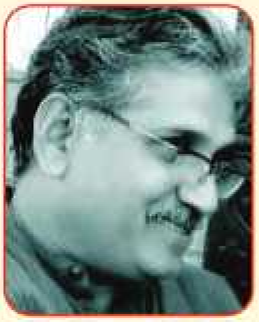

प्रो. मदनसिंह राठौड़
वर्तमान अधिष्ठाता,
स्नातकोत्तर अध्ययन

अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन सूची

S. No	Name	From	To
1	PROF. G. V. BAKORE	1-04-1966	31-03-1969
2	PROF. H. N. MEHROTRA	01-04-1969	31-03-1971
3	PROF. R. S. RAWAT	01-04-1971	02-08-1973
4	PROF. H. N. MEHROTRA	03-08-1973	31-01-1976
5	PROF. K. S. KUSHWAHA	31-01-1976	15-07-1977
6	PROF. K. S. CHOUHAN	16-07-1977	25-02-1978
7	PROF. J. VARMA	03-03-1978	02-03-1980
8	PROF. H. B. TEWARI	03-03-1980	16-08-1980
9	PROF. Y.D. TIAGI (OFF.)	16-08-1980	25-09-1980
10	PROF. H. B. TEWARI	29-09-1980	11-03-1982
11	FACULTY CHAIRMAN CONCERENED	12-03-1982	14-11-1984
12	PROF. Y. D. TIAGI (SCIENCE)	15-11-1984	06-01-1986
13	PROF. R. G. SHARMA (SOCIAL SC.)	16-11-1984	06-01-1986
14	PROF. R. N. MOOKERJEE	07-01-1986	06-01-1988
15	PROF. B. K. LAVANIA	21-01-1988	19-01-1990
16	PROF. M. K.PANDYA	13-02-1990	12-02-1992
17	PROF. M. C. PATHAK	13-02-1992	31-10-1992
18	PROF. U. N. UPADHYAY	04-01-1993	07-04-1994
19	PROF. C. M. JOSHI	08-04-1994	07-04-1996
20	PROF. D. N. PUROHIT	08-06-1996	31-03-1998
21	PROF. K. R. SHARMA	15-04-1998	31-08-1999
22	PROF. U. N. UPADHYAY	01-08-1999	31-08-2001
23	PROF. D. K. BHATT	22-09-2001	26-12-2001
24	PROF. H. R. S. TYAGI	22-01-2002	31-07-2004
25	PROF. SURESH C. AMETA	07-08-2004	31-11-2008
26	PROF. I. V. TRIVEDI	23-12-2008	13-06-2010
27	PROF. K. VENUGOPALAN	10-07-2010	07-03-2013
28	PROF. SANJAY LODHA	08-03-2013	07-03-2014
29	DR. R. P. SHARMA (Registrar)	08-03-2014	09-07-2014
30	PROF. SEEMA MALIK	10-07-2014	10-07-2018
31	PROF. G. SORAL	11-07-2018	10-07-2019
32	PROF. B. L. AHUJA	11-07-2019	07-04-2021
33	PROF. M.S. RATHORE	08-04-2021	....

विश्वविद्यालय अभियंता (University Engineer)

श्री राकेश जैन

वर्तमान विश्वविद्यालय अधिशाषी अभियंता

विश्वविद्यालय में शुरू में संपदा अधिकारी (Estate Officer) का पद था जिसे सन् 1988 से विश्वविद्यालय अभियंता पदनाम दिया गया। विश्वविद्यालय के शुरूआती अढ़ाई वर्ष तक यह पद वित्त नियंत्रक द्वारा वहन किया जाता था। सत्र 2020–21 से राज्य सरकार के आदेशानुसार यह पद अब अधिशाषी अभियंता (Executive Engineer) कहलाता है। सत्र 2020–21 से राज्य सरकार के आदेशानुसार यह पद अब अधिशाषी अभियंता (Executive Engineer) कहलाता है।

सम्पदा अधिकारी सूची

S. No	Name	From	To
1	Er. CHANDRA BHUSHAN	25.01.1965	18.08.1969
2	Er. S. L. JOSHI	18.08.1969	06.02.1971
3	Er. K. R. BHANSALI	07.02.1971	02.07.1974
4	Er. A. K. JAIN	03.07.1974	23.08.1975
5	Er. M. L. SHARMA	24.08.1975	14.10.1975
6	Er. M. N. MATHUR	15.10.1975	28.01.1978
7	Er. D. S. KOCHAR	29.01.1978	30.04.1978
8	Er. V. N. SAXENA	01.05.1978	31.10.1981
9	Er. M. M. SEBASTIAN	01.11.1981	06.11.1981
10	Er. G. L. GOYAL	07.11.1981	13.05.1985
11	Er. K. G. MATHUR	14.05.1985	14.06.1985
12	Er. K. S. MATHUR	15.06.1985	12.10.1988

विश्वविद्यालय अभियंता सूची

S. No	Name	From	To
1	Er. S.L. GODAWAT	13.10.1988	31.03.1998
2	Er. A. S. KHAN	01.04.1998	26.09.1998
3	Er. V. K.SHARMA	27.09.1998	05.01.2004
4	Er. A. S. KHAN	06.01.2004	06.02.2004
5	Er. D. C.MATHUR	07.02.2004	08.03.2004
6	Er. A. S. KHAN	09.03.2004	30.09.2019
7	Er. RAKESH JAIN (Executive Engineer)	01.10.2019	

उपकुलसचिव (Dy. Registrar)

विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव का पद सत्तर के दशक में सृजित हुआ। इस पद पर आसीन रहे पदाधिकारियों का विवरण इस प्रकार है–

1. श्री सी. एस. मोगरा
2. श्री पी. पी. माथुर
3. श्री ओ. पी. पण्ड्या
4. श्री एस. एस. कोठारी
5. श्री ए. एल. सहलोत
6. डॉ. डी. एस. चौहान
7. श्री मुकेश कुमार बारबर

सन् 2021 में दो सहायक आचार्यों डॉ. गिरिराज सिंह चौहान को 'परीक्षा' तथा डॉ. दिनेश पाण्डे को 'गोपनीय' शाखा का अतिरिक्त प्रभार देते हुए उप कुलसचिव पद दिया गया।

श्री मुकेश बारबर
उपकुलसचिव
(प्रशासन)

डॉ. गिरिराज सिंह चौहान
उपकुलसचिव
(परीक्षा)

डॉ. दिनेश पाण्डे
उपकुलसचिव
(गोपनीय शाखा)

डॉ. जी. एल. वसीटा
वरिष्ठ लेखाधिकारी

प्रो. बी. एल. वर्मा
चीफ प्रोक्टर

Administrative Officials of the University (as on April 06, 2021)

Administration

S.No.	Office	Officer
1.	Hon'ble Vice Chancellor	Prof. Amarika Singh
2.	Registrar (Officiating)	Sh. Bhupesh Mathur
3.	Comptroller	Sh. Bhupesh Mathur
4.	Controller of Examinations	Dr. R. C. Kumawat
5.	Dy. Registrar (Adm.)	Mr. Mukesh Kumar Barber
6.	Dy. Registrar(Exam)	Dr. G. S. Chauhan
7.	Dy. Registrar (Secrecy)	Dr. Dinesh Pandey
8.	Dy. Registrar(Exam)	Mr. Harkesh Meena
9.	University Executive Engineer	Er. Rakesh Jain
10.	Sr. Accounts Officer	Dr. G. L. Vasita

Academic-Administration

S. No.	Office	Officer
1.	Dean, Student Welfare	Prof. P.M. Yadav
2.	Dean, Post Graduate Studies	Prof. M. S. Rathore
3.	Chief Proctor	Prof. B. L. Verma

Faculty Chairman

S. No.	Office	Officer
1.	Chairman, Faculty of Commerce	Prof. P.K. Singh
2.	Chairman, Faculty of Earth Sciences	Prof. B.R. Bamaniya
3.	Chairman, Faculty of Education	Prof. C.R. Suthar
4.	Chairman, Faculty of Humanities	Prof. Hemant Dwivedi
5.	Chairman, Faculty of Law	Prof. Anand Paliwal
6.	Chairman, Faculty of Management	Prof. Hanuman Prasad
7.	Chairman, Faculty of Science	Prof. Kanika Sharma
8.	Chairman, Faculty of Social Sciences	Prof. S.K. Kataria

College-Units

University College of Commerce and Management Studies

1.	Dean	Prof. P. K. Singh
2.	Associate Dean	Prof. Manju Baghmar
3.	ADSW	Dr. Shilpa Vardia
4.	Proctor	Dr. Devendra Shrimali

University College of Law

1.	Dean	Dr. Rajshree Choudhary
2.	ADSW	Dr. Bhavik Paneri
3.	Proctor	Dr. Pankaj S. Lal Meena
4.	Assistant Director, Physical Education	Dr. Bheemraj Patel

University College of Science

1.	Dean	Prof. Kanika Sharma
2.	Associate Dean	Prof. G. S. Rathore
3.	ADSW	Dr. Sushil K. Gandhi Dr. P. S. Ranawat
4.	Proctor	Dr. Dinesh K. Yadav

University College of Social Sciences and Humanities

1.	Dean	Prof. Seema Malik
2.	Associate Dean	Prof. Jinendra Jain
3.	ADSW	Dr. Neha Paliwal
4.	Proctor	Dr. P. S. Rajput
5.	Assistant Director, Physical Education	Dr. Hemraj Chaudhary

Faculty of Management Studies

1.	Director	Prof. Hanuman Prasad

Special Cells & Units

S. No.	Office	Officer
1.	Convener, *Aanandam*	Prof. Neeraj Sharma
2.	Director, Centre for Capacity Building of Students	Dr. G.S. Chauhan
3.	Co-ordinator, Centre for Soft Skills	Prof. Seema Malik
4.	Director, Centre for Women Studies	Prof. Pratibha
5.	Director, College Development Council	Prof. Karunesh Saxena
6.	Co-ordinator, Entrepreneur and Small Business Management	Prof. Hanuman Prasad
7.	Co-ordinator, Entrepreneurship and Small Business Development Courses Centre	Prof. Anil Kothari
8.	Convener, Equal Opportunity Cell	Prof. Sudha Choudhary
9.	Co-ordinator, Finishing School and Placement Cell	Prof. Anil Kothari
10	Astt., Co-ordinator, Finishing School and Placement Cell	Dr. Sachin Gupta
11.	In –charge, Golden Jubilee Guest House	Prof. Hanuman Prasad
12.	Chairman, House Building Advance Committee	Prof. S.K. Kataria
13.	Co-ordinator, IUMS	Prof. Pradeep Trikha
14.	Convener, Internal Complaints Committee (PoSH Act,2013)	Prof. Seema Jalan
15.	Advisor, International Studies	Prof. Pradeep Trikha
16.	Director, Computer Centre	Dr. Avinash Panwar
17.	Director, IQAC	Prof. Karunesh Saxena
18.	Officer In –charge, Legal Cell	Prof. M. S. Rathore
19.	Convener, Minority Cell	Prof. Kalpana Jain
20.	Director, Population Research Centre	Prof. P. M. Yadav
21.	Nodal Officer, RUSA	Prof. Kanika Sharma
22.	Co-ordinator, SC/ST Cell	Prof. P. M. Yadav
23.	Member -Secretary, Self-Finance Advisory Board	Prof. G. S. Rathore
24.	Nodal Officer, Smart Village	Prof. B. L. Verma
25.	Convener, University Central Anti -Ragging Committee	Prof. Lalit Singh Chouhan
26.	In- charge, University Central Library	Prof. N. Laxmi
27.	Nodal Officer, UGC	Dr. Avinash Panwar
28.	Nodal Officer, University Media Cell	Dr. Kunjan Acharya
29.	Director, University Research and Dev. Cell	Prof. B. L. Ahuja
30.	Chairman, University Sports Board	Prof. P. M. Yadav
31.	Secretary, University Sports Board	Dr. G. S. Chauhan
32.	Hon. Director, *Vanshawali Adhyyan evm Shodh Kendra*	Prof. Digvijay Bhatnagar
33.	Co-ordinator, Yoga Centre	Dr. Deependra Singh Chouhan

Hostels

S. No.	Hostel Name & Office	Warden Name
1.	Chief Warden, Hostels	Prof. Manju Baghmar
2.	Warden, Dr. D.S.Kothari Hostel	Dr. Deependra S. Chouhan
3.	Ex officio Warden, Gargi Hostel	Prof. Manju Baghmar
4.	Asstt. Warden, Gargi Hostel	Dr. Himanshu Sharma
5.	Warden, Law Hostel	Dr. Kailash C. Gurjar
6.	Warden, MDS Hostel	Dr. Sneha Singh
7.	Astt. Warden, MDS Hostel	Dr. Garima Mishra
8.	Warden, Nehru Shikshak Sadan	Dr. Bhanwar Vishvendra Singh
9.	Warden, Rana Punja Tribal Hostel	Dr. G.S. Chauhan
10.	Asstt. Warden, Rana Punja Tribal Hostel	Dr. Raju Singh

NCC/NSS/Red Ribbon Club/Scout

NCC

S.No.	NCC Wing	Officer
1.	Air Wing (ANO)	Dr. Siddharth Sharma
2.	Army Wing (ANO)	Dr. Maya Chaudhary
3.	Naval Wing (ANO)	Dr. Ajit Kumar Bhabor
4.	Naval Wing (ANO)	Dr. Vinod Meena

NSS

	Co- ordinator N.S.S.	Prof. C.R. Suthar
	Programme officers- N.S.S.	
1-	Faculty of Management Studies	Prof. Meera Mathur
2-	University College of Commerce and Management Studies	Dr. Asha Sharma
		Dr.Pushpraj Meena
3-	University College of Social Sciences and Humanities	Dr. Dolly Mogra
		Dr. Manish Shrimali
4-	University College of Science	Dr. Girima Nagda
		Dr. Tripta Jain
5-	University College of Law	Dr. Pankaj S. Lal Meena

Red Ribbon Club

1.	Co-ordinator Red Ribbon Club	Dr. P. S. Rajput

Scout

1.	Rover Scout Leader	Dr. Khushpal Garg

3 अकादमिक यात्रा (Academic Journey)

प्रो. एस. के. कटारिया

"ज्ञान एक महामंदिर के समान है जो शताब्दियों में शनैः - शनैः निर्मित होता है, जिसमें प्रत्येक पीढ़ी किसी अतिरिक्त गलियारे, सीढ़ी या मीनार के रूप में अपना योगदान देती है। यह (ज्ञान) कोई कागज का बना ढाँचा नहीं है जिसकी नींव को एक दशक में उखाड़ा जा सके।"

-पीटर एफ. ड्रकर

12 जुलाई, 1962 को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना होते ही विश्वविद्यालय ने अकादमिक और परीक्षा संबंधित कार्य अपने हाथ में लिए। ज्ञातव्य है कि भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान सन् 1857 में मद्रास, बोम्बे तथा कलकत्ता प्रेसिडेंसियों में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय शुरू किए गए। राजपूताना की माध्यमिक शिक्षा और महाविद्यालयीय शिक्षा की परीक्षाएँ दूसरे राज्यों के बोर्ड एवं विश्वविद्यालय द्वारा संचालित होती थी। कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना 24 जनवरी, 1857 को हुई और शुरू में राजपूताना की शिक्षण संस्थाएँ इससे संबद्ध हुई तथा इसके लगभग 30 वर्ष पश्चात् 23 सितंबर, 1887 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना होने पर राजपूताना के महाविद्यालयों की परीक्षाएँ और डिग्रियाँ इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अधीन हो गई। कालांतर में 1 जुलाई, 1927 को आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना होने पर उदयपुर सहित राजपूताना के समस्त महाविद्यालयों की उच्च शिक्षा आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गई। 8 जनवरी, 1947 को जयपुर में राजपूताना विश्वविद्यालय (सन् 1957 से राजस्थान विश्वविद्यालय) की स्थापना हुई, जो राजपूताना का प्रथम विश्वविद्यालय था और परतंत्र भारत में स्थापित होने वाला अंतिम (21वाँ) विश्वविद्यालय था। वर्ष 1947 से 1962 तक उदयपुर सहित राजपूताना के सभी महाविद्यालयों की परीक्षाएँ एवं डिग्रियाँ राज्य के उक्त विश्वविद्यालय के अधीन थी। उदयपुर में राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना होते ही कृषि तथा पशुपालन से संबंधित महाविद्यालय राजपूताना विश्वविद्यालय से अलग हो गए। उदयपुर के राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रथम वार्षिक विवरण 1962–1963 के अनुसार विश्वविद्यालय ने प्रथम बार मार्च से अप्रैल, 1963 में परीक्षाएँ आयोजित की, जिसमें 1265 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ, जिनमें मात्र 2 छात्राएँ सम्मिलित थी। इस वर्ष विश्वविद्यालय में राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रचलित पाठ्यक्रम अपनाया गया।

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रथम बैच में निम्नांकित परीक्षाएँ सम्मिलित थी–

1. प्रि–यूनिवर्सिटी (कृषि)
2. प्रि–प्रोफेशनल (कृषि)
3. विज्ञान स्नातक (कृषि)
4. विज्ञान अधिस्नातक (कृषि प्रसार, क्षेत्रीय और अभिजनन एवं जनन विज्ञान में)
5. पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान स्नातक

विश्वविद्यालय के दूसरे चरण में राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर को बहु–संकाय विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने का निर्णय हुआ तथा कृषि, पशुविज्ञान के साथ सामान्य शिक्षा के उदयपुर स्थित सभी महाविद्यालय, उदयपुर विश्वविद्यालय को दिए गए। राज्य सरकार के आदेश संख्या एफ.6(7)कृषि/III/64 दिनांक 22 जून, 1964 के द्वारा निम्नांकित महाविद्यालयों को 01 जुलाई, 1964 से राजस्थान विश्वविद्यालय से हटाकर उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर के अधीन (संघटक/सम्बद्ध) माना गया–

❖ **एम.बी.कॉलेज (महाराणा भूपाल महाविद्यालय), उदयपुर**

1. मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर
2. गोविन्दराम सेकसरिया विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर
3. श्रमजीवी महाविद्यालय, उदयपुर
4. उदयपुर समाज कार्य विद्यालय, उदयपुर
5. राजस्थान महिला महाविद्यालय, उदयपुर

यह आदेश महाविद्यालयों की विश्वविद्यालय की सम्बद्धता के क्रम में था। उसी वर्ष राज्य के कॉलेज शिक्षा विभाग ने एम.बी. कॉलेज को उदयपुर विश्वविद्यालय को हस्तान्तरित किया।

महाराणा भूपाल महाविद्यालय (M.B. College) का नाम परिवर्तित करके 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH)' कर दिया गया। इस प्रकार वर्ष 1964–65 में उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर में निम्नांकित संघटक महाविद्यालय थे–

1. एम.बी. कॉलेज, उदयपुर
2. राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
3. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
4. राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

इस प्रकार विश्वविद्यालय में चार संघटक महाविद्यालय थे तथा ऊपर बताए गए 5 संबद्ध महाविद्यालय थे। बहु–संकाय विश्वविद्यालय होने पर इस वर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षा में 3639 विद्यार्थियों ने आवेदन किया जिनमें 2594 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे (348 छात्राएँ) साथ ही इनमें 318 प्राइवेट परीक्षार्थी भी सम्मिलित थे। कुल परीक्षार्थियों में से 1988 उत्तीर्ण घोषित किए गए।

आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (School of Basic Sciences & Humanities)

महाराणा भूपाल कॉलेज, जिसे सन् 1948 में राज्य सरकार ने अधिगृहीत कर लिया था, को 01 जुलाई, 1964 से उदयपुर विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय बनाते हुए 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (विश्वविद्यालय के कई दस्तावेजों में स्कूल का अनुवाद 'संस्थान' भी मिलता है)' अथवा **'मौलिक विज्ञान एवं मानविकी संस्थान'** नाम दिया गया था तथा इसका प्रशासनिक प्रमुख अधिष्ठाता की बजाय **निदेशक** कहलाने लगा। मूलतः पूर्ववर्ती एम.बी.कॉलेज का सर्वप्रथम चम्पा बाग (आज का वाणिज्य महाविद्यालय) में निर्माण वर्ष 1928–32 में हुआ तथा सन् 1950 में इसका विज्ञान ब्लॉक तैयार हुआ जो आज विज्ञान महाविद्यालय कहलाता है। सन् 1952 में प्रथम छात्रावास निर्मित हुआ जो आज भी एम. बी. हॉस्टल कहलाता है। सन् 1956 में विज्ञान ब्लॉक में ऑपन एयर थियेटर का निर्माण हुआ तथा सन् 1957 में कला एवं वाणिज्य खंड का निर्माण करवाया गया। राजपूताना विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डॉ. जी. एस. महाजनि ने सन् 1950 में **भू–विज्ञान विभाग की स्थापना** उदयपुर में करवाई तथा यह एम. बी. कॉलेज में संचालित होता था। सन् 1962 में यह विभाग अपने नए (वर्तमान) भवन में स्थानांतरित हुआ तथा सत्र 1987–88 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अधीन हो गया। उदयपुर विश्वविद्यालय में सम्मिलित होने के पश्चात् SBSH के सामाजिक एवं मानविकी संकाय वर्ष 1975–76 में नए परिसर (वर्तमान भवन) में स्थानान्तरित हुए तथा सन् 1982 में विधि संकाय वर्तमान भवन में आया। वर्ष 1981–82 में सामाजिक एवं मानविकी संकाय को एक स्वतंत्र इकाई माना गया। एक उपनिदेशक के अधीन 2 नवंबर, 1982 से यह स्वतंत्र रूप से कार्य करने लगा तथा 1 फरवरी, 1983 से इस इकाई का बजट मूल SBSH से पृथक् हुआ तथा 10 अगस्त, 1983 में इसे पूर्णतः स्वतंत्र इकाई का दर्जा मिला और निदेशक नियुक्त हुआ।

जहाँ तक विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का प्रश्न है, यह वर्ष 1966–70 के मध्य बना भवन है, जिसका अनुदान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) ने दिया था तथा जहाँ आज विधि महाविद्यालय का मूल भवन है, वह विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के रूप में विकसित हुआ था। राज्य सरकार के आदेश 11 जून, 1984 के द्वारा विज्ञान, वाणिज्य तथा कला संकायों के अतंर्गत SBSH को निम्नांकित चार महाविद्यालयों में विभक्त किया गया, जो 23 जून, 1984 से प्रभावी हुआ–

> 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल' के प्रथम निदेशक श्री भीमसेन परिश्रमी तथा सहयोगी प्रवृत्ति के थे। भीड़ में भी दूर से नजर आने वाले श्री भीमसेन के संपूर्ण बाल सफेद थे तथा वे हमेशा सफेद वस्त्र धारण करते थे और जूते भी सफेद ही पहनते थे। इसीलिए लोग उन्हें **'मिस्टर व्हाईट'** के नाम से भी सम्बोधित करते थे।

1. विज्ञान महाविद्यालय
2. सामाजिक अध्ययन एवं मानविकी महाविद्यालय
3. वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय
4. पत्राचार अध्ययन महाविद्यालय

विदित रहे कि SBSH में ही पृथक् विधि महाविद्यालय सन् 1973 में स्थापित हो चुका था। राजस्थान जिला गेजेटियर्स (1979) के अनुसार आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल में विद्यार्थी एवं शिक्षक संख्या इस प्रकार थी –

एस. बी. एस. एच. में विद्यार्थी एवं शिक्षक

वर्ष	विद्यार्थी	शिक्षक
1960–61 (एम. बी. कॉलेज)	1672	11
1965–66	1639	105
1972–73	1965	167

वर्ष 1972–73 में इसके विधि विभाग में 447 विद्यार्थी तथा कुल 17 स्टाफ सदस्य थे और कानून से संबंधित 5000 पुस्तकें विभागीय पुस्तकालय में थी। साथ ही 103 प्रकार की पत्र–पत्रिकाएँ भी आती थी।

महाराणा इण्टरमीडिएट कॉलेज से एस. बी. एस. एच. के मुखिया

❖ इण्टरमीडिएट कॉलेज (1922)

1. श्री कन्हैया लाल वर्मा
2. श्री लक्ष्मी लाल जोशी
3. श्री सचीन्द्र बोस

❖ डिग्री कॉलेज (1945)

4. डॉ. प्रफुल्ल चन्द्र बसु
5. श्री शंकर सहाय सक्सेना
6. श्री वी. वी. जॉन

❖ एस. बी. एस. एच. (1964)

7. श्री भीमसेन
8. प्रो. उदय पारीक
9. प्रो. के. के. महर्षि

(नोट – सूची पूर्ण नहीं है।)

उल्लेखनीय है कि SBSH में राज्य सरकार के चार महाविद्यालय बनाने के आदेश (जून, 1984) से पूर्व ही सन् 1983 में ही अलग–अलग संकायों के अधिष्ठाता नियुक्त होने लगे थे।

विभाग, पाठ्यक्रम तथा डिग्रियाँ (Departments, Programmes & Degrees)

वर्ष 1965–66 आते–आते विश्वविद्यालय का कार्य संचालन नियमित होने लगा तथा उस समय के अधिकांश पाठ्यक्रम इस विश्वविद्यालय में शुरू हो गए। उस समय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में कुल 81 अधिकारी तथा कर्मचारी कार्यरत थे।

सन् 1964 में महाविद्यालय एवं विभाग

1. राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर

1. शस्य विभाग
2. पशु पालन विभाग
3. डेयरी उद्योग विभाग
4. उपवन विज्ञान विभाग
5. प्रसार सेवा विभाग
6. प्रसार विभाग
7. अर्थशास्त्र विभाग
8. कृषि सांख्यिकी विभाग
9. कृषि अभियांत्रिकी विभाग
10. कृषि रासायनिक विभाग
11. कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग
12. पौध रोग विज्ञान विभाग
13. प्राणिविज्ञान एवं कीट विज्ञान विभाग

2. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

1. कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग
2. प्राणिविज्ञान एवं कृमि विज्ञान विभाग
3. रसायन विज्ञान विभाग
4. पौधरोग विज्ञान विभाग

5. पशुपालन तथा डेयरी उद्योग विभाग
6. कृषि अर्थशास्त्र विभाग
7. शस्य विज्ञान विभाग
8. सांख्यिकी विभाग
9. प्रसार शिक्षा व अंग्रेजी विभाग
10. उपवन विज्ञान विभाग
11. कृषि अभियांत्रिकी, भौतिकी एवं गणित विभाग

3. पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

1. शरीर संरचना विभाग
2. पशु पालन विभाग
3. जीवाणु एवं व्याधि विज्ञान विभाग
4. प्रसार शिक्षा विभाग
5. स्त्री रोग और प्रसव विज्ञान विभाग
6. पारजैविकी विज्ञान विभाग
7. दैहिकी एवं भैषज विज्ञान विभाग
8. शल्य विज्ञान विभाग

4. आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर (महाराणा भूपाल कॉलेज)

1. वनस्पति विज्ञान विभाग
2. रसायन विज्ञान विभाग
3. वाणिज्य विभाग
4. अर्थशास्त्र विभाग
5. अंग्रेजी विभाग
6. भूगोल विभाग
7. भूगर्भ विज्ञान विभाग
8. हिन्दी विभाग
9. चित्रकला विभाग
10. इतिहास विभाग
11. गणित विभाग
12. दर्शनशास्त्र विभाग
13. भौतिकी विभाग
14. राजनीति विज्ञान विभाग
15. संस्कृत विभाग
16. समाजशास्त्र विभाग
17. उर्दू विभाग
18. प्राणिविज्ञान विभाग

एम. बी. कॉलेज के उदयपुर विश्वविद्यालय में सम्मिलित होते समय (वर्ष 1964–65) निम्नांकित विषयों में स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रम उपलब्ध थे–

1. अंग्रेजी साहित्य
2. हिन्दी साहित्य
3. इतिहास
4. अर्थशास्त्र
5. राजनीति विज्ञान
6. भूगोल
7. समाजशास्त्र
8. भौतिक शास्त्र
9. रसायन विज्ञान
10. प्राणिशास्त्र
11. वनस्पति विज्ञान
12. गणित
13. लेखा समूह में एम. कॉम.
14. व्यवसाय प्रशासन समूह में एम.कॉम.

इसके अतिरिक्त त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम और Junior Diploma Course in Secretarial Business भी संचालित होता था। स्नातक पाठ्यक्रम से पूर्व **प्रि–यूनिवर्सिटी कोर्स** भी उत्तीर्ण करना पड़ता था जिसमें सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य शिक्षा तथा चयन के अनुसार संकायवार वैकल्पिक विषय होते थे। उपर्युक्त पी. जी. विषय के अतिरिक्त कुछ विषय ऐसे भी थे जिनमें केवल स्नातक स्तरीय अध्ययन था। इनमें संस्कृत, उर्दू, दर्शनशास्त्र, चित्रकला, नागरिक शास्त्र, जीवविज्ञान तथा भू–विज्ञान सम्मिलित थे। मानविकी संकाय को 'Faculty of Arts' कहा जाता था।

वर्ष 1975–76 में विश्वविद्यालय के अधीन निम्नांकित संघटक महाविद्यालय थे–

1. प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उदयपुर
2. गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर
3. विधि महाविद्यालय, उदयपुर
4. राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
5. पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
6. आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर

निम्नांकित महाविद्यालयों को सह महाविद्यालय (Associated College) या संबद्ध महाविद्यालय के रूप में मान्यता थी–

1. भूपाल नोबल्स महाविद्यालय, उदयपुर
2. माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, उदयपुर
3. लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक
4. उदयपुर सोशल वर्क स्कूल, उदयपुर
5. विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर
6. राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर
7. विद्या भवन ग्रामीण संस्था, उदयपुर

वर्ष 1962–63 में अंतर–क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता को कुलाधिपति ने रु. 500, मैसर्स आयुर्वेद सेवाश्रम समिति ने रु. 400, श्री कस्तूर मल शाह (जयपुर) ने रु. 400 तथा श्री एफ. बी. इलाविया उदयपुर आसवनी (Distillery) ने रु. 250 नकद ईनाम दिए थे जो कि वरिष्ठ व्याख्याता के वेतन के बराबर थे।

उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा विगत सदी के 70 के दशक में निम्नांकित डिग्रियाँ एवं डिप्लोमा प्रदान किए जाते थे–

❖ **Graduate Degrees**

i. B.Sc. (Agriculture)
ii. B.Sc. (Dairying)
iii. B.Sc. (Poultry Science)
iv. B.Sc. (Agriculture Education)
v. B.Sc. (Food Technology)
vi. B.Sc. (Agricultural Engineering)
vii. B.V. Sc. & A.H.
viii. B.A. (Pass)
ix. B.A. (Honours)
x. B.Sc. (Pass)
xi. B.Sc. (Honours)
xii. B.Com. (Pass)
xiii. B.Com.(Hons.)
xiv. B.Ed.
xv. LL.B.

❖ **Post-Graduate Degrees**

i. M.Sc. (Agriculture)
ii. M.Sc. (Dairying)
iii. M.Sc. (Agriculture Engineering)
iv. M.Sc. (Home Science)
v. M.Sc. (Animal Husbandry)
vi. M.V. Sc.
vii. M.A.
viii. M.Sc.
ix. M.Com
x. M.Ed.
xi. M.LL.M.
xii. M.O.L
xiii. Ph.D.
xiv. D.Lit.
xv. D.Sc.

❖ **Diplomas**

i. J.D.C. (Junior Diploma Course)
ii. Diploma (Post Graduate) in Husbandry
iii. I.D.D. (D.T.)
iv. I.D.D. (D.H.)

उदयपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 1976–77 निम्नांकित संकाय प्रवर्तित थे–

1. Agriculture
2. Veterinary & Animal Science
3. Agricultural Engineering & Technology
4. Humanities
5. Social Sciences
6. Science
7. Commerce
8. Law
9. Education
10. Home Science

शिक्षा विंग में, वर्ष 1976–77 में उदयपुर विश्वविद्यालय में निम्नांकित पाठ्यक्रमों (डिग्रियों) का अध्ययन करवाया जाता था–

1. B.A.
2. B.Lib.
3. B.Sc.
4. B.Com.
5. M.A.
6. M.Sc.
7. M.Com.
8. Ph.D.

कला स्नातक हेतु अर्थशास्त्र, चित्रकला, हिन्दी साहित्य, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, इतिहास, संस्कृत, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन तथा उर्दू वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध थे तथा बी. एससी. में गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, भू–गर्भ विज्ञान, जीव विज्ञान तथा गणितीय सांख्यिकी (Mathematical Statistics) उपलब्ध थे जिनमें निश्चत विषय–समूह बने हुए थे। अनिवार्य विषयों को Qualifying Subject कहा जाता था जिनमें कला, वाणिज्य तथा विज्ञान स्नातक हेतु सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी विषय प्रथम वर्ष में होते थे। द्वितीय वर्ष में समकालीन भारत, भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का इतिहास (HICC) एवं प्राथमिक गणित अनिवार्य विषय थे। एम. ए. हेतु उपर्युक्त सभी विषय (लोक प्रशासन के अलावा) उपलब्ध थे। भूगोल विषय जो कि सामाजिक विज्ञान संकाय में था उसे सत्र 1976–77 से विज्ञान संकाय में लिया गया।

कृषि विंग में निम्नांकित पाठ्यक्रम, विषय एवं डिग्री का अध्यापन करवाया जाता था–

1. Pre Professional
2. B.Sc. (Agri.)
3. B.V.Sc. & A.H.
4. M.V.Sc.
5. B.E. (Agri.)
6. B.Sc. (Human Science)
7. M.Sc. (Home Science)
8. M.Sc. (Agri.)
9. Ph.D. (by Course Work)

❖ **Faculty of Agriculture**

a. Agricultural Zoology & Entomology
b. Animal Husbandry
c. Agricultural Statistics
d. Soil Science & Agri. Chemistry
e. Horticulture
f. Dairy Science
g. Agricultural Economics
h. Plant Pathology
i. Extension Education
j. Agricultural Botany
k. Agronomy

❖ **Faculty of Veterinary & Animal Science**

a. Anatomy
b. Physiology
c. Animal Breeding & Genetics
d. Animal Production
e. Pathology & Bacteriology
f. Animal Nutrition
g. Medicine
h. Parasitology
i. Surgery & Radiology
j. Obstetrics & Gynaeology including artificial insemination

❖ **Faculty of Agriculture Engineering and Technology**

a. Soil and Water Conservation Engineering
b. Farm Machinery & Power Engineering
c. Processing & Food Engineering
d. Civil Engineering
e. Mechanical Engineering
f. Electric Engineering
g. Mining Engineering

❖ **Faculty of Home Science**

a. Food & Nutrition
b. Child Development
c. Home Management
d. Home Science Education
e. Clothing & Textiles

इस सत्र में विश्वविद्यालय में निम्नांकित देशों के विद्यार्थी अध्ययनरत थे–

1. दक्षिण अफ्रीका–15
2. मॉरीशस–35
3. मलेशिया–33
4. गुयाना–4
5. तंजानिया–7
6. फिजी–3
7. थाइलैंड–2

कुल–99

सन् 1979 में उदयपुर विश्वविद्यालय में पत्राचार अध्ययन हेतु College of Correspondence Studies शुरू किया गया जो कि पहले विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर फिर वर्तमान विधि महाविद्यालय के प्रथम तल पर संचालित होता था। इस इकाई को एक निदेशक के निर्देशन में संचालित किया जाता था अतः **'पत्राचार निदेशालय'** भी कह दिया जाता था। इस निदेशालय का **'कॉलेज' नामकरण** सन् 1984 में हुआ। इस कॉलेज में कार्यरत रहे श्री भंवर सिंह चौहान के अनुसार यह पत्राचार महाविद्यालय बी.ए., एलएल.बी., सर्टिफिकेट इन लाइब्रेरी साइंस तथा डिप्लोमा इन लेबर लॉ पाठ्यक्रम संचालित करता था। यह महाविद्यालय विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री डाक से भेजता था तथा वर्ष के अंत में विश्वविद्यालय में 15 दिन की Contact Classes आयोजित की जाती थी और इन सभी पत्राचार विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की अन्य परीक्षाओं के परीक्षार्थियों के साथ सम्मिलित होना पड़ता था। उदयपुर विश्वविद्यालय के विभाजन के समय सन् 1987 में यह महाविद्यालय बन्द कर दिया गया तथा समस्त संसाधन एवं स्टाफ सदस्य कोटा खुला विश्वविद्यालय को दे दिए गए।

राज्य सरकार के सन् 1987 के अध्यादेश सं. 13 के द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दो विश्वविद्यालयों में विभक्त किया गया–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
2. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

यह विभाजन 01 अगस्त, 1987 से लागू माना गया तथा शिक्षा विंग को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर को तथा कृषि विंग को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर को दे दिया गया। इस सत्र में संकायों/विभागों/विषयों तथा डिग्रियों की स्थिति इस प्रकार थी–

❖ **Degree**

1. *B.SC. (Agriculture)*
2. *B.Sc. (Dairy Technology)*
3. *B.Sc. (Poultry Science)*
4. *B.Sc. (Agricultural Education)*
5. *B.Sc. (Food Technology)*
6. *B.E. (Agriculture)*
7. *B.Sc. (Home Science)*
8. *B.V. Sc. & A.H.*
9. B.A. (Pass)
10. B.A. (Honours)
11. B.Sc. (Pass)
12. B.Sc. (Honours)
13. B.Com. (Pass)
14. B.Com (Honours)
15. LL.B.
16. B.Lib.Sc. (Bachelor of Library Science)

❖ **Post Graduate Degree**

1. *M.Sc. (Agriculture)*
2. *M.Sc. (Dairying)*
3. *M.E. (Agriculture)*
4. *M.Sc. (Home Science)*
5. *M.Sc. (Animal Husbandry)*
6. *M.V.Sc.*
7. M.A.
8. M.Sc.
9. D.Sc.
10. M.Com.
11. LL.M.
12. M.O.L.
13. Ph.D.
14. D.Litt.
15. M.B.A.
16. M.Phil.

❖ **Diplomas**

1. J.D.C. (Junior Diploma Course)
2. *Diploma (Post Graduate in Sheep Husbandry)*
3. I.D.D. (DT)
4. I.D.D. (DH)
5. Diploma in Labour Law, Labour Welfare and Personnel Management
6. *Diploma in Biological Bio-Techniques*

7. Diploma in Commercial Methods in Chemical Analysis
8. Diploma in Tourism and Cultural Relations.
9. 2 year PG Diploma in Cost and Management Accounting.
10. One year PG Diploma in Materials & Purchase Management
11. One year PG Diploma in Banking Management
12. One year PG Diploma in Hotel Management
13. One year PG Diploma in Irrigation Management
14. One year PG Diploma in Computer Technology & Applications
15. One year PG Diploma in Electronic Appliance
16. Diploma in Company Law & Secretarial Practice
17. Diploma/Certificate Course in Regional Languages & Oriental Language

कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रथम वर्ष में मात्र 02 छात्राएँ विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में सम्मिलित हुई तथा एम. बी. कॉलेज एवं अन्य कॉलेज सम्बद्ध होने पर वर्ष 1964–65 की परीक्षा में यह संख्या 348 तक पहुँची। आज स्थिति यह है कि विश्वविद्यालय के कुल विद्यार्थियों में लगभग आधी छात्राएँ हैं और वे विगत दशक से प्रतिवर्ष कुल पदकों के 90% से अधिक स्वर्ण पदक अपने नाम करती हैं।

College & Departments (Subjects)

1. *College of Agriculture*

a. *Agronomy*
b. *Horticulture*
c. *Statistics*
d. *Genetics and Plant Breeding*
e. *Plant Physiology*
f. *Plant Pathology*
g. *Ag.Chemistry and Soil Science*
h. *Ag. Zoology and Soil Science*
i. *Animal Production*
j. *Ag. Economics*
k. *Extension Education*
l. *Bio-Chemistry*
m. *Nematology*
n. *Limnology & Fisheries*
o. *Microbiology*
p. *Agricultural Meteorology*
q. *Farm Forestry*

2. *College of Veterinary & Animal Science, Bikaner*

a. *Anatomy*
b. *Physiology and Bio Chemistry*
c. *Pharmacology*
d. *Animal Nutrition & Food Technology*
e. *Animal Breeding and Genetics*
f. *Livestock Production and Management*
g. *Extension Education*
h. *Veterinary Micro Biology*
i. *Veterinary Pathology*
j. *Parasitology*
k. *Surgery and Radiology*
l. *Medicine (Clinical and Preventive)*
m. *Obstetetrics and Gynecology*

3. College of Social Sciences & Humanities

1. English
2. Hindi
3. Political Science
4. Economics
5. Sociology
6. History
7. Geography
8. Philosophy
9. Fine Arts
10. Sanskrit
11. Urdu
12. Psychology
13. Library Science
14. Jainology and Prakrit
15. Rajasthani

4. College of Science

1. Mathematics
2. Physics
3. Chemistry
4. Zoology
5. Botany
6. Geology
7. Computer Science
8. Environmental Studies

5. College of Commerce & Management Studies

1. Business Administration & Management
2. Accountancy & Statistics
3. Banking & Business Economics

6 College of Technology & Agricultural Engineering

1. *Farm Machinery and Power Engineering*
2. *Soil and Water Conservation Engineering*
3. *Processing and Food Engineering*
4. *Civil Engineering*
5. *Mechanical Engineering*
6. *Electrical Engineering*
7. *Mining*
8. *Engineering Mechanics*
9. *Renewable Energy*
10. *Irrigation & water Management*

7. College of Home Science

1. *Food & Nutrition*
2. *Human Devlopment*
3. *Family Resource Management*
4. *Clothing & Textile*
5. *Home Science Extension Education*

8. College of Law

1. Deptt. of Law

9. College of Dairy Science

1. *Department of Dairy Technology*
2. *Department of Dairy Chemistry*
3. *Department of Dairy Bacteriology*
4. *Department of Dairy Engineering*
5. *Department of Dairy Husbandry*

उपर्युक्त वर्णित सूची में italic अक्षरों में दर्शाए महाविद्यालय एवं कोर्स नए बने कृषि विश्वविद्यालय को दे दिए गए तथा शेष मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पास बने रहे।

सन् 1964 के पश्चात् नए विभाग एवं पाठ्यक्रमों का विवरण

वर्ष	विभाग / पाठ्यक्रम की शुरूआत
सन् 1965	• दर्शनशास्त्र विभाग की स्थापना / स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययन शुरू। • ड्राईंग एवं पेंटिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 1966	• संस्कृत में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 1971	• मनोविज्ञान विभाग की स्थापना। • सांख्यिकी विषय स्नातक स्तर पर शुरू।
सन् 1972	• Employment Information & Guidance Bureau की स्थापना।
सन् 1973	• लोक प्रशासन विषय स्नातक स्तर पर शुरू। • विधि महाविद्यालय की स्थापना।
सन् 1975	• लाइब्रेरी एवं इंफॉर्मेशन साइंस विभाग की स्थापना तथा सर्टिफिकेट एवं स्नातक पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 1978	• जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग की स्थापना। Diploma in Pali, Buddhism & Non-Violence शुरू।

वर्ष	विभाग / पाठ्यक्रम की शुरूआत
सन् 1979	• पत्राचार महाविद्यालय एवं इसके कुछ पाठ्यक्रम शुरू। • प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र की स्थापना।
सन् 1981	• जनसंख्या अध्ययन केन्द्र की स्थापना।
सन् 1982	• पाँच वर्षीय एलएल.बी. पाठ्यक्रम शुरू। • भूगोल, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, व्यवसाय प्रशासन तथा लेखांकन एवं व्यवसाय सांख्यिकी में एम. फिल. शुरू। • राजस्थानी विभाग की स्थापना तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू। • एम.बी.ए. पाठ्यक्रम (अंशकालिक) जो सन् 1988 तक रहा। • डिप्लोमा इन मार्केटिंग शुरू। • डिप्लोमा इन होटल एण्ड ट्यूरिज्म मैनेजमेंट शुरू। • फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज गठित।
सन् 1983	• अर्थशास्त्र में एम.फिल. शुरू।
सन् 1984	• आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर (SBSH) को चार महाविद्यालय में बाँटा गया (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी, वाणिज्य एवं प्रबंध तथा पत्राचार)
सन् 1985	वाणिज्य विभाग का तीन विभागों में बैंटवारा एवं स्नातकोत्तर संबंधित विषयों में– • लेखांकन एवं सांख्यिकी विभाग • बैंकिंग एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग • व्यवसाय प्रशासन विभाग • Master Programme in International Business (MIB) • PG Diploma in Merchant Banking & Financial Services • PG in Human Resource Management • विज्ञान महाविद्यालय में कम्प्यूटर सेंटर की स्थापना। • स्नातक स्तर पर कम्प्यूटर साइंस विषय शुरू। • स्नातक स्तर पर Environmental Biology विषय शुरू।
सन् 1986	• द्वि–वर्षीय पूर्णकालिक एम.बी.ए. पाठ्यक्रम शुरू। • स्नातक स्तर पर संगीत विभाग की विधिवत् स्थापना।
सन् 1987	• Certificate Course in English शुरू।
सन् 1988	• भू–विज्ञान विभाग का राजस्थान विश्वविद्यालय से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में विलय। • लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर शुरू। • एम. बी. ए. पाठ्यक्रम शुरू। • पी. जी. डिप्लोमा इन ट्यूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट शुरू।
सन् 1989	• गणित विभाग का नाम 'गणित एवं सांख्यिकी विभाग' किया गया।
सन् 1990	• पर्यावरण विज्ञान विभाग की स्थापना। स्नातक स्तर पर पर्यावरण विज्ञान शुरू। • स्वतंत्र कम्प्यूटर सेंटर की स्थापना। • प्रबंध अध्ययन संकाय की स्थापना। • पॉलिमर साइंस विभाग की स्थापना (रसायन विज्ञान विभाग की एक इकाई के रूप में)। • पॉलिमर साइंस में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू। • सांख्यिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 1991	• पत्रकारिता में डिप्लोमा शुरू।
सन् 1993	• पॉलिमर साइंस में पी. जी. डिप्लोमा शुरू।
सन् 1994	• PGDCA शुरू। • Dept. of Pharmaceutical Science को स्वतंत्र दर्जा। • द्वि–वर्षीय डिप्लोमा (फार्मेसी) शुरू। • M.Lib शुरू।

वर्ष	विभाग / पाठ्यक्रम की शुरूआत
सन् 1995	• पर्यावरण विज्ञान विभाग की (स्वतंत्र) स्थापना तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 1996	• Diploma in Merchandising & Readymade Garments शुरू। • FMS को UCCMS से पृथक् किया गया। • Dept. of Hotel & Tourism Management की स्थापना।
सन् 1997	• Biotechnology विभाग की स्थापना। P.G. in Biotechnology शुरू। • MCA शुरू।
सन् 1998	• चार वर्षीय बी. फार्मा शुरू। • महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना।
सन् 1999	• स्वतंत्र लोक प्रशासन विभाग की स्थापना। • Lib. Sci. में पीएच. डी. कोर्स शुरू। • Diploma in Textile Designing शुरू।
सन् 2000	• FMS अपने नये भवन में स्थानान्तरित।
सन् 2002	• M. Sc. in Electronics शुरू।
सन् 2003	• Master in Tourism Management शुरू।
सन् 2004	• ड्राईंग एवं पेंटिंग विभाग का नाम दृश्यकला (Visual Arts) विभाग किया गया।
सन् 2004	• योग केन्द्र की स्थापना। • पी. जी. डिप्लोमा इन योगा शुरू।
सन् 2005	• B.Sc. in Biotechnology शुरू। • MBA (Service Sector Management) शुरू।
सन् 2010	• Centre for Soft Skill की स्थापना। • Microbiology विभाग की स्थापना।
सन् 2011	• Bachelor of Hotel Management शुरू।
सन् 2015	• MBA (E.Business) शुरू।
सन् 2016	• कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना।
सन् 2017	• पी.जी. इन योगा शुरू। • शिक्षा विभाग की स्थापना। • BCA पाठ्यक्रम शुरू। • M.Sc. in Information Technology शुरू। • FMS में Atal Bihari Centre for Entrepreneurship स्थापित तथा BBA Entrepreneurship शुरू।
सन् 2018	• National Resource Centre in Biotechnology शुरू।
सन् 2018	• महिला अध्ययन विषय स्नातक स्तर पर शुरू। • चार वर्षीय B.A. B.Ed., B.Sc. B.Ed. पाठ्यक्रम शुरू।
सन् 2019	• Certificate Course in Yoga शुरू। • MBA (Service Sector Management) को MBA (Financial Services Management) किया गया। • MBA (E-Business) का नया नाम MBA (E-Commerce) किया गया तथा सन् 2020 में पुनः MBA (E-Business) किया गया।
सन् 2020	• पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय स्नातक स्तर पर शुरू। • M. VOC. -Fashion Technology & Designing स्वीकृत। • Diploma in Fashion Design & Technology स्वीकृत। • Fashion Technology & Designing एक स्नातक स्तरीय वैकल्पिक विषय के रूप में स्वीकृत। • Faculty of Visual Arts अनुमोदित। • Certificate Coures in Women & Legal Rights अनुमोदित।

विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति

वर्ष	वर्षिक बजट (रुपये)	कुल (नियमित) विद्यार्थियों की संख्या	छात्राओं की संख्या	सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या
1962–63	31.20 लाख	1154	2	3 संघटक महाविद्यालय
1965–66	1.10 करोड़	4205(32 विदेशी विद्यार्थियों सहित)	521	4 संघटक + 6 संबद्ध
1975–76	3.70 करोड़	8043 (99 विदेशी विद्यार्थियों सहित)	उपलब्ध नहीं	7 संघटक + 7 संबद्ध
1985–86	13.24 करोड़	6193	721	10 संघटक+ 7 संबद्ध
1995–96	10.88 करोड़	24369	5360	4 संघटक + 29 संबद्ध
2005–06	31.63 करोड़	46720	18223	4 संघटक + 81 संबद्ध
2015–16	82.95 करोड़	229450	113508	4 संघटक + 216 संबद्ध
2019–20	67.10 करोड़	83086	40050	4 संघटक + 183 संबद्ध

परीक्षाएँ (Examinations)

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर ने शुरू से ही सेमेस्टर तथा आंतरिक मूल्यांकन की प्रणाली अपनाई तथा उदयपुर विश्वविद्यालय बनने पर गैर कृषि या शिक्षा विंग ने राजस्थान विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा तथा निबंधात्मक प्रश्न पत्र की पद्धति जारी रखी। वर्ष 2009–10 तक वार्षिक परीक्षा स्कीम चलती रही तथा वर्ष 2010–11 से सेमेस्टर पद्धति स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लागू हुई तथा विज्ञान एवं विधि संकाय में स्नातक स्तर पर भी सेमेस्टर पद्धति लागू हुई। वर्ष 2016–17 में स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर एवं सी. बी. सी. एस. पद्धति लागू हुई किन्तु विश्वविद्यालय के सम्बद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक पद्धति ही प्रवर्तित है जो स्वयंपाठी (Non-Collegiate) परीक्षार्थियों हेतु भी लागू होती है।

परीक्षाओं की मान्यता देने वाली शुरुआती संस्थाएँ

सन् 1962–63 में निम्नलिखित विश्वविद्यालयों या संस्थाओं या सरकार ने राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर की परीक्षाओं की मान्यता के लिए स्वीकृति दी–

1. अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़
2. आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
3. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
4. बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई
5. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
6. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
7. भारतीय कृषि अनुसंधान शाला, नई दिल्ली
8. जम्मू एवं कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
9. कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़
10. केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम्
11. मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद
12. उड़ीसा कृषि विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
13. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
14. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
15. सरदार वल्लभभाई विद्यापीठ, वल्लभ विद्यानगर (आणंद)
16. उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर

विश्वविद्यालय द्वारा सन् 1965 तक डिग्री केवल अंग्रेजी भाषा में दी जाती थी जो सन् 1966 से हिन्दी एवं अंग्रेजी में दी जाने लगी। सन् 1994 से 2013 तक डिग्री पर 'होलोग्राम' रहा तथा सन् 2014 से बार कोड एवं क्यू. आर. कोड प्रणाली शुरू की गई। सत्र 2015–16 से डिग्रियाँ (वर्ष 2017–18 में लागू) ऑनलाईन 'नेशनल एकेडेमिक डिपोजिटरी' पर अपलोड होने लगी।

17. उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर

18. भारत सरकार, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सांस्कृतिक कार्यों का मंत्रालय, नई दिल्ली।

ज्ञात रहे की वर्ष 1963–64 में देश में कुल 56 विश्वविद्यालय थे जिससे परस्पर डिग्रियों की मान्यता की प्रक्रिया लंबा समय लगा देती थी।

शिक्षा विंग की परीक्षा प्रणाली के क्रम में निम्नांकित तथ्य उल्लेखनीय हैं–

1. **प्रश्न पत्र का प्रारूप :**– सन् 1995 तक लगभग सभी परीक्षाओं में विद्यार्थियों से प्रश्न पत्र में दस प्रश्न पूछे जाते थे तथा विद्यार्थियों को उनमें से कोई पाँच प्रश्न हल करने होते थे। बाद में पाठ्यक्रमों को दो खण्डों में विभाजित किया गया एवं प्रत्येक खण्ड में पाँच प्रश्न पूछे जाते थे। छात्रों को प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न हल करते हुए पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होते थे।

   तत्पश्चात् पाठ्यक्रमों को पाँच इकाइयों (I, II, III, IV, V) में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न परीक्षा में पूछे जाते थे एवं विद्यार्थियों को प्रत्येक इकाई से कोई एक प्रश्न हल करते हुए पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होता था।

   इसके बाद पाठ्यक्रमों का प्रारूप उपर्युक्त रूप से ही रखते हुए प्रश्न पत्र के प्रारूप में थोड़ा बदलाव किया गया। नए प्रारूप में प्रश्न पत्र को तीन खण्डों A, B तथा C में विभक्त किया गया जो कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप था। खण्ड A में दस लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाते हैं। खण्ड B में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाते हैं तथा विद्यार्थियों को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करना होता है जिसका उत्तर 50 से 100 शब्दों में दिया जाना अपेक्षित होता है। खण्ड C में प्रत्येक इकाई से एक निबन्धात्मक प्रश्न पूछा जाता है तथा विद्यार्थियों को उनमें से कोई दो प्रश्न हल करने होते हैं। प्रश्न पत्र का यह प्रारूप वर्तमान में भी लागू होकर चल रहा है। विधि / प्रबन्ध / बी.एड. / फार्मेसी के पाठ्यक्रमों में प्रश्न–पत्र प्रारूप में पाठ्यक्रमों के अनुरूप कुछ परिवर्तित रूप लागू हैं।

2. **ऑनलाईन परीक्षा :**– ऑनलाईन परीक्षा फॉर्म भरवाए जाने का कार्य वर्ष 2001 से अनवरत जारी है।

3. **स्केनिंग वर्क :**– उत्तरपुस्तिकाओं के ओएमआर शीट का स्केनिंग संबंधी कार्य वर्ष 2001 से अनवरत जारी है।

4. **उत्तरपुस्तिका :**– वर्ष 2001 से 2013 तक की परीक्षाओं के आयोजन हेतु सामान्य उत्तरपुस्तिका काम में ली जाकर संबंधित उत्तरपुस्तिकाओं के प्रथम कवर पेज पर बार कोड स्टीकर शीट लगाई जाकर कार्यवाही अमल में लाई जाती थी। तत्पश्चात् वर्ष 2014 से बार–कॉडेड ओ.एम.आर. शीटयुक्त उत्तरपुस्तिकाओं का उपयोग किया जा रहा है।

5. **पुनर्मूल्यांकन :**– वर्ष 2019 से पूर्व तक छात्र द्वारा दी गई परीक्षा के प्रश्न–पत्रों में से 25 प्रतिशत उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन कराने का नियम लागू था। वर्ष 2020 की परीक्षा से छात्रों को दी गई परीक्षा के सभी प्रश्न पत्रों में पुनर्मूल्यांकन कराये जाने का प्रावधान लागू कर दिया गया है।

6. **कम्पार्टमेंटल स्कीम :**– वर्ष 2001 से पूर्व स्नातक स्तर के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों हेतु पूरक परीक्षा का आयोजन पृथक्–पृथक् प्रश्न–पत्रों के रूप में कराया जाता था तथा छात्रों को न्यूनतम उत्तीर्णांक देने का प्रावधान था। वर्ष 2001 के पश्चात् स्नातक स्तर के विज्ञान एवं कला संकाय में कम्पार्टमेंटल स्कीम अर्थात् किसी एक विषय में अनुत्तीर्ण रहने पर छात्र को अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया जाता है तथा विधि, वाणिज्य एवं बीसीए संकाय में पृथक्–पृथक् रूप से 25 प्रतिशत प्रश्न पत्रों में अनुत्तीर्ण रहने पर प्रोन्नत करने की स्कीम लागू है।

7. **परीक्षा केन्द्र :**– विश्वविद्यालय में सन् 1999 से पूर्व संबद्धता सहित लगभग 36 महाविद्यालय तथा 28 परीक्षा केन्द्र ही संचालित थे तथा वर्तमान में विश्वविद्यालय सहित सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या लगभग 190 है तथा 92 परीक्षा केन्द्र संचालित हैं।

8. **छात्रों की संख्या :**– वर्ष 1999 से पूर्व विश्वविद्यालय में लगभग 35 हजार छात्र ही अध्ययनरत थे। वर्तमान में सभी संबंधित महाविद्यालयों में अध्ययनरत नियमित एवं स्वयंपाठी छात्रों की कुल संख्या 1.90 लाख है।

9. **पाठ्यक्रमों की सूची :**– सत्र 2019–20 तक विश्वविद्यालय एवं संचालित सभी संबंधित महाविद्यालयों में लगभग 120 वार्षिक पाठ्यक्रम एवं 60 विषयों के सेमेस्टर पाठ्यक्रम संचालित थे। वर्तमान में विश्वविद्यालय की गोपनीय शाखा 3000 से भी अधिक प्रकार के प्रश्नपत्र निर्मित करवाती है।

   सत्र 2019–20 में विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है–

> विश्वविद्यालय में अस्सी एवं नब्बे के दशक में परीक्षा मूल्यांकन का कार्य इतना गुणवत्तापूर्ण था कि कई बार परीक्षा परिणाम इस तरह प्रकाशित होता था..........अमुक परीक्षा / पाठ्यक्रम में कोई उत्तीर्ण नहीं।

कला (Arts) पाठ्यक्रम

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
1	Bachelor of Arts (B.A.)	Annual
2	Bachelor of Arts Honours (Political Science) (B.A.Hons.)	Annual
3	Bachelor of Arts Honours (Sanskrit) (B.A.Hons.)	Annual
4	Bachelor of Arts Honours (Economics) (B.A.Hons.)	Annual
5	Bachelor of Arts Honours (English) (B.A.Hons.)	Annual
6	Bachelor of Arts Honours (History) (B.A.Hons.)	Annual
7	Bachelor of Arts Honours (Sociology) (B.A.Hons.)	Annual
8	Bachelor of Arts Honours (Hindi) (B.A.Hons.)	Annual
9	Bachelor of Physical Education (B.PEd)	Annual
10	Bachelor of Library & Information Science	Semester
11	Master of Arts Sociology (M. A.-Sociology)	Annual
12	Master of Arts Rajasthani (M. A. -Rajasthani)	Annual
13	Master of Arts Urdu (M. A. -Urdu)	Annual
14	Master of Arts Home Science (M. A. -Home Science)	Annual
15	Master of Arts Rural Sociology (M. A. - Rural Sociology)	Annual
16	Master of Arts Philosphy (M. A. -Philosphy)	Annual
17	Master of Arts Jainology & Prakrit (M. A. -Jainology & Prakrit)	Annual
18	Master of Arts Psychology (M. A. -Psychology)	Annual
19	Master of Arts English (M. A. -English)	Annual
20	Master of Arts Geography (M. A. -Geography)	Annual
21	Master of Arts Sanskrit (M. A. -Sanskrit)	Annual
22	Master of Arts Public Administration (M. A. -Public Adm.)	Annual
23	Master of Arts History (M. A. -History)	Annual
24	Master of Arts Hindi (M. A. -Hindi)	Annual
25	Master of Arts Political Science (M. A. -Political Science)	Annual
26	Master of Arts Economics (M. A. -Economics)	Annual
27	Master of Arts Drawing And Painting (M. A. -Drawing & Painting)	Annual
28	Master of Library &Information Science	Semester
29	Master of Arts Music (M. A. -Music)	Semester
30	Master of Arts Sociology (M. A. -Sociology)	Semester
31	Master of Arts Rajasthani (M. A. -Rajasthani)	Semester
32	Master of Arts Urdu (M. A. -Urdu)	Semester
33	Master of Arts Home Science (M. A. -Home Science)	Semester
34	Master of Arts Rural Sociology (M. A. - Rural Sociology)	Semester
35	Master of Arts Philosophy (M. A. -Philosophy)	Semester
36	Master of Arts Jainology & Prakrit (M. A. -Jainology & Prakrit)	Semester
37	Master of Arts Psychology (M. A. -Psychology)	Semester
38	Master of Arts English (M. A.-English)	Semester
39	Master of Arts Geography (M. A.-Geography)	Semester

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
40	Master of Arts Sanskrit (M. A.-Sanskrit)	Semester
41	Master of Arts Public Administration (M. A.-Public Adm.)	Semester
42	Master of Arts History (M. A.-History)	Semester
43	Master of Arts Hindi (M. A.-Hindi)	Semester
44	Master of Arts Political Science (M. A.-Political Science)	Semester
45	Master of Arts Economics (M. A.-Economics)	Semester
46	Master of Arts Drawing And Painting (M. A.-Drawing & Painting)	Semester
47	Master of Arts Yoga (M. A.-Yoga)	Semester
48	Master of Arts Journalism and Mass Communication (M. A.-Journalism & Mass Communication)	Semester
49	Master of Arts Music (M. A.-Music)	Semester
50	Post Graduation in Merchandising and Readymade Garments	Annual (Diploma)
51	Post Graduation in Textile Designing	Annual (Diploma)
52	Certificate Course in English	Annual (Certificate)
53	Post Graduation in Diploma in Journalism	Annual (Diploma)
54	Post Graduation in Diploma in Yoga Education	Annual (Diploma)
55	Post Graduation in Diploma in Fashion	Annual (Diploma)

शिक्षा (Education) पाठ्यक्रम

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
1	Bachelor of Education (B.Ed.)	Annual
2	Bachelor of Arts and Bachelor of Education Integrated (B.A. B.Ed.)	Annual
3	Bachelor Science and Bachelor of Education Integrated (B.Sc. B.Ed.)	Annual
4	Master of Education (M.Ed)	Annual

विधि (Law) पाठ्यक्रम

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
1	Bachelor of Laws (LL.B)	Annual
2	Master of Laws (LL.M)	Annual
3	Bachelor of Arts and Law Integrated (B. A. LL.B)	Semester
4	Bachelor of Commerce with Laws (B.Com LL.B)	Semester
5	Diploma in Labour Law, Labour Welfare and Personnel Management	Annual (Diploma)

विज्ञान (Science) पाठ्यक्रम

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
1	Bachelor of Science (B.Sc.)	Annual
2	Bachelor of Home Science (B.Sc. Home Science)	Annual
3	Bachelor of Biotechnology (B.Sc. Biotech)	Annual
4	Bachelor of Pharma (B. Pharma)	Annual
5	Bachelor of Computer Application (BCA)	Annual

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
6	Master of Science Mathematics (M.Sc. Mathematics)	Annual
7	Bachelor of Computer Application (BCA)	Semester
8	Bachelor of Biotechnology (B.Sc. Biotech)	Semester
9	Master of Science Mathematics (M.Sc. Mathematics)	Semester
10	Master of Science Industrial Chemistry (M.Sc. Industrial Chemistry)	Semester
11	Master of Science Botany (M.Sc. Botany)	Semester
12	Master of Science Zoology (M.Sc. Zoology)	Semester
13	Master of Science Physics (M.Sc. Physics)	Semester
14	Master of Science Geology (M.Sc. Geology)	Semester
15	Master of Science Environmental Science (M.Sc. EVS)	Semester
16	Master of Science Polymer Science (M.Sc. Polymer Science)	Semester
17	Master of Science Chemistry (M.Sc. Chemistry)	Semester
18	Master of Science Tech applied Geology (M.Sc. Tech - applied Geology)	Semester
19	Master of Science Stastistics (M.Sc. Stastistics)	Semester
20	Master of Science Microbiology (M.Sc. Microbiology)	Semester
21	Master of Computer Application (MCA)	Semester
22	Master of Science Information Technology (M.Sc. IT)	Semester
23	Post Graduation Diploma in Computer Application (PGDCA)	Annual

वाणिज्य (Commerce) पाठ्यक्रम

S.no	Name of Courses/ Degree	Scheme
1	Bachelor of Commerce (B.Com.)	Annual
2	Bachelor of Commerce honours (B.Com. Hons)	Annual
3	Bachelor of Commerce With Banking and Economics (B.Com B. B. E)	Annual
4	Bachelor of Travel and Tourism Management (B. T. T. M)	Semester
5	Bachelor of Hotel Management (B. H. M)	Semester
6	Banking & Business Economics (B. B. E)	Semester
7	Bachelor of Vocational Education (B.Voc)	Semester
8	Bachelor of Banking Administration (B. B. A)	Semester
9	Master of Banking Administration (MBA E-Business)	Semester
10	Master of Commerce Accountancy And Business Statistics (M.Com. ABST)	Semester
11	Master of Commerce Business Administration (M.Com. Buss. Ad.)	Semester
12	Master of Commerce Banking & Business Economics (M.Com. B. B. E)	Semester
13	Master of International Banking (M.I.B)	Semester
14	Master of Human Resources Management (M. H. R.M)	Semester
15	Master of Financial Control (M. F. C)	Semester
16	Master of Banking and Insurance (M. B. I)	Semester
17	Master of Banking Administration with Financial Services Management (M. B. A. –F. S. M)	Semester
18	Master of Travel and Tourism Management (M . T. T. M.)	Semester

नये संकाय, विभाग एवं पाठ्यक्रम
(New Faculties, Departments and Programmes)

सन् 2020 में निम्नांकित नये संकाय, नये विभाग तथा नये पाठ्यक्रम अनुमोदित किये गये–

नये संकाय

- Faculty of Visual Arts
- Faculty of Engineering and Technology

नये विभाग

Dept. of Painting	Dept. of Architecture
Dept. of Print Making	Dept. of Forensic Science
Dept. of Sculpture	Dept. of Applied Sciences and Humanities
Dept. of Applied Art	Dept. of Civil Engineering
Dept. of Art History	Dept. of Computer Science and Engineering
Dept. of Tourism and Hotel Management	Dept. of Electrical Engineering
Dept. of Anthropology	Dept. of Electronics and Communicating Engineering
Dept. of Fashion Technology and Designing	Dept. of Mechanical Engineering
Dept. of Management	Dept. of Social Work

नये पाठ्यक्रम

DETAILS OF NEW COURSES

S.No.	Name of Course
1	Journalism-Mass Communication as an optional subject at Under Graduate Level (B.A.)
2	Certificate Programme in Mobile Journalism (CMOJO)
3	PG Course (M. Voc in Fashion Technology & Designing)
4	M.Voc. -Fashion Technology & Designing, Semester System (CBCS) under Readymade Garment
5	M.Pharma (Pharmaceutics) CBCS, Semester wise
6	M.VOC (Accounting, Taxation & Auditing)
7	PG Diploma in Geospatial Technology
8	PG Diploma Course in Mining and Mineral Exploration
9	Advance Surveying with Total Station
10	Skill Development Course in Environmental Surveys and Monitoring (Deptt. of Environmental Sciences)
11	Diploma in Development of Rural Education and Employment
12	Diploma in Event Management
13	Certificate Course in Digital Marketing
14	Diploma Course in Digital Marketing
15	Diploma Course in Retail Marketing
16	Certificate Course in Digital Marketing, from Academic Year 2020
17	Certificate Course in Web Designing from Academic Year 2020
18	Semester Based PGDCA Course from Academic Session 2021
19	Certificate Course in Employability Skills
20	Certificate Course in Community Mental Health
21	Diploma Course in Soft Skills Enhancement and Application of Psychology in Everyday Life

S.No.	Name of Course
22	Diploma Course in Career Counseling
23	Diploma Course in Child Psychology
24	Certificate Course in Library and Information Science
25	Diploma Course in Library and Information Science
26	Fashion Technology and Designing (optional subject in UG)
27	Certificate Course in *Jyotish* and *Vastushastra* in the Department of Sanskrit
28	Diploma Course in *Jyotish* and *Vastushastra* in the Department of Sanskrit
29	Additional Course in B.A. Music in the Department of Music
30	Diploma in Insurance
31	Certification Course in Data Analysis Microsoft
32	Certification Course in Basic Practical Business
33	Certification Course in Microsoft Office Lab
34	Certification Course in Business Statistics Using Excel
35	Certification Course in Practical Income Tax
36	Certification Course in Practical Advanced MS-Excel
37	Certification Course in Practical Goods and Service Tax
38	Certification Course in Practical TDS and Advanced Tax
39	Certification Course in Advanced Practical Business Accounting
40	Certification Course in Financial Management Using Excel
41	P.G. Diploma in Cyber Laws
42	Add-on Course on Software Application in Research
43	Add-on Course on Spreadsheet Applications in Business
44	Add-on Course on Practical Auditing
45	Add-on Course in Practical Income Taxation
46	Add-on Course on Practical Goods and Service Tax
47	Diploma in Fashion Design and Technology (under Readymade Garments)
48	Certificate Course on "Women and Legal Rights" (under UGC Centre for Women's Studies)
49	Nano-Science and Nano-Technology
50	Bioinformatics & Computational Biology
51	Master of Arts in Anthropology
52	Master of Arts in Social Work
53	Certificate Courses for the Centre for Communication Skills in English and Foreign Language
54	Certificate Course in Urdu Language
55	Diploma Course in Urdu Language
56	Diploma in Urdu Computer Application and Multilingual D.T.P.
57	Certificate Course in Traditional Arts Appreciation
58	Certificate Course in Academic Art Study Multimedia Design
59	Certificate Course in Videography and Editing
60	Centre of Excellence in Physical Science
61	M.Sc. Yoga

शोध डिग्री (Research Degree)

इस विश्वविद्यालय की स्थापना मूलतः कृषि एवं पशुविज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रमों के संचालन तथा शोध कार्यों हेतु की गई थी। इसके मूल महाविद्यालय राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर जो कि सन् 1955 में स्थापित हुआ था, में सन् 1960 में स्नातकोत्तर तथा सन् 1962 में पीएच. डी. डिग्री हेतु पंजीयन की सुविधा शुरू हुई। सन् 1964 में इस विश्वविद्यालय का स्वरूप बहु–संकाय में परिवर्तित हुआ तथा 'शिक्षा विंग' के अंतर्गत अन्य संकायों में उसी वर्ष से पीएच. डी. कार्य इस विश्वविद्यालय से जुड़े जो कि पहले राजस्थान विश्वविद्यालय से हो रहे थे क्योंकि एम. बी. कॉलेज उससे संबद्ध था। एम. फिल. पाठ्यक्रमों की शुरुआत सन् 1982 से हुई। वर्ष 1985–86 से **पीएच. डी. शोध प्रबंध हिन्दी भाषा में लिखने की अनुमति दी गई।**

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी विश्वविद्यालयों में सम्मिलित है जहाँ यू.जी.सी. नियम, 2009 के अंतर्गत एम.फिल./पीएच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा, कोर्स वर्क तथा अन्य प्रक्रियाएँ लागू की गई तथा वर्तमान में यू.जी.सी. के सन् 2016 के दिशा–निर्देश लागू हैं। अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन (डीन, पी. जी. स्टडीज) कार्यालय द्वारा यह कार्य नियंत्रित होता है। स्थापना से लेकर सन् 2020 तक लगभग 4000 पीएच.डी. डिग्रियाँ दी जा चुकी हैं–

विगत दशक में दी गई पीएच.डी. डिग्रियाँ

क्रम सं.	वर्ष	संख्या
1	2011–12	197
2	2012–13	184
3	2013–14	162
4	2014–15	129
5	2015–15	167
6	2016–17	181
7	2017–18	206
8	2018–19	171
9	2019–20	149

वर्तमान में निम्नांकित संकायों एवं विषयों में पीएच.डी. सुविधा दी जा रही है–

S.No	Faculty	Subjects
1	Faculty of Science	Physics, Chemistry, Botany, Mathematics & Statistics, Biotechnology, Microbiology, Computer Science, Pharmaceutical Science, Zoology
2	Faculty of Commerce	Business Administration, Banking & Business Economics, Accountancy & Business Statistics
3	Faculty of Humanities	Hindi, English, History, Urdu, Visual Arts, Music, Philosophy, Jainology & Prakrit, Rajasthani, Sanskrit
4	Faculty of Social Sciences	Psychology, Sociology, Economics, Home Science, Public Administration, Politic al Science, Library & Information Science, Journalism & Mass Communication, Women Studies
5	Faculty of Management	Management Studies, Tourism Management
6	Faculty of Education	Education, Physical Education, Yoga
7	Faculty of Law	Law
8	Faculty of Earth Science	Geology, Geography, Environmental Science

उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा **प्रथम पीएच.डी. श्री के. एल. कोठारी** को प्रदान की गई। डॉ. कोठारी निवर्तमान अधिष्ठाता, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय तथा संस्थापक विज्ञान समिति, उदयपुर हैं। सन् 2016 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने **प्रथम बार किसी को डि.लिट.** की उपाधि प्रदान की जो कि इतिहास विभाग की शोधार्थी डॉ. तारा मंगल को उनके शोध प्रबंध 'मध्ययुगीन मेवाड़ की सांस्कृतिक परम्परा: सन् 1326 से 1528 तक' के लिए दी गई थी। इसकी मौखिक परीक्षा 12 अप्रैल, 2016 को हुई थी तथा डीन, पी.जी. स्टडीज थी प्रो. सीमा मलिक।

दीक्षान्त समारोह (Convocation Ceremony)

किसी विश्वविद्यालय के डिग्री पाठ्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् एक विधिवत् एवं औपचारिक समारोह और एक विशिष्ट गणवेश में किसी गणमान्य व्यक्ति के हाथों उपाधि प्राप्ति की अभीप्सा प्रायः सभी शिक्षार्थियों में पाई जाती है तथा विश्वविद्यालय के लिए भी यह एक गर्वपूर्ण आत्मानुभूति करने का अवसर होता है।

उदयपुर विश्वविद्यालय का **प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 02 फरवरी, 1964** को आयोजित किया गया जिसमें **श्री वी. के. आर. वी. राव,** सदस्य, योजना आयोग ने दीक्षांत भाषण दिया था तथा कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. संपूर्णानंद एवं कुलपति डॉ. जी. एस. महाजनि मंचासीन थे। **दूसरा दीक्षांत समारोह** 12 दिसंबर, 1964 को आयोजित हुआ जिसमें श्री मोरारजी देसाई, सांसद मुख्य अतिथि थे तथा **तीसरे दीक्षांत समारोह** (27 दिसंबर, 1965) में जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल डॉ. कर्ण सिंह ने दीक्षांत भाषण दिया था। विश्वविद्यालयों में प्रायः प्रतिवर्ष दीक्षांत समारोह नहीं हो पाते हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में प्रो. आई. वी. त्रिवेदी को निरंतर दीक्षांत समारोह कराने का श्रेय प्राप्त है। सन् 2004 में 23 नवंबर को हुए 16वें दीक्षांत समारोह में भारत के राष्ट्रपति **डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम** मुख्य अतिथि थे। 23 वें दीक्षांत समारोह (21 दिसंबर, 2015) से **परम्परागत अकादमिक चोगा (गाउन)** पहनने तथा Square Academic Cap लगाने की परम्परा तत्कालीन कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह के निर्देशों पर बन्द हुई और पगड़ी एवं कुर्ता–पायजामा, इत्यादि राजस्थानी वस्त्र पहनना शुरू हुआ। 27 वें दीक्षांत समारोह (21 दिसंबर, 2019) में कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने प्रथम बार **संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्त्तव्यों का वाचन** किया। कोविड–19 महामारी के कारण 28 वाँ दीक्षांत समारोह (22 दिसंबर, 2020) मिश्रित (ऑनलाइन तथा ऑफलाइन) पद्धति से हुआ जिसमें कुलाधिपति एवं दीक्षांत भाषण देने वाले ऑनलाईन थे तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी विश्वविद्यालय सभागार में मौजूद थे।

विश्वविद्यालय के 16वें दीक्षांत समारोह (23 नवंबर, 2004) के मुख्य अतिथि डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह स्थानाभाव के कारण मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा के पास खाली पड़े मैदान में आयोजित करवाये जाते थे। सन् 2004 में विश्वविद्यालय सभागार निर्मित हुआ। इसके बाद भी 16वाँ (2004) एवं 17वाँ (2006) दीक्षान्त समारोह इसी खुले मैदान में हुए। प्रो. आई. वी. त्रिवेदी के द्वारा आयोजित करवाए गए 18वें दीक्षान्त समारोह (11 अक्टूबर, 2010) से यह समारोह निरन्तर विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया जाता है। इसी तरह इस कार्यक्रम को विगत दशक से निरन्तरता भी प्राप्त हुई हैं।

मेडल एवं पुरस्कार

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह यह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वालों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाता है। वर्ष 2018 से संकाय में टॉपर को चांसलर मेडल देने की शुरूआत हुई। इसके अतिरिक्त निम्नांकित निजी संस्थाएँ भी मेधावी (टॉपर) विद्यार्थी को पुरस्कृत करती हैं–

1. प्रो. ललित शंकर–पुष्पा देवी शर्मा मेडल (एम. ए. हिन्दी)
2. डॉ. सी. बी. मामोरिया मेमोरियल गोल्ड मेडल (एम. कॉम.)
3. स्व. प्रो. विजय श्रीमाली मेमोरियल गोल्ड मेडल (एम. कॉम. व्यवसाय प्रशासन)
4. प्रो. आर. के. श्रीवास्तव अवार्ड (एम. एससी. भू–विज्ञान)
5. विजय सिंह देवपुरा मेमोरियल अवार्ड (एम. एससी. भू–विज्ञान)

प्रकाशन (Publications)

विश्वविद्यालय द्वारा इसकी स्थापना काल से ही अनेक 'in house' पत्र–पत्रिकाओं का प्रकाशन होता रहा है। समय के साथ ऐसे प्रकाशन, संसाधनों के अभाव में अनियमित हुए हैं तो कुछ नए प्रकाशन भी जुड़े हैं। इनमें प्रमुख प्रकाशन इस प्रकार हैं–

1. टॉवर
2. परिसर
3. University of Udaipur Research Studies
4. अध्ययन और अन्वेषण
5. उदय
6. दर्पण
7. उन्मेष
8. सार्थक
9. उद्यम
10. अनुगूँज
11. Mewar Journal of Law
12. Prabandh
13. Object-d-Art
14. समवेत
15. नव सृजन
16. Compendium Academia

कोविड–19

कोविड–19 या कोरोना वायरस डिजीज दिसंबर, 2019 से चीन के वुहान शहर से शुरू हुई वह वैश्विक महामारी थी जो श्वास माध्यम से SARS-2 या कोरोना विषाणु के एक व्यक्ति से दूसरे तक शीघ्र प्रसारित होती थी। इस महामारी के बचाव हेतु वैश्विक स्तर पर कर्फ्यू, लॉकडाउन तथा हेण्ड सेनेटाइजेशन, व्यक्तियों के बीच की दूरी (Social Distancing) सहित उच्च गुणवत्ता के मास्क लगाने की रणनीति अपनाई गई। सन् 2020 में सम्पूर्ण विश्व इसकी चपेट में था तथा शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक स्थलों, मनोरंजन गृहों एवं बाजार केन्द्रों सहित समूह गतिविधियों के अन्य कार्य प्रतिबन्धित रहे थे। जनवरी, 2021 में भारत सहित कई देशों ने इसका टीका विकसित कर व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम चलाए किन्तु तब तक यह महामारी विश्वभर में 15 करोड़ लोगों को संक्रमित कर चुकी थी तथा 24 लाख लोग अपने प्राण गँवा चुके थे। सर्वाधिक प्रभावित देशों में अमेरिका सर्वोच्च था। भारत में जनवरी, 2021 तक 1 करोड़ संक्रमित तथा 1.5 लाख मृत्यु हुई थी और महाराष्ट्र सर्वाधिक प्रभावित राज्य था। राजस्थान में 3 लाख संक्रमित तथा लगभग 2500 मृत्यु हुई थी। उदयपुर जिले में 12 हजार संक्रमित तथा 200 मौतें हुई थी। अप्रैल, 2021 में इस संक्रमण की दूसरी लहर आ चुकी थी।

उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा सन् 1963 में विश्वविद्यालय का 'न्यूज लैटर' प्रकाशन प्रारंभ किया गया था जिसे बाद में 'Tower' तथा सत्तर के दशक में 'परिसर' नाम दिया गया। सन् 1963 में 'University of Udaipur' नामक वार्षिक पत्रिका भी प्रकाशित होने लगी थी जिसमें मौलिक शोध–पत्र एवं टिप्पणी प्रकाशित होती थी। उस समय इसकी लागत (दूसरा वर्ष) रु. 2322 (166 पृष्ठ) तथा शुल्क रु. 10 निर्धारित था। सन् 1964 में हिन्दी विभाग ने 'अध्ययन और अन्वेषण' नामक पुस्तक का प्रकाशन किया था। अस्सी के दशक में 'आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल' से 'उदय' नामक वार्षिक पत्रिका प्रकाशित होने लगी। वर्ष 2007–08 में तत्कालीन कुलपति श्री राजेश्वर सिंह के प्रयासों से डीन, पी. जी. स्टडीज की पत्रिका 'सार्थक' तथा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की पत्रिका 'उन्मेष' का प्रकाशन हुआ। विश्वविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय के तत्कालीन सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. पी. के. सिंह द्वारा महाविद्यालय की पत्रिका 'उद्यम' का प्रकाशन कराया गया तो सत्र 2014–15 में विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के तत्कालीन सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नवीन नंदवाना द्वारा महाविद्यालय की पत्रिका 'अनुगूँज' प्रकाशित की गई। सन् 2013 में तीन विभागीय पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारंभ हुआ जो संकाय सदस्यों के निजी प्रयासों का सुपरिणाम था जिनमें अंग्रेजी विभाग के प्रो. प्रदीप त्रिखा द्वारा संग्रहालय विज्ञान, साहित्य तथा संस्कृति की पत्रिका 'Object-d-Art' का, हिन्दी विभाग में डॉ. नवीन नंदवाना द्वारा 'समवेत' एवं डॉ. आशीष सिसोदिया द्वारा 'नव सृजन' का प्रकाशन कराया जाने लगा जो निरंतर जारी है। सन् 2011 में विधि महाविद्यालय की पत्रिका 'Mewar Journal of Law' का प्रकाशन प्रारंभ हुआ तो सन् 1986 में प्रबंध अध्ययन संकाय की वार्षिक पत्रिका 'Prabandh' प्रकाशित होने लगी।

अप्रैल, 2000 में तत्कालीन कुलपति प्रो. आर्य कुमार सिंह की प्रेरणा से समस्त विभागों की संक्षिप्त विकास यात्रा के साथ समस्त संकाय सदस्यों की अकादमिक उपलब्धियों का परिचय देने वाली पुस्तक 'Compendium Academia' का प्रकाशन करवाया गया था। इसके संपादक मंडल में डॉ. आर. एम. लोढ़ा, डॉ. जी. सोरल तथा डॉ. एस. डी. पुरोहित थे। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती (1962–2012) समारोह वर्ष में हुए आयोजनों को लेकर Golden Jubilee Commemoration Volume का प्रकाशन भी किया गया था जिसके संपादक डॉ. प्रदीप त्रिखा थे तथा समापन के औपचारिक दिन, दिनांक 17 अप्रैल, 2013 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री एम. एम. पल्लमराजू ने इसका विमोचन किया था। उस अवसर पर डॉ. सी. पी. जोशी (केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री), श्री मांगीलाल गरासिया (राजस्थान के खेल एवं युवा मामले मंत्री), श्रीमती सज्जन कटारा (विधायक), श्री एस. एस. पोखरना (सी. ई. ओ. रेमण्ड्स) तथा प्रो. आई. वी. त्रिवेदी, कुलपति उपस्थित थे।

सन् 2020 में प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से सहायक आचार्यों ने अपने–अपने विषय से संबंधित **ई–बुक्स** का ऑनलाईन प्रकाशन शुरू किया। विश्वविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना काल से ही विश्वविद्यालयों हेतु **सूचना विवरणिका (Prospectus)** प्रकाशित की जाती है तथा नियमानुसार प्रतिवर्ष **वार्षिक प्रतिवेदन या विवरण (Annual Report)** राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाता है जिसमें दो प्रकार की समस्त आवश्यक सूचनाएँ सम्मिलित होती हैं–

- ❖ अकादमिक सत्र (01 जुलाई से 30 जून अवधि)
- ❖ वित्तीय वर्ष (01 जुलाई से 31 मार्च अवधि)

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

Prof. Karunesh Saxena
Director

The IQAC of theUniversity has been functioning since its inception (14th October, 2013) Initially, Prof. I.V. Trivedi, Vice chancellor and Prof. K. Venugopal, Dean PG Studies had been functioning as the Chairperson and Coordinator of the IQAC respectively.

The main function of IQAC is to strengthen the quality of higher education imparted by MLSU Udaipur, by giving practical and meaningful suggestions, to improve its teaching- learning process. IQAC has been entrusted with the responsibility of maintaining and safeguarding the complete documentation of the academic progress of teachers and managing it as well as preparing the Annual Quality Assurance Reports. Under the able leadership of Prof. K. Venugopal the self-study report was prepared which was submitted to NAAC Benguluru subsequently. The NAAC Committee visited the University and accorded the highest A Grade (CGPA 3.11) for its excellent academic and administrative quality to the University. Thereafter, Prof. Karunesh Saxena assumed the charge of IQAC as a Director. For a brief period in 2017 when Prof. Saxena went on deputation as ICCR Chair Professor to Papua New Guinea, Prof. G. Soral, Dean UCCMS, assumed the charge of Director-IQAC.

IQAC comprises of both internal and external members. The External members are drawn from industry chamber of commerce and prominent members of the society, internal members are drawn from a pool of senior and experienced academics as well as young and energetic faculty members of the university. The committee is headed by the Vice-Chancellor.

IQAC is a vibrant body of the University which is entrusted with following responsibilities: Regular preparation of AQAR and its submission in a timely manner, regular participation in Indian Rankings NIRF, Participation in National Academic Depository a Scheme of HRD, Verification of API Scores of Faculty Members for internal career advancement as well as of the applicants for Open selections for the post of Associate Professor and Professor. The

committee has also been responsible for applying to NAAC for Re-Accreditation in the Third Cycle for which IIQA has been prepared. As per the instructions of higher authorities it has been decided to submit the SSR for the time period 2016-17 to 2020-21. Hence the data collection for the last year is under process. Criteria wise work allocation has been given, regular meetings of SSR Preparation Committee were held even during the Corona Pandemic Lockdown period. Numerous meetings on Online Platform were also organized. The Committee has tremendous responsibility of collecting vast information from all the 33 teaching departments as well as other constituent units of the University such as Sports Board, Estate Office, DSW office and so on.

Various sub committees like NIRF have been formed for participating in the India Rankings (NIRF), NAD, API Verification, SSR Preparation etc.

IQAC has been assigned the following responsibilities

Seeking Re Accreditation from NAAC, Bangalore: It is the prime responsibility of IQAC to initiate, plan and supervise various activities that are necessary to increase the quality of education imparted in the University.

NIRF: In India Rankings 2020, due to the concerted efforts of IQAC, MLS University Udaipur, achieved the rare distinction of being the only state University in Rajasthan to appear in the top 200 ranked ranking institutions in Indian Rankings.

QS Rankings: Quacquarelli Symonds (QS) is a UK based company which specialises in education and ranks universities. Mohan Lal Sukhadia University (MLSU) was ranked in the 66-70 bracket in the first ever standalone QS ranking of India's higher educational institutions. The list, as expected, was dominated by IITs, with 6 out of the top-10 positions being occupied by IITs.

NAD: The University regularly holds its convocation every year on 22nd December. More than 2 Lakhs degree records of passed out students of the University of the last 4 years have been uploaded on NAD Portal. It will immensely help students in their verification of records for employment purposes etc.

Verification of API.: More than 100 faculty members of the University were promoted through Career Advancement Schemes in a timely manner. Their API scores were verified by the sub -committee of IQAC. Moreover, the API scores of all the applicants of open selection for the post of Associate Professor and Professor have also been done by the committee.

College Development Council (CDC)

College Development Council of the university was established in October, 2011. Prof. Karunesh Saxena was appointed as First Director. Subsequently Prof. P.R. Vyas became Director CDC and he successfully completed full term of three years. The CDC have organized various workshops for Principals and conferences for the development of the affiliated colleges located in many districts. CDC is entrusted with the maintenance of academic standards in the affiliated colleges of both government and private sector. Under the auspices of CDC Gyan Chaupal was organized in which the Principals of affiliated colleges pondered upon ways and means of improving quality in their respective colleges. In this event the then Commissioner College Education and other Senior officials from the Directorate of Higher Education Jaipur participated.

Regular visits are conducted by CDC to assess the level of infrastructure and academic facilities for the purpose of granting temporary affiliation to these colleges. Some high performing institutions are also granted permanent affiliation. Many E-Governance initiatives were undertaken by CDC to regularly monitor the progress and performance of affiliated colleges. CDC plays a pivotal role in ensuring that both UGC and State Govt. norms are strictly adhered to. CDC also facilitates in the selection of Principals and faculty members in the affiliated colleges.

मुद्रण की बदलती तस्वीर

विश्वविद्यालय के पुराने दस्तावेजों को देखने से पता चलता है कि सत्तर के दशक में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एनुअल रिपोर्ट्स लिखने का प्रचलन था तथा भारत प्रिंटर्स, एम. आई. रोड, जयपुर से उनका मुद्रण होता था। अस्सी के दशक में 'साइक्लोस्टाइल' मुद्रण के दस्तावेज उपलब्ध होते हैं जो स्टेन्सिल पर टाईप करके A-3 साईज के रफ एवं मोटे पन्नों पर अधिक प्रतिलिपियों की आवश्यकता होने पर छापे जाते थे। विगत सदी के अन्तिम दशक तथा 21वीं सदी की शुरूआत से कम्प्यूटर की सहायता से 'ऑफसेट' मुद्रण होने लगा है।

4 आधारभूत संरचना एवं संसाधन (Infrastructure & Resources)

प्रो. एस. के. कटारिया एवं शिल्पी तंवर

"इतिहास, निरन्तरता और प्रगति है।"

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 1962 में मूलतः राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के रूप में हुई थी। ऐसी स्थिति में उदयपुर तथा जोबनेर में संचालित दो राजकीय कृषि महाविद्यालय तथा बीकानेर स्थित राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय को इस नवसृजित विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय बनाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा किया गया। राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ–2/66/कृषि/62 दिनांक 31 जुलाई, 1962 तथा 24 अगस्त, 1962 के द्वारा इन तीनों महाविद्यालयों को उनकी सम्पत्ति एवं उत्तरदायित्व, भूमि तथा भवन, छात्रावास और कार्मिकों के निवास गृहों सहित **एक रुपया वार्षिक किराए की दर से 20 वर्षों के लिए विश्वविद्यालय को पट्टे (लीज)** पर दिया गया। सन् 1964 में एम. बी. कॉलेज के उदयपुर विश्वविद्यालय में समामेलन के समय भी राज्य सरकार द्वारा ऐसा ही आदेश जारी किया गया था।

भूमि एवं भवन (Land & Building)

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्रशासनिक कार्यालय की शुरूआत राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर की एक खाली पड़ी प्रयोगशाला के कुछ कमरों में हुई जो आज सूरजपोल स्थित वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय का कार्यालय है। नियंत्रक मंडल की 16 जनवरी, 1963 की बैठक में यह निश्चित किया गया कि प्रतापनगर क्षेत्र, आयड़ नदी के उत्तर–पूर्व में पड़त और साखी (One Crop) जमीन है जो लगभग 400 एकड़ है और यह पायड़ा, आयड़ तथा भुवाणा गाँवों के किसानों के नाम है, सरकार से विश्वविद्यालय हेतु ली जाए। ऐसे कृषकों की सूची तहसील कार्यालय से प्राप्त कर मार्च, 1963 में राज्य सरकार के कृषि विभाग को निवेदन किया गया कि यह भूमि विश्वविद्यालय हेतु अधिगृहीत की जाए। वस्तुतः इस क्षेत्र में उदयपुर पॉलीटेक्निक संस्थान कार्यरत था तथा उसे जो भूमि विस्तार हेतु देनी थी वही उदयपुर विश्वविद्यालय का नया परिसर बनने वाली थी। राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग के पश्चात्वर्ती आदेश सं. एफ. 6 (78) शिक्षा/सी/64 दिनांक 3 जनवरी, 1966 के द्वारा जुलाई, 1964 से प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय (CTAE), उदयपुर विश्वविद्यालय के अधीन शुरु हुआ।

उदयपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय तथा अन्य प्रयोजनों हेतु पॉलीटेक्निक संस्थान के आस–पास ही राज्य सरकार ने सन् 1965 में 1000 बीघा (अर्थात् 547.067 एकड़ या 221.39 हैक्टेयर) भूमि आवंटित की जो कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का न्यू कैम्पस कहलाता है। उदयपुर विश्वविद्यालय के **केन्द्रीय पुस्तकालय भवन** के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) ने अनुदान दिया तथा इस भवन का शिलान्यास दिनांक **17 अप्रैल, 1966 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी** के हाथों सम्पन्न हुआ और इसका उद्घाटन दिनांक 25 अप्रैल, 1971 को राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया ने किया। वैसे विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय इस भवन में जून, 1969 में ही आ चुका था तथा निर्माण कार्य जारी था। आज इसी भवन में भूतल एवं प्रथम तल पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय है तथा द्वितीय तल पर केन्द्रीय पुस्तकालय है। इस भवन में लिफ्ट की स्थापना 26 जनवरी, 2019 को हुई तथा 34.00 लाख रुपये की लागत आई। आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल का मूल भवन आज भी एम. बी. कॉलेज या ओल्ड कैम्पस के नाम से पहचाना जाता है। **वर्तमान वाणिज्य महाविद्यालय का पुस्तकालय एम. बी. कॉलेज की सबसे पुरानी बिल्डिंग है।** कालान्तर में इसी के पास सन् 1950 में विज्ञान ब्लॉक तथा सन् 1952 में छात्रावास बना और सन् 1956 में ऑपन एयर थियेटर एवं सन् 1957 में आज के वाणिज्य भवन के सामने वाला भाग कला एवं वाणिज्य ब्लॉक के नाम से निर्मित हुआ।

ओल्ड कैम्पस से न्यू कैम्पस में प्रशासनिक कार्यालय आने के पश्चात् सन् 1975 में आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल का सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय वर्तमान के विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय वाले भवन में शिफ्ट हुआ और विधि महाविद्यालय सन् 1982 में वर्तमान वाले भवन में आया जो कि मूलतः विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के नाम से निर्मित हुआ था।

17 अप्रैल, 1966 का दिन

श्रीमती इन्दिरा गांधी (पास में खड़े डॉ. जी. एस. महाजनि) उदयपुर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय का शिलान्यास करते हुए

केन्द्रीय पुस्तकालय का मॉडल देखते हुए
श्रीमती इन्दिरा गांधी एवं श्री मोहनलाल सुखाड़िया

श्रीमती इन्दिरा गांधी भाषण देते हुए

Land & Building Details of Old Campus

Land Area :- 26.045 Hectares

Building Area

S.No.	Particular	Area	Year of Const.
1.	**University College of Science**	12365 sqm	
	Main Building		1946
	(i) Physics & Chemistry Deptt.		1975
	(ii) Zoology lab & Seminar Hall		1986
	(iii) Computer Center		1990
	(iv) Canteen		1990
	(v) Pharmacy Block (old)		1992
	(vi) Biotechnology Lab		1992
	(vii) Electric Panel Room		1993
	(viii) Physics Lab & Classroom		1993
	(ix) Garages & Stores		1995
	(x) Mist House/Biotech Lab		1995
	(xi) Growth Chamber Biotech		1996
	(xii) Animal House for Zoology		1999
	(xiii) Vivekanand Hall		2002
	(xiv) Car Parking		2005
	(xv) UCS Vatika		2007
	(xvi) Classroom on first floor		2009

S.No.	Particular	Area	Year of Const.
	(xvii) Swaran Jayanti Sabhagar		2011
	(xviii) Maharana Bhupal Singh Ji Statue		2012
	(xix) Lecture complex		2014
	(xx) Pandit Deen Dayal Upadhyay block		2017
	(xxi) Atal Alpahar Kendra		2018
2.	**Geology Department**	2502 sqm	
	Main Building		1960
	(i) Extension of Geology Deptt.		2000
	(ii) GPS Station		2007
3.	**University College of Commerce & Management Studies**	2234 sqm	
	Main Building		1928
	(i) Commerce College Classroom and Entrance		1984-85
	(ii) Cycle Stand		1986
	(iii) Cubicles for Teachers		1990
	(iv) Computer Room		1990
	(v) Canteen		1990
	(vi) Toilet Block		1996
	(vii) Dome, Entrance Foyer		2003
	(viii) Car Parking		2003
	(ix) Academic Block		2018
4.	**Gargi Girls Hostels**	3326sqm	
	Main Building		1966
	(i) Girls Hostel Extension (22 rooms)		1990
	(ii) Girls Hostel (63 Seats)		2001
5.	**M. B. Hostel**	2211 sqm	
	Main Building		1948
	(i) Boys Hostel Extension		1990
	(ii) Boys Hostel Extension triple seated rooms		1998
6.	**Research Scholar Hostel**		1995
	(i) Entrance Foyer		2007
7.	**Nehru Hostel**	1441 sqm	
	Main Building		1965
	(i) Quarter at backside		1998
8.	**Guest House**	1018 sqm	
	Main Building		1971-72
	(i) Backside wing		1998
	(ii) Entrance Foyer, Reception, Dining hall, Kitchen		2003
9.	**DSW Office**	200 sqm	2000
10.	**Sahakar Bhawan**		2002
11.	**M.B. College ground**		
	(i) Dressing room at cricket ground		1987
	(ii) Spectators hall at cricket ground		1999
	(iii) Boxing ring & ring shade		2002
	(iv) Multi Gym		2006
	(v) Atal Bihari Vajpayee Multi Purpose Indoor Hall Sports Complex		2017

Land & Building Details of New Campus

Land Area: - 69.31 Hectares

Building Area

S.No.	Particular	Area	Year of Const.
1	**Administrative Building**	6828 sqm	
	(i) Main Building		1966
	(ii) Garage (Jeep)		1987
	(iii) Cycle Stand		1987
	(iv) Store		1989
	(v) Garage (Metador)		1991
	(vi) Car Parking		2005
	(vii) Hall for Secrecy & Examination Section		2007
	(viii) Extension of Central Library		2010
	(ix) Examination and Secrecy Deptt. Extension		2019
	(x) Lift at Administrative Block		2019
2	**University College of Social Sciences and Humanities**	13017 sqm	
	Main Building		1972
	(i) Cycle Stand		1975
	(i) Library Block		1982
	(ii) M.Phil Classrooms		1987
	(iv) UG Classrooms		1990
	(v) Eight Classrooms		1991
	(vi) Extension of Library Building		1999
	(vii) Lab for Geography		2001
	(viii) Examination Hall		2006
	(ix) Toilet Block West Side		2009
	(x) Classrooms and Hall		2010
	(xi) Room for Urdu Department		2010
	(xii) Laboratory for Geography Deptt.		2015
	(xiii) Upgradation Hindi Deptt. Rooms		2015
	(xiv) Humanities Block and Office		2017
	(xv) Laboratories for Visual Arts Deptt.		2020
	(xvi) Laboratories for Geography Deptt.		2020
	(xvii) Women Faculty Room & Store		2020
	(xviii) Room for Differently Abled Persons		2021
3.	**University College of Law**	6082 sqm	
	Main Building		1982
	(i) Garages		1985
	(ii) Extension of Library		2007
	(iii) Extension and Renovation of Library		2010
	(iv) Center for Legal Studies		2017
	(v) Moot Court		2017
	(vi) Air Café and E-Library		2019

S.No.	Particular	Area	Year of Const.
4.	**Pharmacy Building**	1448 sqm	
	Main Building		2000
	(i) Animal House		2001
	(ii) Classrooms		2002
	(iii) Parking Shade		2006
	(iv) Pharmacy Building Second Phase		2007
5	**Faculty of Management Studies**	1186 Sqm	
	Main Building		2002
	(i) Seminar Hall/ Classrooms		2004
	(ii) Library Block		2006
6.	**Vigyan Bhawan 'A' block**	2106 sqm	
	Main Building		2001
	(i) Lab for MCA		2003
	(ii) Parking Shade		2003
	(iii) Development Work (Road)		2003
	(iv) One Lab and Classroom		2004
	(v) Extension of RHS wing		2008
7	**Vigyan Bhawan 'B' block**	2210 sqm	
	Main Building		2007
	(i) Classroom-cum-Lab for UG		2008
	(ii) Extension of Deptt. of Biotech		2009
8	**Ramanujan Hostel**	775 sqm	
	Main Building		2000
	(i) Extension of Ramanujan Hostel (FF)		2006
9	MDS Hostel	5680 sqm	
	Main Building		2003
	(i) UG Block		2012
	(ii) PG Block		2012
10	**Rana Punja Tribal Hostel**		2013
11	**Law College Hostel**		2014
12	**Population Research Center**		2003
13	**Auditorium (1000 Persons)**		2001
14	**Vanijya Bhawan**		2012
15	**Swarn Jayanti Marg**		2012
16	**Swarn Jayanti Guest House**		2011
17.	**Women Recreation Center, Cafeteria, Heath Center**		2014
18	**Polymer Science Building**		2010
19	**Mohanlal Sukhadia Statue**		2010
20	**Swami Vivekanand Statue**		2013
21	**Dr. D.S. Kothari Statue**		2015
22	**Walking Path**		2016

नवीन अतिथि गृह (New Guest House)

विश्वविद्यालय का प्रथम गेस्ट हाउस वर्ष 1971–72 में दुर्गा नर्सरी रोड़ पर निर्मित हुआ जो रिपेयरिंग कार्य हेतु वर्ष 2014–15 में बन्द कर दिया गया। विश्वविद्यालय के नवीन अतिथि गृह या स्वर्ण जयंती अतिथि गृह का शिलान्यास 21 मई, 2011 (शनिवार) को डॉ. सी. पी. जोशी, केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री तथा श्री बृजकिशोर शर्मा, परिवहन मंत्री, राजस्थान सरकार के कर–कमलों से हुआ तथा 3 वर्ष में यह भवन बनकर तैयार हुआ और 15 अगस्त, 2014 (शुक्रवार) को राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे एवं श्री गुलाबचंद कटारिया, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, राजस्थान सरकार के हाथों इसका उद्घाटन एवं लोकार्पण किया गया।

अतिथि गृह

कुलपति निवास (Vice Chancellor's Residence)

उदयपुर विश्वविद्यालय के पास शुरूआती दशक में कुलपति आवास–सदन नहीं था। उस समय पी. डब्ल्यू. डी. के बंगले (10, हॉस्पीटल रोड़) में कुलपति का निवास था तथा वर्ष 1977–78 में विश्वविद्यालय के नए परिसर में कुलपति निवास निर्मित हुआ। सन् 2016 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौते के पश्चात् मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का कुलपति निवास महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को देना निश्चित हुआ था। ऐसे में कुलपति हेतु तत्काल नए आवासीय भवन की आवश्यकता थी। तत्कालीन कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा द्वारा नए 'कुलपति निवास' का शिलान्यास दिनांक 28 अप्रैल, 2017 तथा उद्घाटन दिनांक 10 फरवरी, 2019 को सपन्न हुआ।

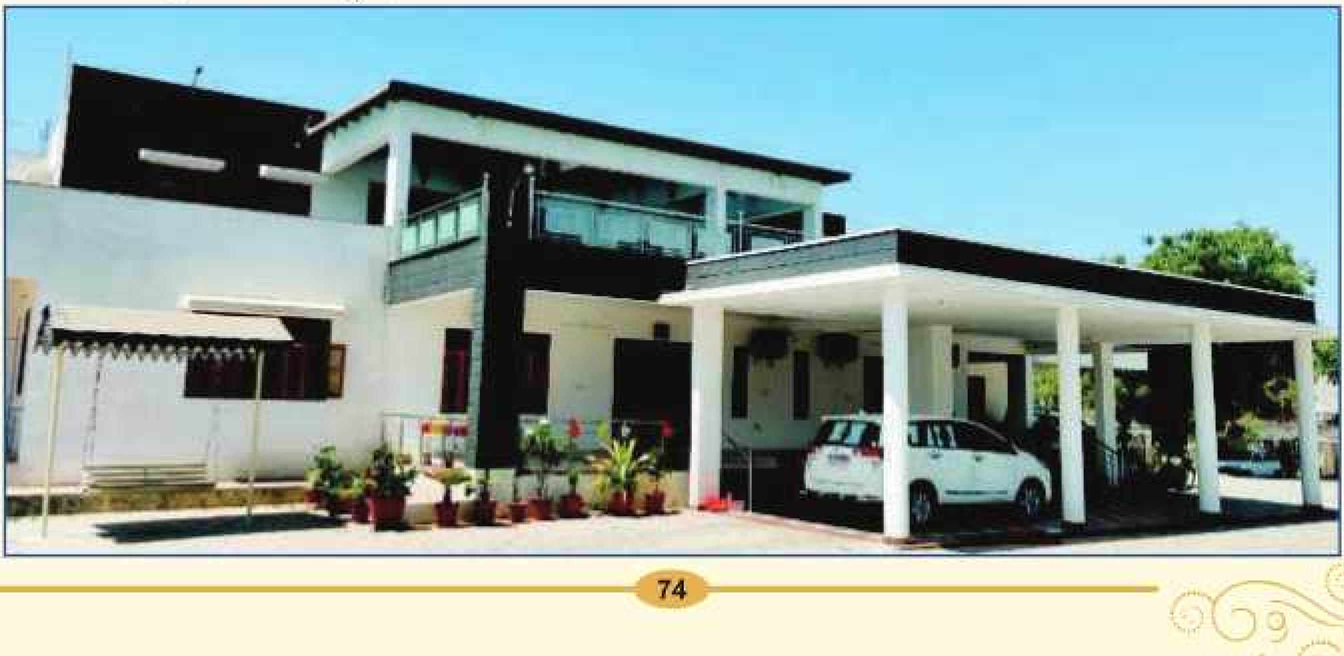

विवेकानन्द सभागार (Auditorium)

विश्वविद्यालय के प्रमुख एवं आकर्षक भवनों में विश्वविद्यालय सभागार या 'विवेकानन्द सभागार' भी सम्मिलित है। इस सभागार का निर्माण तत्कालीन कुलपति प्रो. आर्य कुमार सिंह की पहल पर दिनांक 25 फरवरी, 2001 (शिलान्यास) से होना शुरु हुआ। शिलान्यास किया था न्यायमूर्ति श्री अंशुमान सिंह (महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति) ने और साढ़े चार वर्ष पश्चात् तत्कालीन महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मदन लाल खुराणा ने दिनांक 30 जुलाई, 2004 को इसका लोकार्पण किया था। इस कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में श्रीमती किरण माहेश्वरी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी।वर्ष 2012–13 में तत्कालीन छात्रसंघ अध्यक्ष श्री पंकज बोराणा की माँग पर इस सभागार के सम्मुख स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित की गई जिसका व्यय नगर निगम, उदयपुर ने वहन किया और इस प्रतिमा का अनावरण दिनांक 30 जुलाई, 2013 को श्री नितिन गडकरी ने किया। एक हजार व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ यह सभागार उदयपुर शहर का सबसे बड़ा सभागार है जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं और यह निर्धारित दरों पर निजी या सरकारी संगठनों को भी उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 2012–13 से विश्वविद्यालय सभागार का नाम 'विवेकानंद सभागार' हुआ।

विवेकानन्द सभागार

छात्रावास (Hostels)

वर्तमान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना छात्रावास सन् 1950 में निर्मित 'एम. बी. कॉलेज हॉस्टल' है जो खेल–कूद मैदान में स्थित है। इस छात्रावास का शिलान्यास दिनांक 21 अक्टूबर, 1948 को तत्कालीन प्रधान शासक (Governor General) श्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने किया था। प्रथम वर्ष में इसमें 40 विद्यार्थियों हेतु सुविधा उपलब्ध थी। सन् 2003 में निर्मित महर्षि दयानंद सरस्वती जनजाति कन्या छात्रावास की एक चौथाई लागत (50 लाख रुपये) जनजातीय विकास विभाग ने दी थी। विज्ञान महाविद्यालय परिसर में गार्गी छात्रावास की स्थापना वर्ष 1966–68 में हुई तथा रामानुजन छात्रावास सन् 2000 में निर्मित हुआ जबकि डॉ. डी. एस. कोठारी छात्रावास सन् 2017 में निर्मित हुआ। राणा पूँजा जनजाति छात्रावास वर्ष 2013–14 में तैयार हुआ। नेहरू छात्रावास (हिरण मगरी) की भूमि मूलतः मेवाड़ राज्य द्वारा कांकरोली महाराज (द्वारकाधीश मंदिर ट्रस्ट) को दी गई थी जिसे एक संस्था (नेहरू छात्रावास समिति) ने आदिवासी कल्याण एवं ग्रामोत्थान हेतु लिया और भारत सरकार के अनुदान से छात्रावास का निर्माण किया किन्तु यह प्रयोग बहुत सफल नहीं रहा तो सन् 1968 में उदयपुर विश्वविद्यालय को यह छात्रावास सौंप दिया गया जो सन् 1987 के विश्वविद्यालय विभाजन में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के अन्य छात्रावास, अतिथि गृह, कक्षा–कक्ष, भवन, सभागार, प्रयोगशालाएँ तथा सुविधाएँ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा विश्वविद्यालय के स्वयं के संसाधनों से विकसित हुई हैं। विधि महाविद्यालय के छात्रों का छात्रावास सन् 2014 में तैयार किया गया।

एम. बी. हॉस्टल शिलान्यास (21 अक्टूबर, 1948) गवर्नर-जनरल श्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के कर-कमलों से

वर्तमान में संचालित छात्रावास

क्र.सं.	नाम	क्षमता	स्थापना वर्ष
1	नेहरू शिक्षक सदन छात्रावास	40	1965
2	कमला नेहरू कन्या छात्रावास	90	1965
3	गार्गी छात्रावास	140	1966
4	महर्षि दयानंद सरस्वती जनजाति कन्या छात्रावास	130	2003
5	राणा पूँजा जनजाति छात्रावास	100	2013
6	विधि महाविद्यालय छात्रावास	80	2014
7	डॉ. डी. एस. कोठारी शोध छात्रावास	18	1995

विश्वविद्यालय में स्थापित प्रतिमाएँ

क्र.सं.	विभूति का नाम	प्रतिमा स्थल	स्थापना वर्ष
1	माँ सरस्वती	प्रशासनिक भवन के सामने	2012
2	महाराणा भूपाल सिंह	विज्ञान महाविद्यालय परिसर	2012
3	स्वामी विवेकानंद	सभागार के सामने	2013
4	श्री मोहनलाल सुखाड़िया	प्रशासनिक भवन के सामने	2010
5	डॉ. डी. एस. कोठारी	जैव प्रौद्योगिकी भवन परिसर	2015

विज्ञान महाविद्यालय में स्थित महाराणा भूपाल सिंह जी (22.02.1884-04.07.1955) की प्रतिमा

युवा प्रेरणा एवं राष्ट्रोत्थान के नायक स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा नगर निगम, उदयपुर द्वारा वर्ष 2012–13 में बनवाई गई थी। मेवाड़ राजवंश के यशस्वी एवं आधुनिक सोच वाले महाराणा भूपाल सिंह के नाम पर ही एम. बी. कॉलेज था जिनकी प्रतिमा विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय में स्थापित है। इसकी स्थापना (सन् 2012) का व्यय विज्ञान महाविद्यालय की स्थानीय निधि से हुआ है। आधुनिक राजस्थान के निर्माता तथा सबसे लंबे समय तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे श्री मोहनलाल सुखाड़िया के नाम पर ही यह विश्वविद्यालय बना हुआ है। श्री सुखाड़िया की प्रतिमा का अनावरण श्री अशोक गहलोत द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर, 2010 को किया गया था तथा यह प्रतिमा अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कोष से बनी है। महान् वैज्ञानिक डॉ. डी. एस. कोठारी की प्रतिमा सन् 2015 में नगर विकास प्रन्यास (U.I.T.) ने बना कर दी थी। सन् 2012 में एम. बी. कॉलेज पूर्व छात्र संघ ने माँ सरस्वती की प्रतिमा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने स्थापित की।

सभागार के सम्मुख स्वामी विवेकानंद प्रतिमा

स्वर्ण जयंती द्वार

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष में तत्कालीन कुलपति प्रो. आई. वी. त्रिवेदी के प्रयासों से परिसर के उत्तरी भाग को हाईवे से लिंक करने हेतु एक भव्य गेट का निर्माण वेदांता–हिंदुस्तान जिंक के सहयोग से करवाया गया। इस नये गेट का शिलान्यास दिनांक 19 मई, 2012

स्वर्ण जयंती द्वार

(शनिवार) को केंद्रीय वित्त मंत्री, श्री प्रणब मुखर्जी के कर–कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. सी. पी. जोशी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, राजस्थान सरकार, श्री मांगीलाल गरासिया, राज्यमंत्री खेल एवं युवा मामले, राजस्थान सरकार, श्री गजेंद्र सिंह शक्तावत, संसदीय सचिव, राजस्थान सरकार, डॉ. गिरिजा व्यास, सांसद चित्तौड़गढ़ तथा श्री रघुवीर सिंह मीणा, सांसद, उदयपुर उपस्थित थे। सवा वर्ष में निर्मित इस गेट का लोकार्पण दिनांक 4 सितंबर, 2013 को श्री अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर डॉ. सी. पी. जोशी, सांसद (भीलवाड़ा), श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, श्री मांगीलाल गरासिया, खेल मंत्री, राजस्थान सरकार, श्री गजेंद्र सिंह शक्तावत, संसदीय सचिव, राजस्थान सरकार, श्री रघुवीर सिंह मीणा, सांसद, उदयपुर, डॉ. चंद्रभान सिंह तथा श्रीमती सज्जन कटारा विधायक, उदयपुर ग्रामीण की गरिमामय उपस्थिति रही।

तब

और अब

सेट (CETT)

Centre of Excellence for Tourism Training या CETT (सेट) की स्थापना सन् 2016 में हुई। यह केन्द्र राजस्थान सरकार के कौशल रोजगार एवं उद्यमिता विभाग (SEE) के प्रयासों से और सिंगापुर सरकार के ITES (Institute of Technical Education Service) के सहयोग से स्थापित किया गया है ताकि पर्यटन में छः लघु पाठ्यक्रमों के द्वारा आई. टी. आई. विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण दिया जा सके। इस हेतु विश्वविद्यालय के प्रवर्तित भवन में सुधार एवं उन्नयन बी. एस. एन. एल. की इंजीनियरिंग विंग द्वारा करवाया गया तथा इसका उद्घाटन दिनांक 6 अक्टूबर, 2016 को सिंगापुर के प्रधानमंत्री Lee Hsein Loong तथा राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की उपस्थिति में हुआ। वस्तुतः यह केन्द्र Resurgent Rajasthan Model के अंतर्गत राज्य सरकार एवं सिंगापुर सरकार के बीच हुए एम. ओ. यू. का परिणाम है ताकि राज्य के पर्यटन को नई गति मिले। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री लूंग अपने 69 सदस्यीय दल के साथ साधारण बस से इस कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए पधारे थे तथा उनकी सादगी की खूब प्रशंसा हुई थी।

अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इण्डोर हॉल

केन्द्रीय युवा एवं खेलकूद मामले मंत्रालय की वित्तीय सहायता (रुपये 07 करोड़) से बना 'अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इण्डोर हॉल' विश्वविद्यालय एवं शहर का सबसे बड़ा इण्डोर स्टेडियम है जिसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर कई प्रकार की खेल–कूद गतिविधियाँ सम्पन्न हो सकती हैं। इस हॉल का शिलान्यास दिनांक 08 दिसंबर, 2014 को श्री गुलाब चंद कटारिया ने किया तथा उद्घाटन दिनांक 03 दिसंबर, 2019 को श्रीमती वसुंधरा राजे ने किया था।

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड में क्रिकेट तथा फुटबॉल सहित लगभग सभी खेलों के मैदान उपलब्ध हैं। क्रिकेट मैदान के **ड्रेसिंग रुम** का उद्घाटन भारत को प्रथम बार क्रिकेट विश्व कप दिलाने वाले महान् खिलाड़ी तथा भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान **श्री कपिल देव** ने दिनांक 01 सितम्बर, 1987 को किया था। स्पोर्ट्स बोर्ड में ही मल्टीजिम एवं योग भवन का शिलान्यास दिनांक 07 मार्च, 2005 को योगगुरु बाबा रामदेव ने किया था। यह केन्द्र कुलपति प्रो. बी. एल. चौधरी के प्रयासों का परिणाम है।

विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में अनेक अन्य भवन भी स्थापित हैं जिनमें प्रबंध अध्ययन संकाय भवन (2001–02), फार्मेसी भवन (2000), विज्ञान भवन 'ए' ब्लॉक (2002), विज्ञान भवन 'बी' ब्लॉक (2007), पॉलिमर साइंस भवन (2010), स्वास्थ्य केन्द्र भवन, वाणिज्य भवन (2012) इत्यादि प्रमुख हैं। जनसंख्या अध्ययन केन्द्र का निर्माण केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान से सन् 2012 में करवाया गया।

मानव संसाधन (Human Resources)

भारत की स्वतंत्रता के पश्चात् राजस्थान की देशी रियासतों के एकीकरण की प्रक्रिया सम्पन्न हुई तथा 30 मार्च, 1949 को आधुनिक राजस्थान का उदय हुआ। The Rajasthan Administrative Ordinance, 1949 के द्वारा राज्य की समस्त रियासतों के कार्मिकों को राजस्थान सरकार के लोक सेवकों के रुप में समाहित कर लिया गया तथा 16 अगस्त, 1949 के अध्यादेश द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन करके रियासतों के लोक सेवा आयोग, बोर्ड या एजेन्सी समाप्त कर दी गई। सन् 1948 में एम. बी. कॉलेज का स्टाफ राज्य सरकार का हो चुका था।

सन् 1962 में राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना के समय इसके प्रशासनिक कार्यालय में 22 अधिकारी एवं मंत्रालयिक कार्मिक तथा 10 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत थे जिनका विवरण इस प्रकार है–

विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय का प्रथम स्टाफ (1962–63) इस प्रकार है–

विश्वविद्यालय प्रशासकीय कार्यालय

दिनांक 31.03.1963 के अनुसार कार्मिकों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	31.03.1963 को वेतन
1	श्री जी. बी. के. हूजा	कुलपति	2250 रु.
2	डॉ. एच. एन. मेहरोत्रा	कुलसचिव (अंशकालिक)	1140 रु.
3	श्री के. डी. भार्गव	नियंत्रक	450 रु. तथा 90 रु. प्रतिनियुक्ति भत्ता
4	श्री जी. एस. शर्मा	परीक्षा अधीक्षक	345 रु.
5	श्री फूलशंकर	अधीक्षक सामान्य	347.50 रु.
6	श्री श्यामलाल	निजी सचिव	170 रु.
7	श्री सी. एस. मोगरा	लेखाकार	175 रु.
8	श्री उदयराज रामदेव	लेखाकार	175 रु.
9	श्री एच. सी. कावड़िया	वरिष्ठ लेखक	250 रु.
10	श्री एम. आर. आशिया	वरिष्ठ लेखक	166 रु.
11	श्री हकीमुद्दीन	वरिष्ठ लेखक	100 रु. (पुराना)
12	श्री भगवतीलाल	वरिष्ठ लेखक	105 रु.
13	श्री अब्दुल अली	वरिष्ठ लेखक	120 रु.
14	श्री एस. एल. नरसिंगपुरा	शीघ्रलिपिक	140 रु.
15	श्री पी. आर. उपाध्याय	शीघ्रलिपिक	140 रु.
16	श्री एम. एल. बोहरा	क. लिपिक	90 रु.
17	श्री एम. एस. चपलोत	क. लिपिक	64 रु. (पुराना)
18	श्री एस. एस. कोठारी	क. लिपिक	90 रु.
19	श्री एच. डी. गोरा	क. लिपिक	90 रु.

क्र.सं.	नाम	पद	31.03.1963 को वेतन
20	श्री एल. आर. सरोहा	क. लिपिक	90 रु.
21	श्री ए. एल. चण्डालिया	क. लिपिक	90 रु.
22	श्री वी. बेबी कुट्टी	क. लिपिक	90 रु.
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी–			
1	श्री परमानन्द	चपरासी	45 रु.
2	श्री मोहनलाल	चपरासी	45 रु.
3	श्री बी. एल. नागदा	साईकिल सवार	45 रु.
4	श्री बी. एल. पालीवाल	साईकिल सवार	45 रु.
5	श्री नवलराम	चपरासी	45 रु.
6	श्री अम्बालाल	चपरासी	45 रु.
7	श्री भगवतीलाल	चौकीदार	45 रु.
8	श्री हरिराम	झाडूवाला	45 रु.
9	श्री प्रेमसिंह	चपरासी	45 रु.
10	श्री भेरूलाल	चपरासी	45 रु.

आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल (SBSH) पूर्ववर्ती महाराणा भूपाल कॉलेज में नियुक्त संपूर्ण स्टाफ की सूची परिशिष्ट में दी गई है।

मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों का चयन एवं नियुक्ति स्थानीय सेवायोजना कार्यालय (Employment Exchange) द्वारा की गई थी। विश्वविद्यालय के तीन महाविद्यालयों में यथा–राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर में कुल 292 कार्मिक (79 शिक्षकों सहित), एस. के. एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में कुल 171 (43 शिक्षकों सहित) तथा पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में कुल 175 कार्मिक (33 शिक्षकों सहित) पदस्थापित थे। इस प्रकार इस विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष में कुल 638 कार्मिक पदस्थापित थे।

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एक आई. ए. एस. अधिकारी थे जिनका वेतन रु. 2500 था जबकि अगले कुलपति (अकादमिक) का वेतन रु. 2000 था। इस प्रकार एक युवा आई. ए. एस. का वेतन कुलपति से 25 प्रतिशत अधिक होता था। आज वह स्थिति बदल चुकी है तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वेतनमान आकर्षक हुए हैं।

सन् 1964 में एम. बी. कॉलेज का उदयपुर विश्वविद्यालय में समायोजन हुआ तो कार्मिक स्थिति इस प्रकार हो गई–

क्र.सं.	इकाई का नाम	कार्मिक संख्या	
		शिक्षक	कुल कार्मिक
1	आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर	104	207
2	राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर	63	424
3	एस. के. एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	72	260
4	राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	30	209
5	विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय	–	81
	कुल योग	269	1181

विभिन्न महाविद्यालयों से आए शिक्षकों एवं स्टाफ का उदयपुर विश्वविद्यालय में समायोजन किया गया तथा नियंत्रक मंडल द्वारा 01 जनवरी, 1964 से UGC Pay Scale दिया गया। आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर में 104 शिक्षकों में से 26 शिक्षक पीएच. डी. डिग्रीधारक थे तथा उनमें आधे राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त थे तथा इसके बाद 21 शिक्षक आगरा विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त थे। इनमें 6 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 4 दिल्ली विश्वविद्यालय तथा शेष बैंगलोर विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ विश्वविद्यालय

वर्ष 1964–65 में कुलपति को रु. 2000, आचार्य को रु. 1000, सहायक आचार्य को रु. 460, लिपिक को रु. 90 तथा सहायक कर्मचारी को रु. 45 वेतन मिलता था जो अब क्रमशः रु. 2,10,000, रु. 1,44,200, रु. 57,700, रु. 20,800 तथा रु. 17,700 हो चुका है। न्यूनतम (सहायक कर्मचारी) एवं अधिकतम (कुलपति) के वेतनमान का जो अंतर पहले 44 गुणा था वह अब लगभग 12 गुणा रह गया है अर्थात् वेतनमानों का लोकतांत्रीकरण हुआ है।

तथा पंजाब विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त थे। SBSH का शिक्षक वर्ग राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित था। कालान्तर में कई बार विश्वविद्यालय में शिक्षक एवं स्टाफ भर्तियाँ हुई किन्तु श्री पी. एन. भंडारी, प्रो. आई. वी. त्रिवेदी तथा प्रो. जे. पी. शर्मा के कार्यकाल की भर्तियाँ बड़ी मानी जाती हैं।

सन् 1964 में परीक्षा में इन्वीजिलेशन ड्यूटी के रु. 4 प्रति ड्यूटी दिए जाते थे जो एक व्याख्याता के वेतन के 100 वें हिस्से के बराबर होते थे। सन् 2020 में यह राशि रु. 150 तक ही पहुँची है अर्थात् विद्यार्थी दबाव में विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क अधिक नहीं ले पा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों की सेवा–शर्तें मुख्यतः निम्नांकित कारणों से प्रभावित एवं निर्धारित होती हैं–

1. The Rajasthan Universities, Teachers & Officers (Selection for Appointment) Act, 1974
2. यू. जी. सी. वेतन आयोग
3. कुलाधिपति कार्यालय से प्राप्त आदेश एवं निर्देश
4. राज्य सरकार के वित्त, कार्मिक तथा उच्च शिक्षा विभाग के आदेश
5. विश्वविद्यालय का Statute
6. प्रबंध मंडल के नीतिगत निर्णय और
7. न्यायालय के निर्णय

यू. जी. सी. द्वारा अधिसूचित 'UGC Regulations on Minimum Qualifications for Appointment of Teachers & Other Academic Staff in Universities & Colleges in Higher Education, 2010' के द्वारा उच्च शिक्षा के परिदृश्य में भारी परिवर्तन आया जिससे विश्वविद्यालय भी अछूता नहीं रह सकता था। विगत दशक में API (Academic Performance Indicators) तथा PBAS (Performance Based Appraisal System) जैसी शब्दावलियों के बीच शिक्षकों की भर्ती एवं पदोन्नति प्रक्रिया इन्हीं नियमों से (समय–समय पर परिवर्तित) संचालित हो रही हैं।

Self Finance Advisory Board (SFAB)

विश्वविद्यालय में नियमित स्टाफ की कमी के कारण शैक्षणिक एवं मंत्रालयिक वर्ग के संविदा कार्मिकों की सेवाएँ प्रायः सभी संगठन लेते हैं लेकिन निजी एजेन्सियों के माध्यम से ली जाने वाली इन सेवाओं में प्रमुख दोष उस शोषणकारी प्रवृत्ति का है जो निजी एजेन्सियाँ करती रही हैं। इस समस्या से मुक्ति दिलाने की पहल की प्रो. जी. सोरल ने। 'Self Finance Advisory Board' नामक इकाई को सन् 2017 में तत्कालीन कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा के सहयोग से दिनांक 16 मार्च, 2017 को विद्वत् परिषद् तथा दिनांक 10 जून, 2017 को प्रबंध मंडल से इसको स्वीकृति प्राप्त हुई। इस बीच राज्य सरकार का वित्त विभाग इसे दिनांक 26 मई, 2017 को स्वीकृति दे चुका था। कुलपति की अध्यक्षता में कार्यरत इस बोर्ड में एक शिक्षक सदस्य–सचिव होता है। इस बोर्ड के प्रथम सदस्य–सचिव के रूप में 05 जुलाई, 2017 को प्रो. जी. सोरल ने पदभार संभाला।

टीचिंग कंसल्टेंट, प्लेसमेंट कंसल्टेंट, विजिटिंग फैकल्टी, तकनीकी सहायक, मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारी इत्यादि का चयन प्रक्रिया करने वाला यह बोर्ड पूर्णतया स्वायत्त तथा वित्तीय दृष्टि से आत्मनिर्भर है क्योंकि विभिन्न स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के शुल्क से इसका संचालन होता है।

पुस्तकालय (Library)

विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना 15 अप्रैल, 1964 को हुई। श्री एम. एस. सिंघवी इसके प्रथम सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नियुक्त किए गए जिनकी अल्प समय में मृत्यु (8 जून, 1966) हो गई। अपनी शुरूआत में यह राजस्थान कृषि महाविद्यालय के एक कक्ष में स्थापित किया गया जिसे सन् 1971 में वर्तमान प्रशासनिक भवन के ऊपर स्थानान्तरित किया गया। वस्तुतः आज का प्रशासनिक भवन मूलतः पुस्तकालय भवन के नाम से ही स्वीकृत एवं निर्मित हुआ था। उन दिनों यह पुस्तकालय 'यूनेस्को' के सूचना केन्द्र का कार्य भी करता था।

राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गेजेटियर्स–उदयपुर (सन् 1979) के अनुसार वर्ष 1972–73 में केन्द्रीय पुस्तकालय में 55780 पुस्तकें थी तथा 326 पत्र–पत्रिकाएँ आती थी। वर्ष 2019–20 में विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में 3,66,610 पुस्तकें तथा 103 प्रकार की जर्नल्स उपलब्ध थी। इसके अलावा 19,893 ई–जर्नल्स तथा 14,930 ई–बुक्स भी उपलब्ध थी।

आधारिक विज्ञान एवं मानविकी स्कूल, उदयपुर के पुस्तकालय में 59051 पुस्तकें थी तथा 370 प्रकार की पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध थी। सन् 1964 में उदयपुर विश्वविद्यालय में समाहित होते समय एम. बी. कॉलेज की अपनी समृद्ध लाइब्रेरी थी जिसमें विभिन्न विभागों की पृथक् लाइब्रेरी हुआ करती थी। जहाँ तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वर्तमान महाविद्यालयों के पुस्तकालयों का प्रश्न है तो यह व्यवस्था वर्ष 1984 में SBSH विभाजन से शुरू हुई तथा सन् 1987 तक विषय एवं संकायवार पुस्तकों का विभाजन कर संबंधित महाविद्यालयों को दे दिया गया। उदयपुर विश्वविद्यालय के कृषि तथा पशुपालन के महाविद्यालयों में शुरु से ही पृथक् से पुस्तकालय थे। केन्द्रीय पुस्तकालय में सहायक पुस्तकालाध्यक्ष के अतिरिक्त एक प्रभारी अधिकारी भी होता है जो शिक्षक वर्ग से होता है। डॉ. बी. के. श्रीवास्तव केन्द्रीय पुस्तकालय के प्रथम प्रभारी अधिकारी थे।

वर्ष 1965–66 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार उस समय विश्वविद्यालय में मात्र तीन शिक्षकों, एक तकनीकी कार्मिक तथा 18 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सहित केवल 22 कार्मिक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के थे।

ICT Facilities

Dr. Avinash Panwar
Director, Computer Centre

Mohanlal Sukhadia University entered the era of Information and Communication Technology, in 1989, through establishment of the University Computer Center, with funding received from the UGC. The Computer Centre was established to cater to the research and computational needs of the University and to provide computer awareness to entire teaching and non-teaching staff. The Salary Processing System was the first module to be developed for the University. In 1990, Prof. J. Varma was appointed as the first Director.

The period of computational facilities and internet started under the leadership of Prof. K. Venugopalan, in 1993. As Officer Incharge, Computer Facilities of Mohanlal Sukhadia University, he started the development of computer facilities, introduced computerization and initiated training of teachers and staff, in using computer systems.

In 1994, the PGDCA along with several other certificate courses and in 1997, the first PG Programme in Computer Applications i.e. MCA, was started by the centre. In 1998, Prof. Venugopalan established the University Internet Centre. As Coordinator of the University Internet Centre, he started the design of University Campus Network, established University Intranet, initiated University Website development and developed various Internet facilities, making MLSU the pioneer in adopting computerization and Information Technology, among the Universities of this region.

In 2001, Mohanlal Sukhadia University adopted major examination system reforms under Prof. Venugopalan, by designing and implementing a Student Information Concealed Evaluation System, through introduction of Barcoding. Extensive computerization of the examination cell was done and a software was developed for confidential and automated answer book dispatch, result processing etc. There reforms became a role model and several Universities adopted the same.

In the year 2002, looking at the proliferation of Information Technology, Prof. Venugopalan identified the need of starting a specialized course in Information Technology leading to the starting of M.Sc IT Programme. Subsequently, he launched the BCA Programme in 2006.

In 2011, the University took a big leap in terms of internet connectivity when it got a 1GBPS internet backbone through NKN. Having this internet backbone, the first efforts were made to automate the entire University functioning by implementation of a campus wide ERP in year 2014. In 2015, an Integrated University Management System (IUMS) was made functional with the help of ITI Ltd., a PSU of Govt. of India. More than 20 modules have been implanted under IUMS, which encapsulates entire functioning of the University, from admission till awarding of the degree, including alumni connect, placements and guest house booking.

In 2018, Dr. Avinash Panwar joined as a Director of the University Computer Center. He immediately established a helpdesk to cater to the needs of staff and students on a proactive basis. The task to upscale and upgrade the entire Campus wide Network to Optical Fibre Backbone, connecting all the teaching departments, administrative offices, hostels and guest house, as well as extending of internet connectivity to almost all the faculty rooms and classrooms, was accomplished successfully. Approximately 15 kms Multimode Fiber of 6 cores and 12 cores has been used for the same. All the departments as well as both old and new campuses are connected to the server room through this optical fiber backbone. The whole segmentation of the network has been done through V-LANs on a central switch, making the Computer Center a proactive solution provider for the University.

Security has been given utmost priority hence, the University has installed a Unified Threat Management (UTM) system (Sophos), which combines Firewall, Gateway anti-virus, Anti spam, Intrusion Detection, Web and Application filters as well as prevention capabilities, into a single platform. Load Balancing, Bandwidth Management, Monitoring of User Internet activity and Gateway level antivirus, Anti-Spam is also done with the UTM.

Dr. N.K.Pareek of the University Computer Centre has brought laurels to the University by successfully uploading more than 2.50 lakh degree certificates (Session 2016-19) of the University, on National Academic Depository/ Digilocker.

Due to COVID-19 pandemic and its resultant consequences, all Higher Education Institutions were immensely affected and faced huge challenges. Even during those testing times, the team of University Computer Center worked relentlessly throughout the lockdown period and these COVID Warriors took unprecedented steps (including establishment of IT helpdesk) to encourage continuity of learning amongst students, leading to a new phase of digital learning at MLSU. Apart from this, a Uniform Platform to conduct efficient, transparent and seamless online classes was implemented and the team successfully trained all the stakeholders for effective adoption of digital teaching and learning.

Under the aegis of University Computer Center, a large number of online events like webinars, conferences, formal meetings, interaction with stakeholders and inaugural ceremonies have been organized. In fact Mohanlal Sukhadia University, Udaipur became the first University in Rajasthan to seamlessly organize its 28th Convocation in a hybrid mode (both online and offline) without the help of any external agency, enabling participation of all Gold Medalists and Ph.D Degree awardees, giving them the pride of being at the ceremony.

Today, in its evolved role, the University Computer Center is performing the following functions/activities:

- Management of the Centralized Internet Facility.
- Management of the Campus-wide Network.
- Operation & Maintenance of Website of the University.
- Providing IT support services to various Departments, Administrative Sections, Hostels & Guest House of the University.
- Creation of Users on network.
- Configuring of LAN/ Wi-Fi Settings on Individual machines/Laptops
- Troubleshooting of various problems.
- Preparing and processing the tender document for centralized selection of vendors for supply of various ICT and electronic items.
- Technical support on Video conferencing for running online classes and webinars.
- Conducting training programmes in the field of IT and Computer networks.
- Conducting online exams for internal students as well as external bodies.
- Providing consultation on conducting online events, video conferencing etc.

विश्वविद्यालय का विभाजन (Bifurcation of the University)

सन् 1987 में कृषि हेतु पृथक् से विश्वविद्यालय बनाने के निर्णय के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा 25 अप्रैल, 1987 के आदेश से श्रीमती कुशल सिंह, विशिष्ट शासन सचिव, शिक्षा, श्री ओ.एन.चतुर्वेदी, विशिष्ट शासन सचिव, कृषि तथा श्री रणजीत सिंह, वित्त नियंत्रक, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की एक समिति बनाई गई जिसे विश्वविद्यालय की चल एवं अचल संपत्ति के बँटवारे हेतु सुझाव देना था। अध्यादेश संख्या–13, दिनांक 31 जुलाई, 1987 के द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा नवगठित राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के मध्य उनके कार्य के अनुसार महाविद्यालयों, संस्थाओं, कार्यालयों, शोध केंद्रों, छात्रावासों तथा अन्य निकायों का हस्तांतरण हुआ। दिनांक 30 मई, 1988 को आयुक्त एवं सचिव, शिक्षा विभाग के कक्ष में हुई बैठक में निर्णय हुआ कि–

1. आज की तिथि में आवासीय भवन जिनके पास (जो स्टाफ रह रहा है) हैं, वे उस कार्मिक के विश्वविद्यालय के माने जाएंगे।
2. कुलपति निवास मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अधीन रहेगा।
3. खेलकूद परिसर एवं जिम्नेजियम का संधारण दोनों विश्वविद्यालय करेंगे।
4. विश्वविद्यालय मुद्रणालय (Press) राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय को दिया जाएगा।
5. विश्वविद्यालय अतिथि गृह में दोनों विश्वविद्यालयों का आरक्षण रहेगा।

10 अप्रैल, 1991 को उच्च शिक्षा मंत्री के अध्यक्षता में निर्णय हुआ कि–

1. विश्वविद्यालय अतिथि गृह, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के पास रहेगा।
2. संचार केन्द्र, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पास रहेगा
3. स्टोर बिल्डिंग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पास रहेगी।
4. जिम्नेजियम तथा तरणताल राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पास रहेगा किंतु दोनों विश्वविद्यालय इसे काम में ले सकेंगे।

कालांतर में दोनों विश्वविद्यालयों तथा राज्य सरकार के मध्य पत्राचार हुआ तथा सेवानिवृत्त अधिकारी वी. आई. राजगोपाल की एक सदस्यीय समिति का गठन 2 मार्च, 1993 को हुआ, जिसने 4 जनवरी, 1994 को रिपोर्ट दी। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ने 2 जुलाई, 1994 को प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय भवन, परीक्षा भवन हेतु 36.68 करोड रूपयों का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा। इस दौरान भाभड़ा समिति ने 19 फरवरी, 1996 को बँटवारे के कुछ बिंदु निश्चित किए। 11 मार्च, 1997 को उच्च शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में यह निर्णय हुआ कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय हेतु 150–200 बीघा जमीन आवंटित होनी चाहिए। 16 जुलाई, 1997 को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री श्री हरिशंकर भाभड़ा ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा 19 जनवरी, 1998 को श्री भाभड़ा की अध्यक्षता में निर्णय हुआ कि–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रवेश करते समय बांयी तरफ का हिस्सा राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का तथा दांयी तरफ का हिस्सा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का होगा।
2. केंद्रीय पुस्तकालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का रहेगा।
3. पत्राचार कोर्स भवन कोटा खुला विश्वविद्यालय का रहेगा।
4. कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दिए जाएँ।

इसके पश्चात् लगभग दो दशक तक दोनों विश्वविद्यालयों के बीच पत्राचार, बैठकें तथा संवाद होते रहे तथा राज्य सरकार को लिखा जाता रहा। इस क्रम में महत्त्वपूर्ण बैठक 6 जून, 2016 को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में हुई जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे–

1. प्रो. आई. वी. त्रिवेदी, कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
2. प्रो. उमाशंकर शर्मा, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
3. श्री जगमोहन सिंह, कुलसचिव, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
4. श्री डी. एन. पुरोहित, वित्त नियंत्रक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
5. श्री ए. एस. खान, भू–सम्पत्ति अधिकारी, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
6. श्री आर. एस. खराड़ी, भू–सम्पत्ति अधिकारी, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

इस बैठक में आपसी सहमति से निर्णय हुआ कि–

1. दोनों विश्वविद्यालय के बीच बँटवारा पूर्णतया भाभड़ा समिति के निर्देशों के अनुसार होगा।
2. दुर्गा नर्सरी रोड स्थित स्टाफ क्वार्टर्स नगर विकास प्रन्यास या नगर निगम को देकर रोड चौड़ा करने तथा बेचान करके प्राप्त राशि दोनों विश्वविद्यालय बराबर–बराबर ले सकेंगे। यह स्थान वाणिज्यिक परिसर हेतु प्रयुक्त हो सकेगा।
3. इसी तरह (उपर्युक्तानुसार) माया मिष्ठान भंडार के सामने स्थित स्टाफ क्वार्टर्स का निस्तारण हो सकेगा।
4. विधि महाविद्यालय के सामने स्थित डेयरी साइंस कॉलेज भवन (18940 वर्गफीट) जो कि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पास है, वह मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को दिया जायेगा तथा इसके बदले मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के निम्नांकित दो भवन महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को दिए जाएंगे–
   (अ) कुलपति आवास (7360 वर्गफीट)
   (ब) संचार केन्द्र के पास स्थित भू–सम्पत्ति कार्यालय (4460 वर्गफीट)
5. भाभड़ा समिति ने निश्चित किया था कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन, केंद्रीय पुस्तकालय तथा परीक्षा कार्यालय महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के होंगे किंतु जब तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का स्वयं का प्रशासनिक भवन नहीं बन जाता तब तक वर्तमान भवन मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पास रहेगा। जब कभी मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन निर्माण हेतु धनराशि प्राप्त होगी वह महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को दी जाएगी। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कैंटीन के पीछे की (सी.टी.ए.ई. के सामने) जमीन महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को दी जाएगी।
6. परिसर में स्थित 114 स्टाफ क्वार्टर्स में से 31 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा 83 महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पास हैं। वे एक विश्वविद्यालय (अधिक क्वार्टर्स रखने वाले) को दिए जाएंगे ताकि इनका बेहतर रखरखाव हो सके।
7. मुख्य द्वार के बांयी तरफ स्थित जिम्नेजियम एवं तरणताल मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पास रहेंगे।
8. एक ही परिसर में दो विश्वविद्यालय होने तथा कई प्रवेश द्वार होने से सुरक्षा संबंधी परेशानियाँ होती हैं अतः यह निर्णय हुआ कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय मुख्य द्वार, स्वर्ण जयंती द्वार,(नेशनल हाईवे की ओर) तथा विधि महाविद्यालय की तरफ कन्या छात्रावास के पास के द्वार की 24 घंटे सुरक्षा करेगा तथा

> साठ के दशक में विश्वविद्यालय में प्रोफेसर को 'आचार्य' रीडर को 'प्रवाचक' तथा लेक्चरर को 'प्राध्यापक' कहा जाता था। शोध सहायक की भाँति 'सहायक प्राध्यापक' भी होते थे। सत्तर के दशक में अन्य कृषि विश्वविद्यालयों की भाँति रीडर को सह आचार्य तथा लेक्चरर को सहायक आचार्य कहा जाने लगा।

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सुन्दरवास की ओर दक्षिण द्वार पी.जी. छात्रावास के पास पूर्वी द्वार तथा नेशनल हाइवे बाइपास की तरफ प्रस्तावित द्वार पर सुरक्षा कार्य निष्पादित करेगा।

9. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) विश्वविद्यालय परिसर में जलदाय टैंक निर्माण हेतु 10,000 वर्गफीट स्थान चाहता है अतः यह उपलब्ध करवाया जायेगा तथा इसके बदले वह विभाग दोनों विश्वविद्यालयों के आवासीय कॉलोनियों को जल सेवा उपलब्ध कराएगा।

उक्त बैठक के निर्णयों की अनुपालना में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने कुलपति निवास और भू–सम्पत्ति कार्यालय महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को हस्तांतरित कर दिए हैं तथा इसके एवज में डेयरी साइंस महाविद्यालय भवन, जिम्नेजियम, तरणताल तथा परीक्षा भवन के पास का मैदान महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्राप्त कर लिए हैं। दिनांक 01 अगस्त, 2019 को प्राप्त डेयरी साइंस महाविद्यालय में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का शिक्षा विभाग (संकाय) संचालित होने लगा है तथा इसके समीप कुलपति का नया निवास निर्मित हो चुका है। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के पास की 05.50 हेक्टेयर भूमि तथा 69.21 हेक्टेयर भूमि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को हस्तांतरित की गई है। इसी क्रम में 20 अगस्त, 2019 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने अपना कुलपति निवास महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को हस्तांतरित कर दिया है।

❑ ❑ ❑

5 गौरवशाली उपलब्धियाँ (Glorious Achievements)

प्रो. एस. के. कटारिया एवं डॉ. मनीष श्रीमाली

"इतिहास विश्वास की नहीं, विश्लेषण की वस्तु है। इतिहास मनुष्य का अपनी परम्परा में आत्म-विश्लेषण है।"

–यशपाल

किसी भी शैक्षिक संस्था के विकास क्रम की यात्रा को उस संस्था द्वारा मानव विकास में दिए गए योगदान के द्वारा विश्लेषित किया जाता है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने अपनी छः दशकीय यात्रा में अनेक उतार–चढ़ाव देखे हैं। शैक्षिक संस्थाओं के सामाजिक दायित्व एवं लक्ष्य अन्य संगठनों की तुलना में अधिक गुरुतर एवं व्यापक होते हैं क्योंकि ये संस्थाएँ देश के किशोरों एवं युवाओं के व्यक्तित्व को गढ़ कर राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करती हैं।

हम अग्रणी हैं–

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अपनी निम्नांकित उपलब्धियों के क्रम में राज्य एवं देशभर में जाना जाता है–

1. यह साठ के दशक में देश का दूसरा तथा राजस्थान का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय था।
2. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पश्चात् राजस्थान में स्थापित होने वाला यह दूसरा विश्वविद्यालय (दिनांक 12 जुलाई, 1962) था। तीसरा विश्वविद्यालय जोधपुर में 24 अगस्त, 1962 से प्रारंभ हुआ।
3. राजस्थान में विधि महाविद्यालय की सर्वप्रथम स्थापना करने वाला विश्वविद्यालय यही है।
4. यह राज्य में फार्मेसी शिक्षा देने वाला प्रथम विश्वविद्यालय रहा है।
5. यह भूगोल के स्नातकोत्तरीय विद्यार्थियों को Geospatial ज्ञान एवं कौशल प्रदान करने वाला राज्य का एक मात्र विश्वविद्यालय है।
6. यह योग केन्द्र स्थापित करने वाला राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है।
7. 21वीं सदी के शुरुआत में परीक्षार्थियों की उत्तर–पुस्तिकाओं में बारकोडिंग कर गोपनीयता सुनिश्चित करने में यह विश्वविद्यालय अग्रणी रहा है।
8. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित अकादमिक निष्पादन मापदंड, 2009 के अनुरूप पीएच. डी. प्रवेश प्रक्रिया को नवीन स्वरूप में ढालने वाला यह राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है।
9. संकाय सदस्यों की समयबद्ध पदोन्नति हेतु प्रायः प्रति वर्ष सी. ए. एस. क्रियान्वित करने वाला यह अग्रणी विश्वविद्यालय है।
10. अनुपयोगी सामान या कबाड़ से कलाकृति बना कर सृजनशीलता, कला–संरक्षण एवं संसाधनों का सदुपयोग करने वाला यह राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है।
11. विगत एक दशक से लगातार प्रति वर्ष दीक्षांत–समारोह आयोजित करने वाला यह राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है।
12. विश्वविद्यालय की भवनों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर आठ सौ किलोवाट विद्युत उत्पादन करने वाला यह राज्य का सबसे बड़ा सरकारी संगठन है।
13. सन् 1999 से निरंतर रक्तदान शिविर आयोजित कर मानव सेवा में समर्पित यह विश्वविद्यालय संपूर्ण राज्य के लिए प्रेरणास्त्रोत है।
14. राजस्थान में विश्वविद्यालय का कुलगीत बनाने वाला यह प्रथम विश्वविद्यालय है।
15. दक्षिण एशिया के कुलपतियों का सम्मेलन आयोजित करवाकर शैक्षिक विकास की 'उदयपुर घोषणा' करने वाला यह अग्रणी विश्वविद्यालय है।
16. सन् 2012 में कार्मिकों एवं विद्यार्थियों हेतु बायोमेट्रिक उपस्थिति अंकन के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला यह राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा इस विश्वविद्यालय को सन् 2003 में B++ ग्रेड तथा सन् 2014 में 3.11 CGPA के साथ 'A' ग्रेड प्राप्त हुई थी। इसी तरह सन् 2020 में एम. एच. आर. डी. की NIRF(National Institutional Ranking Framework) में इस विश्वविद्यालय ने 150–200 बैण्ड (रैंक) में स्थान प्राप्त किया था जबकि इस रैंकिंग सूची में राजस्थान का कोई राज्य विश्वविद्यालय सम्मिलित नहीं था।

17. इस विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन के अंतर्गत सन् 2020 तक 1.94 लाख डिग्रियाँ डिजीलॉकर पर अपलोड करके राज्यभर में अग्रगामी स्थिति पाई है।
18. सन् 2014 में यूजीसी नैक द्वारा ग्रेड 'ए' प्रत्यायित होने वाला यह राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय था।
19. एन. आई. आर. एफ. द्वारा सन् 2020 में घोषित इण्डिया रैंकिंग में हम 150–200 बैण्ड में सम्मिलित हैं तथा राजस्थान का कोई अन्य राज्य विश्वविद्यालय इस सूची में नहीं है।
20. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने डिग्री–प्राप्ति तथा रोजगार–प्राप्ति के बीच की बाधा को दूर करते हुए रोजगार–कौशल एवं व्यक्तित्व–विकास हेतु 'फिनिशिंग स्कूल' की स्थापना करके देशभर में अपना नाम कमाया है।
21. 'सेल्फ फाइनेंसिंग एडवाइजरी बोर्ड' के माध्यम से संविदा–कार्मिकों का निजी एजेंसियों द्वारा शोषण करने की प्रवृति पर रोक लगाने में यह अग्रणी रहा है।
22. यह राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है जहाँ 'पृथ्वी विज्ञान' संकाय पृथक से है।
23. जैव प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम शुरु करने वाला यह राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है।
24. भू–विज्ञान विभाग का समृद्ध संग्रहालय देश भर में प्रसिद्ध है जिसे अन्य राज्यों के विद्यार्थी देखने आते हैं और भू–विज्ञान में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु 'फील्ड आधारित प्रशिक्षण' अनिवार्यतः दिया जाता है। ऐसा भारत में अन्यत्र कहीं नहीं है।
25. विगत सदी के नब्बे के दशक में यह विश्वविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं के लिए देश भर में सिरमौर रहा है तथा इसे विद्यार्थियों हेतु महिला मुक्केबाजी शुरु करने का श्रेय भी प्राप्त है।

अकादमिक आहूति

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित अकादमिक उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

एल्यूमनाई

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से अध्ययन कर डिग्री एवं शिक्षा प्राप्त कर चुके पूर्व छात्र–छात्राएँ (Alumni) विगत साठ वर्षों से राजनीति, प्रशासन, शिक्षा, व्यवसाय, खेल–कूद, कला–संस्कृति तथा अन्य विविध क्षेत्रों में अपना एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। जैसा कि पूर्व पृष्ठों पर बताया जा चुका है कि वर्तमान मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की पितृसंस्था महाराणा भूपाल कॉलेज (M.B. College) के पूर्व छात्रों ने मिलकर सन् 2005 में 'M.B. College Old Boys Association' बनाई। विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसी संस्था के औपचारिक निर्माण का प्रस्ताव सर्वप्रथम प्रबंध मंडल की बैठक में दिनांक 29 मार्च, 2008 को पारित किया गया तथा प्रशासनिक स्तर पर इसके गठन एवं पंजीकरण की प्रक्रिया के प्रयास हुए।

राजनीति के क्षेत्र में डंका बजाने वालों में सर्व श्री मोहनलाल सुखाड़िया, श्री गुलाब सिंह शक्तावत, श्री निरंजन नाथ आचार्य, श्री हीरालाल देवपुरा, प्रो. सी. पी. जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, श्री गुलाब चंद कटारिया, श्री कैलाश मेघवाल, श्री शांतिलाल चपलोत, प्रो. आर. एल. जाट, डॉ. नमोनारायण मीणा, श्रीमती अनिता कटारा, श्री मांगीलाल गरासिया, श्री अर्जुनलाल मीणा इत्यादि प्रमुख रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में पद्मविभूषण डॉ. दौलत सिंह कोठारी, पद्मभूषण श्री अनिल बोर्डिया, प्रो. चंद्रसिंह नैनावटी, प्रो. योगेश अटल, प्रो. गोवर्धन मेहता, प्रो. बी. आर. पुरोहित, पद्मश्री प्रो. जी. सी. मिश्रा, प्रो. मुहम्मद शफी अगवानी, प्रो. उदय पारीक, प्रो. के. के. सक्सेना, प्रो. बी. सी. मेहता, प्रो.

डॉ. डी. एस. कोठारी : एक संक्षिप्त परिचय

डॉ. डी. एस. कोठारी

उदयपुर में 6 जुलाई, 1906 को जन्मे डॉ. दौलत सिंह कोठारी का नाम भारत के श्रेष्ठ विद्वानों में शुमार होता है। आपने इस विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती स्वरूप 'महाराणा इंटरमीडिएट कॉलेज' से वर्ष 1922–24 के दौरान अध्ययन कर इंटरमीडिएट परीक्षा संपूर्ण राजपूताना में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर उत्तीर्ण की थी। एक स्कूल अध्यापक के घर जन्मे डॉ. कोठारी ने मैट्रिक परीक्षा महाराजा शिवाजीराव हाई स्कूल, इंदौर से उत्तीर्ण की थी। इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर महाराणा मेवाड़ ने उनको 50 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति स्वीकृत की थी। आपने सन् 1926 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी. एससी. तथा वहीं से सन् 1928 में महान् वैज्ञानिक डॉ. मेघनाद साहा के निर्देशन में एम. एससी. उपाधि प्राप्त की। सन् 1934 में आपने दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य शुरु किया तथा सन् 1961 तक सेवाएँ दी। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में आप सन् 1948 से 1961 तक रक्षा सलाहकार रहे। सन् 1961 से 1973 तक आप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष रहे। आप भारतीय साईंस कांग्रेस के अध्यक्ष (सन् 1963), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष (सन् 1973) तथा भारतीय शिक्षा आयोग (कोठारी कमीशन 1964–66) के अध्यक्ष रहे। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जगत् में आपको 'Statistical Thermo Dynamics & Theory of White Dwarf Stars' के लिए जाना जाता है। भारत सरकार द्वारा आपको सन् 1962 में पद्मभूषण तथा सन् 1973 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया। सन् 2011 में आपकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा डाक टिकट जारी की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय में आप की स्मृति में 'Centre for Science, Ethics & Education' कार्यरत है। 21 फरवरी, 1993 को आपका देहावसान हुआ। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग परिसर में डॉ. कोठारी की प्रतिमा स्थापित है।

आई. वी. त्रिवेदी, प्रो. बी. एल. चौधरी, प्रो. के. सी. सोडाणी, प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत, प्रो. विजय श्रीमाली, डॉ. डी. पी. अग्रवाल, डॉ. विद्यासागर उपाध्याय, प्रो. चिन्मय मेहता, प्रो. आर. के. वशिष्ठ, प्रो. शाबिर हुसैन काजी इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

उद्योग एवं व्यवसाय में नाम कमाने वालों में सिंघल ब्रदर्स– श्री सलील, श्री अरविंद, श्री संजय, तथा विश्वजीत पानेरी, डॉ. लोकेश जैन प्रमुख हैं। विभिन्न औद्योगिक घरानों में सेवाएँ देने वालों में डॉ. दिनेश राणा, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. नमिता दवे, श्री राधेश्याम, डॉ. योगेश व्यास के नाम प्रमुख हैं।

प्रशासनिक सेवाओं में विश्वविद्यालय की कीर्ति पताका फहराने वाले सर्वश्री मीठालाल मेहता, श्री जे. एम. खान, श्री बी. पी. कलाल, श्री सी. एल. मेनारिया, श्री सुनील भानावत, श्री जसवंत सिंह सिंघवी, श्री सी. पी. व्यास, श्री बी. एन. योगेश्वर, श्री जी. एच. लुणायच, डॉ. नीतू भारद्वाज, डॉ. के. डी. सिंह, डॉ. रघुवीर सिंह, श्री प्रेम नारायण माथुर, डॉ. आर. एल. भट्ट, डॉ. एम. एल. रावत, श्री भंवर सिंह चौहान, श्री वृद्धि चंद गर्ग, श्री हीरालाल कुणावत, श्री ओंकार जोशी, श्री मुकुट बिहारी पुरोहित, श्री श्रवण सिंह राठौड़, श्री मणिलाल तीरगर, कुमारी चेतना दीक्षित, कुमारी नेहा श्रीवास्तव, श्री हरिमोहन सक्सेना, श्री भगवती प्रसाद कलाल, श्री रणजीत चक्रवर्ती, श्री हबीब खान गोराण, श्री एस. एल. लाठी, श्री दिनेश कोठारी, डॉ. सूरजमल राव इत्यादि के नाम प्रमुख हैं। डॉ. धीरेन्द्र कुमार जोशी ने भारतीय सांस्कृतिक राजदूत के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डॉ. पी. एल. अग्रवाल, श्री एम. पी. बया, श्री. जगमोहन हुमड़, श्री ललित बक्षी, श्री एच. बी. पालीवाल, श्री इब्राहिम अली के नाम उल्लेख करने योग्य हैं।

विज्ञान के क्षेत्र में श्री सोहन लाल जैन, डॉ. घनश्याम पुरोहित, प्रो. एस. एल. चपलोत, प्रो. आर. एम. जैन, डॉ. एस. के. माथुर, डॉ. मानवेन्द्र सिंह, डॉ. शक्ति नाथ उपाध्याय, डॉ. फाल्गुनी भंसोडे, डॉ. संजीव बनर्जी, डॉ. ईशा शर्मा, प्रो. भोमित्र देव, श्री एल. एल. भण्डारी, डॉ. आर. एल. मुन्शी, डॉ. पी. के. यादव, डॉ. आर. पी. गोलानी के नाम सम्मिलित हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में डॉ. आशीष दवे, डॉ. नजीमा हबीबी, डॉ. अनुराधा गोयल, डॉ. जयेश पांचाल ने सेवाएँ दी हैं या दे रहे हैं।

चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. भगवती लाल भंडारी तथा डॉ. अरुण बोर्दिया, डॉ. श्रीराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की साख में अभिवृद्धि की है।

विधि एवं न्यायिक प्रशासन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करवाने वालों में जस्टिस कांता भटनागर, जस्टिस एन. एन. माथुर, जस्टिस सुंदर लाल मेहता, जस्टिस कुमारी निशा भंडारी, जस्टिस एन. पी. गुप्ता, जस्टिस विजय व्यास के नाम प्रमुखतया लिए जाते हैं।

विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग से उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने राज्य सरकार के खान एवं भूविज्ञान विभाग में निदेशक तक के पद को सुशोभित किया है जिनमें श्री पी. के. वर्डिया, श्री डी. एस. मेहता, श्री एस. सी. अग्रवाल, श्री आर. एस. अग्रवाल, डॉ. ए. के. वैश्य, श्री बी. एस. ढाका, श्री एस. एस. जामरानी, श्री टी. एस. राणावत, श्री डी. के. पोरवाल, श्री एस. एन. डोडिया इत्यादि प्रमुख हैं।

कला के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के दृश्यकला विभाग के पूर्व विद्यार्थी देश भर में अपना नाम कमा रहे हैं। विभाग के लगभग 100 पूर्व विद्यार्थी कला के क्षेत्र में विभिन्न अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं। संगीत विभाग के भी अनेक पूर्व विद्यार्थी रेडियो, टेलीविजन तथा मनोरंजन–दुनिया में नाम कमा रहे हैं। इसी तरह गणित सांख्यिकी विभाग के सैकड़ों विद्यार्थी सांख्यिकी सेवाओं में सेवाएँ दे रहे हैं।

खेल–कूद की दुनिया में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कीर्ति पताका देशभर में फहराने वालों में श्री अर्जुन सिंह, श्री रघुबीर सिंह राठौड़, श्री अशोक मेनारिया, श्री हिम्मत सिंह राव, कुमारी भक्ति शर्मा इत्यादि कई प्रमुख नाम हैं।

अकादमिक आयोजन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर के सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सन् 1962 से लेकर आज तक निरंतर आयोजित करवाए जाते रहे हैं। साठ एवं सत्तर के दशक में विश्वविद्यालय के द्वारा ग्रीष्मावकाश में स्कूल शिक्षकों हेतु 'Summer Course' आयोजित करवाए जाते थे। विश्वविद्यालय द्वारा सामान्यतः प्रतिवर्ष 50 से 60 अकादमिक आयोजन होते रहे हैं। अब तक हुए हजारों ऐसे आयोजनों में देश–विदेश से आए लाखों प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय की अकादमिक पहल और आतिथ्य परंपरा की दिल खोलकर प्रशंसा की है। प्रस्तुत विवरण में केवल दृष्टांत हेतु कुछ ही आयोजनों का संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है। वर्ष 1962–63 में ओहियो विश्वविद्यालय तथा कृषि महाविद्यालय उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विकास के क्रम में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। कालांतर में दो दशक तक कृषि, पशुपालन, पशुचिकित्सा, गृहविज्ञान, आधारिक विज्ञान, वाणिज्य तथा मानविकी के अनेक अकादमिक आयोजन करवाए गए। सन् 1987 में विश्वविद्यालय का विभाजन होने पर विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, विधि, वाणिज्य तथा मानविकी संकाय के ही आयोजन वर्तमान विश्वविद्यालय में होते हैं। सन् 2002 में वाणिज्य महाविद्यालय के द्वारा आयोजित करवाई गई 'All India Commerce Conference' में डॉ. मनमोहन सिंह तथा श्री प्रणब मुखर्जी ने शिरकत कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। सन् 2011 में भौतिकशास्त्र विभाग ने सड़क सुरक्षा विजन–2020 पर प्रथम अन्तरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कराई थी। अर्थशास्त्र विभाग ने 'All India

Economics Conference' का आयोजन सन् 2008 तथा सन् 2014 में दो बार करवाकर देश भर में नाम कमाया। इतिहास विभाग ने सन् 2015 में राजस्थान इतिहास कांग्रेस आयोजित कराई। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मार्च, 1994 में राजस्थान राजनीति विज्ञान संघ का सम्मेलन आयोजित करवाया तथा दो दशक तक इस विभाग में अमेरिकन एसोसिएशन, अफ्रिकन एसोसिएशन, भारत–पाकिस्तान समूह (नीमराणा ग्रुप), रैंड कमीशन, राजीव गांधी फाउंडेशन, सी. एस. डी. एस.– लोकनीति इत्यादि के सहयोग से अनेक अकादमिक आयोजन एवं शोध कार्य संपन्न करवाए गए जिनमें प्रो. संजय लोढ़ा द्वारा करवाए गए 'चुनाव अध्ययन' अत्यंत चर्चित रहे। विभाग में नेहरू अध्ययन केंद्र, मानवाधिकार पाठ्यक्रम तथा सुखाड़िया चेयर से संबंधित उल्लेखनीय कार्य भी हुए। दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा सन् 2013 में 58जी All India Philosophical Conference का आयोजन किया गया। पत्रकारिता विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन 26–29 सितंबर, 2019 को किया गया जिसमें 17 देशों के पत्रकारों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन (28 अक्टूबर, 2002) में मुख्य अतिथि डॉ. मनमोहन सिंह

विश्वविद्यालय के द्वारा दो बार पश्चिम क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाया जा चुका है। पहला आयोजन 5 से 9 दिसंबर, 2012 को West Zone Cultural Festival तथा दूसरा 15 से 19 दिसंबर, 2017 को 33वाँ West Zone Inter-University Youth Festival (UNIFEST- समवेत) विश्वविद्यालय में आयोजित हुए। वहीं 3 नवंबर, 2012 को 'अखिल भारतीय मुशायरा' का आयोजन कर शहर के साहित्य अनुरागियों को तृप्त किया गया। 27 से 29 दिसंबर, 2012 को All India Sociological Conference का आयोजन करवाया गया तथा दक्षिण एशिया में स्थित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 16–17 अक्टूबर, 2013 को हुआ एवं भावी शैक्षिक विकास के लिए 'उदयपुर घोषणा' की गई।

Udaipur Declaration on Higher Education in South Asia

Vice Chancellors' Conference of South Asian Countries

on

Nurturing new avenues in University Education among South Asian Countries: Challenges and Prospects

16-17 October 2013

The two days' Vice-Chancellors' Conference of South Asian countries marked a historic landmark on the horizons of higher education in Rajasthan. The conference was well attended having representation from many South Asian countires.

Apart form inaugural session which was graced by her Excellency **Mrs. Margaret Alva**, Governor, State of Rajasthan and Chancellor, Mohanlala Sukhadia University, Udaipur, there were four technical sessions, two special lectures and one panel discussion. As a result of deliberations, discussions and debates following declaration is accepted and termed as **"Udaipur Declaration on Higher Education in South Asia - 2013"**

Whereas university education in south Asia is, in fact, mirroring the structural problems and contrarian pulls of traditions and modernity which are exerting pressures on the region. The need of the hour is to embrace change which is reflected in digital revolution leading to almost instantaneous spread of message resulting in intricately linked web world.

The delegates of the conference hereby do resolve that-

1. There must be a forum entitled **'South Asian Vice Chancellors Forum'** and the Secretariat of the forum will be at MLSU, Udaipur. It was unanimously decided to request to **Her Excellency, Governer of Rajasthan, Mrs. Margaret Alva** to kindly give consent to act as the **first Patron** of the proposed forum. Further, it was decided that the first convener of the forum will be Prof. I.V. Trivedi, Vice Chancellor of the host university.
2. There must be a separate website or web-based network of all the member universities of the forum.
3. The next South Asian Vice Chancellors' Conference will be held in **Sri Lanka in 2015** to be hosted by Open University of Sri Lanka.
4. It is further resolved that, in order to truly implement the spirit of 'Udaipur Declaration' following measures be taken up by the forum-

A. **Infrastructure-** In order to strengthen the infrastructural mechanism prevalent in the region the following centres be established in one or the other South Asian university-

❖ Centre of Study for Regional Economic Planning and Growth.

❖ Centre of Study for Comparative Religion, Culture and Heritage.

❖ Centre of Study for Sustainable Development and Inclusive Growth.

❖ Centre of Excellence for Corporate Governance (focus on e-governance).

B. **Teaching-Learning Process** - To cater the need of students and community at large in present millennium, following futuristic and socially relevant new Master's level programmes be launched in one or the other South Asian university-

❖ Programme on Regional Economic Plannning and Growth (focus- Globalisation and its effects on Regional Economy).

❖ Programme on comparative Culture, Religion and Heritage (focus-lessons to be learnt from common heritage and the role of the civil society).

❖ Programme on Enviromental Sustainability (focus- Biodiversity, Remote Sensing and ICT in Life Scineces).

❖ Programme on inclusive Growth (focus- Subaltern Studies, Gender issues and Youth affairs).

❖ Programme on Corporate Governance (focuc-cross cultural issues and region's best practices)

❖ Programme on Digital Governance (Focus- ICT & Governance).

The above mentioned programmes may be offered either in conventional mode or **open/distance learning mode or online mode.**

C. **Research Networking** - Collaborative research in the above mentioned areas be facilitated for all round development of the region. A common platform of apex regulatory bodies such as - UGC, ICSSR etc. and similar ones in the region, may be provided to the proposed centres (listed above) for fostering innovative and socially meaningful research. Regional collaboration on the basis of geographical locations must be emphasized.

D. **Extension Initiatives** - Short term training programmes on various issues of mutual benefits be imparted to different stakeholders of the region.

Various programmes under the banner of 'University Social Responsibility **(USR)**, are to be launched to empower disadvantaged sections of the society with special emphasis on **Skill Development, Life Style Management and Indigenous Knowledge Management.**

Documentation, distribution and discussion on various significant and land mark cases/ stories/ practices be ensured in universities and other institutions of the region.

In order to achieve the pious goals of 'Udaipur Declartion', a vibrant and vigorous mechanism be devised which will enable easy flow of policy-makers, faculty members and students in the region for spreading message of oneness, harmony, cultural parity, sportsmanship and spirit of healthy competition.

विश्वविद्यालय में वर्ष 2007 से स्वर्गीय श्री मोहनलाल सुखाड़िया की स्मृति में उनके जन्मदिन पर 31 जुलाई को 'मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान' का आयोजन किया जाता है। इस व्याख्यानमाला में प्रो. अमिताभ कुण्डु, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, प्रो. सुखदेव थोराट, डॉ. नामवर सिंह, डॉ. ओमप्रकाश पांडे, जस्टिस डॉ. रामा जोयस, डॉ. अरविंद पनगड़िया, प्रो. गौतम मुखर्जी, पद्मश्री आलोक मेहता, प्रो. आर. एस. निर्जर तथा प्रो. गोपीनाथ शर्मा इत्यादि ने अपने विद्वतापूर्ण व्याख्यानों से विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

स्वर्ण जयंती वर्ष आयोजन

वर्ष 2011–12 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती वर्ष था। तत्कालीन कुलपति प्रो. आई. वी. त्रिवेदी की प्रेरणा एवं पहल से एक वर्ष से अधिक अवधि तक आयोजन के रूप में कई कार्यक्रम हुए जिसमें संगोष्ठी, सम्मेलनों के अतिरिक्त भवन–निर्माण सुविधाओं का प्रसार (स्वर्ण जयंती अतिथि गृह, स्वर्ण जयंती द्वार) तथा अन्य गतिविधियाँ सम्मिलित थी। इस आयोजन वर्ष में विश्वविद्यालय में कार्यरत सदस्यों का सी. ए. एस. तथा लगभग 100 नए संकाय सदस्यों की भर्ती से विश्वविद्यालय के परिवार में उत्साही वातावरण के मध्य अकादमिक आयोजनों की झड़ी लग गई।

स्वर्ण जयंती वर्ष प्रतीक चिह्न (प्रो. मदनसिंह राठौड़ एवं श्री सुरेन्द्र सिंह चुण्डावत द्वारा सृजित)

प्रो. त्रिवेदी के आग्रह पर दृश्य कला विभाग के प्रो. मदन सिंह राठौड़ तथा उनके शोधार्थी श्री सुरेन्द्र सिंह चुण्डावत ने स्वर्ण जयंती वर्ष का एक आकर्षक **प्रतीक चिह्न (Logo)** सृजित किया जो नीले तथा स्वर्ण रंग में कमल की पचास पंखुड़ियों से बना हुआ है। वस्तुतः कमल, भारतीय संस्कृति में लक्ष्मी (सरस्वती), समृद्धता, ऊर्वरता एवं वैभव का परिचायक है।

स्वर्ण जयंती वर्ष का 'Golden Jubilee Lecture' दिनांक 19 मई, 2012 को स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया था, जिसमें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी मुख्य अतिथि थे और डॉ. सी. पी. जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, श्री महेंद्रजीत मालवीया, श्री मांगीलाल गरासिया, श्रीमती सज्जन कटारा एवं कुलपति प्रो. आई. वी. त्रिवेदी मंचासीन थे। श्री प्रणब मुखर्जी ने 'स्वर्ण जयंती व्याख्यान' भी दिया।

स्वर्ण जयंती मार्ग का शिलान्यास करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी (19 मई, 2012)

इस जयंती समारोह का औपचारिक समापन 17 अप्रैल, 2013 को तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री एम. एम. पल्लमराजू के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री डॉ. सी. पी. जोशी भी उपस्थित थे। इस समारोह वर्ष की एक स्मारिका का भी इस दिन विमोचन हुआ।

गणमान्य अतिथि

विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक प्रतिवर्ष अकादमिक जगत की बहुत सारी विभूतियाँ, राजनेता, प्रशासक, विधिवेत्ता, कलाकार, व्यावसायिक एवं खेल जगत से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्ति विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाते रहे हैं। इनमें कतिपय नाम ही यहाँ दिए जा रहे हैं जिनमें सर्वश्री सी. राजगोपालाचारी, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, श्रीमती प्रतिभा पाटिल, श्री प्रणब मुखर्जी, श्री भैंरासिंह शेखावत, श्रीमती इंदिरा गाँधी, श्री जगजीवन राम, श्री मोरारजी देसाई, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. कर्ण सिंह, डॉ. संपूर्णानंद, जस्टिस श्री अंशुमान सिंह, श्री मदन लाल खुराना, श्री एम. चैन्ना रेड्डी, महारानी गायत्री देवी, श्री नाथूराम मिर्धा, श्री शिवराज पाटिल, श्री एम. एम. पल्लमराजू, श्री जूएल ओराम, श्री नितिन गड़करी, श्री प्रकाश जावडेकर, श्री अजय माकन, श्री मोहनलाल सुखाड़िया, श्रीमती वसुंधरा राजे, श्री अशोक गहलोत, डॉ. सी. पी. जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, श्री गुलाब सिंह शक्तावत, श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, श्री गुलाबचंद कटारिया, श्री कालीचरण सर्राफ, श्री शांतिलाल धारीवाल, श्री बृजकिशोर शर्मा, श्रीमती किरण माहेश्वरी, श्री रघुवीर मीणा, श्री अर्जुनलाल मीणा, श्री महेंद्रजीत मालवीया, श्री दयाराम परमार, श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत, श्री अशोक चांदना, श्री मांगीलाल गरासिया, श्रीमती सज्जन कटारा, न्यायमूर्ति आर. एस. पाठक, न्यायमूर्ति बी. पी. बेरी, न्यायमूर्ति श्री दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति श्री संदीप मेहता, न्यायमूर्ति श्री गोविंद माथुर, श्री वी. के. आर. वी. राव, प्रो. यू. आर. राव., श्री रघुराम राजन, श्री कपिल देव, बाबा रामदेव, स्वामी अग्निवेश इत्यादि बहुत से नाम सम्मिलित हैं।

विश्वविद्यालय में पुस्तक-प्रदर्शनी का अवलोकन करती महारानी गायत्री देवी

शोध एवं प्रकाशन

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा अनेक पुस्तकें, शोध आलेख तथा परियोजना रिपोर्ट इत्यादि प्रकाशित करवाई गई हैं। यह सूची बहुत उत्सावर्द्धक एवं लंबी है तथापि कुछ महत्त्वपूर्ण प्रकाशनों का संक्षिप्त विवरण ही यहाँ प्रस्तुत किया जा सकता है। शुरुआती दशकों में कृषि एवं पशुचिकित्सा विज्ञान के संकाय सदस्यों के शोध आलेख अधिक हैं लेकिन साथ में विज्ञान संकाय के भी शोध–पत्र उच्चस्तरीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। बाद के दशकों में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषयों के भी बहुत सारे पत्र प्रकाशित हुए हैं।

प्रो. आर. के. राय, प्रो. सी. पी. मलिक, प्रो. एच. डी. कुमार के कई शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिका 'नेचर' में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. सी. बी. मामोरिया द्वारा लिखित वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन की बहुत सी पुस्तकें पाठक वर्ग में लोकप्रिय है। डॉ. प्रेम भंडारी की गज़ल, संगीत तथा साहित्य पर कई पुस्तकें है जिनका अन्य भाषाओं में भी अनुवाद हुआ है। विधि महाविद्यालय के डॉ. वाई. एस. शर्मा की दो दर्जन से अधिक पुस्तकें हैं जिन्हें कई पुरस्कार भी मिले हैं। प्रो. शरद श्रीवास्तव की पुस्तक 'Gender Discourse' लन्दन विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। प्रो. के. आर. बापना ने माउंट आबू में Riccia नाम की एक नई प्रजाति की खोज की। प्रो. बी. एल. आहूजा भारत के ऐसे पहले वैज्ञानिक हैं जिनके द्वारा 'Compton Spectrometer' के चार प्रकार के उपकरण विकसित किए

जा चुके हैं। प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रो. करुणेश सक्सेना ने यूजीसी के सीईसी (Consortium of Educational Communication) के लिए 200 फिल्में निर्मित की हैं जो प्रबंध विषय के स्नातक–स्तरीय अध्ययन हेतु देशभर में सदुपयोग में ली जा रही हैं।

पेटेण्ट

विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों यथा–प्रो. कनिका शर्मा (2 पेटेण्ट), डॉ. देवेन्द्र कुमार (2 पेटेण्ट), डॉ. सचिन गुप्ता (4 पेटेण्ट), तथा डॉ. नमिता आशीष सिंह (2 पेटेण्ट) के नाम विशिष्ट शोध हेतु पेटेण्ट दर्ज हैं।

प्रतिष्ठा एवं सम्मान

विश्वविद्यालय में कार्यरत संकाय सदस्यों को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है जिनमें कतिपय उल्लेखनीय सम्मान इस प्रकार हैं–

(1) डॉ. मदन कपूर, डॉ. एस. बी. माथुर, डॉ. सी. कुलश्रेष्ठ, प्रो. सीमा मलिक तथा प्रो. संजय लोढ़ा Full Bright Scholar रहे हैं जबकि प्रो. जी. एम. मेहता British Council Scholar रहे हैं।

(2) प्रो. सीमा मलिक को सन् 2019 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा Leap Program Scholarship for Academic Fellowship दी जा चुकी है तथा काफला इंटरनेशनल राइटर्स एसोसिएशन से 'शान–ए–अदब' अवार्ड मिल चुका है।

(3) भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा दिए जाने वाला महर्षि बादरायण व्यास राष्ट्रपति सम्मान से प्रो. नीरज शर्मा (2013) तथा डॉ. सुमत कुमार जैन (2019) को सम्मानित किया जा चुका है।

(4) प्रो.नीरज शर्मा को महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन का हारित राशि सम्मान (2020) एवं राजस्थान राज्य विद्वत् सम्मान (2019) भी प्राप्त हो चुका है।

(5) प्रो.मदन सिंह राठौड़ को राजस्थान ललित कला अकादमी का 44वाँ राजस्थान राज्य वार्षिक आर्टिस्ट अवार्ड दिया गया तथा इन्हें 'महारानी पद्मिनी अवार्ड' सहित अन्य सम्मान भी मिले हैं।

(6) प्रो. हेमंत द्विवेदी को सन् 2019 में कलावृत्त न्यास, उज्जैन का राष्ट्रीय 'कला आचार्य सम्मान' दिया गया।

(7) डॉ. शाहिद परवेज को Royal West of England Academy का प्रतिष्ठित 'RWA Award (2005)' मिल चुका है।

(8) डॉ. दीपिका माली के नाम सबसे बड़ी 3D संझया (संज्या) आर्ट (25X25 फिट) बनाने का विश्व रिकॉर्ड है।

(9) डॉ. कुंजन आचार्य को सन् 2019 में विश्व हिंदी परिषद् के द्वारा 'राजभाषा सम्मान' से नवाजा जा चुका है।

(10) प्रो. पूरणमल यादव को महात्मा गांधी सम्मान (2018) सहित 16 राष्ट्रीय तथा 7 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

(11) प्रो. करुणेश सक्सेना ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के 'प्रोफेसर चेयरशिप (फरवरी–जुलाई, 2017) के पद को सुशोभित किया है।

(12) प्रो. पी. के. चौधरी और प्रो. सी. पी. जैन को 'एकेडमिक लीडरशिप अवार्ड'साथ ही प्रो. सी. पी. जैन को 'यंग साइंटिस्ट अवार्ड' प्राप्त हो चुके हैं।

(13) डॉ. तरुण कुमार शर्मा को गुजरात मनोविज्ञान अकादमी का पुरस्कार मिल चुका है।

(14) डॉ. वर्षा शर्मा को महाराणा फतह सिंह सम्मान से नवाजा जा चुका है।

(15) प्रो. एम. एस. ढाका को प्रतिष्ठित 'रमन फैलोशिप' दी जा चुकी है।

(16) प्रो. सुधा चौधरी को 'लक्ष्मी देवी' पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

(17) डॉ. पूनम खण्डेलवाल को INSA- Visting Scientst Award मिल चुका है।

(18) डॉ. नमिता आशीष सिंह को 'एकेडमिक प्राइड अवार्ड' से सम्मानित किया जा चुका है।

(19) डॉ. नवीन नंदवाना को हजारी प्रसाद द्विवेदी राष्ट्रीय अवार्ड, शहीद नान भाई खांट शिक्षक गौरव सम्मान और विश्व हिंदी सेवा सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

(20) डॉ. आशीष सिसोदिया को श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

(21) डॉ. विनीत सोनी को यूनेस्को से Nature Publishing Award सहित छः अन्य महत्त्वपूर्ण पुरस्कार मिले हैं।

(22) डॉ. पामिल मोदी को 'भास्कर वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड (2019)' से नवाजा गया है।

(23) प्रो. एस. के. कटारिया को लोक प्रशासन में लेखन हेतु केंद्रीय हिंदी संस्थान का 'राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन अवार्ड' (2018) दिया गया।

पूर्व संकाय सदस्यों में प्रो. रामचन्द्र द्विवेदी, प्रो. सुमन चंद जैन, प्रो. उदयचंद जैन तथा प्रो. आई. वी. त्रिवेदी को 'राष्ट्रपति पुरस्कार' एवं प्रो. ए. बी. रॉय और डॉ. बी. आर. बिजारणिया को 'राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार', डॉ. ए. बी. रॉय, डॉ. आर. के. श्रीवास्तव, डॉ. पी. कटारिया, डॉ. टी. के. पण्ड्या तथा डॉ. एम. एल. नागौरी को 'हम्बोल्ड एवं डाउ फैलोशिप', प्रो. मधुसूदन शर्मा को 'राष्ट्रीय पर्यावरण सोसायटी की फैलोशिप', प्रो. बी. एल. चौधरी को 'आत्माराम पुरस्कार', प्रो. शरद श्रीवास्तव को 'डॉ. नंद कुमार लावंडे एकेडेमिक एक्सीलैंस अवार्ड', श्री पी. एन. चोयल को 'ललित कला अकादमी पुरस्कार', 'कला रत्न सम्मान' और 'अमृतसर ललित कला अकादमी' सम्मान, श्री सुरेश चन्द्र वर्मा को कलाविद, बैचमन मेमोरियल स्कॉलरशिप सहित अन्य कई अवार्ड, श्री एल. एल. वर्मा को राजस्थान ललित कला अकादमी अवार्ड, डॉ. शैल चोयल राजस्थान ललित कला अकादमी अवार्ड सहित दर्जनभर अन्य सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। प्रो. सी. पी. मलिक को प्रतिष्ठित 'बीरबल साहनी पुरस्कार' दिया जा चुका है। डॉ. गुरफान बेग तथा प्रो. एस. एस. गुराया को 'शांति स्वरूप भटनागर सम्मान' से नवाजा जा चुका है। प्रो. माधव हाड़ा को हिंदी के विख्यात 'भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड कलाकार डॉ. प्रेम भंडारी को राजस्थान संगीत नाटक अकादमी तथा राजस्थान उर्दू अकादमी के प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं।

विश्वविद्यालय के शिक्षक रह चुके डॉ. सी. पी. जोशी एवं डॉ. गिरिजा व्यास ने केन्द्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर मंत्री पद का निर्वहन किया है तथा डॉ. सी. पी. जोशी वर्तमान में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष हैं और डॉ. गिरिजा व्यास राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रही हैं। प्रो. मंजू बाघमार विधानसभा सदस्य (2013–18) रही हैं। इसके अतिरिक्त प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. एम. एल. कालरा, प्रो. बी. पी. भटनागर, प्रो. जी. सी. रॉय, प्रो. एम. आर. रॉय, प्रो. भोमित्र देव, प्रो. मधूसूदन शर्मा, प्रो. आई. वी. त्रिवेदी, प्रो. कैलाश सोडाणी, प्रो. विजय श्रीमाली तथा प्रो. बी. एल. चौधरी विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति रहे हैं और प्रो. बी. एल. चौधरी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे हैं। प्रो. एच. डी. कुमार CSIR के एमीरट्स साइंटिस्ट तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों में उच्च पदों पर आसीन रहे हैं। प्रो. एन. एल. हिंगोरानी, डॉ. ओ. पी. चावला तथा डॉ. एस. एन. जैन प्रबंधन एवं व्यवसाय के उच्च संस्थानों में देश–विदेश में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। प्रो. एस. एल. चपलोत भाभा एटोमिक रिसर्च सेन्टर में सेवाएँ दे चुके हैं तो प्रो. आर. एम. जैन एस्टोसेट मिशन के सदस्य रहे हैं। डॉ. एन. गर्ग ने नासा के प्रोजेक्ट 'केमिकल कम्पोजिशन ऑफ लूनर रिगोलिथ' पर कार्य किया है। डॉ. जी. एम. के. मदनानी ने भारत सरकार के ब्यूरो ऑफ इण्डस्ट्रीयल कॉस्ट एवं प्राइज के सीनियर कन्सलटेंट के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। डॉ. एस. एस. एच. रिजवी एवं डॉ. प्रकाश आतुर को क्रमशः राजस्थान उर्दू अकादमी एवं राजस्थान हिंदी साहित्य अकादमी का अध्यक्ष, राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त किया गया। डॉ. रघुबीर सिंह राठौड़ क्रिकेट अंपायर रह चुके हैं। श्री नजमुल हुसैन क्रिकेट प्रशिक्षक रह चुके हैं। डॉ. प्रेम भंडारी भी वालीबॉल खिलाड़ी एवं रैफरी रह चुके हैं।

विश्वविद्यालय–सामाजिक दायित्व निर्वहन

कॉरपोरेट सोशल रेस्पोन्सिबिलिटी की भांति विश्वविद्यालय भी सामाजिक दायित्वों एवं जनहित कार्यों हेतु सदैव तत्पर एवं समर्पित रहा है। सन् 2010 में खेमपुरा तथा सुंदरवास (शहरी) क्षेत्रों में व्यापक साफ–सफाई, स्वच्छता एवं जनजागरुकता के कार्यक्रम संचालित किए गए तो दूसरी ओर सन् 2018 में सुप्रसिद्ध शिव मंदिर उबेश्वरजी में शौचालय का निर्माण करवाया गया। वर्ष 2015 से 2020 के बीच **रघुनाथपुरा, धार, हकधर एवं कैलाशपुरी** गाँवों को गोद लेकर उनमें एनिकट निर्माण, शौचालय निर्माण, सिलाई–बुनाई प्रशिक्षण, सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान और जिला प्रशासन तथा स्थानीय ग्राम पंचायत के मध्य समन्वय कड़ी की भूमिका निर्वाहित कर विश्वविद्यालय ने ग्राम विकास एवं सामाजिक चेतना के कई कार्यक्रम संचालित करवाए हैं।

संस्थागत सहयोग

विश्वविद्यालय ने सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं से आपसी समन्वय एवं सामंजस्य के द्वारा अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य निष्पादित किए हैं। सन् 2011 से सितंबर 2016 तक **भारतीय प्रबंध संस्थान (IIM)**, उदयपुर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित पॉलिमर साइंस भवन में संचालित हुआ है तो दूसरी ओर सन् 2013 से 2016 तक **राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, उदयपुर** (अब गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा) राणा पूंजा छात्रावास में संचालित रहा था।

वर्ष 2018–19 में विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय के एक कोने की भूमि कुम्हारों का भट्टा चौराहा पर रोड़ चौड़ा करने हेतु तथा विश्वविद्यालय के नवीन परिसर की एक किलोमीटर लंबी भूमि कालका माता रोड़ की चौड़ाई बढ़ाने हेतु नगर विकास प्रन्यास (UIT) को व्यापक जनहित में दी गई।

नवम्बर, 2018 में विधानसभा के चुनावों के समय प्रथम बार विश्वविद्यालय का परिसर तथा सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय का भवन जिला प्रशासन द्वारा अधिगृहीत किया गया तथा सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय लगभग एक माह तक रामानुजन छात्रावास (DSW Office) में संचालित हुआ। ऐसा लोकसभा चुनाव (मई, 2019) तथा पंचायती राज चुनाव (नवंबर, 2020) में भी हुआ।

वर्ष 2014–2015 में विश्वविद्यालय एवं राज्य अभिलेखागार, उदयपुर के मध्य हुए अकादमिक समझौते के अंतर्गत अभिलेखागार की उदयपुर इकाई का कार्यालय विश्वविद्यालय के नेहरू हॉस्टल परिसर में संचालित हो रहा है तथा अभिलेखागार की बहुमूल्य 650 प्राचीन पाण्डुलिपियों, बहियों तथा ताम्रपत्रों का अवलोकन एवं अध्ययन कर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शोधार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा उदयपुर पुलिस के साथ आयोजित करवाई गई **'मौताणा' (Blood Money or Death Ransom Custom)** विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (दिनांक 17–18 दिसम्बर, 2012) से प्राप्त सुझावों को विभाग द्वारा राज्य सरकार को नीतिगत इनपुट के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसे राज्य मानवाधिकार आयोग तथा जिला प्रशासन द्वारा न केवल सराहा गया बल्कि यथार्थ में क्रियान्वित भी किया गया।

साथ ही विश्वविद्यालय के संसाधनों में वृद्धि करने में भारत सरकार और राज्य सरकार के कई संगठनों ने विश्वविद्यालय को वित्तीय एवं संस्थागत सहायता की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भौतिक एवं अकादमिक विकास हेतु निरंतर सहायता मिलती रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से 'जनसंख्या अध्ययन केन्द्र' का निर्माण हुआ है। युवा एवं खेल–कूद मंत्रालय के सहयोग से अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इंडोर हॉल विकसित किया गया है तथा पर्यटन मंत्रालय की वित्तीय सहायता से होटल मैनेजमेंट भवन का निर्माण हुआ है जिसके प्रथम तल पर सिंगापुर सरकार के सहयोग से CETT भवन विकसित किया गया है। भारत सरकार के जनजातीय मामले मंत्रालय के द्वारा जनजातीय कन्या छात्रावास का निर्माण किया गया है। स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा, उदयपुर नगर निगम द्वारा विश्वविद्यालय में स्थापित की गई है और डॉ. डी. एस. कोठारी की प्रतिमा नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा बनवाई गई है।

रोटरी क्लब उदयपुर के द्वारा विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड परिसर में खिलाड़ियों को पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु 'प्रो. यून. एन. उपाध्याय स्मृति वाटर कूलर' स्थापित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास

आधुनिक विज्ञान एवं भौतिक विकास की अंधी दौड़ में उत्पन्न हुई पर्यावरणीय चुनौतियों की वैश्विक चिंताओं के परिप्रेक्ष्य में यह विश्वविद्यालय अपनी भूमिका के प्रति सदैव सजग रहा है। इस हेतु विश्वविद्यालय ने अनेक ऐसे समसामयिक प्रयास एवं नवाचार किए हैं जिनसे पर्यावरणीय संरक्षण और सतत विकास को संबल मिलता है।

जन्नत गार्डन

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने श्री मोहनलाल सुखाड़िया की प्रतिमा के समीप ढलाननुमा स्थान पर भूगोल विभाग के पूर्व संकाय सदस्य प्रो. इशाक मोहम्मद कायमखानी द्वारा निजी वित्तीय संसाधनों एवं प्रयासों से एक Herbarium या गार्डन वर्ष 2007–08 में विकसित किया गया जिसमें वे एक दशक में लगभग 15 लाख रुपये व्यय कर चुके हैं। इस गार्डन में छायादार वृक्षों में नीम तथा पाम, श्रृंगार पौधों में चाइनीज पाइनसेटिया, फलदार वृक्षों में आम, शहतूत, अमरुद, रामफल तथा जामुन और पुष्पों में सात रंगों के कमल, गुलाब, लिलि, गेंदा, जरबेरा तथा कारनेशन इत्यादि विश्वविद्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।

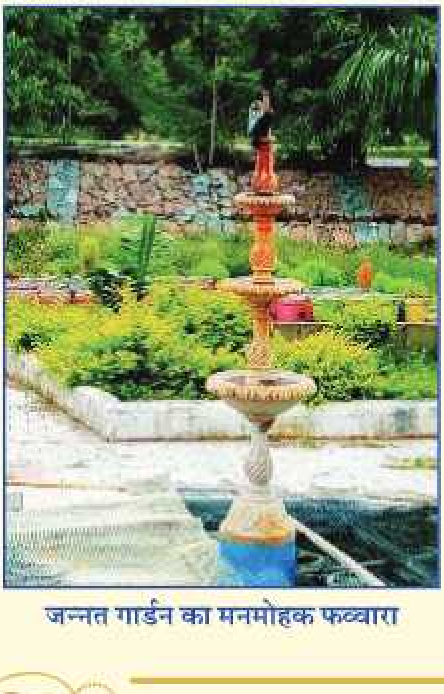

जन्नत गार्डन का मनमोहक फव्वारा

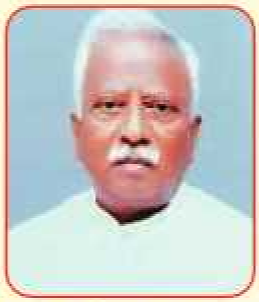

प्रो. इशाक मोहम्मद कायमखानी

सामाजिक वानिकी

विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष मानसून के मौसम में वृक्षारोपण का कार्य करवाया जाता है तथा सभी परिसरों को हरा–भरा बनाया जाता है। संकाय सदस्यों, गैर–शैक्षणिक कार्मिकों, शोधार्थियों और एनसीसी एवं एनएसएस से जुड़े विद्यार्थियों द्वारा सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों की सहायता से निरंतर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए जाते रहे हैं। प्राणिशास्त्र विभाग की पहल पर 'ग्रीन कैंपस : क्लीन कैंपस' तथा 'वन स्टूडेंट : वन प्लांट' मुहिम भी चलाई जा चुकी है।विभाग द्वारा एक वर्मीकमपोस्ट यूनिट भी संचालित की जाती है। वर्ष 2012–13 में विश्वविद्यालय में प्रत्येक शनिवार को 'No Vehicle Day' मनाया जाता था।

विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कार्य

कबाड़ से कलाकृति (Best of Waste)

विश्वविद्यालय का दृश्य कला विभाग देश–विदेश में कला के उन्नयन एवं संरक्षण संबंधी प्रयासों के लिए विख्यात है। तत्कालीन विभागाध्यक्ष प्रो. हेमंत द्विवेदी द्वारा 19–28 फरवरी, 2019 को दस दिवसीय स्क्रेप (Scrap) मूर्तिकार शिविर (Spring) में विश्वविद्यालय में पड़े नाकारा सामान जैसे कुर्सियाँ, पंखे, पाइप, जाल, पतड़े तथा तारों इत्यादि से देशभर से आए दस कलाकारों ने विभाग के विद्यार्थियों की सहायता से सराहनीय एवं मनमोहक कलाकृतियाँ निर्मित कर विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्थापित कर आमजन, कलाकारों तथा मीडिया की दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया और आज इन कलाकृतियों को देखने पर्यटक भी विश्वविद्यालय आते हैं। इस कला शिविर के समानांतर 24–28 फरवरी, 2019 को पांच दिवसीय राष्ट्रीय चित्रकार शिविर भी आयोजित हुआ जिसमें देशभर से आए 40 कलाकारों के सधे हाथों ने आकर्षक, प्रेरक एवं समसामयिक चित्र बनाकर विश्वविद्यालय को सौंपे।

Crow
(Sh. Alay Mistry, Ahmedabad)

Perpetual Motion
(Sh. Arpit, Biloria, Gujarat)

Bezooka
(Sh. Bhupesh Kavadia, Udaipur)

Spring
(Sh. Dinesh Upadhyay, Udaipur)

Hanging Fish
(Sh. Naseem Ahamed)

वीर भोग्या वसुंधरा
(Sh. Hansraj Kumawat, Jaipur)

The Curious
(Sh. Sandeep Paliwal, Udaipur)

Through The Eyes of Mahatma
(Sh. Taheer Merchant, Udaipur)

सौर ऊर्जा उत्पादन

विश्वविद्यालय के लगभग सभी प्रमुख भवनों की छतों पर सन् 2019 में भारत सरकार के लोक उपक्रम 'भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड' के तत्वावधान में उनके द्वारा चयनित प्राइवेट संस्था 'Fourth Partner Energy Pvt. Ltd., Hyderabad' ने सोलर पैनल स्थापित किए थे जिनसे 800 किलोवाट विद्युत उत्पादन होता है। विश्वविद्यालय के विद्युत प्रकोष्ठ के कार्मिक श्री प्रमोद पालीवाल एवं श्री संपत सिंह राव की टीम तथा फोर्थ पार्टनर एनर्जी कम्पनी, ऑनलाइन इस तंत्र की निगरानी करते हैं। इस कंपनी से हुए एमओयू के अनुसार यह कंपनी 25 वर्ष तक इन सोलर पैनल्स तथा उपकरणों का रखरखाव करेगी। इस तंत्र से उत्पन्न विद्युत मुख्य लाइनों में जाती है तथा विश्वविद्यालय को विद्युत बजट में लगभग 1.5 से 2.0 लाख रुपयों की प्रतिमाह बचत होने लगी है। RESCO (Renewable Energy Service Company) Mode पर बने इस Roof Top Power Plant पर विश्वविद्यालय की कोई लागत नहीं आई है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों पर सोलर पैनल

क्रम सं.	भवन	सोलर पैनल से विद्युत उत्पादन क्षमता
A.	**New Campus Unit 1**	
1.	Cafeteria Building	32.5 KW
2.	Biotechnology Building	133.25 KW
3.	UCSSH Building A	32.5 KW
4.	UCSSH Building B	55.25 KW
5.	University Building	46.8 KW
	Total	**300.3 KW**
B.	**New Campus Unit 2**	
1.	F.M.S. Building	84.5 KW
2.	Computer Sc. Building	72.8 KW
3.	Polymer Sc. Building	80.00 KW
4.	UCCSH Library Building	62.7 KW
	Total	**300.00 KW**
C.	**Old Campus**	
1.	Univ. College of Commerce	100 KW
2.	Deendayal Upadhyay Block Sc. College 1	50.00 KW
3.	Deendayal Upadhyay Block Sc. College 2	50.00 KW
	Total	**200.00 KW**
	Grand Total	**800.3 KW**

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय पर लगे सौर ऊर्जा पैनल्स

जल–संरक्षण

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में वर्ष 2018 में जिला प्रशासन द्वारा वर्षा जल को सीधे भूमि में उतारने हेतु Water Recharge Well निर्मित किए गए हैं।

डिजिटल इंडिया

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में परंपरागत शासन–प्रशासन की अपेक्षा कम्प्यूटर एवं इंटरनेट आधारित तकनीकों के माध्यम से अधिसंख्य (यथासंभव) कार्य इलेक्ट्रॉनिक्स स्वरूप में निष्पादित करने हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकारें तेजी से अग्रसर हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय देश के उन चुनिंदा विश्वविद्यालयों में शुमार है जिन्होंने 21वीं सदी के शुरुआत से पूर्व इंटरनेट सुविधाओं का उपयोग करना शुरु कर दिया था।

सन् 2016 से यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पहल के अंतर्गत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने 19 सितंबर, 2017 को NDML (NSDL Data-Base Management Ltd.) से Service Level Agreement करके वर्ष 2015–16 की 61,898, वर्ष 2016–17 की 64,264 तथा वर्ष 2017–18 की 68,429 डिग्रियाँ Digi Locker पर उपलब्ध करवा दी हैं ताकि विद्यार्थी कभी भी (24x7) अपनी डिग्री ले सकें तथा नियोक्ता भी संतुष्टि हेतु डिग्रियों का ऑनलाइन प्रमाणीकरण कर सकें। इससे डिग्री कार्य में कार्यकुशलता, प्रभावशीलता, त्वरितता, विश्वसनीयता, मितव्ययता, पारदर्शिता तथा उपयोगिता में उत्साहजनक अभिवृद्धि हुई है।

प्रो. के. वेणुगोपालन : एक संक्षिप्त परिचय

प्रो. के. वेणुगोपालन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को आधुनिक तथा 21वीं सदी की सूचना प्रौद्योगिकी और गुणवत्तापूर्ण अकादमिक सुधारों के साथ कदमताल करने योग्य बनाने में भौतिकशास्त्री प्रो. के. वेणुगोपालन की भूमिका बहुत उल्लेखनीय रही है। दिनांक 21 नवंबर, 1956 को केरल के मक्कड़ (कालीकट) में जन्मे प्रो. वेणुगोपालन ने बी. एससी. एवं एम. एससी. कालीकट विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की तथा पीएच. डी. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से सन् 1985 में पूरी की।

सहकर्मियों में 'वी. जी. सर' तथा 'वेणु सर' के नाम से लोकप्रिय प्रो. के. वेणुगोपालन ने विश्वविद्यालय में कई महत्त्वपूर्ण पदों यथा– डीन, पी. जी. स्टडीज, अधिष्ठाता, विज्ञान महाविद्यालय, निदेशक, कंप्यूटर सेंटर, पाठ्यक्रम निदेशक, प्रभारी, परीक्षा परिणाम, विभागाध्यक्ष, भौतिकशास्त्र इत्यादि को सुशोभित किया है। आपके अथक प्रयासों के सुपरिणामों में विश्वविद्यालय में इंटरनेट, संचार तंत्र, कंप्यूटर प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित विषय, उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोडिंग, आधुनिक पाठ्यक्रमों की रचना, नैक प्रत्यायन, न्यूक्लियर स्पेक्ट्रोस्कॉपी परीक्षण सुविधा प्रसार, सेमेस्टर पाठ्यक्रम निर्माण, अकादमिक सुधार तथा बहुविकल्पीय प्रश्नों की ऑनलाइन परीक्षा मॉड्यूल निर्माण इत्यादि सम्मिलित हैं।

प्रतिदिन विश्वविद्यालय को लगभग 15 घंटे समर्पित करने वाले प्रो. के. वेणुगोपालन ने सन् 2010 से 2015 के मध्य PC PMT, BSTC, Gr.III Teachers भर्ती, RIICO, देवस्थान तथा खनिज विभाग इत्यादि हेतु प्रतियोगी परीक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित करवा के न केवल विश्वविद्यालय की साख में वृद्धि की बल्कि इससे विश्वविद्यालय के वित्तीय संसाधनों में लगभग 30 करोड़ रुपयों की बढ़ोतरी भी हुई। हँसमुख, मृदु तथा मिलनसार 'वेणु सर' 23 अगस्त, 2016 को हमसे विदा लेकर महाप्रयाण कर गए। विश्वविद्यालय परिवार उनकी अद्भुत, अविस्मरणीय तथा अतुलनीय सेवाओं के लिए सदैव ऋणी रहेगा।

इंटरनेट और ऑनलाइन सुविधाएँ

इस विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही टेलीफोन सुविधा उपलब्ध थी किंतु आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का प्रवेश विगत सदी के अंतिम दशक में उल्लेखनीय ढंग से हुआ। अस्सी के दशक में पहला कम्प्यूटर भौतिक शास्त्र विभाग में खरीदा गया तथा सन् 1985 में कम्प्यूटर साइंस एक विषय के रूप में बी.एससी. के पाठ्यक्रम के रूप में सम्मिलित हुआ। पहले से कार्यरत टेलिफोन एक्सचेंज को तत्कालीन कुलपति प्रो. आर. के. राय ने प्रो. के. वेणुगोपालन के सहयोग से वर्ष 1994–95 में आधुनिक स्वरूप प्रदान किया तथा नवीन परिसर के प्रशासनिक भवन में 16 जनवरी, 1995 को उन्होंने कम्प्यूटर आधारित टेलिफोन एक्सचेंज 'संगणक एवं दूरसंचार सुविधा' का उद्घाटन किया। सन् 1998 में प्रो. के. वेणुगोपालन के अथक परिश्रम से इंटरनेट सुविधा शुरु हुई तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mlsu.ac.in विकसित की गई। फरवरी, 2021 में प्रत्येक विभाग एवं इकाई को इस वेबसाईट पर पृथक् पेज बनाने की सुविधा दी गई।

I.U.M.S.

I.U.M.S. या Integrated University Management System सन् 2015 से प्रवर्तित वह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो इंटरनेट पोर्टल सुविधा के माध्यम से कई प्रकार की सुविधाएँ देता है। भारत सरकार के लोक उपक्रम ITI Ltd., New Delhi के साथ हुए समझौते (14 मार्च,2015) के द्वारा निर्धारित दरों पर (विश्वविद्यालय के द्वारा देय) निम्नांकित सुविधाएँ विद्यार्थियों, कार्मिकों तथा सुविधाभोगियों को दी गई हैं–

1. संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया
2. परीक्षा परिणाम
3. महाविद्यालयों की संबद्धता

10. अतिथि गृह प्रबंधन
11. एल्यूमिनाई संघ
12. दीक्षांत समारोह प्रबंधन

4. विद्यार्थी स्वयं सहायता
5. शुल्क प्रबंधन
6. बजट प्रबंधन
7. संस्थापना कार्य
8. वेतन रॉल
9. छात्रावास प्रबंधन
13. कार्यालय प्रबंधन
14. फाइल प्रबंधन
15. पत्र मूवमेंट प्रबंधन
16. पेंशन एवं जीपीएफ
17. सूचना का अधिकार आवेदन प्रबंधन

I.U.M.S. से पूर्व ही सन् 2001 से विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा एवं प्रवेश कार्य होने लग गया था किंतु इस हेतु अलग–अलग निजी कम्पनियों या फर्मों को ठेका दिया जाता था जो अब एक ही कम्पनी को एकीकृत कर दिया गया है।

हेल्प लाईन

सन् 2016 से विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रवेश, परीक्षा, परिणाम तथा अन्य परिवेदनाओं के निस्तारण इत्यादि में सहायता देने हेतु एक 'हेल्प लाईन' संचालित की जा रही है। एक निजी फर्म के माध्यम से यह कार्य दूरभाष अथवा प्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से संपन्न करवाया जा रहा है। सन् 2020 से विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट पर 'ask me' के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी पूछताछ एक इलेक्ट्रॉनिक लिखित संदेश के माध्यम से भेज सकता है।

M.o.U

विश्वविद्यालय ने शोध कार्यों में गुणवत्ता तथा संस्थागत सहयोग बढ़ाने हेतु निम्नांकित संस्थाओं से एम. ओ. यू. किए हैं–

1. Physical Research Laboratory, Ahmedabad
2. BIMTECH, Greater Noida
3. Jaipuria Institute of Management Studies, Noida
4. IIMT, Meerut
5. IITM, Pune
6. EMPI Business School, New Delhi
7. Dept. of Community Medicine, AIIMS, Jodhpur.
8. ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय
9. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

संसाधन गतिशीलन

केन्द्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त वित्तीय अनुदान तथा अन्य प्रयासों से विश्वविद्यालय का आधारभूत ढाँचा सुदृढ़ हुआ है। आज विश्वविद्यालय के पास निम्नांकित सुविधाएँ हैं–

1. पर्सनल कम्प्यूटर्स = 760
2. लेपटॉप = 59
3. एल. सी. डी. एवं प्रोजेक्टर्स = 81
4. पोडियम = 40
5. प्रिन्टर्स एवं स्कैनर्स = 108
6. फोटोकॉपी मशीन = 18
7. लैन (LAN) सुविधा सहित कक्ष = 277
8. स्मार्ट कक्षा कक्ष = 21
9. स्मार्ट बोर्ड = 18
10. सेमिनार हॉल = 21
11. कक्षा कक्ष = 139
12. सी. सी. टी. वी. = 332

सुसज्जित जी. आई. एस. लैब (भूगोल विभाग)

विश्वविद्यालय को अनेक अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय प्रशासनिक एवं शोध संगठनों से विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता मिलती रही है। भू–विज्ञान विभाग को वर्ष 1990–95 के दौरान COSIST (Committee on Strengthening of Infrastructure in Science and Technology) के तहत अनुदान प्राप्त हुआ तो भौतिक शास्त्र विभाग को सन् 1987 से 1999 के दौरान UGC-DRS के तीन चरणों में वित्तीय सहायता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त हुई। इसी तरह वनस्पति शास्त्र एवं प्राणिशास्त्र विभाग को भी DRSesa दो चरणों की सहायता मिली है।

विश्वविद्यालय में जैन एवं प्राकृत विभाग प्रारंभ करने हेतु श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ बीकानेर ने 2 लाख रुपये तथा 1 लाख रुपये राज्य सरकार ने प्रदान किए। डॉ. कुलदीप शर्मा को DST - Young Scientist Project मिल चुका है। डॉ. सिद्धार्थ शर्मा की DST - Inspire Faculty Award के अंतर्गत शोध परियोजना स्वीकृत हुई है। भूगोल विभाग के प्रो. पी. आर. व्यास के द्वारा वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 में रूसा 1.0 एवं 2.0 में ली गई परियोजनाओं के अंतर्गत Gender Atlas of Rajasthan तैयार किए गए हैं। प्रो. बी. एल. आहूजा (20 प्रोजेक्ट्स) सहित अन्य संकाय सदस्यों को मिले रिसर्च प्रोजेक्ट्स (UGC,DST, ISRO, ICSSR etc.) से प्रयोगशाला उपकरणों तथा आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय ने विगत तीन दशकों से राज्य की अनेक बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित करा के न केवल अपने संसाधनों में वृद्धि की है बल्कि अपनी प्रशासनिक क्षमता का भी लोहा मनवाया है। इन परीक्षाओं में पी. एम. टी., पी. ई. टी., बी. एस. टी. सी., ग्रेड थर्ड टीचर्स परीक्षा, खनन विभाग, देवस्थान तथा रीको की भर्ती परीक्षा इत्यादि कुछ उदाहरण हैं।

रूसा

Prof. Kanika Sharma

Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan (RUSA)

RUSA is a holistic scheme for the development of higher education in India, initated in 2013. MLSU, having a 'A' grade by NAAC it was chosen as a beneficiary institution by MHRD and in the year 2015-16 and received Rs. 20.00 Crore under Component-3 of Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan-1 (RUSA-1), from MHRD, GOI and State Project Directorate, Rajasthan for infrastructure development. The focus of the entire programme was to take a step towards making Mohanlal Sukhadia University a seat of higher learning and quality teaching. The grant was utilized to improve the existing infrastructure, augment the library and laboratory resources, and improve student facilities, playgrounds etc. so as to create a better environment for imparting knowledge and doing quality research. Under this scheme various new buildings such as laboratories for Science, Geography, Geology, Visual Arts, Music and Psychology Departments, ICT enabled class rooms, student facilities, Seminar rooms, Moot Court, E-campus facilities were created. The student hostels, basket ball court, guest House, university administrative office, auditorium, UG and PG laboratories, cafeteria, water harvesting system etc. were given a facelift. Efforts were made to create ICT facilities in all departments and a large number of books, laboratory equipments, E-Resources, computers and accessories, LCD projectors, interactive boards and podium, visualizers, biometric machines, CCTV cameras were purchased to augment the teaching and learning resources. In order to improve the soft skills of students, Language & Communication Skill Labs were established in both campuses. To motivate students to perform better in sports, sports items such as archery set, air rifles and pistols, kayak & canoe set, gymnastic set, boxing equipments etc. were also purchased.

In the year 2020-21 Mohanlal Sukhadia University received Rs. 50.00 Crore under Component-10 of Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan-2 (RUSA-2). This grant has been provided for the establishment of Entrepreneurship,

Innovation and Career Hub and for Research and Innovation Projects of the Faculty. Under the Career Hub, a variety of centres, skill based certificates, diploma courses and training workshops will be started to strengthen value addition, entrepreneurship related business and employment understanding among the students. Training of practical and communication skills will be provided by the finishing school and placement cell. Along with urban students, students of rural and tribal areas of South Rajasthan will also be trained. The 56 R and I projects are mainly related to social, Environmental and academic issues of South Rajasthan such as capacity building and livelihood security, legal rights of women, impact of MGNREGA, tribal folklore and literature, smart village initiatives, prediction model for road accidents, Electoral Information System, Protection of Cultural heritage, Contribution of Mass Communication to Socio-Economic Development, Pesticide Resistance, Causes of Suicide, Gender Discrimination, Tribal Adolescent Mother Care, Marble Slurry Soil Rejuvenation, Pesticide Residues in Consumables, Ground Water Assessment of quality, use of traditional medicinal plants, E-learning platform, Drug designing, Geological and Geotechnical studies, Library automation, Development and optimization of Block chain accounting, Magnetic configuration profiles, Energy conversion and storage materials, Stationary and High efficiency solar cell device etc.

The following Centres are being established under the Entrepreneurship and Career Hub:

1. Entrepreneurship and skill development centre in Bioprocess and Biotechnics.
2. Incubation Center and Technical Solution Hub.
3. Centre for Innovation and Entrepreneurship for Exploring Public Health Skills in the Tribal belt of Rajasthan.
4. Centre for Vermiculture Biotechnology and Mushroom Farming.
5. Centre for Geospatial technology.
6. Entrepreneurship and Small Businesses Skill Development Centre.
7. Digital Marketing Career Hub Lab.
8. Communication Skill Centre in English and Foreign Language.
9. Skill Development Centre for Visual Arts.

Along with these several short term diploma courses and some training workshops on Cognitive Behavioral Therapy, Art Therapy, Emotional Freedom Technique (EFT) practitioner, Clinical Hypnotherapy Importance of overall Health through Meditation, Eye movement, Desensitisation reprocessing, Energetic healing techniques (as treatment of wellness and diseases, Intensive clinical training in Psychological testing, Research method and SPSS etc. will also be conducted.

The University hopes to make a mark in the academic echelons and become a global entity and the grants received from MHRD, GOI and State Project Directorate, Rajasthan will go a long way in making this dream come true.

नैतिक मूल्य एवं सांस्कृतिक संवर्द्धन

विश्वविद्यालय द्वारा नैतिक मूल्यों के संवर्द्धन तथा सांस्कृतिक परम्पराओं को अक्षुण्ण रखने के निरंतर प्रयास हुए हैं।

विश्वविद्यालय आनन्द एवं आरोग्य केन्द्र के अंतर्गत गीता स्वाध्याय

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को दृष्टिगत रखते हुए आनंद एवं आरोग्य केंद्र की स्थापना की गई। यह केंद्र विश्वविद्यालय क्रीडामंडल के अंतर्गत योग–केन्द्र में संचालित किया गया। केंद्र का उद्घाटन दिनांक 12 जुलाई, 2017 में को तत्कालीन कुलपति प्रो. जे.पी. शर्मा द्वारा किया गया।

केंद्र में विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा उदयपुर शहर के नागरिकों के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा और जीवन–दर्शन के आधारभूत शास्त्रों के स्वाध्याय द्वारा आनंद–विस्तार का संकल्प किया गया। इस दृष्टि से सर्वप्रथम श्रीमद्भगवद्गीता पर प्रतिसप्ताह धारावाहिक व्याख्यान 'गीता–सञ्जीवनी' आयोजित किए गए। दो वर्षों तक प्रत्येक बुधवार को सायंकाल 5:00 बजे प्रो. नीरज शर्मा ने श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों पर क्रमशः श्लोकानुसार प्रवचन किया। गीता पर शताधिक घण्टों के मार्मिक व्याख्यान विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किए जाते रहे। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस तरह का

यह अनन्य प्रकल्प था। देश के अकादमिक जगत में 'बेस्ट प्रेक्टीसेज' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के ये गीता व्याख्यान खूब चर्चित और प्रशंसित हुए। केन्द्र ने वेदव्यासजयंती, गीताजयंती आदि अनेक आयोजन भी किए जिनमें विश्वविद्यालय तथा शहर के नागरिकों की अच्छी सहभागिता रही।

2020 में आनंद एवं आरोग्य केंद्र को विश्वविद्यालय क्रीडामंडल से अलग करके स्वतंत्र केंद्र के रूप में स्थापित किया गया जो कि वर्तमान में विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के एंप्लॉयमेंट ब्यूरो परिसर में संचालित किया जा रहा है।

गीता स्वाध्याय साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रवचन देते प्रो. नीरज शर्मा

आनन्दम्

वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में आनंदम् पाठ्यक्रम को लागू करने के निर्देश प्रदान किए। यह प्रायोगिक पाठ्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक क्रेडिट कोर्स के रूप में लागू किया गया। इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों के चरित्र एवं व्यवहार में मैत्री, करुणा, सदाशयता, सहृदयता, सहयोग, सकारात्मकता, सृजनात्मकता आदि श्रेष्ठ मूल्यों की स्थापना संकल्पित है। वस्तुतः आनंद हमारी स्वाभाविक स्थिति है जो हमारे स्वाभाविक मानवीय व्यवहार पर ही निर्भर करती है। व्यक्ति, वस्तु–पदार्थ, घटना–परिस्थिति की अनुकूलता से उत्पन्न और उस पर निर्भर खुशी तथा आनन्द सीमित और अल्पकालीन होता है जबकि सद्व्यवहार, सत्कर्म, सहयोग, करुणा आदि मूल्यों से उत्पन्न खुशी या बाँटने का सुखानुभव–आनन्दानुभव असीमित और निरन्तर होता है। इस निरन्तर या सतत प्रसन्नता के भाव को जाग्रत रखने के लिए ही आनन्दम् पाठ्यक्रम की योजना बनाई गई है। सेमेस्टर योजना में 50 अंक अथवा दो क्रेडिट तथा वार्षिक योजना में यह 100 अंक का अनिवार्य पाठ्यक्रम है जिसमें छात्र के व्यक्तिगत एवं सामूहिक सेवा कार्य के प्रदर्शन का निरीक्षण तथा आकलन किया जाता है। व्यक्तिगत कार्य के अंतर्गत छात्र प्रतिदिन कुछ ना कुछ अच्छाई या भलाई का काम करते हुए उसे अपनी आनंदम् दैनन्दिनी में अंकित करते हैं तथा सामूहिक कार्य के अंतर्गत छात्रसमूह किसी सामुदायिक समस्या को पहचान कर उसके समाधान के लिए मिलकर कार्य करते हैं। इसके लिए छात्र समूह अपने मेंटर से मदद ले सकते हैं तथा समस्या समाधान के लिए सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय भी कर सकते हैं। सामूहिक तथा सामुदायिक सेवा कार्य के द्वारा छात्रों में पारस्परिक समन्वय, संवाद, संपर्क, योग्यता आदि का विकास होता है तथा उनमें नेतृत्व की क्षमता भी विकसित होती है।

विश्वविद्यालय की आनंदम् पाठ्यक्रम योजना के प्रथम समन्वयक प्रोफेसर संजय लोढ़ा रहे जिनके सेवानिवृत्त होने के उपरांत आनंद एवं आरोग्य केंद्र के निदेशक प्रोफेसर नीरज शर्मा को यह प्रभार दिया गया। विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की बैठक दिनांक 14.09.2020 के प्रस्ताव संख्या एस/3 के द्वारा आनंदम् पाठ्यक्रम को स्वीकृत एवं अनुशंसित किया गया ।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों, संघटक तथा संबद्ध महाविद्यालयों में आनंदम् पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समुचित कदम उठाए गए। सर्वप्रथम 27 नवम्बर, 2020 को 'आनंदम् अभिविन्यास' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी संबद्ध महाविद्यालयों की ऑनलाइन सहभागिता रही। इसी कार्यक्रम के अनुसरण में 7 दिसंबर, 2020 को 'आनंदम् दिवस' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंटआबू तथा गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा भी सहभागी रहे। कार्यक्रम में उदयपुर, सिरोही, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़ आदि जिलों के सैकड़ों महाविद्यालय ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़े। इसमें प्रदेश के उच्चशिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी मुख्य

अतिथि रहे। 25 दिसंबर, 2020 को श्रीकल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, निंबाहेड़ा, शांतिपीठ, उदयपुर तथा पाथ टू आनन्दम्, डेनविल, केलिफोर्निया, यूएसए के संयुक्त तत्त्वावधान में 'आनन्दमार्ग– गीता' विषय पर अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 18 फरवरी, 2021 को आनंदम् प्रशिक्षण कार्यशाला 'आनंदप्रवाह' का आयोजन किया गया जिसमें उच्च शिक्षा सचिव डॉ. शुचि शर्मा मुख्य अतिथि रही।

आनन्दम् का प्रतीक चिह्न दिनांक 26.02.2021 को शासन सचिव, उच्च, तकनीकी एवं संस्कृत शिक्षा, राजस्थान सरकार श्रीमती शुचि शर्मा द्वारा विभागीय समारोह में जारी किया गया जिसमें मैत्री, करुणा, सहृदयम् तथा सृजनम् मुख्य लक्ष्य हैं।

संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों का प्रसार

27वें दीक्षांत समारोह (21 दिसम्बर, 2019) के दौरान प्रथम बार माननीय कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की पहल पर सभागार में उपस्थित सभी व्यक्तियों द्वारा संविधान की उदेद्शिका एवं मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया गया। वर्ष 2020 से विश्वविद्यालय के प्रत्येक अकादमिक कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलपति इसका वाचन करते हैं ताकि सभी को अपने संविधान पर गर्व हो और सद्कर्म की प्रेरणा मिले।

108 फीट का राष्ट्रीय ध्वज

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सम्मुख 108 फीट का राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) शान से लहराता है। यह ध्वज उदयपुर शहर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट के बाद दूसरा ऐसा ध्वज है जिसकी ऊँचाई 108 फीट है। वर्ष 2017–18 के केन्द्रीय छात्रसंघ के अध्यक्ष के पत्र पर इस ध्वज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. एस. के. कटारिया, श्री ए. एस. खान (विश्वविद्यालय अभियंता) तथा श्री भवानी शंकर बोरीवाल (केन्द्रीय छात्रसंघ अध्यक्ष) की एक समिति गठित की थी। समिति की अनुशंसा पर B.S.N.L. की इंजीनियरिंग विंग से लगभग 11 लाख रुपये में ये मेकेनाइज्ड राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करवाया गया तथा 15 अगस्त, 2018 को तत्कालीन कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा ने ध्वजारोहण कर गगन शोभा में वृद्धि की।

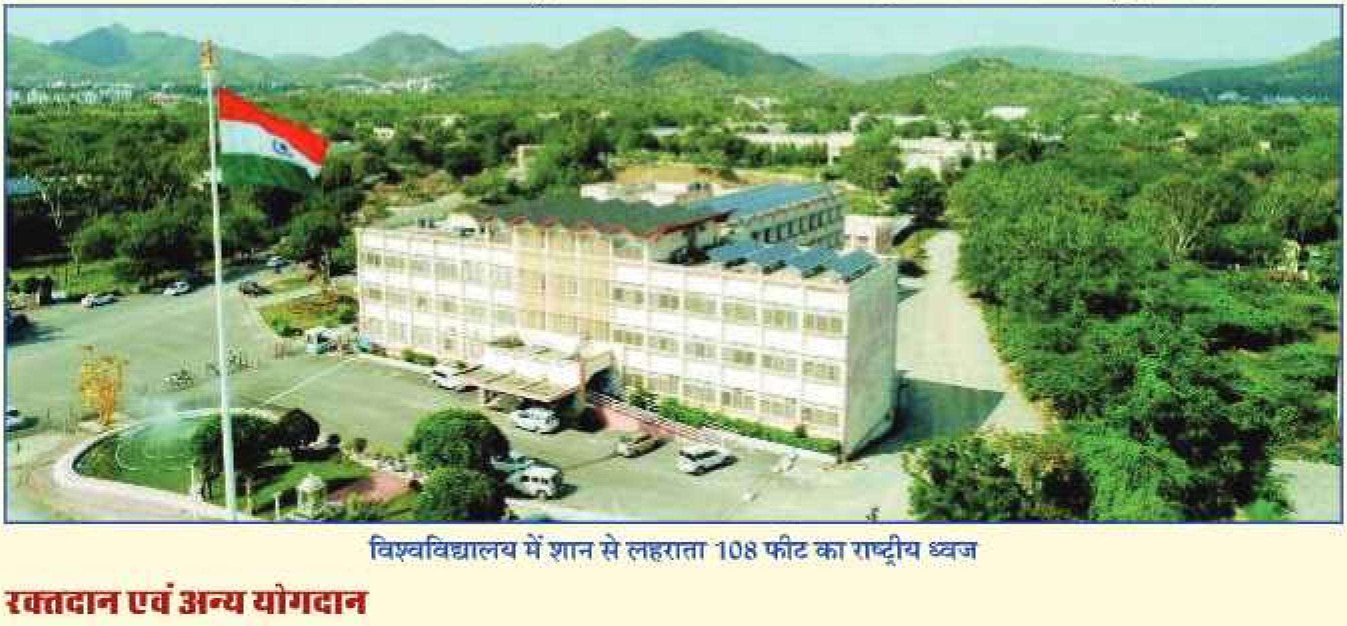

विश्वविद्यालय में शान से लहराता 108 फीट का राष्ट्रीय ध्वज

रक्तदान एवं अन्य योगदान

विश्वविद्यालय में स्थापना काल के प्रारम्भ से ही आवश्यकता पड़ने पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। सन् 1999 से छात्रसंघ की पहल पर प्रतिवर्ष नियमित रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। सन् 1962 में भारत–चीन युद्ध के समय विश्वविद्यालय के समस्त कार्मिकों ने एक दिन का वेतन रु. 8439.89 राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में दिया था तथा राजस्थान पशु चिकित्सा एवं

पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के कार्मिकों ने दो सोने की अंगूठी, 5 सोने के मेडल तथा 4 चाँदी के मेडल भी दिए थे। कालान्तर में राष्ट्रीय आपदा या संकट के समय हर बार विश्वविद्यालय ने अपना सामाजिक दायित्व निर्वाहित किया है।

युवा विकास

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रवेश पाने वाले किशोर अपनी डिग्री प्राप्ति तक युवा के रूप में परिपक्व हो चुके होते हैं। इस अध्ययन अवधि में उनके व्यक्तित्व को उत्तरदायी नागरिक के रूप में ढालने हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं की महती भूमिका रहती है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने सदैव अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु सतत प्रयास किए हैं। प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस पर पुरस्कृत करने तथा उन्हें प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु थ्री टीयर ए. सी. यात्रा सुविधा देने में यह विश्वविद्यालय अग्रणी है।

एनसीसी

राष्ट्रीय कैडेट कोर योजना के अंतर्गत तत्कालीन एम. बी. कॉलेज को सन् 1950 में 54 कैडे्टस से युक्त एक प्लाटून स्वीकृत की गई थी। एन. सी. सी. एयर विंग ने वर्ष 1977–78, 1978–79 तथा सन् 2000 में अखिल भारतीय स्तर पर ग्लाइडिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा प्रधानमंत्री के हाथों पुरस्कृत हुई। विश्वविद्यालय की एन. सी. सी. नेवल विंग ने विगत दशक में निरंतर सराहनीय प्रदर्शन किया है। ले. डॉ. अजित कुमार भाबोर के नेतृत्व में सन् 2014 में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में तीन मेडल, सन् 2015 में भी 3 मेडल तथा सर्वश्रेष्ठ ए. एन. ओ. और सन् 2016 एवं 2018 में भारत भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एनएसएस

विगत सदी के नवें दशक में (1986–87) वाणिज्य प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के 15 विद्यार्थियों ने मई माह में उदयपुर से दिल्ली तथा वापसी साइकिल द्वारा 'शांति सद्भावना यात्रा' कर समाज को प्रेरक संदेश दिया।

विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी विनीता भंडारी एवं विंजा राम सोलंकी भारत–चाईना यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित हो चुके हैं तो दूसरी ओर उमा कृष्णावत को खेलकूद में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

रेड रिबन क्लब

विश्वविद्यालय में सन् 2020 में डॉ. पी. एस. राजपूत के निर्देशन में 'रेड रिबन क्लब' गठित किया गया तथा 18 फरवरी, 2021 को Red Ribbon Club के तत्त्वाधान में प्रथम आमुखीकरण संगोष्ठी हुई। विगत सदी के नब्बे के दशक से एचआईवी/एड्स के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने हेतु और शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों में स्वास्थ्य चेतना, रक्तदान एवं समाज सेवा की प्रेरणा हेतु यह अभियान भारत सरकार के संगठन नाको (NACO) के द्वारा प्रायोजित है।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य, बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता,
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छः विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51क, मूल कर्तव्यः–भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह–

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को ह्रदय में सँजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव है, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) जो माता–पिता या संरक्षक है, छः वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

रोजगार सहायता

विश्वविद्यालय में अक्टूबर, 1972 से 'Employment Information and Career Guidance Bureau' कार्यरत रहा है तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने हेतु 'Competitive Examination Centre' भी दो दशक तक कार्यरत रहा है जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विद्यार्थियों को मार्गदर्शन एवं यथावश्यक शिक्षण प्रदान करता था। विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष एकाधिक बार निजी कंपनियों से संवाद करके विश्वविद्यालय कैंपस में प्लेसमेंट शिविर आयोजित किए जाते है। सन् 2018 में फिनिशिंग स्कूल की स्थापना की गई जो डिग्री प्राप्ति और रोजगार प्राप्ति के बीच के अंतराल को मिटाते हुए ऐसा कौशल युवाओं में विकसित करता है जो उन्हें न केवल रोजगार योग्य बनाता है बल्कि उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि करता है।

खेलकूद

विश्वविद्यालय के प्रतिभावान खिलाड़ियों द्वारा अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में वर्ष 1987–88 से 2019–20 तक 88 पदक जीते गए हैं जो मुख्यतः मुक्केबाजी, तैराकी, योगासन, शक्तितोलन, एथेलेटिक्स, कयाकिंग, जिमनास्टिक, तीरंदाजी इत्यादि में हैं। इनमें श्री सांडे लाउस ओमा (1933–94, 1994–95 एवं 1995–96 मुक्केबाजी), श्री रमेश चौधरी (1994–95 मुक्केबाजी), श्री मोहम्मद अली (1999–20 मुक्केबाजी), श्री मुकेश डामोर (2009–10 तीरंदाजी), सुश्री विनीशा जोशी (2010–11 मुक्केबाजी), श्री सुरेन्द्र कुमार (2015–16 एथलेटिक्स), सुश्री सोनल सुखवाल (2019–20), सुश्री भावना साहू (2019–20 किक बॉक्सिंग), श्री नितिन बिष्ट, श्री रुद्रप्रताप सिंह, श्री अजय साहू, श्री महर्षि भटनागर, श्री सोनू यादव, श्री रविन्द्र जांगिड़ (सभी 2019–20 कयाकिंग) द्वारा प्राप्त स्वर्ण पदक उल्लेखनीय हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय राज्य में ऐसा प्रथम विश्वविद्यालय है जहाँ 'योग केन्द्र' की स्थापना सबसे पहले की गई थी और डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान (समन्वयक, योग केन्द्र) को योग प्रशिक्षक का विधिवत् प्रशिक्षण दिलवाया गया था।

सांस्कृतिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियाँ

वर्ष 2007–08 में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी श्री चिराग धरमावत ने पश्चिम क्षेत्र अन्तरविश्वविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता कविता पाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया तो ऐसे ही आयोजन में वर्ष 2017–18 में कु. नीलम पटेल ने स्पॉट फोटोग्राफी में तथा कु. सुमित्रा कश्यप ने रंगोली में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य अवसरों पर भी विद्यार्थिगण कीर्ति पताका फहराते रहे हैं। अंग्रेजी विभाग द्वारा सन् 1979 से निरन्तर प्रतिवर्ष 'नियाज अहमद अन्तरविश्वविद्यालयी वाद–विवाद प्रतियोगिता' आयोजित करायी जाती है।

विश्वविद्यालय में केन्द्रीय छात्रसंघ तथा महाविद्यालय स्तर के छात्रसंघ पदाधिकारियों द्वारा प्रतिवर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम, वार्षिक समारोह (Annual Function) फ्रेशर्स पार्टी, पिकनिक, स्टडी विजिट, डांडिया, गणेश महोत्सव तथा अन्य कई प्रकार के अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राष्ट्र एवं समाज की आवश्यकता या संकट के समय भी विद्यार्थिवर्ग जनजागरुकता तथा सहयोग संबंधी अभियान चलाते रहे हैं।

Finishing School and Placement Cell

Prof. Anil Kothari, Coordinator

Dr. Sachin Gupta, Asstt. Coordinator

Finishing School and Placement Cell, Mohanlal Sukhadia University is Rajasthan's first Finishing School which was started from the academic session 2018-19, under the guidance of Hon'ble Vice Chancellor, Prof J.P.Sharma. It was constituted to bridge the gap between campus to corporate for the students.

In the year 2018-19 the Finishing School and Placement Cell signed on the MOU with schoolguru to facilitate students' placement opportunities in the year 2018-19. Prof. Anil Kothari, Coordinator of the Finishing School and Placement Cell, aims to groom and develop industry-ready candidates and motivate students to develop technical knowledge and soft skills in terms of career planning & goal setting.

Finishing School and Placement Cell is an integral part of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur. It facilitates the process of placement of students passing out from the University while collaborating with leading organizations in setting up internship programs and placement for the students. The Cell also provides infrastructural facilities to conduct pre-placement talks, online and written aptitude tests, group discussions, interviews as well as for catering to the hospitality of industry officials while on campus.

The Finishing School and Placement Cell plays a crucial role in locating job opportunities for Under Graduates and Post Graduates passing out, from the University by keeping in touch with reputed firms and industrial establishments. The number of students placed through the campus interviews is continuously rising. On invitation, many reputed industries have regularly visited the institute to conduct interviews for placement.

We have been successful in maintaining our high placement statistics over the last two years and the fact that our students bear the recession blues with record breaking placements is itself a testimony to our caliber.

The Finishing School and Placement Cell organizes career guidance programmes for all the students beginning from the first year. The Cell arranges training programmes like **Mock Interviews, Group Discussions, Seminars and Communication Skills Workshop etc.** It also invites HR Managers from different industries to conduct training programmes for final year students.

Objectives

- To bridge the gap between campus to corporate for the students.
- To guide students in developing their skills, aptitude and knowledge required to achieve their career objectives.
- Pacing with the focus on providing professional training, especially designed to inculcate corporate etiquettes in the students.
- To foster new energy among budding managers and to guide them on the path of success.

Career Development Programs organized

For accomplishing the objectives of Finishing School and Placement Cell we have organized various activities time to time. Some of these activities are -

- Entrepreneurship Development Programme
- International Financing Reporting Standards (IFRS)
- Understanding Business Analytics Using R
- Stock Market Internship Programmes

Anandam, 2020 A National Webinar

The Finishing School and Placement Cell & Department of Tourism and Hotel Management, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur organized a one day International Webinar on ''असफलता से सफलता की ओर'' How to re-engineer your life towards success related to ANANDAM on 07 December, 2020. Many Students and Faculty members were involved through the live telecast through University's own satellite channel.

Webinar Series: Campus to Corporate

The list of webinars organized by the Finishing School and Placement Cell is mentioned below.

Title	Event Date
National Webinar on Job Interviews/ Startups Perspectives during uncertain Times	9 June, 2020
Corporate Mannerism	13 June, 2020
Online Group Discussion & Interview skills	20 June, 2020
Positivity in Life	26 June, 2020
The Event Industry in the 'New Normal'	04 July, 2020
"IQ or EQ?" Mantras for Success	11 July, 2020
Placement Opportunities in Covid-19 Scenario	18 July, 2020
Understanding Business Analytics Using R	22-28 July, 2020
Safalta ke Mantra	25 July, 2020
Positive Attitude	08 August, 2020
Discipline and Time Management	29 August,2020
Economic and Sectoral Challenges and Opportunities from Artificial Intelligence: The Roadmap for India to Embark upon	06 October,2020
Reimagining and Fostering Entrepreneurship in Education-NEP 2020: Opening Avenues to Aatmanirbhar Bharat	11 November, 2020
The Building Blocks for Successful Professional Life	03 December,2020

6 प्रगति पथ पर बढ़ते अभिनव कदम (Moving Towards The New Horizon)

डॉ. नवीन नंदवाना

"लोग चाहे मुट्ठी भर हों, लेकिन संकल्पवान हों, अपने लक्ष्य में दृढ आस्था हो, वे इतिहास को भी बदल सकते हैं।"

महात्मा गाँधी

विश्वविद्यालय में प्रो. अमेरिका सिंह का कुलपति के रूप में आगमन विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रगति पथ पर एक अभिनव कदम सिद्ध हुआ। आपके कुलपति के रूप में कार्यग्रहण से पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति का दायित्व कार्यवाहक कुलपति निभा रहे थे। इससे दैनंदिन कार्य तो विधिवत रूप से संपादित हो रहे थे किंतु कई नीतिगत निर्णयों एवं नवीन गतिविधियों के संपादन का कार्य उचित गति से नहीं हो पा रहा था। महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमान कलराज मिश्र जी ने दिनांक 20 जुलाई, 2020 को प्रो. अमेरिका सिंह के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति होने के आदेश जारी किए। तत्पश्चात् आपने दिनांक 22 जुलाई, 2020 को विश्वविद्यालय के कुलपति पद का दायित्व ग्रहण किया।

प्रो. अमेरिका सिंह का सुखाड़िया विश्वविद्यालय का कुलपति बनना इस विश्वविद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय सिद्ध हुआ। आपकी सकारात्मक दृष्टि, नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा, कुशल नेतृत्व एवं समावेशी प्रवृत्ति के कारण विश्वविद्यालय में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। विश्वविद्यालय का विभिन्न राज्यीय विश्वविद्यालयों में अग्रणी नाम तो पहले से ही था किंतु आपके कुशल नेतृत्व और अभिनव कार्यशैली ने इसमें और भी चार चाँद लगा दिए। विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण के साथ ही यहाँ के भौतिक एवं अकादमिक ढाँचे को समझने और उसके साथ बेहतर तालमेल से प्रगति पथ पर बढ़ने की यात्रा आरंभ करवाने में माननीय कुलपति ने जरा भी विलंब नहीं किया। आपके कार्यग्रहण के साथ ही सभी क्षेत्रों में नवाचारों की बयार चल पड़ी। उनमें से प्रमुख का विवरण इस प्रकार है–

प्रो. अमेरिका सिंह : एक परिचय

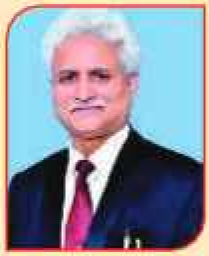

प्रो. अमेरिका सिंह
कुलपति,
मो. ला. सु. वि. वि., उदयपुर

22 जुलाई, 2020 से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर आसीन प्रो. अमेरिका सिंह रसायन विज्ञान में एम. एससी. एवं पीएच. डी. उपाधि प्राप्त हैं तथा अपनी संपूर्ण शैक्षिक यात्रा में प्रथम श्रेणीधारक रहे हैं। आपको डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ के 'इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी' में 32 वर्ष के तकनीकी शिक्षण कार्य का विशद अनुभव है। आपकी 3 पुस्तकें तथा शतकाधिक शोधालेख प्रकाशित हुए हैं और 25 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने वाले प्रो. सिंह को 15 वर्ष तक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण सहित विभागाध्यक्ष, विधि सलाहकार, चीफ प्रोक्टर, चीफ वार्डन, समन्वयक, सामुदायिक एवं जनजातीय विकास एवं अन्य कई अकादमिक निकायों में पदाधिकारी रहने का अनुभव प्राप्त है। आपने अपने संस्थान में विज्ञान संकाय, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और एम. टेक इन बायोटेक्नोलॉजी भी स्थापित कराए।

उल्लेखनीय अकादमिक योगदान हेतु आपको दरबारी मेमोरियल फैलोशिप, लक्ष्मण मेमोरियल फैलोशिप और ओ. एन. आर. (कनाडा शोध पत्र) तथा सीनियर रिसर्च फैलोशिप इत्यादि मिल चुकी हैं।

सामान्य प्रशासन

किसी भी संस्था का वास्तविक स्वरूप उसके दैनंदिन प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन से द्रष्टव्य होता है। हमारे विश्वविद्यालय की अपनी विशेष कार्य पद्धति है। यहाँ के इन कार्यों को कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने तुरंत समझा और कार्यग्रहण के साथ ही इसकी प्रशासनिक कार्य पद्धति में जो बदलाव अपेक्षित थे, उनको व्यवहार में लाने में विलंब नहीं किया। कुलपति प्रो. सिंह के कार्यकाल में इस क्षेत्र में हुए उन्नयन को हम निम्नलिखित कार्यों से जान सकते हैं–

विद्वत परिषद (Academic Council) की बैठकों की निरंतरता

विश्वविद्यालय में अकादमिक कार्य के अनुमोदन और नए कोर्स आदि की स्वीकृति के लिए विद्वत परिषद (Academic Council) एक महत्त्वपूर्ण सदन होता है। हमारे विश्वविद्यालय में भी विद्वत परिषद (Academic Council) इस दिशा में अपनी अहम भूमिका निभाती है। माननीय कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह के आगमन के साथ ही इस परिषद की बैठकों के आयोजन की निरंतरता आरंभ हुई जिससे संकाय स्तर पर हुए निर्णयों के क्रियान्वयन को गति मिली। माननीय कुलपति के कार्यकाल में जुलाई, 2020 से मार्च, 2021 तक कुल 04

बैठकों का आयोजन हो चुका है। यह इस बात को दर्शाता है कि प्रो. सिंह किसी भी कार्य को विलंबित नहीं करना चाहते हैं। त्वरित रूप से बैठकों का आयोजन कर कार्य की पूर्णता और क्रियान्विति सदैव आपके ध्यान में रहती है।

प्रबंध मंडल (Board of management) की बैठकों की निरंतरता

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में किसी भी विषय पर निर्णय के लिए विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल (Board of management) सर्वोच्च स्थान रखता है। विश्वविद्यालय के महत्त्वपूर्ण विषयों पर निर्णय करने वाली यह एक अहम नियामक समिति होती है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यकाल में विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठकों का भी एक नियमित दौर आरंभ हुआ। इन बैठकों की निरंतरता के कारण कई विषयों पर त्वरित निर्णय हुए। कुलपति के अब तक के लगभग 09 माह के कार्यकाल में 02 बार विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि किसी भी विषय पर विचार कर निर्णय और क्रियान्वयन को लेकर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह सदैव तत्पर रहते हैं।

कानूनी मामलों के लिए संकायवार समिति का गठन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभिन्न कानूनी मामलों और मुकदमों में कानूनी पक्ष रखने और सुलझाने के लिए कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने संकायवार सलाहकार समिति का गठन किया है। साथ ही यह तय किया गया कि रजिस्ट्रार इस समिति का समन्वय देखेंगे। समिति में प्रत्येक संकाय से एक सदस्य मनोनीत किया गया जो संबंधित संकाय का कार्य निष्पादित करने में सहयोग करेगा। इस संकायवार समिति में प्रो. कनिका शर्मा, प्रो. पी.के. सिंह, प्रो. सीमा मलिक, प्रो. मदन सिंह राठौड़, प्रो. हनुमान प्रसाद, प्रो. सीमा जालान तथा डॉ. शिल्पा सेठ को सदस्य मनोनीत किया गया है। इस समिति के गठन से विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकार के कानूनी मामलों के निष्पादन को गति मिलेगी और इससे विश्वविद्यालय का समय बचेगा और साथ ही विश्वविद्यालय को वित्तीय नुकसान का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। यह समिति कानूनी मामलों में किसी तरह के समझौते की गुंजाइश होने पर संबंधित सदस्यों के साथ संवाद कायम करके समाधान के लिए भी प्रयासरत रहेगी।

परीक्षा व्यवस्था संचालन एवं बदलाव

प्रवेश, अध्यापन और परीक्षा किसी भी विश्वविद्यालय के लिए तीन महत्त्वपूर्ण कार्य होते हैं। इनका विधिवत और गुणवत्तापूर्ण संचालन प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए अनिवार्य होता है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय में ये तीनों ही कार्य विगत कई वर्षों से विधिवत रूप से संपादित किए जा रहे हैं। हजारों विद्यार्थियों के प्रवेश तथा कक्षा संचालन के साथ–साथ लाखों नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों की परीक्षा का आयोजन करना अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। विश्वविद्यालय इस दिशा में सदैव प्रयासरत रहा है कि विद्यार्थियों की परीक्षा का आयोजन एवं परिणामों की घोषणा आदि का कार्य विधिवत व समयबद्ध रूप से हो। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह जी के कार्यकाल में परीक्षाओं का आयोजन और परिणामों की घोषणा का कार्य एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। कारण कि यह दौर कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बाद का दौर था, जिसमें हर शख्स कुछ डरा–सहमा था। इस कठिन समय में परीक्षाओं का आयोजन और परिणामों की घोषणा का कार्य कम चुनौतीपूर्ण नहीं था। कुलपति प्रो. सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग और विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, शिक्षणेतर और सहायक कर्मचारियों के सहयोग व तत्परता से यह कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हो पाया। शिक्षण के साथ ही परीक्षाओं के आयोजन और तत्परतापूर्वक परिणाम घोषित करने में भी विश्वविद्यालय ने समुचित प्रयास किए हैं। कोविड महामारी से उत्पन्न विषम परिस्थितियों में भी पूरे नियमों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय ने पंजीकृत 1 लाख 80 हजार विद्यार्थियों के परिणाम भी जल्दी ही घोषित किए।

परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और कार्य निष्पादन में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने परीक्षा विभाग का तकनीकी तौर पर आधुनिकीकरण का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय में क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने नेशनल एकेडेमिक डिपोजिटरी में अब तक लगभग 02 लाख उपाधियों को अपलोड कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह कार्य करने वाला सुखाड़िया विश्वविद्यालय प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में अग्रणी विश्वविद्यालय है।

विभाग प्रभारियों को प्रभारी विभागाध्यक्ष बनाना

विश्वविद्यालय के इतिहास में विगत पचास वर्षों से चली आ रही विभाग प्रभारी की व्यवस्था में अहम बदलाव का कार्य भी प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर ही संभव हो पाया। विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था विगत आधी सदी से जारी रही कि जिन विभागों में सह आचार्य या आचार्य के पद रिक्त हैं और विभागीय दायित्व यदि सहायक आचार्य निभा रहे हैं तो ऐसे में उस सहायक आचार्य को विभाग के प्रभारी का दायित्व दिया जाता रहा है। ऐसे में प्रभारी को विभिन्न कार्यों के अनुमोदन के लिए विभागाध्यक्ष पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विभागाध्यक्ष साधारणतया उस संघटक महाविद्यालय का अधिष्ठाता होता था। अधिष्ठाता के पास कार्यों की अधिकता और प्रशासनिक व्यस्तता के चलते संबंधित विभाग के कार्यों को समुचित गति से संपादित करने में कभी–कभी कठिनाई महसूस की जाती थी।

कुलपति प्रो. सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठक दिनांक 27 नवंबर, 2020 के द्वारा इस संबंध में यह निर्णय किया गया कि ऐसे प्रभारी सहायक आचार्य का पदनाम अब प्रभारी–विभागाध्यक्ष होगा और ये विभाग संबंधी विभिन्न गतिविधियों के लिए महाविद्यालय अधिष्ठाता पर निर्भर नहीं रहेंगे। इस आशय का आदेश कुलसचिव द्वारा दिनांक 07 जनवरी, 2021 को जारी किया गया। इस निर्णय से पूर्व संबंधित प्रभारी विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद (Academic Council) की बैठकों में भाग नहीं ले सकते थे। अब वे इन बैठकों में भी भाग लेकर अपने विषय से संबंधित विषयों पर अपना मत रख सकेंगे।

छात्र–सेवा केंद्रों की स्थापना

विश्वविद्यालय की सेवाओं को जन–जन तक पहुँचाने के लिए हम कुलपति के नेतृत्व में सदैव प्रयासरत रहे हैं। विश्वविद्यालय सभी जिलों में छात्र–सेवा केंद्रों की स्थापना करने जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की तरफ से अपेक्षित मदद मिल सकेगी। विद्यार्थियों को अपने विश्वविद्यालय संबंधी विविध कार्यों के लिए उदयपुर तक की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उनके कार्य अधिक सुविधाजनक रूप से संपादित हो पाएँगे। गत फरवरी माह में कुलपति प्रो सिंह ने विश्वविद्यालय क्षेत्र के चारों जिलों में एक–एक हेल्प सेंटर खोलने की घोषणा की थी जिससे कि दूरदराज के विद्यार्थियों को सामान्य कामकाज के लिए उदयपुर न आना पड़े। इसी क्रम में कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह 12 मार्च, 2021 (शुक्रवार) को राजसमंद जिले के नाथद्वारा में उपली ओडन स्थित श्रीनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थापित स्टूडेंट हेल्प सेंटर का उद्घाटन किया। वहीं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय में दिनांक 16 मार्च, 2021 (मंगलवार) को कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया। इन केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी तरह की तकनीकी परेशानियों के समाधान के लिए हेल्पडेस्क की सहायता ले सकेंगे। कुलपति प्रो सिंह ने बताया कि छात्रों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए यह सुविधा उन्हें प्रदान की जा रही है। इनके द्वारा उनके प्रवेश से लेकर परिणाम के बीच की गतिविधियों में आने वाली कठिनाइयों का समाधान मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाने का कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का रोड मैप

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अब विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की दौड़ में शामिल होगा। यह विजन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाने के संबंध में कुलपति की अध्यक्षता में एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह का लक्ष्य है कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा के एक ऐसे रोडमैप की आकांक्षा रखता है जो अनुसंधान, ज्ञान, सृजन, संस्थागत उत्कृष्टता और वैश्विक मानदंडों के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित हो। कुलपति के प्रयासों एवं प्रेरणा से देश की उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के नक्शे पर जल्द ही सुखाड़िया विश्वविद्यालय एक नया कदम रखने जा रहा है। इससे सुखाड़िया विश्वविद्यालय परंपरागत राज्य विश्वविद्यालय की छवि से बाहर आकर विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय के स्तंभ के रूप में पहचान स्थापित करेगा। हाल ही में उच्च शिक्षा में हुए सुधारों की वर्षा के साथ सुखाड़िया विश्वविद्यालय का नवाचार तक्षशिला, नालंदा जैसी शिक्षा संस्कृति को एक बार पुनर्जीवित करने जा रहा है। राज्य के विश्वविद्यालयों के विश्वस्तरीय बनने का सुखद स्वप्न शीघ्र ही मूर्त रूप लेगा।

(गणतंत्र दिवस समारोह में माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह व अन्य)

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के इस लक्ष्य के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं में रूसा 3.0 का बेहतर क्रियान्वयन, मल्टी फैकल्टी वर्ल्ड क्लास विश्वविद्यालय बनाना, स्किल डेवलपमेंट इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेंटर बनाने तथा सेंटर फॉर एक्सीलेंस को विकसित करने की दिशा में प्रस्ताव तैयार करना, डिजिटल क्लासरूम बनाने के लिए प्रधानमंत्री ई–विद्या योजना के तहत काम करना और मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देना शामिल है।

नैक और एन.आई.आर.एफ. (NAAC & NIRF)

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय विगत वर्षों में A+ NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय रहा है और साथ ही विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा चुने हुए 1000 विश्वविद्यालयों की NIRF रैंकिंग लिस्ट में 178वाँ स्थान प्राप्त किया है। कुलपति के नेतृत्व में सभी विभागों, महाविद्यालयों एवं केंद्रों की आगामी नैक (NAAC) रैंकिंग के लिए तैयारी जारी है।

प्लानिंग सेल का गठन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का लक्ष्य है कि विश्वविद्यालय का आगामी वर्षों का विजन सुनिश्चित किया जाए। कुलपति ने इस संबंध में आगामी 10 से 25 वर्षों के लिए विश्वविद्यालय की दृष्टि तैयार करने के लिए एक प्लानिंग सेल का गठन किया है जो नई शिक्षा नीति के अनुसार नए पाठ्यक्रम की शुरूआत, प्लेसमेंट के बारे में सुझाव, अन्य संस्थानों के साथ छात्रों की बातचीत, उद्योग में छात्रों की भागीदारी, विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और प्रदर्शन आदि को सुनिश्चित करेगी। इस कमेटी के अध्यक्ष स्वयं कुलपति होंगे जबकि सदस्य सचिव प्रो. अनिल कोठारी को बनाया गया है। कमेटी का गठन दिनांक 02 दिसंबर, 2020 को किया गया। इस कमेटी के सदस्य प्रो. एम. एस. राठौड़, प्रो. सीमा जालान, डॉ. शिल्पा सेठ, डॉ. शिल्पा वर्डिया, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. गिरिराज सिंह चौहान तथा डॉ. अल्पना सिंह को बनाया गया। वहीं विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों में से नेहा बंसल, द्वारिका उनियाल और सलिल सिंघल को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया।

अकादमिक उन्नयन

अकादमिक क्षेत्र की सर्वोच्च संस्था होने के नाते विश्वविद्यालयों का अकादमिक दायित्व भी सर्वोपरि होता है। यहाँ के श्रेष्ठ शिक्षक अपने अध्ययन, अध्यापन, शोध और विस्तार की गतिविधियों के माध्यम से अपने विद्यार्थियों के साथ–साथ राष्ट्र के अकादमिक अनुष्ठान में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। हमारा विश्वविद्यालय भी अकादमिक उन्नयन को लेकर सदैव सकारात्मक और प्रयत्नशील रहा है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यग्रहण के साथ ही इस क्षेत्र में भी सक्रियता बढ़ी।

नए संकायों की स्थापना

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमारे विश्वविद्यालय में आज 08 फैकल्टी संचालित हैं जिनके अधीन 34 विभाग देश के उच्च शिक्षा जगत में प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय से 185 महाविद्यालय संबद्ध हैं और प्रदेश के चित्तौड़गढ़, सिरोही, उदयपुर एवं राजसमंद जिलों के 1 लाख 90 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

(माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार, श्रीमान् भंवर सिंह भाटी को विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी देते हुए माननीय कुलपति)

प्रो. अमेरिका सिंह के कुलपति पद का दायित्व ग्रहण करने के पूर्व इस विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, विधि, प्रबंध अध्ययन, भू–विज्ञान, शिक्षा संकाय मिलकर कुल 08 संकाय थे। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के प्रयासों से उनके इस अल्प कार्यकाल में ही दृश्यकला, 'इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी' के दो संकायों को विद्वत परिषद और प्रबंध मंडल की बैठकों में अनुमोदन मिला। वर्तमान में 02 नए और 08 पुराने संकायों को मिलाकर जल्दी की विश्वविद्यालय में कुल 10 संकाय कार्यरत होंगे।

विद्वत परिषद और प्रबंध मंडल की बैठकों में हुए निर्णय की अनुपालना और क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय में खोले जा रहे दो नए संकायों 'दृश्य कला संकाय' और 'इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी' का प्रस्ताव माननीय कुलाधिपति के अनुमोदन, स्वीकृति और हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर उनकी अध्यक्षता में दिनांक 05 मार्च, 2021 को हुई सी.ओ.डी. (काउंसिल ऑफ डीन्स) की बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्दी ही खुलने वाले इंजीनियरिंग और आर्किटेकचर संकाय में डिपार्टमेंट ऑफ टेक्सटाइल और बी.टेक. इन टेक्सटाइल के विभाग होंगे।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर नया संकाय इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के नाम से शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस संकाय में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, आई.टी. विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पुस्तकालय विज्ञान विभाग तथा भावी फिल्म प्रोडक्शन विभाग को शामिल किया जाएगा।

रानी पद्मिनी के नाम से संघटक कन्या महाविद्यालय

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर उनकी अध्यक्षता में दिनांक 05 मार्च, 2021 को हुई सी.ओ.डी. (काउंसिल ऑफ डीन्स) की बैठक में निर्णय लिया गया कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय रानी पद्मिनी के नाम से संघटक महाविद्यालय के तौर पर एक कन्या महाविद्यालय खोलेगा। इससे महिला शिक्षा को प्रोत्साहन व बढ़ावा मिलेगा।

नए विभागों की स्थापना

अपनी स्थापना के साथ ही विश्वविद्यालय में विभिन्न विभाग खुले। वर्तमान में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में 34 विभाग कार्यरत हैं। संकायवार विभागों की सूची देखने पर पाते हैं कि विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय में हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, प्राकृत, संगीत, संस्कृत, दृश्यकला, दर्शनशास्त्र, राजस्थानी एवं उर्दू विभाग के रूप में कुल दस विभाग हैं। वहीं सामाजिक विज्ञान संकाय में अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, लोकप्रशासन, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, महिला अध्ययन और पत्रकारिता एवं जनसंचार के रूप में कुल नौ विभाग कार्यरत हैं। विज्ञान संकाय में कुल आठ विभाग हैं जो कि भौतिक विज्ञान, प्राणिविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, भैषज विज्ञान, गणित एवं सांख्यिकी, रसायन विज्ञान एवं जैव तकनीकी हैं। वाणिज्य संकाय में बैंकिंग एंड बिजनेस इकोनोमिक्स, व्यवसाय प्रशासन तथा एबीएसटी ये कुल तीन विभाग हैं। प्रबंध अध्ययन संकाय में दो विभाग प्रबंध अध्ययन तथा पर्यटन प्रबंधन हैं। विधि संकाय में एक विभाग विधि विभाग है वहीं शिक्षा संकाय में शिक्षा, शारीरिक शिक्षा एवं योग के तीन विभाग हैं। भू विज्ञान विभाग में भूगोल, भूगर्भ विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान नाम से तीन विभाग संचालित हैं। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यकाल में हाल ही में फैशन टैक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग (Fashion Technology & Designing), समाज कार्य (Social Work) और मानवशास्त्र (Anthropology) इन तीन नए विभागों को खोलने की अनुमति विद्वत परिषद और बोम ने दी है।

नए केंद्रों की स्थापना

भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी के शिक्षण व शोध के साथ रोजगारपरक पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माननीय कुलपति की पहल पर विश्वविद्यालय में जियोस्पेशियल स्किल डवलपमेंट सेंटर और उद्यमिता केंद्र की स्थापना की गई है जिसमें भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी के शिक्षण व शोध के साथ रोजगारपरक पाठ्यक्रम चलाए जाएँगे। हमारे विभिन्न नवाचार और स्थापनाएँ आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर हमें अभिप्रेरित और गतिमान करती हैं। इसी क्रम में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भूगोल विभाग द्वारा 55 देशों के सहयोग तीन दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के वाणिज्य और प्रबंध अध्ययन में हम 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना करने जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में 'एडमिनिस्ट्रेटिव एंड कोर्पोरेट ट्रेनिंग सेंटर' भी स्थापित होने जा रहा है। ऐकेडेमिक काउंसिल के निर्णय दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 की अनुपालना में कुलसचिव ने दिनांक 25 जनवरी, 2021 को आदेश जारी कर 'सेंटर ऑफ ऐक्सीलेंस इन फिजिकल साइंस' को स्वीकृति प्रदान की। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर नाथद्वारा में श्रीनाथ सेंटर फॉर एक्सीलेंस की परिकल्पना को मूर्त रूप देन के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

नए पाठ्यक्रमों का आरंभ

विश्वविद्यालय ने NEP के अन्तर्गत PG, UG, Diploma एवं Certificate पाठ्यक्रमों का संचालन आरंभ कर लिया है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में यूजीसी के सहयोग से नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत मास्टर ऑफ वोकेशन इन अकाउंटिंग (एम.वोक.) का रोजगारपरक पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। इसी प्रकार विद्वत परिषद

की बैठक दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 के निर्णय संख्या टी–16 के तहत इस संकाय में विभिन्न डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आरंभ करना तय किया गया। इन डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में 'डिप्लोमा इन इंश्योरेंस', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन डाटा एनालाइसिस माइक्रोसॉफ्ट', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन बेसिक प्रेक्टीकल बिजनेस', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस लेब', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन बिजनेस स्टेटिक्स यूजिंग एक्सेल', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रेक्टिकल इनकम टैक्स', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रेक्टीकल एडवांस एम.एस. एक्सेल', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रेक्टीकल गुड्स एंड सर्विस टैक्स', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रेक्टीकल टी.डी.एस. एंड एडवान्स टैक्स', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन एडवान्स प्रेक्टीकल बिजनेस अकाउंटिंग' तथा 'सर्टिफिकेट कोर्स इन फायनेंसियल मैनेजमेंट यूजिंग एक्सेल' हैं। इसी तरह वाणिज्य संकाय में विभिन्न एड ऑन कोर्स के संचालन को भी एकेडेमिक काउंसिल के निर्णय संख्या 08 दिनांक 14 सितंबर, 2020 की बैठक के माध्यम से अनुमोदन दिया गया। इनमें 'एड ऑन कोर्स ऑन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन इन रिसर्च', 'एड ऑन कोर्स ऑन स्प्रेडशीट एप्लीकेशन इन बिजनेस', 'एड ऑन कोर्स ऑन प्रेक्टीकल ऑडिटिंग', 'एड ऑन कोर्स इन प्रेक्टीकल इनकम टैक्स' और 'एड ऑन कोर्स ऑन प्रेक्टीकल गुड्स एंड सर्विस टैक्स' शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के छात्रों को कौशलयुक्त रोजगारपरक ज्ञान देने के आह्वान पर सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संघटक वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के व्यावसायिक प्रशासन विभाग ने छात्रों के कौशल विकास एवं उन्हें रोजगार योग्य बनाने के लिए कई डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सेज शुरु किए हैं। रिटेल क्षेत्र में रोजगार उन्मुखी डिप्लोमा इन रिटेल मैनेजमेंट, युवा उद्यमियों को व्यवसाय चलाने के गुर सिखाने के लिए उद्यमिता डिप्लोमा शुरु किए जा रहे है। वर्तमान में इवेंट मैनेजमेंट में प्रचुर संभावनाएँ देखते हुए डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट भी शुरु किया जा रहा है। इसके अलावा लघु अवधि के सर्टिफिकेट प्रोग्राम के माध्यम से छात्रों के कौशल विकास पर भी बल दिया जाएगा। इस कड़ी में छात्रों को डिजिटल वर्ल्ड में कॅरियर बनाने के लिए सर्टिफिकेट इन डिजिटल मार्केटिंग, ऑफिस के रोजमर्रा के काम संभालने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स इन ऑफिस मैनेजमेंट तथा सर्टिफिकेट कोर्स इन लेबर लॉ चलाए जाएंगे। इसके साथ ही छात्रों को विदेशी भाषा सिखाने के लिए 'ट्रेन द ट्रेनर' कोर्स चलाया जाएगा। इसके साथ ही कॉर्पोरेट सोशल रेसपॉन्सिबिलिटी एवं शॉर्ट स्किल्स पर भी सर्टिफिकेट प्रोग्राम चलाया जाएगा। इसी क्रम में व्यवसाय एवं प्रबंध को भारतीय मूल्यों से जोड़ने के लिए व्यवसाय एवं प्रबंधन का भारतीय मॉडल कोर्स भी चलाया जाएगा।

विद्वत परिषद की बैठक दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 में यह निर्णय लिया गया कि विज्ञान संकाय में सत्र 2020–2021 से ही एम. फार्मा. का कोर्स सी.बी.सी.एस. पद्धति के आधार पर चलाया जाएगा जिसे कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार संकाय द्वारा संस्तुत स्कीम और पाठ्यक्रम के अनुसार इस संकाय में 'नेनो साइंस' और 'नेनो टेक्नोलॉजी' तथा 'बायोइन्फोरमेटिक्स तथा कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी' कोर्स आरंभ किए जाएँगे।

इसी तरह उक्त बैठक के निर्णय संख्या चार के अनुसार और कई पाठ्यक्रमों को भी कुलसचिव ने स्वीकृति दी है। ये सभी कोर्स मानविकी संकाय के तहत स्वीकृत किए गए। उनमें 'सर्टिफिकेट कोर्सेज फोर द सेंटर फोर कम्युनिकेशन स्किल्स इन इंगलिश एंड फोरेन लैंग्वेज', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन उर्दू', 'डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू', 'डिप्लोमा इन उर्दू कम्प्यूटर एप्लीकेशन एंड मल्टीलिंग्वल डीटीपी', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन ट्रेडिशनल आर्ट्स एप्रीसियेसन', 'सर्टिफिकेट कोर्स इन एकेडेमिक आर्ट स्टडी, मल्टीमीडिया डिजाइन' और 'सर्टिफिकेट कोर्स इन वीडियोग्राफी एंड एडिटिंग' हैं।

रेडिमेड गारमेंट्स विभाग द्वारा अनुमोदन के लिए प्रेषित 'डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन एंड टैक्नोलॉजी' को शुरु करने की अनुमति विद्वत परिषद ने 19 अक्टूबर, 2020 को प्रदान की। इसी प्रकार यूजीसी सेंटर फॉर वुमंस स्टडीज के कोर्स 'सर्टिफिकेट कोर्स ऑन वुमन एंड लीगल राइट्स' आरंभ किया जाना तय किया गया। समाज विज्ञान संकाय में 'मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एन्थ्रोपोलॉजी' कोर्स सत्र 2020–2021 से आरंभ करने का निर्णय भी विद्वत परिषद की दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 की बैठक में लिया गया। विद्वत परिषद के निर्णय संख्या टी / 1 दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 के अनुसार सामाजिक विज्ञान संकाय में सत्र 2020–2021 से ही 'मास्टर ऑफ आर्ट्स इन सोशियल वर्क' को स्वीकृति प्रदान की गई। इस आशय का आदेश कुलसचिव द्वारा 25 जनवरी, 2021 को जारी किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू किए गए मास्टर ऑफ सोशल वर्क कोर्स का उद्घाटन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने किया।

विद्वत परिषद दिनांक 14 सितंबर, 2020 के निर्णय की अनुपालना में विधि संकाय में कुलसचिव ने दिनांक 22 जनवरी, 2021 को आदेश जारी कर 'पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ' को अनुमति प्रदान की।

राजस्थान वीरता और शौर्य की भूमि है। जहाँ देश के प्रति समर्पण और बलिदान का भाव रहा है। प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारी सेनाएँ और सीमा सुरक्षा बल निरंतर सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय ने सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षित विशेषज्ञ प्रदान करने के लिए फौरंसिक और मिलिट्री साइंस जैसा महत्त्वपूर्ण विषय आरंभ करने का निर्णय लिया है जो हमारे रक्षा क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययन में विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करेगा।

नियमित कक्षाएँ

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय तकनीकी तौर पर निरंतर अपनी सामर्थ्य को विकसित कर रहा है। सूचना तकनीकी के अधिकतम सहयोग से अध्ययन–मूल्यांकन आदि कार्य करते हुए हम अधिकतम विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। कोविड–19 महामारी ने हमारे सामने जो चुनौतियाँ रखी हैं, उनका सामना करते हुए हमने समस्त सरकारी निर्देशों की पालना की तथा सूचना तकनीकी के सहयोग से हमने निरंतर ऑनलाइन कक्षाएँ भी आयोजित कीं। विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग ने लॉकडाउन पीरियड में कक्षा संचालन एवं अन्य विविध प्रयोजनों के लिए विश्वविद्यालय को ऑनलाइन प्लेटफार्म और हेल्पडेस्क आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवाने में बेहद सराहनीय सहयोग दिया। साथ ही रोजगारपरक ट्रेनिंग देने के लिए विभाग ने एप्पल इंडिया के सहयोग से एप्पल सर्टिफाइड ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की है। वर्तमान में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से नियमित रूप से विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। स्वयं कुलपति प्रो. सिंह ने भी विभिन्न संकायों के स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया है।

वेबिनार और विमर्श कार्यक्रम

माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के आगमन के साथ ही अकादमिक उन्नयन, संवाद तथा विमर्श का दौर सक्रियता से आरंभ हुआ। अपने कार्यग्रहण के ठीक बाद ही 25 जुलाई, 2020 को फिनिशिंग स्कूल एवं प्लेसमेंट सेल के वेबिनार 'कैंपस टू कोर्पोरेट' में आपने संरक्षक के रूप में उद्बोधन दिया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से विभिन्न अकादमिक विमर्श भी ऑनलाइन वेबिनार्स के माध्यम से निरंतर जारी रहे हैं। विश्वविद्यालय ने आर्टिफिशियल इंटलिजेंस का इस्तेमाल करने में भी अभूतपूर्व पहल की है। यह राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जो इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तकनीक के प्रयोग को सहज बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने ह्यूमेनाइड रोबोट खरीदने का भी निर्णय लिया है।

हमारे विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों, केंद्रों, संकायों द्वारा इस वर्ष अनेक महत्त्वपूर्ण आयोजन किए गए जो शैक्षणिक और सह–शैक्षणिक क्षेत्रों में उनकी विशिष्ट उपलब्धियों को प्रस्तुत करने वाले हैं। विश्वविद्यालय के छात्र–कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा खेल महोत्सव, रिसर्च मैथडोलॉजी पर वर्कशॉप और मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में केंद्रीय और विभागीय स्तर पर छात्रों के अभिभावकों से विचार–विमर्श के लिए अभिभावक परिषदों का गठन किया गया। अभिभावक परिषद की प्रथम बैठक का आयोजन अक्टूबर, 2020 को सम्पन्न हुआ। इस वर्ष हमारे वनस्पति विज्ञान विभाग ने दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा एडवांस एलजेबरा विषय पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया साथ ही 02 वेबिनार्स भी आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में भी विभागों के द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए। लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग ने पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया तथा ऑनलाइन व्याख्यानमाला और समसामयिक विषयों पर फैकल्टी डेवलवमेंट कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। बिजनेस एडमिनेस्ट्रेशन विभाग ने फरवरी माह में एच.आर.समिट का आयोजन किया साथ ही विभिन्न विषयों पर पाँच कार्यशालाएँ आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय में अनेक उल्लेखनीय गतिविधियाँ आयोजित हुईं। संकाय द्वारा रिसर्जेंश ऑफ बिजनेश ग्रोथ पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया तथा उद्यमिता, आयोजना, क्रियान्विति आदि प्रबंधन के प्रासंगिक विषयों पर वेबिनार,

(वेबिनार कार्यक्रम में उद्बोधन देते हुए माननीय कुलपति।)

व्याख्यान और प्रबोधन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय के पर्यटन और होटल प्रबंधन प्रभाग द्वारा इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग वर्कशॉप्स का आयोजन किया गया। विविध विषयों पर दस आयोजन सम्पन्न किए गए। विश्वविद्यालय के फिनिशिंग स्कूल और प्लेसमेंट सेल के द्वारा स्टार्ट–अप, जॉब इंटरव्यू, कॉरिट मेनर, फाइनेंस रिपोर्टिंग, आई.क्यू.–ई.क्यू., स्टॉक मार्केट, सकारात्मकता, समय अनुशासन आदि अनेक विषयों पर वेबिनार, व्याख्यान और कार्यशालाएँ आयोजित की गई। छात्रों के प्लेसमेंट की गतिविधियाँ उत्साह के साथ आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के भू–विज्ञान संकाय में भूगोल विभाग द्वारा वायु प्रदूषण विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा दूसरे और चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, अहमदाबाद और बायोडाइवर्सिटी पार्क के शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संकाय के भू–विज्ञान विभाग द्वारा भूमिगत जलसंसाधन पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। साथ ही अनेक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। अभी हाल ही में भूगोल विभाग द्वारा तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ के तत्त्वावधान में भारतीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन 2020 आयोजित किया गया है जिसमें 55 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसका विषय वैश्विक से लेकर 'स्थानीय सम्पोषणीयता और भावी पृथ्वी' था।

विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय में मनोविज्ञान विभाग के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और वेल–बीइंग विषय पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के द्वारा प्लेजरिजम और रेफरेंस मेनेजमेंट टूल विषय पर तीन दिवसीय ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया, साथ ही अनेक व्याख्यान और प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय ने पेटेंट कानून पर भी दो दिवसीय सेमिनार किया। विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय में हिंदी विभाग द्वारा समाज, साहित्य, भाषा और नई शिक्षा नीति विषय पर वेबिनार्स का आयोजन किया गया और प्रेमचंद जयंती पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग ने विश्वगुरु दीप आश्रम और राजस्थान संस्कृत अकादमी के सहयोग से वाल्मीकि रामायण पर सात दिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया तथा विश्वविद्यालय के ध्येय–मंत्र 'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' पर ऑनलाइन–ऑफलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया। इन आयोजनों के द्वारा न केवल हमारे विश्वविद्यालय के अपितु प्रदेश एवं देश के सहभागी शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों को भी लाभान्वित किया गया। हमारे प्रतिभाशाली और परिश्रमी शिक्षकों ने अपने–अपने अध्ययन और विद्वता के क्षेत्रों में कई पुस्तकों और सैंकड़ों शोधपत्रों का लेखन किया। इनमें से कुछ कार्यक्रम प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यग्रहण से तत्काल पूर्व आयोजित हुए तथा कई आयोजन प्रो. सिंह के कार्यकाल में हुए।

दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह का नियमित रूप से प्रतिवर्ष आयोजन विश्वविद्यालय की परंपरा का हिस्सा रहा है। विगत वर्षों में यह आयोजन प्रतिवर्ष दिसंबर माह में आयोजित होता रहा है। कोरोना काल के बाद स्थितियाँ कुछ सामान्य हुई तब विश्वविद्यालय ने माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में यह प्रयास किया कि उसकी विगत कई वर्षों से अनवरत जारी दीक्षांत समारोह के आयोजन की परंपरा अनवरत रहे। वर्ष 2020 में भी यह आयोजन हुआ और उसमें प्रतिभावान विद्यार्थियों को उपाधि व स्वर्णपदक वितरण का कार्य संपन्न हुआ। यह विश्वविद्यालय का 28वाँ दीक्षांत समारोह था जो कि दिनांक 22 दिसंबर, 2020 को विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में संपन्न हुआ। इस समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महामहिम राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, आदरणीय कलराज मिश्र जी ने ऑनलाइन उद्बोधन दिया। विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक, ब्रह्मोस,

(माननीय कुलपति दीक्षांत समारोह में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए।)

रक्षा अनुसंधान और विकास संस्थान, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, आदरणीय डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा जी ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत भाषण दिया। कुलपति प्रो. सिंह सहित विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल एवं अकादमिक परिषद के सदस्यगण, अतिथिगण, संकाय सदस्यों, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, शिक्षणेतर कर्मचारीगण, शिक्षाविदों, गण्यमान्य नागरिक बंधुओं, छात्रसंघ पदाधिकारियों, एल्यूमिनी, मीडियाकर्मी बंधुओं, विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकगणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस समारोह में विभिन्न संकायों में प्रथम वरीयता पर रहे विद्यार्थियों को स्वर्णपदक प्रदान किया गया और पीएच.डी. शोधार्थियों को विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई।

रूसा प्रोजेक्ट्स

विश्वविद्यालय में शिक्षण के साथ–साथ शोधकार्य को भी निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्ष 2020–21 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा राज्य परियोजना निदेशालय रूसा के अंतर्गत राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा–2 के तहत 50 करोड़ रुपये की स्वीकृति राशि प्राप्त हुई है। यह अनुदान दो प्रमुख क्षेत्रों में प्रदान किया गया है। उद्यमिता, नवाचार एवं केरियर हब की स्थापना के लिए 15 करोड़ रुपये तथा संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान एवं नवाचार परियोजना हेतु 35 करोड़ रुपये का सहयोग प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान एवं नवाचार परियोजना के अंतर्गत भेजे हुए 72 में से 56 प्रोजेक्ट्स को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विषय विशेषज्ञों द्वारा स्क्रीनिंग के बाद मंजूरी दे दी है। ये परियोजनाएँ मुख्यतः दक्षिण राजस्थान की सामाजिक, पर्यावरणीय एवं अकादमिक मुद्दों से जुड़ी हुई हैं। हमारे विश्वविद्यालय के 94 साथी क्षमता निर्माण एवं आजीविका सुरक्षा, महिलाओं के कानूनी अधिकार, मनरेगा का प्रभाव, आदिवासी लोकगीत एवं साहित्य, स्मार्ट गाँव की पहल, सड़क दुर्घटनाओं के लिए प्रेडिक्शन मॉडल, चुनावी सूचना प्रणाली, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, जनसंचार का सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान, कीटनाशक प्रतिरोधक, आत्महत्या के कारण, लैंगिक भेदभाव, जनजातीय किशोरियों में माँ–शिशु देखभाल, मार्बल स्लरी मिट्टी का जीर्णोद्धार, उपभोग्य सामाग्रियों में कीटनाशक के अवशेष, भूजल की गुणवत्ता का आकलन, पारंपरिक औषधीय पौधों का उपयोग, ई–लर्निंग प्लेटफार्म, ड्रग डिजाइनिंग, भूवैज्ञानिक एवं भू–तकनीकी अध्ययन, लाइब्रेरी ऑटोमेशन, ब्लॉक चैन एकाउंटिंग, मैग्नेटिक कॉम्पटन प्रोफाइल्स, ऊर्जा रूपांतरण एवं भण्डारण सामग्री का विकास और अनुकूलन, स्थिर और उच्च दक्षता सौर सेल डिवाइस आदि विषयों से जुड़ी शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। भौतिक शास्त्र विभाग को अकेले 3 करोड़ 40 लाख रुपये की फंडिंग रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए मिली है।

विश्वविद्यालय में रूसा की समीक्षा बैठक दिनांक 10 मार्च, 2021 को आयोजित हुई। इस अवसर पर राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रोफेसर दरियाव सिंह चुंडावत ने रूसा 2.0 योजना के भाग 10 (अनुसंधान एवं नवाचार) के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह जी ने की। रूसा की नोडल ऑफिसर प्रो. कनिका शर्मा ने रूसा 1.0 के सफल क्रियान्वयन की रिपोर्ट के साथ रूसा 2.0 में अब तक के कार्य की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। रूसा 2.0 के तहत विश्वविद्यालय को 56 अनुसंधान प्रोजेक्ट्स आदि के लिए 50 करोड़ का अनुदान मिला जिसमे पहली किश्त 25 करोड़ का आवंटन हो चुका है। अब तक के रूसा 2.0 के विभिन्न प्रोजेक्ट्स में हुए वित्तीय खर्च का विस्तृत विवरण दिया। प्रो. करुणेश सक्सेना, निदेशक आई.क्यू.ए.सी ने विश्वविद्यालय की नैक (NAAC) की विगत 5 वर्षों की तैयारी का विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. चुंडावत ने विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए बताया कि रूसा के अनुदान का सफल रूप से क्रियान्वयन करने में यह विश्वविद्यालय अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रूसा 2.0 का कार्य विश्वविद्यालय ने क्रियान्वित किया है उसके आधार पर रूसा 3.0 के लिए आवेदन में सहयोग मिलेगा।

नई शिक्षा नीति

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति के प्रावधानों को स्वीकार करने और उन पर कार्ययोजना बनाकर मूर्त रूप देने की दिशा में पहल की गई है। नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय को अग्रणी पंक्ति में स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ नए प्रयोग किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा देश के अग्रणी शोध संस्थानों और तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों के साथ एम.ओ.यू. किए गए, उच्च स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर स्थापना की जा रही है, इंटर–डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय कला, कौशल एवं स्थानीय भाषाओं में शिक्षण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने अपने अकादमिक स्वरूप में समग्रता का व्यापक लक्ष्य तय किया है। विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, भारत सरकार के सहयोग से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से चिंतन–मनन किया गया तथा विश्वविद्यालय के संघटक और संबद्ध महाविद्यालयों में 154 वेबिनार्स के माध्यम से इसके सफल क्रियान्ववन के लिए आयोजन किए गए, जो नई शिक्षा नीति की दृष्टि से एक साथ अधिक संख्या में वेबिनार आयोजन को लेकर एक राष्ट्रीय कीर्तिमान रहा है। नई शिक्षा नीति के लक्ष्य प्राप्त करने और विश्वविद्यालय के अकादमिक विस्तार एवं समग्रता के लिए 'स्कूल ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एंड आर्किटेक्चर' की स्थापना का संकल्प लिया गया है, जो शीघ्र ही मूर्त रूप लेने वाला है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों को संबद्ध महाविद्यालयों में शोध, व्यावसायिक स्कीम, सृजनात्मक कौशल विकास, जनजातीय नृत्य, कला और संगीत तथा अन्य क्षेत्रों में आवश्यक तैयारी कर विश्वविद्यालय को प्रगति से अवगत कराने संबंधी आदेश दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को जारी किए गए जिससे कि विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के साथ–साथ संबद्ध महाविद्यालयों में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों को विधिवत लागू किया जा सके।

एच.आर.डी.सी.

माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यग्रहण के साथ ही जो अकादमिक उन्नयन के प्रयास आरंभ हुए उनमें सर्वप्रथम प्रयास एच.आर.डी.सी केंद्र (Human Resource Developmment Centre) की स्थापना का रहा है। इसे पूर्व में ऐकेडेमिक स्टाफ कॉलेज (Academic Staff College) कहा जाता था। कुलपति के निर्देश और प्रेरणा से विश्वविद्यालय द्वारा एच.आर.डी.सी केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव तैयार कर माह अगस्त, 2020 में यूजीसी को प्रेषित किया गया। इस प्रस्ताव को उचित मानदंडों के अनुसार तकनीकी रूप से तैयार करने के अहम कार्य को प्रो. सुरेंद्र कटारिया ने संपादित किया। इसके परिशिष्ट तैयार करने का कार्य डॉ. कोपल वत्स ने किया। वहीं प्रो. करुणेश सक्सेना और प्रो. सीमा मलिक इसे संपादित किया तथा डॉ. अविनाश पंवार ने इसे प्रस्तुति–स्वरूप प्रदान किया। इस प्रस्ताव के निमित्त कुलसचिव ने दिनांक 20 अगस्त, 2020 को आदेश जारी कर सभी विभागों से विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ प्रोफेसर्स के नाम भी माँगे।

विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक नवाचारों से शिक्षकों को निरंतर अपडेट रखने के लिए यूजीसी के सहयोग से एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज–एचआरडीसी की स्थापना का भी निर्णय किया है। आशा है कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का यह स्वप्न भी शीघ्र ही साकार होगा और यह संपूर्ण प्रदेश एवं देश के लिए अपनी सेवाएँ प्रस्तुत करेगा। इसी के साथ विश्वविद्यालय ने शिक्षक प्रशिक्षण के लिए टीचर मेंटरिंग प्रोजेक्ट भी आरंभ किया है।

एम.ओ.यू.

प्रो. अमेरिका सिंह के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपने क्षेत्राधिकार में शैक्षणिक विकास के लिए तो कार्य कर ही रहा है, साथ ही विश्वविद्यालय ने देश–विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थाओं से भी पारस्परिक विकास की दृष्टि से समझौते किए हैं। इसी क्रम में अग्रज की भूमिका निभाते हुए गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के साथ भी एक एम.ओ.यू. किया है जिसमें विज्ञान संकाय के विभिन्न विषयों यथा– केमिस्ट्री, फार्मेसी, फिजिक्स और इन्वायरनमेंट साइंस जैसे विषयों में अध्ययनरत जी.जी.टी.यू. के विद्यार्थियों को अपेक्षित साधन और सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी। साथ ही इन विषयों में रोजगारपरक अल्पावधि पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएँगे।

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को विश्व स्तर पर पुनर्स्थापित करने तथा शोध को नए आयाम देने के लिए कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों तथा शिक्षकों के आदान–प्रदान हेतु एम.ओ.यू. हमारा अगला लक्ष्य है। इस विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने हेतु विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। हमारा यह विश्वास है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय देश का ऐसा आदर्श बहुसंकायात्मक विश्वविद्यालय होगा जहाँ उत्कृष्ट वैज्ञानिक विकास के साथ सामाजिक और मानवीय संवेदनाओं के अध्ययन, अनुशीलन और शोध के लिए सभी अपेक्षित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं अनुसंधान के उन्नयन में शीघ्र ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय से एम.ओ.यू. करने जा रहा है। इसी क्रम में हमारा विश्वविद्यालय रोडमेप के आधार पर नेहरू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शिलॉंग से शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से आदान–प्रदान करेगा, क्योंकि शिलॉंग विश्वविद्यालय भी आदिवासी क्षेत्र में स्थित है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलबर्ट विश्वविद्यालय, कनाड़ा से जो कि शैक्षिक, विद्यार्थी इन्टरएक्शन, इकोनोमिक एवं सामाजिक स्तर पर हमारे से मेल खाता है एवं अधिकतर भारतीय मूल के लोग रहते है, के साथ एम.ओ.यू. के लिए प्रयासरत है। साथ ही इस विश्वविद्यालय में 15 से 17 प्रतिशत बाह्य विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ने आते हैं एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। वित्त की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय सुलभ है व फैलोशिप की बहुत सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन– प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आबूरोड को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 'नेशनल सेंटर फॉर वेल्यू एज्युकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी' के रूप में अनुमोदन के प्रस्ताव पर विरतृत चर्चा, मूल्यांकन और अन्य गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कमेटी का गठन किया गया।

इस संबंध में गठित कमेटी ने प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू की यात्रा कर अपनी अनुशंसा विश्वविद्यालय को दी है। इस कमेटी की अनुशंसा थी कि राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन– प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आबूरोड को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 'नेशनल सेंटर फॉर वेल्यू एज्युकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी' के रूप में अनुमोदित किया जा सकता है। इसका वित्तीय और प्रशासनिक नियंत्रण राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन– प्रजापिता ब्रह्मा

कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आबूरोड का रहेगा। इस पर सुखाड़िया विश्वविद्यालय का सीमित अकादमिक नियंत्रण रहेगा जो कि परीक्षाओं के आयोजन और प्रमाण पत्र वितरण तक रहेगा। इसके लिए पाठ्यक्रम समिति का गठन राजयोग एज्यूकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन– प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आबूरोड करेगा जिसमें कुलपति द्वारा नामित दो प्रतिनिधि होंगे। विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद का इस केंद्र की अकादमिक गतिविधियों पर नियंत्रण रहेगा। विश्वविद्यालय का पत्रकारिता और जनसंचार विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय और इस केंद्र के मध्य समन्वय का कार्य करेगा। इस कमेटी की उक्त अनुशंसाओं को विद्वत परिषद बैठक के निर्णय संख्या टी–13, दिनांक 24 नवंबर, 2020 को अनुमोदन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने प्रदान किया।

ई–बुक्स लेखन

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कोरोनाकाल के दौरान सभी संकाय सदस्यों के साथ अपना एक नया विजन प्रस्तुत किया और वह था– ई–बुक का लेखन। कुलपति ने सभी संकाय सदस्यों विशेषतः सह आचार्यों और सहायक आचार्यों को निर्देशित किया कि वे इस समय का उपयोग छात्रोपयोगी ई–बुक लेखन में करे। संकाय सदस्यों द्वारा लिखित इन ई–बुक्स को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा जिससे कि विद्यार्थियों को विषय संबंधी सामग्री सहज रूप से ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध हो पाएगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा आदेश जारी किए गए। विभिन्न संकायों के संकाय सदस्यों ने इस दिशा में प्रयास आरंभ किए। हाल ही में प्रो. सीमा मलिक के रूसा 2.0 प्रोजेक्ट के तहत आयोजित ऑनलाइन–ऑफलाइन संगोष्ठी व वर्कशॉप 'बागड़ अंचल का लोकसाहित्य एवं संस्कृति' के उद्घाटन समारोह दिनांक 26 फरवरी, 2021 में श्रीमान् कलराज मिश्र ने किया। 'फोकलोर ऑफ बागड़' नामक ई–बुक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल राजस्थान श्रीमान् कलराज मिश्र जी ने किया। विधानसभा अध्यक्ष प्रो. सी.पी. जोशी इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह सहित अन्य विद्वान ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से उपस्थित रहे। ऑनलाइन माध्यम से राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र सिंह, गोविंदगुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के कुलपति प्रो. बी.पी. शर्मा, निदेशक कॉलेज शिक्षा श्री संदेश नायक, प्रख्यात गुजराती लोक संस्कृति विशेषज्ञ पद्म श्री जोरावर सिंह जाधव ने भी विचार व्यक्त किए।

एकेडेमिक एक्सचेंज प्रोग्राम

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की महती योजना 'सारथि' (SARTHI - Strengthening Association for Research and Teaching-learning with Himalayan States of India) को विश्वविद्यालय विद्वत परिषद की बैठक में दिनांक 24 नवंबर, 2020 को अनुमोदन दिया गया। इसके साथ ही कुलपति ने इस योजना को अपना अनुमोदन प्रदान किया। यह योजना संपूर्ण देश के स्तर पर एक एकेडेमिक एक्सचेंज प्रोग्राम है जो कि उत्तरी और उत्तर–पूर्वी राज्यों राज्यों के साथ एक सामाजिक–सांस्कृतिक संबंधों को दृढ़ता प्रदान करने में सहायक होगी। कार्यक्रम के प्रथम चरण में लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश और उत्तराखंड, सिक्कीम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, आसाम और त्रिपुरा राज्यों के साथ इस संबंध में जुड़ाव होगा।

नेशनल एक्सपो–2021 में सुविवि के शिक्षक भाग लेंगे

भोपाल में होने वाली नेशनल एक्सपो एंड कांफ्रेंस–2021 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भाग लेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के निर्देशानुसार नेशनल एक्सपो एंड कांफ्रेंस–2021 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट प्रोग्राम हेड प्रो.अनिल कोठारी, वाणिज्य महाविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं लेखा एवं सांख्यिकी विभाग की डॉ. शिल्पा वर्डिया तथा रेडिमेड गारमेंट की प्रभारी डॉ. डॉली मोगरा करेंगी। इस कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष के 100 से अधिक कुलपति शामिल होंगे तथा इस कार्यक्रम में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लिए जाने वाले नवाचारों पर चर्चा की जाएगी

'राजस्थान दिवस' सप्ताह की शुरुआत

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से 'राजस्थान दिवस' सप्ताह की शुरुआत दिनांक 23 मार्च, 2021 को हुई। पहले दौर में 12 शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया तथा रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारत की बलिदान परंपरा का सांस्कृतिक उन्नयन में योगदान एवं राष्ट्रीय बलिदान दिवस तथा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक सामाजिक विज्ञान मानविकी महाविद्यालय की अधिष्ठाता प्रो सीमा मलिक ने बताया कि 12 शहीदों के परिवारजनों का अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन भी हुआ जिसमें 45 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सोशल एक्टिविस्ट सुशील पंडित थे। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि शहीदों का सम्मान हम सबका सम्मान है, देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद सदैव याद किए जाएंगे।

आधारभूत संरचना विकास

आधारभूत सुविधाओं के बढ़ने से हमारी कार्य योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्रता से होता है। संसाधनों के विस्तार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी विकास के नए अवसर प्राप्त होते हैं। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यग्रहण के साथ ही आधारभूत संरचना विकास की दिशा में भी कई कार्य हुए। विश्वविद्यालय में होने जा रहे नए भवनों के निर्माण और भविष्य में होने वाले निर्माण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध कार्य संपादन जारी है।

नए भवनों का लोकार्पण

विश्वविद्यालय में रूसा और स्थानीय निधि के सहयोग से लगभग 417.95 लाख रुपये की लागत से अनेक महत्त्वपूर्ण निर्माण कार्य इसी वर्ष लोकार्पित हुए हैं जिनमें भूगोल भवन, दृश्यकला भवन, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में वुमन फैकल्टी रूम और स्टोर रूम, परिसर में केफेटेरिया के निर्माण कार्य प्रमुख हैं। इसी के साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों के लिए स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय भवन तथा सिंथेटिक लॉन टेनिस कोर्ट का भी लोकार्पण किया गया। शिक्षा भवन, विधि भवन एवं कम्प्यूटर भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने की स्थिति में है।।

नए भवनों का शिलान्यास

कुलपति प्रो. सिंह के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में नए भवनों के शिलान्यास का दौर आरंभ हुआ। इस अल्पावधि में ही कई भवनों का शिलान्यास हो चुका है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान के करकमलों से 26 फरवरी, 2021 को विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों का शिलान्यास संपन्न हुआ। इनमें 'कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर', 'ट्राइबल फैमिली हॉस्टल', 'वाणिज्य महाविद्यालय में पुस्तकालय', 'वाणिज्य महाविद्यालय में सेमिनार हॉल', 'कर्मचारी भवन', 'मेवाड़ पीठ भवन' और 'विवाह पूर्व परामर्श केंद्र' शामिल हैं। इस कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रो. सी.पी. जोशी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह सहित अन्य विद्वान उपस्थित रहे।

आर्किटेक्चर कॉलेज के नवीन भवन का निर्माण कार्य आरंभ

कुलपति ने प्रस्तावित इंजिनियरिंग और आर्किटेक्चर कॉलेज भवन के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश करने के लिए प्रो. एम.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 को आदेश जारी करवाकर कमेटी का गठन करवाया जिसमें प्रो. सीमा जालान और श्री राकेश जैन को सदस्य नामित किया गया। यह कमेटी इस प्रस्तावित महाविद्यालय के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की नव गठित फैकल्टी के आर्किटेक्चर कॉलेज के नवीन भवन का निर्माण कार्य दिनांक 21 मार्च, 2021 से शुरू हुआ। कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह के निर्देशन में खुदाई का कार्य प्रारंभ हुआ। विधि महाविद्यालय के पीछे की ओर खाली जमीन पर इस भवन का निर्माण हो रहा है। एकेडमिक काउंसिल व बॉम के निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय में नए इंजीनियरिंग एवं आर्किटेक्चर भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

भव्य स्वागत द्वार

छात्रों द्वारा लंबे समय से माँग की जा रही थी कि विश्वविद्यालय का शहर की ओर एक भव्य स्वागत द्वार हो। विद्यार्थियों की इस माँग पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने सकारात्मक पहल करते हुए इस कार्य को आरंभ करवा दिया।

संविधान पार्क

माननीय महामहिम के द्वारा भारतीय संविधान के मूल भाव के संरक्षण और उससे अधिकाधिक प्रेरणा प्राप्त करने के पुनीत उद्देश्य से विश्वविद्यालय में संविधान पार्क बनाने का विचार व्यक्त किया गया था, जिसका अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने संविधान पार्क निर्माण का संकल्प लिया तथा 26 नवम्बर, 2020 को महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र के करकमलों से उसका शिलान्यास करवाया। यह अतिशीघ्र ही मूर्त रूप में हमारे समक्ष होगा।

विश्वस्तरीय साइंस सेंटर

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में 40 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय साइंस सेंटर निर्माण का कार्य प्रक्रियाधीन है। यह अपने तरीके का देश का सबसे अनोखा साइंस सेंटर होगा। यह निर्णय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एकेडमिक कौंसिल की बैठक में लिया गया। केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय तथा विज्ञान एवं तकनीकी विभाग को साइंस सेंटर का प्रस्ताव भेजा जा रहा है। यह सेंटर विश्वविद्यालय की साढ़े सात एकड़ जमीन पर विकसित किया जाएगा जबकि इसकी स्थापना और विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार मिलकर आर्थिक सहयोग करेगी। इसको बनाने में 30 करोड़ की लागत आएगी जबकि 10 करोड़ का रिजर्व फंड इसके संचालन में लगाया जाएगा। यह अपने तरीके का देश का अनूठा साइंस सेंटर होगा जिसमें अंतरिक्ष,

सौरमंडल, खगोल एवं विज्ञान से जुड़ी तमाम जिज्ञासाओं और समाधानों का थ्री–डी प्रदर्शन होगा। यह एक प्लेनिटोरियम की तरह विकसित किया जाएगा।

ई–रिक्शा संचालन

विश्वविद्यालय परिसर में लंबे समय से ई–रिक्शा संचालन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी अतः कुलपति ने इस दिशा में सक्रिय प्रयास करते हुए परिसर में ई–रिक्शा संचालन को स्वीकृति दी और दिनांक 12 जनवरी, 2021 को आयुक्त, नगर निगम को पत्र लिखा। श्रीमान महापौर ने शहर के प्रति सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय को ई–रिक्शा उपलब्ध कराने को लेकर अपनी सहमति दी है अतः निर्देशानुसार नगर निगम के साथ अनुबंध की प्रक्रिया आरंभ की गई। ई–रिक्शा संचालन से बाहर दूर–दराज से विश्वविद्यालय में आ रहे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को विशेष सुविधा मिल सकेगी।

कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह ने नगर निगम से लगातार संवाद कायम कर के आठ ई–रिक्शा स्वीकृत करवाए थे। प्रथम चरण में नगर निगम ने चार ई–रिक्शा विश्वविद्यालय को सौंप दिए हैं। इस पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने दिनांक 22 मार्च, 2021 को उदयपुर नगर निगम के महापौर जीएस टांक एवं आयुक्त हिम्मत सिंह बारहठ से मुलाकात की और ई– रिक्शा दिए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। दिनांक 23 मार्च, 2021 को कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में छात्र–छात्राओं और आगन्तुकों की सुविधा के लिए ई–रिक्शा का शुभारम्भ किया। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से विभिन्न कॉलेजों एवं प्रशासनिक भवन तक पहुंचने में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को पैदल चलना पड़ता है। ई–रिक्शा चलने के बाद विद्यार्थियों को यह सुविधा निशुल्क प्राप्त हो सकेगी।

मेवाड़ सदन

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की संकल्पना है कि विश्वविद्यालय से विभिन्न कार्यों के निमित्त संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी तथा शोधार्थी–विद्यार्थी वर्षभर में कई बार जयपुर की यात्रा पर होते हैं। उनके वहाँ आवास और भोजन आदि की सुव्यवस्थित और सुविधाजनक व्यवस्थाओं के लिए जयपुर स्थित राजस्थान विश्वविद्यालय में मेवाड़ सदन नाम से एक सुखाड़िया विश्वविद्यालय का अतिथि गृह बने। इस योजना पर कुलपति सिंह ने राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ संवाद किया। इस पर दोनों विश्वविद्यालयों ने सहमति जतायी कि दोनों विश्वविद्यालय एक–दूसरे के परिसर में अपने अतिथि गृह बना सकेंगे। कुलपति सिंह ने इस अतिथि गृह निर्माण में आ रहे खर्च के लिए भामाशाहों से भी आगे आने का आह्वान किया है। जयपुर में मेवाड़ सदन के संचालन के लिए भामाशाह, एफिलियेट कॉलेज, पूर्व छात्र परिषद से सहयोग लेने का निर्णय किया गया।

विश्वविद्यालय के उद्यानों का रखरखाव

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभिन्न उद्यानों को सामुदायिक सहभागिता से विकसित किया जाएगा। कुलपति की पहल पर उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं कार्यालयों में स्थित विभिन्न उद्यानों के विकास व रखरखाव के लिए विभिन्न सामुदायिक संस्थाओं की सहायता ली जाएगी। इन उद्यानों के विकास व रखरखाव में जो भी संस्था अपनी रुचि प्रदर्शित कर उन्हें गोद लेगी, उनके नाम पर उद्यान का नामकरण किया जाएगा, यह भी निर्णय लिया गया।

(पौधारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह व अन्य)

विश्वविद्यालय की गतिविधियों का सेटेलाइट के माध्यम से प्रसारण

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने हाल ही में प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आबूरोड के साथ एक एम.ओ.यू. किया है। इसके तहत सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों का सेटेलाइट के माध्यम से 144 देशों में विश्व की सात भाषाओं में प्रसारण होगा। इस प्रकार विश्वविद्यालय की गतिविधियों को वैश्विक पटल पर पहचान मिलेगी।

सुविवि कुलपति की महापौर से भेंट, सिटी बसों और प्याऊ निर्माण पर बातचीत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने शहर के महापौर से मुलाकात कर शहर से विश्वविद्यालय तक सिटी बस चलाने की माँग की जिससे कि दूरदराज से आने वाले बच्चों को विश्वविद्यालय पहुँचने में दिक्कत न हो। महापौर ने कहा कि नगर निगम शीघ्र ही सिटी बसों का संचालन शुरू करेगा। कुलपति की माँग पर नगर निगम पानी की प्याऊ बनाने पर भी सहमत हुआ। पहली प्याऊ विज्ञान महाविद्यालय में, दूसरी प्याऊ सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में एवं तीसरी प्याऊ विश्वविद्यालय परिसर में बनाई जाएगी। कुलपति ने कहा कि नगर निगम की विभिन्न योजनाओं के प्रसार एवं शहर के विकास में विश्वविद्यालय सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।

मानव संसाधन विकास

स्थायीकरण एवं सी.ए.एस.

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का विजन सदैव शिक्षक व संस्था हित को प्रमुखता देने वाला रहा है। कुलपति के पदभार ग्रहण के साथ ही अपनी विभिन्न विभागों की यात्रा में कुलपति ने संकाय सदस्यों के साथ संवाद कर उनके सी.ए.एस. के बारे में जानकारी ली। उस समय विशेष रूप से दो बातें ध्यान में आई कि वर्ष 2018 में नियुक्त सहायक आचार्यों की दो वर्ष की सेवा अवधि अर्थात् परिवीक्षा काल पूर्ण हो चुका है और वे सभी अपने स्थायीकरण की प्रतीक्षा में है। साथ ही वर्ष 2007 में नियुक्त सहायक आचार्यों को सह आचार्य के पद के लिए पदोन्नति प्रक्रिया के आरंभ होने की इंतजार है। ऐसे में कुलपति प्रो. सिंह ने शिक्षक हितों से जुड़े दोनों ही विषयों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित रूप से दोनों कार्यों को अंजाम दिया।

दिनांक 15 सितंबर, 2020 को स्थायीकरण आदेश जारी कर नवनियुक्त 81 सहायक आचार्यों का स्थायीकरण कार्य संपादित किया गया। विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के 27, विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय के 09, विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय के 31, भूविज्ञान विभाग के 09 शिक्षकों के साथ–साथ विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय के 05 नवनियुक्त शिक्षकों के स्थायीकरण आदेश जारी कर उन्हें स्थायी किया गया। स्थायीकरण होने से शिक्षक साथियों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

वहीं एसोसियेट प्रोफेसर पद के लिए साक्षात्कार की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों के साक्षात्कार दिनांक 18 जनवरी, 2021 को आयोजित करवाए गए। दिनांक 20 फरवरी, 2021 (शनिवार) को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के अतिथि गृह में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई प्रबंध मंडल की बैठक में 6 असिस्टेंट प्रोफेसर्स के कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत एसोसिएट प्रोफेसर की पदोन्नति वाले बहु प्रतीक्षित लिफाफे खोले गए। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में 6 नए एसोसिएट प्रोफेसर बन गए। इनमें विधि महाविद्यालय की डॉ. राजश्री चौधरी और डॉ. शिल्पा सेठ, हिंदी विभाग से डॉ. नीतू परिहार, डॉ नवीन नंदवाना और डॉ आशीष सिसोदिया तथा बायोटेक्नोलॉजी की डॉ. हर्षदा जोशी शामिल हैं। बैठक में गवर्नर नोमिनी प्रो. बी.पी. सारस्वत, राज्य सरकार नोमिनी डॉ. यदुगोपाल शर्मा, हायर एजुकेशन सचिव डॉ. नईम के साथ ही कार्यवाहक रजिस्ट्रार सुरेश जैन, बोम सदस्य प्रो. पी.के. सिंह, प्रो. कनिका शर्मा, प्रो. सीमा जालान, प्रो. घनश्याम सिंह राठौड़, डॉ. अजित भाबोर मौजूद थे, शेष सदस्य ऑनलाइन माध्यम से बैठक से जुड़े। इस प्रकार शिक्षक हितों के दो अहम कार्य माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा अपने सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण के कुछ ही माह में ही पूर्ण किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह शिक्षक हितों को लेकर सदैव सकारात्मक रहते हैं। वे हमारे युवा शिक्षक साथियों के समयबद्ध कॅरियर एडवांसमेंट के लिए भी कार्य कर रहे हैं।

सम्मान व पुरस्कार

विश्वविद्यालय में हमारे विद्वान शिक्षक साथियों ने ज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान देकर विभिन्न सम्मान और पुरस्कार अर्जित किए हैं। इस वर्ष हमारे विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. नीरज शर्मा को वैदिक संस्कृति संरक्षण में योगदान के लिए महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के प्रतिष्ठित महर्षि हारित राशि अलंकरण से सम्मानित किया गया। पत्रकारिता विभाग के डॉ. कुंजन आचार्य को पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध माणक अलंकरण से सम्मानित किया गया। हमारे वनस्पति शास्त्र के सह आचार्य डॉ. विनीत सोनी को हैदराबाद अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आउटस्टेंडिंग साइंटिस्ट का अवार्ड मिला। व्यावसायिक प्रशासन की आचार्य डॉ. राजेश्वरी नरेंद्रन् को महिला उद्यमिता में योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि एम.एस.सी. की छात्रा प्रियंका ओझा ने JEST 2020 के अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विभाग के शोध छात्र श्री गणेश लाल और सुश्री सोनी कुमावत को बीकानेर में आयोजित कंडेंस्ड मैटर भौतिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं पूर्व छात्रों को उनके अकादमिक योगदान तथा समर्पित सेवाओं के लिए प्रतिवर्ष नकद पुरस्कार सहित सम्मानित किए जाने की योजना प्रारंभ की। इससे उल्लेखनीय कार्य करने वाले हमारे शिक्षक और कार्मिक साथियों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा तथा युवा अध्यापकों में नवीन उत्साह का संचार होगा।

सेवानिवृत्ति पर अभिनंदन

माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के आगमन के साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान की विशिष्ट परंपरा का आरंभ हुआ। वरिष्ठ प्रोफेसर्स की सेवानिवृत्ति पर कुल के मुखिया के रूप में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने प्रो. साधना कोठारी की सेवानिवृत्ति पर 30 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्ति समारोह के बाद उन्हें अपनी गाड़ी से घर तक विदा कराया। यह कुलपति का एक शिक्षक के प्रति सम्मान को दर्शाता है। ध्यातव्य है कि प्रो. साधना कोठारी विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की अधिष्ठाता, भूगोल विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय एवं भू विज्ञान संकाय की अध्यक्ष एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की सदस्य रही हैं।

सामाजिक विकास दायित्व निर्वहन

विश्वविद्यालय का दायित्व अकादमिक उन्नयन के साथ–साथ अपने क्षेत्र के समाज के कल्याण के दायित्वों का निर्वहन करना भी होता है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की दिशा में भी जागरूक है। कुलाधिपति के आह्वान पर विश्वविद्यालय ने विगत कई वर्षों से अपने क्षेत्र के गाँव को गोद लेकर उसके विकास में अपना सहयोग देना जारी रखा है। वर्तमान में भी विश्वविद्यालय अपने दायित्वों के प्रति सजग है और नितप्रति सक्रियता से इस दिशा में बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यकाल में किए गए कुछ उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार है–

मास्क वितरण

कोरोना काल संपूर्ण विश्व के लिए संकटकाल सिद्ध हुआ। इस दौर में हमारी सरकारों और विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने जरूरतमंद लोगों की बढ़–चढ़कर मदद की। दिनांक 09 जनवरी, 2021 को सुखाड़िया विश्वविद्यालय और गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने मिलकर संकट के इस दौर में सामाजिक दायित्वों के निवर्हन में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की पहल पर विश्वविद्यालय ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोरोना से बचाव व जागरूकता के लिए 01 लाख मास्क वितरण का लक्ष्य लिया। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह और गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. इंद्रवर्धन त्रिवेदी के नेतृत्व में दोनों विश्वविद्यालयों के अपने–अपने क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक महाविद्यालय ने 500 मास्क वितरित किए। दोनों कुलपति अपने–अपने विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिए गाँवों में जाकर मास्क वितरण कर लोगों में कोरोना के संबंध में जागरूकता जगाने का कार्य किया। साफ–सफाई की महत्ता से भी ग्रामीणों को अवगत कराया। विभिन्न विभागों और प्रशासनिक इकाइयों के साथ–साथ विद्यार्थियों और विगत सत्रों के छात्रसंघों के पदाधिकारियों और विद्यार्थियों ने इस पुनीत कार्य में अपना सक्रिय योगदान दिया। इसी क्रम में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए आदर्श गाँव कैलाशपुरी में मास्क वितरित किए गए। इसमें 35 हजार मास्क आई.सी.आई.सी.आई. के सौजन्य से प्राप्त हुए।

(मास्क वितरण करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह।)

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की ओर से कैलाशपुरी गाँव को गोद लिया गया है। वहाँ पर नियमित कार्यक्रम होते रहते हैं लेकिन कुलपति प्रोफेसर सिंह ने गोद लिए गए गाँव के अलावा भी आसपास के आदिवासी इलाकों में मदद एवं जागरूकता का काम हाथ में लिया है। लायंस क्लब एलीट की ओर से भी इसी गाँव में मकर सक्रांति के अवसर पर मिठाई एवं मास्क वितरण का कार्यक्रम किया गया था।

साड़ी वितरण

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर अमेरिका सिंह के नेतृत्व में देबारी के पास स्थित हकदर ग्राम पंचायत में डेढ़ सौ महिलाओं को साड़ियाँ वितरित की गईं। ग्रामीण इलाकों में जन जागरूकता के लिए कुलपति प्रोफेसर सिंह के नेतृत्व में पिछले 6 महीने से विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में हकदर ग्राम में यह दूसरा आयोजन किया गया। कुलपति ने आदिवासी महिलाओं को साड़ियों का वितरण किया।

धार गाँव गोद लेना

सत्र 2018—19 में विश्वविद्यालय द्वारा धार गाँव गोद लिया गया, तब से ही विश्वविद्यालय इस गाँव में जन—जागरूकता फैलाने और विविध विकास योजनाओं को वहाँ के निवासियों तक पहुँचाने में अपनी महती भूमिका अदा कर रहा है। विश्वविद्यालय वर्तमान में भी इस गोद लिए गए आदर्श गाँव धार में सरकारी योजनाओं के प्रचार—प्रसार के लिए नियमित जनसंपर्क कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 02 दिसंबर, 2020 को कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के निर्देश पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूरणमल यादव एवं चीफ प्रॉक्टर प्रो. बी. एल. वर्मा ने बुधवार को धार गाँव का दौरा किया। सरपंच एवं विकास अधिकारी से मुलाकात करके अब तक की विकास योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने व्यवसाय प्रशासन विभाग के प्रो. बी. एल. वर्मा, को विश्वविद्यालय द्वारा आदिवासी उप योजना क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए गाँवों को गोद लेने के लिए नोडल अधिकारी मनोनीत किया है। कुलसचिव कार्यालय से इस आशय का आदेश दिनांक 06 अक्टूबर, 2020 को जारी किया गया।

हकदर गाँव गोद लेना

विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव जागरूक रहा है। विश्वविद्यालय ने समय—समय पर गाँव गोद लेकर उसके उत्थान की दिशा में अपना योगदान दिया है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, लायंस क्लब एलीट एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 14 जनवरी, 2021 (गुरुवार) को गिर्वा तहसील के हकदर गाँव में कंबल, मास्क, तिल के लड्डू का वितरण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने सरपंच उड़ी बाई एवं गाँववासियों के सामने घोषणा की कि लायन्स क्लब के साथ मिलकर विश्वविद्यालय इस गाँव को 1 साल के लिए गोद लेगा एवं दोनों मिलकर जन जागरूकता के काम करेंगे।

कैलाशपुरी गाँव गोद लेना

हाल ही में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के निर्देश पर कुलसचिव ने दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पत्र जारी कर व्यवसाय प्रशासन विभाग के प्रो. बी.एल. वर्मा को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कैलाशपुरी गाँव के समग्र विकास के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त किया है। कुलपति के निर्देश पर गोद लिए गए कैलाशपुरी गाँव में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत और स्थानीय विद्यालय के सहयोग से एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीण जनों के साथ संवाद किया गया। चिकित्सकों के निर्देशन में दंत चिकित्सा एवं लूरोसिस संबंधी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन एकलिंग जी मंदिर के समीप स्वच्छता अभियान के तहत साफ—सफाई भी की गई तथा विरासत स्थलों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

महिला सम्मान

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय महिला सम्मान और सशक्तीकरण की दिशा में भी सदैव अग्रणी रहा है। हाल ही में 08 मार्च, 2021 को कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला प्रोफेसर्स का सम्मान और महिला चित्रकारों की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी शुची शर्मा थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव नीलिमा सुखाड़िया और वेदांता की सी.एस.आर. हेड नीलिमा खेतान विशिष्ट अतिथि थीं। शिक्षा संकाय के चेयरमैन प्रो. सी. आर. सुथार उपस्थित थे।

इस दिन विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती अतिथि गृह की कला वीथिका में चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। भारतीय प्रशासनिक सेवा

अधिकारी शुचि शर्मा द्वारा सृजित 90 चित्रों के साथ ही उदयपुर शहर की 25 ख्यातनाम महिला कलाकारों द्वारा कल्पनाओं की कूँची और जीवन से भरे रंगों से बनाए चित्रों को प्रदर्शित किया गया। शहर की प्रसिद्ध महिला कलाकारों में सुरजीत चोयल, किरण मुर्डिया, मीना बया, ज्योतिका, डिंपल, शर्मिला, इति कच्छावा, प्रेषिका द्विवेदी, स्वाति लोढ़ा, कुमुदिनी सोनी, वीरांगना सोनी, कहानी भाणावत, भावना झाला, कंचन राठौड़, दीपिका माली, मुक्ता शर्मा, नीलू, प्रीति निमावत और ज्योति द्विवेदी के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई।

इस कार्यक्रम में शुची शर्मा, नीलिमा खेतान, प्रो. कनिका शर्मा, प्रो. सीमा मलिक, प्रो. सीमा जालान, प्रो. सुधा चौधरी, प्रो. प्रतिभा, प्रो. आरती प्रसाद, प्रो. एन. लक्ष्मी, प्रो. कल्पना जैन, प्रो. मीरा माथुर, प्रो. अंजना पालीवाल, डॉ. गरिमा जोशी, डॉ. तरु सुराणा, डॉ. शिल्पा सेठ, डॉ. हर्षदा जोशी, डॉ. शिखा अग्रवाल, डॉ. वर्षा शर्मा, डॉ. शिल्पा वर्डिया, प्रतीती और नेहा कुमावत का अभिनंदन किया गया।

परमार्थ योजना

विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति कटिबद्ध है। कुलपति की पहल पर शीघ्र ही विश्वविद्यालय द्वारा इसी शृंखला में परमार्थ योजना का आरंभ किया जाएगा। इस योजना के तहत विश्वविद्यालय परिसर के आसपास स्थित कच्ची व मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता वाली बैठक में मार्च, 2021 में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक अपराह्न 03 बजे बाद विश्वविद्यालय परिसर के आसपास स्थित कच्ची व मलिन बस्तियों में जाएँगे और वहाँ के बच्चों को शिक्षा देंगे साथ ही उनके विद्यालय से प्राप्त गृहकार्य के संपादन में सहयोग करेंगे। उन बच्चों व उनके अभिभावकों को शिक्षा का महत्त्व समझाकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा की ओर प्रेरित करेंगे।

आशाधाम में निराश्रितों को देंगे स्नेहभोज

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने दिनांक 14 मार्च, 2021 (रविवार) को आशाधाम का अवलोकन किया। इस दौरान कुलपति ने यहाँ रहने वाले निराश्रित, मानसिक विक्षिप्त लोगों को पुनः समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से कमजोर लोगों को सृजनात्मक व मनोरंजनात्मक विधाओं से जोड़कर पुनः सामान्य स्थिति में लाने का प्रयास विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि मनोस्थिति से जूझ रहे ऐसे कई लोगों में अलग–अलग प्रतिभाएँ छिपी हुई हैं, जिन्हें पुनः प्रयास के माध्यम से निखारा जा सकता है। सुखाड़िया विश्वविद्यालय इसके लिए हर संभव सार्थक प्रयास करेगा। कुलपति सिंह ने घोषणा की कि वे हर माह की पहली तारीख को व्यक्तिगत स्तर पर आशाधाम में रहने वाले लोगों को स्नेहभोज देंगे। संस्थान की सिस्टर डेनियल के अनुसार संस्थान बीते ढाई दशक से ज्यादा समय से घर से बेघर महिलाओं और पुरुषों का लालन–पालन कर रहा है। वर्तमान में 250 से अधिक लोग यहाँ निवास कर रहे हैं।

जनजाति कल्याण

आदिवासी मिलाप योजना

विश्वविद्यालय प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जनजातीय समाज के छात्रों के शैक्षणिक विकास एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्यशील एवं प्रतिबद्ध है। हम संभाग की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आदिवासी परंपराओं के अकादमिक संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयत्नशील हैं। हमने प्रो. अमेरिका सिंह की इस महत्त्वपूर्ण योजना के तहत जनजातीय समाज का विश्वविद्यालय के साथ सुचारू और समुचित समन्वय स्थापित करने के लिए 'आदिवासी मिलाप योजना' प्रारंभ की है जिसके माध्यम से हम जनजातीय समाज के लिए कार्यक्रमों का आयोजन एवं क्रियान्वयन कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय ने अपने अकादमिक विस्तार को राष्ट्रीय पहचान देते हुए भारत के सीमावर्ती नौ राज्यों के साथ पारस्परिक सहमति बनाई है जिनमें उत्तर–पूर्व राज्यों के 27 आदिवासी छात्रों को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा निःशुल्क पीएच.डी. शोध उपाधि के लिए समस्त अपेक्षित सुविधाएँ उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थित सुदूर जनजातीय क्षेत्रों में सूचना तकनीक की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए रूसा–2 के अंतर्गत एक मोबाइल लेबोरेट्री की भी स्थापना कर रहे हैं जो स्थानीय कला, प्रोडक्टर को 'वॉकल फोर लोकल' में एक महत्त्वपूर्ण कार्य होगा। यह नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक विशिष्ट प्रयास होगा।

आदिवासी बच्चों के लिए रोजगार सृजन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं इंडियन रबर इंस्टीट्यूट (आई.आर.आई.) राजस्थान ब्रांच मिलकर तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में कार्य करेंगे जिससे ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र के विद्यार्थियों को रबड़ एवं पॉलीमर कंपनी में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस विषय पर दोनों संस्थानों के बीच इस बैठक हुई और एम.ओ.यू. पर चर्चा हुई। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने आई.आर.आई. के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर का पॉलीमर एवं रबड़ तकनीकी संस्थान बनाने का प्रस्ताव दिया, साथ ही सुखाड़िया विश्वविद्यालय और आई.आर.आई. मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता अभियान शुरु करेंगे।

विरासत संरक्षण

लोक विरासत अध्ययन केंद्र

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में 'लोक विरासत अध्ययन केंद्र' विकसित करने का निर्णय लिया गया। कुलपति प्रो. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तय किया गया कि इस केंद्र के माध्यम से लोक कलाओं और लोक संस्कृति का संरक्षण किया जाएगा। 'लोक विरासत अध्ययन केंद्र' के प्रस्ताव के मूल्यांकन के लिए कुलपति की अनुशंसा पर दिनांक 11 दिसंबर, 2020 को एक कमेटी गठित की गई जिसमें प्रो. नीरज शर्मा को संयोजक बनाया गया तथा सदस्य रूप में प्रो. सीमा जालान और डॉ. पामिल मोदी को जोड़ा गया।

मेवाड़ पीठ

महाराणा कुंभा के कला संस्कृति में योगदान विषय पर शोध करने के लिए एक मेवाड़ पीठ की स्थापना की जाएगी जिसमें महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन से भी सहयोग लिया जाएगा। महाराणा कुंभा पीठ की स्थापना हेतु एक समिति गठित की गई जो कि इस पीठ के उद्देश्यों को सुनिश्चित करेगी और उसमें जनोपयोगी और जनहितार्थ उद्देश्यों को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाएगा। कमेटी का संयोजक डॉ. कुंजन आचार्य को बनाया गया। इस कमेटी में प्रो. एस.के. कटारिया, प्रो. के.एस. गुप्ता और डॉ. देव कोठारी को वरिष्ठ सदस्य के रूप में जोड़ा गया।

नैतिक मूल्य एवं युवा विकास

आनंदम्

राज्य सरकार द्वारा आनंदम् को एक क्रेडिट कोर्स के रूप में पूरे राजस्थान में सत्र 2020–2021 में लागू किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए विद्वत परिषद की बैठक दिनांक 14 सितंबर, 2020 में पारित प्रस्ताव को अपना अनुमोदन प्रदान किया। तत्पश्चात् दिनांक 24 नवंबर, 2020 को कुलसचिव ने आदेश जारी किया जिसमें यह दर्शाया कि इस आशय के आदेश सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, सचिवालय, जयपुर द्वारा दिनांक 03 एवं 06 नवम्बर, 2020 को जारी किए गए, उसकी अनुपालना सुनिश्चित की जाए। आनंदम् को एक क्रेडिट कोर्स के रूप में लागू करने वाला यह विश्वविद्यालय राज्य का अग्रणी विश्वविद्यालय है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को खुशियाँ बाँटने और खुश रहने के लिए बनाया गया है। इससे उनमें मैत्री, करुणा, सहृदयता, सृजनता और नेतृत्व के गुणों का विकास होगा। सामाजिक समस्याओं की समझ और उन्हें मिलकर सुलझाने में विद्यार्थी स्वयं अपनी भूमिका तय करेंगे। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर ने स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के स्तर पर 'आनंदम्' शुरु किया है। यह दूसरों को खुशी देने के साथ स्वयं खुश रहने के लिए एक ड्राइव है। वंचितों के लिए त्याग, सेवा और सहायता इस कोर्स के की–वर्ड हैं।

'आनंदम् अभिविन्यास' नाम से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा 27 नवंबर, 2020 को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव डॉ. शुचि शर्मा ने कहा कि आनंदम एक ईश्वरीय प्रेरणा से जन्मा एक विचार है जो छात्रों को आनंद की सहज मानवीय स्थिति में रखने वाला है। इसका किसी संप्रदाय या राजनीति से कोई संबंध नहीं है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि सुविवि में यह पाठ्यक्रम सबसे प्रभावी तरीके से लागू किया गया है। विद्यार्थी समूह और शिक्षक सभी मन लगाकर इस पाठ्यक्रम के संचालन में पहल कर रहे हैं। आनंदम् कोर्स में छात्रों को रोजाना भलाई का काम करके उसे दैनिक डायरी में दर्ज करना होता है तथा समूह में कोई सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट पर काम करना होता है। प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से केम्पस में पढ़ रहे नियमित छात्रों को आनंदम् डायरी देने और ग्रुप एक्टीविटी में श्रेष्ठ परियोजना को पुरस्कृत करने की भी घोषणा की। सुविवि आनन्दम् परामर्श समिति का गठन करने का भी निर्णय लिया गया। विशिष्ट अतिथि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विवि के शिक्षा प्रमुख डॉ. बी.के. मृत्युंजय ने छात्रों के जीवन में सदाचार, शांति और प्रसन्नता जैसे मूल्यों के विकास पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. नीलिमा खेतान ने ग्रुप एक्टीविटी में कारपोरेट सी.एस.आर. तथा गैरसरकारी संगठनों की भूमिका और समन्वय के बारे में बताया। सुविवि आनन्दम् निदेशक प्रो. नीरज शर्मा ने कहा कि परीक्षा फार्म में वार्षिक योजना में आनंदम् का प्रेक्टीकल पेपर 100 अंक का और सेमेस्टर में 50 अंक या 2 क्रेडिट का होगा। इस साल यह सभी कोर्सेज के प्रथम सेमेस्टर या प्रथम वर्ष में चलेगा और अगले सालों में क्रम से लागू होता रहेगा। स्वयंपाठी छात्रों के लिए यह कोर्स पेपर जरूरी नहीं होगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय ने सभी संघटक और संबद्ध महाविद्यालयों के साथ मिलकर कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए तथा 07 दिसम्बर, 2020 को हमने व्यापक स्तर पर 'आनंदम्' दिवस का आयोजन किया जिसमें सहयोगी संगठनों के साथ 171 संस्थाओं ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू तथा अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ छात्रों के नैतिक और चारित्रिक विकास हेतु कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एम.ओ.यू. किए हैं। विश्वविद्यालय में स्वतंत्र रूप से आनंद एवं आरोग्य केंद्र स्थापित किया गया है जो विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए संकल्पित और कार्यरत है।

रेड रिबन क्लब

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ ही उनमें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता जगाना चाहता है। इसी क्रम में विद्यार्थियों में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए एच.आई.वी. एड्स के विषय में जागरूकता के साथ सही व सटीक जानकारी एवं रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सत्र 2020–21 में विश्वविद्यालय अपने विभिन्न विभागों में लगभग 100 रेड रिबन क्लब की स्थापना करना चाहता है जिससे विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया जा सके।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने रेड रिबन क्लब की ओर से आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में राज्यभर के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया एवं उनका सम्मान किया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती अतिथि गृह सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में 25 रेड रिबन क्लब की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है, शीघ्र ही इसमें विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यभर से आए आर.सी.सी. कार्यकर्ताओं को कुलपति ने सम्मानित किया।

कुलपति का कक्षा अध्यापन

कुलपति पद के दायित्वों के निर्वहन करने के साथ–साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह स्वयं एक अच्छे शिक्षक भी हैं। अध्ययन–अध्यापन में रुचि के चलते कुलपति स्वयं इस प्रकार के अवसरों की तलाश में रहते हैं कि जब भी प्रशासनिक दायित्वों से कुछ अवकाश मिले तब विद्यार्थियों के साथ संवाद कायम हो। ऐसे में कुलपति कक्षा अध्यापन को प्रमुखता देते हैं। कुलपति ने विज्ञान संकाय के विविध विभागों में कक्षा अध्यापन का कार्य किया है। यह कार्य युवा विकास एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना की दिशा में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। कुलपति का स्वयं कक्षा अध्यापन करवाना विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक होता है। साथ ही इससे विद्यार्थियों में भी नए उत्साह और ऊर्जा का संचार होता है।

दिनांक 13 फरवरी, 2021 विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने पर्यावरण विज्ञान विषय के एम.एससी. के छात्रों को दूषित जल उपचार एवं जल की कठोरता विषय पर कक्षा अध्यापन कार्य किया। उन्होंने बहुत रोचक माध्यम से कक्षा अध्यापन किया। इस कक्षा में एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान के छात्रों के अतिरिक्त, एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी एवं एम.एससी. सूक्ष्मजैविकी के विद्यार्थी एवं समस्त शोधार्थी उपस्थित थे। इस कक्षा में विद्यार्थियों के साथ–साथ पर्यावरण विज्ञान विषय की विभागाध्यक्ष डॉ. निधि राय, संकाय सदस्य डॉ. देवेंद्र सिंह राठौड़, डॉ. अनुया वर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. नीतेश राय, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अविनाश पँवार इत्यादि उपस्थित थे।

(पर्यावरण विज्ञान विभाग में कक्षा–अध्यापन कराते हुए माननीय कुलपति।)

संविधान के मूल कर्तव्यों का वाचन

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में भारत के संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूकता और कर्तव्य बोध की भावना विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय ने नवाचार आरंभ किया। गौरतलब है कि दुनिया भर के कई देशों ने 'जिम्मेदार नागरिकता' के सिद्धांतों को मूर्त रूप देकर स्वयं को विकसित व्यवस्थाओं में बदलने का कार्य किया है, प्रदेश के विश्वविद्यालयों के समक्ष कुछ कुछ ऐसी ही नज़ीर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने पेश की है। देश के प्रति विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व की भावना का विकास करने, संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उच्च

शिक्षा परिदृश्य में प्रासंगिकता दर्शाने व भारतीय संविधान की मूल भावना को सार्थक करने के उद्देश्य से हाल ही में प्रो. सिंह ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को महाविद्यालय में किए जाने वाले प्रत्येक आयोजन में 'संविधान के मूल कर्तव्यों' का वाचन करने के दिशा–निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार महाविद्यालय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रम, बैठकों व आयोजनों के आरंभ में 'संविधान के मूल कर्तव्यों' का वाचन किया जाएगा। कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की मंशानुरूप विश्वविद्यालय में लागू इस नवीन व्यवस्था से जहाँ एक ओर देश की संवैधानिक व्यवस्था को बल मिलेगा वहीं दूसरी ओर शिक्षक व विद्यार्थियों में देश के प्रति जागरुकता की भावना विकसित होगी। कर्तव्यों की समझ को विकसित करने के लिए ही विश्वविद्यालय ने इस नवाचार को लागू किया है।

'विश्वविद्यालय रोवर क्रू' का शुभारंभ

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय स्तर पर 'विश्वविद्यालय रोवर क्रू' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के रोवर क्रू के लीडर डॉ. खुशपाल गर्ग के नेतृत्व में रोवर क्रू के एक शिष्टमंडल ने कुलपति से भेंट की। इन्होंने रोवर क्रू द्वारा अब तक किए गए कार्यों से कुलपति को अवगत कराया। प्रो. अमेरिका सिंह ने इस अवसर पर रोवर क्रू को विश्वविद्यालय का दक्ष सेवादल बताते हुए रोवर क्रू के सभी सदस्यों को माननीय कुलाधिपति की मंशा के अनुसार समाज में सेवा कार्यों में तत्पर रहने तथा विश्वविद्यालय के समस्त कार्यक्रमों में अपनी सेवाएँ देने के लिए प्रेरित एवं निर्देशित किया। प्रो. सिंह ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय रोवर क्रू के राज्य पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागियों राजेश धाकड़, महावीर सिंह, देव कुमार जोशी और गोविंद लाल मेवाड़ा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

माननीय कुलपति महोदय ने इसी शैक्षणिक सत्र 2020–21 में राष्ट्रीय स्तर पर रोवर, रेंजर मूट, मीट का आयोजन करवाने की घोषणा की। सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट, उदयपुर मण्डल, बाबू सिंह राजपुरोहित एवं सी.ओ स्काउट, उदयपुर, सुरेंद्र कुमार पाण्डे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने दिनांक 14.3.2021 को माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर स्काउट की परम्परा के अनुरूप माननीय कुलपति महोदय का स्काउट स्कार्फ, पगड़ी, उपरना पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने स्काउट की विश्वविद्यालय में होने वाली गतिविधियों को विस्तृत बढ़ावा देने के लिए मार्गदर्शन दिया एवं विश्वविद्यालय में रोवर्स स्काउट द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

संवाद

संघटक महाविद्यालयों की यात्रा

विश्वविद्यालय के कार्यग्रहण के साथ ही यहाँ के भौतिक एवं अकादमिक ढाँचे को समझने और उसके साथ बेहतर तालमेल के साथ प्रगति की ओर बढ़ने की यात्रा आरंभ करवाने में माननीय कुलपति ने जरा भी विलंब नहीं किया। कार्यग्रहण के साथ ही कुलपति ने विभिन्न संघटक महाविद्यालयों का दौरा आरंभ किया। दिनांक 24 जुलाई, 2020 (शुक्रवार) को आप विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय गए और अधिष्ठाता प्रो. बी.आर. बामनिया तथा अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन प्रो. बी.एल. आहूजा के साथ सभी विभागों का दौरा कर संकाय सदस्यों से परिचय किया एवं संवाद यात्रा को आरंभ किया। यहाँ कुलपति ने उपस्थित संकाय सदस्यों को नए प्रोजेक्ट बनाने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में कुलपति ने सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय के विभागों की भी यात्रा की।

शिक्षकों के साथ संवाद

विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में कार्यग्रहण के साथ ही कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने संकाय सदस्यों के साथ संवाद के आरंभ किया। यह स्नेहिल और मधुर संवाद की प्रक्रिया निरंतर जारी है। कार्यग्रहण के साथ ही कुलपति ने संघटक महाविद्यालयों के विभागों का दौरा कर प्रत्येक शिक्षक के साथ संवाद किया। सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, विज्ञान महाविद्यालय, वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ संवाद के लिए दिनांक 21 जनवरी, 2021 को 'ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन इथिकल कोड ऑफ कंडक्ट फोर टीचर्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन कर कुलपति ने सभी के साथ अपने विचार साझा किए और संकाय सदस्यों के विचार जाने। इसमें विशेष रूप से नवनियुक्त शिक्षकों में से प्रत्येक विभाग के दो वरिष्ठ शिक्षकों ने भाग लिया।

नवनियुक्त संकाय सदस्यों के स्थायीकरण आदेश जारी करने के बाद भी कुलपति ऑनलाइन माध्यम से सभी संकाय सदस्यों से जुड़े तथा इन संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय हित में कार्य के लिए तत्पर रहने की प्रेरणा दी।

शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ संवाद

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की दृष्टि में यह सदैव रहा है कि किसी भी संस्था का प्रगति पथ पर बढ़ना तभी संभव होता है जब उसके सभी घटकों को समान महत्त्व दिया जाए और संस्था के सभी घटक भी अपनी पूर्ण निष्ठा से संस्था हित में कार्य करे। इसी को ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने अपने संवाद की शृंखला को न केवल शिक्षकों के साथ तक बल्कि उसे विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों से भी जोड़ा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती अतिथि गृह में विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संवाद के माध्यम से कुलपति ने अपने विज़न को विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ साझा किया और कर्मचारियों के विचार जाने और उनकी समस्याओं को भी सुना और साथ ही उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का विश्वास दिलाया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ संवाद

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने दिनांक 08 फरवरी 2021 (शुक्रवार) को विश्वविद्यालय के सबसे वयोवृद्ध पेंशनर प्रो. के.सी. भंडारी से उनके घर जाकर मुलाकात की। स्वास्थ्य और हालचाल पूछा। भंडारी 93 साल के हैं, उन्होंने तत्कालीन अविभाजित विश्वविद्यालय के एमबी कॉलेज में 1958 में काम शुरू किया था। कुलपति द्वारा सेवानिवृत्त वरिष्ठ साथी से मिलना उनकी व्यापक दृष्टि एवं मिलनसार स्वभाव को दर्शाता है। यह भी दर्शाता है कि संस्था और उसका मुखिया केवल अपने कर्मचारियों तक ही नहीं जुड़ा है बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी संस्था अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियो के साथ है।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पेंशनर्स संघ की ओर से कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का अभिनंदन किया गया। संघ के सचिव एच.एस. पंवार ने कुलपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पंवार ने कहा कि पेंशन संघ की तरफ से विश्वविद्यालय के विकास में हर संभव योगदान दिया जाएगा। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों में नसरुद्दीन खान, एन.एल. धींग, एच.सी. नागला, ललित चित्तौड़ा और निसार अहमद उपस्थित थे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पेंशनर्स की समस्याओं को हमेशा सुना जाएगा एवं उनके समाधान की हर संभव कोशिश की जाएगी।

छात्रसंघ पदाधिकारियों के साथ संवाद

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्रसंघ पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। कुलपति ने छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों के साथ संवाद कर विश्वविद्यालय के संबंध में उनके विचार जाने। कुलपति ने उनसे विश्वविद्यालय के उन्नयन की दिशा में सहयोग की अपील की और उपस्थित पदाधिकारियों के सुझाव जाने।

संबद्ध महाविद्यालयों के साथ संवाद

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों और निदेशकों के साथ संवाद किया। कुलपति ने उनसे विश्वविद्यालय के उन्नयन की दिशा में सहयोग की अपील की और उपस्थित पदाधिकारियों के सुझाव जाने। कुलपति ने विश्वास दिलाया कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के बीच बेहतर संवाद कायम रहेगा और महाविद्यालयों के विविध कार्य विश्वविद्यालय द्वारा सहजता से संपादित किए जाएँगे।

मीडियाकर्मियों के साथ संवाद

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने शहर के मीडियाकर्मियों के साथ संवाद किया। कुलपति के साथ हुए इस संवाद में प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कई प्रतिनिधि, संपादक और संवाददाता उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने इस संवाद में वर्तमान परिदृश्य में मीडिया की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। इस संवाद के माध्यम से विश्वविद्यालय के संबंध में मीडियाकर्मियों के भी विचार जाने।

पूर्व छात्रों के साथ संवाद

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का विज़न बहुत व्यापक है। वे अपने संवाद की प्रक्रिया को विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों तक भी ले जाते हैं। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों से संवाद और उनके सुझावों पर अमल करने के साथ–साथ कुलपति यह चाहते हैं कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र जो विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं उनका डेटा संगृहीत किया जाए और एक वेबसाइट बनाई जाए। इस वेबसाइट के माध्यम से यह डेटा संधारित हो और प्रत्येक जन तक विश्वविद्यालय की इन प्रतिभाओं की जानकारी पहुँच सके। इस निमित्त कुलपति ने दिनांक 22 जनवरी, 2021 को आदेश जारी करवाकर इस वेबसाइट का कंटेन्ट और ले–आउट तैयार करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी संयोजक प्रो. अनिल कोठारी को बनाया गया तथा सदस्य के रूप में प्रो. नेहा शर्मा और श्री सुशील कुमार भटनागर को जोड़ा गया।

अन्य विश्वविद्यालयों व संस्थानों के साथ संवाद

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की संवाद श्रृंखला के सूत्र बहुत व्यापक हैं। कुलपति ने अपने इस सीमित कार्यकाल में ही प्रदेश व देश के अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ भी संवाद किया है। ऐसे संवाद सेतु का कार्य करते हैं। इन संवादों के माध्यम से अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रमुख कार्य और विशेषताओं का परिचय मिलता है। साथ हम अपने वैशिष्ट्य से भी उन विश्वविद्यालयों और संस्थानों को परिचित करा सकते हैं।

प्रो. अमेरिका सिंह कुलपति ने दिसंबर 2020 में राजस्थान विश्वविद्यालय का दौरा किया। अपनी इस यात्रा में कुलपति सिंह ने राजस्थान की सर्वाधिक प्राचीन यूनिवर्सिटी राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति से शिष्टाचार भेंट की और विश्वविद्यालय के प्रोक्टर तथा छात्र संघ के अध्यक्ष के साथ संवाद कर उस विश्वविद्यालय की कार्यपद्धति को जाना।

इसी क्रम में कुलपति प्रो. सिंह ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में रहे वागड़ क्षेत्र जहाँ कि वर्तमान में गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय संचालित है, वहाँ विज्ञान संकाय खोलने, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान, फार्मेसी, भौतिकी और पर्यावरण विज्ञान जैसे विभाग खोलने तथा रोजगारपरक शॉर्ट टर्म कोर्स आरंभ करने की दिशा में मदद करने के लिए स्वयं कुलपति की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी का संयोजक प्रो. के. बी. जोशी को बनाया गया। वहीं विज्ञान संकाय के प्रो. एल. एस. चौहान, प्रो. पी. के. माथुर (लखनऊ), डॉ. दिनेश पांडे और डॉ. सिद्धार्थ शर्मा को सदस्य नामित किया गया।

इस प्रकार कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कार्यकाल में सामान्य प्रशासन से लेकर अकादमिक उन्नयन, आधारभूत संरचना विकास, मानव संसाधन विकास, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन, जनजाति कल्याण, विरासत संरक्षण, नैतिक मूल्यों के विकास के साथ–साथ विविध व्यक्तियों व संस्थाओं के साथ संवाद जारी है।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने कोविड–19 की दूसरी लहर के समय ''मुख्यमंत्री सहायता कोष'' में 1 करोड़ 11 लाख रू. राशि प्रेषित की तथा कई बार कोविड टीकाकरण के कैम्प आयोजित किए।

7 ...यादों के झरोखे से (Down the Memory Lane)

"स्मृतियाँ आपके निजी अनुभवों का एक ब्यौरा होती हैं। यह ब्यौरा परीक्षण और त्रुटि एवं हार और जीत से जुड़ा होता है। आपकी पिछली विफलताएँ आपको वही पुरानी गलतियाँ दोहराने से बचाती हैं।"

– विल्फ्रेड पीटरसन

प्रस्तुत अध्याय में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएँ दे चुके शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक वर्ग के कतिपय महानुभावों की उन स्मृतियों और अनुभवों को संक्षेप में वर्णित किया जा रहा है जो संपादक मंडल को लिखित में प्राप्त हुए थे अथवा संबंधित व्यक्ति से लिए गए साक्षात्कार पर आधारित हैं। आशा है सुधि पाठकों को अतीत से वार्तालाप करते हुए भविष्य के संभावित अकादमिक परिदृश्य का आभास हो सकेगा।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक हैं नैतिक मूल्य

डॉ. गिरिजा व्यास
पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं अध्यक्ष,
राष्ट्रीय महिला आयोग

उदयपुर विश्वविद्यालय से मेरा संपर्क सन् 1965 में उसी वर्ष खुले दर्शनशास्त्र विभाग में एम. ए. में प्रवेश के समय हुआ। उससे पूर्व मीरा गर्ल्स कॉलेज में बी. ए. करने तथा छात्र राजनीति में सक्रिय रहने के कारण भी संपर्क तो था ही। मैं मीरा गर्ल्स कॉलेज, दर्शनशास्त्र विभाग तथा विश्वविद्यालय के केंद्रीय छात्रसंघ में छात्र राजनीति में सक्रिय थी। उस समय संपूर्ण विश्वविद्यालय का वातावरण बहुत सहयोगी, प्रेरणादायी तथा व्यक्तित्व निर्माण करने में निर्णायक था। कुलपति डॉ. जी. एस. महाजनि मुझसे बहुत स्नेह रखते थे तथा निदेशक श्री भीमसेन के व्यवहार में अनुशासन एवं स्वतंत्रता का सम्मिश्रण था। मैंने यहीं से प्रो. आई. सी. शर्मा के निर्देशन में पीएच. डी. तथा अमेरिका में पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य पूर्ण किया।

शिक्षक के रूप में प्रथम नियुक्ति सागर विश्वविद्यालय में होने पर भी डॉ. महाजनि ने मुझे यहीं रुकने को प्रेरित किया। मैं राजकीय महाविद्यालय, नीम का थाना, कोटा तथा मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर में व्याख्याता रहने के बाद इस विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य पद पर नियुक्त हुई। इस विश्वविद्यालय के बारे में मेरा अनुभव बहुत सुखद है क्योंकि इसने मेरा व्यक्तित्व गढ़ा है तथा मूल्यों की राजनीति की शिक्षा भी यहीं से ली।

आज भी मुझे मेरे अब शिक्षक न होने की कमी खलती है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में शिक्षक साथियों की सांस्कृतिक संध्याएँ याद आती हैं। यहाँ सत्तर के दशक में सुबह 7–10 बजे तथा अमेरिका में साँय 7 से 10 बजे कक्षाएँ लगती थी। दोनों ही स्थितियों में नौकरीपेशा व्यक्ति नौकरी के साथ विद्यार्जन भी कर सकता है। अब यह बहुत आवश्यक है कि हम राजनीति, शिक्षा तथा व्यवसाय सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का विकास करें तथा इससे संबंधित विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम संचालित करें। शिक्षक तथा विद्यार्थियों में समन्वय रहे। निजी शिक्षण संस्थाओं की भरमार से नैतिक मूल्यों तथा गुणवत्ता में गिरावट आ रही है। ऐसे में निरंतर संवाद, सभा, संगोष्ठी तथा संपर्क बना रहना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षक अपनी गरिमा को बनाए रखें तथा समाज शिक्षकों की गरिमा के प्रति संवेदनशील बने।

Lead like a Leader

Prof. R.K. Rai,
Former Vice Chancellor, MLSU

I joined this University as an Associate Professor in 1968 in the Department of Physics. Initially I started as a teacher and researcher in ionospheric physics. I set up my own laboratory with basic equipments and infrastructure in the small building then I installed antenna and ionosperic wave recorders and started my preliminary data recording. Since I had done my doctoral research from Banaras Hindu University, I was keen to establish an advanced laboratory. My this dream came true when I published my paper in the most prestigious journal "Nature" having impact factor 42.77 that was an example for my colleagues and students as well. Later on I carried out research with full zeal and passion procured my projects from reputed agencies like UGC, NPL, ISRO and many more. During my service as an Associate Professor I gave my 100 % input to scholars and students. Then I was promoted as a Professor and Head of the Department of Physics. I produced 11 PhDs and was the member of many important institutions of space, atmospheric and ionospheric organizations. I also established a ground satellite and got financial assistance. Later I became Dean Student welfare, Dean College of Science and prior to retirement I became the Vice-Chancellor of the Mohanlal Sukhadia University for six years during which the overall development of the university took place like the establishment of Computer and Internet Centre.

As a Vice Chancellor I held interviews for many posts in almost all the Departments for the post of Assistant Professors, Associate Professors and Professors. I led the University to great heights and in my six years of tenure this institution flew up in flying colours of education and curricular activities as well. I believe that if you are a leader then your life must be an example to the followers.

बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं विश्वविद्यालय

प्रो. बी. एल. चौधरी
पूर्व कुलपति, मो. ला. सु. वि. एवं
अध्यक्ष राज. मा. शि. बोर्ड

मैंने सन् 1969 में विश्वविद्यालय के तत्कालीन एम. बी. कॉलेज में प्रथम वर्ष विज्ञान में प्रवेश लिया तथा यहीं से बी. एससी. एवं एम. एससी. बॉटनी (1973–74) की परीक्षाएँ उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् सन् 1975 में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्त हुआ तथा दिसंबर, 2011 में प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुआ। विद्यार्थी जीवन में अनुशासित छात्र समूह में तथा अतिथि योग्य एवं अपने विषय के निष्णात प्राध्यापकों का सान्निध्य मिला।

एक अध्यापक के रूप में संपूर्ण जीवन यात्रा में अच्छे से अच्छे विद्यार्थियों के अध्यापन का सौभाग्य मिला। इनमें राजस्थान पुलिस के महानिदेशक पद को सुशोभित करने वाले श्री नमोनारायण मीणा भी सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय में सुविधाओं को उपलब्ध कराने का उत्तरोत्तर प्रगति का पथ तब से आज तक निरंतर निर्बाध रूप से चल रहा है। एक एम. बी. कॉलेज ही आगे चलकर साइंस कॉलेज, कॉमर्स कॉलेज, आट्‌र्स कॉलेज एवं लॉ कॉलेज के रूप में विकसित हुआ जिसका विशाल स्वरूप अपनी प्रगति की कहानी अपने आप बता रहा है।

निरंतर बढ़ती छात्र संख्या एवं भौतिक संसाधनों में दिनों दिन वृद्धि देखी जाती रही है लेकिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय पर उनके उच्च पदों की स्वीकृति को राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति एवं सहमति के अभाव में एकेडमिक ग्रोथ में

सीमित वृद्धि ही हो पाई है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर रहते हुए मेरे द्वारा नए संकाय सदस्यों की नियुक्ति, सी. ए. एस. पदोन्नति, योग केन्द्र की स्थापना, नए भवनों का निर्माण तथा तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के सान्निध्य में दीक्षांत समारोह का आयोजन इत्यादि कार्य उल्लेखनीय रहे हैं।

मुझे लगता है कि आज के विश्वविद्यालय अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, ऐतिहासिक धरोहर तथा सनातन संस्कृति के संस्कारों को अक्षुण्ण रखते हुए विश्वविद्यालयों को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालना होगा तथा एक बेहतर समाज का निर्माण करना होगा।

सहयोग से होती हैं बाधाएँ पार

प्रो. आई. वी. त्रिवेदी
पूर्व कुलपति,
मो. ला. सु. वि. वि.

कुलपति। जैसा नाम वैसा ही काम। यहां परिवार का आकार वृहत होता है, तो जिम्मेदारियां भी कम नहीं। मेरा सौभाग्य है कि मैं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर का विद्यार्थी रहा और यहीं मुझे अध्यापन से लेकर प्रशासनिक कार्य के सतत अवसरों के साथ ही कुलपति के रूप में लगातार दो बार अहम जिम्मेदारी मिली। विश्वविद्यालय में सन् 1971–72 में प्रवेश और सन् 1977 में एम. कॉम. में गोल्ड मैडल प्राप्त करने के उपरांत सन् 1978 में उदयपुर के ही बीएन महाविद्यालय में व्याख्याता के रूप में नियुक्त हुआ। तदुपरांत आरपीएससी से मेरा चयन हुआ और मेरे सामने बांसवाड़ा कॉलेज भी विकल्प के रूप में था। पर तत्समय मैंने उदयपुर विश्वविद्यालय में सेवाएं देना तय किया। इसके बाद प्रारंभ हुआ शिक्षा–सेवा का यह अवसर सतत् गतिमान है।

विश्वविद्यालय में रिसर्च डीन रहा, तो कई नवाचार किए। इसके बाद सन् 2010 में पहली बार मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति के लिए चयनित हुआ। विद्यार्थी की मनोदशा तथा विश्वविद्यालय की आवश्यकता से ठीक से परिचित होने के कारण मुझे यहां नवाचार और उत्थान की योजना बनाने में जरा भी देर नहीं लगी। स्टाफ के हर सदस्य से व्यक्तिगत परिचय उनकी क्षमताओं की जानकारी से भी मैं पूर्णतया परिचित था। बस फिर क्या था स्टाफ सदस्यों, उदयपुर के सभी जनप्रतिनिधियों, आमजन, विद्यार्थियों तथा राज्य सरकार का साथ मिला और सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नाम एक के बाद एक कई सफलता की इबारत लिखती चली गई, जो आज भी मेरे साथी आगे बढ़ा रहे हैं।

विश्वविद्यालय में सुविधाओं के विस्तार के लिए मैं सदैव सजग रहा और नित नई योजनाओं एवं प्रस्तावों के माध्यम से विश्वविद्यालय में श्रद्धेय श्री मोहनलाल सुखाड़िया जी की मूर्ति की स्थापना का मन में ख्याल आया तो इसे सार्थक भी कर दिया। इसके बाद एक नई ऊर्जा का संचार होता रहा। मेरे कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से ए–ग्रेड विश्वविद्यालय को मिलना अत्यंत सुखद रहा तो वहीं भर्ती में बैकलॉग क्लियर करवाया, गोल्डन जुबली, नेशनल एवं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, देश के सभी कुलपतियों की कार्यशाला, गेस्ट हाउस, ऑडिटोरियम सहित अन्य कार्य सतत् होते ही चले गए। वागड़ अंचल सहित दूरस्थ क्षेत्रों में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अभावों से मैं पूर्णतया परिचित था। इस कारण दूरस्थ अंचल में संचालित निजी महाविद्यालयों के साथ सतत संवाद स्थापित किए। स्वयं ने दौरा कर वहां की वस्तुस्थिति देखी और दूरस्थ क्षेत्र से परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने की समस्या सामने आई। इस पर निजी महाविद्यालयों को तय मानक के साथ ही परीक्षा केन्द्र बनाकर ऑब्जर्वर नियुक्त किए तो उच्च शिक्षा में ड्रापआउट कम हुआ। इस दौरान कुछ उतार–चढ़ाव भी रहे पर सभी सहयोगियों से बाधाएं पार होती चली गई। इस बीच महामहिम राज्यपाल की ओर से मेरी उपलब्धियों पर मेरा कुलपति के रूप में राजभवन में सम्मान समारोह एक यादगार पल रहा।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता होती है कि कर्म भूमि उदयपुर के साथ ही मुझे जन्म भूमि बांसवाड़ा में गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उच्च शिक्षा को उन्नयन करने का अवसर मिला है। यह मेरा परम सौभाग्य है कि जो दायित्व मुझे सौंपा गया है उसे पूरे मनोयोग से पूरा करने के प्रयास में लगा हूँ और अब गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय को पूर्णतया स्थापित करने के लिए पूर्णतया संकल्पित हूँ।

–सादर धन्यवाद

विश्वविद्यालय जगाते हैं शिक्षा की अलख

प्रो. कैलाश सोडाणी
पूर्व कुलपति, म. द. स. वि. वि., अजमेर
तथा गो. गु. ज. वि. वि., बाँसवाड़ा

सन् 1982 मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण वर्ष बन गया, जब मुझे राजकीय महाविद्यालय से उदयपुर विश्वविद्यालय में सेवायें देने का अवसर प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय एक भव्य और जीवन्त रंगमंच है, जहाँ शिक्षक को अपनी प्रतिभा (शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, राजनैतिक आदि क्षेत्रों में) को प्रस्फुटित करने का पूरा अवसर मिलता है। मैं वह सौभाग्यशाली शिक्षक हूँ जिस पर विश्वविद्यालय की भरपूर अनुकम्पा रही है। हमेशा समय पर पदोन्नति ने मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया है। वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय की डीनशिप, वाणिज्य, विधि एवं शिक्षा संकाय की चेयरमेनशिप, डीन छात्र कल्याण, चीफ वार्डन आदि अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने से जो ज्ञान एवं अनुभव मिला उसी महाप्रसाद से मैं अजमेर, बांसवाड़ा और जोधपुर में कुलपति पद के उत्तरदायित्वों का निर्वहन सहजता और सरलता से कर पाया ।

निःसंदेह दक्षिणी राजस्थान की समृद्धि एवं खुशहाली में विश्वविद्यालय का अभूतपूर्व योगदान रहा है। आत्मनिर्भर एवं आधुनिक मेवाड़ की रचना में विश्वविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों की भूमिका सदैव सराहनीय रही है। सुदूर जनजाति क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने शिक्षा की अलख जगाई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विश्वविद्यालय को सर्वाधिक फोकस शोध पर करना होगा। आज के अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगी बाजार में आर्थिक विकास की बुनियाद शोध ही है। इसलिए विश्वविद्यालय शिक्षक को स्नातक अध्यापन से मुक्त कर के शोध पर केन्द्रित करना चाहिये। साथ ही मुझे विश्वास है कि मेरे शिक्षक साथी विरासत एवं परिवर्तन में सामंजस्य स्थापित करते हुए पाठ्यक्रमों को समयानुकूल बनाये रखने की अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते रहेंगे। मुझे मेरे विश्वविद्यालय पर गर्व है और हमेशा रहेगा।

उपलब्धिपूर्ण रहा है विश्वविद्यालय का अतीत

प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत
उपाध्यक्ष
राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद्,जयपुर

आन–बान–शान तथा बलिदान की भूमि मेवाड़ पर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से मेरा जुड़ाव चार दशक से अधिक का रहा है। सन् 1973 में बी. एससी. प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के पश्चात् मैंने कालान्तर में यहीं से बी. कॉम, एम. कॉम तथा पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त की तथा विद्यार्थी जीवन में छात्र राजनीति में सक्रिय रूप में भाग लेते हुए सन् 1977 में आपातकाल के बाद हुए ओपन छात्रसंघ चुनावों में केन्द्रीय छात्रसंघ का उपाध्यक्ष चुनाव जीता तथा विश्वविद्यालय के वैधानिक निकाय सीनेट तथा बाद में कार्यकारी समिति हेतु पंजीकृत स्नातक कांस्टीट्वेन्सी के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुआ।

06 सितम्बर, 1986 को मैंने इसी विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य पद पर दायित्व ग्रहण किया तथा प्रोफेसर पद से 31 मार्च, 2015 को सेवानिवृत हुआ। इस बीच प्रबंध मंडल सदस्य, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष इत्यादि अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी। जब मैं विगत चार–पाँच दशकों की उच्च शिक्षा की दशा एवं दिशा का अवलोकन करता हूँ तो पाता हूँ कि विगत सदी के अस्सी–नब्बे के दशक में चाहे संसाधनों की सीमित उपलब्धता थी किन्तु मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षा संस्थानों की उपलब्धियां तुलनात्मक रूप में अधिक थी किन्तु आज उन संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद उतनी उपलब्धियां एवं योगदान शायद दिखाई नहीं देता है। उस दौर में विश्वविद्यालय के पास संबद्धता के नाम पर केवल 4–5 महाविद्यालय थे जो अब सैकड़ों में हो गए हैं। यद्यपि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 आधारभूत संरचना विकास के लिए बहुत व्यापक प्रावधान करती है किन्तु उनकी वास्तविक क्रियान्विति कैसे होगी यह भविष्य ही बताएगा।

अध्यापक रहता है सदैव विद्यार्थी

प्रो. प्रेम सुमन जैन
पूर्व अधिष्ठाता, सा. वि. मा. म.,
अध्यक्ष, भारतीय प्राकृत स्कॉलर्स सोसायटी, उदयपुर

यह जानकर प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर अपने गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों का रेखांकन कर रहा है। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रोफेसर अमरीका सिंह और उनकी सक्रिय अकादमिक टीम की यह सकारात्मक सोच और विकास की पृष्ठभूमि कही जायेगी क्योंकि इतिहास अगली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणादायक होता है।

मैंने सन् 1971 में माननीय प्रोफेसर जी. एस. महाजनि कुलपति जी के समय इस विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग में प्राकृत के प्राध्यापक के रूप में सेवा प्रारंभ की थी। तब यह उदयपुर विश्वविद्यालय कहलाता था, जिसमें कृषि कॉलेज भी सम्मिलित था। कला, वाणिज्य, विज्ञान का एक ही परिसर था। फिर यह संयुक्त परिवार धीरे धीरे एकल परिवार में विभक्त होकर विकास की ऊंचाइयों का स्पर्श करने लगा।

संस्कृत विभाग से अलग होकर मैंने जैन विद्या एवं प्राकृत के विभागाध्यक्ष के रूप में सन् 1978 में नया दायित्व सम्भाल लिया, जो कांटों भरा ताज था। प्राकृत सर्टिफिकेट कोर्स से प्रारंभ कर बी.ए., एम.ए. की कक्षाएं अकेले पढ़ाई। पाठ्यक्रम बनाए, पुस्तकें लिखीं, विद्यार्थियों को जुटाया तब कहीं 10 वर्षों में यह विभाग अपने पैरों पर खड़ा हुआ। इस कार्य में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और प्राध्यापकों का सौजन्य प्राप्त रहा। राज्य सरकार और जैन समाज ने भी पूरा सहयोग किया। आज इस विभाग में एक एसोसिएट और दो असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर विद्वान् कार्यरत हैं।

इस जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग से विगत 42–43 वर्षों में लगभग 750 बी. ए. 400 एम.ए., 50 नेट एवं जे. आर. एफ. तथा 58 पीएच. डी. के विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त की है। विभाग के दो प्रोफेसर प्राकृत–पालि के वैदुश्य के लिए भारत के राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है। इस गौरव को प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय का यह विभाग देश का प्रथम विभाग है।

इस विभाग के प्राध्यापकों ने अपने विषय की लगभग 50–60 पुस्तकें और 200 के लगभग शोध–पत्र प्रकाशित किये हैं। अभी भी विभाग का स्टाफ अकादमिक कार्यों में संलग्न है।

मैंने विभाग की सभी जिम्मेदारी निभाते हुए कला संकाय डीन, छात्र–कल्याण डीन, कला महाविद्यालय डीन, स्टाफ कौंसिल अध्यक्ष, विश्वविद्यालय पेंशनर परिषद् अध्यक्ष आदि के दायित्वों का निर्वाह कर विश्वविद्यालय के विकास में सहभागी बनने का प्रयास किया है।

मेरा यह मानना है कि प्राध्यापक यदि अपने विषय का निष्णात हो और विद्यार्थियों के हित के प्रति सकारात्मक सोच रखता हो तो शिक्षा का स्तर स्वमेव बढ़ जाता है। प्राध्यापक को सदा विद्यार्थी रहना चाहिए तो कभी पुराना नहीं होता है, बूढ़ा भी जल्दी नहीं होता। शिक्षा बिना मूल्यों के अधूरी है। मूल्य विरासत की रक्षा से आते हैं। यह विश्वविद्यालय भारतीय विरासत और मूल्यों का संरक्षक बने, यही हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

देनी होगी विभागों को स्वायत्तता

प्रो. अरुण चतुर्वेदी
पूर्व अधिष्ठाता, सा.वि.मा.म.

उदयपुर विश्वविद्यालय से मेरा प्रथम परिचय सन् 1965 में स्नातक तृतीय वर्ष में प्रवेश लेते समय हुआ। इसके पश्चात् मैं राज्य सरकार, राजस्थान विश्वविद्यालय तथा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की सेवा कर सन् 1994 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर नियुक्त हुआ तथा राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

महाविद्यालय एवं विधि महाविद्यालय का अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष इत्यादि पदों पर कार्य किया। मेरा अनुभव यह कहता है कि वर्ष 1993–94 से इस विश्वविद्यालय की छवि एवं कार्यप्रणाली में परिवर्तन तो आया किन्तु विभागों की न्यून स्वायत्तता, अधिष्ठाता की कम शक्तियाँ, कार्य संस्कृति का अभाव, संकाय सदस्यों की कम संख्या तथा अवैज्ञानिक ढंग से विभागीय–आंतरिक संरचना इत्यादि संस्थाएँ सदैव से विद्यमान रही हैं।

यह विश्वविद्यालय आज भी एम. बी. कॉलेज की संस्कृति से मुक्त नहीं हो सका है। यदि हमें विश्वविद्यालय की साख, छवि एवं उपयोगिता में वृद्धि करनी है तो शोध का एजेंडा स्थानीय समस्याओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप चयनित करना होगा और अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय मुद्दों में संबंध स्थापित कर समन्वयकारी सोच विकसित करनी होगी। गोद लिए नए गाँवों के विकास एवं बदलाव का निरंतर मूल्यांकन हो और पाठ्यक्रम निर्माण में विद्यार्थियों की भी सहभागिता हो। स्नातक पाठ्यक्रम को पृथक् करना होगा और सभी विभागों को पूर्ण स्वायत्तता दिए बिना 21वीं सदी की उच्च शिक्षा के लक्ष्य संभवतः प्राप्त न हो सकेंगे।

Four Decades: Many Seasons at MLSU

Prof. Sharad Srivastava
Former Dean, UCSSH

I write with the university 'in my bones' as 'a part of my being', for my association with the university began in 1964 as the son of a renowned university teacher and later as a student and finally as a faculty member. During this brief write- up I shall try to compress these three facets in the following lines, although a journey, both academic and emotional, running into more than 56 years would justify only a meagre part of it. However I will make an honest and humble attempt.

The years 1975 - 1981, saw me as a student of this university not only complete the academic degrees of B.Sc. and MA (English) with distinction but also helped me shape and evolve as an all - round sensitive human being, courtesy the contribution of some of the outstanding teachers and the vast opportunities provided during my college - life also getting me laurels on the way for the university at the national and international levels.

During my professional career spanning 36 years (1981-2017), I was fortunate to officiate as Vice Chancellor on a number of occasions and two tenures of Deanship (Dean of Law and Dean of Arts) headship of the Department of English, the Chairman of Faculty of Humanities and countless other administrative responsibilities. The adjudging as one of the best Deans in the country by the Bar Council of India, the inclusion of my book on Gender Discourse in the University of London, its review by Mulk Raj Anand and my selection by the British Council (Oxford) on a course on 'New Technologies' and my selection as an expert for evaluation of Professor Emeritus of a prestigious university and finally my recognition in the form of Dr. Nand Kumar Lavande Academic Excellence Award, 2018 by the Higher Education Society, Pune for academic contribution to Art, Culture and Literature are high points of my academic career. I owe all this in great measure to my being a part of the MLSU fraternity.

My achievements would be incomplete if I did not mention the outstanding contribution of some of the teachers of the Department of English, who helped the Department and the university acquire a place at the global level. Late Professor S.B.Mathur an eminent scholar on American Literature was honoured with the United States Education Foundation of India (USEFI) fellowship which helped the Department to have long- term Association with leading universities of America. Late Professor V.C. Srivastava, through his seminal work became one of the pioneers in the field of Comparative Literature at the national level. Late Professor Chirantan Kulshreshth shot into fame through his work and close association with Saul Bellow, the Nobel Laureate. Professor S.N. Joshi, whom everybody

foundly, called the 'walking- talking Encyclopaedia', was a scholar in the truest sense of the term- his expertise ranging from literature to music to poetry to computers. The university and the Department will never forget their achievements and contribution.

Coming from a place of belonging and responsibility armoured with my experience, I hold the vision of a wholesome value- oriented University system.Since I have been here all my life, I have the edge to know the pulse of the people and the place.

The university, according to me, has to become a fora for free debates and liberal thinking. All this could be disseminated through its three wings namely, teaching, research and extension, and each has to be innovative enough to meet the challenges of our times. Keeping this in view, the curricula need to be continuously updated and teachers and researchers refresh themselves on new areas such as nano-technology artificial intelligence, clean energy, genetic and medical engineering, disaster management, eco-tourism, intellectual property and cyber law. To reduce the emphasis on un-directional material growth, subjects covered under the broad umbrella of Humanities should be included in the curricular to augment social development and human index. Students from all the faculties at the undergraduate level should compulsorily be made to study one subject from the discipline of Humanities such as literature, music or any form of fine art / performing art.

If the vision as discussed above is put into execution with all the stakeholders, there is no reason to believe and hope that MLSU would be able to acquire a distinct place in today's globalised and competitive world.

Long Live My Alma Mater! May the University Continue to Shine in the Academic Firmament!!

स्थानीय आवश्यकताओं को पहचानें विश्वविद्यालय

प्रो. आर. एन. व्यास
पूर्व अधिष्ठाता, सा. वि. मा. म.

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से मेरा संपर्क सन् 1971 में स्नातकोत्तर अध्ययन करने के लिए प्रवेश लेते समय हुआ। इसके पश्चात् इसी विश्वविद्यालय से मैंने सन् 1991 में अपना पीएच.डी. शोध कार्य पूर्ण किया और सन् 1977 से 2010 तक मुझे इस विश्वविद्यालय में एक संकाय सदस्य के रूप में सेवाएँ देने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सन् 2012 से 2019 तक मैंने उत्तरा यूनिवर्सिटी मलेशिया में अध्ययन–अध्यापन का कार्य किया । मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए मैंने यह पाया है कि यह विश्वविद्यालय सदैव ही नवीन तकनीकों, नवाचारों एवं नये प्रयोगों में अग्रणी रहा है जिसमें परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिका में बारकोडिंग जैसे प्रयास देश भर में सराहे गये।

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में मैंने आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति ललक को बहुत नजदीक से अनुभव किया है और मुझे लगता है कि विश्वविद्यालय को अपनी मूल अकादमिक प्रवृत्ति अथवा आधारभूत दर्शन को त्यागे बिना शिक्षा प्रसार के मूल लक्ष्य पर अडिग रहना चाहिए। राजस्थान के दक्षिण अंचल में स्थित इस विश्वविद्यालय को चाहिए कि यह क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा यथा–खनिज पदार्थों, जल संसाधनों और वन उत्पादों के क्रम में अधिक अनुसंधान करने की ओर प्रेरित हो। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों, अकादमिक गतिविधियों और अन्य प्रयासों में यह झलक दिखनी चाहिये कि विश्वविद्यालय जनजातीय कल्याण के प्रति न केवल सजग एवं संवेदनशील है बल्कि इस हेतु तत्परतापूर्वक प्रतिबद्ध भी है।

कुम्भा पीठ : एक स्वागत योग्य कदम

प्रो. के. एस. गुप्ता
पूर्व आचार्य, इतिहास विभाग

पूर्व में मेवाड़ एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विख्यात था। इसके लिए यहाँ की शिक्षण संस्थाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान था। अतः राजस्थान निर्माण के समय यहाँ के समस्त शहरों में उदयपुर की साक्षरता का प्रतिशत सर्वाधिक था। इसलिए भारत की स्वतंत्रता के तुरंत पश्चात् एक विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा भी की गई परन्तु राजस्थान का मेवाड़ भी एक भाग हो जाने से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अगले 14 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। सन् 1962 में उदयपुर में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई और अगले 2 वर्ष के उपरांत अर्थात् सन् 1964 में कृषि विश्वविद्यालय को बहुसंकाय का रूप दे दिया गया। अब कला, वाणिज्य, विज्ञान, कानून आदि के संकाय इसके अंग हो गए। किन्तु विश्वविद्यालय का कृषि संकाय प्रमुख होने से अन्य संकाय का विकास अपेक्षाकृत नहीं हुआ।

कालान्तर में कला संकाय में इतिहास, समाजशास्त्र जैसे विषयों के अनुसंधान कार्यों ने इन विभागों को अग्रणी बना दिया। इतिहास विभाग में मात्र तीन प्राध्यापक थे जिनकी संख्या कालांतर में बढ़कर 5 हो गई थी। मानव शक्ति कम होने पर भी विभाग में अनुसंधान को गति दी। ऐसे विषयों पर अनुसंधान हुए जिससे राजस्थान के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए मार्गदर्शक भी हो गया और इस भ्रम को भी तोड़ने में सक्षम रहा कि इतिहास केवल भूतकाल का ही विषय नहीं अपितु संप्रति काल में भी उसका महत्व है यथा नगरीकरण, पर्यटन विकास आदि। अनुसंधान के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि ऐतिहासिक परिवेश की उपेक्षा कर योजनाबद्ध तरीके से नगर ना बसाने के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है उसकी ओर ध्यान केंद्रित किया जाना है। इस दृष्टि से कुम्भा पीठ स्थापित करने का विश्वविद्यालय की योजना स्वागत योग्य है। विभाग की निरंतर उन्नति के लिए कामना करता हूँ कि यह इस विश्वास के साथ अनेक उँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

21वीं सदी के अनुरूप ढ़लना होगा शिक्षण संस्थाओं को

प्रो.जी. सोरल
पूर्व अधिष्ठाता वाणिज्य महाविद्यालय
एवं डीन पी.जी. स्टडीज

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से मेरा वास्ता चार दशक तक रहा है। सन् 1981 में मैंने सहायक आचार्य के रूप में पद ग्रहण किया तथा लेखाशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग का विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंध महाविद्यालय का अधिष्ठाता तथा स्नातकोत्तर अध्ययन का अधिष्ठाता, इत्यादि कई पदों पर रहा। मुझे श्री पी. एन. भंडारी का कार्यकाल याद आता है जब उन्होंने बड़ी कुशलतापूर्वक विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली में सुधार तथा अनुशासन की स्थापना की। पी. एम. टी. परीक्षा में परीक्षार्थियों द्वारा छोड़ी गई आंसर शीट पर प्रत्येक कॉलम पर योग नहीं होने पर हम सबको डाँट पड़ी। मेरे विषय के डॉ. के. आर. शर्मा का सहकर्मियों से मृदु व्यवहार तथा अधिष्ठाता प्रो. आर. वी. एल. अग्रवाल की सादगी एवं मानवीयता भी स्मृति पटल पर है। एक बार मैंने एक खम्भे पर चॉक से लिखे गए अपशब्द हाथ से मिटाए तो प्रो. अग्रवाल ने तत्काल जेब से अपना रुमाल निकालकर मुझे मेरे हाथ साफ करने हेतु थमा दिया था।

मुझे मेरे कई मेधावी विद्यार्थी जैसे श्री सत्यनारायण बागला तथा श्री गौरव गुप्ता भी याद आते हैं जो आज उच्च पदों पर आसीन हैं तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। मुझे प्रो. आई. वी. त्रिवेदी के प्रोत्साहन से पुस्तकालय प्रभारी अधिकारी के रूप में शोधार्थियों हेतु संकायवार कार्यशालाएँ आयोजित कराने की संतुष्टि है। इसी तरह प्रो. जे. पी. शर्मा के कार्यकाल में, मैं डीन, पी. जी. स्टडीज था तब मैंने राजभवन से प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुसरण में 'टर्म पेपर' जोड़ने तथा अधिक शोध पर्यवेक्षकों को स्थान देने के सार्थक प्रयास किए। मुझे विश्वविद्यालय के कर्त्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार कार्मिकों जैसे श्री उमाशंकर पंडित तथा श्री तेजसिंह की प्रतिबद्ध एवं सराहनीय सेवाएँ भी याद आती हैं।

पिछले चार दशक में अध्ययन–अध्यापन एवं शोध की गतिविधियों में बड़े परिवर्तन हुए हैं। मूलतः इसका कारण सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का विकास माना जा सकता है। पहले विद्यार्थियों के पास अध्ययन का प्रमुख माध्यम पुस्तकालय तथा कक्षा में दिए गए प्राध्यापकों के व्याख्यान ही होते थे। इन प्रक्रियाओं में उत्तरोत्तर बदलाव होते गए तथा वर्तमान तक आते–आते ई. पुस्तकें, ई. लाइब्रेरी, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का बोलबाला हो गया। स्मार्टफोन का चलन वर्तमान में इस स्तर तक पहुंच गया है कि यह कई मायनों में कंप्यूटर का विकल्प हो गया है। ज्ञान का एक अकूत भंडार इंटरनेट पर अवस्थित है तथा तेज गति एवं आसानी से सर्च करने की सुविधा से ज्ञानार्जन के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। ऐसे में विश्वविद्यालयी शिक्षा एवं शोध की प्रक्रियाओं को अद्यतन बनाने की प्रबल आवश्यकता है। एक और महत्वपूर्ण बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से उपस्थित हुआ है। इन सब परिस्थितियों में निम्न कुछ सुझाव उपयोगी हो सकते हैं :

1. हमारा विश्वविद्यालय आदिवासी बहुल क्षेत्र में स्थित है। आर्थिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या भी अधिक है। ऐसे में डिजिटलीकरण एवं इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की दृष्टि से विद्यार्थियों में असमानता, जिसे डिजिटल डिवाइड कहा जाता है, की एक बड़ी चुनौती सामने है। विद्यार्थियों को सुचारु रूप से एवं निर्बाध इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो, इसके प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय एवं सभी महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में डिजिटल लर्निंग सेक्शन बनाए जाएं, जहां विद्यार्थियों को निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध हो। विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी तहसीलों में भी डिजिटल लर्निंग सेंटर स्थापित किए जाने चाहिए, जहां सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी इन माध्यमों का प्रयोग करके आधुनिक वैश्विक ज्ञान प्राप्त कर सकें।
2. नई शिक्षा नीति के अनुरूप स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को भी परिमार्जित करने की आवश्यकता है। विशेषकर इनमें लचीलापन, बहु बिंदु प्रवेश तथा निकास (multiple point entry and exit), सीबीसीएस (Choice Based Credit System), 4 वर्षीय शोध स्नातक उपाधि (4 year research graduation degree) का समावेश, आदि पर ध्यान केन्द्रित किया जाए।
3. हाइब्रिड (Hybrid) विधि से अध्यापन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसमें अध्यापक विद्यार्थियों को पठन–सामग्री एवं व्याख्यान आदि ऑनलाइन उपलब्ध करवाएं। इसके साथ ही ऑफलाइन कक्षाएं भी ली जाएं।
4. विद्यार्थियों को यथासंभव ऑनलाइन परीक्षा पद्धति की ओर उन्मुख किया जाए, जिससे वे भविष्य में रोजगार पाने एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लेने में अधिक सक्षम हो सकें। परीक्षाओं के प्रशासन में भी और अधिक ऑनलाइन प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाए, जिससे लागत एवं समय की बचत हो सकेगी तथा कार्यकुशलता भी बढ़ेगी।

सरकार करे निजी शिक्षण संस्थाओं पर नियंत्रण

श्री ए. एल. सहलोत
पूर्व उपकुलसचिव,
मो. ला. सु. वि. वि.

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से मेरा परिचय सर्वप्रथम सन् 1967 में तब हुआ जब मेरी नियुक्ति निजी सहायक के रूप में इस विश्वविद्यालय में हुई। तत्कालीन कुलपति डॉ. गणेश सखाराम महाजनि के कार्यालय में मेरी नियुक्ति हुई। डॉ. महाजनि बहुत ही परिश्रमी, खुद्दार, ईमानदार तथा देवता–स्वरूप इंसान थे। वे सरकारी वाहन के बजाय अपनी निजी कार ही काम में लेते थे। मैंने उनसे प्रशासनिक कार्यप्रणाली सीखी एवं समझी। मेरे जीवन एवं व्यक्तित्व का निर्माण इस विश्वविद्यालय ने किया। वर्ष 1982 से 1987 तक सहायक कुलसचिव एवं वर्ष 1987 से 2007 तक 20 वर्ष उपकुलसचिव रह कर इसी पद से सेवानिवृत्त हुआ। मेरी दृष्टि में श्री पी. एन. भंडारी का सेवाकाल बहुत उल्लेखनीय रहा जिसमें छः सौ से भी अधिक कार्मिकों की भर्ती एवं नियमितीकरण हुआ और परीक्षा की 'वॉक आउट' करने की प्रथा पर रोक लगी तथा विश्वविद्यालय में अनुशासन स्थापित हुआ।

मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी एवं संतोष है कि इस विश्वविद्यालय पर कभी गंभीर आरोप नहीं लगे और न ही कभी इसकी छवि धूमिल हुई। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का सन् 1987 में हुए विभाजन से सब कुछ अव्यवस्थित तथा असंतुलित हो गया तथा इसका तार्किक विभाजन न होने से बहुत सी समस्याएँ समाधान की ओर नहीं बढ़ी बल्कि उलझी हुई रह गई हैं। सत्तर से नब्बे के दशक में लोगों में शिक्षा प्राप्ति की ललक थी किन्तु आजकल निजी शिक्षण संस्थाओं की भरमार होने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता गिर रही है। मुझे लगता है कि सरकार को ऐसी सक्रिय नियामकीय और नियंत्रणकारी भूमिका निर्वाहित करते हुए निजी शिक्षण संस्थाओं से गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करवानी होगी ताकि इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली व्यवस्थित हो सके।

गौरव की बात थी एम. बी. कॉलेज में पढ़ना

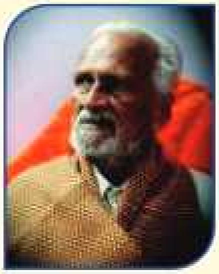

श्री हरिशंकर द्विवेदी
पूर्व कार्मिक, एम. बी. कॉलेज

मेरी प्रथम नियुक्ति एम. बी. कॉलेज (तत्कालीन शिक्षा विभाग,राजस्थान सरकार) में दिनांक 24 दिसंबर, 1952 को हुई तथा मैं 06 जून, 1957 तक यहाँ रहा। तत्कालीन प्रिंसिपल श्री शंकर दयाल सक्सेना थे। उस समय कला, विज्ञान, वाणिज्य के साथ लॉ संकाय थे ,जिनमें कुल मिलाकर लगभग 1400 विद्यार्थी थे । याद आता है कि महाविद्यालय का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में मुख्य सड़क की तरफ था और एक दिन दुर्भाग्यवश सत्यप्रकाश शर्मा नाम के विद्यार्थी का कॉलेज में प्रवेश करते सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था । मुख्य मार्ग की व्यस्त आवाजाही तथा इस प्रसंग की वजह से तत्काल पश्चिम दिशा में दुर्गा नर्सरी वाली सड़क पर कॉलेज का मुख्य द्वार बनवाया गया था (जो वर्तमान में साइंस कॉलेज का द्वार है ।)

जिसे अभी मेन होस्टल कहा जाता है वही इमारत उस समय भी होस्टल हुआ करती थी। बहुत ही समृद्ध पुस्तकालय था जहां 'ऑनर्स बोर्ड' हुआ करते थे जिस पर वर्ष भर की मुख्य शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक उपलब्धियों वाले विद्यार्थियों के नाम वर्ष क्रमानुसार लिखे होते थे । शैक्षणिक गतिविधियों के साथ विभिन्न स्पोर्ट्स गतिविधियां भी स्तरीय हुआ करती थी । एक बार 'वाटर स्पोर्ट्स' को भी शामिल किया गया था पर उसी वर्ष एक विद्यार्थी (श्री चैनसिंह राव का पुत्र, पर विद्यार्थी का नाम अब स्मृति में नहीं) के डूब कर मर जाने से इस गतिविधि को आगे बंद कर दिया गया था। याद आता है कि सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी उसी प्रमुखता से कराई जाती थी और विद्यार्थी उसी मनोयोग से अपनी भागीदारी निभाते थे, जिनमें सबसे ज्यादा विद्यार्थियों का उत्साह 'फेंसी ड्रेस' में हुआ करता था। याद आता है कि विज्ञान एवं कला वर्ग में लगभग 10 बालिकाएं थी, और वाणिज्य में केवल मात्र एक बालिका थी जिसका नाम उषा सेठी था । अक्सर अकेली छात्रा कॉलेज में अपने नियमित अध्ययन के लिए भी एंटर होने से परहेज या एक तरह का संशय रखती थी, ऐसे में कॉलेज के आसपास बाहर अन्य छात्राओं के इकट्ठे होने अथवा किसी निर्भीक छात्रा के आने पर ही प्रवेश का साहस कर पाती थी।

ज्यादातर शिक्षक एवं लगभग 30 विद्यार्थी साईकल से आते–जाते थे और शेष सभी पैदल । बेबी ऑस्टिन कार से मेजा (अजमेर के पास) ठाकुर परिवार के पुत्र कुंवर हमीर सिंह आया करते थे। समाजशास्त्र के प्रोफेसर श्री बृजराज जी चौहान विद्यार्थियों में अत्यंत प्रिय थे ,जो विद्यार्थियों को सामाजिक अध्ययन हेतु नियमित फील्ड में ले जाया करते थे और अपने खर्चे से विद्यार्थियों को गुड़–चना खिलाते थे । श्री सोहनलाल पोरवाल, ऑफिस सुपरिन्टेन्डेण्ट थे पर उनकी स्पोर्ट्स में रूचि होने से वे सदैव विद्यार्थियों को भी इस हेतु बहुत ज्यादा प्रोत्साहित किया करते थे खास कर क्रिकेट हेतु।

कुल मिला कर एम. बी. कॉलेज उस समय के उदयपुर शहर की उच्च शिक्षा का एक प्रमुख प्रतिनिधि संस्थान था, और यहां का विद्यार्थी अपने को यहाँ से अध्ययन प्राप्त कर गौरवान्वित महसूस करता था।

लाजवाब है फर्श से अर्श तक का सफर

श्री ए. एस. खान
पूर्व विश्वविद्यालय अभियंता

मैंने जून, 1984 में सुखाड़िया विश्वविद्यालय में कनिष्ठ अभियन्ता के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। जुलाई, 2004 में मेरी पदोन्नति विश्वविद्यालय अभियन्ता के पद पर हुई थी तथा मेरी सेवानिवृत्ति सितम्बर, 2019 में विश्वविद्यालय अभियन्ता के पद से हुई।

मैंने सन् 1984 से 2019 तक विश्वविद्यालय में कई बदलाव देखे। इस अन्तराल में विश्वविद्यालय ने निरन्तर प्रगति की। विश्वविद्यालय में सबसे बड़ा बदलाव सन् 1987 में देखने को मिला। इस समय राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय का बँटवारा कर

विश्वविद्यालय से कृषि एवं पशु विज्ञान संकाय तथा कृषि से सम्बन्धित गतिविधियों को अलग कर राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना की। विश्वविद्यालय का पत्राचार विभाग कोटा खुला विश्वविद्यालय, कोटा से सम्बन्धित किया गया। इससे विश्वविद्यालय का लगभग 90 प्रतिशत स्टाफ, सम्पत्तियाँ आदि राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर से सम्बन्धित हो गयी।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में सन् 1987 में बँटवारे के पश्चात् सिर्फ कला, वाणिज्य एवं विज्ञान से सम्बन्धित शैक्षणिक गतिविधियाँ ही रह गयी। विश्वविद्यालय की भूमि एवं भवनों का मालिकाना हक राज्य सरकार के अन्तरिम आदेशों के तहत चलता रहा। राज्य सरकार एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि एवं गैर आवासीय भवनों का बँटवारा अन्तिम रूप से सन् 2019 में किया गया। वर्तमान में आवासीय भवनों का बँटवारा किया जाना शेष है।

सन् 1987 में विश्वविद्यालय के बँटवारे के पश्चात् विश्वविद्यालय में निरन्तर प्रगति हुई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जनजाति विभाग, विश्वविद्यालय फण्ड आदि से सन् 2016 तक कन्या छात्रावास, जनजाति छात्रावास, अतिथि गृह, कक्षा–कक्षों, सेमिनार हॉल, प्रयोगशालाओं एवं आवासीय भवनों आदि के निर्माण कार्य करवाये गये। समय–समय पर विभिन्न भवनों के नामकरण किये गये जैसे कमला नेहरु छात्रावास, नेहरु शिक्षक सदन, डी. एस. कोठारी छात्रावास, एम. डी. एस. कन्या छात्रावास, विधि महाविद्यालय छात्रावास, गार्गी कन्या छात्रावास, रामानुजन छात्रावास, विज्ञान भवन ए. एवं बी. ब्लॉक, योग भवन, विधि भवन, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, वाणिज्य भवन तथा निर्माण भवन आदि और विश्वविद्यालय में कई महान् हस्तियों की प्रतिमाएँ स्थापित की गई।

विश्वविद्यालय परिसर में वॉकिंग पाथ का निर्माण कार्य करवाया गया। वाटिका में फव्वारे एवं म्युजिक सिस्टम लगवाये गये जिससे कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आगुन्तकों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके।

सन् 2016 में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA-I) के तहत विश्वविद्यालय को रु. 20 करोड़ अनुदान मिला। कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा के कार्यकाल में इसके तहत विश्वविद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेन्ट (रु. 7 करोड़) भवनों के रिनोवेशन (रु. 7 करोड़) तथा इक्यूपमेन्ट आदि (रु. 6 करोड़) के कार्य सम्पन्न हुए। विश्वविद्यालय ने RUSA के तहत प्राप्त रु. 5 करोड़ की पहली किश्त इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की। विश्वविद्यालय ने राजस्थान में सर्वप्रथम इस राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र RUSA को प्रस्तुत कर कीर्तिमान बनाया। इसके तहत मुख्यतः विज्ञान महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय ब्लॉक, वाणिज्य महाविद्यालय में एकेडमिक ब्लॉक, विधि महाविद्यालय में मूटकोर्ट, सेमीनार हॉल, क्लास रूम एवं टॉयलेट ब्लॉक आदि के निर्माण कार्य हुए। रिनोवेशन कार्य विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन, आर्ट्स कॉलेज, विधि महाविद्यालय, विज्ञान महाविद्यालय, वाणिज्य महाविद्यालय एवं सभागार में करवाये गये।

पहले विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह प्रशासनिक भवन के पीछे कन्वोकेशन ग्राउण्ड पर टेंट लगाकर किये जाते थे। विश्वविद्यालय में सभागार की कमी को देखते हुए अत्याधुनिक सभागार (वर्तमान में स्वामी विवेकानन्द सभागार) का निर्माण कार्य कुलपति प्रो. ए. के. सिंह के कार्यकाल में करवाया गया। सभागार बनने के पश्चात् विश्वविद्यालय में लगभग प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 90 के दशक से कम्प्युटर युग की शुरूआत हुई थी। अब विश्वविद्यालय ऑनलाईन – पेपरलेस एवं सम्पूर्ण Wi-Fi की ओर अग्रसर है।

विश्वविद्यालय को 90 के दशक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा B-ग्रेड से नवाज़ा गया। विश्वविद्यालय की क्वालिटी प्रोफाइल को देखते हुए 5 मई, 2014 को NAAC द्वारा 4 मई, 2019 तक विश्वविद्यालय को A-ग्रेड से नवाज़ा गया। इसमें विश्वविद्यालय का ओवरऑल CGPA - 3.11 था जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लर्निंग रिर्सोसेज़ का CGPA - 3.30 था। विश्वविद्यालय को A-ग्रेड प्राप्त करने में इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लर्निंग रिर्सोसेज का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में कहना चाहूँगा :

''अभी ना पूछो हमारी मंजिल कहाँ है अभी तो हमने चलने का इरादा किया है''

आशा है विश्वविद्यालय निरन्तर उत्तरोत्तर प्रगति करता रहेगा।

इन्हीं आशाओं के साथ, शुभकामनाएँ।

दशम दशक में मेरा महाविद्यालय : बदलते रहे नाम

डॉ. के. एल. कोठारी
पूर्व छात्र
उदयपुर विश्वविद्यालय के प्रथम विद्यावाचस्पति,
निवर्तमान अधिष्ठाता
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
एवं संस्थापक विज्ञान समिति, उदयपुर

सौन्दर्य में अव्वल
आस्थाओं में अव्वल
भावनाओं में अव्वल
मेरे प्यारे उदयपुर में जन्मा मेरा प्यारा महाविद्यालय
नमन महाराणा उदयपुर को, किया स्थापित सूझबूझ से
इन्टरमिडिएट कॉलेज सन् 1922 में महाराणा के नाम से
हुआ प्रारंभ गुलाब बाग के नवलखा पैलेस में
श्री एस सी बोस थे प्रथम प्राचार्य, ज्ञानी और कुशल प्रशासन में
सन् 1934 में कॉलेज, पहुँचा चम्पाबाग के नये भवन में
हुआ नया नाम महाराणा भूपाल कॉलेज
कॉलेज बना स्नातक स्तर शुभ वर्ष 1945 में
श्री पी. सी. बसु आए आगरा से बने द्वितीय प्राचार्य
अनुशासनप्रिय, भारी व्यक्तित्व समर्पण से किये सब कार्य
खुला पोस्ट ग्रेजुएशन सन् 1949 में कुछ विषयों में
धीरे धीरे खुलता रहा अन्य विषयों में
श्री शंकर सहाय सक्सेना आये तीसरे प्राचार्य
थे गांधीवादी, मितव्ययी, पहनावा धोती–कुर्ता
सोहन जी बाबू कार्यालय प्रमुख और डालचंद सेवा प्रमुख
थे मशहूर उनके समय में
आये नये प्राचार्य श्री वी. वी. जॉन कर्मठ, कुशल, कुशाग्र, हाजिर जवाबी
किया कायापलट व्यवस्था का, फूंकी जान छात्र और अध्यापकों में
उदयपुर में हुआ स्थापित
देश का द्वितीय कृषि विश्वविद्यालय सन् 1962 में
उद्घाटनकर्ता थे, परम मनीषी राज्यपाल डॉ. संपूर्णानंद
अपने उद्बोधन में दिया सुझाव, विश्वविद्यालय को बहुसंकायी बनाने का
फलस्वरूप जुड़े महाराणा भूपाल कॉलेज के चार संकाय सन् 1964 में
और नामकरण हुआ उदयपुर विश्वविद्यालय
मानवरत्न परम आदरणीय डॉ. जी. एस. महाजनि बने प्रथम कुलपति
उनके नेतृत्व में विकसे एम. बी. कॉलेज के चार संकाय, चार महाविद्यालय के रूप में
उनके ही दिशा निर्देश में हुआ प्रथम दीक्षांत समारोह जनवरी, 1968 में
केन्द्रीय मंत्री श्री जगजीवन राम की गौरवमय उपस्थिति में

विकसित होता रहा विश्वविद्यालय विभिन्न कुलपतियों के मार्गदर्शन में
हुई एक महा घटना,
राजस्थान के निर्माता, उदयपुर विश्वविद्यालय के प्रणेता
आदरणीय सुखाड़िया जी का हुआ आकस्मिक निधन फरवरी, 1982 में
देने सुखाड़िया जी को सम्मान, राजस्थान की केबिनेट ने बदला नाम विश्वविद्यालय का
हुआ नया नाम 'मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय'
तत्कालीन कुलपति श्री पी. एन. भंडारी
कुशल प्रशासक, चतुर, मनीषी ने
संवारा विश्वविद्यालय को पूर्ण समर्पण से
विकसित होती रही विधाएँ, बिना किसी अवरोध के
उनके बाद कृषि अनुसंधान परिषद् की अनुशंसा के फलस्वरूप
उदयपुर विश्वविद्यालय से कृषि संकाय पुनः हुआ पृथक्
और बना राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय सन् 1987 में
मो. ला. सु. वि. वि. करता रहा प्रगति, विभिन्न कुलपतियों के नेतृत्व में।
होता गौरव विश्वविद्यालय के वर्तमान स्वरूप को देखकर
छः महाविद्यालय, 37 विभाग, 8000 विद्यार्थी
87 संबंधित महाविद्यालय उनमें लगभग एक लाख विद्यार्थी
राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, प्रशासनिक कौशल,
शिक्षण और क्रीड़ा पर पूरा ध्यान
बढ़ती हुई संतोषजनक सुविधाएँ, कई नवाचार
नियमित दीक्षांत समारोह
स्मरण उन सभी गुरुजनों का और नमन भी
जिनकी मेधा और सशक्त प्रयास से वट वृक्ष बना है संस्थान
उनमें से कुछ जो स्मृतिपटल पर छाए हैं
प्रो. के. पी. रोड़े–भूगर्भशास्त्र, प्रो. दुलहसिंह कोठारी–भौतिक शास्त्र,
प्रो. जी. वी. बकोरे–रसायन शास्त्र, प्रो. वेंकटाचारी–वनस्पति शास्त्र,
डॉ. भूमित्रदेव–प्राणिशास्त्र, प्रो. नटराजन–विधि, प्रो. शांतिप्रसाद वर्मा– राजनीति शास्त्र
प्रो. बी. आर. चौहान– समाज शास्त्र
प्रो. नरोत्तम दास स्वामी–हिन्दी, प्रो. नागरमल सहल–अंग्रेजी,
प्रो. बी. के. टण्डन–अर्थशास्त्र, प्रो. एच. एल. हिंगोरानी–वाणिज्य
गौरव एम. बी. कॉलेज के उन विद्यार्थियों पर
जो पहुँचे चोटी पर अपने अपने क्षेत्र में
और दिया सम्मान एम. बी. कॉलेज को
शिक्षा– पद्म विभूषण डॉ. दौलतसिंह कोठारी, प्रो. चन्द्रसिंह नैनावटी, प्रो. योगेश अटल
प्रो. मोहम्मद शफी अगवानी, प्रो. गोवर्द्धन मेहता, प्रो. बी. आर. पुरोहित, प्रो. जी. सी. मिश्रा
राजनीति– सर्व श्री मोहनलाल सुखाड़िया, निरंजन नाथ आचार्य,
हीरालाल देवपुरा, गुलाबसिंह शक्तावत,
प्रो. सी. पी. जोशी, डॉ. गिरिजा व्यास, श्री गुलाबचंद कटारिया,
कैलाश मेघवाल, शांतिलाल चपलोत आदि

उद्योग– सिंघल ब्रदर्स– श्री सलिल, श्री अरविन्द, श्री संजय
प्रशासन– श्री जसवंतसिंह सिंघवी, श्री जे. एम. खान, श्री मिट्ठालाल मेहता
इंजीनियरिंग– डॉ. पी. एल. अग्रवाल, श्री एम. पी. बया, श्री जगमोहन हूमड़,
श्री ललित बक्षी, श्री एच. वी. पालीवाल, श्री इब्राहिम अली
चिकित्सा– डॉ. भगवती लाल भण्डारी, डॉ. अरुण बोरड़िया
विधि संकाय– सुश्री कांता भटनागर, श्री एन. एन. माथुर,
श्री सुन्दरलाल मेहता
खेल– श्री अर्जुनसिंह, श्री रघुवीरसिंह राठौड़, श्री हिम्मतसिंह राव,
और भी अनेक
अब आज के समारोह पर
एम. बी. कॉलेज पूर्व छात्र परिषद् का स्थापना दिवस समारोह है
सदस्यों में उत्साह है हर्ष का वातावरण है
साठवर्षीय विज्ञान समिति का ज्ञानगंगा प्रांगण है
नवरात्रि स्थापना का पावन पर्व एवं विश्व हृदय दिवस है
मंच पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री और वर्तमान
राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रो. सी. पी. जोशी मुख्य अतिथि हैं।
निवर्तमान अध्यक्ष हैं एवं पूर्व अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि हैं
तीनों एम. बी. कॉलेज के पूर्व छात्र हैं हमारा गौरव चरम पर है।
आप तीनों को प्रणाम

नोट : यह गद्यनुमा कविता डॉ. कोठारी द्वारा रचित है। इसमें दिए गए तथ्यों से संपादक मंडल या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

❑ ❑ ❑

8 विविधा (Miscellaneous)

इस अध्याय में विश्वविद्यालय की उन विशिष्ट इकाइयों का विवरण दिया जा रहा है जिनका पूर्व के अध्यायों में वर्णन नहीं किया जा सका या संक्षिप्त किया गया था। ये सभी इकाइयाँ किसी महाविद्यालय के अधीन होने के बजाय सीधे विश्वविद्यालय प्रशासन के अधीन या सम्बद्ध हैं।

मुख्य अधीक्षक, छात्रावास (Chief Warden, Hostels)

प्रो. मंजू बाघमार
चीफ वार्डन

पूर्व में विश्वविद्यालय के छात्रावासों को उनके सम्बन्धित महाविद्यालयों के द्वारा ही संचालित किया जाता था। तत्पश्चात् छात्रावासों का संचालन सही प्रकार से हो सके इसलिए एक मुख्य अधीक्षक कार्यालय की स्थापना कर उनके अधीन विश्वविद्यालय के समस्त छात्रावासों को संचालित किया गया। मुख्य अधीक्षक कार्यालय की स्थापना एवं कार्यप्रणाली माननीय प्रो. एच. आर. एस. त्यागी के नेतृत्व में की गई। उनका मुख्य अधीक्षक कार्यालय को स्थापना से लेकर सन् 2004 तक संचालित करने में अतुलनीय योगदान रहा। उस दौरान कई नए छात्रावासों का निर्माण किया गया। वर्तमान में मुख्य अधीक्षक पद पर प्रो. मंजू बाघमार, आचार्य व्यावसायिक प्रशासन कार्यरत हैं।

मुख्य अधीक्षक कार्यालय की स्थापना से अब तक रहे सभी मुख्य अधीक्षकों की सूची निम्न है–

क्र.स.	मुख्य अधीक्षक	कब से	कब तक
1.	प्रो. एच. आर. एस. त्यागी	स्थापना से	31.07.2004
2.	प्रो. के. सी. सोडाणी	31.07.2004	06.06.2009
3.	प्रो. डी. एस. चुण्डावत	06.06.2009	07.07.2014
4.	प्रो. अनिल कोठारी	07.07.2014	04.08.2017
5.	प्रो. आई. एम. कायमखानी	04.08.2017	08.02.2018
6.	प्रो. दिग्विजय भटनागर	08.02.2018	25.02.2018
7.	प्रो. मंजू बाघमार	25.02.2018	अब तक

वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्रावासों की सूची इस प्रकार है–

गार्गी कन्या छात्रावास

1. गार्गी कन्या छात्रावास विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित है।
2. गार्गी कन्या छात्रावास में वर्तमान में अधीक्षक डॉ. राजकुमारी अहीर, सहायक आचार्य समाजशास्त्र विभाग, से हैं।
3. वर्तमान में सहायक अधीक्षक के पद पर डॉ. हिमांशु शर्मा, सहायक आचार्य, रसायन विभाग से हैं।
4. गार्गी कन्या छात्रावास में 140 छात्राओं के रहने की क्षमता है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जनजाति कन्या छात्रावास

1. एम. डी. एस. कन्या छात्रावास विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है।
2. एम. डी. एस. कन्या छात्रावास में वर्तमान में अधीक्षक डॉ. स्नेहा सिंह, सहायक आचार्य, विधि महाविद्यालय से हैं।
3. वर्तमान में सहायक अधीक्षक के पद पर डॉ. गरिमा मिश्रा, सहायक आचार्य, महिला अध्ययन केन्द्र से हैं।
4. एम. डी. एस. कन्या छात्रावास में 130 छात्राओं के रहने की क्षमता है।

नेहरू शिक्षक सदन छात्रावास

1. नेहरु शिक्षक सदन हिरणमगरी सेक्टर 3, उदयपुर में स्थित है।
2. वर्तमान में अधीक्षक डॉ. भंवर विश्वेन्द्र राज सिंह, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग से हैं।
3. छात्रावास में वर्तमान में 40 छात्रों के रहने की क्षमता है।

कमला नेहरू कन्या छात्रावास

1. कमला नेहरू कन्या छात्रावास हिरणमगरी सेक्टर 3, उदयपुर में स्थित है।
2. छात्रावास में 90 छात्राओं के रहने की क्षमता है।
3. वर्तमान में इस छात्रावास में कोई भी अधीक्षक कार्यरत नहीं है।

डॉ. डी. एस. कोठारी रिसर्च छात्रावास

1. डॉ. डी. एस. कोठारी रिसर्च छात्रावास एम. बी. खेल मैदान परिसर में स्थित है।
2. वर्तमान में अधीक्षक पद पर डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान, क्रीड़ा मंडल से हैं।
3. छात्रावास में वर्तमान में 18 छात्रों की क्षमता है।
4. छात्रावास केवल शोध छात्रों के लिए ही है।

राणा पूंजा जनजाति छात्रावास

1. राणा पूंजा जनजाति छात्रावास विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है।
2. वर्तमान में अधीक्षक पद पर डॉ. गिरिराज सिंह चौहान, सहायक आचार्य, लोक प्रशासन विभाग से हैं।
3. वर्तमान में सहायक अधीक्षक पद पर डॉ. राजू सिंह, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग से हैं।
4. छात्रावास में वर्तमान में कुल 100 छात्रों के रहने की क्षमता है।

विधि छात्रावास

1. विधि छात्रावास विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय के निकट स्थित है।
2. वर्तमान में अधीक्षक पद पर डॉ. कैलाश चंद गुर्जर, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग से हैं।
3. छात्रावास में वर्तमान में कुल 80 छात्रों के रहने की क्षमता है।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय (Dean, Student Welfare)

प्रो. पी. एम. यादव
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

स्थापना एवं क्रमिक विकास

सन् 1991 से 27 फरवरी, 2002 तक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय विज्ञान महाविद्यालय में स्थापित था। इसके बाद 28 फरवरी, 2002 से 09 अगस्त, 2018 तक यह कार्यालय विवेकानन्द भवन 51, सरस्वती मार्ग, कॉमर्स कॉलेज के पास वाली गली में स्थित भवन में संचालित हुआ। इस भवन का शिलान्यास तत्कालीन माननीय कुलपति प्रो. आर्य कुमार सिंह के करकमलों द्वारा किया गया। दिनांक 10 अगस्त, 2018 से निरन्तर यह अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय रामानुजन महिला छात्रावास में संचालित है जिसका शिलान्यास 08 मार्च, 2000 को माननीय कुलपति प्रो. आर्य कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

पूर्व एवं निवर्तमान केंद्रीय छात्रसंघ अध्यक्ष

नाम	सत्र
श्री महेन्द्र सिंह शेखावत	08.12.1989—11.01.1991
श्री के.जी. मून्दड़ा	11.01.1991—21.01.1992
श्री दुर्गासिंह राठौड़	21.01.1992—12.01.1994
श्री खूबीलाल मेनारिया	12.01.1994—08.10.1994
श्री गजेन्द्र सिंह चौहान	08.10.1994—29.09.1995
श्री विनोद पानेरी	29.09.1995—28.09.1996
श्री राधेश्याम राय	28.09.1996—27.09.1997
श्री अनुराग शर्मा	27.09.1997—19.12.1998
श्री दीपक शर्मा	19.12.1998—24.12.1999
श्री करणवीर सिंह चौधरी	24.12.1999—14.09.2000
श्री विरेन्द्र सिंह खींची	14.09.2000—25.08.2001
श्री वसीम खान	25.08.2001—13.08.2002

नाम	सत्र
श्री राज सिंह झाला	24.08.2002—6.05.2003
श्री रवि शर्मा	21.08.2004—24.08.2010
श्री दिलीप जोशी	25.08.2010—19.08.2011
श्री परमवीर सिंह चुण्डावत	20.08.2011—30.06.2012
श्री पंकज बोराणा	18.08.2012—30.06.2013
श्री अमित पालीवाल	24.08.2013—30.06.2014
श्री हिमांशु चौधरी	30.08.2014—30.06.2015
श्री सोनू अहारी	26.08.2015—30.06.2016
श्री मयूरध्वज सिंह चौहान	17.08.2016—30.06.2017
श्री भवानी शंकर बोरीवाल	04.09.2017—30.06.2018
श्री हिमांशु बागड़ी	11.09.2018—30.06.2019
श्री निखिलराज सिंह राठौड़	28.06.2019—30.06.2020

पूर्व एवं निवर्तमान केन्द्रीय छात्रसंघ उपाध्यक्ष

नाम	सत्र
श्री संजय शाण्डिल्य	08.12.1989—11.01.1991
श्री खूबीलाल मेनारिया	11.01.1991—21.01.1992
श्री अशोक पुरोहित	21.01.1992—12.01.1994
सुश्री दर्शना गुप्ता	12.01.1994—08.10.1994
सुश्री श्वेता टंडन	08.10.1994—29.09.1995
श्री गजेन्द्र जैन	29.09.1995—28.09.1996
श्री अनुराग शुक्ला	28.09.1996—27.09.1997
श्री नीरज चपलोत	27.09.1997—19.12.1998
श्री राजकुमार कोठारी	19.12.1998—24.12.1998
श्री वसीम खान	24.12.1999—14.09.2000
श्री मदन मोहन पानेरी	14.09.2000—25.08.2001
श्री दिलीप जारोली	25.08.2001—13.08.2002

नाम	सत्र
श्री रणवीर सिंह राणावत	24.08.2002—6.05.2003
श्री मुकेश सिंह परिहार	21.08.2004—06.05.2005
श्री कुलदीप शर्मा	25.08.2010—19.08.2011
श्री पलकांश राव	20.08.2011 —30.06.2012
श्री प्रवीण सिंह आसोलिया	18.08.2012—30.06.2013
सुश्री सुरभि जैन	24.08.2013—30.06.2014
श्री गजेन्द्र सिंह रावल	30.08.2014—30.06.2015
श्री वीरेन्द्र सिंह राव	26.08.2015—30.06.2016
श्री ध्रुव श्रीमाली	17.08.2016—30.06.2017
श्री दिनेश डांगी	04.09.2017—30.06.2018
श्री अरविन्द सिंह चुण्डावत	11.09.2018—30.06.2019
श्री गोविन्द पालीवाल	28.06.2019—30.06.2020

पूर्व एवं निवर्तमान केन्द्रीय छात्रसंघ महासचिव

नाम	सत्र	नाम	सत्र
श्री दिनेश शर्मा	08.12.1989–11.01.1991	श्री नरेश चौधरी	25.08.2001–13.08.2002
श्री दीपक औदिच्य	11.01.1991–11.01.1992	श्री नागेन्द सिंह शक्तावत	24.08.2002–06.05.2003
श्री महेन्द्र सिंह राणावत	....	श्री अजयपाल सिंह चुण्डावत	21.08.2004–24.08.2010
श्री किशोर सिंह राठौड़	21.01.1992–12.01.1994	श्री देवेन्द्र सिंह राठौड़	25.08.2010–19.08.2011
श्री गजेन्द्र सिंह चौहान	12.01.1994–08.10.1994	श्री पर्वत सिंह राणा	20.08.2011–30.06.2012
श्री विनोद पानेरी	08.10.1994–29.09.1995	श्री देवेन्द मीणा	18.08.2012–30.06.2013
श्री भीम सिंह चुण्डावत	29.09.1995–20.09.1996	सुश्री सुधा कुमारी जाट	24.08.2013–30.06.2014
श्री सुमेर सिंह राजावत	28.09.1996–18.02.1997	श्री सिद्धार्थ प्रकाश सोनी	30.08.2014–30.06.2015
श्री किशन सिंह राठौड़	18.02.1997–27.09.1997	श्री प्रफुल्ल वर्मा	26.08.2015–30.06.2016
श्री कृष्णकांत पुरोहित	27.09.1997–19.12.1998	श्री जितेन्द्र सिंह आसोलिया	17.08.2016–30.06.2017
श्री दीपक व्यास	19.12.1998–24.12.1999	श्री शिवनारायण जाट	04.09.2017–30.06.2018
श्री प्रशान्त श्रीमाली	24.12.1999–14.09.2000	श्री पदम सिंह देवड़ा	11.09.2018–30.06.2019
श्री नीरज अग्निहोत्री	14.09.2000–25.08.2001	श्री गजेन्द्र सिंह त्रिवेदी	28.08.2019–30.06.2020

पूर्व एवं निवर्तमान केन्द्रीय छात्रसंघ संयुक्त सचिव

नाम	सत्र	नाम	सत्र
सुश्री दिव्या सोलंकी	25.08.2010–19.08.2011	सुश्री आकांक्षा हेड़ा	26.08.2015–30.06.2016
श्री हितेश पालीवाल	28.08.2011–30.06.2012	सुश्री भावना मेनारिया	17.08.2016–30.06.2017
सुश्री कृतिका सिंघवी	18.08.2012–30.06.2013	कु. भारती कंवर	04.09.2017–30.06.2018
श्री सुनील कल्याण	28.08.2013–30.06.2014	श्री सुनील पहाड़िया	11.09.2018–30.06.2019
सुश्री भावना मेघवाल	30.08.2014–30.06.2015	सुश्री रचना जाट	28.08.2019–30.06.2020

पूर्व एवं निवर्तमान केन्द्रीय छात्रसंघ शोध प्रतिनिधि

नाम	सत्र
श्री देवेन्द्र मेघवाल	04.09.2017–30.06.2018
श्री सतीश मेवाड़ा	11.09.2018–30.06.2019
श्री महेन्द्र सिंह चारण	28.08.2019–30.06.2020

संसाधन

वर्तमान में इस कार्यालय में एक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कक्ष, एक ऑफिस कक्ष, पाँच केन्द्रीय छात्रसंघ पदाधिकारी कक्ष, एक मीटिंग हॉल, एक स्टोर कक्ष, दो कम्प्यूटर सेट मय प्रिन्टर्स एवं आठ कैमरा आदि उपलब्ध हैं।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

अब तक रहे अधिष्ठाता, छात्र कल्याण का विवरण इस प्रकार है–

डॉ. आर. के. राय	01.11.1989–25.01.1992	प्रो. कैलाश सोड़ाणी	01.10.2011–18.10.2012
प्रो. एम.के. पण्डया	25.01.1992–28.06.1993	प्रो. डी.एस. चुण्डावत	18.10.2012–10.07.2014
डॉ. पी.एन. शर्मा	05.7.1993.–15.10.1993	प्रो. विनोद अग्रवाल	10.07.2014–10.10.2014
डॉ. ओ.पी. मेहता	20.09.1994–10.06.1994	प्रो. डी.एस. चुण्डावत	11.10.2014–02.09.2015
डॉ. बी.एल.चौधरी	13.06.1994–31.7.2000	प्रो. आनन्द पालीवाल	02.09.2015–01.09.2016
प्रो. प्रेम सुमन जैन	01.08.2000–30.07.2002	प्रो. एम.एस. राठौड़	02.09.2016–07.05.2018
डॉ. पी.एस.राणावत	01.08.2003–05.07.2007	प्रो. बी.एल. वर्मा	11.07.2018–10.07.2019
प्रो. एस.आर व्यास	21.08.2007–30.08.2009	प्रो. एम.एस. ढाका	18.07.2019–07.08.2019
प्रो. विजयालक्ष्मी चौहान	25.09.2009–30.09.2011	प्रो. पी.एम. यादव	08.08.2019– ....

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा विगत वर्षों में कई उपलब्धियाँ अर्जित की गईं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

- ❖ 19–23 दिसम्बर, 2007 को डीम्ड विश्वविद्यालय, ग्वालियर के द्वारा आयोजित पश्चिमी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालयी युवा महोत्सव में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल के छात्र चिराग धरमावत ने Poetry Recitation प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- ❖ इसी प्रकार 19–23, दिसम्बर 2017 को 33वें पश्चिमी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालयी युवा महोत्सव 'समवेत' का आयोजन मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने किया था। इस कार्यक्रम में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की नीलम पटेल ने स्पॉट फोटोग्राफ़ी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सुश्री सुभिक्षा कश्यप ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार छात्र जयेश सिकलीगर ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, छात्रा प्रज्ञा गर्ग ने ऑन द स्पॉट पेन्टिंग में द्वितीय स्थान, कोलॉज प्रतियोगिता में आफिया पीपावाला ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इनस्टालेशन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लाइट वॉकल इण्डियन संगीत में सुश्री सोनू कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- ❖ 33वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव यूनिफेस्ट 'पलाश 2018' में विश्वविद्यालय के 08 सदस्यी दल ने भाग लिया जिसमें विश्वविद्यालय के दल ने फोटोग्राफी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- ❖ 27–31 दिसम्बर 2019 में 35वाँ पश्चिमी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का तरसाड़िया विश्वविद्यालय, बारदोली, सूरत, गुजरात में आयोजित किया गया जिसमें मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सांस्कृतिक दल की छात्रा सुश्री कीर्ति शर्मा ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं इन्सटालेशन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के दल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया था।
- ❖ 3–7 फरवरी 2020 को 35वें राष्ट्रीय अन्तर–विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में 35वें पश्चिमी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के विजेता 05 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

अकादमिक उपलब्धियाँ

12 जनवरी, 2017 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर 'वर्तमान परिदृश्य में स्वामी विवेकानन्द के चिंतन की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 30 मार्च, 2017 को महाराणा प्रताप जंयती मनाई गई। दिनांक 23 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय महिला कला महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमान् सिद्धार्थ घोष ललित कला अकादमी के सचिव, अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दिनांक 25 सितम्बर, 2017 पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जंयती के अवसर पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इसी प्रकार दिनांक 19–23, दिसम्बर 2017 को 33वें पश्चिमी क्षेत्र अन्तर–विश्वविद्यालयी युवा महोत्सव 'समवेत' का आयोजन मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने किया था। दिनांक 5–6 मार्च, 2018 को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र द्वारा अनुमोदित सेमिनार राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा किया गया। दिनांक 25 सितम्बर, 2018 पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जंयती के अवसर पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 02 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन एवं 'वर्तमान संदर्भ में गांधी चितन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 23 जनवरी, 2019 को सुभाष चन्द्र बोस जयंती के अवसर पर एक दिवसीय रक्तादान शिविर का शिविर का आयोजन किया गया।

मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यानमाला वर्ष 2007 से विश्वविद्यालय में निरंतर आयोजित हो रही है। 31 जुलाई, 2008 को मुख्य वक्ता प्रो. अमिताभ कुण्डु, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना व्याख्यान दिया। 19 फरवरी, 2008 को आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. वाचस्पति उपाध्याय थे। दिनांक 31 जुलाई, 2009 को आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. पी.एन. मिश्रा ने भारतीय प्रबन्धन पर व्याख्यान दिया था। 01 अगस्त, 2010 को इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. सुखदेव थारोट, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने संबोधित किया। दिनांक 07 सितम्बर, 2012 को मुख्य वक्ता हिंदी जगत के ख्यातनाम आलोचक डॉ. नामवर सिंह, सम्मानीय कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने व्याख्यान दिया। इसी प्रकार दिनांक 31 जुलाई, 2013 डॉ. ओम प्रकाश पाण्डे, पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार नई दिल्ली वक्ता के रूप में उपस्थित थे। दिनांक 10 सितम्बर, 2014 को मुख्य वक्ता जस्टिस डॉ. रामा जोयस, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उद्बोधन दिया। 02 फरवरी, 2015 को इस मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. अरविन्द पनगड़िया, अर्थशास्त्री, वाईस चेयरमेन नीति आयोग, संसद मार्ग, योजना भवन, भारत सरकार उपस्थित थे। वहीं 11 अप्रैल, 2016 को मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. गौतम मुखर्जी, भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने 'अपनी क्षमता

अनन्त तक' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दिनांक 29 जुलाई, 2017 को मुख्य वक्ता पदम्श्री आलोक मेहता, प्रख्यात वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली ने संबोधित किया। वहीं 31 जुलाई, 2019 को आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि हेतु प्रो. आर. एस. निर्जर, पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली ने 'वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में बुद्धिजीवियों की भूमिका (The Role of Intellectuals in view of present time) विषय पर अपना व्याख्यान दिया। 31 जुलाई, 2020 को आयोजित इस मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान में 'वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन की समीक्षा' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रो गोपीनाथ शर्मा, पूर्व प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान) ने उद्बोधन दिया।

दिनांक 11 अक्टूबर, 2019 को केन्द्रीय छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि उद्बोधन श्रीमान् सुनील जी बंसल, संगठन महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, उत्तरप्रदेश थे। दिनांक 18 नवम्बर, 2019 को अधिष्ठाता, छात्र कल्याण द्वारा आयोजित, एक दवा निराली 15 सेकण्ड की ताली, के प्रेरक वक्ता श्री अरुण ऋषि, संस्थापक आयुष्मान भव न्यास, उज्जैन थे।

दिनांक 03 अक्टूबर, 2020 को अभिभावक परिषद् की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। वहीं 10 अक्टूबर, 2020 को केन्द्रीय छात्रसंघ के निवर्तमान, सत्र 2018–19 के अध्यक्षों एवं संघटक महाविद्यालयों के निवर्तमान छात्रसंघ एवं सत्र 2018–19 के अध्यक्षों की बैठक का आयोजन किया गया।

NCC Air Wing

Dr. Sidharth Sharma
A.N.O.

NCC Air-Wing in Mohanlal Sukhadia University was started on 18-June-1978 with the name of NCC Air-Wing (6 Raj Air Sqn NCC). NCC Air Wing or the National Cadet Corps is a Tri-Services organisation, including the Army, Air Force, and the Navy. NCC recruits youth from colleges, voluntarily. The training provided to the selected candidates comprises a variety of things ranging from, but not limited to, camp training to Prime Minister's rally to adventure-based learning. The NCC Air Wing aims at grooming the youth into responsible, disciplined, patriotic citizens of the country.

NCC Air-wing unit has Sqn, which has three senior division flights and 13 junior division troops. Out of these, five troops are of 100 Cadets each and eight troops of 50 Cadets. Our unit at M.B. Science College has 100 seats NCC Air-Wing (6 Raj Air Sqn NCC) with 33% reservation for women cadets.

NCC Air-wing unit has 2 Zen Air Microlight. Zen Air Microlight was introduced in NCC in 2000-01. This unit had the distinction of being amongst the first to receive its microlight in December 2000. The honorable chief minister of Rajasthan flagged off the first flight of the microlight on 10-march-2002. After the gliders in NCC were due to completion of technical life new microlight named pipistrelle virus was inducted in the NCC the unit received its share of two aircraft in December 2017 flying operations, finally commenced on the new microlight in January 2019.

Names of former and present officers

Presently, Dr. Siddharth Sharma, Assistant Professor of Department of Chemistry, University College of Science is the care taker Officer of NCC and giving duties since July-2020. Previously, Dr. Devendra Singh Rathore, Assistant Professor of Department of Environment Science, University College of Science gave his duties as an Associate NCC Officer (ANO) from 2012-2020. Whereas, Flying Officer Prof. S. R. Jakhar diligently served as ANO for several years.

Achievements

The Squadron stood first in all India gliding flying during the year 1977-78 and 1978-79. The Squadron was awarded gliding trophy by the Prime Minister during the prime minister's rally in January 79 and January 80 respectively for the best gliding efforts. This was repeated in the year 2000. In the 2006 and 2007 the unit gliding effort was second best in NCC.

Several of our Cadets from 6 Raj Air Sqn NCC achieved commissioned in Armed forces since the inception. 34 cadets since 1986-90 have been commissioned in several branches such as EME, NDA, IMA, SSC, OTA. Squadron aircraft regularly undertake RD rally commitments.

Other important achievements

The flying effort of this Squadron has been the highest in entire NCC, there have been no accident incident in flying since the formation of the Squadron by strictly observing all flight and maintenance safety norms. Squadron has flown approximately 47,500 launches about 1100 launches every year. The National Record of Longest glider flight 4 Hour and 10 minutes was made by units CGI Captain (CA) Ramchandra in the year 1999 on ArdhraGlider. CGI Captain Ram Chandra was awarded with DG's Commendation in the year 1999. The Squadron has been chosen to regularly conduct flying training for the foreign Cadets under YEP program since the year 2000. CW Poonam party represented India as a member of the YEP delegation to Bangladesh in year 2001. Wing Commander Raju Gupta CO of the unit visited to Singapore as the Indian contingent commander of the YEP delegation in the year 2004-05.

जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र (Population Research Centre)

प्रो. पी. एम. यादव
निदेशक

स्थापना एवं क्रमिक विकास

केन्द्र की स्थापना सन् 1981 में हुई थी। वर्तमान स्थिति अर्द्ध विकसित केन्द्र के रूप में है। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य समय–समय पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनसंख्या मुद्दों पर अनुसंधान करना है।

संचालित गतिविधियाँ एवं संसाधन

यह केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जनांकिकी प्रतिमानों और नीति क्रियान्वितियों से संबंधित विभिन्न अनुसंधानों और क्रिया अनुसंधानों को करता रहा है। अब तक केन्द्र ने 187 अनुसंधान अध्ययन निष्पादित किये हैं। केन्द्र ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (1992–93) को निष्पादित किया और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (1998–99) में सहभागिता की। केन्द्र ने राजस्थान के पांच जिलों में टीकाकरण के फैलाव (भारत सरकार), राजस्थान का बहु सूचकांक सर्वेक्षण (यूनिसेफ), महिला स्वास्थ्य संघ का मूल्यांकन (राजस्थान सरकार), राजस्थान में टोंक जिले एवं जयपुर शहर के प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य उप परियोजना का आधारभूत रेखा एवं अंतिम रेखा सर्वेक्षण (राजस्थान सरकार), भारतीय चिकित्सा पद्धति के चिकित्सकों की परिवार कल्याण में भागीदारी और प्रादेशिक प्रशिक्षण और संसाधन विकास केन्द्र के द्वारा राजस्थान के गैर सरकारी संगठनों का सामर्थ्य निर्माण (पॉपुलेशन फाउण्डेशन ऑफ इण्ड़िया) परियोजनाएँ निष्पादित की। केन्द्र सामाजिक विज्ञान के द्वारा अन्तःशास्त्रीय अनुसंधानों की क्रियान्विति में सहभागिता निभाता है और संकाय सदस्यों को केन्द्र के अनुसंधानों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में सम्मिलित करता है। केन्द्र ने यू. एन. एफ. पी. ए. के सौजन्य से जनसंख्या एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण की पद्धतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों के पंचायती राज सदस्यों, ग्रामीण चिकित्सकों और गुणीजनों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया।

केन्द्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है और सभी आधारभूत सुविधाएँ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा प्रदान की जाती है। केन्द्र स्वयं के भवन में कार्यरत है । विश्वविद्यालय परिसर में विधि महाविद्यालय के समीप स्थित है। वर्तमान में केन्द्र के भवन में दो हॉल और निदेशक का चेम्बर एवं स्टाफ रूम एवं कम्प्यूटर रूम हैं। केन्द्र पर पाँच कम्प्यूटर की व्यवस्था एवं पुस्तकालय में पुस्तकें (लगभग 1500) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

संकाय सदस्य

डॉ. बी. एल. नागदा, डॉ. रमाकान्त शर्मा, डॉ. डी. आर. जोशी, डॉ. यू. एस. राव.

1. प्रो.ओ.पी.शर्मा शुरुआत से 31.10.1981
2. प्रो. बी.के. लवानिया 01.11.1982 से 31.01.1992
3. प्रो. मोहन आड़वानी 01.02.1992 से 31.10.2002
4. डॉ. बी.एल. नागदा 01.11.2002 से 28.12.2002
5. प्रो. मोनिका नागोरी 29.12.2002 से 31.12.2004
6. प्रो. बलवीर सिंह 01.01.2005 से 31.12.2007
7. प्रो. मोनिका नागोरी 01.01.2008 से 31.12.2010
8. प्रो. बलवीर सिंह 01.01.2011 से 31.12.2013
9. प्रो. मोनिका नागोरी 01.01.2014 से 30.12.2016
10. प्रो पी.एम. यादव 31.12.2016 से कार्यरत

केन्द्र के मानद निदेशक पद पर समाजशास्त्र विभाग के आचार्य पदासीन रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

केन्द्र ने अभी तक 187 वृहद एवं लघु शोध परियोजनाएँ पूर्ण की हैं। सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में राज्य अनुसंधान समन्वय कमेटी का गठन किया गया है। पीआरसी के मानद निदेशक और अनुसंधान स्टॉफ राज्य समन्वय कमेटी की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेते हैं।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ (SC/ST Cell)

प्रो. पी. एम. यादव
समन्वयक

स्थापना एवं क्रमिक विकास

अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 1995 में हुई तथा वर्तमान तक यह प्रकोष्ठ अजा/जजा वर्ग के कर्मचारियों/छात्रों के हितार्थ कार्यरत है। अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय के स्थापना शाखा में पृथक से स्थापित है तथा प्रकोष्ठ के समन्वयक के लिए पृथक से चेम्बर तथा कार्यालय के लिए कम्प्यूटर सेट उपलब्ध है।

पदाधिकारी

प्रकोष्ठ में प्रभारी अधिकारी के तौर पर समन्वयक का पद है, जिस पर निम्नलिखित समन्वयक कार्यरत रहे हैं–

1. प्रो. एल.सी. खत्री – 1995 से 10.10.2010
2. प्रो. हनुमान प्रसाद – 11.10.2010 से 11.12.2013
3. प्रो. पी.एम. यादव – 12.12.2013 से 11.12.2016
4. प्रो. हनुमान प्रसाद – 12.12.2016 से 07.01.2019
5. प्रो. पी.एम. यादव – 08.01.2019 ....

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1. दिनांक 09.05.2002 को सूचना अधिकार पत्र का विमोचन प्रो. ए. के. सिंह, माननीय कुलपति द्वारा किया गया।
2. दिनांक 24.06.2005 को फोल्डर का विमोचन प्रो. बी. एल. चौधरी, माननीय कुलपति द्वारा किया गया।
3. दिनांक 20.06.2006 को पुनः एक नए फोल्डर का विमोचन प्रो. बी. एल. चौधरी, माननीय कुलपति द्वारा किया गया।
4. दिनांक 29.06.2007 को 'बुकलेट' का विमोचन प्रो. बी. एल. चौधरी, माननीय कुलपति द्वारा किया गया।
5. प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 04.01.2006 को अजा/जजा वर्ग के विद्यार्थियों का प्रथम सम्मान समारोह आयोजित किया गया।
6. प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 24.02.2007 को अजा/जजा वर्ग के विद्यार्थियों का द्वितीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया।
7. प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 28.04.2013 को अजा/जजा वर्ग के विद्यार्थियों का तृतीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया।
8. प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 14.04.2017 को अजा/जजा वर्ग के विद्यार्थियों का चतुर्थ सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

अन्य अकादमिक उपलब्धियाँ

1. डॉ. तिलक आर. केम, संयुक्त सचिव, यूजीसी, नई दिल्ली, श्री कनकमल कटारा, मंत्री महोदय, श्री महावीर भगोरा, सांसद, सलूम्बर, श्रीमती वंदना मीणा, विधायक की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 04.01.2006 को प्रथम सम्मान समारोह आयोजित हुआ।
2. दिनांक 24.02.2007 को आयोजित द्वितीय सम्मान समारोह में श्री शान्तिलाल चपलोत एवं श्रीमती वन्दना मीणा, विधायक अतिथि के रूप में उपस्थित थे।
3. श्री रामेश्वर उरांव, अध्यक्ष, जनजाति आयोग, श्री आर. पी. सिसोदिया, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री मांगीलाल गरासिया, मंत्री राज. सरकार, श्री रघुवीरसिंह मीणा, सांसद, उदयपुर इत्यादि की गरिमामय उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित हुआ।
4. श्री अर्जुनलाल मीणा, सांसद, उदयपुर श्री हरिकृष्ण डामोर, सदस्य, राष्ट्रीय जनजाति आयोग, श्री फूलसिंह मीणा, विधायक इत्यादि की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 14.04.2017 को चतुर्थ सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय (University Central Library)

Prof. N. Lakshmi
Officer In-Charge

Dr. Rekha Bairwa
Astt. Librarian

Establishment and Evolution

The University Library System has a Central position in the academic activities of the University and is considered to be the heart of the University. It is regularly upgraded and modernized taking advantage of continuously evolving technologies for wider dissemination of knowledge.

The University Central Library was constituted in 1962 and the Extension Library of the University of Rajasthan (situated in Udaipur) was merged into it in 1966. Separate College Libraries were created gradually with the establishment of the constituent Colleges of the University. In 1987 the Rajasthan Agricultural University split from the University and all the College Libraries of Agricultural wing became a part of the Rajasthan Agricultural University. The Mohanlal Sukhadia University Library System consists of the following Libraries:

1. University Central Library
2. University College of Science Library
3. University College of Social Sciences & Humanities Library
4. University College of Commerce & Management Library
5. University College of Law Library
6. Faculty of Management Studies Library
7. University Department of Geology Library

In addition, each of the Departments within each Faculty/University College has its own library.

There are two separate libraries in the Science Faculty:

(1) College of Science Library and

(2) Department of Geology Library (which has been transferred from the University of Rajasthan).

Similarly, in the College of Commerce and Management Studies, two units of Libraries are working side by side, namely:

(i) Main Library of the College and

(ii) M.B.A. Programme Library.

The Central Library mainly concentrates on research support services whereas the college libraries look after the specific needs of Under-Graduate and Post-Graduate teaching courses of the respective Colleges. The University Central Library caters to the needs basically of the Post-Graduate Students, Research Scholars and the faculty members of the University. In addition to the large number of books, periodicals and an extensive archive of research journals, Research Scholars and Faculty members also have access to large e-content through the Information and Library Network (INFLIBNET) Cell set up by the Central Library with the assistance of UGC. This cell is equipped with modern infrastructure and regularly updates records in the National database being developed by the INFLIBNET at Ahmedabad. The University Central library is a member of INFLIBNET and DELNET (Development Library Network) New Delhi, which has recently developed its WebPages. Readers can access the library record on the Internet.

Building : The Central Library has its own building. This building is presently occupied by the Central Library and University Administrative Office. All other libraries are housed in respective College/Department buildings.

Library Management : Under the Act and Statutes No. 5(3) (a) of the University, there is a Library Committee to render advice to the Academic Council in connection with all library matters. The Vice-Chancellor is the Chairman and the University Librarian/Officer-in-charge acts as its Secretary. The Chairmen of Library Committee of all the Colleges/Department are the member of this committee.

The Central Library has the facility of -

1. e - journals
2. e-Shodhsindhu
3. Shodhganga membership
4. e-books
5. Databases

Resources

- Library Automation (estd. 2005)
- E-Library Computer Lab (estd. 2005)
- Infrastructure of Central Library includes - Ist Floor - 9200 sq.ft, IInd Floor - 19000 sq.ft, IIIrd Floor - 1400 sq.ft.
- Deputy Librarian & Officer In-Charge Chamber
- Circulation Section
- Periodical Section
- Theses Section
- Book Order Section
- P.A. Section
- Accounts Section
- Must Read Section
- Estt. & Store Section
- Reading Hall - 1, 2 & 3
- E-Library Computer Lab (estd. 16.7.2005) Total Computers - 32 E-Resource & E-Sodhsindhu
- Spiritual Knowledge & Competition Unit (estd. 26.11.2018)

Officer Incharge

Prof. N.Lakshmi - Officer In-Charge (She is the first lady Officer In-Charge of MLSU Central Library)

Dr. Rekha Bairwa - Assistant Librarian (She is the first lady Asstt. Librarian of MLSU Central Library)

OFFICER IN CHARGE

1.	Dr. B.K. Shrivastava	1964-65 to 1969-1970
2.	Dr. N.L. Hingorani	1970 to 1971
3.	Dr. J. Verma	1971-72 to 1972-73
4.	Dr. O.P. Sharma	1973-74 to 1978-79
5.	Dr. G.V. Bakore	1979-80 to Sept. 1981
6.	Dr. B.S. Mathur	3.12.1986 to 31.12.1987
7.	Dr. B.C. Mehta	22.11.1988 to 21.2.1991
8.	Dr. D.N. Purohit	14.9.1991 to 6.6.1993
9.	Dr. U.N. Upadhyay	22.12.1998 to 31.8.2001
10.	Dr. K.K. Sud	26.9.2001 to 9.8.2004
11.	Dr. D.K. Bhatt	10.8.2004 to 22.3.2005
12.	Dr. Madhu Sudan Sharma	23.3.2005 to 23.3.2008
13.	Prof. D.K. Bhatt	24.3.2008 to 31.8.2009
14.	Prof. Maheep Bhatnagar	2.9.2009 to 12.10.2010
15.	Prof. A.K. Goswami	13.10.2010 to 7.3.2013
16.	Prof. S.N.A. Jaaffrey	8.3.2013 to 30.6.2014
17.	Prof. G. Soral	1.7.2014 to 27.10.2015
18.	Prof. M.S. Rathore	28.10.2015 to 11.11.2016
19.	Prof. Hanuman Prasad	12.11.2016 to 18.11.2020
20.	Prof. N. Lakshmi	19.11.2020 ...

DEPUTY LIBRARIAN		
1.	Sh. M.L.Singhvi	01.04.1964 to 18.05.1967
2.	Sh. V.B. Nanda	19.05.1967 to 21.03.1983
3.	Sh. S.M.S. Bhargava	22.03.1983 to 31.03.1988
4.	Dr. L.N. Verma	01.04.1988 to 30.01.1995
5.	Sh. S.L.Dave	31.01.1995 to 02.02.1999
6.	Dr. U.K. Agarwal	03.02.1999 to 31.01.2011
7.	Dr. Ramkesh Meena	01.02.2011 to 25.02.2020

Events organized-

Name	Date	Number of Participant
Five days "INFLIBNET Regional Training Programme on Library Automation Jointly organized by University Central Library and INFLIBNET Centre (UGC), Ahmedabad at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	23rd to 27th February 2011	62
Five days "INFLIBNET Regional Training Programme on Library Automation Jointly organized by University Central Library and INFLIBNET Centre (UGC), Ahmedabad at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	20th to 25th February 2017	41
Five days "INFLIBNET Regional Training Programme on Library Automation Jointly organized by University Central Library and INFLIBNET Centre (UGC), Ahmedabad at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	26th to 30th November 2019	48
Workshop on E-Resources in Commerce & Management Studies at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	8th to 14th September, 2014	29
Workshop on E-Resources in Social Science at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	17th to 25th Nov. 2014	40
Workshop on E-Resources in Social Science & Humanities at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	19th to 27th Jan. 2015	41
Workshop on E-Resources in Science at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	16th to 24th March, 2015	36
Workshop on E-Resources in All Faculties at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	20th to 28th February, 2017 UCCMS UCCSH UCS	 50 64 54
Workshop on E-Resources in All Faculties at University Central Library, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur	14th to 21th January, 2019	75

Other Details

1. सुखाड़िया विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय राजस्थान का एक मात्र ऐसा पुस्तकालय है, जहां पर Father of Librarian Dr. S.R. Ranganathan की देन Colon Classification पद्धति के द्वारा पुस्तकों का वर्गीकरण किया जाता है।
2. केन्द्रीय पुस्तकालय में कुल पुस्तकों की संख्या लगभग 1,17,929 है।
3. University Central Library की official Website uclmlsu.org & mail ID ucl@mlsu.ac.in है।
4. केन्द्रीय पुस्तकालय में सन् 2013–14 तक की थीसिस केन्द्रीय पुस्तकालय की Website uclmlsu.org पर उपलब्ध है। शेष थीसिस INFLIBNET dh Shodhganga पर अपलोड हैं/अपलोड की जा रही हैं।
5. केन्द्रीय पुस्तकालय में तीन डाटा बेस क्रमशः (1) India Stat (2) Dissertation & Abstracts (PROQUEST) (3) ACEQ जिनका access विश्वविद्यालय सुखाड़िया विश्वविद्यालय के SUNET पर उपलब्ध है।
6. Library Management Software - SOUL-2.0

वित्तीय वर्ष 2017–18 में RUSA (राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान) Project के तहत विश्वविद्यालय के इन्फास्ट्रेक्चर तथा अन्य कार्यो हेतु अनुदान राशि प्रदत की गई जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय को 20.00 लाख रू. राशि स्वीकृत की गई। केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा उक्त अनुदान राशि के तहत विभिन्न प्रकार की पुस्तकें कय की जाकर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में उक्त पुस्तकें छात्र–छात्राओ, फेकल्टी तथा शोधकर्ताओ के अध्ययन–अध्यापन हेतु भिजवायी गई। साथ केन्द्रीय पुस्तकालय में उक्त प्रोजेक्ट के तहत नवनिर्मित प्रतियोगिता इकाई एवं अध्यात्मिक केन्द्र हेतु भी ज्ञानवर्धक पुस्तकें कय की गई हैं।

Other Facilities available

Details of memberships/ Subscription	Name of service subscribed to	No of e-resources with full text access	Validity period	Usage report from the service provider if applicable	Whether remote access provided? (Yes / No)	web link of remote access
DELNET	DELNET Digital Library	Access Millions of Networked Library Resources through DELNET 2,50,00,000+ Books available for loan 40,000+ list of Journals 5,000+ Full-text E-journals 1,00,000+ Thesis/Dissertations	Continue	Full Use	Yes	http://www.delnet.in/
e-Shodhsindhu	e-Resources	10000+ e-JOURNALS 3135000+ e-BOOKS 22+ RESOURCES 4+ DATABASES	Continue	Full Use	Yes	https://www.inflibnet.ac.in/ess/
Indian Library Association	Journal	ILA Journal (JILA) ILA News Letter	Continue	Full Use	Yes	https://www.ilaindia.net/
Ace Equity Knowledge Portal	Database	Digital Library Information Covering more than 30,000 listed and private companies Digital Annual Reports & Interim Result	Continue	Full Use	Yes	www.acekp.in
ProwessIQ	Database	Financial performance of 50,548 companies	Upto 2018	Full Use	Yes	https://prowessiq.cmie.com
Indiastat.com	Database	e-resource of Socio-economic statistical information & Data	Continue	Full Use	Yes	https://www.indiastat.com
J-Gate	Database	50,613 Journals Indexed 62,696,803 Articles Indexed 10,000+ Articles Added	Continue	Full Use	Yes	https://jgateplus.com/home
The Institute for Studies in Industrial Development (ISID)	Database	250 Indian Social Science Journals	Continue	Full Use	Yes	http://isid.org.in
Dissertation abstracts international Sec. A&B	Database	Largest repository of dissertations and theses	Continue	Full Use	Yes	https://www.proquest.com

विश्वविद्यालय स्वर्ण जयंती अतिथि गृह (Golden Jubilee University Guest House)

Prof. Hanuman Prasad
Incharge

Establishment and Evolution

The Swarna Jayanti University Guest House was inaugurated on 15th August 2014. It is located in the main campus, 50 meters from the main entrance of the University. It is only 2 kilometers away from Rana Pratap Nagar Railway Station, 5 kilometers from Roadways Bus Stand, 6 kilometers from Udaipur City Railway Station and 22 kilometers from the Airport. In the year 2017, 10 more rooms were added. Two suites, one kitchen and a restaurant area with a seating capacity of 100, and a meeting hall with a seating capacity of 50 were also constructed in 2017. Currently, the guest house has 26 well equipped comfortable rooms with modern attached toilets. All the rooms are air conditioned. There are two suites also. The Guest House provides Restaurant and Room Service facilities to cater to the basic food and beverage needs of the guests. The Guest House also extends facilities for Conference Hall (235 Seats) and Meeting Room (25 persons) in its premises. The conference Room and meeting rooms are well equipped with Air Conditioners, Projector, Electronic Screen, Mike System, Dais, Podium etc.

Available Resources

S.No.	Name of Particulars	Quantity
1.	Kitchen	1
2.	Restaurant (100 seating capacity with furniture)	1
3.	Waiting Lobby	2
4.	Confidential Lobby	1
5.	Conference Hall (300 Seating capacity)	1
6.	Meeting Hall (50 Seating capacity)	1
7.	Projector	2
8.	Tandoor	1
9.	Food Processor	1
10.	Dish Washer	1
11.	RO	1
12.	Heavy DG Set	1
13.	Air Conditioner	53

S.No.	Name of Particulars	Quantity
14.	Television	23
15.	Sofa	25
16.	Intercom	1
17.	LED Monitor	1
18.	Single Bed	26
19.	Wardrobe	14
20.	Dressing Table	14
21.	Study Table	14
22.	Bed side Table	39
23.	Leisure Chair	28
24.	Dining Table	25
25.	Dining Chair	60
26.	Writing Chair	14

Name of In Charges

S. No.	Name of In charge	Tenure
1	Prof. Ashok Singh	2014-2019
2.	Dr. Rakeshwar Purohit	2019-2020
3.	Prof. Hanuman Prasad	Jan. 2021...

Important Dignitaries Visited the Guest House

S.No.	Name	Designation	Date	Purpose of the visit
1.	Mrs. Vasundhara Raje	Then Chief Minister, Rajasthan	15 August, 2014	Inauguration of Guest House
2.	Mr. Gulab Chand Kataria	Home Minister, Rajasthan	15 August, 2014	Inauguration of Guest House
3.	Prof. I.V. Trivedi	Then HVC, MLSU	15 August, 2014	Inauguration of Guest House
4.	Dr. C.P. Joshi	Then Minister of Road Transport and Highways	2011	Foundation Stone Laying Ceremony
5.	Mr. Brij Kishore Sharma	Then Transport Minister, Rajasthan Govt.	2015	Foundation Laying Ceremony of new rooms of guest house
6.	Mr. Gajendra Haldiya	Advisor, Yojana Aayog, Govt. of India	2015	Foundation La ying Ceremony of new rooms of guest house
7.	Mr. Arjun Lal Meena	Member of Parliament	2015	Foundation Laying Ceremony of new rooms of guest house
8.	Mr. Chandra Singh Kothari	Mayor, Udaipur	2015	Foundation Laying Ceremony of new rooms of guest house
9.	Mr. Phool Singh Meena	MLA, Udaipur Rural	2015	Foundation Laying Ceremony of new rooms of guest house
10.	Mr. Akhilesh Joshi	Chief Executive Officer, Hindustan Zinc Ltd.	2015	Foundation Laying Ceremony of new rooms of guest house

विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल (University Sports Board)

प्रो. पी. एम. यादव
निदेशक

डॉ. गिर्राज सिंह चौहान
सचिव

- स्थापना एवं क्रमिक विकास :- 1962
- संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन:- M.P.Ed. 2 Yrs (पूर्व में संचालित)

विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल में उपलब्ध संसाधन

Multipurpose Indoor Hall with seating capacity of 1200 secpectod - Wooden surface (60ft.x100ft.) for Basketball, Volleyball, Badminton, Table Tennis, Combat Scores - Judo, Karate, Taeokondo, Kabaddi, Wrestling, Chess etc.

Lawn Tennis synthetic Court with lighting and changing facility.

Cricket Ground with Turf Wicket and Grassy surface

Rock Climbling Wall with 10 mtr. Climing equipment

Athletics Track & Field with 6 Lane clay Track

Basketball Wooden (Indoor) /
Cemented (Outdoor) Courts with floodlights

Kabaddi clay Court.

Boxing Hall with International
Standard Ring (25x25ft.).

Volleyball clay Court with Cinder surface.

Gymnasium with Cemented surface.

Hockey Ground with grassy surface.

Football with Grassy surface.

Kho-Kho with Cinder surface.
Squash Court.
Handball clay Court.
Sports Hostel with 44 Rooms with 2 Hall.

संकाय सदस्य

01. कुंवर जगन्नाथ सिंह भाटी, अधीक्षक, शारीरिक शिक्षा
02. श्री अरविन्द भटनागर, अधीक्षक, शारीरिक शिक्षा
03. श्री उदयराज धाबाई, प्रशिक्षक, लॉन टेनिस
04. श्री नजमूल हुसैन, प्रशिक्षक, क्रिकेट
05. श्री डी. एन. एस. राणावत, प्रशिक्षक, कुश्ती

वर्तमान में कार्यरत संकाय सदस्य

06. डॉ. भीमराज पटेल, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा
07. डॉ. हेमराज सिंह चौधरी, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा
08. डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान, प्रशिक्षक, बॉक्सिंग

अध्यक्ष

S. No.	Name	Designation	From	To
1.	Prof. Y. D. Tyagi	Professor	01.09.1987	01.07.1988
2.	Prof. R. K. Rai	Professor	02.07.1988	22.01.1992
3.	Prof. M. K. Pandya	Professor	22.01.1992	28.07.1993
4.	Sh. R. S. Rathore	Professor	29.07.1993	09.11.1998
5.	Prof. B. L Chaudhary	Professor	09.11.1998	01.11.2001
6.	Prof. S. S. Sharma	Professor	01.11.2001	02.09.2003
7.	Prof. P. S. Ranawat	Prof. & DSW	02.09.2003	31.07.2007
8.	Prof. S. R. Vyas	Prof. & DSW	22.08.2007	31.08.2010
9.	Prof. Maheep Bhatnagar	Professor	15.092010	22.03.2011
10.	Prof. Madhu Sudan Sharma	Professor	23.03.2011	31.08.2011
11.	Prof. D. S. Chundawat	Prof. & DSW	10.09.2011	31.07.2015
12.	Prof. Vinod Agarwal	Professor	01.09.2015	21.12.2016
13.	Prof. C. R. Suthar	Professor	21.12.2015	20.12.2017
14.	Prof. Vijay Shrimali	Professor	28.12.2017	18.04.2018
15.	Prof. Anand Paliwal	Professor	19.04.2018	22.09.2020
16.	Prof. Pooran Mal Yadav	Prof. & DSW	23.09.2020	Continue

सचिव/प्रभारी

S. No.	Name	Designation	From	To
1.	Kr. Jagannath Singh Bhati	Phy. Supt.	July 1987	June 1990
2.	Shri Udairaj Dhabhai	Coach	July 1990	June 1991
3.	Kr. Jagannath Singh Bhati	Phy. Supt.	July 1991	June 1996
4.	Shri Arvind Bhatnagar	Phy. Supt.	July 1996	June 1998
5.	Shri Nazmul Hussain Sheikh	Coach	July 1998	June 2002
6.	Shri V. K. Sharma	Asstt. Prof.	05-09-2002	30-06-2003
7.	Shri D. N. S. Rana	Coach	July 2003	06-05-2005
8.	Dr. Deependra Singh Chauhan (Offtg.)	Coach	07-05-2005	07-07-2005
9.	Shri D. N. S. Rana	Coach	08-07-2005	06-05-2006
10.	Dr. Deependra Singh Chauhan (Offtg.)	Coach	07-05-2006	11-07-2006
11.	Shri Nazmul Hussain Sheikh	Coach	12-07-2006	03-05-2007
12.	Dr. Deependra Singh Chauhan (Offtg.)	Coach	04-05-2007	19-07-2007
13.	Shri Nazmul Hussain Sheikh	Coach	20-07-2007	01-05-2008
14.	Dr. Deependra Singh Chauhan	Coach	02-05-2008	18-08-2018
15.	Dr. Bheem Raj Patel	ADPE	18-08-2018	21-09-2020
16.	Dr. Giriraj Singh Chauhan	Assist. Prof.	22-09-2020	Continue

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक	आयोजक विश्वविद्यालय
1	श्री राजेश तैलंग	तैराकी	1987–88	रजत पदक	अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चेन्नई
2	श्री राजेश तैलंग	तैराकी	1988–89	रजत पदक	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
3	श्री हर्षवर्धन सिंह सिसोदिया	मुक्केबाजी	1989–90	कांस्य पदक	मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई
4	श्री संडे लाऊस ओमा	मुक्केबाजी	1993–94	स्वर्ण पदक	काकतिया विश्वविद्यालय, वारंगल, आंध्रप्रदेश
5	श्री संडे लाऊस ओमा	मुक्केबाजी	1994–95	स्वर्ण पदक	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
6	श्री अजय सोनी	मुक्केबाजी	1994–95	कांस्य पदक	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
7	श्री रमेश चौधरी	मुक्केबाजी	1994–95	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
8	श्री संडे लाऊस ओमा	मुक्केबाजी	1995–96	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
9	श्री अजय सोनी	मुक्केबाजी	1995–96	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
10	श्री चुन्नी लाल चन्देरिया	मुक्केबाजी	1995–96	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
11	श्री रमेश चौधरी	मुक्केबाजी	1996–97	कांस्य पदक	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
12	श्री मोहम्मद अली	मुक्केबाजी	1997–98	रजत पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
13	श्री रमेश चौधरी	मुक्केबाजी	1997–98	रजत पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
14	श्री संजीव मलिक	कुश्ती	1998–99	कांस्य पदक	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
15	श्री मोहम्मद अली	मुक्केबाजी	1998–99	कांस्य पदक	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
16	श्री मोहम्मद अली	मुक्केबाजी	1999–00	स्वर्ण पदक	इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
17	सुश्री दीपा गोस्वामी	शक्तितोलन	1999–00	कांस्य पदक	पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
18	श्री अजय सिंह चौहान	एथलेटिक्स	2000–01	रजत पदक	रांची विश्वविद्यालय, झारखण्ड
19	श्री पुष्पेन्द्र परमार	मुक्केबाजी	2001–02	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
20	श्री उमेश भारद्वाज	मुक्केबाजी	2001–02	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
21	श्री तेजेन्द्र सिंह शक्तावत	मुक्केबाजी	2001–02	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
22	श्री मोहम्मद आफताब शेख	मुक्केबाजी	2003–04	कांस्य पदक	वाई.एस. परमार विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश
23	सुश्री नीता देवी	योगासन	2005–06	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
24	श्री जसवंत मेनारिया	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक	आयोजक विश्वविद्यालय
25	श्री करणी सिंह भाटी	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
26	श्री भरत सिंह भाटी	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
27	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
28	श्री रोहित पालीवाल	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
29	श्री विनोद भाटी	योगासन	2005–06	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
30	सुश्री माला सुखवाल	शक्तित्तोलन	2005–06	रजत पदक	गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
31	श्री प्रशान्त पंडवाला	तीरंदाजी	2009–10	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
32	श्री बक्शु डामोर	तीरंदाजी	2009–10	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
33	श्री मुकेश डामोर	तीरंदाजी	2009–10	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
34	श्री जितेन्द्र सनाढ्य	तैराकी	2010–11	कांस्य पदक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता
35	श्री सुमित शर्मा	मुक्केबाजी	2010–11	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
36	श्री विराट पंत	मुक्केबाजी	2010–11	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
37	श्री प्रभुनाथ योगी	मुक्केबाजी	2010–11	कांस्य पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
38	सुश्री विनीशा जोशी	मुक्केबाजी	2010–11	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
39	श्री दिव्यांश सोनी	पावर लिफ्टिंग	2012–13	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
40	श्री मोहम्मद जावेद	पावर लिफ्टिंग	2012–13	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
41	श्री सुरेन्द्र कुमार	एथेलेटिक्स	2014–15	रजत पदक	राजीव गांधी हेल्थ साईन्स विश्वविद्यालय, बैंगलोर
42	सुश्री भावना जाट	एथेलेटिक्स	2014–15	रजत पदक	राजीव गांधी हेल्थ साईन्स विश्वविद्यालय, बैंगलोर
43	श्री संजीत सिंह	मुक्केबाजी	2014–15	रजत पदक	लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालन्धर
44	श्री अमित चहल	मुक्केबाजी	2014–15	कांस्य पदक	लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालन्धर

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक	आयोजक विश्वविद्यालय
45	सुश्री प्रतीति व्यास	कयाकिंग	2014–15	कांस्य पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
46	श्री सुरेन्द्र कुमार	एथेलेटिक्स	2015–16	स्वर्ण पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
47	सुश्री भावना जाट	एथेलेटिक्स	2015–16	रजत पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
48	सुश्री महक सनाढ्य	मुक्केबाजी	2015–16	कांस्य पदक	कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र
49	सुश्री प्रतीति व्यास	कयाकिंग	2016–17	कांस्य पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
50	श्री दिव्यांश सोनी	पॉवर लिफ्टिंग	2016–17	कांस्य पदक	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
51	सुश्री प्रतीति व्यास	कयाकिंग	2017–18	कांस्य पदक	गुरूनानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर
52	सुश्री नेहा कुमावत	कयाकिंग	2017–18	कांस्य पदक	गुरूनानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर
53	श्री गौरव सिंह चौहान	जिमनास्टिक	2017–18	स्वर्ण पदक	कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र
54	श्री दिशांत जैन	केनोइंग	2017–18	कांस्य पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
55	श्री भरत सिंह	केनोइंग	2017–18	कांस्य पदक	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
56	सुश्री प्रतीति व्यास	कयाकिंग	2017–18	कांस्य पदक	गुरूनानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर
57	सुश्री सोनल सुखवाल	एथेलेटिक	2018–19	रजत पदक	मैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक
58	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग	2018–19	रजत पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
59	श्री अक्षय साहू	कयाकिंग	2018–19	रजत पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
60	सुश्री प्रतीति व्यास	कयाकिंग	2018–19	रजत पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
61	श्री रूद्रप्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग	2018–19	कांस्य पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
62	सुश्री ज्योति जाँगिड़	कयाकिंग	2018–19	कांस्य पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
63	श्री गौरव सिंह चौहान	जिमनास्टिक	2018–19	कांस्य पदक	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
64	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग	2018–19	(3) कांस्य पदक	गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
65	सुश्री ममता	मुक्केबाजी	2018–19	कांस्य पदक	जनार्दन राय नागर रा.वि., उदयपुर
66	सुश्री सोनल सुखवाल	एथेलेटिक	2019–20	स्वर्ण पदक	राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साईसेस, बैंगलूरू, कर्नाटक
67	श्री नमन पोरवाल	शतरंज	2019–20	बोर्ड पदक	पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर
68	सुश्री भावना साहू	किक बाक्सिंग	2019–20	स्वर्ण पदक	आन्ध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापटनम
69	सुश्री मोनिका गहलोत	किक बाक्सिंग	2019–20	कांस्य पदक	आन्ध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापट्टनम
70	श्री बहादुर सिंह	किक बाक्सिंग	2019–20	कांस्य पदक	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक	आयोजक विश्वविद्यालय
71	श्री निखिल जालोरा	किक बाक्सिंग	2019–20	कांस्य पदक	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर
72	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–2) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
73	श्री रूद्र प्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग (के–2) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
74	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–4) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
75	श्री रूद्र प्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग (के–4) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
76	श्री अक्षय साहू	कयाकिंग (के–4) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
77	श्री महर्षि भटनागर	कयाकिंग (के–4) 200 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
76	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–1) 500 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
79	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–2) 500 मी.	2019–20	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
80	श्री रूद्र प्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग (के–2) 500 मी.	2019–20	रजत पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
81	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–4) 500 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
82	श्री रूद्र प्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग (के–4) 500 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
83	श्री सोनू यादव	कयाकिंग (के–4) 500 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
84	श्री रविन्द्र जांगिड	कयाकिंग (के–4) 500 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
85	श्री नितिन बिष्ट	कयाकिंग (के–4) 1000 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
86	श्री रूद्र प्रताप सिंह चौहान	कयाकिंग (के–4) 1000 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
87	श्री सोनू यादव	कयाकिंग (के–4) 1000 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
88	श्री अक्षय साहू	कयाकिंग (के–4) 1000 मी.	2019–20	स्वर्ण पदक	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	वर्ष
1.	श्री कृतेश कुमार त्रिवेदी	वॉलीबाल	1973
2.	श्री निखिल डोरु	क्रिकेट	2002
3.	श्री दिलीप खोईवाल	वॉलीबाल	2009
4.	सुश्री माला सुखवाल	पॉवर लिफ्टिंग	2009
5.	श्री अशोक मेनारिया	क्रिकेट	2010
6.	सुश्री भक्ति शर्मा	तैराकी	2010
7.	सुश्री संतोषी रावत	बास्केटबॉल	2010
8.	श्री समीर खान	पॉवर लिफ्टिंग	2011
9.	सुश्री मधु शर्मा	नेट बॉल	2012
10.	श्री मिहिर सोनी	पॉवर लिफ्टिंग	2018

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी खेल प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के खिलाड़ी

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक
1.	श्री विक्रमादित्य चौफला	Indian Universities Badminton (M) Team in World University Badminton Championship at South Korea	2012–13	प्रतिभागी
2.	श्री रवि राज शर्मा	Indian Universities Badminton (M) Team in World University Badminton Championship at South Korea	2012–13	प्रतिभागी
3.	सुश्री प्रतीति व्यास	Indian Universities Dragon Boat (W) Team in World University Dragon Boat Championship at Moscow, Russia	2016–17	प्रतिभागी
4.	सुश्री नेहा कुमावत	Indian Universities Kayaking (W) Team in World University Kayaking Championship, Hungary, Europe in 2018	2017–18	प्रतिभागी
5.	सुश्री सोनल सुखवाल	Indian Universities Athletics (W) Team in 30th Summer Universiade 2019, Napoli, Italy	2018–19	प्रतिभागी

भारत सरकार द्वारा आयोजित खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2020 में विश्वविद्यालय के खिलाड़ी

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल का नाम	सत्र	पदक
1.	सुश्री सोनल सुखवाल	Athletics (W)	2019–20	गोल्ड मेडल
2.	सुश्री प्रियंका माली	Judo (W)	2019–20	प्रतिभागी
3.	सुश्री छवि सिंह राव	Judo (W)	2019–20	प्रतिभागी
4.	सुश्री योशिता व्यास	Aquatics (W)	2019–20	प्रतिभागी

आयोजन

क्र. सं.	प्रतियोगिता का नाम	सत्र
1.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (पुरुष)	1990–91
2.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष)	1993–94
3.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष)	1995–96
4.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष)	2001–02
5.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय योगासन (पुरुष/महिला)	2005–06
6.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष)	2007–08
7.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष/महिला)	2009–10
8.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष)	2010–11
9.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (महिला)	2010–11
10.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बेडमिन्टन (पुरुष/महिला)	2011–12
11.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय बेडमिन्टन (पुरुष/महिला)	2011–12
12.	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय वेट एवं पावर लिफ्टिंग एवं बेस्ट फिजिक (पुरुष)	2012–13
13.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय फुटबॉल (पुरुष)	2013–14
14.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (पुरुष)	2014–15
15.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरुष)	2015–16
16.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (महिला)	2016–17
17.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (पुरुष)	2017–18
18.	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय लॉन टेनिस (पुरुष)	2018–19
19.	अ.भा. अन्तर विश्वविद्यालयी केनोइंग, कयाकिंग एण्ड टी.बी.आर. (पुरुष)	2019–20

गणमान्य अतिथि

क्र.सं.	महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम	तिथि	प्रयोजन
1	महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़, पूर्व महाराणा	1995–96	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष)
2	माननीय श्री अंशुमान सिंह, महामहिम राज्यपाल, राजस्थान	2001–02	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष)
3	श्रीमती किरण माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्षा, उदयपुर नगर परिषद् एवं विधायक	2005–06	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय योगासन (पुरुष/महिला)
4	ग्रुप कैप्टन गजेन्द्र सिंह बांसी, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्, राजस्थान	2007–08	पश्चिमी क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष)
5	श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, सम्भागीय आयुक्त, उदयपुर	2009–10	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष/महिला)
6	श्री रघुवीर मीणा, सांसद, उदयपुर लोकसभा	2010–11	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय मुक्केबाजी (पुरुष व महिला)
7	डॉ. गिरिजा व्यास, पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली	2011–12	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय बेडमिन्टन (पुरुष/महिला)
8	श्री गजेन्द्र सिंह शक्तावत, संसदीय सचिव, राजस्थान सरकार	2012–13	विश्वविद्यालय द्वारा एंडवेचर्स स्पोर्ट्स आयोजन के अवसर पर।
9	श्री पाल सिंह संधू, द्रोणाचार्य अवार्डी, वेट लिफ्टिंग	2012–13	अ. भा. अन्तर विश्वविद्यालय वेट एवं पावर लिफ्टिंग एवं बेस्ट फिजिक (पुरुष)
10	श्री प्रहलाद सिंह पंवार, अन्तरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी	2013–14	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय फुटबाल (पुरुष) प्रतियोगिता

क्र.सं.	महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम	तिथि	प्रयोजन
11	श्री रामचन्द्र सिंह झाला, जिला न्यायाधीश, उदयपुर	20013–14	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
12	श्री अरुण सारस्वत, अध्यक्ष हॉकी राजस्थान	2013–14	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
13	मो. फुरकान कमर, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ	2014–15	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबाल (पुरूष) प्रतियोगिता
14	प्रो. कैलाश सोडाणी, कुलपति, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर	2014–15	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबाल (पुरूष) प्रतियोगिता
15	श्री सुरेश कुमार मिश्रा, "अर्जुन अवार्डी"	2014–15	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबाल (पुरूष) प्रतियोगिता
16	श्री गुलाब चंद कटारिया, गृह मंत्री, राजस्थान सरकार	08.12.2014	अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इन्डोर हॉल के शिलान्यास
		29.08.2014	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
17	श्री अशोक ध्यानचंद सिंह, "अर्जुन अवार्डी" हॉकी	2015–16	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरूष) प्रतियोगिता समापन समारोह
18	श्री अर्जुन मीणा, संसद सदस्य	2016–17	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबाल (महिला) प्रतियोगिता
19	डॉ. दलेल सिंह चौहान, "अर्जुन अवार्डी" वॉलीबॉल	2016–17	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वॉलीबाल (महिला) प्रतियोगिता
20	श्री अनुप दवे, अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी,U-19	29.08.2016	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
21	श्री हनुवंत सिंह जी, "अर्जुन अवार्डी"	2017–18	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बॉस्केटबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता
22	श्री रविन्द्र श्रीमाली, यू.आई.टी. चेयरमेन, उदयपुर	2017–18	पश्चिम क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय बॉस्केटबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता
23	श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, खेल मंत्री, भारत सरकार	29.08.2017	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
24	श्रीमती वसुन्धरा राजे, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार	03.12.2017	अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीपरपज इन्डोर हॉल के उद्घाटन
25	श्री सागरमल धायल, द्रोणाचार्य अवार्डी, मुक्केबाजी	29.08.2018	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
26	पद्मश्री श्री रामसिंह जी शेखावत, अर्जुन अवार्डी (एथेलेटिक्स)	29.08.2019	राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव
27	प्रो. दिलीप कुमार दुरेहा, कुलपति, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एज्यूकेशन ग्वालियर	08.04.2019	पी.एच.डी. मौखिक परीक्षा
28	डॉ. सी. पी. सिंह भाटी, स्पोर्ट्स डायरेक्टर, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एज्यूकेशन, ग्वालियर	11.11.2020	"न्यू एज्यूकेशन पॉलिसी 2020 एवं स्पोर्ट्स" विषयक वेबीनार

अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान, प्रबंधक, भारतीय ड्रेगन बोर्ड टीम, 5वीं एशियन ड्रेगन बोर्ड प्रतियोगिता, डाली, चीन में भाग ले चुके हैं।

विश्वविद्यालय योग केंद्र

प्रो. पी. एम. यादव
निदेशक

डॉ. डी. एस. चौहान
समन्वयक

स्थापना एवं क्रमिक विकास – केंद्र की स्थापना 01 जनवरी, 2004 को हुई।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

PG Diploma in Yoga Education (1 Yr) from 2004-05, M.A. in Yoga (2 Yrs.) from 2017-18, Six Week Certificate Course in Yoga Education (6 Weeks) from 2019 and Ph.D. in Yoga (Through Entrance Test - RET) from 2019

संकाय सदस्य

- प्रो. पूरण मल यादव, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल
- डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान समन्वयक, विश्वविद्यालय योग केन्द्र

अध्यक्ष–सूची

S.No.	Name	Designation	From	To
1	Prof. P. S. Ranawat	Prof. & DSW	01.01.2004	31.07.2007
2	Prof. S. R. Vyas	Prof. & DSW	22.08.2007	31.08.2010
3	Prof. Maheep Bhatnagar	Professor	15.09.2010	22.03.2011
4	Prof. Madhu Sudan Sharma	Professor	23.03.2011	31.08.2011
5	Prof. D. S. Chundawat	Prof. & DSW	10.09.2011	31.07.2015
6	Prof. Vinod Agarwal	Professor	01.09.2015	21.12.2016
7	Prof. C. R. Suthar	Professor	21.12.2015	20.12.2017
8	Prof. Vijay Shrimali	Professor	28.12.2017	18.04.2018
9	Prof. Anand Paliwal	Professor	19.04.2018	22.09.2020
10	Prof. Pooran Mal Yadav	Prof. & DSW	23.09.2020	Continue

S. No.	Name	Designation	From	To
1.	Dr. Deependra Chauhan	Coach	01.01.2004	Continue

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के द्वारा स्थापित राज्य का पहला योग केन्द्र है।
2. कोविड–19 में 15 दिवसीय योग शिविर का आयोजन फेसबुक लाइव के माध्यम से किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के साथ शहर के लोगों ने लाभ लिया।
3. डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान, प्रबंधक, भारतीय ड्रेगन बोर्ड टीम, 5वीं एशियन ड्रेगन बोर्ड प्रतियोगिता, डाली, चीन में भाग लिया।
4. आयोजन सचिव / पर्यवेक्षक, अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया।

5. योग विद्यार्थियों द्वारा सत्र 2005–06 में अखिल भारतीय अन्तर–विश्वविद्यालय योगासन (पुरुष / महिला) प्रतियोगता में 1 रजत पदक तथा 6 कांस्य पदक जीत कर योगासन (पुरुष) प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

6. केंद्र के कई विद्यार्थी विभिन्न पदों पर अपनी निष्ठापूर्वक सेवाएँ दे रहे हैं जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं–

- श्री देवेन्द्र अग्रवाल, योग प्रशिक्षक एवं संस्थापक माँ भगवती विकास संस्थान
- डॉ. धीरेन्द्र प्रकाश जोशी, भारतीय सांस्कृतिक राजदूत, इंग्लैंड।
- डॉ. गुनीत मोंगा, निदेशक योग विभाग, पेसेफिक विश्वविद्यालय, उदयपुर।
- डॉ. हनुवंत सिंह राजपुरोहित, वृत्त निरीक्षक, राजस्थान पुलिस
- डॉ. श्रीराम शर्मा, एसोशियेट प्रोफेसर, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर

अन्य उपलब्धियाँ

प्रतिवर्ष अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल के अनुसार योग शिविर आयोजित करता है। 'नई शिक्षा नीति और समग्र शिक्षा' विषयक वेबीनार का 11 नवम्बर, 2020 को आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. विक्रम सिंह, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे और स्वामी बाबा रामदेव जी, तेरापंथ आचार्य कुमार श्रमण जी, श्री भारत भूषण जी कार्यक्रम से जुड़े थे।

विश्वविद्यालय योग केन्द्र में उपलब्ध संसाधन

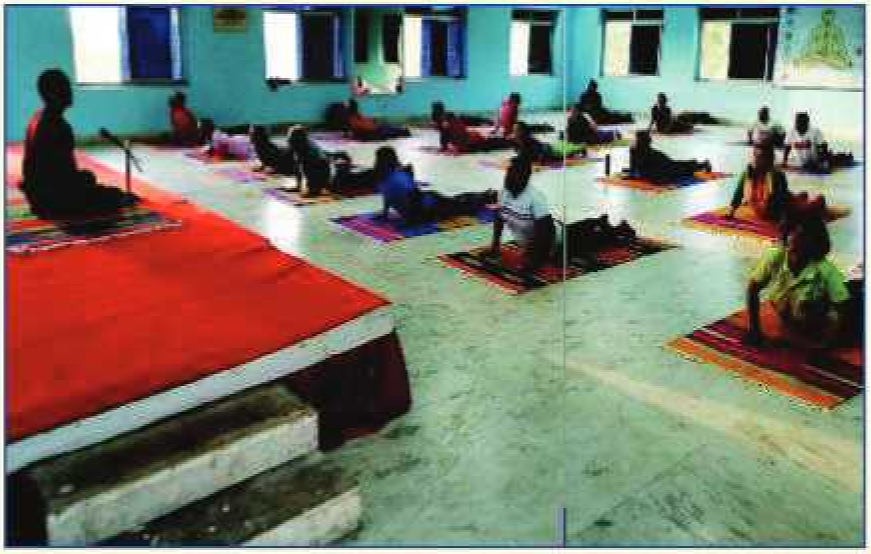

YOG PRACTICING IN YOGA HALL

Library

9 विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय
(University College of Commerce & Management Studies)

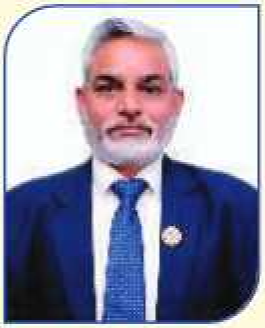

Prof. P. K. Singh
Dean & Faculty Chairman

Prof. Manju Baghmar
Associate Dean

Dr. Shilpa Vardia
ADSW

Dr. Devendra Shrimali
Proctor

विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय
(University College of Commerce & Management Studies)

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur was initially established as 'Rajasthan Agriculture University, Udaipur on 12th July,1962 on the 'American Land Grant Model'. It was converted to a multi-faculty university in 1964 and re-named as 'Udaipur University'. In the same year, on 1st of July, the then Government M.B. College was merged in the university and renamed as 'School of Basic Sciences and Humanities (SBSH)' and Mr. Bheemsen was its first Director. Thereafter, two wings were created in the university namely Agriculture Wing, which included Agriculture and Animal Husbandry, and Education Wing which included Sciences, Social Sciences, Humanities, Commerce and Law faculties.

With passage of time, various internal bifurcations came about in SBSH (erstwhile M.B. College), dividing it into many faculties and colleges. The oldest and main building of MB College was in present Commerce College. In 1950 the Science block was built and after few years the humanities and commerce block were added in original building of MB College.

The Social Sciences and Humanities faculties of SBSH were moved to the new campus (present campus of the UCSSH) in 1975. In 1979 a unit of correspondence study was opened in the university with the operational help of Faculties of Social Sciences and Humanities.

As per notification of the Government of Rajasthan, dated 11th June, 1984, the SBSH was divided in to four following separate colleges-

1. College of Science
2. College of Commerce and Management Studies
3. College of Social Studies and Humanities
4. College of Correspondence Studies

DEAN

S.No.	NAME	PERIOD	
		FROM	To
1.	PROF. B.P. SINGH	15-05-1983	06-07-1984
2.	PROF.R.B.L. AGARAWAL	07-07-1984	05-03-1987
3.	PROF.A.K. SINGH	06-03-1987	07-03-1990
4.	PROF.K.R. SHARMA	08-03-1990	08-03-1993
5.	PROF.R.C. SANADHYA	09-03-1993	25-03-1994
6.	PROF.K.R. SHARMA	26-03-1994	23-03-1998
7.	PROF.N.S. RAO	24-03-1998	11-07-2000
8.	PROF.I.V. TRIVEDI	12-07-2000	24-09-2004
9.	PROF.N.S. RAO	25-09-2004	24-09-2006
10.	PROF.KAILASH SODANI	25-09-2006	24-09-2009
11.	PROF.D.S. CHUNDAWAT	25-09-2009	24-09-2012
12	PROF. VIJAY SHRIMALI	24-09-2012	26-09-2015
13.	PROF. G. SORAL	26-09-2015	25-09-2018
14.	PROF. RENU JATANA	25-09-2018	30-09-2020
15.	PROF. P. K. SINGH	01-10-2020	

STUDENT UNION PRESIDENT

S.NO.	NAME	PERIOD	
		FROM	TO
1.	GAJENDRA SAMAR	1990	1992
2.	GAUTAM SINGH SHEKHAWAT	1993	1994
3.	ANAND PATWA	1994	1995
4.	RAJENDRA SINGH SHAKTAWAT	1995	1996
5.	KULDEEP JOSHI	1996	1997
6.	RUPESH MEHTA	1997	1998
7.	DEEPAK SHARMA	1998	1999
8.	HARISINGH RAO	1999	2000
9.	ASHISH MEHTA	2000	2001
10.	YATINDRA KUMAWAT	2001	2002
11.	MANISH AJMERA	2002	2003
12.	RAMESH VAISHNAV	2004	2005
13.	RAVI SUKHWAL	2010	2011
14.	PANKAJ BORANA	2011	2012
15.	JITENDRA SINGH SHAKTAWAT	2012	2013
16.	MAYURDHWAJ SINGH CHOUHAN	2013	2014
17.	RAUNAK GARG	2014	2015
18.	AMAN ASNANI	2015	2016
19.	BHAWANI SHANKAR BORIWAL	2016	2017
20.	HIMANSHU PAWAR	2017	2018
21.	ARPIT KOTHARI	2018	2019
22.	SHAILESH KATARIA	2019	2020

Department of Accountancy and Business Statistics

Prof. Shurveer Singh Bhanawat
Head

Dr. Shilpa Vardia
Assistant Professor

Dr. Shilpa Lodha
Assistant Professor

Dr. Asha Sharma
Assistant Professor

Dr. Parul Dashora
Assistant Professor

Mr. Pushpraj Meena
Assistant Professor

Establishment & Evolution

The Department of Accountancy and Business Statistics was established in 1985 after trifurcation of the erstwhile Department of Commerce. The Department has a glorifying history of over six decades. Before 1960, the erstwhile Department of Commerce used to run M. Com. (Advanced Accounting) which was renamed in 1969 as M. Com. (Accountancy and Statistics) and then in 1985 Department of Accountancy and Statistics was established separately. Prof. K. R. Sharma was the founder Head of the Department. Initially, the Department ran only M. Com. Annual Scheme Programme. In 1985-86, M.Phil. Course was started. In 1987-88, Post Graduate Diploma in Cost and Management Accounting (PGDCMA) was started. In the year 2007-08 Master of Finance and Control (MFC) was started and in the year 2009, Post Graduate Diploma in Taxation was also started. In the year 2010-11, the Department started M. Com. Semester Scheme and left the M. Com. Annual Scheme Programme for non-collegiate students. In the Year 2017-18 M.Com. CBCS Semester Programme was started, which replaced the earlier M. Com. Semester Programme.

The Department has also taken an initiative to start a Bachelor of Vocation (Accounting, Taxation and Auditing) Programme in 2016, at undergraduate level. It is a skill based vocational course, 60% of which is pure computer software based practical activity for which no text book is suggested & real life problems are discussed. Ph.D. Programme is being run from the beginning and the Department gets a good number of Junior Research Fellows each year. The alumni of the Department have been quite successful in being selected as Lecturers, through the RPSC Examination.

It is worth noting that the national headquarters of Indian Accounting Association is with the Department since 1995. The Department has organized the All India Accounting Conference and International Seminar twice i.e. in 1991-92 and in 2017-18. These conferences were organised under the umbrella of Indian Accounting Association. Members of the Department also initiated the National Accounting Talent Search Examination organised at All India level by Indian Accounting Association. Prof. G. Soral of the Department (then HOD) initiated this examination in 2008 and remained its National Coordinator till 2018. Present National Coordinator Prof. Shurveer Singh Bhanawat is also from the Department and he is the head of the department.

The Department also has an Accountancy Alumni Association, established in 2019-20 which has 173 members at present. Two Alumni meets have been organized so far. Recently, Master of Vocation (Accounting, Taxation and Auditing) has been approved by UGC(letter no. F.No.4-1/2020 NSQF) September 2020.

Courses & Resources

Courses being run at present

A. Under-Graduate

1. B. Voc. (Accounting, Taxation and Auditing)

B. Post-Graduate

1. M. Com. (CBCS - Semester Scheme)
2. M. Com. (CBCS - Non-Collegiate)
3. Master of Finance and Control
4. Post Graduate Diploma in Taxation

C. Certification Programmes

1. Certification Programme in International Financial Reporting Standards (IFRS)
2. Certification Programme in Goods and Services Tax (GST)
3. Certification Programme in Carbon Taxation
4. Certification Programme in Income Taxation

Courses Previously Run

1. M. Phil.
2. Post Graduate Diploma in Cost and Management Accounting (PGDCMA)
3. Post Graduate Diploma in Financial Accounting

Incoming Course (Approved by UGC in September 2020)

1. Master of Vocation (Accounting, Taxation and Auditing)

Available Resources

The Department is well equipped with modern ICT tools and resources including computer, projector, wifi, LAN etc. ICT enabled classrooms and smart classrooms are also present. The e-resources and techniques include SUNET, Urkund, Ace-equity and Stats craft.

Faculty

Former Faculty

- Dr. K. R. Sharma
- Dr. N. S. Rao
- Sh. L. K. Soni
- Dr. R. L. Tamboli
- Dr. B. L. Heda
- Dr. O. P. Jain
- Prof. C. M. Jain

Achievements of Faculty

- Prof. N. L. Hingorani has been Nominated Director of more than 18 companies. He has also held the positions of Deputy Director in ICAI, Chairman of Investment Committee of Reserve Bank of India, Founder Director of National Institute of Bank Management.
- Dr. M. L. Nahar is the Chief Financial Officer in a Textile Company in Bhilwara.
- Dr. O. P. Chawla is the Director - National Institute of Bank Management.
- Dr. S. M. Jain is a Professor in Tanzania University.
- Dr. N. L. Gayari is a Company Secretary.
- Prof. K. R. Sharma has twice been the Head of the Department and Dean (two terms). He has also been the Dean PG (one term), Officiating VC (Several Times), Member of Board of Management, and Member of Finance Committee and President - Indian Accounting Association. He has accomplished two Research Projects.
- Prof. N. S. Rao has held the post of Head (two terms) and Dean (one term).
- Dr. L. K. Soni has been the Head of the Department (one term).
- Prof. B. L. Heda Head (two terms) as well as Associate Dean.
- Prof. R. L. Tamboli has been the Head of the Department (two terms) and the ADSW. He is an Alumnus of IIM (through FDP).
- Prof. C. M. Jain has been the Head of the Department and ADSW. He is currently a practicing Chartered Accountant.

Academic Achievements of Faculty

Books Published

- Prof. D.S. Chundawat has 2 edited books to his credit. He has also authored 2 books.
- Dr. Shurveer Singh Bhanawat has edited-3 books, co-authored 2 books and authored2 books.He also has to his credit development of a sizeable amount of e-content on internet platforms.
- Dr. O. P. Jain has edited 01 book, co-authored 06 books and authored 01 book.
- Prof. Vijay Shrimali has edited 01 book.
- Prof. D.S. Chundawat has edited 01 book.
- Prof. P.K. Singh has edited 01 book.
- Prof. G. Soral has authored 01 book.
- Prof. C.M. Jain has co-authored 5 books.
- Dr. Dilip Pipada has co-authored 1 book.

- Dr. Shilpa Vardia has co-authored 1 book.
- Dr. (CA) Abhay Jaroli has co-authored 01 book
- Dr. Shilpa Lodha has co-authored 2 books.
- Dr. B. L. Heda has co-authored 01 book.

Awards Received by Faculty

Prof. G Soral

- Distinguished Teaching Award, given by Rotary Club Udaipur

Dr. Shilpa Vardia

- Vishist Shikshak Samman, at the Vishist Shikshak Samman Samaroh, 2019 by Jain Social Group Lotus, Udaipur
- Shiksha Gourav Alankaran, Teachers Day 2019, Lions Club Udaipur
- Mewar Gourav

Dr. Asha Sharma

- Special Certificate for Outstanding Contribution to Institution Building, Maharaja Gaj Singhji, Maharaja Jodhpur

Other Achievements

Completed Research Projects

- **Determination of Shareholders' wealth:** A quantitative Analysis: Ref. F.No.:MH20/303001/07-08/CRO dated March28, 2008, UGC, GoI (Principal Investigator- Prof. Shurveer S. Bhanawat)
- **Socio-Economic Implication of Carbon Taxation:** An Exploratory Study; 2016-17, ICSSR, GoI (Principal Investigator- Prof. Shurveer S. Bhanawat)

Ongoing Research Projects

- **Activity Based Costing in Service Industry:** An Empirical Study with Special Reference to Banking Services in India, UGC, GoI. (Principal Investigator- Prof. G. Soral)
- **Blockchain Accounting:** An Exploratory Research; RUSA- 2.0 MHRD, GoI, 2020, (Principal Investigator Prof. Shurveer S. Bhanawat, Co-Investigators Dr. Avinash Panwar, Dr. Shilpa Vardia, Dr. Shilpa Lodha, Dr. Asha Sharma, Dr. Parul Dashora and Sh. Pushpraj Meena)

Events Organized by the Department

S. No.	Name of Event	Date	No. of Participants
1	Online Workshop on Working of Stock Market	August 13,2020	513
2	Utthan One week Online Lecture Series on Contemporary Issues in Accounting and Finance	July 20-27, 2020	425
3	Online Faculty Development Programme on Contemporary Issues in Accounting and Finance	26-30, May 2020	65
4	National Seminar on Contemporary Issues in Accounting	August 3-4, 2019	94
5	Workshop on Referencing in Research	September, 2019	26
6	40th All India Accounting Conference & International Seminar on Accounting Education & Research	November 18-19, 2017	496
7	Three Days' Workshop on Research Data Analysis using Ms – Excel	September 28-30, 2016	32

S. No.	Name of Event	Date	No. of Participants
8	Two days' workshop for PG students on E-filing and Extension lecturer on contemporary Issues	February 27-28,2015	125
9	National Seminar on Contemporary Issues in Accounting	September 6-7, 2014	101
10	Workshop on SPPS for Business Data Analysis	June 24-25, 2014	45
11	National seminar on Contemporary Issues in Accounting	October 18-19, 2013	125
12	Emerging Issues in Accounting and Finance	October 4, 2009	86
13	Seminar on Contemporary Issues in Accounting and Finance	October 12,2008	90

Alumni Achievements

S. N.	Name of Alumni	Achievements
1	Dr.B.L.Heda	Gold Medalist (M .Com.)
2	Dr. Shurveer S. Bhanawat	Gold Medalist (M .Com.), President Scout, NET cum JRF, SLET, M.Phil . Ph.D., C.S.(inter) Head of ABST 2014-2017, since 1/08/2020, Professor (2014), National Coordinator NATS since 2019
3	Kaneez Fatima Sadriwala	2 times Best Research Project award from TRC, Government of Oman, 2015, 2018
4	Dr. Nand Kishore Parewa	Ph.D through Teacher Research Fellowship
5	Dr. Anjum Mehtab Kathawala	1. University Gold Medalist (year 1999) 2. Two years international teaching experience of Skyline College, Sharjah University, United Arab Emirates.
6	Harish Nyati	NET and SET qualified
7	Dr. Shilpa Vardia	District Topper in 12th (1995) SET Qualified Also selected in RPSC College Lecturer - 2014
8	Dr. Nuzhat Sadriwala	Lecturer, RMV Girls College, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (2016-2020)
9	Hemendra Kumar Trivedi	Brilliant performance award (senior level) awarded in NATS organised by IAA in 2014
10	Dr. Shilpa Lodha	Gold Medal in M. Com. (2002) NET and NET –JRF, PDF Also selected in RPSC College Lecturer - 2014
11	Ekta Kumawat	UGC – NET Cleared Five Times
12	Dr. Parul Dashora	Also selected in RPSC College Lecturer - 2014
13	Vinee Kothari	Cleared NTA UGC NET in Commerce

Placement Information of the Alumni

S. N.	Name of the Alumni	Year of Passing Out	Name of the last Degree/ Course	Designation	Year of Placement	Name of the Institute/ Organisation/ Company/ University/ Others
1	Dr.B.L.Heda	1976	Ph.D	Associate Professor (R)	1976	UCCMS
2	Shurveer S. Bhanawat	1996	Ph.D	Professor and Head	1996	B.N. College; Mohanlal Sukhadia University, Udaipur
3	Kaneez Fatima Sadriwala	1991	M Com	Associate Professor	2010	University of Nizwa, Oman
4	Dr. NandKishore Parewa	2001	Ph.D	Associate Professor (Retired)	1986	Retired from Government service
5	Dr. Anjum Mehtab Kathawala	2003	Ph.D	Assistant Professor	2010	Bhupal Nobles' University
6	Harish Nyati	2004	M. Com	Lecturer in Commerce GSSS SCHOOL,GHOSUNDA	2012	Government Senior Secondary School, Ghosunda
7	Dr. Shilpa Vardia	2008	Ph.D	Assistant Professor	2012	Department of Accountancy and Business Statistics, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur
8	Dr. Nuzhat Sadriwala	2009	Ph.D	Assistant Professor	2020	Manikyalal Verma Shramjeevi PG College, Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth University
9	Dr. Nidhi Bhanawat	2012	Ph.D	Guest Faculty, UCCMS	2007 to 2020	UCCMS
10	Dr. Archana Singh	2012	Ph.D	Assistant Professor	2013	Currently working with Geetanjali Institute of Technical Studies, Udaipur
11	Khyati Bandi	2014	MFC	Deputy Manager	2015	HDFC Bank Ltd.
12	Hemendra Kumar Trivedi	2014	M. Com	Assistant Professor	2018	Suyash College Rashmi
13	Dr. Shilpa Lodha	2014	Ph.D	Assistant Professor	2018	Department of Accountancy and Business Statistics, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur
14	Dr. ParulDashora	2018	Ph.D	Assistant Professor	2018	Department of Accountancy and Business Statistics, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur
15	Dr Asha Sharma	2019	PDF	Assistant Professor	2018	UCCMS, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Department of Banking and Business Economics

Prof. Mukesh Mathur
Head

Prof. P.K. Singh
Professor

Dr. Shailendra Singh Rao
Assistant Professor

Establishment and Evolution

- M.Com 1985, Year of revision 2017-18 or 2018-19
- CBCS in M.com 2017-18
- MIB -1996-97
- MBI- 2009-10

Courses and Resources

Courses Offered

- M.Com
- MIB
- DIB
- MBI

Available Resources

The Department has 5 Computers, 10 Rooms and1 HOD Room.

Faculty

Former and Present Faculty Members

- Prof. R.D. Saxena
- Prof. R.B.L. Agrawal
- Prof. B.P. Bhatnagar
- Prof. I.V. Trivedi

- Prof.Renu Jatana
- Prof. P. K. Singh
- Prof. Mukesh Mathur
- Prof. Ashok Nagar

Director/Dean/HoD/In Charge

- Dr. R.D. Saksena Upto 11/01/1985
- Prof. R.B.L. Agrawal 11/01/1985 to 10/07/1990
- Dr. B.P. Bhatanagar 11/07/1990 to 10/07/1993
- Dr. I.V. Trivedi 11/07/1993 to 10/07/1996
- Dr. B.P. Bhatanagar 11/07/1996 to 28/02/1997
- Dr. I.V. Trivedi 01/03/1997 to 28/02/2003
- Dr. Renu Jatana 01/03/2003 to 28/02/2006
- Dr. P.K. Singh 01/03/2006 to 01/03/2009
- Dr. Mukesh Mathur 02/03/2009 to 01/03/2012
- Dr. Ashok Nagar 02/03/2012 to 01/03/2015
- Dr. Renu Jatana 02/03/2015 to 03/03/2018
- Dr. P.K. Singh (Prof)03/03/2018...

Achievements

Posts held by Former and Present Faculty

Prof. R.D. Saxena

Head, Department of Banking and Business Economics.

Prof. R.V.L. Agrawal

Head, Department of Banking and Business Economics; Dean, University College of Commerce & Management Studies.

Prof. B.P. Bhatnagar

Head, Department of Banking and Business Economics; Associate Dean, College of Commerce & Management Studies; Vice-Chancellor, Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth University.

Prof. I.V. Trivedi

Head, Department of Banking and Business Economics; Dean, University College of Commerce & Management Studies National Service Scheme; Assistant Dean Student Welfare; Dean, Post Graduate Studies; Vice Chancellor, Mohanlal Sukhadia University Udaipur;

Prof. Renu Jatana

Fellow of Indian Commerce Association ; Dean, University College of Commerce and Management Studies, 2011 ; Faculty Chairman ; Associate Dean ; ADSW ; HOD ; Course Director MIB.

Prof. P.K.Singh

Dean ; Faculty Chairman ; Associate Dean ; ADSW ; HOD ; Course Director ; MBI Staff Club Secretary ; Proctor

Prof. Mukesh Mathur

HOD ; Proctor ; Convener ; BBM

Prof. Ashok Nagar

HOD ; Proctor ; Morning shift Convener; NSS

Dr. Shalender Singh Rao

Proctor ; Day Shift Incharge; NSS; Hostel Warden.

Academic Achievements of Faculty

- **Prof. Renu Jatana** - 3 Books titled Economic Environment in India, Indian Banking System and Monetary Economics.
- **Prof. P.K. Singh** - 2 Books titled Business Environment.
- **Prof. Mukesh Mathur** - 5 Books titled Money and Financial system, Banking Law and Practice, Antarrashtriya Vyapara evam Vitt, Vyavsayik Arthshastra and Bhartiya Vittiya Vyavastha.
- **Prof. Ashok Nagar** - 3 Books published both in english and hindi titled International Trade and Finance, Money and Financial System and Banking law and Practice in India.

Awards

Prof. I.V. Trivedi- प्रतिभा पाटील राष्ट्रपति अवार्ड, बनारस विद्वत परिषद एवं राजस्थान ग्रंथ अकादमी (International Trade) से सम्मानित, All India Commerce Association (2002) उच्चत्तर समिति, नार्वे–2013 भारत सरकार

Research Project

Prof. Renu Jatana, Government RUSA Project (35,43,000/year)

Achievements of Students

Post-Doctoral Fellow

- Dr. Poonam Talreja Nasa
- Dr. Mohsina Khan
- Dr. Mohit Wadhwani
- Dr. Garima Kaneria
- Dr. Mehzabeen Barodwala
- Dr. Priya Soni
- Dr. Haridya Raj Bharti

Posts Held by Students

- Richa Sharma - RPSC lecturer
- Neelam Sethi - RPSC lecturer
- Suresh Nagda - Computer Analyst

Department of Business Administration

Prof. Rajeshwari Narendran
Head

Prof. B.L. Verma
Professor

Prof. Manju Baghmar
Professor

Dr. Sachin Gupta
Assistant Professor

Dr. Devendra Shrimali
Assistant Professor

Dr. Renu Sharma
Assistant Professor

Dr. Vinod Kumar Meena
Assistant Professor

Establishment and Evolution

The Department of Business Administration was established in 1987.

Courses and Resources

The Department offers various Courses including, M.Com, M.Phil, MHRM, PGDED, PGDRM. Apart from these there are Certificate Courses in-

- ❖ Soft skills
- ❖ Train the Trainers
- ❖ Wellness and Work life balance
- ❖ Digital Marketing

- ❖ Corporate Social Responsibility
- ❖ Foreign Language
- ❖ Industrial relations and Labor Law
- ❖ Office Management

Available Resources

Building, Classrooms with facilities, Lab, The Department also has 3 Computers.

Faculty

Former and Present Faculty of the Department

1) Prof. P.C. Tripathi
2) Prof. P.K. Shrivastava
3) Prof. R.C. Sanadhya
4) Prof. K.C. Sodani
5) Prof. U.B. Singh
6) Prof. D.S. Chundawat
7) Prof. Vijay Shrimali
8) Prof. Rajeshwari Narendran

Director/Dean/HOD/Incharge

1) Prof. P.C. Tripathi 11 Jan, 1985 to 10 Jan, 1988
2) Prof. P.K. Shrivastava 11 Jan, 1988 to 10 Jan, 1991
3) Prof. R.C Sanadhya 11 Jan, 1991 to 27 Sept, 1993
4) Prof. K.C Sodani 28 Sept, 1993 to 27 Sept,1996
5) Prof. U.B Singh 28 Sept, 1996 to 27 Sept, 1999
6) Prof. D.S Chundawat 28 Sept, 1999 to 27 Sept, 2002
7) Prof. Vijay Shrimali 28 Sept, 2002 to 27 Sept, 2005
8) Prof. D.S Chundawat 28 Sept, 2005 to 27 Sept, 2008
9) Prof. U.B Singh 28 Sept, 2008 to 14 Sept, 2009
10) Prof. Rajeshwari Narendran 15 Dec, 2009 to 14 Dec, 2012
11) Prof. K.C. Sodani 17 Dec, 2012 to 17 July, 2014
12) Prof. D.S. Chundawat 18 July, 2014 to 31 July, 2015
13) Prof. Vijay Shrimali 1 Aug, 2015 to 20 April, 2018
14) Prof. Rajeshwari Narendran 21 April, 2018 ...

Achievements

Achievements of Former and Present Faculty Members

1) **Prof. Rajeshwari Narendran-** Ph.D. in Management & MBA, Andrew Towl Scholar- Harvard Business School (GloColland CWW), Boston, USA & FDPIIM-A 2009. She has the distinction of being the first ever woman and the youngest National President of Indian Society for Training & Development, New Delhi, India (2013-14). She is Head & Professor HR/OB, and Director MHRM, M L Sukhadia University, Udaipur, and Visiting Professor to IIM Udaipur, IIM Ahmedabad (FDP) and many Universities across the globe. She has also delivered invited Lectures at Harvard Business School. She has the rare attribute of being a Psycho Dynamic Analyst helping

Indian Public sector corporate giants like BOB, NTPC, DGH, Ministry of Petroleum, Accenture, Reserve Bank of India, NCFE, etc to hire and promote leadership pipeline. She is a popular Trainer/ HRD Consultant and so far has trained 58500 plus aspirants in India as well as abroad. She is working for the development of Women in Leadership and Diversity policies at Global Level.

2) **Prof. Manju Baghmar**- EX- MLA, Nagaur (2013-18), National Council Member of ISTD

3) **Prof. B.L. Verma** - National Council member of ISTD

Academic Achievements of Former and Present Faculty Members

Books-

- **Prof. Rajeshwari Narendran** has 3 published Books to her credit. She has written on themes such as HRD, Women Leaders (Asian Women) and Entrepreneurs. Her article on Training and Learning has also been published in a reputed national journal on training and development.
- **Dr. Devendra Shrimali** - has written a book on Efficacy of Marketing Mix in Export of Textiles to Euro-American Markets.
- **Dr. Sachin Gupta** - has authored 2 books based on Payments Bank (Cashless India), and MSME's. He has also edited 2 books on Artificial Intelligence and CORONA.

Research-

- **Prof. Rajeshwari Narendran**

  RUSA Project Title: Measuring the Impact of Workplace Happiness upon Individual &Organizational Performance: An Interdisciplinary Intervention with Yoga and Meditation (Approved in July, 2020).
- **Dr. Devendra Shrimali**

- Consumer Adoption & Satisfaction towards ATM service: A comparative study of Udaipur city.
- A Comparative Study of Customer Behavior between Public and Private Banks of Udaipur city.
- Consumer Behavior in Electronic Banking: An Empirical Study.
- Customers' Perception towards Social Media Marketing: An Empirical Study of Udaipur city.
- Customers' Attitude towards Social Media Marketing, Impact of Fear Appeal in Advertisement on Consumer Buying Behavior.
- Ethical Behavior of Adolescents: An Educational Conundrum.
- Factors affecting Patients' Decision in Selection of Hospital.
- Competitiveness of Indian Textile Industry in Euro-American Market.

- **Dr. Sachin Gupta**

- Changes in Share Prices of Telecommunication Services Sector During Lockdown Period: An Analytical Study.
- Artificial Intelligence: A Digital Transformation Tool in Entertainment and Media Industry Physical Environmental Management Accounting Disclosures With Special Reference to Energy, Water, Waste and Carbon Footprint: A Case Study of top 30 Fortune 500 Companies.
- Social Entrepreneurship: A Growing Trend in Indian Railways.
- Role of Banking and Non Banking Financial Institutions With Special Reference To The Contribution In Economic Augmentation of India.
- Payment Applications: An Analytical Study of User Experience Towards The Revolutionary Digital Payment Mechanism.
- Role of Marketing Strategies of Handloom Industry in The Growth of MSMEs- With Special Reference To Rajasthan State.

Awards

- **Prof. Rajeshwari Narendran** - ISTD National Fellow, Vivekananda National Award for Excellence in HRD & Training 2009, International Case Research Fellowship 2011 from SGBED, (USA), Maharana Raj Singh Award and Ambassador of Goodwill, GSE, California, NEBAA (USA), International Best Paper Award on HRD practices,Samarpan Award -excellence in empowering women. She was awarded the Super Achiever Award for Women in HRD Research and Development for 25 years of her contribution, at the World HRD Congress. She received the "Global Award for Women making the world a better place to live" in Thailand in June2018. She was awarded by the Women Economic Forum Global as EXCEPTION ALLEADER OF EXCELLENCE at IIMK, 2019
- **Dr. Devendra Shrimali** - Awarded by District Election Officer on 10th National Voters Day on 25th January 2020.
- **Dr. Sachin Gupta** - Deputed for attending QS India Summit (QS Bricks & QS India University Rankings), 2018 by IQAC Cell, Mohanlal Sukhadia University,2018. Awarded Certificate of Appreciation by ATAL Innovation Mission & Youth For Seva for igniting the spark of innovation among students at ATAL Thinking Lab Schools on the occasion of Dr. APJ Abdul Kalam's Birthday. Secured IIIrd Position in Book Review Contest, organized by Faculty of Management, PAHER University (Pacific Academy of Higher Education and Research University) on 8th February, 2020

Patent

- **Dr. Sachin Gupta** - Intellectual Property India, Ministry of Commerce & Industry.

Posts Held by Faculty Members

- **Prof. Rajeshwari Narendran**

1) Head, Department of Business Administration
2) Course Director, MHRM
3) Board Member National HRD Network
4) Board Member, International Federation for Training and Development Organizations(IFTDO)
5) Member, Developing Countries Concern Committee IFTDO representing in UNO
6) Visiting Faculty of IIMU, IIM-A
7) Honorary Director of Academy of HRD

- **Prof. Manju Baghmar**

1) Ex MLA Nagaur(2013-18)
2) Chief Warden
3) Ex- BOM member Ambedkar Law University, Jaipur

- **Prof. B.L. Verma**

1) Ex DSW and presently Chief Proctor
2) BOM member of MDS University, Ajmer

- **Dr. Devendra Shrimali**

1) Working as NSS Programme Officer since year 2018.
2) Dr. Shrimali has been actively involved in various boards and committees of the University.

- **Dr. Sachin Gupta**

1) Assistant Co-ordinator, Finishing School & Placement Cell Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rajasthan)
2) Assistant Co-ordinator, Entrepreneurship Development Cell, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Raj.)

❖ **Dr. Renu Sharma**

Assistant Professor- Business Administration

❖ **Dr. Vinod Kumar Meena**

Convener/ Coordinator of Certification Program on Office Management

Other Achievements

Ongoing and Completed Research Projects

RUSA Project. Title: Measuring the impact of Workplace Happiness upon Individual & Organizational Performance: An Interdisciplinary Intervention with Yoga and Meditation (Approved in July, 2020).

National Seminars/Conferences/Workshops

- Women Empowerment Week, 2019 in collaboration with 185 Universities across Globe, led by Feliciano Centre for Entrepreneurship & Innovation, Montclair University, New Jersey, U.S.A.
- HR Summit 2020 on 28 & 29 Feb, 2020
- Basics of firefighting and operation of fire extinguisher
- Environment Rally at Fatehsagar/Run for participation
- Goonj clothing collection & dissemination
- Campus Cleaning, Tree Plantation, Poster Making competition, Alumni meet

Important Dignitaries who Visited the Department

- Extension Lecture and workshop on Leadership Development by **Venkatesh Sharma**
- Lecture and workshop on Nuances in career by **Prof. Anil Mehta**
- Extension Lecture and workshop on OD Intervention by **Dr. Nidhi Vashistha**
- Extension Lecture on Career Management by **Prof. B.P. Saraswat**
- Special lecture onCareer Progression by **Dr. Kaneez Fatima**
- Special Lecture on NCL as an HR Intervention by **Dr. Amit Dashora**
- Special Lecture on Success Mantra by **Dr. Anil Mehta**
- Basics of firefighting and operation of fire extinguisher by **Dr. Pranay Jani**

Achievements of Alumni

- **Ms. Jyoti, Priyanka Kunwar Jhala, Neetu Menaria-** Womens Cricket Team, Winners of Inter Collegiate Women Cricket Tournament 2019
- **Pratiti Vyas-** Zonal winner Dainik Bhaskar Women of the Year Award, Contribution towards the amelioration of Udaipur City, Contribution to the society in the field of Sports, Rajat Jayanti Varsh 2019, Udaipur; Ratna Samman Samaroh II 2020
- **Mihir Soni-** Weight lifting
- **Komal Singh-** National Shooter

Important Posts Held by Alumni

- **Paramveer Singh Chundawat, Pankaj Borana, Mayur Dhwaj Singh Chouhan, Himanshu Bagri, Bhawani Shankar Boriwala** - Union Apex President
- **Shailesh Kataria,** - College President

University College of Commerce and Management Studies Library

Establishment and Evolution

The Library of the College of Commerce and Manangement studies was separated from the Maharana Bhupal College Library (Presently University College of Science), in June 1987. All the books of Commerce and Management were transferred to this Library. Initially, the Library hada small number of books but the number of books have increased over the years. In this Library Book Bank Facilities were also started. The Library services have been automated using Vinayak Library Software.

Available Resources

The Library building has one big hall and four rooms for users and staff. At present, It contains 29,281 books in Library and 5394 books in the Books Bank. It has 2175 Bound Volume, 645 Thesis, 5 Computers, 4 Printers and 1 Kiosk.

List of Library Staff Members

- Dr. Rekha Bairwa- Asstt. Librarian
- Dr. Anil Sharma- Reprographer
- Dr. Prakash Chandra Vijayvargiya- Jr. Tech. Asstt. (Library)
- Navneet Aartthiya- Library Asstt. Services (SFAB)
- Ramesh Chandra Menaria- Library Asstt. Services (SFAB)
- Sh. Hari Singh Deval- Class IVth

Other Information

Dr. Rekha Bairwa (09 July, 2018-20 to Nov, 2020) has been the first lady Assistant Librarian in the history of UCCMS Library. At present, she is looking after the work of the Library, University College of Commerce and Management Studies, in addition to her duty as the additional charge of University Central library.

10 विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय (University College of Law)

Dr. Rajshree Choudhary
Associate Prof. & Dean

Prof. Anand Paliwal
Faculty Chairman

Dr. Bhavik Paneri
ADSW

Dr. Pankaj S. Lal Meena
Proctor

Dr. Bheemraj Patel
Assistant Director, Physical Education

विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय
(University College of Law)

डॉ. राजश्री चौधरी
अधिष्ठाता एवं सह-आचार्य

प्रो. आनन्द पालीवाल
आचार्य

डॉ. शिल्पा सेठ
सह-आचार्य

डॉ. प्रियदर्शी नागदा
सहायक आचार्य

डॉ. भाविक पानेरी
सहायक आचार्य

श्रीमती स्नेहा सिंह
सहायक आचार्य

श्री पंकज एस. लाल मीणा
सहायक आचार्य

डॉ. कल्पेश निकावत
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

यह महाविद्यालय राजस्थान का सबसे पुराना विधि महाविद्यालय है जिसकी शुरूआत सन् 1946 से हुई। उस समय सायंकालीन कक्षाएँ एम.बी. कॉलेज में लगा करती थीं। यह आरंभ में विभाग था जिसके प्रथम विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नटराजन थे। आरंभ में राज्य लोक सेवा आयोग ने संकाय सदस्य हेतु 05 पद स्वीकृत किए जो अधिवक्ताओं के लिए थे। बाद में श्री मोहनलाल सुखाड़िया जी ने 07 स्थायी पद सृजित किए और 10 लाख रुपये महाविद्यालय भवन के लिए घोषित किए। इसे सन् 1973 में विभाग से महाविद्यालय बनाया गया उस समय प्रो. जी. सी. कासलीवाल जी इसके प्रथम अधिष्ठाता बने।

सन 1982 में डॉ. डी. डी. शर्मा (अधिष्ठाता) के कार्यकाल में यह महाविद्यालय अपने वर्तमान भवन में स्थानांतरित हुआ। उस समय कुलपति श्रीमान पी. एन. भंडारी थे। इस भवन का निर्माण विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के रूप में किया गया था परंतु इसे प्रशासनिक कार्यालय के स्थान पर विधि महाविद्यालय को हस्तांतरित कर दिया गया। प्रारंभ में इस भवन के निचले तल पर जनसंख्या अध्ययन प्रकोष्ठ केंद्र भी संचालित था एवं द्वितीय तल पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का पत्राचार विभाग भी संचालित होता था। कालांतर में अधिष्ठाता डॉ. आर. एल. भट्ट के कार्यकाल में दोनों विभाग यहाँ से हट गए तथा पूरा भवन विधि महाविद्यालय को सौंप दिया गया।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

वर्तमान में एलएल. बी, एलएल. एम, बी.ए.एलएल. बी., पी.जी.डी.एलएल, पी.जी.डी.सी.एल. पाठ्यक्रम संचालित हैं। वहीं पूर्व में बी. कॉम एलएल. बी, पी.जी.डी. क्रिमीनोलॉजी एवं पेनोलॉजी, पी.जी.डी.कम्पनी सेक्रेटरी के पाठ्यक्रम संचालित रहे हैं।

वर्तमान में महाविद्यालय के दो भवन हैं एवं एक निर्माणाधीन है। दूसरे भवन का शिलान्यास सन् 2016 में किया गया और इसका उद्घाटन माननीय न्यायाधिपति श्री गोविंद माथुर, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति हैं, के करकमलों द्वारा सन् 2017 में किया गया एवं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय न्यायाधिपति पुष्पेंद्र सिंह भाटी उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए थे।

बार कान्सिल ऑफ इण्ड़िया के निर्देशानुसार महाविद्यालय में मूट कोर्ट हाल बनाया गया है जो पूर्ण रूप से एक न्यायालय की शक्ल में है। महाविद्यालय में 400 व्यक्तियों की क्षमता का सेमिनार हॉल भी मौजूद है और ऑल इंडिया रिपोर्टर के साथ मिलकर एक ई–लाइब्रेरी का निर्माण भी महाविद्यालय में कराया गया है।

संकाय सदस्य

प्रो. जी. सी. कासलीवाल, प्रो. डी. डी. शर्मा, डॉ. सी. एम. प्रधान, प्रो. पी. भट्टाचार्य, डॉ. आर.एल. भट्ट, डॉ. आर. एल. जैन, डॉ. एस. एन. व्यास, डॉ. के. सी. मान्डोत, डॉ. ओजस्वी शर्मा, डॉ. आर.एल. जाट, डॉ. के. डी. सिंह, डॉ. रघुबीर सिंह, डॉ. कला मुणेत, डॉ. सी. जे. सैमुल्स ने संकाय सदस्यों के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। वहीं वर्तमान में प्रो. आनंद पालीवाल, डॉ. राजश्री चौधरी, डॉ. शिल्पा सेठ, डॉ. प्रियदर्शी नागदा, डॉ. भाविक पानेरी, डॉ. कल्पेश निकावत, श्रीमती स्नेहा सिंह, श्री पंकज एस.एल. मीणा संकाय सदस्यों के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

अब तक अधिष्ठाता पद पर रहे व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है–

1.	प्रो. जी. सी. कासलीवाल	22.10.1973 से 06.04.1975 तक
2.	प्रो. डी. डी. शर्मा	07.04.1975 से 03.04.1983 तक
3.	प्रो. पी. भटट्राचार्य	04.04.1983 से 31.03.1992 तक
4.	प्रो. आर.एल. भट्ट	01.04.1992 से 25.08.1995 तक
5.	डॉ. आर.एल. जैन	26.08.1995 से 31.03.1998 तक
6.	डॉ. एस.एन. व्यास	01.04.1998 से 15.07.2002 तक
7.	डॉ. आर.एल. भट्ट	16.07.2002 से 30.11.2003 तक
8.	डॉ. एस.एन. व्यास	01.12.2003 से 31.12.2003 तक
9.	प्रो. अरुण चतुर्वेदी	01.01.2004 से 03.09.2004 तक
10.	प्रो. कैलाश सोडानी	04.09.2004 से 24.09.2006 तक
11.	डॉ. विजय श्रीमाली	25.09.2006 से 21.05.2007 तक
12.	प्रो. विजय श्रीमाली	21.05.2007 से 21.05.2009 तक
13.	प्रो. शरद श्रीवास्तव	22.05.2009 से 26.05.2009 तक
14.	प्रो. फरीदा शाह	27.05.2011 से 16.03.2012 तक
15.	डॉ. आनंद पालीवाल	17.03.2012 से 30.09.2014 तक
16.	प्रो. आनंद पालीवाल	30.09.2014 से 18.01.2021 तक
17.	प्रो. सीमा मलिक	19.01.2021 से 22.02.2021 तक
18.	डॉ. राजश्री चौधरी	22.02.2021..........................

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. के. डी. सिंह जिन्होंने इस महाविद्यालय से विधि निष्णात की डिग्री ली एवं यहाँ संकाय सदस्य थे बाद में केन्द्रीय विधि सचिव के पद पर सुशोभित हुए। डॉ. रघुबीर सिंह जो यहाँ संकाय सदस्य थे और यहाँ से विधि निष्णात की डिग्री ली वे कालान्तर में कॉपीराइट बोर्ड के चैयरमैन बने, बौद्धिक सम्पदा बोर्ड के उपाध्यक्ष, विधि सचिव एवं संविधान सुधार समिति के सचिव बने।

विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. आनंद पालीवाल हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु के बोर्ड अथवा सिंडिकेट में आगंतुक और कोर्ट मैंबर के रूप में नामांकित हुए हैं। साथ ही अन्तरराष्ट्रीय विधिवेत्ता परिषद् लंदन के उपाध्यक्ष के रूप में भी मनोनीत किए गए हैं। आप विषय विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम के लिए कई बार जयपुर और इन्दौर के विश्वविद्यालयों में आमंत्रित किए गए। इस महाविद्यालय से करीब 60 विद्यार्थी राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित हुए हैं। 01 विद्यार्थी राजस्थान उच्च न्यायिक सेवा में चयनित हुआ है। करीब 07 विद्यार्थी गुजरात न्यायिक सेवा में चयनित हुए हैं। राजस्थान न्यायिक सेवा की वरीयता सूची के प्रथम, द्वितीय स्थानों पर भी महाविद्यालय के विद्यार्थियों का कब्जा रहा है। गुजरात न्यायिक सेवा की वरीयता सूची में भी महाविद्यालय की छात्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एक छात्र मध्य प्रदेश उच्च न्यायिक सेवा में भी चयनित हुआ है। महाविद्यालय के कई विद्यार्थी सहायक लोक अभियोजक एवं कनिष्ठ विधि अधिकारी के पद पर भी कार्यरत हैं। कई विद्यार्थी राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित होकर राजकीय महाविद्यालयों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

महाविद्यालय के 02 विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत 'भारत चाइना यूथ एक्सचेंज' कार्यक्रम हेतु भी चयनित हुए हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की विधि महाविद्यालय इकाई से विद्यार्थी विनीता भंडारी एवं विंजाराम सोलंकी का चयन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 19वें विश्व युवा एवं छात्र महोत्सव के लिए हुआ और इसके तहत वे सन् 2017 में रूस की राजधानी मास्को गए। महाविद्यालय के 02 छात्रों द्वारा युवा विनिमय कार्यक्रम में भी चीन जाकर भाग लिया गया। महाविद्यालय की छात्रा उमा कृष्णावत को वर्ष 2019 में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय योगदान के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा राष्ट्रीय अवार्ड दिया गया। महाविद्यालय ने अनेक सीनियर आईएएस, आईआरएस, आरएएस, आरजेएस अधिकारी, शिक्षाविद, राजनीतिज्ञ भी दिए हैं।

कुछ उल्लेखनीय नाम इस प्रकार हैं–

श्री शांतिलाल जी चपलोत	–	भूतपूर्व अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा
डॉ. सी.पी. जोशी	–	अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा
श्री गुलाबचंद कटारिया	–	नेता प्रतिपक्ष
डॉ आर.एल. जाट	–	भूतपूर्व उच्च शिक्षा मंत्री
डॉ. के.डी. सिंह	–	केन्द्रीय विधि सचिव, कानून मंत्रालय, भारत सरकार
डॉ. रघुबीर सिंह	–	केन्द्रीय विधि सचिव, कानून मंत्रालय, भारत सरकार
श्री प्रेमनारायण माथुर	–	अधिवक्ता जनरल, राजस्थान
डॉ. आर. एल. भट्ट	–	संस्थापक सदस्य एवं सदस्य विधिक सेवा प्राधिकरण राजस्थान सदस्य, मूल्यांकन समिति, कानून मंत्रालय, भारत सरकार (22 वर्ष के लिये)

उच्च न्यायालय न्यायाधीश

- ❖ जस्टिस एन. एन. माथुर
- ❖ जस्टिस निशा भंडारी
- ❖ जस्टिस एन. पी. गुप्ता
- ❖ जस्टिस विजय व्यास

अकादमिक उपलब्धियाँ

संकाय सदस्यों द्वारा कई पुस्तकें प्रकाशित करवाई गई हैं। वर्तमान संकाय सदस्यों में प्रोफेसर आनंद पालीवाल के द्वारा पृथक्–पृथक् विषयों पर 04 पुस्तकें प्रकाशित हैं जैसे कि सूचना का अधिकार, न्यायिक प्रक्रिया इत्यादि। डॉ. शिल्पा सेठ द्वारा वैकल्पिक विवाद समाधान विषय पर पुस्तक प्रकाशित करवाई गई है। पूर्व संकाय सदस्य एवं पूर्व अधिष्ठाता डॉ. आर.एल. भट्ट द्वारा वाणिज्य विधि पर लिखी गई पुस्तक को भारत सरकार के विधि साहित्य प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कराया गया था। डॉ. कला मुणेत द्वारा भी भूमि विधि, मानवाधिकार महिला सशक्तीकरण जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर पुस्तक प्रकाशित करवाई गई। डॉ. वाय. एस. शर्मा द्वारा 25 से अधिक पुस्तकों को प्रकाशित करवाया गया जिनमें से कुछ के लिए उन्हें पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

संचालित हो रही तथा हो चुकी महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ

जम्मू और कश्मीर के सीमांत जनसंख्या समूह	प्रो. आनंद पालीवाल	आईसीएसएसआर	रुपये 17,65000/–	तीन वर्षीय (2016–2019)
जनजातीय रूढ़ियाँ एवं विधि	डॉ. राजश्री चौधरी	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	रुपये 5,97,000/–	2014–17

महाविद्यालय द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें अनेक अतिविशिष्ट विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है एवं अनेक प्रतिभागियों के द्वारा इन कार्यक्रमों में भाग लिया गया है। इन कार्यक्रमों की सूची में संगोष्ठियों, कॉन्फ्रेन्स कार्यशालाओं के अतिरिक्त विशेषज्ञ व्याख्यान भी कराए गए हैं जिनमें अधिवक्ता परिषद का पूरा सहयोग रहा है। इन कार्यक्रमों की सूची में पिछले कुछ वर्ष के आयोजन इस प्रकार हैं –

❖ 25–26 फरवरी 2005 को 'कानूनी परिदृश्य में महिला सशक्तीकरण' विषय पर कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गई जिसमें लगभग 500 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

❖ 12–13 मई 2007 को 'अनुसूचित जनजातियाँ : कल, आज और कल' विषय पर कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गई जिसमें लगभग 300 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

❖ 11–12 फरवरी, 2012 को 'जल नीतियों के माध्यम से सतत विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधिपति श्री दलीप सिंह को आमंत्रित किया गया और 500 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

❖ 15 एवं 16 नवम्बर 2013 को 'संविदा श्रमिकों की चुनौतियाँ' पर भी संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधिपति श्री गोविंद माथुर को आमंत्रित किया गया।

❖ 11 फरवरी, 2016 को 'कानूनी शिक्षा में मूल्य' विषय पर कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गई जिसमें लगभग 500 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

❖ 13 अक्टूबर, 2018 को 'कानूनी अनुसंधान पद्धति' पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विशेषज्ञ के रूप में सिम्बोसिस लॉ स्कूल, पुणे की प्रो. बिन्दु रॉनाल्ड्स को आमंत्रित किया गया था।

❖ 13 सितम्बर, 2019 को जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमान आर.के. माहेश्वरी जी द्वारा विधिक सेवा क्लिनिक का पुनः उद्घाटन किया गया एवं विस्तार व्याख्यान भी दिया गया।

❖ विश्वविद्यालय द्वारा अधिवक्ता परिषद के सहयोग से अनेक विशेषज्ञ एवं विस्तार व्याख्यान आयोजित किए गए हैं जिनमें विशेषज्ञों के रूप में अनेक न्यायाधिपतियों को आमंत्रित किया गया है जैसे माननीय न्यायाधिपति श्री के. टी. एस. तुलसी, पूर्व न्यायाधिपति माननीय श्री एन. एन. माथुर, माननीय न्यायाधिपति श्री सिकरी साहब इत्यादि। वर्ष 2019 में 2 आवश्यक विषयों पर विस्तार व्याख्यान आयोजित कराए गए जिसमें 'दीवानी और आपराधिक कानूनों की बारीकियों (02 नवम्बर, 2019) के विशेषज्ञ के रूप में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति माननीय श्री दिनेश माहेश्वरी जी एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता जी को एवं 'सामाजिक और आर्थिक अधिकारों के न्यायिक प्रवर्तन में नीति निर्देशक तत्वों के महत्त्व' (14 दिसम्बर, 2019) व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री गोविंद माथुर जी को आमंत्रित किया गया। दोनों ही व्याख्यान में लगभग 1100 श्रोता उपस्थित थे। कई न्यायाधीश एवं अधिवक्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

छात्रसंघ अध्यक्ष सूची

क्र.सं.	अध्यक्ष	सत्र
1	श्री संजय बोहरा	2000–2001
2	श्री राम लाल जाट	2001–2002
3	श्री सुरेन्द्र सिंह चुण्डावत	2002–2003
4	श्री ललित सोनी	2004–2005
5	श्री हुकम सिंह मेहडू	2010–2011
6	श्री कैलाश डांगी	2011–2012
7	श्री कुशल परमार	2012–2013
8	श्री अक्षय सिंह राणावत	2013–2014
9	श्री अनिल कुमार मेवाड़ा	2014–2015
10	श्री नरेश शर्मा	2015–2016
11	श्री सोहन डांगी	2016–2017
12	श्री नवीन मेनारिया	2017–2018
13	श्री ईश्वर अहीर	2018–2019
14	श्री गौरव जैन	2019–2020

छात्रसंघ उपाध्यक्ष सूची

क्र. सं.	उपाध्यक्ष	सत्र
1	श्री नरोत्तम त्रिपाठी	2000–2001
2	श्री समुद्र सिंह चुण्डावत	2001–2002
3	श्री मुकेश कुमार मेनारिया	2002–2003
4	श्री मदन लाल पटेल	2004–2005
5	श्री अभिमन्यु सिंह चौहान	2010–2011
6	श्री पर्वत सिंह झाला	2011–2012
7	श्री अरविंद सिंह चौहान	2012–2013
8	श्री नरेन्द्र रावत	2013–2014
9	श्री चेतन प्रकाश पालीवाल	2014–2015
10	श्री यश मोगरा	2015–2016
11	श्री विवेक नागदा	2016–2017
12	सुश्री साक्षी पण्ड्या	2017–2018
13	श्री सुरेन्द्र सिंह राव	2018–2019
14	सुश्री जागृति नागदा	2019–2020

छात्रसंघ महासचिव सूची

क्र. सं.	महासचिव	सत्र
1	श्री चेतन मेनारिया	2000–2001
2	श्री सुरेन्द्र कुमार जाखड़	2001–2002
3	श्री गोपाल सिंह भाटी	2001–2002
4	श्री भवानी सिंह चौहान	2002–2003
5	श्री यशवन्त सिंह	2004–2005
6	श्री जितेन्द्र कँवर चौहान	2010–2011
7	श्री दानिश खान	2011–2012
8	श्री सौरभ शर्मा	2012–2013
9	सुश्री निधि तिवारी	2013–2014
10	सुश्री आकृति रंजन	2014–2015
11	सुश्री पूजा उपाध्याय	2015–2016
12	श्री खुशेन्द्र गोयल	2016–2017
13	श्री रवि परमार	2017–2018
14	श्री कुन्दन माली	2018–2019
15	श्री आयुष अरोड़ा	2019–2020

छात्रसंघ संयुक्त सचिव सूची

क्र. सं.	संयुक्त सचिव	सत्र
1	श्री मोहम्मद हारुन छीपा	2010–2011
2	श्री विवके नंदवाना	2011–2012
3	श्री राहुल जैन	2012–2013
4	श्री डालचन्द प्रजापत	2013–2014
5	श्री राजेन्द्र नाथ योगी	2014–2015
6	सुश्री भूमिका छापिया	2015–2016
7	श्री सुरेन्द्र सिंह राजपूत	2016–2017
8	श्री जमिन पाटीदार	2017–2018
9	श्री शुभजोत सिंह मारवा	2018–2019
10	श्री दिव्यांशु चित्तौड़ा	2019–2020

11 विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय (University College of Science)

Prof. Kanika Sharma
Dean & Faculty Chairman

Prof. G.S. Rathore
Associate Dean

Prof. B.R. Bamniya
Faculty Chairman, Earth Science

Dr. Sushil K. Gandhi
ADSW

Dr. P.S. Ranawat
ADSW

Dr. Dinesh Kumar Yadav
Proctor

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय
(University College of Science)

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur was initially established as 'Rajasthan Agriculture University, Udaipur on 12th July,1962 on the 'American Land Grant Model'. It was converted to a multi-faculty university in 1964 and re-named as 'Udaipur University'. In the same year, on 1st of July, the then Government M.B. College was merged in the university and renamed as 'School of Basic Sciences and Humanities (SBSH)' and Mr. Bheemsen was its first Director. Thereafter, two wings were created in the university namely Agriculture Wing, which included Agriculture and Animal Husbandry, and Education Wing which included Sciences, Social Sciences, Humanities, Commerce and Law faculties.

With passage of time, various internal bifurcations came about in SBSH (erstwhile M.B. College), dividing it into many faculties and colleges. The oldest and main building of MB College was in present Commerce College. In 1950 the Science block was built and after few years the humanities and commerce block were added in original building of MB College.

The Social Sciences and Humanities faculties of SBSH were moved to the new campus (present campus of the UCSSH) in 1975. In 1979 a unit of correspondence study was opened in the university with the operational help of Faculties of Social Sciences and Humanities.

As per notification of the Government of Rajasthan, dated 11th June, 1984, the SBSH was divided in to four following separate colleges-

1. College of Science
2. College of Commerce and Management Studies
3. College of Social Studies and Humanities
4. College of Correspondence Studies

Brief history of different departments of the University College of Science, MLSU.

Department of Chemistry

The Department of Chemistry in the College of Science, became a post-graduate department in 1964 when Udaipur University came into existence as a multi-faculty university. Prof. G.V. Bakore was the first Professor and Head of the Department. He retired in 1984. In view of his contribution in the field of Chemical Kinetics and Reaction Mechanism, the Indian Chemical Society, Calcutta instituted 'Prof. G.V. Bakore Memorial Award', in 1995. The award is presented to the best kineticist of the country biennially. Subsequently, the Department has been headed by Prof. Rama Shanker, Prof. K.S. Suresh, Prof. D.N. Purohit, Prof. O.P. Mehta, Prof. M.P. Tyagi and Dr. S.N. Joshi. Dr. N.C. Bhargava is currently heading the Department. The Department is functioning as the main University Department of Chemistry, since 1964. Besides teaching students at the undergraduate and post-graduate level, the department also registers students for Ph.D in different fields of chemistry.

Department of Botany

With the establishment of the University of Udaipur in 1964, the then Maharana Bhupal College was transferred as the school of Basic Sciences and Humanities of this University. The post-graduate classes in Botany were started in the year 1964 and the first batch passed out in the year 1966. Ever since its inception, the Department has shown a steady growth. The Department has been headed by Prof. H.D. Kumar, Prof. H.N Singh, Prof. Y.D. Tiagi, Prof. L.N. Vyas, Dr. K.R. Bapna, Dr. R.S. Gupta, Prof. V.K. Sharma, Prof. B.L. Choudhary and Dr. Kanta Prasad. At present, it has well equipped research laboratories which are engaged in researches of international repute in the fields of Bryology, Environmental Biology, Biotechnology, Seed Biology, Geobotany, Water Pollution, Physiology and Grassland Ecology. The Department also has a Botanical Garden rich in plants of academic interest.

Department of Environmental Science

The Department of Environmental Science, M.L.S.U. has been imparting education in Environmental Science since 1990 at the Undergraduate level, and since 1995 at the Post-Graduate level. Every year the department is producing a batch of 10 students with M.Sc. Degree. The department has two Professors and two Assistant Professors. Post graduate students are also taught by guest faculty members, who are experts in the discipline. The department has assumed immense importance looking into the deteriorating environment at global scale. Recently, the department started advance research work, guiding students for Ph.D. and has contributed to scientific knowledge at global scale through international publications. Air Quality Monitoring and Impact Assessment, and Forest Ecosystem Analysis are important research areas under extensive study in the department. The faculty has been instrumental in purchasing a number of scientific instruments required at Under Graduate and Post-graduate levels. Hence, the department is well equipped with high tech instruments for practical study of the environment as well as environmental research.

Department of Pharmaceutical Sciences

The Department started functioning in the year 1994 with the introduction of a two-year Diploma Course. Pharmacy, being a professional course follows the directives of the Pharmacy Council of India (PCI) and All India Council for Technical Education (AICTE) in respect of course content, examination procedures, infrastructural facilities, faculty etc. Hence, in the year 1998, the Diploma Course was discontinued, with the introduction of a 4-year degree course, after acquiring requisite approval from the above mentioned regulatory bodies. This department is to be set up in 5.20 acres of land in the main campus of MLSU with monetary assistance from the Government of Rajasthan, for creation of necessary infrastructure. Plans for the introduction of a Post-Graduate Course and specialized research are on the anvil in the immediate future.

Department of Mathematics and Statistics

The Department of Mathematics was established in the year 1964 under the stewardship of eminent mathematicians namely, the then Hon'ble Vice-Chancellor, Professor G.S. Mahajani and Head of the Department, Professor S.P. Kaushik, under the University of Udaipur. The Department has been offering a Post Graduate course in Mathematics ever since 1964, thereby catering to the needs of proficient mathematicians, particularly in the southern region of Rajasthan. In the year 1989, the department was renamed as Department of Mathematics & Statistics. Statistics was introduced as a subject at Under-Graduate level in 1971 and at Post-Graduate level in 1990. Thrust areas of research in the department are Integral Transforms, Inequalities concerning special functions, Fractional Derivatives and Integral Operations, Abstract Algebra (Neac-rings), Flind Dynamics, General Relativity, Distribution Theory, Statistical Inference, Survey Sampling etc.

Department of Physics

Department of Physics came into existence as a Post Graduate University department with the establishment of University of Udaipur in 1964. Prof. J. Verma, the first Professor of the department, initiated experimental research work in the department. He also established a Nuclear Research Laboratory where Mossba Spectroscopy word was started. Later, Perturbed Angular Correlation Studies Faculty was developed to form a Hyperfine Interaction Research Group for microscope measurements on metals and alloys. During the same period, Prof. R. K. Rai joined the department and started research work in Ionospheric Physics. He established a laboratory in Ionospheric Drift Measurement Studies, Ionospheric Absorption Ionospheric Scintillation Studies. Prof. U. N. Upadhyaya started a research group in theoretical physics. In 1994, Prof. K. K. Sud started research group in the area of atomic and Nuc Physics. In recognition of its achievements, UGC has selected the department under UGC-DRS programme- in three phases from 1987 to 1997. UGC selected the department for research support under COSIST Programme. The department of Physics is also actively involved in the development of infrastructure for the campus as well, such as the Computer Science Teaching Programme, setting up computerization and communication facilities for the campus, the campus network, the computer centre, the Internet Centre etc, are results of the combine efforts and team work of the faculty members of the department.

Department of Zoology

The Department of Zoology was started in Mohanlal Sukhadia University in 1964. Since its inception, the department offers both UG and PG Courses. The Ph.D. degree was initially started in the fields of Histochemistry and Neurobiology. During the past 35 years, this department has demonstrated a high standard of education, active learning, cultivation of scholarly habits, scientific methods and research in several major fields of zoology. More than 650 students have obtained their M.Sc. degree in zoology, mainly with specialization in Cell Biology, Aquatic Biology and Fisheries. Sophisticated equipments, such as HPLC, Fluorescence Microscope, Ultramicrotome, Microphotography equipment, Cryostat, Refrigerated Centrifuge, Phase Contrast Microscope, UV Spectrophotometer, CCTV and Computers are available in the department. The department aims to bring together at one place, educational facilities of a higher order, for training of personnel and all the teachers of Zoology and to attain self-sufficiency of highest degree in the area of multidisciplinary research. The department is also trying to start more job-oriented courses and to evolve module educational programs which will not only cater to the needs of students of the state but will also serve as a trend-setter in the country.

Department of Geology

The University Department of Geology, Udaipur, was founded in June 1950 as the first post-graduate science department in Rajasthan. Dr. G.S. Mahajani, Vice Chancellor of the then Rajputana University (Rajasthan University since 1957) recalled, "Priority considerations dictated that we should begin with geology". Hence, Udaipur with its proximity to the Aravalli range was chosen for its location. The Department was fortunate in securing in Dr. K.P. Rode a competent first incumbent. Founder Prof. Rode concurred that Udaipur was happily chosen for Geology as Mewar was the centre of mining industry in Rajasthan, with vast general potential and on this very account the Government of Rajasthan also chose Udaipur to locate its Department of Mines & Geology. The newly founded Department was accommodated in the then Maharana Bhupal Government College. The Department shifted to its present premises in October 1962. In the same year, a one-year post-M.Sc. course of M.Sc. Tech. Applied Geology was added. The Department has received the support of University Grants Commission, viz. COSIST (Committee on Strengthening of Infrastructure for Science & Technology) from 01.04.1990 to 31.03.1995 and SAP (Special Assistance Program) Phase-I: 01.02.1990 to 31.01.1995, Phase-II: 21.11.1995, for five years.

Department of Polymer Science

Department of Polymer Science was started as a unit of Department of Chemistry of M.L. Sukhadia University, Udaipur from the Session 1990-91. Objectives of its establishment have been to cater to the needs of polymer industries. Nowadays, Polymers constitute the single largest groups of materials having found a place in every part of life. Whereas natural polymers like polysaccharides, proteins and polynucleotides are vital for biological needs of both animal and plant kingdom, other polymers classified as rubber, plastics, adhesives, fibres and a large quantum of plants are equally important for physical needs of human beings. Extensive use of such polymers however demand conservation of resources and environment for their optimum use. Technically trained manpower is a must to achieve this objective. Unfortunately, as compared to the increasing uses of polymers, instructions giving education on polymers, particularly, rubbers is inadequate,. Hence there is a big gap between the required and available trained manpower. This department initially started a one year Certificate course on Polymer Science and Technology: Rubber. Subsequently, from the session 1993-94, to provide a wider perspective the course was upgraded to a two years Post Graduate Diploma in Polymer Science & Technology: Rubber. The course content fully covers the syllabus of Diploma Course provided by the Plastic Research Institute, London. Science graduates are accepted for the course. Being a new department, the inability of carrying out independent expensive research programmes is partly compensated by collaborative research with leading R & D institutes of industries and other premier institutes in the field.

New departments established in the University College of Science-

- Biotechnology
- Computer Science

Courses And Resources

Courses Offered

UG, PG and Ph.D. in following Subjects

- Bio-Technology
- Botany
- Chemistry
- Computer Science
- Environment Science
- Geology
- Industrial Chemistry
- Maths & Statistics
- Microbiology
- Pharmacy
- Physics
- Polymer Science
- Zoology

Available resources

The Department consists of a Seminar Hall (known as Vivekanand Hall), 1 Meeting Hall, a Teaching Block (having 20 rooms) known as Pandit Deen Dayal Upadhyaya Block, an Open auditorium, Atal Alpahar Canteen for students, Basketball, Volleyball and Badminton Court, Botanical Garden, Library, Language Lab, University Scientific Instrumentation Centre (USIC).

Faculty

Names of Former and Present Dean

Sr. No.	Name of Dean	From	To
1	Prof. H. B. Tiwari	21-07-1983	18-08-1984
2	Prof. J. Verma	18-08-1984	31-08-1987
3	Prof. Y. D. Tyagi	01-09-1987	03-03-1990
4	Prof. R. K. Roy	03-03-1990	22-01-1992
5	Prof. M. K. Pandya	25-01-1992	31-05-1993
6	Prof. D. N. Purohit	06-06-1993	23-03-1994
7	Prof. U. N. Upadhyay	28-03-1994	04-09-1995
8	Prof. C. M. Joshi	26-09-1995	25-09-1998
9	Prof. H. R. Tyagi	26-09-1998	25-09-2001
10	Prof. B. L. Choudhary	26-09-2001	03-08-2004
11	Prof. K. K. Sud	04-08-2004	20-03-2005
12	Prof. D. K. Bhatt	21-03-2005	20-03-2008
13	Prof. Madhu Sudan Sharma	21-03-2008	20-03-2011
14	Prof. Mahip Bhatnagar	21-03-2011	21-03-2014
15	Prof. Sunil Dutt Purohit	22-03-2014	20-05-2014
16	Prof. K. Venu Gopalan	21-05-2014	30-07-2016
17	Prof. Vinod Agarwal	31-07-2016	31-12-2016
18	Prof. B. L. Ahuja	01-01-2017	31-12-2019
19	Prof. B. R. Bamniya	03-01-2020	12-09-2020
20	Prof. Kanika Sharma	12-09-2020	----------

Names and Tenure of Assistant Dean Student's Welfare and Proctor

Sr. No	ADSW	PROCTOR	YEAR
1	Dr. B. L. Ahuja	Dr. B. M. Vyas	2006-07
2	Dr. R. S. Chouhan	Dr. B. M. Vyas	2007-08
3	Dr. R. S. Chouhan	Dr. B. M. Vyas	2008-09
4	Dr. R. S. Chouhan	Dr. B. M. Vyas	2009-10
5	Dr. R. S. Chouhan	Dr. M. S. Shekhawat	2010-11
6	Dr. G. S. Rathore	Dr. B. M. Vyas	2011-12
7	Dr. G. S. Rathore	Dr. Sudish Kumar	2012-13
8	Dr. G. S. Rathore	Dr. Sudish Kumar	2013-14
9	Dr. G. S. Rathore	Dr. Sudish Kumar	2014-15
10	Dr. G. S. Rathore	Dr. Sudish Kumar	2015-16
11	Dr. D. S. Rathore	Dr. Harish	2016-17
12	Dr. D. S. Rathore	Dr. Harish	2017-18
13	Dr. D. S. Rathore	Dr. Harish	2018-19
14	Dr. D. S. Rathore	Dr. Harish	2019-20
15	Dr. S. K. Gandhi Dr. P. S. Ranawat	Dr. D. K. Yadav	2020-21

Achievements

Programmes/Seminars/Workshops

University College of Science, MLSU, organized the VII Rajasthan Science Congress - A National Conference on "Current Scenario in Science and Technology: Facing the Challenges and Creating Opportunities" on 14-16 Oct 2019.

Former and Present Students Union

S.No.	President	Vice-President	Gen. Sec.	Jt. Sec.	Period
1	Bhagwat Singh Ranawat	Abhishek Panwar	Ravish Nagori	Kirti Ameta	2010 & 2011
2	Pradhuman Singh Rathod	Ashok Parmar	Devendra Singh Rathore	Prinyak Vyas	2011 & 2012
3	Bhupendra Meghwal	Nilesh Sharma	Arvind Kotad	Himani Verma	2012 & 2013
4	Rohit Suthar	Manoj Parmar	Niraj Patidar	Pankaj Prajapat	2013 & 2014
5	Yogesh Mnat	Mohit Khatik	Pankaj Parmar	Rahul Khinchi	2014 & 2015
6	Lokesh Bamboriya	Satish Gurjar	Ankit Patel	Kamini Gupta	2015 & 2016
7	Praveen Singh Chouhan	Jagpal Singh Chundawat	Sumit Kumar Ameta	Ganeshi Meghwal	2016 & 2017
8	Kartik Singh Yadav	Rajendra Sirvi	Harish Kalal	Hitendra Singh Chouhan	2017 & 2018
9	Deepak Gurjar	Prince Raj Shaktawat	Timpal Menariya	Karan Choubisa	2018 & 2019
10	Chirag Choudhary	Vinod Singh Jhala	Bharat Kumar	Mansi Joshi	2019 & 2020

Important Posts held by Alumni

❖ Prof. B.L. Chaudhary (Vice-Chancellor, MLSU, Udaipur and Chairman, RBSE, Ajmer)

Department of Biotechnology

Prof. Kanika Sharma
Director

Dr. Harshada Joshi
Associate Professor

Dr. Avinash Marval
Assistant Professor

Dr. Tikam Chand Dakal
Assistant Professor

Dr. Nitish Rai
Assistant Professor

Mohanlal Sukhadia University was the first University in Rajasthan to start a Post-Graduate Program in Biotechnology in the year 1997, followed by a three year B.Sc. Biotechnology Course, from the academic session 2005-2006. The Department initially started functioning from the Department of Botany, University College of Science (old campus of the university), but is now located in a modern independent building complex "Vigyan Bhawan, Block B", in the new campus of the University.The department was founded in 1997 by **Prof. B.L. Chaudhary** with a vision to foster and promote innovation in biotechnology. He was the first Incharge of the department.

The holistic model of education, conceived and enriched by the illustrious founder facilitated the creative talent of the young minds. His vision was carried forward by **Prof. S. D. Purohit** from 2004 to 2012. The Department flourished at its best under his sagacious guidance which not only was at par with the current developments but also contributed to the expansion of the body of knowledge in his field of expertise. The tradition of diligence continued under the able guidance of **Prof. Kanika Sharma**.

All the previous and subsequent Course Directors have also contributed their best for progressive growth of the department. Ever since its establishment, the facilities, academics and research in the department have grown by leaps and bounds. Dr. Nitish Rai is currently conducting research on his RUSA 2.0 project with Dr. Namita Ashish Singh.

Department of Botany

Prof. Kanika Sharma
Head

Dr. Ganpat Singh Deora
Associate Professor

Dr. Vineet Soni
Associate Professor

Dr. Harish
Assistant Professor

Dr. Rohini Trivedi
Assistant Professor

Dr. Jaya Arora
Assistant Professor

Dr. Kuldeep Sharma
Assistant Professor

Dr. Amit Kumar Gupta
Assistant Professor

Dr. Tripta Jain
Assistant Professor

Dr. Mukesh Meena
Assistant Professor

Establishment and Evolution

The Department of Botany was established in 1967. It is well equipped to undertake various academic and research activities. Regular seminars are conducted for the benefit of PG students. The Department also focusses on continuous interactions with Ph.D scholar, and regularly conducts academic discussions in the presence of highly qualified scholars and professors.

Faculty

Prof. H.D. Kumar is the Head of the Department. His untiring efforts have led to remarkable evolution of the Department. He is an eminent scholar and an expert in his subject. His area of expertise is Phyeology (BGA). Prof. Kumar has made a great contribution in Genetic Recombination BGA. He has several published articles in national &international Journals, and has authored many books. He has also accomplished a Research Project- PL480. Under his guidance, a well-known Botanical Garden was developed in this University which consists of a variety of plants and trees. Prof H. D. Kumar has always promoted local botanical excursions for research work in the department. He also organizes Weekly Seminars to infuse confidence among PG scholars.

Prof. CP Malik is a Renowned Geneticist and Subject Expert. He has published many Books and Research Papers. He initiated Combined classes of PG students from Zoology and Botany Deparments (Specially Cytogenetic).

Prof. H.N. Singh and B. Srivastav are considered authority in their subject-BGA as well as other branches of botany. Both have made immense contribution to the Department.

Prof. LN Vyas is a renowned ecologist. He established the Plant Ecology Lab and prepared the Plant Herbarium. He has several published Research Papers.

Prof. H.C. Dubey is a Plant Pathologist. He has an incredible collection of plant materials related to my edlogy. Integrated the department in each subject and continuously conducts intense research work in the laboratories.

Prof. Y.D. Tiagi has contributed in the field of Plant Taxonomy and research work.

Dr. Vineet Soni, Associate Professor has done his PDF from Geneva University and he has also availed Visiting Scientist Fellowship from CIA, France. He has received various prestigious awards including Outstanding Award, Excellence in Teaching Award, Scientist of the Year Award (2017) , Nature Publishing Award by UNESCO. He has also been profiled as one of the 20 Earth Movers by IUCN in 2008.

He has been elected fellow of Linnean Society, Indian Botanical Society and Mendelian Society etc. Dr. Soni has 10 published research papers and has authored 2 books. He has organized over a dozen national and international seminars and conferences. He has been convener of Unnat Bharat Abhiyan, MLSU, Udaipur.

Department of Chemistry

Dr. Jyoti Choudhary
Associate Professor & Head

Dr. Shikha Agarwal
Assistant Professor

Dr. Chetna Ameta
Assistant Professor

Dr. Neelu Kumari
Assistant Professor

Dr. Poonam Khandelwal
Assistant Professor

Dr. Dinesh Pandey
Assistant Professor

Dr. Dinesh Kumar Yadav
Assistant Professor

Dr. Nitin Kumar
Assistant Professor

Dr. Prabhat Kumar Baroliya
Assistant Professor

Dr. Siddharth Sharma
Assistant Professor

Dr. Lokesh Kumar Agarwal
Assistant Professor

Dr. P. S. Ranawat
Assistant Professor

Dr. Tarun Kumar
Assistant Professor

Dr. Devendra Kumar
Assistant Professor

Dr. Vipin Khoker
Assistant Professor

Dr. Himanshu Sharma
Assistant Professor

Dr. Gangotri Pemawat
Assistant Professor

Dr. Rama Kanwar Khangarot
Assistant Professor

Dr. Kiran Meena
Assistant Professor

Establishment & Evaluation

The Dept. of Chemistry was established in 1964.

Courses Offered

M.Sc. Chemistry, M.Sc. Industrial Chemistry, M.Sc. Polymer Science, Ph. D. in Chemistry

Available Resources-

- Chemistry- 1 Building, 4 Labs, 10 Computers
- Industrial Chemistry- 1 Building, 1 Lab, 3 Computers
- Polymer Science- 1 Building, 1 Lab, 2 Computers

Faculty

Name of faculty members working in the past and currently working

Name of the Full-time teacher	Designation	Year of appointment
Dr. A. K. Goswami	Professor	1981
Dr. Pinki Bala Punjabi	Professor	1986
Dr. Rekha Dashora	Professor	1987
Dr. Anita Mehta	Associate Professor	1987
Dr. Jyoti Chaudhary	Associate Professor	2018
Dr. Shikha Agarwal	Assistant Professor	2012
Dr. Poonam Khandelwal	Assistant Professor	2012
Dr. Chetna Ameta	Assistant Professor	2012
Dr. Dinesh Panday	Assistant Professor	2012
Dr. Neetu Kumari	Assistant Professor	2012
Dr. Dinesh Kumar Yadav	Assistant Professor	2012
Dr. Nitin Kumar	Assistant Professor	2012
Dr. Prabhat K. Baroliya	Assistant Professor	2012
Dr. Anup Singh Meena	Assistant Professor	2012
Dr. Parmeshwar Lal Meena	Assistant Professor	2012
Dr. Siddharth Sharma	Assistant Professor	2018
Dr. Rama Kanwar Khangarot	Assistant Professor	2018
Dr. Gangotri Pemawat	Assistant Professor	2018
Dr. Lokesh Kumar Agarwal	Assistant Professor	2018
Ms. Himanshu Sharma	Assistant Professor	2018
Dr. Pradhyumn Singh Ranawat	Assistant Professor	2018
Dr. Tarun Kumar	Assistant Professor	2018
Dr. Devendra Singh	Assistant Professor	2018
Mr. Vipin Khoker	Assistant Professor	2018
Ms. Kiran Meena	Assistant Professor	2018

Name of Director / Dean / Head of Department / In-charge

S.NO.	NAME	FROM	TO
1	Prof. G. V. Bakore	Aug.1964	July. 1966
2	Prof. Rama Shankar	Aug. 1966	Oct. 1966
3	Prof. G. V. Bakore	Oct. 1966	Dec.1967
4	Prof. Rama Shankar	Dec.1967	Nov.1968
5	Prof. G. V. Bakore	Nov.1968	Jan.1970
6	Prof. Rama Shankar	Jan.1970	Aug.1970
7	Prof. G. V. Bakore	Aug. 1970	Dec.1975
8	Prof. D.N. Purohit	Jun.1976	Dec.1978
9	Prof. Rama Shankar	Jan.1979	Dec 1981
10	Prof. K.S. Suresh	Jan.1982	Dec.1982
11	Prof. G. V. Bakore	Jan.1983	Jan.1984
12	Prof. Rama Shankar	Feb.1984	Feb.1987
13	Prof. B. L. Purohit	Feb.1987	Feb.1990
14	Prof. O.P. Mehta	Feb.1990	Mar. 1993
15	Prof. M.P. Tyagi	Mar. 1993	Jul.1995
16	Dr. S.N. Joshi	Aug.1995	May1998
17	Dr. N.C. Bhargava	Jun. 1998	Jul 2000
18	Prof. B. L.Verma	Jul .2000	May 2002
19	Prof. S. C. Ameta	Jun. 2002	May 2005
20	Dr. R. C. Ameta	Jun. 2005	May 2007
21	Dr. R. K. Malkani	Mar. 2007	Dec 2007
22	Prof. G. L.Tales ara	Dec. 2007	Sep. 2009
23	Prof. B. L.Hiran	Sep.2009	Feb.2011
24	Prof. A. K .Goswami	Feb.2011	Feb.2014
25	Prof. P. B. Punjabi	Feb.2014	Feb.2017
26	Prof. Rekha Dashora	Feb.2017	Aug.2017
27	Prof. P. B. Punjabi	Aug.2017	Jul.2018
28	Dr. Jyoti Choudhary	Jul.2018	

Important Achievements of past and present students

Year	No of students placed	Name of the employer with contact details	Package received	Program graduated from
2015	1	J K Tyres	2.25 Lakh	M.Sc. Polymer
2015	2	SOMI CONVEYOR	1.5 Lakh	M.Sc. Polymer
2015	1	Lab Assistant	As per norms	M.Sc. Chemistry
2015	1	Teacher Grade III	As per norms	M.Sc. Chemistry
2015	5	BKT Tyres	2.25 Lakh	M.Sc. Polymer
2016	2	P. I. Industries	3 Lakh	M.Sc. Chemistry
2016	3	School Lecturer	As per norms	M.Sc. Chemistry
2016	1	Lab Assistant	As per norms	M.Sc. Chemistry
2016	3	Bhansali Polymers Ltd.	1.8 Lakh	M.Sc. Polymer

Year	No of students placed	Name of the employer with contact details	Package received	Program graduated from
2016	1	TECHNO Tyres, Udaipur	1.8 Lakh	M.Sc. Polymer
2016	2	Devashish Polymer Ltd.	2.25 Lakh	M.Sc. Polymer
2016	1	Shah Polymers Ltd.	1.92 Lakh	M.Sc. Polymer
2016	1	SOMI CONVEYOR	1.5 Lakh	M.Sc. Polymer
2017	2	Superking Manufacturers Tyres	1.5 Lakh	M.Sc. Polymer
2017	3	ISBIR Mewar Pvt. Ltd. Udaipur	1.8 Lakh	M.Sc. Polymer
2017	1	Rubber King Pvt. Ltd.	1.5 Lakh	M.Sc. Polymer
2017	1	Assistant Professor, Banasthali Vidyapeeth	As per norms	Ph.D. Chemistry
2017	1	Lab Assistant	As per norms	M.Sc. Chemistry
2017	1	P. I. Industries	3 Lakh	M.Sc. Chemistry
2017	1	Bank P. O.	As per norms	M.Sc. Chemistry
2017	3	Hindustan Zinc Ltd.	3.8 Lakh	M.Sc. Chemistry
2018	1	J K Tyres	2.25 Lakh	M.Sc. Polymer
2018	1	Teacher Grade III	As per norms	M.Sc. Chemistry
2018	1	P. I. Industries	3 Lakh	M.Sc. Chemistry
2018	3	School Lecturer	As per norms	M.Sc. Chemistry
2018	1	College Lacturer	As per norms	Ph.D. Chemistry
2018	6	BKT Tyres	2.25 Lakh	M.Sc. Polymer
2019	2	BKT Tyres	3.12 Lakh	M.Sc. Chemistry
2019	3	BKT Tyres	3.12 Lakh	M.Sc. Industrial Chemistry
2019	2	BKT Tyres	3.12 Lakh	M.Sc. Polymer
2019	4	Udaipur Cement Works United	2.05 Lakh	M.Sc. Industrial Chemistry
2019	1	Udaipur Cement Works United	2.05 Lakh	M.Sc. Chemistry
2019	2	Cadila Pharmaceuticals, Ahmedabad	1.5 Lakh	M.Sc. Industrial Chemistry
2019		Teacher Grade III	As per norms	M.Sc. Chemistry

Others Achievements

Publications by the Faculty members

The faculty members of the department have contributed for the literary enhancement of the discipline with both international and national publishers. The existing faculty members have written about four dozen books as sole author or as contributor in the Encyclopedia of Biomedical Polymers and Polymeric Biomaterial, textbooks of VMOU and RSEB, by Prof.Pinki Bala Punjabi, Prof. Rekha Dashora, Dr. Jyoti Chaudhary. Dr. Shikha Agrawal, Dr. Poonam Khandelwal, Dr. Chetna Ameta etc. So far as publication of the research articles is concerned the faculty members have written about 120 papers in reputed international journals in last five years.

Awards and recognition

Dr. Poonam Khandelwal has been awarded by INSA Scientist Award and Dr. Siddharth Sharma is recipient of DST inspire faculty award.

Important research projects being conducted and completed

Name of the Project/ Endowments, Chairs	Name of the Principal Investigator/ Co Investigator	Name of the Funding agency	Type (Government/ Non-Government)	Department of Principal Investigator/ Co Investigator	Year of Award	Funds provided (INR in lakhs)
DST-INSPIRE Faculty Research grant	Dr. Siddharth Sharma	DST-New Delhi	Govt.	Chemistry	2014	35 lakhs
ECR Research Grant	Dr. Dinesh Yadav	DST SERB-New Delhi	Govt.	Chemistry	2017	27lakhs
SERB-TARE Grant	Dr. P. K. Baroliya	SERB New Delhi	Govt.	Chemistry	2018	18.3 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Siddharth Sharma	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2018	10 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Rama Kanwar Khangarot	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2019	10 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Gangotri Pemawat	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2019	10 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Devendra Singh	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2019	10 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Shikha Agarwal	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2014	6 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Neetu Chaudhary	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2014	6 lakhs
UGC-BSR Startup Research Grant	Dr. Dinesh Yadav	UGC-New Delhi	Govt.	Chemistry	2015	6 lakhs

Department of Computer Science

Dr. Avinash Panwar
Associate Professor & Head

Prof. M. K. Jain
Professor

Mrs. Deepti Shrimal
Assistant Professor

Mr. Mohit Gokhroo
Assistant Professor

Evolution

Department of Computer Science as a separate department was established in 2016. Prior to this university computer center was working since January, 1990 under Faculty of Science.

The Department of Computer Science runs the following courses-

1. BCA
2. MCA
3. M.Sc.(IT)

Available resources in department/Lab/Computer etc.

1	BCA-Lab 1	60 Computers
2	BCA-Lab 2	60 Computers
3	M. Sc. (IT) Lab	20 Computers
4	MCA-Lab 1	54 Computers
5	MCA-Lab 2	56 Computers
6	Apple Authorized Training Centre (Apple Lab)	20 Computers
7	MCA Library	1
8	BCA Library	1
9	Seminar Hall	1
10	Class Rooms	3
11	Smart Class Room	2

Faculty Members of department

S.No.	Teaching Faculty	Non-Teaching Faculty
1	Prof. M.K. Jain	Dr. N. K. Pareek
2	Dr. Avinash Panwar	Retd. Sanjeev Agarwal
3	Mr. Mohit Kumar Gokhroo	Mr. Manoj Rathore
4	Mrs. Deepti Shrimal	Mrs. Illa Shrivastav (Deputed)
5		Mr. Ankur Bhatnagar
6		Mrs. Arti Solanki
7		Mrs.Pooja Verma
8		Mr. Mohan Meena

Directors / Heads

S.No.	Directors Name	To Date	From Date
1	Prof. J. Varma	22-01-90	18-05-90
2	Prof. R.K. Rai	19-05-90	28-01-92
3	Prof. U.N. Upadhyaya	29-01-92	09-04-94
4	Prof. K. K. Sud	10-04-94	03-08-04
5	Dr. K. Venugopalan	04-08-04	31-08-04
6	Prof. M.L. Kalra	01-09-04	11-10-06
7	Dr. K. Venugopalan v	11-10-06	09-07-10
8	Prof. Rajesh Panday	10-07-10	26-11-10
9	Prof. S. N. A. Jaaffrey	26-11-10	08-03-13
10	Prof. K. Venugopalan	08-03-13	30-10-14
11	Prof. B.L. Ahuja	30-10-14	10-11-16
12	Prof. B.M. Vyas	10-11-16	04-12-17
13	Prof. M. K. Jain	04-12-17	15-04-19
14	Dr. Avinash Panwar	16-04-19	

Achievements of old and new faculty members

Faculty Name	Achievements
Dr. Avinash Panwar	1.Established the Apple Certified Training Centre at MLSU which is the first training centre amongst the three neighbouring states of MP, Gujarat and Rajasthan.
	2.Established a class recording and broadcast solution, first in the University, at Vigyan Bhawan Block A.
	3.Initiated the construction of new laboratory and classroom wing at Vigyan Bhawan block A.
	4.VII Rajasthan Science Congress – A National Conference on "Current Scenario in Science and Technology: Facing the Challenges and Creating Opportunities" 14-16 Oct 2019
	5.Fourth International Conference on "Information and Communication Technology for Competitive Strategies (ICTCS-2019)"- 13-14 December 2019- As Session Chair
	6. FICR International Conference on Rising Threats in Expert Applications and Solutions 17 -19 January 2020 – As Session Co-Chair
	7. Acted as a resource person for two refresher courses organized by HRDC Pune University
	8. Acted as a resource person at Ph.D course work at JRN Rajasthan Vidyapeeth, Udaipur on 4 th June 2019.

	9. Attended five -day Profession Development Programmed organized by NIEPA, New Delhi from July 9-13, 2018.
	10. Member of Organizing Committee of VII Rajasthan Science Congress – A National Conference on "Current Scenario in Science and Technology: Facing the Challenges and Creating Opportunities" 14-16 Oct 2019
	11.Organized a three daytraining programme on Django and Python programming with REST API from 23/11/2019 to 25/11/2019.
	12.Nodal officer for UGC matters.
	13. Nodal officer for Ministry of Tribal Affairs Scholarship
	14. Performing the role of result in-charge
	15. Worked as technical co-ordinator IUMS and succeeded in moving the system to AMC mode
	16. Worked as Assistant Center Superintendent (morning shift) at University College of Science for annual examinations.
	17. Department received administrative sanction to establish CAREER INCUBATION CEN TER & TECHNICAL SOLUTIONS HUB under RUSA at MLSU.
	18. Completely revamped the University Internet Centre by establishing new topology design for University Network.
	19. Technical member for various purchase and other committees.
	20. Performed all other duties assigned by Dean, UCOS such as election duty, flying squad duty, counselling duty etc.

Achievements of the students

S.No.	Student Name	Achievement
1	Naman Porwal	Chess
2	Palash Khandelwal	Chess
3	Priyanshu Jain	Chess
4	Shrushti Mahesh Pimpalkar	Swimming

Placement of old students

S.No.	Name of Student	Organisation Name	Designation
1	Rohit Saini	ACM INDIA	Sales and Marketing Head Gujarat
2	Aman Bhargava	Auriga IT	UI developer
3	Hitesh Chandra Kumawat	CLA TECHNOLOGY	TL - Development Team
4	Afsar Mohammad	E-connect solutions	Software Engineer
5	Naveen K. Sanadhya	NovelERP Solutions Pvt. Ltd.	Java-React Programmer
6	Narendra Kumar Sharma	Energy Department GoR	Informatics Assistant
7	Priyanshu Souda	IUMS	Training and Assistant Developer
8	Mohit Saini	Allen Career Institute kota	Zoology Faculty
9	Anju Dadhich	Spiraltechnolabs Pvt ltd	Web Designer
10	Premlata Saini	Infoeyepvt.Ltd.	Quality Analyst
11	Love Kumar Paliwal	D'artweb	Web Developer
12	Deepika Soni	Technosoft infotech	Udaipur
13	Shubham Tomar	Gensol Mobility (Blu - Smart)	Sr. iOS Developer
14	Praveen Paliwal	ACE INFOWAY PVT. LTD	Animation Creator and Graphic Designer
15	Aayushi Lasod	TATVASOFT AHEMDABAD	TSE

S.No.	Name of Student	Organisation Name	Designation
16	Govind Suthar	Personal Business	Owner
17	Hemendra Singh Gurjar	Biztech	Sr. Software Engineer
18	Ritu Barber	WoodenStreet	SEO (Senior SEO Executive)
19	Nidhi Singh	iPredict IT Solution Pvt.Ltd.	Gandhinagar
20	SuchiNandwana	Nathdwara Institute of Bio Technology and Management	Lecturer
21	Monika Gupta	Areli commerce Pvt. Ltd. (Frendy)	QA Tester
22	Kamini Bairagi	Advaiya Solutions Pvt. Ltd.	Business Applications (.Net & React Native Developer)
23	Nisha Meghwal	J R Sharma PGCollege,Jhadol	Lecturer
24	Hemant Suman	Nic Udaipur	Android app developer
25	Kamlesh Kumar Dangi	Anjum extraction pvt.ltd.	Accounting
26	Sakshi Sharma	Cloud computing expert (Manorama enterprise), Bhuwana , Udaipur (raj)	Rajsamand
27	Hansa	Kansoft Solutions Pvt. Ltd.	Associate Software Engineer
28	Sandeep Kumar Yadav	Current youngest Sarpanch of Gram Panchayat , Tasing	Behror
29	Suman Kumawat	Infosys limited, Pune	System engineer
30	Kiran Paliwal	PRL	OT
31	Akash Jain	Partap Krishi Parts,Baran, Rajasthan	Owner
32	Neha Gandhi	Automated trading softtechpvt.ltd in Ahmedabad	Senior web Developer
33	Kapil Tank	MPUAT, Udaipur	Technical Assistant
34	Diksha Chaturvedi	Cloud Computing Solutions	Software Developer
35	Heena Israni	Baymediasoft	Project coordinator
36	Mukesh Suwalka	Zaksy Vision Ahmedabad	Web Designer

Publication by the faculty members

S. No.	Title of paper	Name of the author/s	Name of journal	Year of publication
1	Categorization of ICMR Using Feature Extraction Strategy and MIR with Ensemble Learning, pp. 686	Akhilesh Kumar Sharma, Avinash Panwar, Prasun Chakrabarti,Santosh Vishwakarma	Procedia Computer Science	2015
2	An Integrated Architectural Clock Implemented Memory Design Analysis	Ravi Khatwal, Manoj Kumar Jain	International Journal of Computer Applications	2015
3	QoS-Aware Bandwidth Constrained Precedence Based Routing Protocol for Mobile Ad-hoc Networks,1330-1338	Avinash Panwar	International Journal of Engineering Sciences and Research Technology	2016

S. No.	Title of paper	Name of the author/s	Name of journal	Year of publication
4	An Efficient Application Specific Memory Storage and ASIP Behavior Optimization in Embedded System	Ravi Khatwal, Manoj Kumar Jain	International Journal of Advanced Computer Science and Applications	2016
5	Analyzing Performance of Classification Algorithms on Concept Drifted Data Streams, 13-17	Aradhana Nyati, Divya Bhatnagar, Avinash Panwar	International Journal of Computer Applications	2017
6	An Effective Reconstruction of Replica Memory Design for Embedded System	Ravi Khatwal, Manoj Kumar Jain	International Journal of Computer Applications	2017
7	Synthesis of Aho-Corasick Algorithm for Network Processor	Neha Jain, Manoj Kumar Jain	International Journal of Engineering Research in Computer Science and Engineering (IJERCSE)	2017
8	Profiling and Synthesis of Leaky Bucket Algorithm for Network Processor	Neha Jain, Manoj Kumar Jain	International Journal of Engineering Research in Computer Science and Engineering (IJERCSE)	2018
9	A Design of Intel's IXP Meant for Embedded Systems	Neha Jain, Manoj Kumar Jain	International Journal of Engineering Research in Computer Science and Engineering (IJERCSE)	2019
10	A hybrid technique of combining AES Algorithm with block permutation for Image Encryption	Ritu Shaktawatt, Dr. Avinash Panwar, Prof. N. Laxmi, Arun Vaishanv	Reliability: Theory and Applications	2020

Research projects being conducted

S.No.	Name of the principal investigator	Name of the Project
1	Dr. Avinash Panwar	A customizable LMS for proper utilization and adoption of Global Knowledge Pool: An adaptation of contingency theory of E-learning
2	Dr. Avinash Panwar	MLSU CAREER INCUBATION CENTER & TECHNICAL SOLUTIONS HUB
3	Prof. G. Soral, Dr. Avinash Panwar	Blockckchain Accounting: An Exploratory Research (Interdisciplinary)

Seminar details

Name of workshop	Date	Number of participants
3 Days Full Stack Development Workshop	23/11/2019 to 25/11/2019	48

Important posts and responsibility held by faculty members

Teaching Faculty	Designation	Non-Teaching Faculty	Designation
Dr. Avinash Panwar	Head of Department (Computer Science and Course Director (BCA/M.Sc(IT)	Dr. N. K. Pareek	Programmer
Prof. M.K. Jain	Professor	Mr. Manoj Rathore	Assistant Programmer
Mr. Mohit Kumar Gokhroo	Assistant Professor	Mr. Ankur Bhatnagar	Lab Technician
Mrs. Deepti Shrimal	Assistant Professor	Mrs. Arti Solanki	Lab Technician
		Mrs.Pooja Verma	Junior Assistant
		Mr. Mohan Meena	Peon

Other important achievements

- ❖ Throughout the lockdown period the Department of Computer Science was functional and facilitated all university faculty members in completing their courses by providing hands on training on various online teaching tools.
- ❖ The Department also negotiated with CISCO to obtain 3 months free license of entire CISCO WebEx Suite. As a result, MLSU faculty members could complete more than 675 courses in lockdown period beneficiating thousands of students. More than 20 webinars could be successfully conducted by various departments of MLSU because of these efforts only.
- ❖ The Department members coordinated and prepared the departmental report in time and submitted to the IQAC team of the University which works for NAAC and NIRF preparation. In current NIRF 2020 rankings MLSU for the first-time figures in the top 151- 200 rank segment.
- ❖ Department of Computer Science has successfully signed a MOU with Redhat India to establish the Redhat Academy.
- ❖ Established a helpdesk for all internet and online classes related issues at MLSU. This helpdesk provides a response time of less than 2 hours.
- ❖ Initiated centralized evaluation atDepartment of Computer Science tospeed upthe process of result declaration.
- ❖ Department ICT related purchase for various units of MLSU under UGC XII Plan grant utilization was carried out through e-proc portal.
- ❖ Department received sanction from UGC for introducing B.Voc programme in MIS and E-Commerce under IT&CS Programme.
- ❖ To make Curriculum contemporary and career oriented, completely revised the BCA, M.Sc (IT) and MCA Curriculum and also introduced a certificate course in iOS development in collaboration with Apple business partner Radius Systems Private Limited, Jaipur.
- ❖ Department started the practice of developing in-house projects from MCA and M. Sc. (IT) final semester students. Many of these are now working in the University under SFAB mode and performing well.
- ❖ Department introduced a concept of "Technology of the day" and "Keyword of the day" to make students more technologically aware.
- ❖ Restored dumped ICT hardware and gadgets and have put them to appropriate use.
- ❖ Initiated cleaning and beautification work of the department.
- ❖ Department succeeded in successfully implementation ofall academic and non-academic activities like teaching, internal assessments, assignment evaluation, Online Quizzes, Conferences, webinars and workshops etc.from total offline mode to online mode during COVID 19 pandemic and adapt the changing teaching and learning environment.

Department of Environmental Sciences

Prof. Nidhi Rai
Head

Prof. B.R. Bamniya
Professor

Dr. Anuya Verma
Assistant Professor

Dr. Devendra Singh Rathore
Assistant Professor

Establishment and Evolution

The Department was established in the year 1995. It is the first full-fledged Department of Environmental Sciences in Rajasthan.

Courses and Resources

Courses

- Ph.D. Program
- Postgraduate (CBCS)Program
- At the Undergraduate level, it offers Environmental Science as a combination subject with Zoology/Botany, with Chemistry

Available Resources

- One UG practical lab which has the basic equipment and trained laboratory staff.
- Two PG practical labs in the Department of New Campus.
- Sophisticated research equipment available in Central Instrumentation Facility
- Computer and Internet facility: 08 Desktops,2 laptops with internet,wifi, LAN
- Seminar Room/Smart Classroom: 01, with smart board, podium and projector.

Faculty

Former Faculty Members

- Dr. Jitendra Pandey

Present Faculty Members

- Prof. B. R. Bamniya
- Prof. Nidhi Rai
- Dr. D. S. Rathore
- Dr. Anuya Verma

Name and Tenure of Heads/Directors/In Charge

Post	Name	In-Charge	Tenure
Convener	Prof. H.R.S. Tyagi		1995-2004
Head	Prof. K.K. Sood	Dr. J. Pandey	2004-2005
Head	Prof. D.K. Bhatt	Dr. Nidhi Rai	2005-2007
Head	Dr. Nidhi Rai		9-10-2007 to 4-10-2010
Head	Dr. B.R. Bamniya		9-10-2010 to 5-10-2013
Head	Dr. Nidhi Rai		6-10-2013 to 4-10-2016
Head	Dr. B.R. Bamniya		5-10-2016 to 4-10-2019
Head	Dr. Nidhi Rai		5-10-2019...

Achievements of Faculty

Important Posts held by the Faculty Members

S.No	Name	Post	
1	Prof. B.R. Bamniya	Dean, University College of Science	Associate Dean, University College of Science
2	Prof. Nidhi Rai	Warden, Kamala Nehru Girls Hostel	Flying Coordinator 2019-21
3	Dr. Devendra Singh Rathore	ADSW, University College of Science	NCC ANO
4	Dr. Anuya Verma	NSS, Program Officer	

Ongoing and Completed Research Projects

S. No.	Name of Investigator	Topic	Sanctioned Amount	Status	Funding Agency
1	Dr. J. Pandey	"Microbial biomass at land water interface regulate ecosystem level properties of a fresh water dry tropical woodland lake."	Rs. 4,47,204.88	Completed	IFS
2	Prof. Nidhi Rai	"Effect of some common pesticides on the ultrastructure and cytochemistry of earthworms."	Rs. 7,36,800/	Completed	UGC
3	Prof. B.R. Bamniya/ Prof. N.Rai /Dr. D.S. Rathore / Dr. Anuya Verma	Environmental issues of urban & rural tribal areas of southern Rajasthan	Rs. 2,65,38,000/-	Ongoing	RUSA 2020
4	Dr. D.S. Rathore	"Magnetic nanoparticles toxicity in earthworm Sp. Eiseniafetida: A comprehensive toxicity study on magnetite, zinc ferrite, cobalt ferrite and nickel ferrite	Rs. 34,83,120/-	Ongoing	SERB, DST Govt. of India

Programs /Seminars/Conferences/Workshops organized

S.No.	Event	Date	Participants
1	Refresher Course	8-28 December 2003	46
2	Refresher Course 8-28 December 2004	8-28 December 2004	45
3	National Conference	28-30 November ,2014	196
4	Refresher Course	29-9-15 to 19-10-15	88

Important dignitaries that visited the Department

S.No	Name	Purpose	Year
1	Shri M.C. Mehta	Keynote speaker in Harmony 2014 (renowned Environmentalist and Advocate, Supreme Court, New Delhi)	2014
2	Shri M. S. Nagar	Chairman, Expert Appraisal Committee (Non-Coal), Ministry of Environment and Forest, Government of India	2014
3	Prof. G. S. Roonwal	Member, EAC (NC) MOEF of India	2014
4	Shri Rajendra Singh	Keynote Speaker in RSC 2019(Waterman of India)	2019

Achievements of Former and Present Students

NET Qualified Students

Aditi Solanki	HeenaVeerwal	Preeti Singh	GirirajSongara
Anamika Gaur	HemlataLohar	Sangeet	Dhavan Saini
Archana Sharma	Jayesh Panchal	Satya Prakash Mehra	Nirmal Kumar
Chitra Krishnawat	Kadambari Jain	Seema Sharma	Anil Panchal
Chotten Lal	Kavita Shukla	Shruti Kshirsagar	Tanushreekain
Deeksha Trivedi	Madhu Bala Mochi	SomilaTamboli	Subhash Chandra
Devendra Singh Rathore	Neethi Nair	Tripti Joshi	Anshul Kandara
Gopal Singh Mahecha	Pankaj Kumar	Vijay Singh	Neha Gaur
			Diksha Balmiki

Important Posts Held by Alumni

- **K.S. Sangeet** - Pollution Officer in government sector.
- **Dr. Aditi Solanki-** Scientific Officer in State Pollution Control Board
- **Dr. Giriraj Songara, Anil Mogra, Rajesh Yadav-** Scientific Officers in State Pollution Control Board.
- **Bhavna Singh-** Environmental Officer in BanswaraSyntex
- **Dr. Devendra Singh-** Assistant Professor in M.L.S. University
- **Dr. Anuya Verma-** Assistant Professor in M.L.S. University
- **Dr. Mahendra Rathore-** Environment Manager in NTPC, Surat Gujrat
- **Om Prakash Shardul-** Scientific Officer in State Pollution Control Board
- **Rajulal Gurjar-** Project Scientist in FRI Dehradun.
- **Mr. Hitesh Sukhwal-** working in Laxmi Cement.
- **Vedprakash Ola-** Project Scientist in FRI Dehradun.
- **Mr. Nirmal Kumar-** Scientific Officer in Central Pollution Control Board.

- **Dr. Kadambari Jain-** Personnel Officer, Ajmer Vidhyut Vitran Nigam Limited, Dungarpur and Rajsamand.
- **Dr. Kavita Banshiwal-** Lecturer in Ashwarya College, Udaipur
- **Dr. Gopal Singh Maheecha-** Government teacher.
- **Ms. Shilpi Sadu-** Government teacher.
- **Dr. Priyanka Ashiya-** Lecturer in IIS University, Jaipur.
- **Ms. Dhanusha Karki-** Environmental Consultant at Apex Mintech Consultancy.
- **Ms. Versha Joshi-** working in Laxmi Cement.
- **Neelesh Choubisa-** working in Dariba Mines Hindustan Zinc unit.
- **Ms. Heena Yadav-** working in Consultancy HKM Associate.
- **Ms. Bhanushree Sharma and Deepika Purohit-** working in Consultancy Wolkem.

भू–विज्ञान विभाग

Dr. Ritesh Purohit
Associate Professor & Head

Mr. Akhil Kumar Dwivedi
Assistant Professor

Dr. Maya Choudhary
Assistant Professor

Mr. Subhash Chandra Janagal
Assistant Professor

Dr. Anjali Singh
Assistant Professor

Ms. Neha Rarh
Assistant Professor

Dr. Harish Kapasya
Assistant Professor

Dr. Ankush Shrivastava
Assistant Professor

Mr. Niranjan Mohanty
Assistant Professor

Mr. Rajnikant Patidar
Assistant Professor

स्थापना एवं क्रमिक विकास

इस विभाग की स्थापना 26 अक्टूबर, 1950 को राजस्थान विश्वविद्यालय के संघटक विभाग के रूप में संस्थापक विभागाध्यक्ष प्रो. के.पी. रोडे ने की। बाद में वर्ष 1988 में विभाग का समस्त कर्मचारियों एवं सामग्री सहित मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय की स्वतंत्र इकाई के रूप में विलय कर दिया गया।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

वर्तमान में बी. एससी., एडिशनल एम. एससी., एम. एससी. टेक. (एप्लाईड जियोलोजी), पीएच. डी. के पाठ्यक्रम संचालित हैं। स्नातक स्तर के पाठयक्रम विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित किए जाते हैं। विभाग का एक पृथक से भवन है जिसमें 50 कक्ष हैं। इसके अलावा तीन हॉल हैं जिन्हें हेरॉन हाल, अरावली सभागार और डायमंड जुबली सभागार के नाम से जाना जाता है।

विभाग में शैलविज्ञान लैब, जीवाश्म विज्ञान लैब, आर्थिक खनिज विज्ञान लैब, भू–रसायन लेब, यू.जी. लेब, कम्प्यूटर लैब उपलब्ध हैं। कम्प्यूटर लैब में 30 कम्प्यूटर्स उपलब्ध हैं।

इनके अतिरिक्त विभाग में स्केनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप, रजिस्टीविटी मीटर, रिसर्च माइक्रोस्कोप–5, स्टूडेन्ट माइक्रोस्कोप–35, सभी प्रकार के सर्वे उपकरण, फील्ड कार्य हेतु 30 सीटर बस एवं जीप आदि उपलब्ध हैं।

संकाय सदस्य

पूर्व में कार्यरत संकाय सदस्य

1. प्रो. के. पी. रोडे
2. प्रो. बी. एस. तिवारी
3. प्रो. एम. डबल्यू. चौधरी
4. डॉ. एम. के. पण्डया
5. डॉ. ए. बी. रॉय
6. डॉ. बी. एल. शर्मा
7. डॉ. एस. सी. खोसला
8. डॉ. एस. के. अग्रवाल
9. डॉ. एल. एल. त्रिवेदी
10. डॉ. आर. के. श्रीवास्तव
11. डॉ. आर. पी. कच्छारा
12. श्री ए. के. चड्डा
13. डॉ. पी. एस. राणावत
14. श्री बी. आर. बिजारनिया
15. श्री ए. के. लहरी
16. श्री एच. के. गोरांग
17. श्री एम. के. पण्डित
18. प्रो. के. सी. ज्ञानी
19. डॉ. आर. एल. जोधावत
20. प्रो. पी. कटारिया
21. प्रो. पी. सी. अवदिच
22. प्रो. विनोद अग्रवाल
23. प्रो. एन. के. चौहान
24. प्रो. टी. के. पण्डया
25. प्रो. हर्ष भू
26. प्रो. एम. एल. नागोरी
27. प्रो. एम. एस. शेखावत
28. डॉ. डी. के. नागोरी
29. प्रो. एस. आर. जाखड़
30. श्री आर. एल. श्रीमाली
31. श्री एस. एन. लाठी
32. श्री ओ. पी. गोयल
33. श्री अनिल माहेश्वरी
34. श्री एल. एस. महला
35. श्री बी. एल. पालीवाल (विजिटिंग प्रोफेसर)

वर्तमान में कार्यरत संकाय सदस्य

1. डॉ. रितेश पुरोहित
2. डॉ. माया चौधरी
3. डॉ हरीश कपास्या
4. श्री सुभाष चन्द्र जनागल
5. डॉ. अंकुश श्रीवास्तव
6. श्री अखिल कुमार द्विवेदी
7. डॉ. अंजलि सिंह
8. श्री रजनीकान्त पाटीदार
9. श्री निरन्जन मोहन्ति
10. सुश्री नेहा राड

अधिष्ठाता – विज्ञान महाविद्यालय

विभाग के निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने विष्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय के अधिशठाता पद का दायित्व भी संभाला है–

1. प्रो. एम.के. पण्डया 25 जनवरी, 1992 से 31 मई, 1993
2. प्रो. विनोद अग्रवाल 31 जुलाई, 2016 से 31 दिसम्बर, 2016

संकाय अध्यक्ष : पृथ्वी–विज्ञान संकाय

1. प्रो. विनोद अग्रवाल
2. प्रो. हर्ष भू

विभागाध्यक्ष

अब तक रहे विभागाध्यक्षों का विवरण इस प्रकार है–

1.	प्रो. के.पी. रोडे	जून, 1950 से अगस्त, 1968
2.	प्रो. बी.एस. तिवारी	सितम्बर, 1968 से नवम्बर, 1968
3.	प्रो. एम.डबल्यू. चौधरी	दिसम्बर, 1968 से अप्रैल, 1973
4.	डॉ. एम.के. पण्डया	मई, 1973 से सितम्बर, 1976
5.	डॉ. ए.बी. रॉय	अक्टूबर, 1976 से सितम्बर, 1978
6.	डॉ. बी.एल. शर्मा	अक्टूबर, 1978 से मई, 1980
7.	डॉ. एस.सी. खोसला	जून, 1980 से अप्रैल, 1982
8.	प्रो. एम.डबल्यू चौधरी	मई, 1982 से अप्रैल, 1985
9.	प्रो. एम.के. पण्डया	मई, 1985 से अप्रैल, 1989
10	प्रो. ए.बी. रॉय	मई, 1989 से जून, 1992
11	प्रो. बी.एल. शर्मा	जून, 1992 से अक्टूबर, 1992
12	डॉ. एस.के. श्रीवास्तव	नवम्बर, 1992 से अक्टूबर, 1995
13	डॉ. एस.सी. खोसला	नवम्बर, 1995 से अक्टूबर, 1998
14	डॉ पी.एस. राणावत	नवम्बर, 1998 से नवम्बर, 2001
15	प्रो. के.सी. ज्ञानी	नवम्बर, 2001 से जुलाई, 2004
16	प्रो. पी. कटारिया	अगस्त, 2004 से जुलाई, 2007
17	प्रो. पी.सी. अवदिच	अगस्त, 2007 से जुलाई, 2010
18	प्रो. विनोद अग्रवाल	अगस्त, 2010 से जुलाई, 2013
19	प्रो. एन.के. चौहान	अगस्त, 2013 से सितम्बर, 2014
20	प्रो. टी.के. पण्डया	अक्टूबर, 2014 से सितम्बर, 2015
21	प्रो. हर्ष भू	अक्टूबर, 2015 से नवम्बर, 2017
22	प्रो. एम.एल. नागोरी	दिसम्बर, 2017 से सितम्बर, 2018
23	प्रो. एस.आर. जाखड़	सितम्बर, 2018 से अप्रैल, 2020
24	डॉ. रितेश पुरोहित	अप्रैल, 2020 से निरन्तर

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य डॉ. ए. बी. राय एवं डॉ. बी.आर. बिजारनिया को राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार प्राप्त हुआ।
2. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य डॉ. ए.बी. राय, डॉ. आर.के श्रीवास्तव, डॉ. पी. कटारिया, डॉ. टी.के. पण्डया तथा डॉ. एम.एल. नागोरी ने हम्बोल्ड एवं डाड फेलोशिप प्राप्त की थी।
3. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य डॉ. विनोद अग्रवाल को।UGS द्वारा पर्यावरण भूविज्ञान के क्षेत्र में Distinguished Service Award वर्ष 1997 में मिला।
4. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य श्री हबीब खान गोरान राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं।
5. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य श्री. एस. एन. लाठी राजस्थान प्रशासनिक सेवा में महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे।
6. विभाग के पूर्व विद्यार्थी राज्य एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों जैसे कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, केन्द्रीय भूजल विभाग, खनिज अन्वेशण विभाग, भारतीय खान ब्यूरो, खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान भूजल विभाग, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड आदि में महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे।
7. विभाग के 10 पूर्व विद्यार्थी भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा में महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे।
8. विभाग के 18 पूर्व विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार प्राप्त हुआ।

9. विभाग के अनेक पूर्व विद्यार्थी विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रो.वाईस चांसलर, अधिष्ठाता, संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे।

कतिपय पूर्व विद्यार्थियों ने निम्नानुसार पद प्राप्त किये :-

श्री. एल. एल. भण्डारी,	सदस्य, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग
डॉ. आर.एल. मुन्शी,	उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
डॉ. पी.के. यादव	उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
डॉ. आर.पी. गोलानी	उपमहानिदेशक,भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
श्री. पी.के. वर्डिया	निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री डी. एस. मेहता	निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री एस.सी. अग्रवाल	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री आर.एस. शर्मा	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
डॉ. ए.के. वैश्य	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री. बी.एस. ढाका	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री एस.एस. जामरानी	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री टी.एस. राणावत	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री. डी.के. पोरवाल	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री एस.एन. डोडिया	अति. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग
श्री हबीब खान	अध्यक्ष, राजस्थान लोक सेवा आयोग
श्री. एस.एन. लाठी	अति. जिला कलक्टर, उदयपुर
डॉ. एम.के. पण्डया	अधिष्ठाता, विज्ञान महाविद्यालय
डॉ. पी.एस.राणावत	चेयरमेन स्पोर्ट्स बोर्ड एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण
डॉ. विनोद अग्रवाल	अधिष्ठाता, विज्ञान महाविद्यालय, चेयरमेन स्पोर्ट्स बोर्ड एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकाय अध्यक्ष
डॉ. हर्ष भू	संकाय अध्यक्ष, पृथ्वी विज्ञान संकाय

इनके अतिरिक्त डॉ. रितेश पुरोहित की पुस्तक Indian Shield Elsevier प्रकाशित हुई है।

श्री अखिल कुमार द्विवेदी विभाग में आने से पूर्व भारत सरकार के खान मंत्रालय के अधीन खनिज गवेषण निगम में वरिष्ठ भू–वैज्ञानिक पद पर रहते हुए विभिन्न राज्यों में खनिज खोज की परियोजनाओं में सम्मिलित रहे। समस्त वर्तमान संकाय सदस्य रूसा प्रोजेक्ट कर रहे हैं। डॉ अंजलि सिंह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्टार्ट अप ग्रांट प्रोजेक्ट कर रही हैं।

अकादमिक उपलब्धियाँ

1. विभाग द्वारा अपने स्थापना काल से लेकर अभी तक 30 से अधिक महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं। इनमें से कतिपय इस प्रकार हैं:–
2. वर्ष 1990 से निरन्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से Special Assistance Program के तहत शोध परियोजनओं का संचालन।
3. वर्ष 2010 से 2015 तक DST, New Delhi द्वारा FIST के तहत विशेष सहायता।
4. DST, New Delhi द्वारा विभाग में वर्ष 1998 में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना एवं तबसे लगातार उद्यमिता विकास कार्यक्रमों हेतु वित्तीय सहायता।
5. UGC, DST, Ministry of Earth Sciences, AMD, CSIR, SAP-ISRO आदि के सहयोग से विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा कई शोध परियोजनाएं चलाई गई।
6. वर्तमान में RUSA 2.0 के तहत विभाग में 10 शोध परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं।
7. विभाग द्वारा अपने स्थापना काल से लेकर अभी तक 50 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ आयोजित की गई। विभाग द्वारा प्रायः हर दो वर्ष में एक राष्ट्रीय स्तर की सेमिनार अवश्य ही आयोजित की जाती है। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष शोध छात्रों हेतु अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की जाती है। विभाग द्वारा समय–समय पर राष्ट्रीय स्तर की फील्ड वर्कशॉप भी आयोजित की जाती है।

8. डॉ. माया चौधरी वर्तमान में एनसीसी ऑफिसर के पर पर अपनी सेवाएँ दे रही हैं।

9. विभाग के पूर्व संकाय सदस्य डॉ. विनोद अग्रवाल एवं तत्कालीन कुलपति प्रो. आई. वी. त्रिवेदी के प्रयासों से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में पृथ्वी–विज्ञान संकाय को पृथक से प्रारम्भ किया गया जिसे राज्य सरकार एवं कुलाधिपति कार्यालय से मान्यता मिली। पूरे भारत में मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय ही एक मात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ पृथ्वी–विज्ञान एक संकाय के रूप में है।

10. पूरे भारत में यह एकमात्र ऐसा विभाग है जहाँ भूविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए फील्ड आधारित प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रतिवर्ष 9 फील्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए जाते हैं। जिनमें विद्यार्थियों को भाग लेना आवश्यक है।

11. विभाग का अपना एक स्वतंत्र पुस्तकालय है जिसमें लगभग 10,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग में फाउन्डर प्रोफेसर के.पी. रोडे की स्मृति में एक म्यूजियम स्थापित है जिसमें विश्व एवं भारत में प्राप्त शैलों, खनिजों, जीवाश्मों आदि का संग्रहण है। यह म्यूजियम पूरे भारत में प्रसिद्ध है तथा हर वर्ष विभिन्न विश्वविद्यालयों के भूविज्ञान के छात्र इसे देखने आते हैं।

Department of Mathematics & Statistics

Prof. G.S. Rathore
Head

Dr. Atul Tyagi
Professor

Dr. Rakeshwar Purohit
Assistant Professor

Dr. Sushil Kumar Gandhi
Assistant Professor

Dr. Ajit Kumar Bhabor
Assistant Professor

Dr. A. Krishna
Assistant Professor

Dr. Dhirendra Chhajed
Assistant Professor

Dr. Bharat Kumar Yadav
Assistant Professor

Dr. Pradeep Vishwakarma
Assistant Professor

Dr. Mahesh P. Goswami
Assistant Professor

Dr. Anita Mehta
Assistant Professor

Dr. Kirti Khurdia
Assistant Professor

Establishment and Evolution

The Department of Mathematics was established in the year 1964 under the stewardship of eminent mathematician, the then Hon'ble Vice-Chancellor Prof. G.S. Mahajani and Head of the Department, Prof. S.P. Kaushik, under the University of Udaipur. Since then, the department has been catering to the needs of proficient Mathematicians, particularly in the Southern region of Rajasthan. The Post Graduate Course in Mathematics was started from the date of the establishment of the department in 1964. In the year 1989, the department was renamed as Department of Mathematics & Statistics. Statistics was introduced as a subject at the Under-Graduate level in 1971 and at the Post-Graduate level in 1990.The Department has contributed in producing eminent scholars in the field of Mathematics and Statistics in the past.

Courses and Resources

Earlier Courses

- B.Sc. Mathematics (Annual)
- M.Sc. Mathematics (Annual-Regular)
- M.Sc. Mathematics (Annual- Non-Collegiate)
- M.Sc. Mathematics (Semester)
- Ph. D. in Mathematics
- B.Sc. Statistics (Annual)
- M.Sc. Statistics (Annual)
- M.Sc. Statistics (Semester)
- Ph. D. in Statistics

Present Courses

- B.Sc. Mathematics (Annual)
- M.Sc. Mathematics (CBCS)
- M.Sc. Mathematics (Annual- Non-Collegiate)
- Bridge Course for B.E./B.Tech. Students
- Ph. D. in Mathematics
- B.Sc. Statistics (Annual)
- M.Sc. Statistics (CBCS)
- Ph. D. in Statistics

Available Resources

The Department is well equipped with a Seminar Hall and Library, 14Teacher Rooms and 4Class Rooms. Students laboratories include a P.G. Computer Lab and one Smart Class Room &Computer Lab. The ICT Components consists of Computers, Laptops, Photo Copy & Printer Machine, Laser Jet Printer, LCD Projector, Visualizer, Interactive Board etc.

Faculty

Former Faculty Members

S.No.	Name of Teachers	Appointment Date	Retirement Date
1	Dr. S. P. Kaushik	---	---
2	Dr. Ram Kumar	---	---
3	Dr. K.S. Bhatnagar	07-05-1968	31-08-1988
4	Dr. Ashok Kumar Goyal	14-07-1982	---
5	Dr. R. K. Raina	18-08-1984	---
6	Dr. R. K. Saxena	27-09-1982	01-04-1983
7	Dr. S. H. Dwivedi	Aug. 1971	31-08-1989
8	Dr. Alka Rao	02-07-1982	17-07-1986
9	Dr. A. L. Audichya	July 1968	30-11-1987
10	Dr. C. M. Joshi	24-03-1984	31-03-2001
11	Dr. U.C. Jain	01-07-1972	30-07-1994
12	Sh. H. Solomon	August 1964	31-07-1990

S.No.	Name of Teachers	Appointment Date	Retirement Date
13	Dr. R. Shiam	25-07-1964	31-08-1991
14	Dr. S.C. Choudhary	2-02-1968	31-10-2001
15	Dr. R. S. Saxena	05-01-1970	30-09-1999
16	Sh. B. V. Murdia	31-10-1984	31-01-1997
17	Dr. Chena Ram	5-12-1990	24-01-1992
18	Dr. R. P. Patidar	24-12-1991	18-10-1993
19	Sh. M. L. Jain	19-12-1981	30-09-1982
20	Sh. P.C. Ranka	09-07-1970	30-12-1999
21	Dr. R.S. Chandel	06-02-1981	31-01-1995
22	Dr. M.S. Dulawat	05-11-1980	31-03-2013
23	Dr. V. L. Mandowara	15-05-1978	30-04-2015

Present Faculty Members

S.No.	Name of Faculty	Post Held
1	Dr. G. S. Rathore	Professor& Head
2	Dr. Atul Tyagi	Professor
3	Dr.Rakeshwar Purohit	Assistant Professor
4	Dr. S. K. Gandhi	Assistant Professor
5	Dr. A. Krishnaa	Assistant Professor
6	Dr. A. K. Bhabor	Assistant Professor
7	Dr. Dhirendra Chhajed	Assistant Professor
8	Dr. Kirti Khurdiya	Assistant Professor
9	Dr. Mahesh P. Goswami	Assistant Professor
10	Mr. Bharat Kumar Yadav	Assistant Professor
11	Dr. Anita Mehta	Assistant Professor (Statistics)
12	Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma	Assistant Professor (Statistics)

Director/HOD/In Charge

S.N.	Name of Teacher	Date	Date
1	Dr. S. P. Kaushik	1964	1967
2	Dr. U.C. Jain	1967	1971
3	Prof. Ram Kumar	1971	1976
4	Dr. H. Solomon	1976	1979
5	Prof. U. C. Jain	1979	1982
6	Prof. R. K. Saxena	1982	1983
7	Dr. A. L. Audichya	1983	1984
8	Prof. C. M. Joshi	1984	1987
9	Dr. U.C. Jain	1987	1990
10	Dr. Radhey Shiam	1990	1991
11	Dr. S.C. Choudhary	1991	1994
12	Dr. R. S. Chandel	1994	1995
13	Dr. R. S. Saxena	1995	1997

S.N.	Name of Teacher	Date	Date
14	Sh. P.C. Ranka	1997	1999
15	Dr. V. L. Mandowara	01-01-2000	31-12-2002
16	Dr. M.S. Dulawat	01-01-2003	31-12-2005
17	Dr. V. L. Mandowara	01-01-2006	31-12-2008
18	Dr. M.S. Dulawat	01-01-2009	31-12-2011
19	Dr. V. L. Mandowara	01-01-2012	15-07-2014
20	Prof. G. S. Rathore	16-07-2014	16-07-2017
21	Prof. Atul Tyagi	17-07-2017	16-07-2020
22	Prof. G. S. Rathore	17-07-2020	...

Achievements of Faculty

Dr. K. S. Bhatnagar has 6 Research Papers published in reputed journals.

Dr. R. K. Raina has 44 Research Papers published in reputed journals.

Prof. C. M. Joshi's foremost contributions is the discovery of an Asymptotic Formula for the Generalized Hyper-Geometry Function. He has accomplished a Research Project,titled "Inequalities of Generalized Hyper Geometric Functions and Polynomials",under UGC support for science research (1989-1991). Prof. C.M. Joshi has 50 published Research Papers in reputed journals. He has been a Post-Doctoral Fellow, West Virginia University, Morgntoum, U.S.A., for one year (1968-69). Prof. Joshi has also been a Visiting Asst. Professor, at the Texas A and M University College Station, Texas, USA, for two years, (1969-71). He has had a meritorious academic career, during which he attended 26 national conferences and symposiums, delivered invited lectures and been a Reviewer for Mathematical Reviews and ZentialBlettfiueMattinuous and been a member of editorial board of some Indian Mathematics Societies.

Dr. U. C. Jain is the Director of SBSH. He has57 published Research Papers in reputed journals.

Dr. S. C. Choudhary is a Member of the American Mathematical Society and a Reviewer of Mathematical Science. Hehasvisited Algeria, Constantine University, for Teaching and Research, on Govt. of India Deputation, 1980-84. He has 15 published Research Papers and is aVisiting Scientist at the Tata Institute of Fundamental Research, Bombay.

Dr. B.V. Murdia has participated in Mathematical Science.

Prof. M. S. Dulawat is Professor of Statistics, Zonal Coordinator for Rajasthan State for Major Research Project - "Changing Trends in Science as a Career", funded by the Department of Science and Technology (DST), Ministry of Science & Technology, Government of India, New Delhi (2002-2004).(Principal Investigator - Professor Rakesh Srivastava, M.S. University of Baroda). He was awarded the"Young Scientist" by the Department of Statistics, University of Rajasthan, Jaipur, Feb 1990. Prof. Dulawat has50published Research Papers in reputed journals.

Dr. V. L. Mandowara has24 published Research Papers in reputed journals.

Prof. G.S. Rathore has been aResource Person (2019), Commissione rate of College Education and Project Director (RUSA), Government of Rajasthan, Jaipur. He has presented papers at international conferences in Spain and Greece in 2010 and 2012 respectively. He has also delivered invited talks in international workshops. As convener, Prof. Rathore has organised workshops for NWADA - 2016 and Rajasthan GanitaParishad (ICRPAM-2017 & 28th ACRGP)

Prof. Atul Tyagi has organised various national and international level workshops as convener, (IWOTR-2018, NWCTER-2018). These workshops were based on themes like Operator Theory & Relativity, Computational Techniques for Education and Research and LATEX which immensely benefitted students of M.Sc. And all participants. He has also delivered invited lectures at national seminars.

Dr. S. K. Gandhi has15 years of research experience in Mathematics. His area of research is Cosmological Models In General Relativity and X-ray Pulsars, Complex Analysis.

Dr. Rakeshwar Purohit has organised an International conference as organising secretary (ICRAAAA-2019). He was also the Organizing Secretary in VII- Rajasthan Science Congress (A National Conference on Current Scenario in Science and Technology, MLSU, Udaipur 2020.

Dr. Auparajita Krishnaa has been awarded the Fellowship (New Delhi), Research Assistantship (Technical University of Nova Scotia, Halifax, Canada) and Teaching Assistantship (Clemson, USA).

Dr. Ajit Kumar Bhabor is a recipient of Aadikavi Maharshi Valmiki Gaurav Award 2016 given by Shree Mewar Wagar Malwa Janjati Vikas Sansthan, Udaipur (Raj.). He was the Co-Convenor of National Symposium on Photosynthesis (2017). He has delivered invited lectures at various colleges and universities. He has received 3 awards including including the Aadikavi Maharshi Valmiki Gaurav Award 2016, given by Shree Mewar Wagar Malwa Janjati Vikas Sansthan, Udaipur.

Dr. Dhirendra Chhajed has had a meritorious academic career (gold medal M.Sc.). He has been awarded CSUR (JRF) and CSIR (SRF).

Dr. Kirti Khurdiya has had a meritorious academic career (gold medal M.Sc). She has organised national webinars as Organizing Secretary.

Dr. Mahesh Puri Goswami has been a Key Resource Person at various national courses and workshops on mathematics and statistics education and research. He has delivered invited talks at various seminars and webinars. He is also the Reviewer of a journal "Mathematics and Statistics", USA.

Dr. Anita Mehta has been very actively involved in organising various events like national conference on statistics organized by Rajasthan Statistical Association & Department of Mathematics & Statistics, Mohanlal Sukhadia University, national webinars, online quiz competitions etc. as organising secretary.

Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma has delivered lectures and invited talks at a student workshop organised under TEQIP-III BIET, Jhansi, 2020. He has attended various national conferences and seminars and awarded for best presentation.Dr. Vishwakarma was Positioned as a Rappoteur of the technical session in VII- Rajasthan Science Congress, 2020. He also conducted the 3rd National Conference on Statistics for Science, Social Sciences and Humanities (NCSSSH-2019), organized by Rajasthan Statistical Association & Department of Mathematics & Statistics, MLSU, Udaipur, 2019.

Academic Achievements of Faculty

Prof. G.S. Rathore

(a)	No. of Research Papers published in International journals	:	40
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	10
(c)	Books authored	:	02

Prof. Atul Tyagi

(a)	No. of Research Papers published in International journals	:	18
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	26
(c)	Books authored	:	02

Dr. Rakeshwar Purohit

(a)	No. of Research Papers published in International journals	:	08
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	12

Dr. S. K. Gandhi

(a)	No. of Research Papers published in International journals	:	07
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	07

Dr. Auparajita Krishnaa

(a)	No of Research Papers published in International journals	:	06 papers, 01Chapter
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	12

Ajit Kumar Bhabor

(a)	No. of Research Papers published in International journals	:	06
(b)	No. of Research Papers published in National journals	:	04
(c)	No. of Awards	:	03

Dr. Dhirendra Chhajed

(a)	No. of research paper published in International journals	:	03
(b)	No. of research paper published in National journals	:	04

Dr. Kirti Khurdiya

(a)	No. of research paper published in International journals	:	04
(b)	No. of research paper published in National journals	:	02
(c)	No. of Awards/ Patents	:	01

Dr. Mahesh Puri Goswami

(a)	No. of research paper published in International journals	:	02
(b)	Books authored	:	02

Mr. Bharat Kumar Yadav

(a)	No. of research paper published in International journals	:	02

Dr. Anita Mehta

(a)	No. of research paper published in International journals	:	01
(b)	No. of research paper published in National journals	:	03
(c)	No. of Awards/ Patents	:	01

Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma

(a)	No. of research paper published in International journals	:	01
(b)	No. of National conference/Seminar/Workshops attended	:	06

Important Positions held by Faculty Members

Prof. C. M. Joshi

- Dean, P.G. Studies, 1993-1995.
- Dean, College of Science, 1995-1998.
- Head, Mathematics Department, 1984-87.
- Members in Various National /International Societies and Associations .

Prof. M.S. Dulawat

- Member of various Boards and Council of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur,Barkhatullah University, Bhopal,M. D. S. University, Ajmer, Kota University, Kota.
- Honorary Statistical Advisor, Ophthalmology Institute, AlakhNayan Mandir, Udaipur.

Prof. G. S. Rathore

- ❖ Member of the Committee, Department of Higher Education, Government of Rajasthan, 2019-20.
- ❖ Associate Dean, UCoS,Student Welfare,MLSU, Udaipur.
- ❖ Head, Department of Mathematics & Statistics, M L Sukhadia University, Udaipur
- ❖ Hostel Warden of the University, M L Sukhadia University, Udaipur.
- ❖ Member of the various Committees constituted by Government of Rajasthan.
- ❖ Member of the various Committees and Boards constituted by MLSU, Udaipur, Bhupal Nobles University, Udaipur, Jai Narayan Vyas University, JodhpurMDS University, Ajmer and Pacific University (PAHERU).
- ❖ Member, Board of Management, MLSU.

Prof. Atul Tyagi

- ❖ Head of the Department (July 2017 to July 2020).

Dr. Rakeshwar Purohit

- ❖ Member of Board of Management, MLSU, Udaipur 2019-20.
- ❖ In-charge, University Guest House, MLSU, 2018-20

Dr. S. K. Gandhi

- ❖ Officer In Charge, Computer Centre, University College of Science, MLSU, Udaipur from 2015 to 2017.
- ❖ ADSW,University College of Science, MLSU, Udaipur, 2020-21.

Dr. Ajit Kumar Bhabor

- ❖ Associate NCC Officer (From 2012...)
- ❖ Warden of various hostels of the university
- ❖ Member of Academic Council, Board of Management and various committees of MLSU
- ❖ Member of Unnat Bharat Abhiyan (UBA) Cell of MHRD Deptt of Govt. of India

Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma

- ❖ Joint Secretary and Member of Executive Committee of Rajasthan Statistical Association (RSA), Jaipur.
- ❖ Lifetime member of following Academic bodies namely (a)International Indian Statistical Association (IISA), (b)Indian Society of Probability & Statistics (ISPS), (c)Indian Mathematical Society (IMS), (d)Indian Statistical Institute (ISI).
- ❖ Worked as a Sector Magistrate in 2nd Phase of Panchayat Aam Chunaav-2020 during January, 2020.
- ❖ Worked as a Sector Magistrate in 2nd Phase of Panchayati Raj Sansthaon (Jilla Parshad and Panchayat Sadasya) Aam Chunaav-2020 during November, 2020.

Research Projects

Completed Research Projects

1. Prof. C. M. Joshi, Professor of Mathematics, Research Project, Titled "Inequalities of Generalized Hyper Geometric Functions and Polynomials",under UGC support for Science Research (1986).Total amount 2,58,040/-.
2. Prof. M.S. Dulawat, Professor of Statistics, Zonal Coordinator for Rajasthan State for Major Research Project - "Changing Trends in Science as a Career", funded by Department of Science and Technology (DST), Ministry of Science & Technology, Government of India, New Delhi, in 2002-2004 (Principal Investigator - Professor Rakesh Srivastava, Head, Department of Statistics, The M.S. University of Baroda, Vadodara.

Ongoing Research Projects

Research Projects under the RUSA Scheme of Research & Innovation (R & I), MHRD, New Delhi

1. Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma, Assistant Professor of Statistics, Research Projects title "Bayesian Analysis of Lifetime Models - Application to the Survival Data".Totalamount sanctioned -13,21,00/- under RUSA grant.
2. Dr. Mahesh Puri Goswami, Assistant Professor of Mathematics, Research Project titled "Applications of Bicomplex Algebra to Fundamental Electromagnetics using Fractional Calculus", total amount sanctioned 5,42,640/-, under RUSA grant.

Conferences/Seminars/Workshops organised

S.N.	Name of the Workshop/ Seminar	Date	Number of Participants
1	Three days "National Workshop on Analysis Differential Equations and Applications," NWADA – 2016	Feb. 25-27, 2016	98
2	Two days International Conference on Recent Trends in Pure and Applied Mathematics and 28th Annual Conference of Rajasthan GanitaParishad (ICRPAM-2017 & 28th ACRGP)	Feb. 13-14, 2017.	183
3	One Day International Workshop on "Operator Theory & Relativity" IWOTR-2018	Feb. 22, 2018	85
4	Five-days National Workshop on "Computational Techniques for Education and Research" NWCTER-2018	Nov. 19-23, 2018	44
5	One day workshop on "LATEX" for students ofM.Sc. I Semester of Mathematics and Statistics	Oct. 13, 2018	85
6	One day workshop on "LATEX" for students of M.Sc. III Semester of Mathematics and Statistics	Oct. 27, 2018	66
7	Two days "National Conference on Statistics for Sciences, Social Sciences and Humanities" from 13-14 Sept. 2019	Sept. 13-14, 2019	82
8	Three days "International Conference on Recent Advanced in Algebra, Analysis and Application" ICRAAAA-2019	Dec. 20-22, 2019	150
9	Two days National Webinar on "Explore Mathematics to New Dimensions on Pandemic: COVID-19"	June 12-13, 2020	230
10	One-Day National Webinar on "Better Data Better Lives"	June 29, 2020	400
11	Online Quiz on the occasion of "National Statistics Day"	June 29, 2020	90
12	Online One day Webinar on "Artificial Intelligence in Perception of National Education Policy 2020.	Nov 11, 2020	80

Important Dignitaries that Visited the Department

S.No.	Name	Purpose
1	Prof. C. C. Gujarathi, Deptt. of Statistics, S.P. University, V.V. Nagar, Anand, Surat, (Gujrat)	Guest faculty lectures
2	Prof. R. S. Tikekar, Deptt. of Mathematics, S. P. Univ., Anand	Extension Lectures
3	Prof. J. L. Bansal, Deptt. of Mathematics, Univ. of Rajasthan, Jaipur	Extension Lectures
4	Dr. R. K. Jain, Deptt. of Statistics, Delhi	Guest faculty lectures
5	Prof. S.C. Gupta, Professor of Mathematics, Indian Institute of Science, Bangalore	Delivering a talk

S.No.	Name	Purpose
6	Prof. D. P. Sinha, Department of Mathematics, University of Delhi, Delhi	Extension Lectures
7	Prof. S. K. Kaushik, Department of Mathematics, University of Delhi, Delhi	Extension Lectures/Talks
8	Prof. V. P. Gupta, University of Rajasthan, Jaipur	Guest faculty lectures
9	Prof. P. C. Gupta, Veer Narmad South Gujarat University, Surat	Guest faculty lectures
10	Prof. R. Srivastava, University of Baroda, Baroda	Guest faculty lectures
11	Prof. C. C. Gujarathi, Deptt. of Statistics, S.P. University, V.V. Nagar, Anand, Surat, (Gujrat)	Guest faculty lectures
12	Prof. R. S. Sharma, University of Rajasthan, Jaipur	Guest faculty lectures
13	Dr. M. C. Shah, University of Rajasthan, Jaipur	Guest faculty lectures
14	Prof. Dr. N. R. Ladha, Gujarat University, Ahmedabad, Gujrat	Extension Lectures
15	Prof. Novikov of Russia	Invited Talk
16	Prof. A. Makarov of Russia	Extension Lectures
17	Prof. S. K. Kaushik, Delhi University, Delhi	Invited Talk
18	Dr. S. K. Kaushik, , Delhi University, Delhi	Invited Talk
19	Prof. R.S. Titkekar, Professor Emeritus, IUCAA, Pune	Extension Lectures
20	Prof. Rakesh Srivastava from Baroda	Guest faculty lectures
21	Prof. J. S. Parihar from Bhopal	Guest faculty lectures
22	Prof. Maithli Sharan, Department of Mathematics, Centre for AtmosphericSciences , I. I. T.,New Delhi	Invited Talk
23	Prof. Maithli Sharan, Department of Mathematics, Centre for Atmospheric Sciences , I. I. T.,New Delhi	Invited Talk
24	Prof. R.A. Zalik, Auburn University, USA.	Invited Talk
25	Prof. AkramAldroubi, Deptt. of Mathematics, Van Derbilt University, USA.	Invited Talk
26	Dr. S. K. Kaushik, Deptt. of Mathematics, K.M. College, Delhi University, Delhi.	Extension Lectures
27	Prof. H.S. Dhami, Vice-Chancellor, Kumanu University, Nainital.	Extension Lectures
28	Prof Gurmeet Singh, Deptt. of Mathematics, Khalsa College, Patiala University, Patiala.	Extension Lectures
29	Dr. Vikram Agarwal, Deptt. of Mathematics, Patiala University, Patiala.	Extension Lectures
30	Prof. Raj Bali, Jaipur.	Extension Lectures
31	Prof. S. K. Kaushik, K. M. College, Delhi University, Delhi	Extension Lectures
32	Col. Hari Bhagwan, Commanding Officer, 10 Raj. Bn. NCC, Udaipur	Invited talk
33	Dr.Ramveer Sharma Singh and Dr. Pramod Sharma of M. M. Malviya Aurvedic College , Udaipur	Extension Lectures
34	Prof. Ariyadasa Aluthgefrom USA	Delivered lectures
35	Prof. Serife Faydaoglu from Turkey	Delivered lectures
36	Prof. R.P. Sharma, Deptt. of Mathematics, Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla.	Invited Talk
37	Sh. Mahesh Chandra Sharma, Lawyer, Udaipur.	Extension lectures
38	Prof. AkramAldroubi, Department of Mathematics, Vanderbilt University, USA.	Invited Talk
39	Prof. R. A. Zalik, Department of Mathematics, Auburn University, USA.	Invited Talk
40	Prof. Ilya Krishtal, Department of Mathematics, Northern Ilinoin University, USA.	Invited Talk
41	Prof. S.K. Kaushik, Department of Mathematics, Delhi University, Delhi.	Invited Talk
42	Prof. Asgar Rahimi, Deptt. of Mathematics, University of Maragheh, Iran.	Invited Talk

S.No.	Name	Purpose
43	Prof. Mart Abel, School of Digital Technologies, Tallinn Un iversity, Tallinn, Estonia.	Invited Talk
44	Prof. Mati Abel, Institute of Mathematics, University of Tartu, Estonia.	Invited Talk
45	Prof. Juan H. Arredondo, Deptt. of Mathematics, Metropolitan Autonomous University, Mexico City, Mexico.	Invited Talk
46	Ex. Prof. Reyna Maria Perez, Tiscareno Metropolitan Autonomous University, Mexico.	Invited Talk
47	Prof. Gabriel Kantun Montiel, Deptt. of Mathematics, BUAP, FCFM, Mexico.	Invited Talk
48	Prof. S.K. Kaushik, Department of Mathematics, Delhi University, Delhi.	Invited Talk
49	Dr.Sumit Kumar Sharma, Department of Mathematics, Delhi University, Delhi.	Invited Talk
50	Prof. David Hangal, Savitribai Phule Pune University, Pune	Invited Talk

Other Important Achievements

Centre for Indian National Mathematical Olympiad (INMO Centre)

Department is being recognized as Centre for "Indian National Mathematical Olympiad Examination" for Mathematics subject for last several years.

Achievements of Former and Present Students

Dr. Ajit Kumar Bhabor

- Best NCC Officer Award
- Aadikavi Maharshi Valmiki Gaurav Award 2016, given by Shree Mewar Wagar Malwa Janjati Vikas Sansthan, Udaipur.

Dr. Dhirendra Chhajed

- Gold Medal- M.Sc. Mathematics 1999
- NET CSIR - JRF 2000

Dr. Kirti Khurdiya

- Gold Medal- M.Sc. Mathematics
- Gold Medal - Highest marks in M. Sc. Mathematics in Rajasthan

Dr. Anita Mehta

- Gold Medal - M.Sc. Statistics 1996

Important Posts held by Former Students

S.No.	Name	Designation	Post
1	Dr. Rakeshwar Purohit	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statis tics, UCoS, MLSU
2	Dr. S.K. Gandhi	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
3	Dr. Auparajita Krishnaa	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
4	Dr. Ajit Kumar Bhabor	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
5	Dr. Dhirendra Chhajed	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
6	Dr. Kirti Khurdiya	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
7	Mr. Bharat Kumar Yadav	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
8	Dr. Anita Mehta	Assistant Professor	Deptt. of Mathematics& Statistics, UCoS, MLSU
9	Mr. Bhagwati Prasad Kalal	IAS	Collector, Sirohi
10	Mr. C. L. Menaria	ISS 1981-82	Delhi, (Retd.)

S.No.	Name	Designation	Post
11	Mr. Sunil Kumar Bhanawat	ISS 1999	Director, NSSO (DPC) MoSPI, GOI, Ahmedabad
12	Mr. Rajit Chakravarty	Director	Decision Science & Data Strategy, The Coca Cola Company, Atlanta, USA
13	Dr. Azad Murdiya	Prof. Statistics	RCA, MPUAT,Udaipur
14	Dr. H. K. Jain	Prof. Statistics	RCA, MPUAT, Udaipur
15	Dr. B. Upadhyay	Prof. Statistics	RCA, MPUAT, Udaipur
16	Mr. Jagdish Somani	General Manager	Vipul Industry Pvt.Ltd.Gujarat
17	Mr. Mukesh Kumar	Data Analyst	ICICI, RSETI, Rajasthan
18	Mr. Madhoo Singh Rao	Joint Secretary	Director's Cadre Plan-Finance, Department of Planning Secretariat, Jaipur
19	Mr. Jinendra Kumar Jain	Joint Director of Statistics	Commissioner's Office, Udaipur
20	Mr. Vinesh Singhvi	Joint director and DSO	Finance Department, Jaipur
21	Ms. Jyoti Mehta	Joint Director	M. L. V. Tribal Research & Training Institute, Udaipur
22	Mr. K.L. Jawariya	Deputy Director General	Scientist 'G', NIC, HQ New Delhi
23	Mr. Ashok Kawdia	Businessman &Director	Ultra Tech Cement Ltd. & Director: Charteted Capital & Investment Ltd., Charteted Logistic Ltd.
24	Mr. B.L. Pitaliya	Technical Director & DIO	National Informatics Centre (NIC), Ministry of Communication & Information Technology, New Delhi
25	Mr. Dishant Sagwaria	President & CEO	Dealmoney Securities Pvt. Ltd., Mumbai
26	Mr. Vinod Somani	Data Analytics Lead	Shell Oil, Chennai
27	Dr. Radheshyam Rai	Prof. & Director (Deptt. of Decision Science)	Amity University, Noida (U.P.)
28	Dr.Chetna Dixit	ISS-2004, Director	National Accounts Division (NAD), CSD, New Delhi
29	Ms. Neha Srivastav	ISS-2007, Joint Director	New Delhi
30	Ms. Neha Kalra	ISS, Deputy Director	New Delhi
31	Ms. Sonia Sharma	ISS-2010, Deputy Director	Ministry of Defence, New Delhi
32	Dr. Anita Bhagora	ACTO	Govt. of Raj. (Jaipur)
33	Dr. Dwarika Prasad	Dean	Flame University
34	Ms. Teena Choudhary	Income Tax Inspector	Income Tax Deptt. Jaipur
35	Ms. Hitika Kapoor	Bank Manager	BOB, Bhilwara
36	Dr. Gajendra Purohit	Director, Basic Science	Pacific University, Udaipur
37	Mr. Lokesh Kumar Mourya Regar	B.S.O.	Planning Deptt. (Dhariyawad)
38	Ms. Pooja Soni	S.I. (Goa)	CRPF
39	Ms. Kiran Gaur	Associate Professor	Sri. K.N. College of Agri, Jobner, Jaipur
40	Dr. Devendra Singh Chouhan	Assistant Professor	Sir Padampat Singhania University, Udaipur
41	Dr.Bharkha Rani Tripathi	Assistant Professor	Vidhya Bhawan Rural Institute, Udaipur
42	Dr. Mayank Karan S. Ranawat	Assistant Professor	Pacific University, Udaipur
43	Dr. Arvind Sharma	Assistant Professor	Sir Padampat Singhania University, Udaipur
44	Dr.Preeti Mehta	Assistant Professor	B.N. University, Udaipur
45	Dr. Sapna Shrimali	Assistant Professor	Vidyapeeth, Janardhan Rao Nagar University, Udaipur
46	Dr. Gajendra Pal Singh	Assistant Professor	Geetanjali Institute of Technical Studies, Udaipur
47	Mr. Gajendra Porwal	Assistant Professor	Geetanjali Institute of Technical Studies, Udaipur
48	Dr.Payal Jain	Assistant Professor	Techno NJR, Udaipur
49	Ms. Kajal Khatri	Assistant Professor	Simalvada, Dungarpur
50	Ms. Neha Pokharna	Assistant Professor	VBGIES, Udaipur
51	Dr. Ajit Singh Solanki	Assistant Professor	B.N. University, Udaipur
52	Dr.Chandrapal Singh Chouhan	Assistant Professor	B.N. University, Udaipur
53	Mr. Vikas Jorwal	Assistant Professor	University of Delhi, New Delhi
54	Ms. Anupama Singh	Assistant Professor	Deptt. of Statitics, University of Lucknow, Lucknow, (U.P.)

S.No.	Name	Designation	Post
55	Ms. Savitri Joshi	Assistant Professor	NarseeMonjee Institute of Management Studies, Mumbai
56	Ms. Poonam Jorwal	Assistant Professor	Lakshmibai College, University of Delhi, New Delhi
57	Mr. Jeevan Kumar Regar	Lecturer, Mathematics	Suyash College, Rashmi
58	Mr. Panna Lal Dhaker	Lecturer, Mathematics	U.S. Ostwal College
59	Mr. Deepak Arya	Lecturer, Mathematics	U.S. Ostwal College
60	Ms. Abhilasha Meena	Ist Grade Teacher	Govt. School
61	Mr. Mohit Khatik	Ist Grade Teacher	Govt. School
62	Mr. Laxmi Lal Jat	IInd grade Teacher	Govt. Sen. Sec. School,Bidyar, Mavli, Udaipur
63	Mr. Mahesh Joshi	IInd grade Teacher	Kherwada
64	Ms. Teena Mistri	IInd grade r Teacher	Nathadwara
65	Ms. Ayushi Jain	IInd Grade Teacher	Govt. Sen. Sec. School, Banswara
66	Ms. Kiran Chaplot	II Grade Teacher	Bhesdakala
67	Ms. Aditi Singh Panwar	IInd Grade Teacher	Govt. Sen. Sec. School, Jagat
68	Ms. Kavita Rao	IInd Grade Teacher	Govt. School, Bhatera, Bhindar
69	Ms. Manisha Katara	IInd grade Teacher	Govt. School
70	Ms. FarhinBanoBehlim	IIIrd Grade Teacher	Govt. School, Devgarh (Rajsamand)
71	Ms. Monika Panwar	IIIrd Grade Teacher	Upper Primary School, Devgarh, Rajsamand
72	Ms. Pragya Swarnkar	IIIrd Grade Teacher	Middle School, UmpuraMagra
73	Mr. Tohid Ahemad	IIIrd Grade Teacher	Govt. Sen. Sec. School, Dovra, Dungarpur
74	Ms. Deepika Meghwal	3rd Grade Teacher	G.U.P.S., BovasPiladar, Block - Sarada
75	Ms. Ranu Goutam	Teacher, Mathematics	Aagam School, Umreth, Anand (Gujarat)
76	Mr. Ajay Sen	Teacher	Rishabhdev
77	Ms. MamtaKalra	Statistics Officer	Udaipur
78	Rohit Kumar Jain	Investigator	Divisional Evaluation office, Udaipur
79	Dr.Sanjay Agarwal	Block Statistical Officer	Directorate of Economics and Statistics, Department of Planning, Udaipur
80	Mr. Bharat Kumar Joshi	Statistical Officer	Udaipur
81	Virendra Vikas Sahu	Statistical Officer	Economic & Statistics Office, Rajsamand
82	Ms. Divya Dharma	Statistician	Ananta Institute of Medical Sciences and Research, Udaipur
83	Dr.Nitu Mehta	Assistant Statistician	Rajasthan College of Agriculture, Udaipur
84	Ms. NitikaNagda	Assistant Statistical Officer	Deptt. of Economics & Statistics, RCHO, Banswara
85	Ms. Dimpal Jain	Sanganak (Statistics)	Deptt. of Statistics &Econimics, Gogunda, Udaipur
86	Ms. Prerana Sharma	Data Scientist	Map My India, New Delhi
87	Mr. Ramkishor Sharma	Field Investigator	National Statistics Office, Udaipur
88	Ms. Monika Chundawat	Patwari (Revenue)	AmrityaAspur, Tehsil : Dungarpur
89	Mr. Virendra Pratap Singh Ranawat	UDC	RPSC, Deptt. of Personnel Secretariat, Jaipur
90	Ms. Garima Parmar	LDC	Govt. Sen. Sec. School, Bhudhar (Rishabhdev)
91	Ms. Jigyasa Jain	LDC	School Education
92	Mr. Ankit Patel	LDC	Govt. Sen. Sec. School, Kojawara (Rishabhdev)
93	Ms. Rinku Rathore	Computer Analyst	Divisional Evaluation Office, Udaipur
94	Ms. Pinal Singh Ranawat	Computer Analyst	RSMSSB, Rajasthan
95	Ms. Dimple Jain	Computer Analyst	RSMSSB, Rajasthan

Department of Microbiology

Dr. Namita Ashish Singh
Assistant Prof. & Incharge Head

Establishment & Evolution

The Department of Microbiology was established in 2010.

Courses

M.Sc. (CBCS) Microbiology, Ph.D. Programme. The Department undertakes various research activities on a regular basis.

Available Resources

PG Lecture Theatres&Labs,Computer Lab, Student Library, Seminar Room etc.are shared with Department of Biotechnology.

Faculty

Assistant Professor, Dr. Namita Ashish Singh-2018

Course Directors

- Prof. S.D. Purohit-2010
- Prof. Kanika Sharma-2012
- Prof. Rajesh Kr. Dubey-2018
- Prof. Kanika Sharma-2020

Achievements

Dr. Namita A. Singh

- **Research Publications**- 14

  Book Chapters- 2

- **Awards**- 5

  Dr. Namita A. Singh has received 05 Awards including the Academic Pride Award 2017 from IMS Ghaziabad and SERS Excellence in Teaching Award at the International Conference 2016 at SRM University, Ghaziabad. She has presented Papers at various national and international conferences and received the best paper presentation award several times.

- **Patents (Granted)**- 2

1. Patent entitled "Process of preparing a Spore Inhibition Based Enzyme Substrate Assay for monitoring Aflatoxin M1 in Milk", Dr. Naresh Kumar, Namita Ashish Singh, Vinai Kumar Singh, Dr. Sunil Bhand, Dr. R. K. Malik. Application No. 3064/DEL/2010 Granted, Patent No. 292836.

2. Patent entitled "Real time detection of Enterococci in dairy foods using spore germination based bioassay" (Dr. Naresh Kumar, Ms. Gurpreet Kaur, Ms. Geetika Thakur, Mr. Raghu HV, Ms. Namita Ashish Singh, Ms. Nishu Raghav, Mr. Vinai Kumar Singh, Application No.119/DEL/2012, Granted, Patent No. 325986

Research Projects (Ongoing)

- University Grants Commission (UGC) New Delhi funded project entitled "To study the bacterial flora, their antimicrobial properties and shelf life of goat milk of Udaipur district, Rajasthan" as Principal Investigator (PI) for an amount of Rs. 10.00 Lakhs since June 2019 for a period of two years (2019-2021).
- RUSA funded roject entitled "Evaluation of Neuroprotective Effect and its underlying Molecular Mechanism by Costusspeciosus, a traditional medicinal plant of Udaipur district, Rajasthan", as Co-Principal Investigator for an amount of Rs. 30.00 Lakhs, since May 2020, for a period of one year.

Conferences Organized: 02

- National Webinar on "National Education Policy 2020: Research Aspects and Key Proposals" on November 11th, 2020 under the aegis of Mahatma Gandhi National Council of Rural Education and Department of Higher Education, Ministry of Education at MLSU, as Organizing Secretary (Approximately 100 students and faculties participated).
- International Webinar entitled "Career Prospects in Life sciences: Let's explore" on 7th June 2020 at MLSU, as Organizing Secretary (Approximately 400 students and faculties have participated).

Achievements of Alumni

- **Rajesh Kumar Jatav**- Technical Assistant,Bampu Health Pvt Ltd. Bengaluru
- **Gaurav Gupta**- Botany Faculty,Gurukripa Career Institute
- **Aakansha Guruji**- Senior Lab Technician,RVRS Medical college, Bhilwara
- **Kajal Joshi**- Research Assistant,Pesticides of India
- **Shiwani Lodha**- Research Assistant, PI industries Ltd.
- **Kiran Meena**- Senior Lab Technician, Govt Medical College, Dungarpur
- **Kuldip Singh**- Microbiologist, Western Drugs, Udaipur
- **Gajendra Singh Dandi**- Senior Lab Technician, Govt Medical College, Dungarpur
- **Neha Paliwal**- Analyst(Food Lab), RNT Medical College, Udaipur

Department of Pharmaceutical Sciences

Prof. C. P Jain
Head

Prof. Lalit Singh Chouhan
Professor

Dr. Sunita Panchawat
Assistant Professor

Dr. Joohee Pradhan
Assistant Professor

Dr. Garima Joshi
Assistant Professor

Dr. Veenu Bala
Assistant Professor

Dr. Deepak Choudhary
Assistant Professor

Dr. M. L. Chouhan
Assistant Professor

Dr. Mukesh Meena
Assistant Professor

Dr. Saurabh Sinha
Assistant Professor

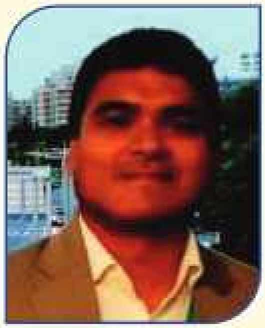

Dr. Vivek Jain
Assistant Professor

Establishment & Evolution

The Department was established in 1994 with a mission to satisfy the quest of budding pharmacists and ensure competence among the students of Pharmacy, as well as to spread awareness regarding safe use of medicines, thereby promoting health in the society. Initially, it was started with a Diploma Course in Pharmacy which was then upgraded to a Degree Course in 1998. This is the only University Department in the State of Rajasthan, which is imparting educating in Pharmacy. The Department is approved by the Pharmacy Council of India (PCI), as well as the All India Council for Technical Education (AICTE). It also has several Research Projects granted by various funding agencies like UGC, DST-SERB and RUSA.About 30 students have graduated with Doctoral degree till date.The vision of the Department is to develop as a center of excellence for pharmacy education and to train the students as pharmacists with knowledge and moral values.

Courses & Resources

Present Courses

- ❖ B. Pharm
- ❖ Ph.D

Earlier Courses

- ❖ D. Pharm. (1994-98)
- ❖ B. Pharm.
- ❖ M. Pharm. (2006-2008)
- ❖ Ph.D

Available Resources

The Department is spread over an area of about 5 acres with robust infrastructure, including fully equipped laboratories, and a medicinal garden. The Department hasadvanced instruments required for effective research, teaching and learning. The infrastructure includes 02 Classrooms, 05 Laboratories, 01 Research Lab, 01 Seminar Room, 02 Instrument rooms, 08 Staff rooms, 01 Library, Office, Head Room, Computer lab, Store room and Machine room. The major instruments include HPLC, UV/Visible Spectrophotometer, Rotavapor Assembly, Refrigerator centrifuge, Tablet Punch Machine, Digital Balance with sensitivity 0.00001mg, Brookfield Viscometer, Digital Conductivity Meter, Tablet Disintegration Test Apparatus

Faculty

The Department at present has 11 well-qualified teachers in all the specializations of Pharmaceutical Sciences, i.e. Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry, Pharmacology and Pharmacognosy. The faculty of the Department has published more than 250 papers in various national and international journals of repute.

Name of the Faculty	Year of Joining	Year of Leaving/ Superannuation
Prof. P. K. Choudhury	1994	2020
Dr. A.K. Jha	1994	1998
Dr. Indrajeet Singhavi	1997	2007
Prof. C. P. Jain	1995	...
Prof. L. S. Chauhan	2012	...
Dr. Sunita Panchawat	2012	...
Dr. Joohee Pradhan	2012	...
Dr. M. L. Chouhan	2014	...
Dr. Garima Joshi	2014	...
Dr. Saurabh K. Sinha	2014	...
Dr. Deepak Choudhary	2014	...
Dr. Veenubala	2014	...
Mr. Mukes h K. Meena	2014	...
Dr. Vivek Jain	2018	...

Name of Head	Tenure
Dr. P. K. Choudhury (In Charge)	07-09-1996 to 10-10-1999
Dr. C. P. Jain (In Charge)	11-10-1999 to 30-08-2001
Dr. P. K. Choudhury	01-09-2001 to 14-02-2006
Dr. C. P. Jain (In Charge)	08-05-2006 to 06-04-2007
Dr. P. K. Choudhury	07-04-2007 to 31-08-2007
Dr. C. P. Jain	01-09-2007 to 31-08-2010
Dr. P. K. Choudhury	01-09-2010 to 31-08-2013
Dr. C. P. Jain	01-09-2013 to 31-08-2016
Dr. L. S. Chauhan	01-09-2016 to 31-08-2019
Dr. P. K. Choudhury	01-09-2019 to 30-11-2020
Dr. C. P. Jain	1-12-2020 ....

Achievements of Faculty

Prof. P.K. Choudhury

- Chaired several prestigious scientific and technical sessions and conferences in India and abroad.These include VII- Rajasthan Science Congressat MLSU, Udaipur, BHU, and IBRO-APRC, International Brain Research Organisation,France.
- Member of several Advisory Boardsof National Seminars on pharmacy.
- Convener of International Congress at the Indian Society of Chemists and Biologists.
- Co-Patron of National seminar,Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU
- Delivered various invited talks and lectures all over India
- Received the Academic Leadership Award for providing academic leadership in the area of Pharmaceutical Sciences by Society for promotion of Science, Education and Research 92019)

Prof. C. P. Jain

- Academic Leadership award for providing academic leadership in the area of Pharmaceutical Sciences by Society for promotion of Science, Education and Research(2019)
- Young Scientist Award for Excellence in Research by M. P. Council of Science and technology, Bhopal (1994).
- Co-Patron of National seminar, Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU
- Speaker and guest of honour at various prestigious events
- He has been actively involved in organizing various national seminars, conferences and webinars.
- He has chaired various technical and scientific sessions and been a Convener of International Congress at the Indian Society of Chemists and Biologists.
- He has also been a member of the advisory board of various national seminars including at the Indian Institute of Science, Bengaluru, India and Indian Pharmacy Graduates' Association.
- Member of various committees of MLSU, Udaipur

Prof. L. S. Chauhan

- Convener of International Congress at the Indian Society of Chemists and Biologists and a National Seminar organized by the Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Dr. Sunita Panchawat

- Rapporteur of the technical session at VII- Rajasthan Science Congress
- Delivered Extension Lectures on Positive Attitude, Herbal Toxicity, and Banned Drugs in India.

- Attended various national and international conferences, presented research papers and received Prof. R. S. Paroda Best Presentation Award (First Prize)
- Active involvement in organizing seminars, webinars and conferences and other events of the department

Dr. Joohee Pradhan

- Delivered Extension Lectures on the rational use of medicines, antibiotics and drugs
- Presented papers at various national and international conferences and awarded for best paper and poster presentation Prof. R. S. Paroda Best Presentation Award (Second Prize) at VII- Rajasthan Science Congress (2019)
- APP 6TH Indo-US Conference, B N University
- Delivered extention lectures at various prestigious events.
- Active involvement in organizing seminars, webinars and conferences and other events of the department

Dr. Deepak Choudhary

- Prof. R. S. Paroda Best Presentation Award (Second Prize) at VII- Rajasthan Science Congress (2019) organized by University College of Science, MLSU, Udaipur (Raj.)

Dr. Garima Joshi

- Rapporteur of the technical session in VII- Rajasthan Science Congress (2019)
- Prof. R. S. Paroda Best Presentation Award (First Prize) at VII- Rajasthan Science Congress organized by University College of Science, MLSU, Udaipur (2019)
- Nominated as post graduate meritorious alumini in the Board of Pharmaceutics, Lachoo Memorial College of Pharmacy, Jodhpur (2015)

Dr. Veenu Bala

- Awarded First prize (Poster Presentation) at National Conference at Pacific College of Pharmacy, Udaipur (2015)
- Distinguished Career Achievement Award by CSIR, CDRI, Lucknow (2015)

Dr. Vivek Jain

- Young Scientist Award for Excellence in Research 2018, at the International Conference (ICIPMBS-2018) organized by Innovative Pharmacist Group & Oriental University, Indore (2018)
- Delivered lecture at national conference organized by Department of Psychology, MLSU, Udaipur

Academic Achievements of Faculty

Name of Faculty	No. of Papers/ Books/ Chapters published/Patents
Prof. P. K. Choudhury	No. of Publications: 65 No. of Books: 01
Prof. C. P. Jain	No. of Publications: 70 No. of Books: 01
Prof. L. S. Chauhan	No. of Publications: 46
Dr. Sunita Panchawat	No. of Publications: 26 No. of Books/ Book Chapters: 03
Dr. Joohee Pradhan	No. of Publications: 18
Dr. M. L. Chouhan	No. of Publications: 16
Dr. Garima Joshi	No. of Publications: 15 No. of Books/ Book Chapters: 04

Name of Faculty	No. of Papers/ Books/ Chapters published/Patents
Dr. Saurabh K. Sinha	No. of Publications: 16 Patent: 01 (Cholinesterase inhibiting compounds, compositions and process thereof; 2018)
Dr. Deepak Choudhary	No. of Publications: 10 Patent: 01(Anti-Diabetics agents, compositions and process for preparing the same; 2016)
Dr. Veenu Bala	No. of Publications: 22 Patent: 01(Carbodithiolates with spermicidal activity and process for preparation thereof; 2014)
Mr. Mukesh K. Meena	No. of Publications: 06
Dr. Vivek Jain	No. of Publications: 22

Important Positions held by the Faculty Members

Name of the faculty member	Important Position Held	Tenure
Prof. P. K. Choudhury	Member, Board of Management, MLSU	26-08-2020 to 30-11-2020
Prof. P. K. Choudhury	Chairman, Faculty of Science, MLSU	04-10-2020 to 30-11-2020
Prof. L. S. Chouhan	Chief Proctor, MLSU	08-03-2016 to 07-03-2017

On-going and Completed Research Projects

S. No.	Title of the Project	Name of Principal Investigator	Funding Agency	Amount Sanctioned	Duration	Ongoing/ Completed
1	Conjunction Based Drug Design Approach in Search of Third Generation Anti epileptics: Design, Synthesis, Anticonvulsant Evaluation and Computer Aided Drug Design Studies of 4-(5-phenyl-1Hpyrazol-3-yl) benzenamine derivatives	Dr. Joohee Pradhan	RUSA, MHRD, New Delhi	50 Lakhs	1 Year (2019-20)	Ongoing
2	Design, Development and Characterization of OralNanoformulation for Treatment of Cancer	Dr. Garima Joshi	RUSA, MHRD, New Delhi	50 Lakhs	1 Year (2019-20)	Ongoing
3	Design, synthesis, evaluation and kinetic studies of derivatives of 4-aminopiperidine as potential antiamnesic and cognition enhancing agents	Dr. Saurabh Kumar Sinha	RUSA, MHRD, New Delhi	50 Lakhs	1 Year (2019-20)	Ongoing
4	In vitro and in vivo screening of poly herbal formulation (PHF-1) in age induced Alzheimer disease in Mice	Dr. Vivek Jain	RUSA, MHRD, New Delhi	50 Lakhs	1 Year (2019-20)	Ongoing
5	*In silico*, *In vitro* and *In vivo*screeening of carvacrol for the treatment of chemotherapy induced neuropathic pain in rats	Dr. Vivek Jain	UGC	10 Lakhs	2 Years (2019-21)	Ongoing

S. No.	Title of the Project	Name of Principal Investigator	Funding Agency	Amount Sanctioned	Duration	Ongoing/ Completed
6	Formulation and characterization of lectin conjugated microspheres for bioavailability enhancement	Dr. Garima Joshi	UGC	6 Lakhs	2 Years (2016-2018)	Completed
7	"Novel and Potent Agents to Tackle Resistant Trichomoniasis"	Dr. VeenuBala	UGC	6 Lakhs	2 Years (2016-2018)	Completed
8	Design, synthesis and evaluation of some dual β-secretase/cholinesterase inhibitors for management of Alzheimer's diseases.	Dr. Saurabh Kumar Sinha	UGC	6 Lakhs	2 Years (2016-2018)	Completed
9	Formulation and Evaluation of Self Micro-emulsifying Drug Delivery System of Some Poorly Water Soluble Drugs.	Dr. Deepak Choudhary	UGC	6 Lakhs	2 Years (2016-2018)	Completed
10	Design, Synthesis and Evaluation of Heterocyclic Molecules as PPAR α/γ Dual Agonist for Management of Type II Diabetes	Dr. Mangilal Chouhan	UGC	6 Lakhs	2 Years (2016-2018)	Completed
11	Design and Synthesis of 2-Amido-4-aminoquinazoline Derivatives as Small Molecular EGFR Tyrosine Kinase Inhibitors for the Management of Cancer Therapy	Dr. Mangilal Chouhan	DST-SERB	35.51 Lakhs	3 Years (2018-2020)	Ongoing

S. No.	Programs/Seminars/ Workshops organized	Date	Number of Participants
1.	One day Webinar on "Inspire and Lead through communication" (AnandamDiwas)	December 7th, 2020	74
2.	Webinar on Job Opportunities In Pharma Field & NEP 2020	November 11th, 2020	86
3.	Global Webinar on Carrier options for Pharmacy Graduates	June 13th 2020	122
4.	Carrier in Medical Coding for Pharmacy and Life Sciences students	May 16th , 2020	72
5.	IBRO-APRC Associate School of Neuroscience	August 5th to 11th, 2019	53
6.	International Congress on "Plant based natural products: Phytocosmetics, Phytotherapeutics and Phytoneutraceutics" (In collaboration with Indian Society of Chemists and Biologists, Local chapter, Udaipur (Raj.)and International Society of Phytocosmetic Science, Bostan, USA)	February 19-21, 2018	101
7.	One Day National Seminar on Industrial Advancement and Academic Research: A Correlation (IAAR-2018)	20th March, 2018	250

Important Dignitaries that visited the Department

S. No.	Name of Important Dignitaries Visited	Date	Purpose of Visit
1.	Prof. Ishwar Parhar, Monash University, Malaysia	August 5th, 2019	As a Keynote Speaker in IBRO-APRC Associate School of Neuroscience on Neurological Disorders: Advances in Research Techniques & Management
2.	Prof. Pravat Kr. Manda l, NBRC, Manesar	August 5th, 2019	Delivered a talk on "The Clinical aspect of Neuroimaging and implication in Alzheimer's Disease"
3.	Dr. Deepika Shukla, Scientist, NBRC, Manesar	August 5th, 2019	Delivered a talk on: Early diagnostic prediction using multimodal Artificial Intelligence
4.	Prof. Dr. Ullrich Wüllner, University of Bonn, Germany	August 6th, 2019	Delivered a talk on: Parkinson's Disease: Past Present and Future
5.	Prof. Sharmista Dey, AIIMS, New Delhi	August 6th, 2019	Delivered a talk on: Novel Blood based Biomarkers of Alzheimer's Disease
6.	Dr. AtulabhVajpeyee, Neurologist,Pacific Medical College & Hospital, Udaipur	August 7th, 2019	Delivered a talk on: Cell free DNA: A Novel Predictor of Neurological outcome after Intravenous Thrombolysis and/or Mechanical Thrombectomy in Acute Ischemic Stroke Patients
7.	Dr. Daman Preet Singh, Scientist, CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology, Palampur (H.P.), India	August 7th, 2019	Delivered a talk on: Zebrafish as an Experimental Model in Biomedical Research: Focus on Preclinical Epilepsy Research
8.	Dr. Mandakini Goel, Senior Solution Consultant, Clarivate Analytics	August 7th, 2019	Delivered a talk on: Integrity, a Cortellis solution
9.	Prof. Noel Buckley , University of Oxford, UK	August 8th, 2019	Delivered a talk on: Modelling Neurodegeneration Using Human Stem Cells?
10.	Prof. P. N. Yadav, CDRI, Lucknow	August 8th, 2019	Delivered a talk on: The Two Facets Kappa Opioid Receptor in Neuropathic Pain & Major Depression
11.	Dr. Balaji Jayaprakash, India n Institute of Science,Bangalore, India)	August 8th, 2019	Delivered a talk on: Role of Neocortical Networks During Encoding, Retrieval and Usage of Related Memories
12.	Dr. Ajit Singh, Neurosurgeon, GBH, American Hospital, Udaipur	August 8th, 2019	Delivered a talk on: Head Injury: Management & Prevention
13.	Prof. Vinay Khanna, IITR, Lucknow	August 9th, 2019	Delivered a talk on: Cadmium Induced Cognitive Deficits Associated with Cholinergic Alterations in Rat Brain: Protective Potential of Quercetin
14.	Dr. Amit Mishra, IIT Jodhpur, Rajasthan, India	August 9th, 2019	Delivered a talk on: Neurodegeneration And Ageing: Are Link With the Loss of Proteome Complexity?
15.	Dr. Prof. Christopher Chen, National University of Singapore	August 9th, 2019	Delivered a talk on: Detecting the Silent but Insidious : Advances in the Neuroimaging of Cognitive Impairment and Dementia"
16.	Dr. Anis Jukkarwala, GMCH, Udaipur)	August 10th, 2019	Delivered a talk on: Epilepsy Surgery In India-Current Scenario And Our Centre's Experience

S. No.	Name of Important Dignitaries Visited	Date	Purpose of Visit
17.	Prof. Vinay Khanna, IITR, Lucknow	August 11th, 2019	Delivered a talk on: Plagiarism
18.	Prof Shailendra Saraf, Vice-President, Pharmacy Council of India (PCI) and Ex-Dean, Faculty of Technology, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	March 20th, 2018	Delivered a Keynote Address during One Day National Seminar on Industrial Advancement and Academic Research: A Correlation (IAAR-2018)
19.	Prof. Swarnlata Saraf, Dean, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	March 20th, 2018	Delivered an Expert Lecture
20.	Dr. Jayant Karajgi, Chief Operating Officer, Rubicon Research Pvt. Ltd., Mumbai	March 20th, 2018	Delivered an Expert Lecture on Industry and Academia relationship
21.	Dr. Sanjay Jain, Principal Indore Institute of Pharmacy, Indore	March 20th, 2018	Delivered an Expert Lecture
22.	Prof. R. K. Maheshwari SGSITS, Indore, M.P.	September 7th, 2015	Expert lecture on Hydrotrophy

Other Achievements

- The Department secured its position under the Rank Band of 76-100 in the NIRF Rankings 2020 by MHRD, GOI.
- Dr. Vivek Jain received $ 20,000/- International Grant from International Brain Research Organization-France (IBRO) To organize a neuroscience school at Department of Pharmaceutical sciences, MLSU, Udaipur. (November 2018)
- The Department has signed an MOU with Department of Biomedical Engineering, Chung Yuan Christian University, Taiwan, in the year 2020 for the academic and research exchange.
- The Department has signed an MOU with Monash University, Malaysia, in the year 2019 for the academic and research exchange.
- Every year the Department celebrates Pharmacists' week during the month of November and The World Pharmacist day on September 25th I which a health check-up and blood donation camp is organized for the benefit of the community.

Achievements of Alumni

Name of Former/ Present Student	Program and Batch	Achievements
Huzefa Kifayat	B. Pharm. IV Sem (2020)	3rd position in National level essay competition on "COVID 19 MANAGEMENT" conducted by Indian Pharmacy Graduate Association
Kanishk Joshi	B.Pharm. (2020)	Consolation prize in National Assay writing competition
Yash Santwani	B.Pharm. (2020)	Won First prize in inter college Hockey competition
Harshit Silawat	B.Pharm. (2020)	Qualified GPAT(Graduate Pharmacy Aptitude Test)

Name of Former/ Present Student	Program and Batch	Achievements
Mangilal Chouhan	B. Pharm. (2020)	Qualified GPAT
Satish Bariya	B. Pharm. (2020)	Qualified GPAT
Chattra Ram	B. Pharm. (2019)	Qualified GPAT
Sahil Hasan	B. Pharm. (2019)	Qualified GPAT
Waseem Akaram	B. Pharm. (2019)	Qualified GPAT
Urvashi Jain	B. Pharm. (2019)	Qualified GPAT
AayushiRajora	B. Pharm. (2018)	Qualified GPAT
Gaurav Sen	B. Pharm. (2018)	Qualified GPAT
Sunil Kumar	B. Pharm. (2018)	Qualified GPAT
Mayank Kalara	B. Pharm. (2017)	Qualified GPAT
Abhishek Jain	Ph. D. (2010)	Young Scientist Award at DST sponsored one day seminar on " Impact of Pharmaceutical Education on Employment: National and International perspectives" by Mandsaur Institute of Pharmacy, Mandsaur, M.P.

Important Posts held by Alumni

Name of Alumni	Program and Year of Passing	Important position held
Dr. Lalit Singh Chauhan	Ph. D (2007)	Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU, Udaipur
Dr. Chetan Singh Chauhan	Ph. D (2007)	Principal BNIPS and Associate dean, Faculty of Pharmacy, B. N. University, Udaipur
Dr. M. S. Ranawat	Ph. D (2005)	Professor and Head, Dept. of Pharmaceutical Chemistry, B. N. College of Pharmacy, B. N. University, Udaipur
Dr. Anju Goyal	Ph. D (2007)	Professor and Head, Dept. of Pharmaceutical Chemistry, BNIPS, B. N. University, Udaipur
Dr. Ashok Dashora	Ph. D (2011)	Director, Sunrise group of Institutes, Udaipur
Dr. Mangilal Chouhan	B. Pharm. (2000)	Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU, Udaipur
Mr. Vishal Jain	B. Pharm. (1998)	Drug Control Officer, Dungarpur
Ms. Priya Juneja	B. Pharm. (2008)	Drug Control Officer, Udaipur
Dr, Devendra Dhakad	B. Pharm. (2004)	Assistant Professor, NIPER, Kolkata
Dr. Ashok Choudhary	B. Pharm. (2004)	Assistant Professor, NIPER, Raibareily

भौतिक शास्त्र विभाग

प्रो. के. बी. जोशी
विभागाध्यक्ष

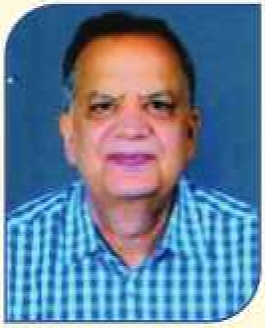

प्रो. बी. एल. आहूजा
आचार्य

प्रो. एन. लक्ष्मी
आचार्य

प्रो. सुधीश कुमार
आचार्य

प्रो. एम. एस. ढ़ाका
आचार्य

डॉ. घनश्याम पुरोहित
सह-आचार्य

डॉ. गुंजन अरोड़ा
सहायक आचार्य

डॉ. लेखराज मीणा
सहायक आचार्य

डॉ. दिनेश पाटीदार
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

विभाग की स्थापना सन् 1962 में हुई।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

एम. एससी. भौतिक शास्त्र पाठ्यक्रम, एम. एससी. इलेक्ट्रोनिक्स पाठ्यक्रम (2002–03), एम. एससी. आई. टी. पाठ्यक्रम (2017) वर्तमान में कम्प्यूटर सेन्टर से संचालित बी.सी.ए. पाठ्यक्रम (2017) वर्तमान में कम्प्यूटर सेन्टर से संचालित

संकाय सदस्य

क्र.स.	नाम प्राध्यापक	रिसर्च लेब का नाम
1	प्रो. बी. एल. आहूजा	क्रॉमटन एंड प्रोफाइल लेब।
2	प्रो. एन. लक्ष्मी	न्यूक्लियर रिसर्च लेव।
3	प्रो. के. बी. जोशी	कम्प्यूटेशनल मेटेरियल साईन्स लेब
4	प्रो. सुधीश कुमार	चुम्बकत्व प्रयोगशाला।
5	प्रो. एम. एस. ढाका	पतली परत सौर सेल प्रयोगशाला
6	डॉ. घनश्याम पुरोहित	एटोमिक एण्ड मोल्यूकिलियर फिजिक्स लेब।
7	डॉ. दिनेश पाटीदार	मेटेरियल साईन्स रिसर्च लेब।
८	डॉ. गुंजन अरोडा	क्रॉमटन एंड प्रोफाइल लेब।
9	श्री लेखराज मीणा	क्रॉमटन एंड प्रोफाइल लेब।

विभाग से जुड़े पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों में डॉ. डी. एस. कोठारी, प्रो. जे. एस. वर्मा, प्रो. आर. के राय, प्रो. यू. एन. उपाध्याय, डॉ. डी. आर. एस. सौम्याजूलू, डॉ. एम. एस. सोनी, श्री के. सी. भण्डारी, डॉ. एस. के. वर्मा, प्रो. डी. के. कंचन, डॉ. एम. पी. जोण्डा, श्री भोलाराम, श्री के. एन. सिंघल, डॉ. एम. बेग, डॉ. वी. के. अग्रवाल, डॉ. गुफरान बेग, डॉ. एस. के. विजयवर्गीय, श्री. एम. वी. मूर्ति, प्रो. के. के. सूद, प्रो. एम. एल. कालरा, प्रो. एस. एस. शर्मा, प्रो. के. वेणुगोपालन, प्रो. एस. एन. ए. जाफरी, प्रो. बी. एल. आहूजा, प्रो. राजेश पाण्डे, प्रो. बी. एम. व्यास, प्रो. एम. राय, प्रो. एन. लक्ष्मी, प्रो. के. बी जोशी, प्रो. सुधीश कुमार, श्री सी. सिल्वा राजू, प्रो. एम. एस.ढाका, श्री सुभाष चन्द्र, डॉ. घनश्याम पुरोहित, डॉ. दिनेश पाटीदार, डॉ. गुंजन अरोडा, श्री लेखराज मीणा सम्मिलित हैं।

विभागाध्यक्ष सूची

क्र.स.	नाम विभागाध्यक्ष	कब से	कब तक
1	डॉ. डी. एस. कोठारी	1962	25.12.1965
2	प्रो. जे. एस. वर्मा	26.12.1965	03.01.1976
3	प्रो. आर. के राय	04.01.1976	01.01.1979
4	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	02.01.1979	17.05.1981
5	डॉ. डी. आर. एस. सौम्याजूलू	18.05.1981	17.05.1984
6	प्रो. जे.एस. वर्मा	18.05.1984	03.01.1988
7	प्रो. आर. के राय,	04.01.1988	27.11.1989
8	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	28.11.1989	03.01.1994
9	डॉ. एस. के विजयवर्गीय	04.01.1994	04.01.1995
10	प्रो. के. के. सूद	25.01.1995	16.01.1998
11	डॉ. वी. के अग्रवाल	17.01.1998	16.01.2001
12	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	17.01.2001	30.08.2001
13	प्रो. एम. एल. कालरा	01.09.2001	31.08.2004
14	प्रो. के. वेणुगोपालन	01.09.2004	31.08.2007
15	प्रो. राजेश पाण्डे	01.09.2007	31.08.2010

क्र.स.	नाम विभागाध्यक्ष	कब से	कब तक
16	प्रो. बी. एल. आहूजा	01.09.2010	31.08.2013
17	प्रो. एस.एन.ए. जाफरी	01.09.2013	02.06.2014
18	प्रो. एन. लक्ष्मी	03.06.2014	02.06.2017
19	प्रो. एम. राय	03.06.2017	20.10.2019
20	प्रो. के. बी. जोशी	21.10.2019	

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

प्रो. आर. के. राय द्वारा नेचर में दो शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं (नेचर 267, 599–600(1977), नेचर 272, 345–345 (1978)। डॉ. गुफरान बेग को शान्ति स्वरूप भटनागर अवार्ड, प्रो. के. वेणुगोपालन टेक्नीकल मेम्बर ऑफ कमेटी फॉर ई–गर्वनेन्स (ग्राम दर्पण स्टेट गर्वनमेन्ट राजस्थान सरकार), श्री सोहनलाल जैन अर्न्टाटिका मिशन सदस्य, डॉ. घनश्याम पुरोहित, जे. एस. पी. एस. लोंग टर्म इनवाईटेशनल फेलौशिप, प्रियंका ओझा को जेस्ट 2020 में प्रथम स्थान, प्रो. एस. एल. चपलोत, हैड फिजिक्स डिविजन बार्क, मुम्बई, प्रो. आर. एम. जैन, एस्टोसेट मिशन सदस्य, प्रो. बी.एल. आहूजा डी. एस. टी. पी. ए. सी. सदस्य, प्रो. एम. एस. ढाका को रमन फैलोशिप तथा विभाग के अधिकतम सदस्यों द्वारा 55 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित होना मुख्य उपलब्धियाँ हैं।

विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा धारित पद

कुलपति			
क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
1	प्रो. आर. के राय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय	23.01.1992	30.121997
2	प्रो. एम. एल. कालरा, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा	11.10.2006	10.10.2009
अधिष्ठाता विज्ञान महाविद्यालय			
क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
1	प्रो. जे.एस. वर्मा	18.08.1984	31.08.1987
2	प्रो. आर. के राय	03.03.1990	22.01.1992
3	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	28.03.1994	04.09.1995
4	प्रो. के. के. सूद	04.08.2004	20.03.2005
5	प्रो. के. वेणुगोपालन	21.05.2014	30.07.2016
6	प्रो. बी. एल. आहूजा	01.01.2017	31.12.2019
अधिष्ठाता स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम			
क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
1	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	04.01.1993 01.08.1999	07.04.1997 31.08.2001
2	प्रो. के. वेणुगोपालन	01.07.2010	07.03.2013
3	प्रो. बी. एल. आहूजा	11.07.2019	07.04.2021
निदेशक, कम्प्यूटर सेन्टर, विज्ञान भवन			
क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
1	प्रो. जे. एस. वर्मा	22.01.1990	15.05.1990
2	प्रो. आर. के राय	19.05.1990	28.01.1992
3	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	29.01.1992	09.04.1994
4	प्रो. के. के. सूद	10.04.1994	03.08.2004
5	प्रो. के. वेणुगोपालन	04.08.2004	31.08.2004
6	प्रो. एम. एल. कालरा	01.09.2004	11.10.2006
7	प्रो. के. वेणुगोपालन	11.10.2006	09.07.2010

क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
8	प्रो. राजेश पाण्डे	10.07.2010	26.11.2010
9	प्रो. एस. एन. ए. जाफरी	26.11.2010	08.03.2013
10	प्रो. के. वेणुगोपालन	08.03.2013	30.10.2014
11	प्रो. बी. एल. आहूजा	30.10.2014	10.11.2016
12	प्रो. बी. एम. व्यास	10.11.2016	04.12.2017
ऑफिसर इन्चार्ज केन्द्रीय पुस्तकालय			
क्र.स.	नाम संकाय सदस्य	कब से	कब तक
1	प्रो. जे. वर्मा	1971–72	1972–73
2	प्रो. यू. एन. उपाध्याय	22.12.1998	31.08.2001
3	प्रो. के. के. सूद	26.09.2001	09.08.2004
4	प्रो. एस.एन.ए. जाफरी	08.03.2013	30.06.2014
5	प्रो. एन. लक्ष्मी	19.11.2020	

अकादमिक उपलब्धियाँ

1.	संचालित हो रही तथा हो चुकी महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ।	COSIST, DRS, DSA-I, DSA-II, DST-FIST
2.	आयोजित किए गए कार्यक्रमों / संगोष्ठी / कॉन्फ्रेन्स / कार्यशाला	एनसीएमपी–12 दिसम्बर, 1998 प्रो. के.के. सूद 2004 वर्कशॉप एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स द्वारा प्रो. एस.एन.ए. जाफरी नेशनल कांफेन्स ऑन रेडियेशन फिजिक्स, प्रो. बी.एल. आहूजा। डी.एस.टी.पी.ए.सी मिटिंग प्रो. राजेश पाण्डे रोड सेफटी प्रो. बी.एल. आहूजा डी.एस.ठी.पी.ए.सी. मिटिंग प्रो. बी. एल. आहूजा डी.ए.ई–बी.आर.एन.एस. पी.ए.सी. मिटिंग प्रो. बी.एल. आहूजा। वर्कशॉप ऑन मेटेरियल्स करेक्टराइजेशन : एक्सपेरीमेन्टल टेक्नीक्श 26 से 28 मार्च, 2015। प्रो. एन. लक्ष्मी।
3.	विभाग / इकाई में आ चुके महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम	प्रो.यासुयुकि नागशिमा, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ साईन्स, जापान 11.12.2018 प्रो. तोशीयूकी अजूमा, जापान 11.12.2018 प्रो. दाईजी काटो, जापान 12.12.2018 प्रो. नोबोरू वतनबे, जापान 12.12.2018 प्रो. योशीरो अजूमा सोफिया यूनिवर्सिटी जापान 23.12.2019 प्रो. वाई शकुराई, स्प्रिंग–8 जापान प्रो. अरूण बंसल एन.ई यूनिवर्सिटी बोस्टन, यूएसए प्रो. नरेश दाधिच प्रो. जे.वी. नारलेकर, आईयूसीएए, पुणे। प्रो. रवि पाण्डे, मिशिगन टेक्नीकल यूनिवर्सिटी मिशिगन, यूएसए प्रो. राजीव आहूजा उप्साला यूनिवर्सिटी, स्वीडन। प्रो. विक्रम कुमार, सोलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेट्री, नई दिल्ली।

अन्य

भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा कम्प्यूटर सेन्टर की स्थापना हुई। जो तत्पश्चात् वर्ष 2017 में कम्प्यूटर साईन्स विभाग में परिवर्तित हुआ।

Prof. B. L. Ahuja specialises in the area of Condensed Matter Physics and he has accomplished his Post Doctoral work under BOYCAST Fellowship, 1992-93, DST, New Delhi for which he worked at the University of Warwick, UK , University of Paris, France and Spring-8 , Japan.

He has done pioneering work being the 1st Indian scientist to develop the 20Ci 137 Cs Compton Spectrometer and 100 mCi 241 Am Compton Spectrometer as well as the 1st Indian scientist to work on high resolution Compton Spectrometer and to undertake magnetic Compton profile measurements. He is an esteemed member of various national committees for research funding and a reviewer of several renowned international journals such as nature, Wiley Journals, PRB, PRL, APL, IOP, and Elsevier Journal etc and is associated with many scientific societies.

Prof. Ahuja has accomplished 20 major R and D research projects funded by DST, CSIR, UGC, DAE-CSR, BRNS, RUSA and DRDO. He has to his credit 176 publications in reputed international peer reviewed journals and 199 publications in conference proceedings and 8 books.

Department of Zoology

Prof. Arti Prasad
Head

Dr. Girima Nagda
Assistant Professor

Dr. Vijay Kumar Koli
Assistant Professor

Dr. Deepak Rawal
Assistant Professor

Dr. Asha Ram Meena
Assistant Professor

Dr. Devendra Kumar
Assistant Professor

Establishment and Evolution

The department was established in the year 1964 and ever since has been progressing towards new avenues. In the past 56 years,the department has been working with a vision of excellence in the field of teaching, research as well as personality development of students. The department wishes to develop as a seat of eminence and an interdisciplinary centre for research in Vector & Malaria control, Wild Life Ecology, Limnology, Fisheries, Reproductive toxicology & Molecular Biology. The Department has expertise in the fields of :

- ❖ Bio-controlof Vectors and disease management (Mosquito borne).
- ❖ Vector Surveillance and Bionomics.
- ❖ Insect Taxonomy.
- ❖ Development of Repellent Products against Vectors.
- ❖ Insecticide Toxicity and Resistance Mapping.
- ❖ Avian Taxonomy andWildlife Research Techniques.
- ❖ Cytogenetics.
- ❖ Phytoplankton and Zooplankton Taxonomy.
- ❖ Microbiological Technology
- ❖ Histochemistry,Histo Enzymology and ImmunoCytochemistry.
- ❖ Vermi Technology and Solid Waste Management.
- ❖ Mushroom Technology

The department envisages to become -

- ❖ A center of Excellence in animal science, especially in disease control and management.
- ❖ A virtual laboratory replacing all kinds of live dissections.
- ❖ A training center to develop awareness about human health, environmental degradation as well as danger and cruelty to animals.
- ❖ A center of excellent for teaching-learning accompanied with audio-visual techniques.
- ❖ An interdisciplinary center at par with National and International research institutions known for studies in the field of malaria and vector control, wild life ecology, animal conservation, cytogenetics, environmental toxicology, vermi technology, fish biology, mushroom technology

Vision

The department aims to develop a skilled and productive workforce enabling success at grass root level. Our focus is tricentric, (Student centric, Faculty centric and Community centric), so as to achieve an integrated, enhanced and harmonious development. The department wishes to balance its teaching and research activities, both nourishing one another. The Department also offers high-quality education and research relevant to local, regional and national needs, through co-operation with leading researchers and educators, at national and international levels.

Mission

- Restructuring curriculum giving more importance to practical aspects in the light of global changes. In view of this, the syllabus is upgraded regularly.
- Setting up of virtual laboratory for invertebrate & vertebrates (in process)
- Start various skill development courses (from 2016-2017)
- Our faculty members are keen to equip themselves with the new developments in their research & teaching by fulfilling the vision of participating and organizing various workshops, seminars, conferences and other faculty development programs.

Student Centric Activities

1. Adopting student centre paradigm of education
2. Learning through self directed ways
3. Learning from peers
4. Learning from faculties
5. Experimental learning through activities
6. Increasing responsibilities of students for learning outcome

Outcomes

1. Effective and customised learning
2. Pool of thoughtful learners
3. Graduates with independent thinking skills
4. Increased innovation capability and entrepreneurship in the country
5. Evolution of a workforce that can readily adapt to the dynamic work environment

Faculty Centric Activities

1. Emphasizing faculty development to improve the quality of teaching
2. Holding mandatory training programs for all faculty members in public and private institutions not only on the subject matter, but also to enhance the effectiveness of their teaching skills
3. Conducting refresher courses to update faculty members on new, evolving and effective teaching techniques
4. Supporting higher education institutions in organizing summer workshops conducted by leading international teachers and researchers for selected faculty members of Indian institutions, who can train other faculty in future.
5. Sending faculty members for three to six months training courses to the best universities in the world.
6. Establishing Teaching and Learning Centres (TLCs) in existing systems, preferably in those with a strong research culture, aa well as design and conduct relevant undergraduate training programs.

Community Centric Activities

1. Department has initiated "Green Campus Clean Campus" with the slogan of "One Plant One Student".
2. The department strives towards maintaining a clean and green campus. The department is a pioneer in starting a VERMICOMPOSTING UNIT which is solely maintained by the department. Working on the tag line of "WE DO NOT WASTE OUR WASTE", all the departmental waste paper and fallen tree leaves are dumped in the vermicomposting unit to produce the compost.
3. The department is fully aware of community partnership as an important pillar of its success and overall development of students
4. Zoology Association: It functions effectively as a part of the Zoology department, with active participation of PG and Research students. The Association's activities are aimed at providing opportunities to the students forself-development as well as development of leadership qualities. To achieve these objectives, it conducts seminars, lectures, competitions, quiz, cultural programmes, as well asenvironmental awareness programmes.

Strategies for Promoting Research

❖ Develop centres of research excellence and promote collaborative research. The department is already collaborating with GODREJ, Mumbai and AIIMS Jodhpur and a collaboration with International Crane foundation, USA is in pipeline.

- ❖ The department aims to set-up centres of excellence at par with world-class research centres like top universities in India. These will be focused on areas which are aligned with the country's long-term strategic interests.
- ❖ Develop world class research infrastructure and the requisite environment for R&D in high quality academic institutions
- ❖ Increase expenditure on R&D, encouraging research activity in the department in those areas that are of relevance to the industry
- ❖ Engagingindustry to provide funding, mentor research projects, and facilitate industrial visits.
- ❖ Encouraging live research projects that can be undertaken by students and mentored by industry professionals (already running Vermitechnology and Mushroom Culture)
- ❖ Conduct cutting-edge research across the pure sciences

Key action steps

- ❖ Provide adequate funding for the creation of centres of excellence.
- ❖ Identify the requirements of industries in India over the next 15 years regarding areas that are of relevance in the larger economic and social context.
- ❖ Attract reputed Indian faculty members working in top international institutions to visit and share their knowledge and experience regarding their work.
- ❖ Promote collaborative research within academia as well as between academia with research centres and industries, to conduct high quality research activity.

Courses and Resources

Earlier Courses

1. M.Sc. Zoology
2. PhD in various thrust areas

Present Courses

1. M.Sc. (CBCS Semester scheme)
2. PhD in various thrust areas
3. Diploma in Public Health Entomology

Current Thrust Areas

M.Sc. (Specialization)

1. Entomology & Insect Toxicology
2. Wildlife Biology
3. Limnology & Fisheries

Research

1. Entomology, Vector &DiseaseControl, Pest management &VermiTechnology
2. Wildlife Biology& Conservational Biology
3. Limnology & Fisheries
4. Reproductive Toxicology
5. Cytogenetics , Molecular Ecology&Evolution
6. Micro Biology

Available Resources

The department has two well developed central Instrumentation laboratories and a computer lab with 30 computers. The department library has 4200 textbooks and 1200 reference books. The department is equipped with instruments like Fluorescence Microscope, Biochemical analyzer, GPS, Digital Camera, Gel Electrophoresis, Spectrophotometer, PCR, Refrigerated Centrifuge, Homogenizer, Vibratome, HPLC, UV-VIS spectrophotometer, Stereoscopic Microscope, Colorimeter, Digital weighing balance, Deep Freezer, Distillation Plant, Cell Plate Reader, Laminar Air Flow, COD incubator, Autoclave etc.

Faculty

Former Faculty Members

- Shri. Vijai Narayan
- Prof. H. B. Tiwari
- Prof. G.C. Mishra
- Prof. Bhomitran Dev
- Prof. S.S. Guraya
- Dr. V.S. Durve
- Dr. S. B. Lal
- Dr.A. N. Gupta
- Dr. P.N. Sharma
- Dr. J.S. Sethi
- Prof. H. R. Tyagi
- Prof. D. K. Bhatt
- Prof. Madhu Sudan Sharma
- Shri L. S. Ratnu
- Prof. Maheep Bhatnagar
- Prof. Chhaya Bhatnagar
- Prof. Ragini Sharma
- Prof Preeti Singh

Present Faculty Members

- Dr. Arti Prasad
- Dr. Vijay Kumar Koli
- Dr. Deepak Rawal
- Dr. Asha Ram Meena
- Dr. Girima Nagda
- Dr. Devendra Kumar

Name and Tenure of Heads/Directors/In charges/ (All)

S.No.	Name	From	To
1.	Shri Vijai Narayan	July, 1964	Oct, 1964
2.	Prof. H. B. Tiwari	Oct, 1964	Dec, 1975
3.	Dr. B. Dev	Jan, 1976	Mar, 1977
4.	Dr. V.S. Durve	Mar, 1977	Apr, 1978
5.	Shri Vijai Narayan	Apr, 1978	Mar, 1981
6.	Dr. S. B. Lal	Mar, 1981	May, 1981
7.	Dr. A. N. Gupta	Jun, 1981	Nov,1983
8.	Prof. H. B. Tiwari	26-11-1983	25-11-1986
9.	Dr. H. R. Tyagi	26-11-1986	25-11-1989
10.	Dr. D. K. Bhatt	26-11-1989	25-11-1992
11.	Dr. S. B. Lal	26-11-1992	10-04-1996
12.	Prof. H. R. Tyagi	11-04-1996	16-11-1998
13.	Prof. D. K. Bhatt	17-11-1998	16-11-2001
14.	Prof. Madhu Sudan Sharma	17-11-2001	16-11-2004
15.	Prof. Maheep Bhatnagar	17-11-2004	15-11-2007
16.	Prof. D. K. Bhatt	16-11-2007	12-08-2009
17.	Prof. Madhu Sudan Sharma	13-08-2009	15-08-2011
18.	Prof. Maheep Bhatnagar	16-08-2011	14-08-2014
19.	Prof. Arti Prasad	15-08-2014	...

Achievements

Achievements of Former Faculty Members

Important Positions Held By Former Faculty Members-

S.No.	Name of Faculty (Former)	Positions held
1.	Prof. G.C. Mishra	FNA, Padma Shri, Ex-director NCCS PUNE
2.	Prof. Bhomitran Dev	Vice- Chancellor, ManglaYatan University and University of Gorakhpur
3.	Prof Madhu Sudan Sharma	Vice – Chancellor, Kota University (Rajasthan); Dean, College of Science (2008-2011), Faculty Chairman & Head, Department of Zoology
4.	Prof. H.B.Tiwari	FNA, Renowned Scientist of Histoenzymology&Histo chemistry and Dean, College of Science(1983-1984), Faculty Chairman & Head Department of Zoology
5.	Dr.S.B.Lall	Head Department of Zoology, WHO fellows in USA, CAS Visiting Scientist in Czechoslovakia
6.	Prof. H.R. Tyagi	Dean, College of Science(1998-2001), Faculty Chairman & Head Department of Zoology
7.	Prof. D. K. Bhatt	Dean, College of Science (2005-2008), Faculty Chairman & Head Department of Zoology
8.	Prof. Maheep Bhatnagar	Dean, College of Science (2011-2014), Faculty Chairman & Head, Department of Zoology

Awards Given To Former Faculty Members

S. No.	Name of Faculty	Awards/Achievement
1.	Prof. G.C. Mishra	Padma Shri
2.	Prof. S.S. Guraya	Shanti Swarup Bhatnagar Award
3.	Prof. Madhu Sudan Sharma	National fellowship award by National Environment Society
4.	Prof. Maheep Bhatnagar	Bharat Jyoti Award
5.	Dr.Chhaya Bhatnagar	1. Bharat Jyoti Award 2. Environmentalist of the Year (Award by National Env. Society 3. Environmental Scientist Award (Scientific & Env. Research Institute- Kolkata

S. No.	Former Faculty (visits abroad)	Purpose of visit
1.	Dr.S.B.Lall	WHO fellows in USA, CAS Visiting Scientist in Czechoslovakia
2.	Dr.P.N.Sharma	PDF in UK
3.	Dr.J.S.Sethi	PDF in Harvard University
4.	Dr.G.S.Dogra	PDF in Canada
5.	Prof. Madhu Sudan Sharma	Cape Town, S. Africa (International Conference-2010) as Invited speaker
6.	Prof. Maheep Bhatnagar	Russia(2012) and Singapore(2010) (International Conference) as Invited speaker

Achievements of Present Faculty Members

- **Dr. Arti Prasad** is a Professor & the Head of the Department. She has held the posts of Warden, Coordinator DST FIST, and UGC SAP Programmes, and been a Coordinator, Diploma in Public Health Entomology.She has visited Dubai as pest control officer in 2006. Prof. Arti has attended various International Conferences (Singapore, France and Chiang Mai) as an invited speaker. She has also availed the Faculty Excellence Scholarship, 2014. She has 28 published Research Papers in reputed journals, to her credit.Dr. Arti Prasad has written many books and book chapters. Prof. Arti Prasad is currently working on 06 Research Projects as Principal Investigator and has accomplished 07 Research Projects.
- **Dr. Vijay Kumar Koli** is an Assistant Professor. He has held the post of NSS Officer (2017-18), and been a Member of IUCN SSC Stork, IBIS and Spoonbill Specialist group, as well as the Co chair of the Sloth Bear expert team of IUCN. He has 20 published Research Papers to his credit. He is working on 3 Research Projects as Principal Investigator. He is the recipient of Prof. R.S Paroda Best Presentation Award (2019)
- **Dr. Deepak Rawal** is currently an Assistant Professor. State Level Role Model Award by the Govt. of Rajasthan (2018). He has 19 published Research papers and has also authored 2 Books. He is the recipient of State Level Role Model Award by the Govt. of Rajasthan
- **Dr. Asha Ram Meena** is currently an Assistant Professor.He has 4 Published Research Papers and 03 Books to his credit.
- **Dr. Girima Nagda** is anAssistant Professor. She has held the post of NSS Programme Officer (October, 2018 onwards) and Nodal Officer Anandam. Dr. Nagda has 04 published Research Papers. She is currently working on a Research Project as Co-PI.She is the recipient of Prof. R.S Paroda Best Presentation Award (2019).
- **Dr. Devendra Kumar** is an Assistant Professor. Dr. Devendra Kumar has 10 published Research Papers to his credit. He has co authored 01 book and authored 2 books as well as contributed book chapters. He is currently working on a Research Project as Co-PI.He has received the Best Poster Presentation Award by Zoological Survey of India, Govt. of India (2018).

Patents Issued to Present Faculty Members

S.No.	Name of the Patenter	Patent Number	Title of the patent	Year of Award of patent
1.	Dr. Devendra Kumar	201911053342	ARTIFICIAL INTELLIGENCE BASED HEALTHCARE MODEL FOR SERVING RURAL PEOPLE IN INDIA	2019-20
2.	Dr. Devendra Kumar	202011013639	TOURISM AND HANDICRAFT INDUSTRY MANAGEMENT SYSTEM FOR RURAL PEOPLE	2019-20

Achievements of the Department

Major Research Projects Undertaken by The Department and its Financing

- UGC SAP DRS Phase II : 2013-2018 (67.00 Lacs)
- DST FIST Phase II : 2015-2020 (48.00 Lacs)
- RUSA Grant Phase : 2017-2018: 25.00 Lacs
- Godrej Consumer Products Ltd. Mumbai; Repellency Projects Against Mosquitoes:2016-till date; (1 Lac per project)
- World Health Organisation, WHO, New Delhi: (20 Lacs)
- Department of Forest, Rajasthan (2017) (50,000 Rs): Evaluating biodiversity in Kumbhalgarh and Todgarh Wild life Sanctuary.
- Indian Council of Medical Research New Delhi (2012-14): (30 Lacs): Evaluation of indigenous plant extracts for insecticidal and repellent activity against mosquito of medical importance.

S. No.	Name of the Scheme/Project/ Endowments/ Chairs	Name of the Principal Investigator/ Co Investigator (if applicable)	Name of the Funding agency	Type of funding (Government/ Non-Government)	Year of Award	Funds provided (INR in lakhs)	Status
1	Collaborative repellency testing programme	Prof. Arti Prasad	Godrej India Private LTD	Non-Government	2017 onwards	10 Lakh	ongoing
2	Financial help for Diploma In Public Health Entomology Course	Prof. Arti Prasad	WHO Regional Office for South East Asia ,New Delhi	Non-Government	2019-20	14 lakh	
3	International Association for Bear Research and Management (IBA) Grant	Dr. Vijay Kumar Koli	International Association for Bear Research and Management (IBA)	Non-government	2020	4,59,748.55	ongoing
4	Survey and Analysis of pesticide Residues in Consumable products (Fruits and vegetable) Obtained from Different Vegetable markets (Sabzi Mandis) of Udaipur Region.	PI: Prof. Arti Prasad Co-PI: Dr.GirimaNagda	RUSA	Government	2020	12000000	ongoing
5	Surveillance and Insecticide resistance mapping against mosquitoes of malaria, dengue and chikungunya in Southern Rajasthan and Bacterial bio – pesticides as an urgent alternate tool for resistance management and vector control.	PI: Prof. Arti Prasad Co-PI: Dr.Devendra Kumar	RUSA	Government	2020	11980000	ongoing
6	"Resource partitioning of three sympatric Ibis species (Red-napped, Black-headed and Glossy) in Dungarpur district, Rajasthan: diet, habitat and landscape selection across seasons"	Dr. Vijay Koli	RUSA	Government	2020	2896000	ongoing

S. No.	Name of the Scheme/Project/ Endowments/ Chairs	Name of the Principal Investigator/ Co Investigator (if applicable)	Name of the Funding agency	Type of funding (Government/ Non-Government)	Year of Award	Funds provided (INR in lakhs)	Status
7	Center for innovation end Entrepreneurship: Harnessing the public Health skill in new era of health reforms and investment in Tribal belt of Rajasthan	Prof Arti Prasad	RUSA	Government	2020	14800,000	ongoing
8	Centre of Vermiculture, Biotechnologyand Mushroom cultivation Biotechnology.	Prof Arti Prasad	RUSA	Government	2020	10000,000	ongoing
9	Empowerment and Equity Opportunities for Excellence in Science (EEQ)	Dr. Vijay Kumar Koli	Department of Science and Technology (DST), New Delhi	Government	2019	28,83,3120/-	ongoing
10	Testing of Mosquito Repellent Patch and Roll-on to study its repellence against Aedes aegypti mosquitoes for human skin (Godrej Project)	Prof. Arti Prasad	Godrej Consumer Product Ltd. Mumbai	Non-Government	2016	0.63504	completed
11	Testing of topical application repellent to study its repellency against Aedes aegypti mosquitoes for human skin (Godrej Project)	Prof. Arti Prasad	Godrej Consumer Product Ltd. Mumbai	Non-Government	2016	0.45	completed
12	Testing of repellency of products fabric roll on mosquito repellent (Bubble gum and Citrus fragrance) to study its effectiveness against Aedes aegypti, An. Stephensi and Culex quinquifaciatus mosquitoes for human skin (Godrej Project)	Prof. Arti Prasad	Godrej Consumer Product Ltd. Mumbai	Non-Government	2018	2.268	completed

S. No.	Name of the Scheme/Project/ Endowments/ Chairs	Name of the Principal Investigator/ Co Investigator (if applicable)	Name of the Funding agency	Type of funding (Government/ Non-Government)	Year of Award	Funds provided (INR in lakhs)	Status
13	Testing of landing and feeding inhibition of products Fabric Roll ON mosquito repellent (Bubblegum and citrus Fragrance) tostudy its effectiveness against Aedes aegypti, and Culex quinquifaciatus mosquitoes for human skin (Godrej Project)	Prof. Arti Prasad	Godrej Consumer Product Ltd. Mumbai	Non-Government	2019	2.34401	completed

Programmes/Seminars/Workshops Organized

S. No.	Name of the Conference/workshop/ seminar	Number of Participants	Date
1.	"ANANDAM: IDEAL CURRICULUM" on the occasion of AnandamDiwas	100	7 December, 2020
2.	"NATIONAL EDUCATION POLICY (NEP) 2020: Challenges & Opportunities in Context to Research and Innovation"	85	11th November, 2020
3.	International Webinar on Impact Of COVID-19 on The Public Health And Global Economy	350	28th June, 2020
4.	NATIONAL SYMPOSIUM ON MULTILATERAL INITIATIVES AGAINST ARBOVIRAL DISEASES (NSAD 2020)	200	04-06 January, 2020
5.	National Workshop cum Training on Genome editing CRISPR and DNA fingerprinting	50	13th & 14th September, 2019
6.	VECTOPAT -2018 (National Conference on Tribal Health in relation to Vector- Borne and Parasitic Diseases: Addressing MultiSectroal Actions)	250	17-18th December 2018
7.	"Vermicomposting biotechnology: an improvised technique for institutional waste management" free training programme	200	8th September 2018
8.	National work shop of forensic entomology "Forensic Entomology: Role of Insects in Forensics"	250	21-22 December 2017
9.	"Help Yourself: a self management cum awareness workshop on environment and disease management"	150	27th April 2017
10.	International Conference (SAARC ECUBE-2017)on Eco Friendly and Socially Responsive Economy and Equity: Issues and Challenges of 21st Century for Emergent Sustainable Development amongst SAARC Countries	300	9-11 January 2017
11.	XII International conference on Vector and vector borne Diseases: Vector borne diseases challenges in 21st century: their global impact and strategic management	350	16 – 18 September, 2013

S. No.	Name of the Conference/workshop/ seminar	Number of Participants	Date
12.	30th Annual Symposium of Society for Reproductive Biology and Comparative Endocrionolgy (SRBCE) and National Conference on Novel Aspects and Emerging Trends in Reproduction and Endocrinolgy	200	Jan. 30 to Feb. 1, 2012
13.	One day workshop on digital alternatives to animal use in dissection, MLSU, Udaipur, Rajasthan-	150	February 2010.

Important Dignitaries whovisited the Department (Name, Date And Purpose Of The Visit)

Invited lectures related to various field of science and motivational lectures were given by-

1. Padma Shri Dr. Prakash Baba Amte
2. Dr. Rajpal Yadav (WHO, Geneva)
3. Prof. Noel Buckley (Centre for the Cellular Basis of Behaviour (CCBB), King's College, London, United Kingdom)
4. Dr BK Tyagi (Visiting Professor, Punjabi University, Patiala),
5. Dr. RS Sharma (WHO Advisor and Adjunct Prof. ICMR, New Delhi),
6. Dr NP Singh (Emeritus Scientist, Rajasthan University, Jaipur),
7. Dr. Amrendra Singh (Motivational Speaker, Udaipur),
8. Dr. Gopi Sunder (IUCN, Bangalore)
9. Dr. MMRanga (Chhattisgarh),
10. Dr.GayartiTiwari (MPUAT, Udaipur)
11. Dr.Shambhushivananda (Motivational and spiritual Speaker)
12. Dr. Roop Kumari (Malaria Programme Officer, WHO, New Delhi)
13. Dr. Kalpana Baruah (Joint Director, NVBDCP, New Delhi)
14. Nivritti Kumari,Mewar
15. Dr. Rajnikant (Director, ICMR-RMRC, Gorakhpur)
16. Dr. Vijay Veer (DRDO)
17. Dr. H. C. Shrivastava (NIMR, Gujrat)
18. Dr. Rajesh Singh (Directorate of forensic science Rajasthan)

Other Achievements

Functional MOUs in the department

S. No.	Organization /Department with which MoU is signed	Name of the institution/ industry/ corporate house	Year of signing MoU	Duration
1	Department of Community Medicine	AIIMS, Jodhpur	2017	...

Pioneering work done by the Department of Zoology, MLSU, towards Green Campus Clean Campus Drive:

1. Vermi-composting has been used as an effective tool for organic waste management in many communities and geographies who are largely agro-based.
2. By initiating this program the Department of Zoology became the first department of the university to manage its own waste with Vermi technology. We do not throw a single piece of paper outside the department converting all paper, leaves and other wastes generated in the department, into compost, thus adopting sustainability in true sense.

3. Post Graduate students of 4 batches, 100 school students and many tribal women have been trained in Vermi technology using their waste products and getting converting them into compost, since 2016.
4. Prof. Arti Prasad, Head Department of Zoology apart from students of MSC also trained tribal women, school students and students of Ryan international school Udaipur which has subsequently become the first eco green school of Udaipur managing its own waste. This drive of the department continues making aware more and more sectors.
5. The department aims to train many more institutions and tribal people to adopt vermitechnology for their solid waste management.In this regard the department has organized following Workshops namely:
   - "Help Yourself: a self-management cum awareness workshop on environment and disease management" on 27th April 2017. The vermicompost unit was inaugurated by Honourable Vice Chancellor of MLSU Dr. JP Sharma and Shri Chandra Singh Kothari, Mayor, Nagar Nigam, Udaipur
   - "Vermicomposting biotechnology: an improvised technique for institutional waste management" to increase awareness about solid waste management on 8th September 2018. Faculty members of University were given free training about installing a vermicompost unit on a small level and its maintenance.
6. Sensitization Programmes: Visit of students of entomology to schools, to create awareness about various vector borne diseases like malaria, dengue, chikungunya etc.
7. Contribution in enhancing awareness about Student Support Services
   1. Green campus and green campus program has been initited by the department
   2. Vermicompost technology workshop organized for awareness among students
   3. Mushroom culture was a part of course curriculum as a skill development course
   4. Trees were planted by the department faculty and students of M.Sc.
   5. The concept given to this initiative was of "ONE STUDENT ONE TREE" and "EACH TREE WAS GIVEN A STUDENT'S NAME".
   6. Students actively work, cleaning the department and gardens every saturday.

Achievements of Former and Present Students-

S.No.	Name	Achievement
1.	Dr. S. K. Mathur	Director Sericulture, CFTRI, Mysore
2.	Dr.Manvinder Singh	Dy. Director DRDO, New Delhi
3.	Dr. Shakti Nath Upadhyay	Dy. Director NII, Delhi, Director ,IMMUNOCOM BIOTECH, Pune
4.	Dr.PhalgunBansode	Dy. Director CDRI, Lucknow
5.	Dr.Sanjeeve Banerjee	Senior Scientist
6.	Dr. Esha Sharma	Deputy director, Disease control In Bombay Municipal Corporation (BMC) Mumbai
7 out of 15 of RPSC Assistant Professor selection in Rajasthan in Zoology. Topper of RPSC zoology Dr Archana Gaur also from Dept of Zoology MLSU		
Many Students have become HOD, Principals and Scientists in various prestigious institutes of India & Abroad		

S.No.	Year of award	Name of Student receiving awards/Prize from state level, national level, international level	Programme Title and Batch	Name of the award/ prize/ fellowship received from Government / Recognized Bodies	Level
1.	2015-18	Dr. Archana Gaur	Pool Scientist Award	CSIR	National
2.	2017-18	Dr. Sunil Kumar Vimal	WPI-International Institute for Integrative Sleep Medicine (IIIS)	Molecular Sleep Biology Laboratory (UradeLaboratory) University of Tsukuba 1-1-1 Tennodai, Tsukuba, Ibaraki 305-8575, JAPAN	International
3.	2018-19	Dr. Reena Chittora	Society for Neuroscience Annual Meeting	IBRO	International
4.	2016-17	Ms. Kanishka Mehta	Akshay Kumar Martial Art Prog., Mumbai	Bronze Medal	National
5.	2018	Ms. KendrikaGour	Ph. D.	Dearens University, Victoria, Australia	International
6.	2018	Ms. Jhanvi Panchal	India Book of World Record	Miniature Flip Book and Guinness book of world record	International
7.	2019	Alisha Habib	Chancellor Medal	From MLSU For securing highest marks in science faculty.	National

Important Posts Held by Alumni

S.No.	Name	Post held
1.	Prof. G.C. Mishra	FNA, Padma Shri, Ex-director NCCS PUNE
2.	Prof. Bhomitran Dev	Vice- Chancellor, ManglaYatan University and University of Gorakhpur
3.	Prof Madhu Sudan Sharma	Vice – Chancellor, Kota University (Rajasthan)
4.	Prof. S.S. Guraya	Shanti Swarup Bhatnagar Award
5.	Prof. H.B.Tiwari	FNA, Renowned Scientist of Histoenzymology&Histo chemistry and Dean, College of Science(1983-1984), Faculty Chairman & Head of Department of Zoology
6.	Dr.S.B.Lall	Head Department of Zoology, WHO fellows in USA, CAS Visiting Scientist in Czechoslovakia
7.	Prof. H.R. Tyagi	Dean, College of Science(1998-2001), Faculty Chairman & Head Department of Zoology
8.	Prof. D. K. Bhatt	Dean, College of Science (2005-2008), Faculty Chairman & Head Department of Zoology
9.	Dr.P.N.Sharma	PDF in UK
10.	Dr.J.S.Sethi	PDF in HARVARD University
11.	Dr.G.S.Dogra	PDF in CANADA
12.	Prof. Madhu Sudan Sharma	Dean, College of Science (2008-2011), Faculty Chairman & Head, Department of Zoology
13.	Prof. Maheep Bhatnagar	Dean, College of Science (2011-2014), Faculty Chairman & Head, Department of Zoology

❑❑❑

12 विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय
(University College of Social Sciences & Humanities)

Prof. Seema Malik
Dean

Prof. Jinendra Kr. Jain
Associate Dean

Prof. C.R. Suthar
Faculty Chairman, Education

Prof. Hemant Dwivedi
Faculty Chairman, Humanities

Prof. S. K. Kataria
Faculty Chairman, Social Sciences

Dr. Neha Paliwal
ADSW

Dr. P. S. Rajput
Proctor

Dr. Hemraj Singh Choudhary
Assistant Director, Physical Education

University College of Social Sciences and Humanities

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur was initially established as 'Rajasthan Agriculture University, Udaipur on July 12, 1962 on the 'American Land Grant Model'. It was converted to a multi-faculty university in 1964 and re-named as 'Udaipur University'. In the same year, on July 1, the then Government M.B. College was merged in the university and renamed as 'School of Basic Sciences and Humanities (SBSH)' and Mr. Bheemsen was its first Director. Thereafter, two wings were created in the university namely Agriculture Wing, which included Agriculture and Animal Husbandry, and Education Wing which included Sciences, Social Sciences, Humanities, Commerce and Law faculties.

With the passage of time, various internal bifurcations took place in SBSH (erstwhile M.B. College), dividing it into many faculties and colleges. In the year 1973, Law College was established as a separate unit though it continued to work in SBSH till 1982.

The Social Sciences and Humanities faculties of SBSH were moved to the new campus (present campus of the UCSSH) in 1975. In 1979, a unit of correspondence study was opened in the university with the operational help of Faculties of Social Sciences and Humanities.

From November 02, 1982 the Faculties of Social Sciences and Humanities were given the status of independent unit under a Deputy Director. On February 01, 1983, the budget of Faculties of Social Sciences and Humanities was separated from SBSH and on August 10, 1983 the post of full-fledged Director of these faculties was created.

As per notification of the Government of Rajasthan, dated 11th June, 1984, the SBSH was divided in to four following separate colleges-

1. College of Science
2. College of Commerce and Management Studies
3. College of Social Studies and Humanities
4. College of Correspondence Studies

This notification came into effect from June 23, 1984 and Prof. B. K. Lavania joined as the Dean of UCSSH on December 1, 1984.

- The UCSSH has had the privilege of working under the efficient leadership of twenty Deans till Date.
- The Dean of UCSSH works as the Administrative Head of the unit and the Faculty Chairmen are the Academic Heads of the respective faculties.
- Besides the Dean, an Associate Dean, an Assistant Dean Student's Welfare (ADSW) and a Proctor also work in their administrative capacities for the smooth functioning of the college (List of faculty members who have held distinct administrative posts at UCSSH is enclosed at the end).
- Initially the college was constituted with twelve departments-Economics, Geography, Political Sciences, Psychology, Sociology, English, Hindi, History, Philosophy, Sanskrit, Urdu and Visual Arts (earlier Drawing and Painting), under one faculty namely, the Faculty of Social Sciences and Humanities.
- Later on, new departments were formed and two faculties emerged out of one- Faculty of Social Sciences and Faculty of Humanities.
- Public Administration was one of the optional papers in M.A. Political Science and later on a separate Department of Public Administration was established in 1996.
- Department of Jainology and Prakrit, Department of Music, Department of Rajasthani and Department of Library and Information Science evolved as new departments. Currently there are 18 departments ably led by the respective Heads.

- UGC Centre for Women's Studies was established in the year 1988 and Journalism and Mass Communication was initially a course proposed under this centre, but later on, these were separated. Prof. Vijaya Laxmi Chouhan was the founder director of the centre.
- On the recommendation of eminent literary personality Mahadevi Verma,the Meera Chair was established in the Department of Rajasthani during the Hari Deo Joshi government. Prof. N.N. Joshi was the first Professor and Prof. Alam Shah was the second Professor to be appointed for this chair.
- Population Centre was established under the Department of Sociology with 100 per cent government funding.

Among the Alumni

- The well-known Indian politician **Prof. C. P. Joshi** is the 15th Speaker of Rajasthan Legislative Assembly. He has also served the society as the Cabinet Minister, Government of India.
- The other well-known Indian politician **Prof. Girija Vyas** is a poet and author. She was a Member of the 15th Lok Sabha from the Chittorgarh constituency and the former President of National Commission for Women, New Delhi.
- **Shri Suresh Sharma, Late Shri P.N.Choyal, Prof. R.C. Dwivedi, Dr. Shail Choyal** are recognised artists and members of Lalit Kala Academy.
- **Prof. G. C. Rai** has served this University as the Vice Chancellor.
- **Prof. T.V. Rao** is a pioneer of HRD and working as H.R.D consultant. He also served at IIM.
- **Prof. UdaiPareek, Prof. Prayag Mehta, Prof. G. C. Rai, Prof. C. N. Mathur, Shri Kishor Gera, Dr. M. K. Singhvi** are eminent psychologists.
- **Dr. Mahaveer Jain** is with NLI and has worked on Child Labour.
- **Prof. M. P. Sharma** is working as Head, Department of Clinical Psychology, NIMHANS, Bengaluru.
- **Fulbright Scholars-**
  - Dr. Madan Kapoor,
  - Dr. S. B. Mathur,
  - Dr. Chitranjan Kulshreshtha,
  - Prof. Seema Malik,
  - Prof. Sanjay Lodha
- **British Council Scholar**
  - Prof. G.M. Mehta
- **Prof. B.C. Mehta** is an eminent economist and Emeritus Professor. He is former member of Governing Body of Institute of Development Studies, Jaipur, and Centre for Participatory Development, New Delhi. He received Government of Poland Fellowship in 1966 and Indo-American Post-Doctoral Fellowship in 1980 from University of Pennsylvania, U.S.A.
- **Prof. K.K. Saxena**, an eminent economist, has been a US Foundation Scholar and later on joined IIT Kanpur and Prof. Anju Kohli got emeritus fellowship.
- **Dr. Prem Singh Bhandari** is a widely acclaimed musician and singer. He composed the 'Kulgeet' of the University.
- **Shri R. S. Rathore**, the former faculty of the Department of Geography has been an International Cricket Umpire.

Present Faculty Members

- **Prof. Pooran Mal Yadav** has been graced with the *Mahatma Gandhi Samman* (2018) by the House of Commons in Westminster, London and other 16 National and 7 International awards.
- **Prof. Neeraj Sharma and Dr.Sumat Kumar Jain** have been honoured by the Hon'ble President of India with *Maharshi Badrayan Award* in the years 2013 and 2019 respectively. Prof. Sharma has also been awarded nine other national and state level prizes.
- **Prof. S.K. Kataria** has got sixteen awards for his academic writings and the *Rajrishi Purshottam Das Tondon Award* given by Kendriya Hindi Sansthan is the highest among them.
- **Prof. Seema Malik**, the present Dean of UCSSH, is the recipient of the prestigious Fulbright Fellowship for Institutional Leaders in the year 2018. Prof. Malik has also been awarded the Leap Programme Fellowship for Academic Excellence by the Ministry of Human Resource and Development, Govt. of India in 2019.
- **Dr. Shahid Parvez** is a recipient of the prestigious RWE award given by the Royal West of England Academy, U.K in 2005.
- **Dr. Deepika Mali** has a world record to her credit for making the largest 3d Sanja Art measuring 25x25 feet.
- **Dr. Kunjan Acharya** has been awarded with *Rajbhasha Samman* (2019) given by Vishva Hindi Parishad.
- **Prof. Hemant Dwivedi** has been awarded the *Rashtriya Kala Achaarya Samman* (2019) by Kalavart Nyas, Ujjain.
- **Prof. Madan Singh Rathore** has been conferred the 44th Rajasthan State Annual Artist Award by Rajasthan Lalit Kala Academy.

Students Achievements

- In the National Integration Camp organised by the Regional Directorate, NSS Pune, the team of UCSSH secured first prize in the year 2016.
- Students of UCSSH regularly participate in sports and cultural activities organised at college, university, state and national levels. They have won 51 gold medals and 13 silver medals in inter collegiate sports competitions. Being first in position, UCSSH bagged the running trophyof the Mohanlal Sukhadia University's Inter-Collegiate General Championship (Men) for the session 2019-20.

List of Distinguished Deans of UCSSH

Sr. No.	Name of Dean	Tenure
1	Prof. B. K. Lavania	1.12.1984–15.7.1986
2	Prof. R.G. Sharma (DINESH)	16.7.1986-15.7.1988
3	Prof. M.C. Pathak	16.7.1988-15.7.1991
4	Prof. G.C. Rai	16.7.1991-19.7.1991
5	Pof. R. N. Mookharjee	20.7.1991-18.10.1991
6	Prof. K.S. Gupta	19.10.1991- 29.04.1992
7	Prof. R.S. Darda	30.04.1992-31.12.1992
8	Prof. B.C. Mehta	1.1.1993- 13.12.1993
9	Prof. G.M. Mehta	14.12.1993-27.10.1995
10	Prof. A.S. Khan	28.10.1995- 31.7.1996
11	Prof. P.S. Jain	1.4.1996-31.7.2002
12	Prof. C.N. Mathur	31.7.2002 -7.9.2004
13	Prof. Arun Chaturvedi	8.9.2004- 2.9.2005
14	Prof. R.N. Vyas	3.9.2005- 2.9.2008

Sr. No.	Name of Dean	Tenure
15	Prof. Anju Kohli	3.9.2008-2.9.2011
16	Prof. S.C. Shrivastav	3.9.2011-2.9.2014
17	Prof. Farida Shah	3.9.2014-31.5.2017
18	Prof. Sadhana Kothari	31.05.2017-31.05.2020
19	Prof. Sanjay Lodha	1.06.2020-6.07.2020
20	Prof. Seema Malik	6.07.2020 ...

List of Faculty Members who have held Distinctive Administrative Positions at UCSSH

Name of Post	Name of Faculty Member
Associate Dean	Prof. S.S.H Rizvi, Prof. K.S. Gupta, Prof. R.M. Lodha, Prof. P.S. Jain, Prof. C.L. Sharma, Prof. S. R. Vyas, Prof. Vijay Laxmi Chouhan, Prof. R.N. Vyas, Prof. Farida Shah, Prof. N.S. Rathore, Prof. G. S. Kumpawat, Prof. Madan Singh Rathore, Prof. I.M. Kayamkhani, Prof. C. R. Suthar, Prof. Jinendra Jain (current)
Assistant Dean Student Welfare	Prof. C.L. Sharma, Prof. S.R. Vyas, , Prof. Vijay Laxmi Chouhan, Prof. Digvijay Bhatnagar , Prof. N.S. Rathore, , Prof. G.S. Kumpawat, Prof. Jinendra Jain. Dr. Naveen Nandwana, Dr. Ashish Sisodia. Dr. G.S. Chouhan, Dr. Neha Paliwal (current)
Proctor	Prof. I.M. Kyamkhani, Prof. A.P. Choudhary, Dr.Peeyush Bhadwia, Dr. Ashish Sisodia, Dr. P.S. Rajput (current)

List of Faculty Members of UCSSH who held Distinctive Positions in MLSU

Name of Post	Name of Faculty Member	
Vice Chancellor	Prof. G. C. Rai	
Member of Board of Management (BoM)	Prof. B.K. Lavania	Prof. Digvijay Bhatnagar
	Prof. R.N. Mookharjee	Prof. Neeraj Sharma
	Prof. G.M. Mehta	Prof. Seema Malik
	Prof. B.C. Mehta	Dr. Neeta Trivedi
	Prof. Prem Suman Jain	Prof. Pradeep Trikha
	Prof. Anju Kohli	Prof. Sanjay Lodha
	Prof. M.S.Rathore	Prof. Sadhna Kothari
Dean Students' Welfare (DSW)	Prof. Vijay Laxmi Chauhan	
	Prof. S. R. Vyas	
	Prof. Madan Singh Rathore	
	Prof. Pooran Mal Yadav (current)	
Chief Proctor	Prof. I. M. Kayamkhani	
	Prof. C.R. Suthar	
Dean, Post Graduate Studies	Prof.B.K. Lavania	
	Prof. R. N. Mookharjee	
	Prof. Sanjay Lodha	
	Prof. Seema Malik	
Chairman Sports Board	Prof. C.R. Suthar	
	Prof. Pooran Mal Yadav (current)	
Coordinator NSS	Prof. Farida Shah	
	Prof. I.M. Kyamkhani	
	Prof. C.R. Suthar (current)	

Student's Union

S.No.	President	Period
1	Kr. Kishor Singh	1989-90
2	Kr. Tejpal Singh	1990-91
3	Gajendra Jain	1991-92
4	Snehdeep Bhanawat	1992-93
5	Ajay Sony	1993-94
6	Siddarth Parikh	1994-95
7	Kr. G.S. Balot	1996-97
8	Deepak Vyas	1997-98
9	Kundan Singh	1998-99
10	G.S. Chundawat	1999-2000
11	Rajendra Menaria	2000-01
12	Kr. Ajaypal Singh	2001-02
13	Rajesh Vasita	2002-03
14	Kr. Kuldeep Singh	2003-04
15	Kr. Dilip Singh Sisodiya	2010-11
16	Vikram Khatik	2011-12
17	Dinesh Bhoi	2012-13
18	Prince Choudhary	2013-14
19	Mohit Nayak	2014-15
20	Mohit Parmar	2015-16
21	Jitesh Khatik	2016-17
22	Mahesh Roat	2017-18
23	BhagyodayaSoni	2018-19
24	Kr. Bhupendra Singh Devra (Sakroda)	2019-20
	Vice President	
1	Arvind Singh Rajawat	2019-20

Centre for Women's Studies

Prof. Pratibha
Director

Dr. Dolly Mogra
Assistant Professor

Dr. Garima Mishra
Assistant Professor

Establishment and Evolution

Centre for Women's Studies was established in 1988 under the state plan.

Courses Offered

The Centre has been offering capacity building courses with an aim to empower women through skill building, so as to achieve its goal of a gender neutral, gender sensitive and sustainable society.

Year	Programme	Nomenclature	Present Status
1991-1992	Certificate	Designing & Tailoring	Closed
1996-1997	Diploma	Fashion Merchandising & Readymade Garments	Running
1999-2000	Diploma	Textile Designing	Running
2018-19	U.G.	Gender Studies & Community Development	Running
2020-21	Diploma	Fashion Design and Technology	Approved in RUSA Project
2021-21	Certificate	Women and Legal Rights	Approved in RUSA Project

Available Resources

- The Department has two labs with sewing machines and other small equipment required for Capacity Building Diploma Course.
- The Department also has 02 personal computers,a printer and a projector.

Faculty

Names of Former and Present Faculty Members

- Dr. Dolly Mogra- Appointed-10th May 2016
- Dr. Garima Mishra- Appointed- 03rd July 2018

*In the beginning, no permanent faculty was appointed to the Centre

Name and Tenure of Directors-

- Prof. Vijaya Laxmi Chouhan (1989 to 2012)
- Prof. Renu Jatana (2012 to 2015)
- Prof. Digvijay Bhatnagar (2016 to 2021)
- Prof. Pratibha (2021........)

Achievements

Achievements of Former and Present Faculty Members

Dr. Dolly Mogra -

- **Administrative Contribution in Department/ Faculty/ University**

Incharge- Readymade Garments; Warden- Gargi Girls Hostel; NSS Officer- UCSSH Unit.

- **Social Responsibility and Community Development**

- Organised more than 80 activities for community development.
- As NSS Incharge during COVID-19period, organised mask making, distribution and other awareness activities.

- **Academic Contribution**

- Presented 07 research papers at various International and National level Seminars.
- Designed UG and PG level courses. Dr. Mograhas been working as the Principal Investigator in two projects of RUSA.
- 1 Book- Text book of Hand Embroidery (2016).

- **Appreciations/Awards**

S.No.	Year	Title
1.	2018-19	'National Builder Award' by Rotary Club Udaipur, Vasudha
2.	2019-20	'Shiksha Gaurav Alankaran' by Lions Club Udaipur Elite
3.	2019-20	Jury Member in Mr. & Ms. Dungarpur
4.	2019-20	Adawal: Rajasthan Sahitya Mahotsav
5.	2019-20	Appreciation letter by H'VC, MLSU (No. PSVC/MLSU/2020/270
6.	2019-20	Vishva' The Universe Awarded by Women's Self Defence Academy & Leo Martial Art Academy, India
7.	2019-20	'Udaipur Ratn' Samman by Rajasthan Sanskritiavam Sahitya Sansthaan, UDR

Dr. Garima Mishra

- **Administrative Contribution in Department/ Faculty/ University-**

Assistant Warden- MDS Girls Hostel; Associate Nodal Officer- Adopted Village of the University; Member of Proctorial Board of the University; Member of the Committee of Prevention of Sexual Harassment of Women at Workplace, MLSU.

❖ Social Responsibility and Community Development-

- Awareness programme on various issues in Dhar (adopted village of the University); Mask distribution and awareness programme during COVID-19 pandemic, in Raghunathpura and Dhar.
- Organised first all-Girls Nukkad Mandali with MLSU Students and performed a nukkadnatak 'SOCH' at major public places of Udaipur.
- Organised a 7 days Workshop for Construction Workers with special focus on adolescent girls, during Covid - 19 period. (These Workers were resided in as well as were employed in the university campus, during the workshop period).
- Interviews on All India Radio, Udaipur to create awareness and disseminate information about Women/Gender Studies and its objectives.

" Academic Contribution: -

- Presented 07 research Papers at International and National Seminars/Conferences etc.
- Published Research Papers- 8 (In reputed national and international journals)
- Contributed Chapter in a Book published by International Publication, 'Routledge'.
- Designed the UG course.
- Principal Investigator and Co-PI of RUSA Projects.

Achievements of the Department

A unique initiative for information dissemination through social media platforms- Under this initiative, the Centre issues weekly e-posters containing facts/figures/data/definitions of fundamental concepts related to / emphasizing upon socio-economic, political, legal and cultural status of women/gender in the society. These posters are circulating on various social media platforms including whatsapp groups so as to create awareness in the society in general and university students in particular. It aims to spread awareness about gender issues, challenge existing stereotypes and prejudices based on gender.-

On-going and Completed Research Projects- Three projects under RUSA 2.0 (Ongoing)

Programmes/Seminars/Workshops

S.No.	Name of the Events	Date	Number of Participants
			Regional
1	IV International Conference – Women Work & Health	27 July 2005	40
2	National Seminar Female Infanticide	19-20 January 2006	60
3	National Conference "Dayan Pratha"	25-26 April 2007	50
4	National Seminar Behavioral Challenges in Elderly People	11-12 January 2008	60
5	Divisional Level Training for Trainers on Addressing the Practice of Sex-Selection and Gender Discrimination	30-01 October 2009	45
6	International Conference Women, Work & Health	30-31 March 2010	75
7	National Conference Skill Orientation & Women Empowerment	23 December 2014	50
8	राष्ट्रीय संगोष्ठी स्त्रीवादी लेखन: साहित्य, मीडिया और समाज	28 -01 March 2015	60

S.No.	Name of the Events	Date	Number of Participants
			Regional
9	Personal Grooming as a Tool for Success	2/1/2019	40
10	Skill Development: Trouser Construction	4/1/2019	40
11	Capacity Building Programme	9/1/2019	38
12	Textile Ministry Policy: Awareness about Artisan card	28/1/2019	35
13	Benefits of Artisan card: An Exclusive Handicraft policy	29/1/2019	38
14	Fashion show	14/02/2019	47
15	Teachers day celebration	11/9/2019	41
16	"Manikarnika" Skill Orientation programme (Day 1-Personal grooming; Day 2-Jewellery Designing, Handicraft policy; Day3-Architechural planning for Boutiques; Day 4-Entrepreneurship skills for small scale business; Day 5-Grooming competition and exhibition)	11 to 16/9/2019	60
17	Essay competition on –Bharat ki Arthvyavastha me khadi ka yogdan	3/10/2019	60
18	Handmade handicraft-product competition	4/10/2019	40
19	Awareness Rally		30
20	Motivational Lecture on –How to lead success	12/10/2019	35
21	Workshop on Deepak Decoration Ideas	16/10/2019	55
22	'Express Yourself' contest on Gandhi Jayanti	02102/2020	48
23	National Webinar on 'Gender & Migration'	27/10/2020	150
24	One-week Workshop with Construction Workers with Special focus on Adolescent Girls	26.10 to 01.11.2020	08
25	Awareness poster released on Covid-19 preventive measures	02/11/2020	54
26	Interactive Session on Civil Services Examinations and the changing scenario	10/01/2021	72

*All the events were organized in association with UGC Centre for Women's Studies

Important dignitaries that visited the department

- Ms. Pratibha Singh Patil (Former President of India)
- Dr. Girija Vyas (Ex Minister)
- Smt. Kiran Maheshwari (Ex minister)
- Sh. Kanakmal Katara (Ex Minister)
- Dr. Anand Kumar
- Dr. Vimal Chaged
- Smt. Vandana Meena, Ex - MLA
- Dr. Vibhuti Patel, Retd. Professor, TISS Mumbai
- Mr. Manish Deo Mishra (IRS), Deputy Commissioner
- Ms. Prem Dhande, Dy. SP, Girwa, Udaipur

Achievements of Former and Present Students

- Students have been employment in Boutiques and NGOs like Sadhna, Kamli (Vanvasi Kalian Parishad) and Fab India brand, as managers, master pattern developers and trainers.
- Ms. Gaytri Jat has been selected as the Sarpanch of Khempur village, Mavli tehsil.

Department of Economics

Dr. Deepa Soni
Asstt. Professor & Incharge-head

Dr. Neha Paliwal
Assistant Professor

Ms. Vinita Rajpurohit
Assistant Professor

Ms. Anita Joya
Assistant Professor

Mr. Mukesh Meena
Assistant Professor

Establishment And Evolution

The Department of Economics was Established in 1962. The Department of Economics is a distinguished unit of Mohanlal Sukhadia University with its immense contribution to higher education in the field of Economics in Rajasthan. It has been a constituent part of the University of Udaipur (old name of Mohanlal Sukhadia University) since 1964 and with the reconstitution of the University in 1982, it became a part of University College of Social Sciences and Humanities (UCSSH) of. At present, it is one of the major departments of UCSSH and Mohanlal Sukhadia University, Udaipuras well.

The Vision of the Department is to aim for excellence in teaching, research and outreach by imparting quality education to the students. **Our Mission** is to nurture the talent of the Students and transform them into valuable human capital for sustainable future of the society and nation so that they can compete and excel at the global level.

Courses offered

- BA Pass Course
- BA Honours
- Post Graduation- Annual Scheme (Upto 2011); Semester Scheme (2011-2017)
- CBCS-2017 onwards
- MPhil
- Ph.D.

Every year, about 300 students get enrolled in these courses. The under graduate courses aim at encompassing knowledge and learning of basic concepts and theories related to economics while PG level courses focus on advance theoretical and practical aspects of the subject with diversity of options and skills of data analysis through software.

The thrust areas of research in the Department are: Socio-Economic Development of Tribals, Agricultural Development, Macroeconomic issues, Financial and Development Issues of Rajasthan and India.

The updating of syllabi is a regular practice of the department and the present syllabi is catering to the needs of the students who are preparing for competitive exams like NET, SET, UPSC and RPSC exams for academic and administrative posts.

Available Resources

Computers-5; Smart room-1 (Shared with other Departments)

Faculty

Names of Former and Present Faculty Members

- Prof. B.K. Tandon
- Dr. B.S. Murdia
- Dr. B.L. Dhakar
- Dr. G.G. Dravid
- Prof. B.N. Sharma
- Prof. B.C. Mehta
- Prof. G.M.K. Madnani
- Dr. Kusum Padliya
- Dr. Ila Chakravarty
- Prof. Anju Kohli
- Prof. Farida Shah
- Prof. A.P. Choudhary
- Dr. Neha Paliwal
- Dr. Deepa Soni
- Ms. Vinita Rajpurohit
- Ms. Anita Joya
- Mr. Mukesh Meena

Name and Tenure of Former Heads

- Prof. B.K. Tandon (Founding Head-1962)
- Dr. B.S. Murdia
- Dr. B.L. Dhakar
- Dr. G.G. Dravid
- Prof. B.N. Sharma
- Prof. B.C. Mehta (1983-1986)
- Prof. G.M.K. Madnani
- Dr. Kusum Padliya
- Dr. Ila Chakravarty
- Prof. Anju Kohli (1995-1998, 2001-2004, 2007-2010)
- Prof. Farida Shah (1998-2001, 2004-2007, 2010-2013, June2016-2017 May)
- Prof. A.P. Choudhary (2013-2016)
- Prof. Monika Nagori (2017- 2018)/Dr Neha Paliwal (Incharge since Sept 2017)
- Prof. Sanjay Lodha (Jan-June 2018)/Dr Neha Paliwal (Incharge)
- Prof. Seema Malik (July 2020-Jan. 2021)/Dr Deepa Soni (Incharge since 22 Oct. 2020 ----)

Achievements of the Faculty

The Department is proud of its eminent faculty members who have rendered their services not only in the field of teaching but also in research activities. Prof. B.C. Mehta and Prof. G.M.K.Madnani are known nationwide for their expertise in Econometrics and Mathematical Economics.

The Research Papers and Articles of the faculty members have been published in popular journals like Manpower, Journal of Higher Education, Indian Economic Journal, Journal of Educational Planning and Administration, Economic and Political Weekly, Economic Affairs etc. and in regional and national newspapers such as Economic times.

Many books of the faculty members have been published by reputed publishers like Rajasthan Hindi Grantha Academy, Himalaya Publishing House, Sultan Chand & Sons, National Publishing House etc.

The faculty members of the department have done more than 30 research projects funded by UGC, ICSSR, NIEPA, Government of Rajasthan, TRI etc.

Apart from this, they have also been graced with various achievements and awards i.e., Government of Poland Fellowship Award, Indo-American Post-Doctoral Fellowship Award and Emeritus Fellowship by UGC etc.

The faculty members have also contributed in the administration of College and University and have been the members of various academic bodies at state and national level. The former and present faculty members have served the College and University in significant administrative capacities.

Prof. B.C. Mehta, Prof. Anju Kohli and Prof. Farida Shah have contributed as the Faculty Chairman of Social Sciences and Dean of UCSSH. Prof. B.C. Mehta and Prof. Anju Kohli were also the members of Board of Management (BoM) and Prof. Farida Shah has also worked as NSS Coordinator of MLSU. Prof. Arunprabha Chaudhary worked as Proctor of UCSSH and Dr. Neha Paliwal has served as NSS Programme Officer and Assistant Dean Student Welfare of UCSSH.

The faculty members have also contributed in other universities, academic institutions and associations in various organizational capacities. They have worked with various national and state level bodies and associations such as, Indian Economic Association (IEA), Indian Society of Labour Economics (ISLE), Rajasthan Economic Association (REA), Indian Econometric Association , University Grants Commission (UGC) , Indian Council of Social Science & Research (ICSSR), National Institute of Education Planning and Administration (NIEPA), Institute of Human Development (IHD), Institute of Development Studies, Jaipur and Tribal Research Institute (TRI), Udaipur, Rajasthan State Council of Education and Training.

Achievements of Former and Present Faculty Members

Prof. B.C. Mehta	▪ Head, Department of Economics, Sukhadia University 1983-86; Dean CSSH (1993); Chairman Faculty (1993-94); Member of Board of Management of MLSU. • President, Rajasthan Economic Association, 1979-80 • Awarded Emeritus Fellowship by U.G.C., 1994. • Government of Poland Fellowship, 1966. Indo-American Post-Doctoral Fellowship, 1980, University of Pennsylvania, U.S.A. ▪ Books Published:20 ▪ Articles published: More than hundred ▪ Projects Completed/ Project Reports Published: 19 Research Guidance-16 students
Prof. Anju Kohli	▪ Head, Department of Economics, MohanlalSukhadia University; Dean UCSSH; Faculty Chairman; Member of Board of Management of MLSU. • President, Rajasthan Economic Association. • Awarded Emeritus Fellowship by U.G.C., 2013. ▪ Books Published: 04 ▪ Article published inJournals and Edited Books: 60 ▪ Projects Completed: 08 ▪ Research Guidance-30 students

Prof. Farida Shah	▪ Head, Department of Economics, Mohanlal Sukhadia University; Dean UCSSH; Faculty Chairman; Member of Board of Management of MLSU. • President, Rajasthan Economic Association. • Best Light House Lioness Award in 2010-11 by Lioness District Committee, 323-E-2, Udaipur. ▪ Books Published:02 ▪ Article published inJournals and Edited Books: 45 ▪ Projects Completed: 03 ▪ Research Guidance-16 students
Prof.A.P. Choudhary	▪ Head, Department of Economics, Mohanlal Sukhadia University; Proctor UCSSH. ▪ Books Published:01 ▪ Article published in Journals and Edited Books: 45 ▪ Projects Completed: 03 ▪ Research Guidance: 15 students
Dr. Neha Paliwal	▪ In-charge of Department of Economics (September 1, 2017- October 21,2020). ▪ NSS Programme Officer, UCSSH, MLSU: 2017-18 and 2018-19. ▪ Member of IQAC, MLSU(2020-21) ▪ ADSW, UCSSH, MLSU since August 12, 2020. ▪ Projects Completed: 01 ▪ Research Guidance- 01candidate (Completed) ▪ 05 candidates (Registered)

Achievements of Former and Present Students

The scholars of the department are regularly being awarded with doctoral and post-doctoral fellowships from ICSSR and UGC. The Alumni of the Department are presently working in Civil services, Reserve Bank of India and other Banks as administrators or data analysts and in schools, colleges and universities as teachers and in research institutes as researchers.

No. of NET/SLET/JRF qualified	25
Civil Services	15
Corporate Sector	10
University/College Teaching	40
Banks	15

Important Posts Held by Alumni

S.No	Name of Alumini	Designation
1.	Prof. Anju Kohli	Emeritus Professor(Retired) Department of Economics (UCSSH) MLSU Udaipur
2.	Prof. Farida Shah	Professor (Retired),Department of Economics (UCSSH) MLSU Udaipur
3.	Prof. Arun Prabha Choudhary	Professor (Retired) Department of Economics (UCSSH) MLSU Udaipur
4.	Prof. Ganesh Kawadia	Professor(Retired)Department of Economics, School of Data Science and Forecasting, Devi Ahilya University, Indore, Takshila Campus Khandwa Road, Indore 452001
5.	Prof. AlpanaKateja	Professor Department of Economics University of Rajasthan Jaipur (Rajasthan)
6.	Dr. Ashok Soni	Associate ProfessorDepartment of Economics Government Meera Girls College Udaipur.

S.No	Name of Alumini	Designation
7.	Dr. Vandana Verma	Associate ProfessorDepartment of Economics Government Meera Girls College, Udaipur.
8.	Dr. Hansa Jain	Associate Professor, Department of Economics Sardar Patel Institute of Economic and Social Research. Ahmedabad.
9.	Venkatesh Sharma	Indian Forest Service (1994 batch) Presently posted as ADDITIONAL DIRECTOR HCM RIPA UDAIPUR
10.	Dr. Neha Paliwal	Assistant Professor, Department of Economics MLSU(UCSSH) Udaipur Rajasthan
11.	Dr. Naresh Patel	Associate Professor, Department of Economics B.N. University Udaipur Rajasthan.
12.	Dr. Laxman Salvi	Assistant Professor, Department of Economics Jai Narain Vyas University Jodhpur Rajasthan
13.	Dr. Pragati Jain	Asstt. Professor, Department of Economics , Central University Kishangarh. (Rajasthan)
14.	Dr Shailsingh Solanki	Zila Pariyozana Adhikaari Nagar Nigam, Udaipur
15.	Dr. Vishnu Paliwal	Statistical Officer, Block Girwa Udaipur
16.	MamtaKumawat	Additional Director (Animal Husbandry), Udaipur.
17.	Lalit Meghwal	Statistical Computor, Block Statistical office Sayra, Udaipur (Economics and Statistics Department)
18.	Sudhir Dave	Director (Stats.) Tribal Area Development Udaipur

Other Alumni

- ❖ Dr. Ishan Sukhla- General Manager, Reserve Bank Of India.
- ❖ Dr. Pradeep Punjabi- Retd. Professor, JRN Vidyapeeth University, Udaipur
- ❖ Dr. Suman Pamecha- Professor JRN Vidhyapeeth University, Udaipur.
- ❖ Dr. MahendraRanawat- Associate Professor, B.N. University, Udaipur.
- ❖ Dr. Kranti Kapoor- Associate Professor, Law University, Jodhpur.
- ❖ Dr. Mukesh Chauhan - Associate Professor, Economics, Hadi Rani Govt. College, Salumber.
- ❖ Dr. Samuel MwachiroMwasani- Lecturer, Pwani University, kilifi Kenya.
- ❖ Dr. Madhvi Paliwal- Assistant professor, MG college. Udaipur
- ❖ Prahlad Dhakar - Assistant Professor Economics, Government college Kherwara. Udaipur (Rajasthan).
- ❖ Dr. Chirag Bhatt. - Chief Manager (Planning), Bank of Baroda, Zonal Office Rajkot. Gujarat.
- ❖ Chanchal Jain- Assistant professor, Economics. Swami Vivekanand Govt. P.G. College Neemuch.(M.P)

Department of Education

Prof. C. R. Suthar
Chairman, Faculty of Education

Establishment and Evolution

The Department of Education was established in the year 2017 due to the untiring efforts of Prof. Sadhana Kothari, Dean, UCSSH and Former Chairperson, Faculty of Education and Dr. Alpana Singh, Head/Incharge, Department of Education, MLSU along with the active interest of Prof. J.P. Sharma, Hon'bleVice Chancellor, MLSU. The Department was formally inaugurated by Hon'ble Minister Higher and Technical Education, Rajasthan Smt. Kiran Maheshwari on November 11, 2017. The department got recognition from NCTE to run two year B. Ed. and M. Ed. Programs from the session 2017-18. Four Year Integrated B.A., B.Ed., and B.Sc., B.Ed. programs were also started in the year2018-19. The Department started organizing Ph.D. Coursework in Education from the year 2019.Recently, M. A. Education and Post Graduate Diploma in Guidance and Counseling Courses have also been started.

Achievements

- **Dr. Sapna Mawatwal awarded O. P. Sharma Award**, 2018-2019,by Rajasthan Sociological Association for her published book titled "Janjati Chatarye: Shiksha Evum Sashaktikaran".

Seminars/Webinars/Workshops organized by the Department

- **Seminar on "New Vision of Teacher Education: Issues & Challenges"** for the Principals of affiliated Colleges organized on March 21, 2018 at RNT College of Teacher Education, Kapasan and on March 23, 2018 at Aravali Teacher Training College, Debari.
- A three-day workshop on **"Promoting Qualitative Research in Education"** (March 27-28, 2019)
- **NCERT Teacher Training Program on Vocational Pedagogy for Vocational Teachers** jointly organized by Vocational Skill University, Bhopal and Faculty of Education, MLSU, from January 21- 25, 2019 at SCERT, Udaipur.
- Workshop-**"Nai Talim Experiential Learning and Community Engagement"** organised by Faculty of Education, MLSU, Udaipur & MGNCRI, MHRD, on 27th May 2019, for faculty members of Teacher Education Institutes of MLSU.
- **Ph. D. Coursework** in Education, Physical Education and Yoga, organized from May 20 to June 29, 2019.
- Five Days' **Faculty Development Programme**, sponsored by MHRD was organized from July 27th to 31st, 2019 in collaboration with MGNCRE and Dept. of Higher Education, MHRD.
- National Webinar, **"Education 4.0 Need: Future of Education"** was organized on June9, 2020.
- An online **Swachhta Action Plan (SAP) Workshop** was jointly organized, by MGNCRI, Ministry of Education and Dept. of Education, MLSU on 31st August 2020.One hundred and two Principals of constituent and affiliated colleges of MLSU participated in this workshop.
- A webinar on Teachers Day, 2020, titled **"Vision of NEP 2020 for Higher Education"** organized, in which faculty members and students of the colleges affiliated to MLSU participated.

Department of English

Dr. Minakshi Jain
Associate Professor & Head

Prof. Seema Malik
Professor

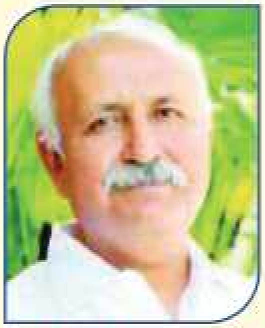

Prof. Pradeep Trikha
Professor

Dr. Khushpal Garg
Asstt. Professor

Mr. Mahendra Purohit
Asstt. Professor

Mrs. Kopal Vatsa
Asstt. Professor

Dr. Anjali Singh
Asstt. Professor

Dr. Bhanupriya Rohila
Asstt. Professor

Mrs. Snehlata Tailor
Asstt. Professor

Mr. Saurabh Meena
Asstt. Professor

Establishment and Evolution

The Department of English, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur was established in 1959. Its founder faculty included luminaries such as Sh.Nagarmal Sehal, Sh. Isaac Sequiera, and Sh. V.V. John. Soon to join were Dr. K.L. Sharma, Sh. Tirthankar Bose, Sh. Niaz Ahmed, Sh. S.B. Mathur, Sh. V.C. Srivastava, Sh. J.G. Massey, Dr. R.N. Mukherjee, Sh. Chirantan Kulshreshtha, Sh. S. N. Joshi, Prof. G.M. Mehta, Sh. P. C. Maloo, Sh. Abdul Basit.Prof. Sharad Srivastava, Prof. Nafisa Hatimi, Prof. Ashutosh Mohan, Prof. Seema Malik, and Dr. Minakshi Jain joined the Department still later. Prof. Pradeep Trikha, and Dr. Khushpal Garg came in the year 2012. Six new members were appointed in 2018, making the strength of present members as follows-

1. Prof. Seema Malik
2. Prof. Pradeep Trikha
3. Dr. Minakshi Jain
4. Dr. Khushpal Garg
5. Ms. Kopal Vatsa
6. Dr. Bhanupriya Rohila
7. Dr. Anjali Singh
8. Mr. Mahendra Singh Purohit
9. Ms. Snehlata Tailor
10. Mr. Saurabh Meena

Head of the Department, during the period mentioned below

S.No.	Name of the Head	Tenure
1.	Dr. K.L. Sharma	Sept. 1964 to Dec. 1973
2.	Sh. Tirthankar Bose	Dec. 1973 to Dec. 1975
3.	Dr. K.L. Sharma	Dec. 1975 to Dec. 1976
4.	Dr. S. B. Mathur	Dec. 1976 to Dec. 1978
5.	Dr. V. C. Srivastava	Dec. 1978 to Dec. 1981
6.	Sh. J.G. Massey	Dec. 1981 to Dec. 1983
7.	Dr. R.N. Mukherjee	Dec. 1983 to Dec. 1986
8.	Dr. S.B. Mathur	Dec. 1986 to Dec. 1989
9.	Sh. V C Srivastava	Nov. 1989 to Dec.1992
10.	Prof G.M. Mehta	Dec. 1992 to Dec. 1995
11.	Dr. P.C. Maloo	Dec. 1995 to Dec. 1998
12.	Dr. Sharad Srivastava	Dec. 1998 to Dec. 2001
13.	Prof. NafisaHatimi	Dec. 2001 to Dec. 2004
14.	Dr. Ashutosh Mohan	Dec. 2004 to Dec. 2007
15.	Prof. Seema Malik	Dec. 2007 to Dec. 2010
16.	Prof. Sharad Srivastava	Dec. 2010 to Dec. 2013
17.	Prof. Seema Malik	Dec. 2013 to Dec. 2016
18.	Prof. Pradeep Trikha	Dec. 2016 to Jan. 2020
19.	Dr. Minakshi Jain	Jan. 2020...

Courses and Resources

The Department offers B.A. (Pass Course), B.A.(Hons), M.A. (CBCS Sem. Scheme), M. Phil., and Ph.D.Programmes. The M.Phil programme is not running at present. The department has also been running a one year Certificate Course in English since 1987-88. It has a well-equipped Language Lab with multimedia audio visual system and computers. In addition, there is a departmental library which stocks relevant books on literature and language.

Achievements

Achievements of the Faculty

The Faculty members of the Department have been actively engaged in curricula designing, research and writing, besides their regular teaching assignments. Members of the faculty regularly participate in seminars, symposia, workshops, etc., and contribute to various literary magazines and research journals. They have been guiding research scholars for the Ph.D. programme. The faculty members have published research papers in Journals of national and international repute.

The Department organizes curricular and extracurricular activities for the students, including International and National Seminars and Conferences, Writers' Festivals, Quiz Contests, Declamation Contests and Group Discussions. In addition, the Department has been organising Inter-varsity National level Niaz Memorial Debate, annually, since 1979.

- **Prof. Seema Malik** has recently been granted a Research& Innovation Project- "Folklore of Vagad Region: Mapping Oral Traditions", under RUSA2.0 (Rs. 31 lakhs) and is currently working on it, as Principal Investigator. She has rendered her services in various administrative and academic positions in the University, such as Member, Board of Management; Dean, Post-Graduate Studies; Chairperson, Faculty of Humanities; Director, University Language Lab; Head, Department of English, and presently, she is the Dean, University College of Social Sciences and Humanities. She has completed two UGC Minor Research Projects. Prof. Malik has authored two books and edited one book entitled "Ethics and Aesthetics: Essays in Indian Literature. She has been awarded the Fulbright Fellowship for Administrators in Higher Education, Nehru IEAS 2018 Awarded & Certified by J. William Fulbright Foreign Scholarship Board and the Bureau of Educational and Cultures Affairs of the United States. She was also invited to Nanyang Technical University, Singapore for the Leadership for Academicians Programme (LEAP, 2019) of the MHRD, New Delhi, Government of India. She has delivered a number of invited talks as UGC Visiting Professor to various universities in India as well as in Cordoba, Spain; Melbourne, Australia; Chicago, USA; Colombo, Sri Lanka. Prof. Seema Malik was awarded Shan-e-Adab 2016 by Kafla Intercontinental Writers' Association. Currently, she is pursuing D.Litt.
- **Prof. Pradeep Trikha** has recently translated Madhav Hada's much acclaimed book on Meera, Pachrang Chola Pahan Sakhi Ri (2016). It has been published by Vaani Prakashan, New Delhi as, Meera vs Meera (2020). He has written, and edited ten books. He had been the Editor/Assoc. Editor, for a number of years, for Lemuria, the Journal on Indo-Australian Writings and Prosopisia, An International Journal of Poetry and Creative Writings. Presently, he is the Chief Editor of Objet-d'-Art, An International Journal of Museum Studies, Culture, and Creative Writing. He has delivered Invited Lectures at Universities of Melbourne, NSW, Wollongong, Canberra, Queensland, ANU, ACU, in Australia. In USA, he was invited by Washington Univ., NYU, and Harvard Univ. He has also delivered lectures in various universities across India, such as, BHU, JNU, Kerala Univ., Bankura Univ., Central Univ. of Rajasthan and Haryana. He has held portfolios like Member, Board of Management; Director, University Language Lab.; Coordinator, Competitive Examination Coaching Centre; Advisor, International Students, MLSU; and Head, Department of English.

Following activities were organized during the last few years-

- National Seminar on "Ethics and Aesthetics in Indian Literary Practices" in September 2008
- International Conference on "Performing the Postcolonial" organized by Indian Association for Common Wealth Literature and Language Studies (IACLALS) and Department of English, M.L.S. University, Udaipur in January 2008.
- Celebrating hundred Years of Tagore's Gitanjali in November 2013
- National Seminar on "Rethinking Mahabharata: Contemporary Contexts and Texts" in March 2015
- International Writers' Festival, in October 2016, in collaboration with Kafla Foundation.

- A Faculty Development Programme on 'Postcolonial, Transnational and World Literatures: Contexts and Approaches" under the aegis of MHRD's Global Initiative of Academic Networks (GIAN) Course in January 2017
- City Mandarins Writing The City, the City Stories Utsav in October 2017
- International Conference on "Planetary Futures and the Global South" in Jan. 2018.
- National Conference on "Borders and Spaces: Re-Calibrating Indian Diaspora in the 21st Century", Dec. 2019, in collaboration with ICSSR, New Delhi.

Other Achievements

The Department has been sanctioned a Center for Communication Skills in English and Foreign Languages, under RUSA 2.0 (MHRD Scheme). The Centre will offer Certificate and Diploma Courses in English and some of the Foreign Languages, such as German, French, and Spanish.

Some of the Foreign Dignitaries, Writers and Academicians, that visited the Department

Manfrd Draut, Austria; Evelyne Hanquart Turner, Netherland; Jill Didur, Canada; Ludmila Volna, France; Vijay Mishra, Australia. The distinguished visitors from Indian Universities include, GJV Prasad, NiluferBharucha, P C Kar, Tutun Mukherjee, G Tirupat Kumar, Sridhar, Jaywanti Dimri, Kapil Kapoor, Harish Trivedi, E V Ramakrishnan, K M Pandey, Anita Singh, Sushila Kaushik, Sudha Rai, Jasbir Jain, Rajul Bhargav, Sudhi Rajiv, Akshay Kumar, Anoop Beniwal, Harish Narang, A K Singh.

The distinguished Student Alumni of the Department

- Chirantan Kulshreshtha- Fulbright Scholar
- C P Vyas- IAS
- B N Yogeshwar- IPS
- G H Lunaich- IPS

Several students of the Department are rendering their services in Universities, Colleges, and Schools across the nation.

Department of Fashion Technology and Designing

Dr. Dolly Mogra
Asstt. Prof.

Establishment and Evolution

Mohanlal Sukhadia University started the Readymade Garments Course under the state plan of 1990-91 and this unit was given the name as an independent 'Dept. of Fashion Technology and Designing' in 2020-21

Programmes run earlier and at present

All the offered courses have been designed with an aim to groom personalities to such a level that they can create a mark in both individual and societal growth and development.

Courses Offered

Year	Programme	Nomenclature	Present Status
1991-1992	Certificate	Designing & Tailoring	Closed
1996-1997	Diploma	Fashion Merchandising & Readymade Garments	Running
1999-2000	Diploma	Textile Designing	Running
2020-21	M.Voc	Fashion Technology and Designing	From this session
2020-21	Diploma	Fashion Design and Technology	Approved in RUSA Project
2020-21	UG	Fashion Technology and Designing	Approved

Available Resource

The Depatment has two labs with sewing machines and other small equipments required for Fashion and Textile Designing students.There is 01 personal computer, a printer and projector as well.

Names of Former and Present Faculty Members

Dr. Dolly Mogra, Incharge, Head & Assistant Professor is the faculty member working in the Dept from 10thMay 2016.

*Earlier no permanent faculty was appointed in the department.

Name and Tenure of Heads/Directors/In charges/(All)

Director of Centre for Women's Studies worked as Head/Director of Readymade Garments Course. Prof. Vijaya Laxmi Chouhan, Prof. Renu Jatana and Prof. Digvijay Bhatnagar have worked as the Director and currently Prof. Pratibha is working as the Director of the Course.

Achievements of Former and Present Faculty Members

Dr. Dolly Mogra

S.No.	Name of the Events	Date	Number of Participants
			Regional
1	Personal grooming as a tool for success	2/1/2019	40
2	Skill Development: Trouser Construction	4/1/2019	40
3	Capacity Building Programme	9/1/2019	38
4	Skill Orientation: Designer Blouse Construction	15/1/2019	37
5	Textile Ministry Policy: Awareness about Artisan card	28/1/2019	35
6	Benefits of Artisan card: An Exclusive Handicraft policy	29/1/2019	38
7	Fashion show	14/02/2019	47
8	Teachers day celebration	11/9/2019	41
9	"Manikarnika" Skill Orientation programme (Day 1-Personal grooming ; Day 2-Jewellery Designing, Handicraft policy; Day3-Architechural planning for Boutiques; Day 4-Entrepreneurship skills for small scale business; Day 5-Grooming competition and exhibition)	11 to 16/9/2019	60
10	Jewellery trends for fashion apparels	18/9/2019	40
11	Essay competition on –Bharat kiarthvyavastha me khadi ka yogdan	3/10/2019	60
12	Handmade handicraft-product competition	4/10/2019	40
13	Awareness Rally		30
14	Motivational Lecture on –How to lead success	12/10/2019	35
15	Workshop on Deepak decoration Ideas	16/10/2019	55
16	Diya sajao competition	18/10/2019	55
17	Tie and Dye	18.11.2019	15
18	Quilling workshop	21.11.2019	13
19	Fashion Apparel Construction Workshop and fashion Show	13 /11/2019 to 06/12/2019	45

Appreciation / Awards

S.No.	Year	Title	Date	Page No.	API
1.	2018-19	'National Builder Award' by Rotary Club Udaipur, Vasudha	05. 09. 2018	218	2
2.	2019-20	'Shiksha GsauravAlankaran' by Lions Club Udaipur Elite	05. 09. 2019	219	2
3.	2019-20	Jury Member in Mr. & Ms. Dungarpur	28. 09. 2019	220	2
4.	2019-20	AAdawal: Rajasthan Sahitya Mahotsav	5-8/07/ 2019	221	2
5.	2019-20	Appreciation letter by H'VC, MLSU (No. PSVC/MLSU/2020/270	08.02.2020	222	2
6.	2019-20	Vishva' The Universe Awarded by Women's Self Defence Academy & Leo Martial Art Academy, India	08. 03. 2020	223	2
7.	2019-20	'Udaipur Ratn' Samman by Rajasthan Sanskritiavam Sahitya Sansthaan, UDR	29. 02. 2020	224	2

Department of Geography

Prof. Seema Jalan
Head

Dr. D. S. Chouhan
Asstt. Professor

Dr. Urmi Sharma
Asstt. Professor

Dr. Sabiha Khan
Asstt. Professor

Dr. Bhanwar V. Raj Singh
Asstt. Professor

Dr. Vijay Singh Meena
Asstt. Professor

Establishment and Evolution

Established in the year 1955, as Post Graduate Department of Geography of University of Rajasthan. It served the state as a premier centre of Geography. With the establishment of University of Udaipur in 1964, it became a constituent unit of School of Basic Sciences and Humanities of Udaipur University and later with the reconstitution of the University it became a part of the University College of Social Sciences and Humanities of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur. As a forerunner department, it played the role of a nursery of geography teaching and research in the state. During a period of more than sixty-five years of its existence and progress, it has steered the direction and pace of geographic studies through its innovative programmes and trained manpower. The alumni of the department have served varied organization, in professional and administrative capacity in research institutions as well as in state and central government.

Courses and Resources

Following academic programmes have been entrusted to the Department under the jurisdiction of faculties of Social Sciences and Earth Sciences-

Ph.D.	M.A./M.Sc. , PG Diploma Geo informatics	B.A. Honours

A continuous process of revision and upgradation of course curriculum has been a regular feature of the department since its inception. Courses like Air Photo Interpretation, Remote Sensing and Computer Application were introduced early on in the Department. A PG Diploma Course on Geo Informatics has also been structured and received approval to be introduced from the next academic session(2021-2022) to empower geography students to avail opportunities in new and expanding professional careers in the field of Geospatial Technology.

Major Thrust Areas of Research of the Department

Agricultural Studies	Transport Network and Flow Analysis
Wasteland Utilization and Management	Industrial Network and Impact Analysis
Regional Development and Spatial Planning	Environmental Impact Studies
Urban Morphology, Function & Growth	Tribal Area Development Studies
Locational Analysis	Application of Geospatial Technology
Population Studies	Digital Cartography

Faculty

Present Faculty Members

Prof. Seema Jalan	Head & Professor	Dr. Bhanwar V. Raj Singh	Assistant Professor
Dr. Devendra Singh Chouhan	Assistant Professor	Dr. Sabiha Khan	Assistant Professor
Ms. Urmi Sharma	Assistant Professor		
Dr. Vijai Singh Meena	Assistant Professor		

Former Faculty Members who have served the Department with distinctive services and contribution to the discipline

Shri G. N. Mathur	(1949 – 1958)	Prof. N. L. Gupta	(1955 – 1988)
Shri. D. N. Chaturvedi	(1955 – 1987)	Shri. Mohi-ud-din-Sheikh	(1957 – 1958)
Prof. A. N. Bhattacharya	(1958 – 1979)	Shri. D. C. Bharadwaj	(1958 – 1986)
Dr. P. K. Durrani	(1959 – 1960)	Dr. Laxmi Shukla	(1960 – 1961)
Dr. Munir-ud-din Rizvi	(1961 – 1962)	Shri. M. L. Soni	(1962 – 1963)
Shri. A. P. Sinha	(1963 – 1964)	Dr. L. N. Verma	(1964 – 1989)
Shri. R. S. Rathore	(1964 – 1998)	Dr. Devendra K. Kothari	(1967 – 1974)
Shri. S. L. Hiran	(1970 - 1970)	Shri. Mumtaz Khan	(1971 – 1972)
Dr. Raj Mal Lodha	(1972 – 2000)	Dr. A. P. Bharadwaj	(1975 – 2013)
Prof. R.N. Vyas	(1977 – 2010)	Dr. K. D. Pathak	(1979 – 1980)
Dr. Anita Kavadia	(1980 – 1982)	Smt. Anita Bharat Shah	(1987 – 1988)
Prof. N. S. Rathore	(1987 – 2013)	Dr. Kumudini Chanwaria	(1988 – 1991)
Shri. HarkeshMeena	(1990 – 1995)	Prof. H. L. Joshi	(1991 – 2014)
Prof. L. C. Khatri	(1991 – 2015)	Prof. I. M. Kayamkhani	(1991 – 2018)
Prof. P. R. Vyas	(2011 – 2018)		

Achievements

- The faculty members of the Department are also working in collaboration with national and international scholars and with institutions as well as participating actively in research.The faculty members have successfully completed and are engaged with several research projects sponsored by UGC, DST (both Govt.of India and Govt.of Rajasthan), ICSSR, Ministry of Environment, Swedish International Development Agency, RUSA, MLV Tribal Research Institute etc.
- The Department has also received endowment funds from Bheru Lal - Lilawati Sukhwal Foundation Inc. (Charitable Foundation), USA for two scholarships for research scholars and postgraduate students, One in the name of the Sukhwal Foundation and another in honour of late Prof. A. N. Bhattacharya.
- The faculty and students of the Department organise weekly half-day seminars under the banner of Aravalli Geographers, founded in 1959.
- Several national and regional seminars, refresher courses, conferences, short term courses and workshop are organised by the Department.
- The Ministry of Human Resource Development, under RUSA - 1 and RUSA - 2 provided funds

  (1.2 crore) for the establishment of Geospatial Skill Development Centre and Entrepreneurship Cell.

This Centrewill be the only Centre for geospatial technology in any university of Rajasthanwhere inter disciplinaryprofessional programs in the field of geospatial technology will be run in association with industry. Theseprograms will be fully employment-oriented in public andprivate sectors, and will enrich research andteaching. Postgraduate diploma and certificateprograms in geospatial technology will be started soon.Over time, training programs for government personnel and consultancy projects for government departmentswill also be undertaken. This centre will be an important link to embody the concept of Digital India and SelfReliant India of the Government of India.

Non-Teaching and Ministerial Staff are serving the Department

Mr. Bheru Singh Kitawat	LDC
Mr. Kailash Meena	Cartographer
Mr. Udai Lal Dangi	Peon
Mr. Jayanti Lal Meena	Lab. Assistant
Mr. Roop Lal Gameti	Lab Boy

Geographic Information System (GIS)

Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur was the pioneer department in the State of Rajasthan to have integrated geospatial technology in its post graduate curriculum way back in 1984-85 under the leadership of erstwhile Head of the Department Dr. N.L.Gupta. Till date, it is the only department among all the state universities of Rajasthan to offer intensive theoretical knowledge and hands on training in open-source and proprietary geospatial softwares, along with the post-graduate programme. Since 2013, the department has been successfully participating in the basic and advanced courses in geospatial technology, conducted under the Outreach Programme of Indian Institute of Remote Sensing (IIRS) & Indian Space Research Organisation (ISRO), Dehradun.

As part of geospatial infrastructure a state of art, Prof. A. N. Bhattacharya GIS Laboratory, and a Skill Development Centre has been set up in 2015. Presently, a specialized research and training centre 'Geospatial Skill Development Centre and Entrepreneurship Cell' is being established with financial support of approximately. 141 lakhs from Rashtriya Ucchtar Shiksha Abhiyan (RUSA 2.0), MHRD, Government of India. The centre will offer multi-level multi-disciplinary professional courses in geospatial technology in close association with industry.

The department has also been actively playing a meaningful role in sensitization, awareness generation and capacity building. Since 2015, two GIS awareness workshops for students and faculty in 2015 and 2016; two three-week national level DST-NRDMS. Sponsored Winter Schools in Geospatial Technologies, in 2016 and 2019, have been conducted successfully. In 2017 and 2018 two brainstorming sessions for 'Developing an Exclusive Programme for Women Scientists in the field of Geospatial Technology for Training, Skill Development and Employment Generation' and 'Strengthening Interdisciplinary and Inter-institutional Research in the State of Rajasthan' were successfully organized on behalf of the Department of Science and Technology (DST), Ministry of Science & Technology, GoI with active participation of geospatial experts, & academia across various disciplines, scientists, government as well as industry. In 2020, 04 major inter-disciplinary collaborative research projects with a total grant of Rs. 1.2 Crores have been sanctioned to the Department under 'Research and Innovation' scheme of RUSA Phase 2.0.Two of the projects involve development of G-Governance web-applications for planners and decision makers which will be useful for State Election Department and Ground Water Department of the Government of Rajasthan. Recently in 2019, eminent personalities in the field of geospatial technology have visited the Department including Dr. Prithvish Nag, Former Surveyor General of India and former Director, NATMO; Dr. Prakash Chouhan, Director, IIRS, ISRO; Dr. K. Mruthyunjaya Reddy, Group Director, PPEG & FIDG, National Remote Sensing Centre (NRSC), ISRO to name a few.

हिंदी विभाग

डॉ. नीतू परिहार
सह–आचार्य एवं अध्यक्ष

डॉ. नवीन नंदवाना
सह–आचार्य

डॉ. आशीष सिसोदिया
सह–आचार्य

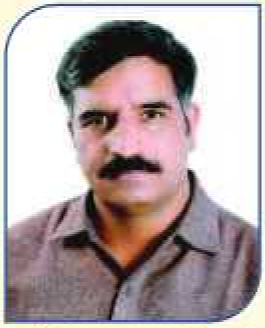

डॉ. राजकुमार व्यास
सहायक आचार्य

डॉ. नीता त्रिवेदी
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

सन् 1964 में स्थापित हिंदी विभाग देश के सबसे पुराने विभागों में से एक है। साठ के दशक के प्रारंभ में ख्यातनाम विद्वान प्रो. देवराज उपाध्याय ने कुछ दशकों तक विभाग का नेतृत्व किया और तब से विभाग निःसंदेह हिंदी साहित्यिक और भाषाई अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान का प्रमुख केंद्र रहा है। अन्य विद्वान् जिन्होंने अपनी विद्वत्ता के साथ विभाग में प्रवेश किया जिनमें प्रो. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश', प्रो. प्रकाश आतुर, प्रो. आलमशाह खान, प्रो. नवल किशोर शर्मा, प्रो. के. के. शर्मा, प्रो. नेमिनारायण जोशी अपने–अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखते थे। प्रो. देवराज उपाध्याय ने मनोवैज्ञानिक–विश्लेषणात्मक अध्ययनों में जमीनी शोध को प्रस्तुत किया। प्रो. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' देश के लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार रहे। उन्होंने कई महाकाव्यों की रचना की। इनके साहित्यिक अवदान पर कई शोध कार्य हो चुके हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष रहे प्रो. प्रकाश आतुर ने साहित्यिक गतिविधियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का प्रयास किया। प्रो. आलमशाह खान जैसे रचनात्मक लेखक भी संकाय सदस्य रहे हैं। आपकी कई कहानियाँ विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं। प्रो. नवलकिशोर शर्मा मानवतावादी आलोचक थे और प्रो. के.के. शर्मा ने शैलीगत भाषाई आलोचना की। डॉ. के. सी. श्रोत्रीय, डॉ. पृथ्वीराज मालीवाल, डॉ. हेमेन्द्र पानेरी, डॉ. वसुधा दुर्गे, डॉ. सुनिता कुरिल, डॉ. उषा कटारा, प्रो. माधव हाड़ा के अथक परिश्रम और प्रयासों से इस विभाग ने हिंदी की उल्लेखनीय सेवा की है।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

विभाग द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल, पीएच.डी., हिंदी ऑनर्स एवं सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

उपलब्ध संसाधन भवन / लैब / कंप्यूटर आदि

विभाग तकनीकी संसाधनों से युक्त है। विभाग को यू.जी.सी. के विभाग उन्नयनीकरण योजना के अन्तर्गत 56 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं। इनके अन्तर्गत 1 स्मार्ट रूम, एक पुस्तकालय, 4 नए कक्ष बनाए गए हैं। साथ ही पुराने कक्षों का आधुनिकीकरण किया गया है। विभाग में 7 कंप्यूटर, 1 प्रोजेक्टर, 1 लेपटॉप उपलब्ध है।

संकाय सदस्य

हिंदी विभाग देश के ख्यातनाम विद्वानों से समृद्ध रहा है। इनमें प्रो. देवराज उपाध्याय, प्रो. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश', प्रो. प्रकाश आतुर, प्रो. आलमशाह खान, प्रो. नवलकिशोर शर्मा, प्रो. के.के. शर्मा, डॉ. पृथ्वीराज मालीवाल, डॉ. हेमेन्द्र पानेरी, डॉ. वसुधा दुर्गे, डॉ. सुनिता कुरिल, डॉ. उषा कटारा, प्रो. माधव हाड़ा जैसे विद्वानों ने विभाग को ठोस आधार प्रदान किया है।

वर्तमान में डॉ. नीतू परिहार, डॉ. नवीन नंदवाना, डॉ. आशीष सिसोदिया, डॉ. राजकुमार व्यास, डॉ. नीता त्रिवेदी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। सन् 2021 में डॉ. नीतू परिहार, डॉ. नवीन नंदवाना तथा डॉ. आशीष सिसोदिया को सह–आचार्य पद पर पदोन्नत किया गया।

विभागाध्यक्ष/प्रभारी इत्यादि शुरू से आज तक : नाम तथा कार्यकाल तिथि

प्रभारी – डॉ. नीतू परिहार – जुलाई 2007 से जुलाई 2010

प्रभारी – डॉ. नवीन नंदवाना – अगस्त 2010 से मार्च 2012

विभागाध्यक्ष – प्रो. माधव हाड़ा – मार्च 2012 से मई 2018

प्रभारी–विभागाध्यक्ष – डॉ. आशीष सिसोदिया जून 2018 से 01 मार्च, 2021

विभागाध्यक्ष – डॉ. नीतू परिहार– 01 मार्च, 2021...........

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

राष्ट्रकवि डॉ. रामगोपाल शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इनका जन्म उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा जिलान्तर्गत तहसील बाह के एक ग्राम सिधावली में 5 जुलाई 1929 को हुआ। इनके पिता का नाम पंडित कन्हैयालाल मिश्र तथा माता का नाम श्रीमती सिया दुलारी था। इन्होंने विद्यावाचस्पति की उपाधि 1972 में आगरा विश्वविद्यालय से प्राप्त की। सन् 1958 में राजकीय महाविद्यालय भरतपुर में लेक्चरर के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारंभ कीं। सन् 1964 में उदयपुर विश्वविद्यालय (वर्तमान मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय) में नियुक्त हुए, जहाँ विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर तथा विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डीन पद से सन् 1989 में सेवानिवृत्त हुए। आप देश–विदेश के ख्यातनाम दिग्गज साहित्यकार हैं। इनकी लगभग 138 पुस्तकें प्रकाशित हैं जिनमें 35 काव्य, 6 कथा साहित्य, 44 निबंध साहित्य, 15 संपादित पुस्तकें, 13 बाल साहित्य की पुस्तकें, 23 नव साक्षर : पुस्तक माला प्रकाशित हैं। इनके अतिरिक्त 9 पत्र–पत्रिकाओं के संपादन से भी जुड़े रहे हैं। इसके अतिरिक्त लगभग देश–विदेश की प्रतिष्ठित 42 संस्थाओं द्वारा इन्हें पुरस्कृत किया जा चुका है। वर्तमान में आप नोएडा में निवास कर रहे हैं।

डॉ. प्रकाश आतुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

डॉ. प्रकाश आतुर का जन्म 26 जून, 1929 को बीकानेर में हुआ। ये 1957 में भूपाल नोबल्स कॉलेज में हिंदी के प्राध्यापक नियुक्त हुए। इन्होंने उदयपुर विश्वविद्यालय (वर्तमान मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय) से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की और इसी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर नियुक्त हुए तथा सन् 1989 में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त हुए। डॉ. प्रकाश आतुर राजस्थान ही नहीं वरन भारत के जाने–माने साहित्यकार आलोचक हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की स्थापना में आपका बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। आपकी लिखीं लगभग 8 महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हैं। आप राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष भी रहे हैं।

डॉ. आलमशाह खान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

डॉ. आलमशाह खान का जन्म 31 मार्च 1936 को उदयपुर में हुआ। एम.ए., पीएच.डी. करने के उपरांत आप हिंदी विभाग में नियुक्त हुए। आपने हिंदी और राजस्थानी विभाग दोनों में ही अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। आप मीरा चेयर के डायरेक्टर भी रहे। आप विश्वविद्यालय के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे और सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता पद से सेवानिवृत्त हुए। आप राजस्थान ही नहीं वरन देश के ख्यातनाम साहित्यकार रहे हैं। हिंदी कहानी के क्षेत्र में आपका नाम उल्लेखनीय है। आपके 4 कथा संग्रह, तीन आलोचना ग्रंथ तथा दो संपादित पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। आपकी दो कहानियों पर फिल्म भी बन चुकी हैं।

प्रो. माधव हाड़ा

प्रो. माधव हाड़ा ने 2014 में अपनी पुस्तक 'सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया' के लिए विख्यात भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही हिंदी आलोचना जगत में आपका विशिष्ट स्थान है।

डॉ. नवीन नंदवाना

डॉ. नवीन नंदवाना को हिंदी साहित्य जगत में विशिष्ट योगदान के लिए श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, हजारी प्रसाद द्विवेदी राष्ट्रीय अवार्ड, श्रीमती सरबती देवी गिरधारी लाल सिहाग साहित्य सम्मान, शहीद नाना भाई खांट शिक्षक गौरव सम्मान, विश्व हिंदी सेवा सम्मान प्राप्त हो चुका है।

डॉ. आशीष सिसोदिया

प्रभारी–विभागाध्यक्ष रह चुके डॉ. सिसोदिया को श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान प्राप्त हो चुका है। डॉ. सिसोदिया माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर, राजस्थान की हिंदी पाठ्य पुस्तक समिति के संयोजक रह चुके हैं। इनके निर्देशन में 12 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। साथ ही ये महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की कुलगीत समिति के चेयरमेन रहे हैं।

पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

लगभग 20 से अधिक शोधार्थी विभाग में रहते हुए ही विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में प्रथम श्रेणी के शिक्षक बन चुके हैं। साथ ही कई विद्यार्थी उच्च प्रशासनिक सेवाओं में भी हैं।

पूर्व विधार्थियों द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण पद

इस विभाग के पूर्व छात्र रहे डॉ. माधव हाड़ा तथा डॉ. आशीष सिसोदिया इसी विभाग में विभागाध्यक्ष पद पर भी रहे हैं।

अकादमिक उपलब्धियाँ

डॉ. नीतू परिहार – तीन पुस्तकें और चालीस से अधिक शोधपत्र प्रकाशित

डॉ. नवीन नंदवाना – बारह पुस्तकें और अस्सी से अधिक शोध पत्र

डॉ. आशीष सिसोदिया – 4 पुस्तकें तथा 25 से अधिक शोध पत्र, 15 मौलिक आलेख

डॉ. नीता त्रिवेदी – एक पुस्तक और नौ शोध पत्र

संचालित हो रही तथा हो चुकी महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ

प्रो. माधव हाड़ा ने 'मुनि जिन विजय' के अवदान पर अपना मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट पूर्ण किया है।

डॉ. आशीष सिसोदिया रूसा 2.0 प्रोजेक्ट योजना के अन्तर्गत 'मेवाड़ी–वागड़ी बोलियों का हिंदी के साथ तुलनात्मक अध्ययन' प्राप्त प्रोजेक्ट कर रहे हैं।

डॉ. नवीन नंदवाना ने एक प्रोजेक्ट 'संत दादूदयाल जीवन और साहित्य' पर पूर्ण किया है तथा रूसा 2.0 के अन्तर्गत प्राप्त एक प्रोजेक्ट 'आदिवासी साहित्य' पर कर रहे हैं।

आयोजित किए गए कार्यक्रमों/संगोष्ठी/कांफ्रेंस/कार्यशाला का नाम तिथि तथा प्रतिभागियों की संख्या

हिंदी विभाग में निरंतर कई शैक्षणिक आयोजन होते रहे हैं। इनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं –

S.No.	Title of the Event	Scope	Name of organizing agency	Dates
1.	मीरा : जीवन, समाज और कविता	National	देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार और हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर	28–29 दिसम्बर 2004
2.	सुभद्रा कुमारी चौहान : एक पुनर्मूल्यांकन	National	राजस्थान साहित्य अकादमी एवं हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि.वि., उदयपुर	11–12 जनवरी, 2006
3.	अखिल भारतीय कविता कार्यशाला	National	हिंदी विभाग, मो .ला.सु.वि.वि. उदयपुर, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा	1–2 सितम्बर, 2006
4.	कथा साहित्य : समीक्षा के प्रतिमान	National	यू.जी.सी. एवं हिंदी विभाग, मो .ला.सु.वि. वि. उदयपुर	27–28 फरवरी, 2007
5	हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच	National	हिंदी विभाग, मो.ला.सु.विवि. उदयपुर	20–21 मार्च, 2009
6	समकालीन हिंदी कविता : विविध संदर्भ	National	राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं हिंदी विभाग, मो.ला.सु.वि.वि. उदयपुर	2–3 मार्च, 2012

S.No.	Title of the Event	Scope	Name of organizing agency	Dates
7	नई सदी की चुनौतियों के संदर्भ में भाषा और साहित्य का मूल्यांकन	National	राष्ट्रीय परीक्षण सेवा–भारत, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर एवं हिंदी विभाग, मोलासुविवि, उदयपुर	23–24 जनवरी, 2014
8	कथेतर गद्य	National	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं हिंदी विभाग, मोलासुविवि, उदयपुर	18–19 सितम्बर, 2015
9	भक्ति आंदोलन का क्षेत्रीय वैशिष्ट्य	National	हिंदी विभाग, मोलासुविवि, उदयपुर	4–5 मार्च, 2016
10.	समकालीन आदिवासी विमर्श : सामाजिक– सांस्कृतिक परिदृश्य	National	श्री मेवाड़–वागड़–मालवा जनजाति विकास संस्थान एवं हिंदी विभाग, मोलासुविवि. उदयपुर	7–8 अक्टूबर, 2016
11.	हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ : अन्तःसंबंध और वैशिष्ट्य	National	यू.जी.सी. एवं हिंदी विभाग, मोलासुविवि, उदयपुर	27–28 जनवरी, 2017
12	अज्ञेय : संस्कृति चेतना	National	राजस्थान साहित्य आकदमी एवं हिंदी विभाग, मोलासुविवि. उदयपुर	28–29 सितम्बर, 2018
13	विश्व की भाषा हिंदी	National	हिंदी विभाग, मो.ला.सु.विवि.	14 सितम्बर 2020
14	कोरोना काल : बदलते परिदृश्य में समाज और साहित्य	National	हिंदी विभाग, मोलासुविवि	20 अगस्त 2020

कार्यशालाएँ

हिन्दीत्तर प्रांत नवलेखक शिविर, दिनांक 8 से 15 अप्रैल 2015 तक। मानव विकास संसाधन मंत्रालय के केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा आयोजित।

हिंदी विभाग, मोलासुविवि. में आयोजित शोध कार्यशाला में शोध कार्य में मानक हिंदी का उपयोग विषय पर दिनांक 25–25 नवम्बर, 2017

विभाग / इकाई में आ चुके महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नाम, तिथि और प्रयोजन

हिंदी विभाग में देश के कई प्रतिष्ठित कवियों, विद्वानों का आगमन हुआ है, जिनमें प्रमुख हैं –

1. डॉ. अशोक वाजपेयी, जाने–माने कवि, आलोचक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता और पूर्व कुलपति, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा। व्याख्यान हेतु आमंत्रित।
2. प्रो. नामवर सिंह, जाने–माने आलोचक और कुलपति, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा। व्याख्यान हेतु आमंत्रित।
3. प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रसिद्ध आलोचक और पूर्व सदस्य, यू.पी.एस.सी., नई दिल्ली। व्याख्यान हेतु आमंत्रित।
4. प्रो. नंदकिशोर आचार्य, जाने–माने कवि और चिंतक
5. प्रो. अरुण कमल, जाने–माने कवि और आलोचक
6. डॉ. हेतु भारद्वाज प्रसिद्ध लेखक, जयपुर
7. प्रो. रंजना अरगड़े, प्रसिद्ध लेखिक एवं प्रोफेसर, अहमदाबाद
8. डॉ. सी.पी. देवल, जाने–माने लेखक, जयपुर
9. डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, जाने–माने लेखक, जयपुर
10. दुष्यंत, जाने–माने लेखक, जयपुर
11. सुश्री मनीषा कुलश्रेष्ठ, प्रसिद्ध लेखिका, नई दिल्ली
12. प्रो. नवनीत चौहान, वल्लभ विद्यानगर, आणंद, गुजरात
13. प्रो. नरेश मिश्र, रोहतक
14. प्रो. एन.के. पाण्डेय, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
15. प्रो. गीता नायक, उज्जैन

16. प्रो. अर्जुनदेव चारण, जोधपुर
17. प्रो. एम.एम. शर्मा, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात
18. डॉ. मदनमोहन माथुर, जोधपुर
19. प्रो. नरेन्द्र मिश्र, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय

संकाय सदस्यों द्वारा धारित महत्वपूर्ण पद एवं दायित्व

डॉ. नीतू परिहार –प्रभारी, हिंदी विभाग एवं एकेडेमिक काउंसिल सदस्य

डॉ. नवीन नंदवाना– विभाग प्रभारी, सहायक अधिष्ठाता छात्रकल्याण, प्रभारी, स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम

डॉ. आशीष सिसोदिया– प्रभारी–विभागाध्यक्ष, प्रोक्टर, सहायक अधिष्ठाता छात्रकल्याण, सदस्य मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल

डॉ. नीता त्रिवेदी – बॉम सदस्य।

अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ विभाग सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ भी संचालित करता रहा है। इस कड़ी में विद्यार्थियों को कुम्भलगढ़, जयसमंद, उबेश्वरजी, झूमर बावड़ी इत्यादि स्थानों का भ्रमण भी करवाया गया।

इतिहास विभाग

प्रो. दिग्विजय भटनागर
विभागाध्यक्ष

प्रो. प्रतिभा
आचार्य

डॉ. पीयूष भादविया
सहायक आचार्य

डॉ. कैलाश चन्द्र गुर्जर
सहायक आचार्य

डॉ. मनीष श्रीमाली
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

उदयपुर विश्वविद्यालय के विभाग के रूप में सन् 1964 में इतिहास विभाग की स्थापना हुई। स्थापना के समय से निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने अपनी सेवाएँ दी – डॉ. के. एस. गुप्ता, डॉ. एल. पी. माथुर, डॉ. बी. एस. माथुर, डॉ. बी. पी. निगम, डॉ. कमला मारू, डॉ. आर. के. सक्सेना, डॉ. नारायण सिंह चुण्डावत, डॉ. मीना गौड़ ।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

बी. ए., बी. ए. आनर्स, एम. ए., एम. फिल, पीएच. डी.

विभाग में एक इतिहास संग्रहालय, छः कम्प्यूटर, तीन प्रिन्टर, एक विभागीय लाईब्रेरी, चार संकाय सदस्य कक्ष तथा एक विभाग सहायक कक्ष हैं।

संकाय सदस्य

वर्तमान संकाय सदस्य

प्रो. दिग्विजय भटनागर

प्रो. प्रतिभा

डॉ. पीयूष भादविया

डॉ. मनीष श्रीमाली

डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर

विभागाध्यक्ष / प्रभारी का नाम एवं कार्यकाल

प्रो. बी.एस. माथुर	1964–1974
डॉ. एल. पी. माथुर	1975–1978
प्रो. के. एस. गुप्ता	1979–1982

प्रो. बी.एस. माथुर	1982—1985
प्रो. के. एस. गुप्ता	1986—1989
डॉ. आर. के. सक्सेना	1989—1990
प्रो. के. एस. गुप्ता	1990—1991
डॉ. एन. एस. चुण्डावत	1992—1995
डॉ. कमला मारु	1996—2000
प्रो. मीना गौड	2000—2006
डॉ. दिग्विजय भटनागर	2007—2010
प्रो. मीना गौड	2011—2014
प्रो. दिग्विजय भटनागर	2014—2017
प्रो. प्रतिभा	2017—2020
प्रो. दिग्विजय भटनागर	2020 से निरन्तर

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

प्रो. के. एस. गुप्ता के निर्देशन में 45 शोधार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की । आपकी विषेशज्ञता राजस्थान एवं मराठा इतिहास पर रही है। आपकी मुख्य पुस्तकें मेवाड़ मराठा सम्बन्ध, सलेक्शन फॉम बनेड़ा आरकाईव्स तीन भाग में, राजस्थान का इतिहास, मेवाड़ के अविस्मरणीय प्रसंग, महाराणा प्रतापः कुम्भलगढ़ से चावण्ड, महाराणा प्रताप एण्ड हिज टाईम्स पर है। आप भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली से नेशनल फेलो रहे हैं। विद्यापीठ एवं सागर विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर रहे हैं।

प्रो. मीना गौड़ के निर्देशन में 26 शोधार्थियों ने पीएच. डी. उपाधि प्राप्त की। आपकी अनेक शोध पुस्तकें (9), शोधालेख (66) प्रकाशित हैं तथा कई शोध परियोजनाएँ (2) पूर्ण की हैं। साथ ही दो दर्जन अकादमिक आयोजनों में विशिष्ट आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं।

वर्तमान संकाय सदस्य की उपलब्धियाँ

प्रो. दिग्विजय भटनागर

- ❖ पत्रिकाओं में 45 शोधपत्र प्रकाशित हुए।
- ❖ चार पुस्तकें प्रकाशित।
- ❖ निर्देशन में 26 शोधार्थियों ने पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त की।

प्रो. प्रतिभा

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 50 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा विभिन्न शोध पत्र —पत्रिकाओं में 40 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं।

1. आपकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हैं—
   - ❖ बृहत्कथामंजरी : एक ऐतिहासिक अनुशीलन
   - ❖ भारत में पर्यटन उत्पाद एवं सांस्कृतिक—ऐतिहासिक विरासत
   - ❖ वाह!उदयपुर वाह! ! उदयपुर स्थापना एवं संक्षिप्त तथ्यात्मक आंकलन सन् 1553 से (अनुदित)
2. 2008 से निरन्तर LYNCEAN: Journal of Cultural and Historical Study नामक अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका का सम्पादन करती हैं।
3. फरवरी 2018 में From Quit India to New India: History & Society विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
4. नवम्बर 2018 में साहित्य संस्थान उदयपुर के साथ पाषाणकालीन औजार निर्माण तकनीक पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की हैं।
5. वर्ष 2011 में यू. जी. सी. द्वारा वित्तपोषित वृहत् अनुसंधान परियोजना "Identifying and Assessing the Historical Tourism impact on the Socio-Cultural environment of Rajasthan" पर कार्य किया है।
6. Indian History Congress, International Oral History Association आदि संस्थाओं की आजीवन सदस्य तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निर्वाहित की है।

डॉ. पीयूष भादविया

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 15 शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा विभिन्न शोध पत्र –पत्रिकाओं में 15 शोधपत्र प्रकाशित हुए।

आपने Food Heritage of Rajasthan पुस्तक का सम्पादन किया है।

Objet-d' - Art International Journal on Museum Studies and Culture के सम्पादक हैं।

डॉ. मनीष श्रीमाली

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 15 शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं में 10 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं।

जनजातीय परम्परा एवं संस्कृति पुस्तक डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर के साथ सम्पादित की है।

डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 30 शोध पत्र प्रस्तुत किये हैं तथा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं में 17 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं।

पुस्तक प्रकाशित तथा सम्पादित –

1. आधुनिक राजस्थान की भू–राजस्व व्यवस्था
2. गुर्जरों की सांस्कृतिक धरोहर–ऐतिहासिक अध्ययन
3. राजस्थान की जनजातीय परम्परा एवं संस्कृति पुस्तक डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर तथा डॉ. मनीष श्रीमाली द्वारा सम्पादित।

राष्ट्रीय सेमिनार – 2 (संयोजक के रूप में)

वेबीनार –1 राष्ट्रीय, 1 अन्तरराष्ट्रीय (संयोजक के रूप में)

माईनर प्रोजेक्ट – राजस्थान की ग्रामीण संस्कृतिः ऐतिहासिक पुनरावलोकन (19–20वीं शताब्दी), आई.सी.एच.आर. नई दिल्ली द्वारा अनुदानित

महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं

रूसा प्रोजक्ट (Evolving Strategies of Conserving Cultural Heritage of Udaipur) वर्तमान में जारी है।

अकादमिक आयोजन

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	सदस्यों की संख्या
1	भारत में ग्रामीण पर्यटनः मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में	नवम्बर, 2011	150
2	राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस	दिसम्बर, 2015	300
3	From Quit India to New India: History & Society विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	16–17 फरवरी, 2018	250
4	राजस्थान की जनजातियां एवं उनमें इतिहास चेतना (मौखिक एवं वंशावली साक्ष्यों के विशेष संदर्भ में)	17 नवम्बर, 2018	120
5	राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम एवं जनजागृतिः विजयसिंह पथिक के विशेष संदर्भ में	24–25 सितम्बर, 2019	150
6	Food Heritage of Rajasthan with Special Reference to Mewar	15 फरवरी, 2020	85
7	ट्रायबल लाईफ इन ग्लोबल पर्सपेक्टिवः हिस्टोरिकल रेट्रोस्पेक्शन (अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार)	8 अगस्त, 2020	100
8	रिविजिटिंग सरदार वल्लभ भाई पटेल एण्ड हिज वेल्यू (राष्ट्रीय वेबिनार)	31 अक्टूबर, 2020	65

विभाग में प्रो. परमेन्द्र दशोरा, पॉल क्रडोक, इमरे बरवा तथा लिवोंग जैसे ख्यातिनाम व्यक्ति आ चुके हैं।

अन्य उपलब्धियाँ

प्रो. दिग्विजय भटनागर

गर्ल्स हॉस्टल वार्डन 17.11.1994 से 01.10.1997, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी 01.07.2004 से 30.06.2006, सहायक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण 01.08.2007 से 30.06.2011, BOM प्रबन्ध मण्डल सदस्य 14.02.2008 से 14.02.2009, विभागाध्यक्ष 20.09.2007 से 20.09.2010, 20.09.2013 से 19.09.2016 और 19.09.2019 से वर्तमान तक, निदेशक, महिला अध्ययन केन्द्र 20.01.2015 से 28.01.2021 तक, चीफ वार्डन, 08.03.2018 से 15.04.2019 तक।

डॉ. पीयूष भादविया

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी, 2014 से 2017 तक, प्रोक्टर वर्ष 2017–2019 में।

डॉ. मनीष श्रीमाली

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी सन् 2019 से निरन्तर।

डॉ. कैलाश चन्द गुर्जर

वार्डन–विधि महाविद्यालय छात्रावास सन् 2018 से निरन्तर।

Department of Jainology and Prakrit

प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन
अध्यक्ष

डॉ. ज्योति बाबू जैन
सहायक आचार्य

डॉ. सुमत कुमार जैन
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग की स्थापना वर्ष 1978 में हुई।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

बी. ए. , एम. ए., पीएच. डी., सर्टिफिकेट–प्राकृत, डिप्लोमा– अहिंसा, पालि एवं बौद्ध अध्ययन आदि पाठ्यक्रम संचालित रहे।

वर्तमान में– बी. ए., एम. ए., एम. फिल, पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं।

वर्तमान में विभाग हेतु 4 कमरे एवं 3 कम्प्यूटर (प्रिन्टर सहित) उपलब्ध हैं।

संकाय सदस्य

प्रो. प्रेम सुमन जैन

डॉ. उदयचन्द्र जैन

प्रो. हुकम चन्द्र जैन

वर्तमान में कार्यरत

प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन

डॉ. ज्योतिबाबू जैन

डॉ. सुमत कुमार जैन

- **अधिष्ठाता**– प्रो. प्रेम सुमन जैन (1996 से 1999 एवं 1999 से 2002 तक) विभागाध्यक्ष– (1978 से 1995)
- **विभागाध्यक्ष**– डॉ. उदयचन्द्र जैन (1995 से 1998 एवं 2002 से 2005 तक)
- **विभागाध्यक्ष**– प्रो. हुकमचन्द्र जैन (1998 से 2001 एवं 2005 से 2012 तक)
- **वर्तमान में विभागाध्यक्ष**– प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन (2012 से अद्यतन)

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

राष्ट्रपति पुरस्कार

संकाय सदस्य :

1. प्रो. प्रेम सुमन जैन (2006)
2. डॉ. उदयचन्द्र जैन (2010)
3. डॉ. सुमत कुमार जैन (महर्षि बादरायण युवा राष्ट्रपति पुरस्कार, 2017)

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

1. प्रो. सुदीप कुमार जैन, दिल्ली (महर्षि बादरायण युवा राष्ट्रपति पुरस्कार, 2004)
2. डॉ. महावीर शास्त्री, शोलापुर (महर्षि बादरायण युवा राष्ट्रपति पुरस्कार, 2012)
3. डॉ. रजनीश शुक्ल, दिल्ली (महर्षि बादरायण युवा राष्ट्रपति पुरस्कार, 2013)

अधिष्ठाता– प्रो. प्रेम सुमन जैन (1996 से 1999 एवं 1999 से 2002 तक)

वर्तमान में सह–अधिष्ठाता– प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन

अकादमिक उपलब्धियाँ

1. प्रो. हुकम चंद्र जैन

   सेवानिवृत्त प्रोफेसर, जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
2. प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन

   प्रोफेसर एवं एसोसिएट डीन जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
3. प्रो. सुदीप कुमार जैन

   प्रोफेसर एवं पूर्व डीन, साहित्य संस्कृति संकाय, श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. प्रो. जयकुमार उपाध्याय

   प्रोफेसर, डीन, साहित्य संस्कृति संकाय, श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. डॉ. कमल कुमार जैन

   सहायक सम्पादक, प्राकृत डिक्शनरी, भण्डारकर प्राच्यविद्या शोध प्रतिष्ठान, पुणे
6. प्रो. कल्पना जैन

   प्रोफेसर, अध्यक्ष–प्राकृत भाषा विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. डॉ. रजनीश शुक्ल

   सहायक आचार्य, दूरस्थ शिक्षा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन

   प्राकृत विकास अधिकारी, प्राकृत–अध्ययन–शोध–केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
9. प्रो. महावीर शास्त्री

   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष–प्राकृत विभाग, सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर (महाराष्ट्र)
10. डॉ. ज्योतिबाबू जैन

    सहायक आचार्य–जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
11. डॉ. वीरचन्द्र जैन

    सहायक आचार्य (अतिथि), दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)
12. डॉ. विकास कुमार चौधरी

    सहायक आचार्य (अतिथि), शोलापुर विश्वविद्यालय, शोलापुर (महाराष्ट्र)

Books

1. Prakrit Sahitya ke Vyavharik Paksh Edited by Dr. Jyotibabu Jain, published by Bhartiya Prakrit Scholars Society, Udaipur.
2. प्राकृत भाषा और साहित्य, राजस्थान बोर्ड में 12वीं कक्षा के लिए प्राकृत पाठ्यक्रम हेतु
3. प्राकृत भाषा और साहित्य, राजस्थान बोर्ड में 11वीं कक्षा के लिए प्राकृत पाठ्यक्रम हेतु
4. GAHARAYANKOSO (Prakrit Text) Edited by Dr.Sumat Kumar Jain, published by Rashtriya Sanskrit Sansthan (Under MHRD, Govt of India), Delhi, 2018. ISBN-978-93-85791-34-5
5. Vardhman Jinaratna Kosh, 2013-2015 by UGC, New Delhi (completed)
6. Principal investigator- Dr. Jinendra Kumar Jain, Prakrit Manuscript MAHIVALKAHA, editing, translation and study (from 1st oct. 2013 to 2015)

अन्य उपलब्धियाँ

- UGC-Refresher Course organized by dept. of Jainology and Prakrit in 1998 & 2001-2002.
- Seminar Organized by Buddhist Studies & Non-Violence Center, Sukhadia University, Udaipur, from 31 Jan. to 1 Feb., 2004. Seminar Titled- बौद्ध साहित्य में नारी एवं पारिवारिक विकास
- Seminar Organized by Dept. of Jainology & Prakrit , Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, from 2 Feb.to 3 Feb.2004. Seminar Titled- प्राकृत साहित्य में जीवन मूल्य एवं विश्वशान्ति
- राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी–जैन संस्कृत एवं प्राकृत काव्यों में मानवीय–मूल्य, दिनांक 27 से 29 मार्च, 2014.

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

डॉ. कुंजन आचार्य
सहायक आचार्य एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष

स्थापना एवं क्रमिक विकास

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरूआत सन् 1991 में चार पेपर के साथ हुई और वर्ष 1992 में बढ़ाकर सात पेपर किए गए। इसमें पत्रकारिता का इतिहास एवं कानून, समाचार पत्र की पेज मेकिंग लेआउट डिजाइन तथा संपादन, विज्ञापन एवं जनसम्पर्क, समाचार एवं फीचर लेखन, ऑडियो विजुअल मीडिया तथा समसामयिक ज्ञान एवं भाषा दक्षता का अध्यापन करवाया जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

संचालित पाठ्यक्रम :– 1. P.G. Diploma, 2. M. A., 3. B. A., 4. Ph. D.

इस पाठ्यक्रम के संचालन के लिए पहली बार वर्ष 2012 में पूर्णकालिक फैकल्टी के तौर पर डॉ. कुंजन आचार्य की नियुक्ति हुई। डॉ. कुंजन आचार्य करीब 15 वर्ष तक प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया में काम करके आए हैं । इससे विभाग के विद्यार्थियों को उनके प्रायोगिक अनुभवों का लाभ भी मिल रहा है।

संकाय सदस्य

डॉ. कुंजन आचार्य, सहायक आचार्य, फरवरी, 2012 से विभाग में कार्यरत हैं। अंशकालिक 5 संकाय सदस्य विभाग में कार्यरत हैं।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

गत वर्ष 2012 में पत्रकार से मिलिए कार्यक्रम के तहत कई वरिष्ठ पत्रकारों से मिलने और उनसे संवाद करने का अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। इसमें इंडिया न्यूज के श्रीपाल शक्तावत, न्यूज नेशन के अमित शर्मा, माई एफ एम के आर जे प्रदीप शर्मा तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोनिक के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. ओ.पी. देवल शामिल थे। इसके साथ ही वरिष्ठ कवि एवं प्रख्यात गीतकार डॉ. कुमार विश्वास के साथ भी विद्यार्थियों का संवाद सम आयोजित किया गया।

अकादमिक उपलब्धियाँ

1. अन्तरराष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन 27–29 सितम्बर, 2019 को किया था। 17 देशों के पत्रकारों ने भाग लिया और इसको यूनिसेफ ने स्पॉन्सर किया।
2. प्रायोगिक कार्य के लिए 'कैम्पस न्यूज' नामक एक टेब्लाइड अखबार का प्रकाशन भी शुरु किया गया जिसमें विद्यार्थी स्वयं अपनी खबरों को लिखते हैं, संपादित करते हैं और प्रकाशित करते हैं।
3. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के पत्रकारिता विभाग ने वर्ष 2012 में महिला अध्ययन केन्द्र के साथ मिलकर महिला पत्रकारित्ता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में, वरिष्ठ पत्रकार संगीता प्रणवेन्द्र तथा डॉ. मीना शर्मा ने बीज वक्तव्य दिया।
4. सन् 2013 में यूनिसेफ के सहयोग से बाल हिंसा पर संवेदनशील रिर्पोटिंग के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इसका न्यूज 24 एवं ईटीवी ने शानदार कवरेज किया।
5. दैनिक भास्कर परिसर में विद्यार्थियों को सम्पादकीय विभाग का बारीकी से परिचय करवाया गया। कम्पोजिंग, पेज मेकिंग, इलेस्ट्रेशन, ग्राफिक इत्यादि कार्यों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। सम्पादकीय विभाग के बाद प्रिन्टिग सेक्शन में प्लेट मेकिंग, एक्सपोजिंग तथा ऑफसेट प्रेस की कार्यप्रणाली समझाई गई।

अन्य

1. प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य की पुस्तक 'संवाद सेतु' को वर्ष 2014 से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया
2. अकादमिक उपलब्धियों के अलावा डॉ. कुंजन आचार्य ने राज्य सभा टी. वी., ABP News, Aaj Tak, BBC, Zee News, Ist India पर पैनल डिस्कशन के लिए विषेशज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया गया।
3. सन् 2012 से डॉ. कुंजन आचार्य, विश्वविद्यालय के आधिकारिक प्रवक्ता के तौर पर कार्यरत हैं।
4. विभाग के अधिकांश विद्यार्थियों का विभिन्न मीडिया हाउस में प्लेसमेंट करवाया गया जो कि विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

Department of Library and Information Science

Dr. P. S. Rajput
Asstt. Prof. & Incharge - Head

Establishment and Evolution

The Department of Library and Information Science was established as a separate department in 1975, in the University College of Social Sciences & Humanities. In 1994, the department started a regular one year programme-Master in LIS course. Subsequently, in the 1999-2000 session, the facility of Ph.D programme in LIS was also initiated. In 2018, the department adopted Choice Based Credit System in both UG and PG courses. From the academic session 2020-21 the Department has added Certificate and Diploma courses in Library and Information Science to its repertoire.

Courses

The department of Library and Information Science provides all the facilities of UG, PG as well as Ph.D. The curriculum covers a wide range of aspects in the latest emerging technologies both in Theory and Practice.

Available Resources

A well-equipped computer lab with library management softwares in the department, facilitates on hand practical sessions. The department is endowed with advanced multimedia facilities.

Academic Achievements

The department of Library and Information Science is considered as the second full- fledged department in Rajasthan, providing all the facilities of UG, PG, and Ph.D. Programs. To enhance the technical and communication skills of students, the department conducts seminars on key topics on regular basis, wherein participation of the students is mandatory. It has also made e-content available on the university website for the benefit of students. This department produces human resources with profound expertise in ICT applications in Libraries and Information science and therefore raises the ratio of placements for M. Lib. I. Sc and B. Lib. I. Sc students.

Department of Social Work

Dr. P. M. Yadav
Head

Dr. Rajkumari Ahir
Course Coordinator

Department of Social work was established in 2020. Master of Social Work course was initiated in 2020-2021 under the Sociology Department based on the New Education Policy. The course strictly put an emphasis on conceptual understanding and critical thinking to encourage logical decision-making and innovation. The MSW course encourages to develop life skills such as communication, cooperation, teamwork and resilience. The inauguration program was conducted for the MSW Course on 28th January, 2021 in the presence of Hon'ble Vice-Chancellor of Mohanlal Sukhadia University, Prof. Amarika Singh. In the first semester of MSW Programme of the academic session 2020-2021, total of 40 students are enrolled and are attending classes online and offline on regular basis.

संगीत विभाग

डॉ. पामिल मोदी
सहायक आचार्य एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष

स्थापना एवं क्रमिक विकास

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय की स्थापना के पहले ही से महाराणा भूपाल कॉलेज के अंतर्गत हो चुकी थी। करीब 60–70 वर्ष पूर्व यह विभाग स्थापित हो चुका था और महाराणा भूपाल कॉलेज के दुर्गा नर्सरी स्थित भवन में जहाँ विज्ञान संकाय और कला के विभाग चलते थे, उन्हीं के साथ यह संगीत विभाग भी चलता था। उस दौर में यह विभाग सिर्फ हॉबी क्लासेस के रूप में चलता था जिसमें गायन और वादन की कक्षाएँ हॉबी कक्षा के रूप में चलाई जाती थीं । पंडित देवदत्तनाथ मूर्ति जो शास्त्रीय संगीत के अच्छे ज्ञाता और कलाकार थे तथा दिलरुबा भी बजाते थे वह संगीत की शिक्षा विद्यार्थियों को देते थे तथा श्री राखी लाल जी उनके साथ तबलावादक के रूप में कार्य करते थे। बाद में सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अंतर्गत यह विभाग भी सम्मिलित हो गया। पंडित देवदत्तनाथ मूर्ति के सेवानिवृत्त होने के बाद इस विभाग में सन् 1973 में डॉ प्रेम भंडारी की नियुक्ति हुई।

डॉ. प्रेम भंडारी ने भी इस विभाग को हॉबी क्लासेस के रूप में सन् 1986 तक चलाया तथा कई पुरस्कार भी प्राप्त किए। सन 1986 में डॉ. प्रेम भंडारी के अथक प्रयासों से संगीत विभाग में हॉबी क्लासेस के स्थान पर नियमित पाठ्यक्रम के स्तर पर संगीत कंठ विषय चलने लगा और कई विद्यार्थियों ने स्नातक स्तर पर तीन ऐच्छिक विषयों में से एक विषय कंठ संगीत लेकर स्नातक की डिग्री प्राप्त की। डॉ. प्रेम भंडारी के अथक प्रयासों से ही सन् 2006 में इस विभाग को संगीत विषय के स्नातकोत्तर स्तर पर स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम के रूप में शुरु करने की स्वीकृति भी मिली और अब सन् 2006 से यहाँ स्नातकोत्तर स्तर पर भी कक्षाएँ चल रही हैं। इस दौरान पूर्व तबलावादक श्री राखी लाल जी के देहावसान के कारण श्री हरिओम वर्मा जी की तबलावादक के रूप में नियुक्ति हुई और वह भी सन् 2006 में सेवानिवृत्त हो गए। सन 2009 में डॉ. प्रेम भंडारी सेवानिवृत्त हुए तो उन्हें विशेष नियुक्ति के आधार पर 5 वर्ष के लिए गेस्ट फैकल्टी के रूप में संगीत विभाग के लिए पुनः नियुक्त किया गया और उन्हीं के निर्देशन में यह विभाग चलता रहा। इस विभाग में सिर्फ एक स्थायी संकाय सदस्य होने पर भी विभाग को समय–समय पर कई उपलब्धियाँ प्राप्त हुईं जिस कारण सुखाड़िया विश्वविद्यालय का नाम संगीत के क्षेत्र में और संगीत शिक्षा के क्षेत्र में जाना पहचाना जाने लगा।

सन् 2018 में डॉ. पामिल मोदी की नियुक्ति संगीत विभाग में सहायक आचार्य के पद पर हुई और अब 2018 से ही डॉ. पामिल मोदी के निर्देशन में ही यह विभाग कार्यरत है। संगीत विभाग से डिग्री प्राप्त कर चुके आज विद्यार्थी अपने अपने क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और अपना नाम भी कर रहे हैं।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में पहले संगीत में पीएच.डी. करने की सुविधा नहीं थी। इच्छुक विद्यार्थी को दूसरे विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना होता था। विभाग से कई विद्यार्थियों ने पीएच.डी. की डिग्री भी प्राप्त की है। इस विभाग की स्थापना से ही यह विभाग सिर्फ एक कमरे में ही संचालित होता था और जब स्नातक स्तर पर यह पाठ्यक्रम शुरू किया गया तो सिर्फ दो कमरे में यह

विभाग चलता था। तत्पश्चात सन 2006 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ तब भी यह विभाग सिर्फ एक कक्षा–कक्ष और एक ऑफिस रूम में ही चलाया जाता था लेकिन सन् 2009 में जब महाविद्यालय का भवन निर्माण का विस्तार हुआ तो इस विभाग को चार कक्षा कक्ष और दो ऑफिस रूम दिए गए अब यह विभाग इन्हीं छः कमरों में संचालित हो रहा है।

विद्यार्थियों की कक्षा के संचालन के लिए और पाठ्यक्रम की जरूरत के मुताबिक अनुसार संगीत से संबंधित कई साज हारमोनियम, तबला, तानपुरा, गिटार, ढोलक आदि विभाग में मौजूद हैं और साथ ही दो कम्प्यूटर और एक लैपटॉप भी उपलब्ध है। पाठ्यक्रम के अनुसार एक ऑडियो विजुअल रूम/स्मार्ट रूम भी बनाया गया है जहाँ पर समय–समय पर विद्यार्थियों को विभिन्न संगीत विभूतियों के ऑडियो कार्यक्रम सुनाए जाते हैं। इस विभाग के विद्यार्थी वर्तमान समय में रेडियो, टेलीविजन, कॉलेज शिक्षा, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और राज्यस्तरीय विभागों में कार्यरत हैं। कई विद्यार्थी परफॉर्मिंग आर्टिस्ट के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। संगीत विभाग के डॉ. प्रेम भंडारी के संगीत निर्देशन में विश्वविद्यालय का कुलगीत भी बनाया गया है।

संकाय सदस्य

1. डॉ प्रेम भण्डारी
2. पं. देवदत नाथमूर्ति
3. श्री राखी लाल
4. श्री हरिओम वर्मा
5. डॉ. पामिल मोदी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी उदयपुर के 33 वर्षों तक संगीत विभाग के प्रभारी रहे डॉ. प्रेम भंडारी एक ऐसे गायक, म्यूजिक कंपोजर और शायर हैं जिनको राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के साथ साथ राजस्थान उर्दू अकादमी ने भी अपने सम्मान से नवाजा है। हाल ही में पद्मविभूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट ने इन्हें संगीत और नाटकों में विशेष योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट एवार्ड भी प्रदान किया है। आप आल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के 'ऐ' ग्रेड शायर, गायक और कंपोजर हैं, जिन्होंने पूरे देश में ही नहीं विदेशों में भी अपने सफल प्रोग्राम देकर देश का गौरव बढ़ाया है। डॉ. भंडारी ने संगीत की शिक्षा पंडित देवदत्त जी नादमूर्ति और पंडित दयानन्द जी देव गन्धर्व से प्राप्त की है। डॉ. भंडारी के फिल्म संगीत निर्देशन में एवं इनके लिखे गीतों, गजलों और नज़्मों को मशहूर गायकों जैसे रूप कुमार राठौड, साधना सरगम, शैल हाड़ा, भूपेंद्र मिताली और पद्मभूषण श्री जगजीत सिंह जी ने फिल्म के लिए गाया है।

डॉ. पामिल मोदी आकाशवाणी की 'बी' 'ग्रेड कलाकार हैं साथ ही आकाशवाणी से उद्घोषक के रूप में आपको वाणी प्रमाण पत्र भी प्राप्त है। देश के कई ख्यातनाम कलाकार पद्मश्री शुभा मुद्गल, श्रीमती आरती आकलेकर, पद्मभूषण उस्ताद सुल्तान खान, पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट इत्यादि के साथ मंच पर आपने शिरकत की है। सन 2018 में प्रसिद्ध तबला वादक पंडित अनुराधा पाल के साथ महाराणा कुंभा संगीत समारोह में 'स्त्री शक्ति' कार्यक्रम में आपने गायन से शिरकत की। सन् 2019 में उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा आपको 'भास्कर वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड' जयपुर में प्रदान किया गया। आपने अभी तक कुल 6 कुलगीत में अपना स्वर दिया है। साथ ही सन् 2015 में जीने के आदाब नाम से ऑडियो सीडी में 51 दोहे में अपनी आवाज दी है। मोती मगरी में महाराणा प्रताप के साउंड एंड लाइट शो कार्यक्रम में आपने अपनी आवाज दी है। आपने विद्या भवन शिक्षण संस्था में 3 गीतों में अपनी आवाज दी है और कई नाटकों में भी आपने गाया है। साथ ही महाराणा कुंभा संगीत परिषद म्यूजिक लवर्स क्लब जैसे संगीत संस्थानों से आप जुड़ी हुई हैं।

अकादमिक उपलब्धियाँ

गजल गायकी विषय पर पीएच. डी. करने वाले भारत और पाकिस्तान में डॉ भंडारी पहले स्कॉलर हैं और इस विषय पर जो किताब आपने लिखी है उसे भारत और पाकिस्तान के प्रमुख शायरों और संगीतकारों ने गजल गायकी पर पहली किताब माना है। लगभग 35 नाटकों के संगीत निर्देशक रहे डॉ भंडारी ही भारत के एक ऐसे संगीतकार हैं जिन्होंने छः विश्वविद्यालयों के कुल–गीतों को संगीत दिया है और तीन यूनिवर्सिटी के कुल–गीत लिखे भी हैं जिनमें सुखाड़िया विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप कृशि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोविन्द गुरु जनजाति विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोटा, बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, अजमेर सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन, हिंदुस्तान जिंक, विद्या भवन जैसी अनेक संस्थाओं के कुलगीत और संस्था–गीत लिखने के साथ साथ उनको संगीतबद्ध भी किया है, साथ ही देश के जाने माने रंगकर्मी बाबा कारंत द्वारा निर्मित लाईट साउंड शो में भी अपना संगीत दिया है।

डॉ. भंडारी ने कई किताबें लिखी हैं जिनमें प्रमुख हैं– हिन्दोस्तानी संगीत में गजल गायकी, खुशबू रंग सदा के संग, झील किनारे तन्हा चाँद, गजल और गजल गायकी आदि, जिनका दूसरी भाषाओं में भी अनुवाद हुआ है। आपने गजल, गीत, भजन, दोहो इत्यादि की भी कई ऑडिओ–वीडिओ सी.डी. रिलीज की हैं। डॉ. भंडारी के संगीत और उर्दू अदब से सम्बन्धित कई लेख हिन्दोस्तान पाकिस्तान की मैगजीन में, पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। सी. सी. आर. टी. भारत सरकार, नई दिल्ली के रिसोर्स पर्सन होकर अभी तक आपने देश के सभी प्रांतों के तकरीबन तीस हजार से ज्यादा टीचर्स को अलग–अलग प्रांतों के और अलग–अलग भाषाओं के गीत सिखाए हैं। डॉ. प्रेम भंडारी कई संगीत एवं साहित्यिक संस्थाओं के सम्मानित सदस्य होने के साथ ही वॉलीबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी एवं रेफरी भी रह चुके हैं जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा का परिचायक है।

डॉ. पामिल मोदी वर्तमान में विभाग में प्रभारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से संगीत में स्नातकोत्तर डिग्री में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आपने इसी विश्वविद्यालय से पीएचडी 'शुभा मुद्गल की बहुमुखी गायिकी का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आपने अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई से संगीत में अलंकार की उपाधि प्राप्त की है।

महाराणा कुंभा संगीत परिषद में आपने कई वर्षों तक भारतीय शास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्रदान की है। आपने सी. सी. आर. टी. नई दिल्ली के साथ पिछले कई वर्षों से उत्तर भारतीय संगीत एवं प्रादेशिक गीतों से संबंधित कई कार्यशालाएँ भी ली हैं। संगीत जगत के कई महान विभूतियों, पद्म विभूषण पंडित रामनारायण, पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट, पंडित राजेंद्र वैष्णव ,महाराणा कुंभा संगीत परिषद उदयपुर, मीरा कला मंदिर उदयपुर ,एवं सी.सी.आर.टी ,नई दिल्ली से आपको कई प्रशस्ति पत्र भी प्राप्त हुए हैं।

दर्शनशास्त्र विभाग

प्रो. सुधा चौधरी
विभागाध्यक्ष

स्थापना एवं क्रमिक विकास

The Department of Philosophy was established in 1965 .

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

B.A, M.A. M.Phil and Ph.D

संकाय सदस्य

1. Dr.Girija Vyas, Associate Professor
2. Dr. S.R. Vyas, Associate Professor
3. Dr. Nirmala Jain, Assistant Professor
4. Prof. Sudha Choudhary

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

Prof. Girija Vyas

Faculty, Gold Medal, Yuva Ratna Award (National), Nari Ratna Award (National), Ghalib Ratna Award (National), Sarojini Naidu Award (National), Literature Award (National)

Membership of the professional bodies

i. All India Philosophy Association, Akhil Bhartiya Darshan Parishad.
ii. International Neoplatonic Society, American Philosophical Association.
iii. Association of Asian Studies, World Islamic Association, Catholic Association.

Contribution to University Corporate life

i. Head, Department of Philosophy
ii. Member, Academic Council
iii. Member, Syndicate, Rajasthan University, Jaipur. MP, Minister

Prof. S.R. Vyas

Membership of the professional bodies

i. All India Philosophical Congress
ii. Akhil Bhartiya Darshan Parishad
iii. Rajasthan Darshan Parishad
iv. Member Secretary, ICPR, New Delhi

Contribution to University Corporate life :

i. Joint Secretary in SUTA

ii. Editor SUTA Magazine

iii. Secretary, UUE Ho.Cop. Society, Udaipur

iv. Head, Department of Philosophy

v. Associate Dean, UCSSH, Udaipur

vi. ADSW, UCSSH

vii. Chairman University Sports Board

viii. Dean Students Welfare

Prof. Nirmala Jain

Contribution to University Corporate life :

i. Head, Department of Philosophy

ii. Member, Academic Council

iii. Member Committee of Courses

Prof. Sudha Choudhary

Membership of the professional bodies :

i. All India Philosophical Congress

ii Akhil Bhartiya Darshan Parishad

iii Rajasthan Darshan Parishad

iv State Coordinator, All India Women's Philosophical Congress

Contribution to University Corporate life :

i Head, Department of philosophy

ii Member, Academic Council

iii Member Committee of Courses

iv Coordinator, MLSU- Adiwasi Milap Yojana

अकादमिक उपलब्धियाँ

प्रो. सुधा चौधरी की प्रकाशित पुस्तकों में Woman's Emancipation & Marxism (Translation- from English to Hindi.), दार्शनिक दर्शन की सामाजिक भूमिका और भारतीय चिंतन दृष्टि, नैतिकता के सामाजिक सरोकार, प्रमुख हैं। प्रो. चौधरी की पुस्तक पेशेवर नैतिकता : कुछ प्रश्न प्रकाशनाधीन है। आपको लक्ष्मी देवी अवार्ड समग्रान्तर 2017 प्राप्त हो चुका है। आपके निर्देशन में संचालित हो रही महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं : Understanding Tribal Life : Some Philosophical Dimension :2017 संचालित है। संचालित हो चुकी महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं हैं – (1) दर्शन के मूल प्रश्न और आधुनिक चिंतन दृष्टि यू. जी.सी. (2) दर्शन की सामाजिक भूमिका यू.जी.सी. (3) Understanding Tribal Life : Some Philosophical Dimension :2017

Organized National Seminars & Others

- Organized U.G.C. National Seminar on "Science, Society and Liberty" on 12-13 November,2010.
- Organized National Seminar on " Discourse of Emancipation: Revisiting the Thoughts of Ambedkar, Gandhi and Marx" 2012.
- Organizing Secretary, 58th All India Philosophical Conference, 2013
- Organizing Secretary, National Seminar on " Social Epistemology of Vivekananda, Dayanand Saraswati & Jyotibha Phule" 2014.

- State Convener - Bhartiya Mahila Darshanik Parishad (BMDP) from 2007
- Paramarsh Samiti Member- Darshanik - Quarterly (Patrika) Akhil Bhartiya Darshan Parishad prakashan.
- Organizing Secretary. Rajasthan Lekhika Sammelan, 3-4 November, 2012
- Nomination by the Rajasthan Sahitya Academy for the Saraswati Sabha for two Years, 2012-13.

विभाग में कई महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों की यात्राएँ हुई जो निम्नानुसार हैं

- प्रो. देवीप्रसाद चटोपाध्याय, प्रख्यात दार्शनिक और भूतपूर्व राज्यपाल
- प्रो. गिरिजा व्यास, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार
- प्रो. अभय कुमार दुबे, निदेशक, सीएसडीएस, दिल्ली
- प्रो. वीरभारत तलवार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. उमा चक्रवर्ती, प्रख्यात इतिहासकार, मिरिंडा हाउस दिल्ली
- प्रो. अशोक वोहरा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. मीरा नंदा, वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहाली, पंजाब
- प्रो. मगनु चरण बेहरा, प्रख्यात दलित चिंतक अरुणाचल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्राइबल स्टडीज, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश
- प्रो. ध्रुव रैना प्रख्यात चिंतक, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- कंवल भारती, दलित चिंतक, दिल्ली
- प्रो. आनंद तेल्तुम्डे, आइआइटी, खडगपुर
- प्रो. हरजिंदर सिंह, प्रख्यात चिंतक साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल इंस्टीटयूट, हैदराबाद
- प्रो. रामशरण जोशी, भूतपूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल
- प्रो. सुजाता मिरी, प्रख्यात ट्राइबल लेखिका, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली

संकाय सदस्यों द्वारा धारित महत्त्वपूर्ण पद एवं दायित्व

1. Member, Academic Council
2. Member Committee of Courses
3. Coordinator, MLSU- Adiwasi Milap Yojana

Department of Political Science

Dr. Vijaya Dixit
Asstt. Professor & Incharge-Head

Dr. Satish Chand
Asstt. Professor

Dr. B.D. Barahth
Asstt. Professor

Establishment and Evolution

Department of Political Science is one of the oldest departments of the University. It was established along with the establishment of the University itself in 1962. Since then, it has flourished into an ever growing, vibrant and socially relevant centre for research and learning.

Vision

The department aims to impart values of good citizenship, constitutional democracy and critical thinking. It is committed towards building a just and fair society.

Programmes run Earlier and at Present

The department presently offers PhD, M Phil, MA (Choice Based Credit System), BA (Hons.), BA (Programme), and BA in Human Rights.

Available Resources

The department has five personal computers, printers, and a projector. The department has a centre named Nehru Centre having a good collection of books. The department also proudly owns a Smart Room fitted with functional ICT resources.

Names of Former and Present Faculty Members

Presently, the department has three Assistant Professors: Dr Vijaya Dixit, Dr Satish Chand and Dr Baludan Barahth.

Names of the esteemed professors, who led the department in the past are as follows:

- Prof. Sanjay Lodha (Dean, UCSSH)
- Prof. G.S.Kumpawat
- Prof. Arun Chaturvedi (Dean, UCSSH)
- Dr. S.L. Meena
- Prof. Zenab Bano
- Prof. R.S.Darda (Dean, UCSSH)
- Prof. B.R. Purohit (Dean, UCSSH)
- Dr. Ravindra Verma
- Dr. V.N. Dave
- Dr. C.M.Nanavati
- Dr. Dev Sharma
- Dr. C.M. Jain
- Prof. S.P. Verma (M B College, Udaipur)
- Prof. Iqbal Narayan (M B College, Udaipur)
- Dr. A.G.Somji

Name and Tenure of Heads/Directors/In charges/(All)

Dr. Vijaya Dixit has been serving as incharge-head of the department since July 2020. Previously, all the superannuated professors headed the department as per rotation. Prof. R.S Darda, Prof. B.R. Purohit, Prof. Arun Chaturvedi and Prof. Sanjay Lodha served as Dean, University College of Social Sciences and Humanities. Prof. Chaturvedi served as Chairman, Law Faculty. Also, Prof. Lodha and Prof. Chaturvedi were Chairman, Faculty of Social Sciences. Prof.Lodha served as Dean Postgraduate Studies. Prof. Lodha and Prof. Chaturvedi also served as Directors of Human Rights Centre and Nehru Studies Centre.

Achievements of the Former and Present Faculty Members

- **Prof. Zenab Banu** was awarded the Emeritus Fellowship by University Grants Commission, New Delhi, for 2012-2013. She was also selected for Senior Fellowship by ICSSR in 2017 for her proposed work on "Social Reform Movements and Women Empowerment (Dawoodi Bohra Reform Movement in Indian Context)". Prof. Banu has contributed more than twenty articles/research papers in various national and international journals. She has written 3 Books.
- **Prof. Sanjay Lodha** has been State Coordinator (Rajasthan) of CSDS/Lokniti and has completed a number of projects pertaining to pre-poll and post-poll surveys. He was also awarded ICSSR Fellowship for the project titled 'Ensuring Transparency and Accountability through Gram Sabha -A Case study of State and Civil Society Initiatives, 2003 onwards'. Prof. Lodha visited Nigeria for three months during Oct-Dec, 2004 on a South-South Exchange Programme between CSDS, New Delhi and Centre for Democracy and Development, Lagos, funded by Ford Foundation. He worked on the Freedom of Information campaign in Nigeria and presented a paper at the seminar. He further visited the USA on Fulbright Programme at the Department of Religious Studies, University of California, Santa Barbara, from June 18th to August 1, 2005. Prof Lodha writes regularly in national dailies and he has contributed twenty plus research articles/ opinion pieces in reputed journals and periodicals. Prof. Lodha has authored, co-authored and edited around 10 books.
- **Prof. Arun Chaturvedi** is a recipient of ICSSR and UGC fellowships. He was a member of the State Committee for Curriculum Design for Secondary/ Senior Secondary Education. Prof. Lodha and Prof. Chaturvedi were also

associated with Union Public Service Commission and Rajasthan Public Service Commission. He has authored 1 book and co-authored 5 books.

- **Prof. Girdhari Singh Kumpawat** has written extensively in research journals.

Present faculty members-

Dr. Vijaya Dixit, Dr. Satish Chand and Dr. Baludan Barahth have published research articles in national and international journals. They have also contributed chapters to edited volumes. Dr. Barhath has been a subject expert at Rajasthan Public Service Commission. All three faculties are supervising Ph.D. and M Phil scholars.

Academic Achievements of the Present Faculty Members (Books/Research Papers/Awards/Patents/etc)

Dr. Vijaya Dixit has presented about fifteen research papers at national and international seminars and conferences. She has also contributed to edited volumes and research journals. She has recently contributed 2 chapters in books titled "Bharatiya Rajnneti aur Nyayika Nikshpakshta" in Dhananjay Rai (ed.) (2016) Samay se Samwad: Swatantryottar Bharatiya Rajneeti, and "Union Executive: Prime Minister" in Krishna Murari and Abhay Prasad (eds.) (2019) Constitutional Government and Democracy in India.

Dr. Satish Chand has presented about forty papers and delivered invited lectures at various academic forums. He has been closely associated with Rashtriya Samaj Vigyan Parishad. His writings on ancient Indian polity are remarkable. Some of his recent publications include "Prachin Bhartiya Rajnitik Chintan mein Loktantra ki Avdharna" (2014) and "Kautilya ke Arthashastra mein Nyay-vyavastha ka Swaroop" (2017),in Rajyashti, Jaipur, and "Bhartiya Loktantra mein Nirvachan evam MatdaanVyayahaar" (2016).

Dr. Baludan Barahth has more than fifteen research papers to his credit. He has been a resource person to countless seminars/workshops and conferences. He has also authored a book on Kashmir. Four PhD scholars and three M Phil scholars are doing research under his supervision.

Ongoing and Completed Research Projects

There are no ongoing research projects at the department. Details of some previously completed research projects are as follows:

Name of the Project/ Endowments, Chairs	PI/Co-PI	Name of the Funding agency	Type (Government/ Non-Government)	Year of Award	Funds (INR)
Quality of Higher Education in India: A study of external and internal quality assurance at the institutional level	Prof. Sanjay Lodha	NUEPA	Government	2016-17	440000
Social Reform Movements and Women Empowerment (Dawoodi Bohra Reform Movement in Indian Context)"	Dr. Zenab Banu	ICSSR	Government	2017	
National Election Study: Post Poll Survey	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2014	274000
National Election Study: Tracker I 2014	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti		2014	340500
National Election Study: Tracker II 2014	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2014	195000
Mood of the Nation Survey Round 1, 2017	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2017	149000
Mood of the Nation Survey Round II, 2018	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2018	165000

Name of the Project/ Endowments, Chairs	PI/Co-PI	Name of the Funding agency	Type (Government/ Non-Government)	Year of Award	Funds (INR)
Mood of the Nation Survey Round III, 2018	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2018	169000
Attitudes, Anxieties and Aspirations of Indian Youth: Changing Patterns	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2016	150000
State-election Studies Pre-Poll 2018 (late October)	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2018	807000
State-election Studies Pre-Poll 2018 (late November)	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2018	707400
Politics and Society between Elections	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti& Azim Premji University	Government & Private	2018	340000
Status of Policing in India	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti	Government	2017	185000
First-time Women Voters Study, 2018	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti& The Quint	Government & Private	2018	125000
Pre and Post-Poll Survey of National Election Studies, 2019	State-Coordinator, Prof. Sanjay Lodha	CSDS-Lokniti&Tiranga TV, The Hindu and Dainik Bhaskar	Government & Private	2019	110000, 250000

Programmes/Seminars/Workshops Organized

The department has an illustrious record of being the seat of academic discussions and activities. In the past, the department did collaborate with Rajiv Gandhi Foundation, American Studies Centre at University of Hyderabad, ICSSR, UGC, African Studies Association of India, MPISSR, NUEPA, CSDS/Lokniti, National Human Rights Commission and numerous other institutes/universities of repute.

The department also did work with local NGOs including Aastha, Sewa Mandir, Vidya Bhawan etc.

Details of some key seminars/conferences/workshops organised by the department are as follows:

1. Six days workshop on Human Rights and Development Issues in Tribal sub-Plan Region of South Rajasthan sponsored by UGC, October 25-30, 2010. The workshop was attended by more than 30 participants.
2. International Seminar On Indo-African Relations: Emerging Dimensions, Opportunities and Challenges in the 21st Century organised in collaboration with African Studies Association of India (ASA India) on 24th and 25th March 2014. Twenty nine scholars/dignitaries from across India and Africa presented papers and discussed various aspects of India-Africa relations. The programme was attended by a number of research scholars and post-graduate students.
3. Two week Capacity-building Workshop for Young Faculty in Social Sciences sponsored by ICSSR, organised from 12th January to 25th January 2014.
4. Fifth Northern Regional Social Science Congress organised in collaboration with ICSSR- Northern Regional Centre, New Delhi, on 24th -26th February, 2017. The Congress attracted more than hundred scholars and students from across north India.
5. National Seminar on Exploring an Agenda for Social Science Research in Rajasthan, sponsored by ICSSR. The seminar was organized on January 7-8, 2017 and was attended by 30 plus participants.

6. Panel Discussion titled "Understanding the 2014 General Election Mandate and its Impact on Indian Politics" on 5-7th February, 2015, sponsored by ICSSR.

Important dignitaries that visited the department

The department has hosted a number of eminent personalities, academicians, leaders and members of civil society. Just to name a few. the long list includes- Prof Yogendra Yadav (CSDS New Delhi), Prof Rajiv Bhargawa (University of Delhi), Prof Ajay Dubey (JNU, New Delhi), Prof Yatindra Sisodiya (MPISSR), Smt Neelima Khaitan (CEO, Sewa Mandir), Prof YG Joshi (MPISSR Ujjain), Prof. Tasneem Mitra (Jamia Millia Islamia University), Prof PM Patel (MS University Baroda), Prof. Aparajita Biswas (Center for African Studies, Mumbai University), Prof Manish Kumar (Gujarat Central University, Gandhinagar), Dr. Saurabh Gupta (Faculty at IIM Udaipur), and Dr CP Joshi (Honorable speaker, Rajasthan Legislative Assembly).

Additionally, a number of Professors have visited the department to conduct PhD viva. Scores of visiting faculties have contributed to the department. So have the PhD scholars and post-doctoral fellows. Their research has enriched the academic repository of the institution.

Achievements of Former and Present Students

Students of the Department are mostly engaged in teaching at colleges and schools across the state. Some are also working in administrative positions under the state government. For example, Mahendra Kumar Teli, a doctoral student, was selected as school teacher. He secured 165th rank in results declared in 2020.

Important Posts Held by Alumni

- Dr. Nidhi Jain, founder of Sakhi Foundation at Kushalgarh, working for economic betterment of deprived and backward women.
- Dr. Saurabh Gupta, Faculty at IIM Udaipur.
- Dr. Bhawna Pokharna, Faculty at Meera Girls Government College, Udaipur.
- Dr. Vaishali Devpura, Faculty at Meera Girls Government College, Udaipur.
- Dr. Bhav Shekhar, Faculty at Meera Girls Government College, Udaipur.
- Dr. Baludan Barahth, Assistant Professor, Department of Political Science, MLSU, Udaipur.
- Shri Brajesh Gupta, Block Development Officer, Rajasthan Government.
- Shri Mangilal Garasiya, Minister of State in Rajasthan Government and Ex-MLA, Gogunda Constituency.
- Dr. Manoj Rajguru, Assistant Professor, Vidya Bhawan Rural Institute, Udaipur.

Department of Psychology

Prof. Kalpana Jain
Head

Dr. Tarun Kumar Sharma
Asstt. Professor

Dr. Varsha Sharma
Asstt. Professor

Dr. Rashmi Singh
Asstt. Professor

Dr. Hema Kumari Mehar
Asstt. Professor

Establishment and Evolution

The Department was started in 1971 under the stewardship of Prof. Udai Pareek, the then Director, School of Basic Sciences and Humanities. The Department was then chaired by Prof. Prayag Mehta. Initially, post-graduate classes were started along with Ph.D. research facilities. Later on, undergraduate classes were started in 1974. The Department was started with an emphasis on Applied Social Psychology and Organizational Behaviour. At present the Department has developed an expertise in the field of Applied Psychology.

Nearly 150 students have been awarded Ph.D. degree and about 20 Research Projects sponsored by ICSSR, UGC, ICMR and other agencies have been completed in the department. Students of the Department have been working as M.H.R.D. experts, professors, teachers, school psychologists and counsellors in India and abroad.

Previous and Current Courses of the Department

- Doctorate in Psychology (Ph.D.)
- Master in Psychology (PG)
- Psychology as a subject at Graduate Level (UG)

Available Resources - Building, Laboratory/ Computers etc

2 Classrooms, 1 Smart Classroom, 1 Psychology Laboratory 8 Computers, 1 Laptop.

Faculty

Former Faculty Members

- Prof. Udai Pareek
- Prof. Prayag Mehta
- Prof. G. C. Rai
- Prof. C. N. Mathur
- Prof. C. P. Joshi
- Dr. M. K. Singhvi
- Sh. Kishor Gera
- Prof. Vijaya Laxmi Chouhan

Present Faculty Members

- Prof. Kalpana Jain
- Dr. Tarun K. Sharma
- Dr. Varsha Sharma
- Dr. Rashmi Singh
- Dr. Hema Kumari Mehar
- Laboratory Assistant : Dr. Ramesh Bagri

Head of the Department

Prof. Udai Pareek, Prof. Prayag Mehta, Prof. G. C. Rai, Prof., Prof. C. P. Joshi, Prof. C. N. Mathur, Sh. Kishor Gera, Prof. Vijaya Laxmi Chouhan (2001-2011), Prof. Kalpana Jain (2012 ...).

Important Achievements of Former Faculty Members

Prof. (Late) Udai Pareek was the scientific advisor of IIHMR and OB Consultant in India and abroad.

Prof. (late) Dr. G.C. Rai of the Department became the Vice-chancellor of this university.

Prof. Prayag Metha has worked on Participative Management as a consultant in India.

Prof. T.V. Rao is a pioneer in HRD and has been working as an H.R.D consultant. He has also served in IIM. Dr. Mahaveer Jain is with NLI and has worked on Child Labour.

Prof. C. N. Mathur has worked in the field of Psycho-Sexual Prevention, Dysmenorrhoea, Pelvic pain and Infertility. He made a full hearted effort for Psycho-Medical Approach in dealing with health problems. He has written books and popular articles in the Psycho-Sexual area. He held the position of the Dean, University College of Social Sciences and Humanities

Prof. C. P. Joshi had a specialization in Research Methodology and Statistics. He is actively contributing towards the benefit of society through political participation. Prof. C. P. Joshi is presently the Speaker, in Legislative Assembly, Rajasthan. He has also served the society as cabinet minister in Central Government and in Rajasthan Government.

Dr. M. K. Singhvi (late) worked on various projects at IIM and worked with Prof. D.C. McClelland from Harvard University. His research areas were organizational stress, Socio-psychological Interventions and Organizational Culture.

Sh. Kishor Gera started his career from USA. His areas of specialization areas were Achievement Motivation and Social Psychology. He has completed many projects. He worked with eminent psychologists of India and abroad and organised many training programs.

Prof. Vijaya Laxmi Chouhan has been wholeheartedly involved in teaching, research and extension with scientific approach. She is a recipient of more than 15 various prestigious national and international awards & honours. She is also the writer of more than 5 books and completed nearly 5 projects and supervised nearly 75 doctoral theses. She has presented papers at international conferences at different universities in Indian and abroad. She had been instrumental in the establishment Centre for Women Studies in the university and she developed new courses in women studies. She was the founder director of the centre and Dean Student Welfare of Mohanlal Sukhadia University.

Academic Achievements / Books/ Researches/ Awards/ Patents/ Others of Present Faculty Members

Prof. Kalpana Jain

- **Research:** Projects completed- 01; and one is ongoing. Theses guided (Masters)- 02; Theses guided (Doctoral)- 16; Doctoral Theses under Supervision- 05; Post-doctoral Theses guided- 06; Post-Doctoral Theses under supervision-02
- **Areas of specialisation:** Positive Psychology, Applied Social Psychology
- **Publications :** Research papers- 35; Books- 02
- **Papers Presented at Seminars/ Conferences/ Workshops :** Papers presented at Taiwan, US, Japan, South Africa, Namibia and India at International seminars, conferences, workshops - 20 ; National- 40
- **Training Programs/Workshops:** Programs organised for pre adolescents, parents

Dr. Tarun K Sharma

- **Position:** Assistant Professor since February 2012
- **Education:** Ph.D , NET SET
- **Area of specialisation:** Industrial-Organisational Psychology.
- **Publications:** Published a total of 27 Research Papers and Book Chapters and has edited one Book.
- Research project sanctioned in RUSA-2 is ongoing.
- **Awards:** Awarded by Gujarat Academy of Psychology, and by the District Collector, Udaipur, for providing Counselling services to migrant labours during Covid-19 lockdown.
- **Presentations:** Presented papers at 30 national and international conferences and workshops.
- He has been trained by John Sayres, Centre for Creative Leadership, USA, for conducting MBTI Assessment. He has also conducted training sessions at Navodaya Leadership Institute, Zawar Training Centre, Vidhya Bhawan GSS College, Rajasthan Vidhyapeeth etc.

Dr. Varsha Sharma

- **Position:** Assistant Professor
- **Education:** M.A. (with Gold Medal), MBA in HR, PhD, JRF, NET, SRF, SET, Post Doctorate
- **Past Positions:** Research Officer, Population Research Centre, MOHFW, Govt. Of India
- **Books:** "Health Psychology", 2014

- Psychological Test: "Wellbeing Index", 2015
- Awards: Gargee Samman; Maharana Fateh Singh Samman; M. K. Singh Gold Medal; MLSU Gold Medal; Silver Medal by Gujarat University, JRF & SRF award from UGC
- Publication: More than 20 papers published in national & international research journals
- Articles published in national level newspapers.

Dr. Rashmi Singh

- Position: Assistant Professor
- Education: M.A. (1st position in college), Ph.D. NET, SET, PGDGC
- Past Positions: Counsellor, Kendriya Vidyalya, Udaipur
- Publications: More than 15 research papers published in national & international research journals
- Awards: Appreciation letter from District Administration for counselling service provided at camps during Covid -19 Lock down period from 22 March to 31 May 2020; "Most updated Participant Award" in Faculty Development Program organized by FMS, MLSU, Udaipur.
- Presentations: Many papers presented in different national and international conferences and seminars

Dr. Hema Kumari Mehar

- Position: Assistant Professor
- Education: M.Sc. (Clinical Psychology), Ph.D., SET, NET
- Past Positions: Assistant Professor, St. Wilfred's P.G. College (affiliated with University of Rajasthan) Jaipur, 2017.
- Achievements & Awards: Awarded Prof. Deepak Bhatt Award for Best Research paper in International Conference organized by IAAP, 2017 (January); UGC Rajeev Gandhi National Fellowship Award JRF) 2018-19; Awarded ICSSR Fellowship 2015(New Delhi); Best Research Scholar Award by Department of Psychology, University of Rajasthan, Jaipur, 2017.
- Publications: More than 10 papers published in national & international research journals
- Awarded a Presentation Certificate at Bangkok, Thailand (International Award) 2016.

Research Projects

Completed

1. Indian Council of Social Research
2. University Grants Commission
3. Indian Council of Medical Research
4. State Bank of India
5. R.S.E.B.
6. MLV Tribal Research Institute, Rajasthan.

Ongoing

1. Strength Based Development of Tribal Adolescents of Southern Rajasthan: An Empirical Study by Dr. Kalpana Jain, Dr. Rashmi Singh, Dr. Hema Mehar
2. Suicides in Kota: Understanding causes and preparing prevention strategies in the form of a documentary film by Dr. Tarun K. Sharma

Programs/ Conferences/ Seminars/ Workshops/ Trainings organised

- National Seminar on "Mind and Society: Indian perspective" on 30-31 March, 2013. Number of participants- approx. 100.
- International Conference on "Emerging role of Guidance and Counselling in Health & Well Being" on 18-19 November 2014. Number of Participants- approx. 100.
- A Multidisciplinary Conference on "Integrative Approaches for Mental Health and Well Being" on 27-28 September, 2019. Number of participants- approx. 300.

Important Persons that visited the Department & Purpose (From 2012)

- Prof. Girishwar Mishra- to deliver a Lecture on Indian Psychology, on 23rd Nov, 2012.
- Prof. Ajit Dalal- delivered a Lecture on Socio-Cultural Aspects of Health on 12th Jan, 2013.
- Prof. Urmi Biswas, Baroda University, Prof. C. N. Matur, Prof. S. Biswas from IRMA, Prof. Hemlata Talesera, Department of Education, Prof. Sushma Singhvi- Resource person in National Seminar- Mind and Society: Indian perspective on 30th-31st March, 2013
- Dr. Sachin Jain, Counsellor, USA- to conduct a workshop on counselling skills on 11 July, 2013; workshop on Career Counselling on 30 September 2014.
- Prof. Karunesh Saxena- invited to conduct a workshop on SWOT on 17th Dec, 2013
- Prof. Rajbir Singh, Rohtak; Prof. Laxmi Thakur, Ajmer, Prof. Bamak, USA- visited the department for international conference on 18-19 November 2014.
- Prof. M. P. Sharma, NIMHANS- visited the department to deliver a Lecture on Mind fulness based interventions on 20th Dec, 2014. He was also a resource person on 27 & 28 Sept. 2019
- Dr. Rabinder Bedi, Canada and Dr. Betty Cardona, USA- gave presentations on Emotionally Focussed Therapies on 16th Aug, 2014
- Prof. Usha Kulshrestha- gave a Lecture on Psychological Correlates of Happiness on 2nd Aug, 2014.
- Dr Susan, USA- gave a presentation on Counselling of Disabled on 30th Sept, 2014
- Prof. S. C. Kanawala, Ahmedabad- spoke on contribution of Sigmund Freud and Alfred Adler on 21st Aug, 2014
- Prof V. L. Chouhan- delivered a lecture on Mental Health on 10 October, 2014, 2015
- Prof. Jitendre Mohan, Professor Emeritus, Punjab University- delivered a lecture on Excellence in Wellbeing in 2017. Prof. Meena Sehgal, Department of Psychology, Punjab University also visited the department.
- Prof. C.N. Mathur- gave a lecture on Psychosocial Problems of Elderly in 2017.
- Prof. Vijaya Laxmi Chouhan- delivered lecture on Outline of Research Proposal in 2017; Happiness among youth in 2018. Prof. Rajeshwari Narendran shared her knowledge on Plagiarism in the department.
- Dr. Sushma Mehrotra- introduced "Eye movement desensitisation and reprocessing" technique to students in 2017.
- Prof. Mrinalini Purandare- conducted a workshop on Qualitative analysis in 2017.
- Dr. S. K. Kherada- gave lecture on Mental health issues among adolescents in 2018.
- Joe White, Australian Counsellor- conducted a workshop on Basic Counselling Skills in 2019.
- Dr. Farida Dias and Dr. Siddiqa Hussain- conducted a workshop on Reality Therapy in 2019.
- Prof. Rajbir Singh, Prof. C. P. Joshi, Prof. P. K. Gupta, Prof. Uma Joshi, Prof. M. P. Sharma, Prof. S. N. Tung, Prof. A. V. S. Madnawat- visited the department on the occasion of Conference on 27-28 September 2019.
- Prof. Radhey Shyam, Rohtak- conducted a workshop on mental health in 2019.
- Sh. Kishor Gera- conducted a workshop on Achievement Motivation in 2019.
- Prof. Vandana Sharma, Punjabi University and Prof. C. N. Daftaur, Pune- delivered online lectures on Music therapy and Touch Therapy in 2020.

Important Achievements and Positions held by Past and Present Students

Prof. C. P. Joshi, Hon'ble Speaker, Legislative Assembly, Rajasthan; **Prof. Vijaya Laxmi Chouhan** was Dean Student Welfare, and Director, Centre for Women's Studies, MLSU, Udaipur; **Prof. M. P. Sharma**, Head, Department of Clinical Psychology, NIMHANS, Bengaluru; **Prof. L. N. Bunker**, Head, Department of Psychology, J. N. V. University, Jodhpur; **Prof. Kalpana Jain**, Head, Department of Psychology, MLSU, Udaipur; **Dr. D. S. Sisodia**, Faculty Chairperson, Bhopal Nobles University, Udaipur; **Dr. Shipra Lavania** was Associate Professor, Department of Psychology, Govt. Meera Girls College, Udaipur; **Dr. Ajay Chaudhary**, Associate Professor, Govt. Meera Girls College, Udaipur; **Dr. Vishva Choudhary**, Assistant Professor, University of Rajasthan, **Dr. Tarun K. Sharma, Dr, Varsha Sharma, Dr. Rashmi Singh,** Assistant Professor, Department of Psychology, MLSU, Udaipur; **Dr. Rekha Paliwal**, Head; **Dr. Sangeeta Mathur**, and **Dr. Anjana Purohit** Department of Psychology, Guru Nanak Girls College, Udaipur; **Dr. Veenus Vyas**, Head, Department of Psychology, Rajasthan Vidyapeeth Udaipur; **Dr. Lokeshwari Rathore**, Asstt. Professor B.N. College, Udaipur; **Nidhi Singh**, Practitioner Counsellor; **Dr. Nidhi Singh**, B.N. Girls College Udaipur, **Dr. Shalini Vyas**, Counsellor in UK, **Dr. Lokesh Jain**, Director, Scholar Arena Institute; **Dr. Alpana Singh**, Head, Department of Education, MLSU, Udaipur; **Mr. Satish**, Counsellor, Bhilwara; **Sh. Dinesh Lodha**, Bank Officer; **Dr. Ankit Rana**, Lecturer, Saharanpur, U.P.; **Dr. Tasneem**, School Counsellor, USA; **Prof. C. P. Singh Bhati**, Director Sports, LNIPE, Gwalior, M.P.; **Prof. V.S. Rathore**, Dean, School of Education, Central University of Chattisgarh; **Dr. Deependre Singh**, Boxing Coach, MLSU; **Sh. Pramod Samar**, Chairman, Cooperative Stores, Udaipur; **Dr. Bhimraj Patel**, Sports Board, MLSU; Peeyush Bhati, IAS posted in Gujarat.

Present Students

Nikhil Chaudhary, School Counsellor, Delhi

Mubina, Counsellor at Ajmer

Department of Public Administration

Prof. C.R. Suthar
Head

Prof. S.K. Kataria
Professor

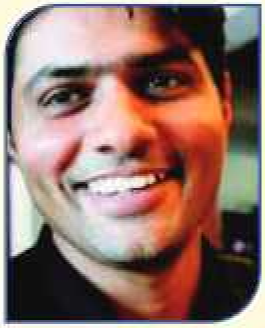

Dr. Giriraj Singh Chauhan
Asstt. Professor

Establishment and Evolution

Public Administration as a subject was introduced in Mohanlal Sukhadia University in 1984. It became a separate Department in 1996. Prior to this the subject was introduced at the Under Graduate level in 1973 and Post Graduate level in 1988. The Ph.D programme was introduced in 1999.

Vision

The vision of the Department of Public Administration is to prepare dedicated and aware citizens as well as highly-skilled young professionals, committed to careers in public services, voluntary organizations, or in the private sector. The vision is supported by evidence-based research that is carried out by universities and other organizations, which contributes to an open debate on public policy options, programs as well as the ways that both policies and programs affect society.

Courses offered

BA, MA, M.Phil and Ph.D programmes are offered by the Department.

Available Resources

The Department has 04 personal computers and printers and also a small Department level library.

Faculty

Prof. C.R. Suthar, Dr. G.S. Chauhan and S.K. Kataria are the faculty members working in the Department.

Name and Tenure of Heads/Directors/In charges/(All)

Prof. C.R. Suthar has the credit of single handedly leading the Department for more than two decades. From 2013 to 2016 it was headed by Prof. S.K. Kataria. Currently, Prof. C.R. Suthar is the Head of the Department.

Achievements of Faculty

Dr. G.S. Chauhan has presented about 10 research papers at 15 National level and various International level Conferences and Seminars.

Prof. C.R. Suthar has presented about 55 research papers at academic events and is a regular expert member of various confidential tasks of Public Service Commissions and Universities. Prof. Suthar has the credit of developing a backward village- Raghunathpura, Udaipur under Rajbhavan's University Social Responsibility initiative.

Academic Achievements of the Present Faculty Members (Books/Research Papers/Awards/Patents/etc)

Dr. G.S. Chauhan and S.K. Kataria have edited a book entitled "Tribal Development in Globalized India" (2015).

Prof. C.R. Suthar and S.K. Kataria have edited a book titled "Vaishwikrit Bhaarat Mein Janjaatiya Vikas" (2015).

Some text books have been written by Prof. S.K.Kataria. He has also published few hundred research papers and articles in subject - journals and magazines. He has been awarded 16 times by various National Institutes and Union Ministries. May visit his website - ***www.surendrakataria.com***

Important Positions held by the Faculty Members

Prof. C.R. Suthar has been a member of various expert committees of Public Service Commissions and Universities and also the Chairman, University Sports Board, Chief Proctor, NSS Co-ordinator, Faculty Chairman of Education in MLSU.

Dr. G.S. Chauhan of the Department is holding the office of Director, Centre for Capacity building, MLSU, and the Warden of Rana Punja Hostel, MLSU. He has been the Member of Academic Council (VC Nominee), Assistant Dean Students Welfare-UCSSH, and Co-Coordinator, University Competitive Examination Coaching Center, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur. Also, he has efficiently conducted six academic events as Seminar Director, Co-ordinator or Organizing Secretary. Currently, he is the Deputy Registrar (Exams)

On-going and Completed Research Projects

- Dr. G.S. Chuahan has been awarded UGC-JRF
- Prof. S.K. Kataria has completed 10 Research Projects of UGC, NIRD, NPC, IGPR and GVS, NIHFW and Ministry of Rural Development.

Other Achievements

The Department of Public Administration has organized many academic events in collaboration with many government agencies like- Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development, Sriperumbudur, District Police Administration, Udaipur and Govind Guru Tribal University, Banswara (erstwhile Rajiv Gandhi Tribal University, Udaipur). As a practice, the Department submits the final report of every academic event with the detailed proceedings and suggestions, to the concerned Ministry or Department of Central or State government. The suggestions made in the National Seminar on Moutana have been well noticed and accepted by the State government. Moutana is a tribal custom in Southern Rajasthan and North Gujarat about the blood money or death ransom.

Events Organized

S.No.	Name of the Event	Dates	Number of Participants
1.	T.o.T. on Good Governance in PRIs of Scheduled Areas	Jan. 21-23, 2019	74
2.	National Seminar on Police Reforms: Initiatives and impediments	Feb. 27-28,2016	200
2.	National Seminar on Tribal Development in Globalized India	Mar. 20-21, 2015	133
3.	National Seminar on Administrative Culture in India: Trends and Threats	Oct. 25-26, 2013	100
4.	National Seminar on *Moutana*	Dec.17-18, 2012	121
5.	State and District Administration: Regional Seminar on II ARC's 15th Report	July 28, 2012	32
6.	National Seminar on Corruption: Causes and Remedies	Mar. 22-24, 2002	165

Important dignitaries that visited the department

A large number of eminent academic personalities have visited the Department of Public Administration as keynote speakers in seminars or workshops or as invited resource persons or experts in Ph.D viva -voce. The list includes Dr. M.L. Kumawat IPS & Chairman, RPSC, Mr. T.C. Damor, IPS & Vice Chancellor, Prof. R.L. Godara, Vice Chancellor, Hemchandracharya North Gujrat University, Patan, Prof. M.C. Behara, Jharkhand Central University, Ranchi, Prof. S.L. Goel, IIPA, New Delhi , Prof. O.P. Minocha, New Delhi, Prof. A.S. Malik, Kurushetra University, Prof. Sanjeev Mahajan, H.P. University, Shimla, Prof. Satish Patel, V.N.S.G. University, Surat, Prof. Preeta Joshi, University of Rajasthan, Jaipur, Prof. Hoshiyar Singh, MGSU, Bikaner, Prof. B.M. Chitlangi, Jodhpur, Prof. Ashok Sharma, Jaipur, Prof. P.S. Bhatnagar, Jaipur, Dr.K.R. Pichholiya, IIM, Ahemdabad.

Achievements of Alumni

Dr. G.S. Chauhan, a former student of this department is now working as an Assistant Professor in the Department. Other students include, Dr. Neetu Bhardwaj (Assistant Commissioner Commercial Taxation), Dr. Naresh Suhel (CI, State Excise, Dr. Anita Paliwal (Asst Prof., Guru Nanak College), Dr. Vidhya Menaria, Dr. Kanwraj Suthar, Dr. Ratan Lal Suthar, Dr. Devendra Singh Shekhawat and Dr. Himmat Singh are working as Principal or Lecturer in Private Colleges. Mr. Yogesh Chitara is an Asstt. Prof. in Govt. College and Ms. Bhavya Arora is posted in AVVNL as Junior Administrative Officer.

Important Posts held by Alumni

Dr. Manna Lal Rawat is working as Asstt. Commissioner, Transport, Govt of Rajasthan. Dr. Laxman Singh Rawat (Ex. Congress MLA and State Minister) and Mr. Satyendra Kumar (IPS), have been research scholars of the Department. The alumni of the Department are mostly working in Higher or School Education.

राजस्थानी विभाग

डॉ. सुरेश सालवी

सहायक आचार्य एवं प्रभारी-विभागाध्यक्ष

स्थापना एवं क्रमिक विकास

राजस्थानी विभाग की स्थापना जुलाई, 1982 में हुई। विभाग में स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर एम.ए. पूर्वार्द्ध प्रथम वर्ष से राजस्थानी पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ। डॉ. नेमनारायण जोशी पहले विभागीय अध्यक्ष एवं आचार्य थे। डॉ. नेमनारायण जोशी सन् 1986 में सेवानिवृत्त हुए। डॉ. नेमनारायण जोशी के सेवानिवृत्ति के उपरांत डॉ. आलम शाह खान विभाग के अध्यक्ष एवं सह आचार्य के पद पर थे। वर्ष 1993 में डॉ आलम शाह खान आचार्य बने। डॉ. आलम शाह खान 31 मार्च, 1996 को सेवानिवृत्त हुए। डॉ आलम शाह खान महाविद्यालय के अधिष्ठाता भी रहे। डॉ. खान की सेवानिवृत्ति के उपरान्त डॉ. लक्ष्मण सिंह राव सहायक आचार्य एवं प्रभारी के पद पर जुलाई 2006 तक रहे। वे सेवानिवृत्ति के उपरांत भी विभाग में अपनी सेवाएँ देते रहे। इस प्रकार प्रोफेसर डॉ. नेमनारायण जोशी, डॉ. आलमशाह खान, डॉ. लक्ष्मण सिंह राव राजस्थानी विभाग को स्थापित करने वाले सदस्य थे। 22 फरवरी, 2012 को डॉ. सुरेश सालवी सहायक आचार्य पद पर नियुक्त हुए। वर्ष 2012 से डॉ. सुरेश सालवी विभाग के सहायक आचार्य एवं प्रभारी के पद पर कार्यरत हैं।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

विभाग का स्नातक प्रथम बैच राजस्थानी ऐच्छिक विषय के रुप में सन् 1985 में निकला। स्नातकोत्तर एम.ए. उत्तरार्द्ध अंतिम वर्ष का प्रथम बैच सन् 1984 में निकला। विभाग में एम.फिल का पाठ्यक्रम भी स्वीकृत है। विभाग में पीएच. डी. शोध कार्य भी संचालित है। विभाग में पूर्व में सेमेस्टर पद्धति से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित था। वर्तमान में विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (सी. बी. सी. एस. सेमेस्टर पद्धति) पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभाग से स्वयंपाठी छात्रों के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर वार्षिक पद्धति का पाठ्यक्रम भी है। संसाधनों के रूप में विभाग में दो कमरे एवं दो कम्प्यूटर, एक लैपटॉप, एक म्यूजिक सिस्टम, प्रिन्टर उपलब्ध है।

संकाय सदस्य

1.	प्रो. नेमनारायण जोशी	(पूर्व संकाय सदस्य)
2.	प्रो. आलम शाह खान	(पूर्व संकाय सदस्य)
3.	डॉ. लक्ष्मण सिंह राव	(पूर्व संकाय सदस्य)
4.	डॉ. सुरेश सालवी	(वर्तमान संकाय सदस्य)

विभागाध्यक्ष / प्रभारी का नाम एवं कार्यकाल

1.	प्रो. नेमनारायण जोशी	(विभागाध्यक्ष)	1982 से जनवरी, 1986
2.	प्रो. आलम शाह खान	(विभागाध्यक्ष)	फरवरी, 1986 से मार्च, 1996
3.	डॉ. लक्ष्मण सिंह राव	(प्रभारी)	अप्रेल, 1996 से जुलाई, 2006
4.	डॉ. सुरेश सालवी	(प्रभारी)	मार्च, 2012 से निरंतर

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. लक्ष्मण सिंह राव ने स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य डिंगल में सन् 1980 में विश्वविद्यालय स्तर पर मेरिट में द्वितीय स्थान पर रहे। डॉ. सुरेश सालवी स्नातकोत्तर (एम.ए.) राजस्थानी साहित्य वर्ष 1999 में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नेट की परीक्षा चार बार उत्तीर्ण करने की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय से सिल्वर मेड़ल से सम्मानित हुए।

10 मार्च, 2013 को स्नातकोत्तर के छात्र महीपाल गरासिया ने राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर की निबंध प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गजेन्द्र सिंह राव, महीपाल गरासिया, अनिल गारु, संगीता मेहरा विभाग के विद्यार्थी नेट एवं जे.आर.एफ. हुए। डॉ. कृष्णा जांगिड़ और डॉ. भगवान लाल बंशीवाल साहित्यिक क्षेत्र में सम्मानित हुए हैं।

पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण पद

1. डॉ. चन्द्रकांत पुरोहित : सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शिक्षा विभाग, राजस्थान
2. डॉ. भगवान लाल बंशीवाल : सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी, शिक्षा विभाग, राजस्थान
3. डॉ. कृष्णा जांगिड़ : व्याख्याता, राजस्थानी, शिक्षा विभाग, राजस्थान
4. डॉ. महीपाल गरासिया : व्याख्याता, राजस्थानी, शिक्षा विभाग, राजस्थान
5. डॉ. हरी राम विश्नोई : पुस्तकालय अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, राजस्थान
6. डॉ. सूरजमल राव : सहायक कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

अकादमिक उपलब्धियाँ

डॉ. सुरेश सालवी की पुस्तक राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता वर्ष 2016 में प्रकाशित हुई। ये सामाजिक शोध पत्रिका (सामाजिक एवं साहित्यिक पत्रिका) में ऐसोसिएट एडिटर रहे और नव सृजन पत्रिका के सह सम्पादक रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में शोधपत्र एवं समीक्षाएँ प्रकाशित होती रही हैं। आकाशवाणी से विभिन्न विषयों पर वार्ताएं प्रसारित हुई हैं। आपने कई अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की सेमीनारों में पत्र वाचन किया है। डॉ. सुरेश सालवी के निर्देशन में सात शोधार्थी अपना शोध कार्य पूर्ण कर विद्यावाचस्पति की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पाँच शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। राजस्थानी साहित्य के स्नातकोत्तर के पच्चीस छात्र निर्देशन में लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत कर चुके हैं। डॉ. सुरेश सालवी राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर के सदस्य भी रहे। आप मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की राजस्थानी पाठ्यक्रम समिति के सदस्य भी हैं। शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में आप मेवाड़ सालवी समाज सेवा संस्थान की ओर से वर्ष 2007 में सम्मानित हो चुके हैं। आप वर्ष 2007, 2008 में अम्बेड़कर जयन्ती समारोह समिति की ओर से भी सम्मानित हो चुके हैं। ऐश्वर्या कॉलेज एवं हिन्दुस्तान टाईम्स की ओर से आपको 15 सितम्बर, 2016 को ऐक्सीलेन्स टीचर्स अवार्ड एवं बदलाव संस्थान, उदयपुर की ओर से 20 सितम्बर, 2017 को सोशल स्कोलर अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उद्गम ट्रस्ट की ओर से आपको राजस्थानी भाषा संरक्षण सम्मान, 2019 मिल चुका है।

आप वर्तमान में वागड़ क्षेत्र के लोक साहित्य और संस्कृति विषयक रूसा द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजना में सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विभाग द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम

1. 22–23 फरवरी, 1999 को विभाग द्वारा ''राजस्थानी भाषा अर उणरी बोलियाँ'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री राणी लक्ष्मी कुमारी चुण्ड़ावत थीं।
2. 29 सितम्बर, 2012 को विभाग द्वारा 'मीरां री जीवन चरित : पुनर्मूल्यांकन' विषय पर डॉ. अरविन्द सिंह तेजावत केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर ने व्याख्यान दिया।
3. 9 फरवरी, 2013 को विभाग द्वारा बावजी चतुरसिंहजी की जयन्ती एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह राव का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. जगमल सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सिलचर विश्वविद्यालय, असम ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता प्रो. शरद श्रीवास्तव ने की।
4. 21 फरवरी, 2013 को विभाग में विश्व मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में मायड़ भाषा राजस्थानी दिवस मनाया गया।
5. 29 जनवरी, 2014 बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।
6. 16 फरवरी, 2015 को ''राजस्थानी री आज री कविता'' विषय पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. भगवती लाल व्यास ने व्याख्यान दिया।
7. 21 फरवरी, 2015 को 'राजस्थानी मातृभाषा दिवस' मनाया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ज्योतिपुंज पण्ड्या ने मायड़ भाषा राजस्थानी के समग्र साहित्य का साहित्य जगत में महत्व बताया।
8. 27 नवम्बर, 2015 को 'बगत री पांखड़लिया पै राजस्थानी महिला सिरजण री परवाज' पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्रीमती शकुन्तला सरुपरिया ने राजस्थानी गीत गाते हुए राजस्थानी के प्राचीन साहित्य से लेकर आधुनिक महिला सृजन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

9. 08 फरवरी, 2016 को बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. श्रीकृष्ण ''जुगनू'' ने बावजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।
10. 22 फरवरी, 2016 को विश्व मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में 'मायड़ भाषा राजस्थानी दिवस' मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. देव कोठारी, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर ने भाषा विज्ञान की दृष्टि से राजस्थानी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मीना गौड़ ने की।
11. 25 जनवरी, 2017 को बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रो. जी.एस. राठौड़ ने बावजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।
12. 15 जनवरी 2018 बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती मुख्य अतिथि एवं वक्ता राजस्थानी वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कुन्दन माली ने बावजी के कृतित्व पर प्रकाश डाला।
13. 03 फरवरी, 2019 को ''बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती'' बावजी की निर्वाण स्थली नउवा गांव में मनाई गई।
14. 23 जनवरी, 2020 को बावजी चतुर सिंह जी की जयन्ती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. एम. एल. नागदा ने बावजी की आध्यात्म को सरल एवं सुबोध भाषा में प्रस्तुत किया।
15. 20 फरवरी, 2020 को मायड़ भाषा राजस्थानी दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. देव कोठारी, पूर्व अध्यक्ष राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर ने 'राजस्थानी भाषा : दशा और दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया।
16. 11 नवम्बर, 2020 को 'मायड़ भाषा राजस्थानी अर नुवी शिक्षा नीति, 2020' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार में मुख्य वक्ता प्रो. एल. के. व्यास, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थानी विभाग, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर ने अपना व्याख्यान दिया।
17. 7 दिसम्बर, 2020 को आनंदम दिवस एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. कुन्दन माली, वरिष्ठ साहित्यकार थे।

विभाग में आ चुके महत्त्वपूर्ण व्यक्ति

1. रानी लक्ष्मी कुमारी चुण्ड़ावत : पद्मश्री, राजस्थानी साहित्यकार।
2. डॉ. देव कोठारी : पूर्व अध्यक्ष–राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।
3. डॉ. श्री कृष्ण जुगनू : राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, वरिष्ठ साहित्यकार एवं इतिहासकार।
4. डॉ ज्योति पुंज पण्ड्या : राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, वरिष्ठ साहित्यकार।
5. डॉ. कुन्दन माली : सूर्यमल्ल मिश्रण शिखर पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार
6. श्री पुरुषोत्तम पल्लव : राज्य स्तर पर शिक्षक सम्मान 1991 एवं काव्य शिरोमणि अलंकरण 2005 से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार।

संस्कृत विभाग

प्रो. नीरज शर्मा
विभागाध्यक्ष

प्रो. अंजना पालीवाल
आचार्य

डॉ. जी. एल. पाटीदार
सहायक आचार्य

श्री मुरलीधर पालीवाल
सहायक आचार्य

स्थापना एवं क्रमिक विकास

उदयपुर विश्वविद्यालय जब अपने प्रारंभिक स्वरूप में एम. बी. कॉलेज में संचालित था तभी से संस्कृत विभाग की स्थापना एवं प्रवृत्तियाँ प्रारंभ हो चुकी थी। सन् 1966 में संस्कृत में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया। विभाग में आचार्य विष्णुराम नागर, आचार्य मूलचन्द पाठक जैसे विद्वान शिक्षकों ने विभाग के प्रारंभिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी आदि अनेक सुयोग्य शिक्षकों ने शिक्षक के रूप में अकादमिक जीवन की शुरूआत इसी विभाग से की। संस्कृत साहित्य की गौरवशाली परंपराओं की जड़ें मेवाड़ के इतिहास से भी जुड़ी हैं। संस्कृत विभाग की स्थापना होने के उपरांत भारतीय धर्म, दर्शन, विचार, परंपरा, साहित्य आदि अनेक विषयों पर तत्कालीन विद्वान शिक्षकों ने प्रेरणादायी कार्य संपन्न किए। संस्कृत विभाग में आचार्य नागर एवं पाठक के साथ आचार्य रामचन्द्र द्विवेदी भी सक्रिय रहे, जिन्होंने अपने सारस्वत अवदान से संस्कृत परंपरा को समृद्ध किया। डॉ. प्रेम सुमन जैन एवं उदयचन्द जैन प्राकृत भाषा के विद्वान रहे जिनका विभाग कालांतर में अलग हो गया। तत्पश्चात् डॉ. बी. एल. शर्मा, डॉ. हेमलता बोलिया, डॉ वी. पी. भट्ट, डॉ. बी. एल. जैन, डॉ. कुसुम चौधरी आदि अनेक विद्वान एवं विदुषियों ने अपने अकादमिक परिश्रम और प्रतिभा से विभाग को पहचान दिलाई। सन् 2012 में संस्कृत विभाग में प्रो. नीरज शर्मा, डॉ. जी. एल. पाटीदार चयनित होकर आए, जिन्होंने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत विभाग को प्रतिष्ठित करने के लिए सर्वात्मना प्रयत्न किए। विभाग में अध्ययन कर चुके अनेक सुयोग्य छात्रों ने समाज और देश के अकादमिक जगत और अन्य कार्यक्षेत्रों में योगदान दिया है।

संचालित पाठ्यक्रम एवं संसाधन

विभाग में स्नातक, स्नातक ऑनर्स, स्नातकोत्तर, एम. फिल. और पीएच. डी. के पाठ्यक्रम एवं उपाधि संचालित रहे हैं, जिनमें से वर्तमान में एम. फिल. पाठ्यक्रम बंद है। सत्र 2020–2021 में ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र पर छःमासीय प्रमाणपत्र एवं एकवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। संसाधनों के रूप में विभाग में चार कमरे व चार कम्प्यूटर सिस्टम आवंटित है।

संकाय सदस्य

विभाग में पूर्व में डॉ. विष्णुराम नागर, डॉ. एम. सी. पाठक, डॉ. रामचंद्र द्विवेदी, डॉ. बी.एल. जैन, डॉ. बी. एल. शर्मा, डॉ. वी. पी. भट्ट, डॉ. हेमलता बोलिया, डॉ. एस. पी. व्यास, डॉ. कुसुम चौधरी कार्यरत रहे हैं तथा वर्तमान में प्रो. नीरज शर्मा, प्रो. अंजना पालीवाल, डॉ. जी. एल. पाटीदार तथा मुरलीधर पालीवाल कार्यरत हैं।

अब तक रहे विभिन्न विभागाध्यक्षों का विवरण

प्रारंभ से सन् 1983 तक की सूचना अनुपलब्ध है। इस अवधि के उपरांत विभागाध्यक्ष पद पर कार्यारंभ एवं अवधि की सूचना इस प्रकार है–

नाम विभागाध्यक्ष	अवधि
डॉ. एम. सी. पाठक	26.11.1983 से 24.11.1986
डॉ. बी. एल. जैन	25.11.1986 से 4.2.1988
डॉ. एस. एस. झाला	5.2.1988 से 26.11.1989
डॉ. एम. सी. पाठक	27.11.1989 से 31.10.1992
डॉ. वी. पी. भट्ट	1.11.1992 से 31.10.1995
डॉ. बी. एल. शर्मा	1.11.1995 से 31.10.1998
डॉ. हेमलता बोलिया	2.11.1998 से 1.11.2001
डॉ. बी. एल. जैन	2.11.2001 से 1.11.2004
डॉ. कुसुम चौधरी	4.11.2004 से 31.10.2007
प्रो. बी. एल. शर्मा	1.11.2007 से 28.12.2010
डॉ. कुसुम चौधरी	29.12.2010 से 1.3.2012
प्रो. नीरज शर्मा	2.3.2012 से 1.3.2015
प्रो. अंजना पालीवाल	2.3.2015 से 19.7.2016
प्रो. माधव हाड़ा	20.7.2016 से 5.3.2017
अधिष्ठाता	6.3.2017 से 2.3.2018
प्रो. नीरज शर्मा	3.3.2018 से

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

विभाग में पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों को अनेक प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय सम्मानों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। विभाग के पूर्व शिक्षक आचार्य रामचंद्र द्विवेदी को राष्ट्रपति सम्मान से अलंकृत किया गया। प्रेमसुमन जैन एवं उदयचंद जैन भी राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किए गए हैं। आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी को उनके 'संधानम्' कविता संग्रह के लिए सन् 1994 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। शेष सेवानिवृत्त आचार्यों को राज्यस्तरीय सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। विभाग में वर्तमान आचार्य नीरज शर्मा को यूजीसी रिसर्च अवॉर्ड, महर्षि बादरायणव्यास राष्ट्रपति सम्मान, हारितराशि अलंकरण आदि अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

अकादमिक उपलब्धियाँ

विभाग के अनेक पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों ने विभिन्न सेवा क्षेत्रों में उपलब्धिमूलक योगदान किया है। विभाग की छात्रा डॉ. बीना अग्रवाल, डॉ. हेमलता बोलिया, डॉ. बी. एल. जैन आदि विश्वविद्यालयों में विभागाध्यक्ष रहे हैं और शिक्षक के रूप में प्रतिष्ठापूर्ण सेवाएँ दी हैं। विभाग के विद्यार्थी डॉ. सूर्य प्रकाश व्यास, बी. एच. यू. में आचार्य एवं विभागाध्यक्ष रहे। अनेक पूर्व विद्यार्थियों ने शिक्षा क्षेत्र से इतर प्रशासनिक और अन्य क्षेत्रों में भी सेवाएँ दी हैं। विभाग के अनेक छात्र राजस्थान और गुजरात के राजकीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में संस्कृत अध्यापन का गरिमापूर्ण कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान संकाय सदस्यों की अकादमिक उपलब्धियाँ

विभाग के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा के स्वयं के लेखन और संपादन में 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वहीं आपके 60 शोध पत्र विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं और पुस्तकाध्याय के रूप में प्रकाशित हो चुके हैं। आपको प्रेसिडेंट अवॉर्ड और राजस्थान विश्वविद्यालय से संस्कृत कृषि शास्त्र पर डी. लिट. उपाधि प्राप्त हो चुकी है। प्रो. अंजना पालीवाल के लिखित एवं संपादित ग्रंथों की संख्या एक एवं लिखित शोधपत्र एवं ग्रन्थाध्याय की संख्या 17 हैं। विभाग के डॉ. जी. एल. पाटीदार की लिखित एवं संपादित पुस्तकों की संख्या 04 है। आपके अब तक 45 शोध पत्र एवं पुस्तकाध्याय प्रकाशित हो चुके हैं। विभाग के सहायक आचार्य मुरलीधर पालीवाल के 02 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

संचालित हो रही तथा हो चुकी महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ

प्रो. नीरज शर्मा द्वारा यूजीसी मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट ''संस्कृत वाङ्मय में निहित संस्थायी विकास के मूल्य''पूर्ण किया गया है।

आयोजित किए गए कार्यक्रम

विभाग में प्रारंभ से ही अकादमी कार्यक्रम सक्रियतापूर्वक किए जाते रहे हैं। अकादमिक संगोष्ठी, सम्मेलन, समारोह, व्याख्यानमालाएँ आयोजित होती रही हैं। रामचंद्र द्विवेदी स्मृति व्याख्यानमाला, विष्णुराम नागर नाट्य समारोह विभाग में पूर्व में आयोजित हुए हैं। राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से कई अकादमिक आयोजन हुए। यथा– 9–10 दिसंबर, 2012 को राष्ट्रीय वेद संगोष्ठी, 15–16 फरवरी, 2013 को प्राचीन भारतीय आर्थिक चिंतन पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। 31 अक्टूबर से 6 नवम्बर, 2020 को 'महर्षि वाल्मीकि एवं श्रीराम' विषय पर ऑनलाइन सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। 20 नवंबर, 2020 को 'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वेबिनार का आयोजन किया गया। दिनांक 11 जनवरी, 2021 को माननीय राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में एकादश वेदशाखाओं के वर्चुअल सस्वर पाठ का अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सभी कार्यक्रमों में स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त सहभागिता रही है।

संस्कृत विभाग में महत्वपूर्ण अकादमिक प्रयोजनों से अनेक लब्धप्रतिष्ठ विद्वानों का आगमन हुआ है जिनमें कतिपय निम्नलिखित हैं– पद्मभूषण प्रोफेसर सत्यव्रत शास्त्री, पद्मश्री अभिराज राजेंद्र मिश्र, पद्मश्री रमाकांत मिश्र, डॉ. ओमप्रकाश पाण्डे, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, प्रो. बालकृष्ण शर्मा, प्रो. रमाकांत पाण्डेय, प्रो. प्रभाकर शास्त्री, प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, प्रो. दयानंद भार्गव, प्रो. हरिराम आचार्य, प्रो. वीरेंद्र कुमार मिश्र, प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी, प्रो. श्रीकिशोर मिश्र, प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी, प्रो. कमलेश चौकसे, प्रो बसंत भट्ट, प्रो. विजय पंड्या प्रो. लक्ष्मी शर्मा इत्यादि अनेक विद्वान एवं विदुषियों का समय–समय पर विभाग में आगमन हुआ है। प्रो. नीरज शर्मा विश्वविद्यालयीय अकादमिक एवं संस्थागत अनेक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

Department of Sociology

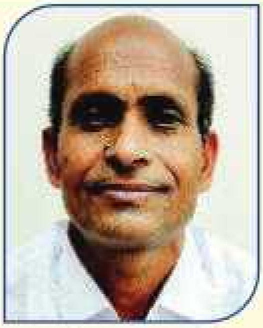

Prof. P.M. Yadav
Head

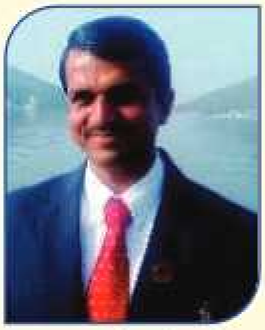

Dr. Raju Singh
Asstt. Professor

Dr. Sumitra Sharma
Asstt. Professor

Dr. Sangeeta Athwal
Asstt. Professor

Dr. Rajkumari Ahir
Asstt. Professor

Establishment & Evolution

The Department of Sociology was established in 1964. Since its inception, the Department has launched Under Graduate , Post Graduate, M. Phil & Ph.D. Programmes. It has always been involved in teaching & research work, being a reputed Department of the University. The courses in the Department are frequently revised as per the needs of the students & latest curriculum of UGC. Currently, the Department is also running B.A. Honours Course. The department has a sanctioned strength of seven faculty members - one post for Professor, one Associate Professor & five Assistant Professors. At present, five faculty members are working in the Department including one Professor & Four Assistant Professors.

Previous Courses

- B.A. (Pass Course)
- B.A. (Honours)
- M.A. (Annual Scheme)
- M.A. (Semester)
- M.Phil
- Ph.D.

Present Courses

- B.A. (Pass Course)
- B.A. (Honours)
- M.A. (CBCS Semester)
- Ph.D.

Available Resources

Faculty rooms - 05,Office- 01, Museum-01, Computers & Printers-06, Laptops- 02, Camera-01.

Faculty

Former Faculty Members

1.	Dr. B.R. Chouhan	Professor
2.	Dr.K.L.Bhatia	Professor
3.	Dr.O.P. Sharma	Professor
4.	Dr.B.K.Lavania	Professor
5.	Dr.K.L.Sharma	Professor
6.	Dr.S.L.Doshi	Professor
7.	Dr.C.L.Sharma	Professor
8.	Dr.N.K.Bhargav	Professor
9.	Dr.Mohan Advani	Professor
10.	Dr.S.C.Sharma	Professor
11.	Dr.Balveer Singh	Professor
12.	Dr.Monika Nagori	Professor

Present Faculty Members

1.	Dr. P.M. Yadav	Professor
2.	Dr. Raju Singh	Assistant professor
3.	Dr. Sumitra Sharma	Assistant professor
4.	Dr. Sangeeta Athwal	Assistant professor
5.	Dr. Rajkumari Ahir	Assistant professor

Head/ Honorary Directors Population Research Centre

Sr. No.	Name	Head	Honorary Director P.R.C.
1.	Dr. B.R. Chouhan	1964-65	
2.	Dr.K.L.Bhatia	1965-66	
3.	Dr.O.P.Sharma	1966-75	Since Inception till 31-10-1981
4.	Dr.B.K.Lavania	1975-78	1981-1992
5.	Dr.S.L.Doshi	1978-81	
		1985-88	
6.	Dr.C.L.Sharma	1981-85	-
		1988-91	-
7.	Dr.N.K.Bhargav	1991-94	-
8.	Dr.Mohan Advani	1994-97	1992-2002
9.	Dr.S.C.Sharma	1997-98	-
10.	Dr.Balveer Singh	1999-2001	-
		2005-2007	2005-2007
		2011-2013	2011-2013
11.	Dr.Monika Nagori	2002-2004	2002-2004
		2008-2010	2008-2010
		2014-2016	2014-2016
12.	Dr. P.M.Yadav (A) Sociology	2017 onwards	2017 onwards
	(B) M.S.W(Master in Social Work)	2020 onwards	2020 onwards
	(C) M.A. Anthropology	2020 onwards	2020 onwards

Achievements of Former Faculty Members

Prof. B.R.Chouhan	Life Time Achievement Award(RSA)- 2005 Book-01
Prof.O.P.Sharma	Articles-40 Major Research Project-01
Prof.B.K.Lavania	Book-01
Prof.K.L.Sharma	Life Time Achievement Award (RSA)- 2006 Books-32 Research Articles – above 60
Prof.S.L.Doshi	Chairman of Center for Research of developing weaker sections. Secretary & Executive Member of RSA Life Time Achievement Award (RSA)- 2006 Books-32 Research papers-40 Major Research Projects-07
Prof.C.L.Sharma	President of RSA-(2009-2012) Life Time AchievementAward (RSA)-2012 Books-03 Major Research Projects-06 Research Papers-40
Dr.N.K.Bhargav	President of RSA-1993-1997) Life Time Achievement Award (RSA)- 2009 Books-04 Research Papers-10
Prof.Mohan Advani	President of RSA (2012-2015) Life Time Achievement Award – RSA, 2010 Books- 10 Research Papers-62 Major Research Projects-56
Prof.S.C.Sharma	President of RSA 1997-2000)
Prof.Balveer Singh	Book-01 Research Paper - 06
Prof.Monika Nagori	Chairman, Faculty of Social Science Books- 03 Research Paper - 22

Prof. P. M. Yadav

Prof. P.M.Yadav is working as Head of Departments of Sociology, Anthropology , Social Work including DSW, Chairman Sports Board, Director, PRC, Co Ordinator SC-ST Cell. He has 10 research papers and 13 books published and two books are in under publication. He has supervised 31 Ph.D scholars, 4 PDF, 10 M.A.-M.Phil dissertations and also evaluated 420 Ph.D theses.

He has accomplished 30 research projects funded by UGC, ICSSR and Ministry of Health and Family Welfare. Prof. Yadav has also organized 35 international and national conferences and seminars. He has been awarded with 24 state, national and international awards and he is life member of 19 societies and journals. Presently he is pursuing D.Litt degree from Lucknow University and his ongoing project is being funded by RUSA.

National level Awards / Honors

1. Felicitated by president of India in Sociological Society, New Delhi, for his efficient role as organizing secretary of the 38th All India Sociological Conference 2012.
2. Rashtriyagaurav award -2017.
3. Bharat Shiksha Ratan Award -2017.
4. Best Educationist Award for Talented Personalities -2017.
5. Best Citizen of India Award -2017.
6. Jewel of India Award for Intellectual People - Goa2018.
7. Mother Teresa Sadbhawana Award with Medal-2018.
8. Award for Excellence In Rising Personalities withMedal -2018.
9. Medical Excellence Award-2018.
10. Pride of India Award -2018.
11. Bharat Ratan Dr. A.P.J. Abdul Kalam Excellence Award. -2018.
12. Bharat Ratan Indira Gandhi Sadbhawana Award with Medal- 2019.
13. Jawahar Lal Nehru Excellence Award- 2019.
14. Bharat Ratan Atal Vihari Bajpai Excellence Award, 2019.
15. Gem of India Award- 2019.
16. Mahatma Gandhi Life Time Achievement Award- 2019.

International Level Awards / Honors

1. International Status Award for talented personalities with Medal - Bangkok, Thailand, 2018.
2. Nelson Mandela International Award for talented personality with Gold Medal- TashkentUzbekishtan, 2018.
3. International Kohinoor Award for excellence Personwith Medal - Tashkent,Uzbekishtan, 2018.
4. Mahatma Gandhi Samman- House of Commons Westminster London, England, 2018.
5. Bharat RatanDr.Bhim Rao Amedakar Education.
6. Bharat Ratan Rajeev Gandhi Education Excellence Award with Medal - Bangkok, Thailand, 2019.
7. Bharat Ratan Lal Bahadur Shashtri Excellence Award - Moscow, Russia, 2019.

Dr. Raju Singh

- Books - 03
- Research -
- Published Research Paper-14.
- Research Investigator in 7 Major Research Project in the supervision of Professor Mohan Advani.
- Research Investigator in 2 Major Research Project in the supervision of Professor Jeofry Snodgrass American Anthropologist in Colorado University- United States America.
- Research Scholar - 04.
- Ph.D. Awarded Scholar - 01.
- Ongoing Major Research Project- Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management.

- **Award** - Conferred with O. P. Sharma Award of Best writings Book in Sociology year 2015-2016. The award was presented at XXIII National Conference held at Udaipur.
- **Life Member** - 3 Sociological Society

Dr. Sumitra Sharma

- **Books** - 02
- **Research Papers** - 16 Book Review - 06
- **PDF (Post Doctoral Fellowship)** - Award of Post Doctoral Fellowship from ICSSR, 2018.

Dr. Sangeeta Athwal

- **Published Research Papers** - 04

Dr. Raj kumari Ahir

- **Book** - 01
- **Published Research Papers** - 07
- Pursuing Post Doctoral Fellowship From ICSSR

Posts held by Faculty Members

Prof. P.M. Yadav -

- Dean Student Welfare, M.L.S.U.
- Chairman - University Sports Board. , M.L.S.U.
- Coordinator - SC-ST Cell. M.L.S.U.
- Honorary Director PRC (Ministry of Health & Family welfare Govt. of India) M.L.S.U.
- Head Deptt. of M.S.W (Master of Social work) , M.L.S.U.
- Head Deptt. of Anthropology, M.L.S.U.
- Professor & Head Deptt. of Sociology, M.L.S.U.

Dr. Raju Singh -

Ex Warden - Nehru Hostel,

Assistant Warden- Rana Punja Hostel

Dr. Sumitra Sharma- Ex Programme Officer- NSS

Dr. Sangeeta Athwal - Ex Warden - Gargi Girls Hostel

Dr. Raj kumari Ahir - Warden- Gargi Girls Hostel

Other Achievements

Ongoing projects-

1. Government Plans & Policies related to Mother Child Health: A Comparative Sociological - PI- Prof. P.M. Yadav & Co PI- Dr. Rajkumari Ahir.
2. Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management - Principal Investigator- Dr. Raju Singh & Co Investigator- Dr. Sangeeta Athwal

International Conferences-02

National Conferences - 03

ISA-01 (All India)

Alumni

Sr.No.	Name	Designation
1.	C.L.Sharma	Retd. Professor
2.	Mohan Advani	Retd. Professor
3.	N.K.Bhargav	Retd. Professor
4.	Monika Nagori	Retd. Professor
5.	M.S.Trivedi	Retd. Professor
6.	Vinita Mathur	Retd. Lecturer
7.	Asha Gupta	Retd. Lecturer
8.	Shahid Iqbal	Retd. Lecturer
9.	P.C.Jain	Retd. Lecturer
10.	P.S.Chundawat	Retd. Professor
11.	S.C.Rajora	Retd. Professor
12.	Aruna Bhargav	Retd. Associate Professor
13.	H.N.Vyas	Associate Professor
14.	Savita Joshi	Retd. Lecturer
15.	S.L.Sharma	Professor, Social Science Dean (UOR)
16.	Ashutosh Vyas	Associate Professor
17.	Sunita Sharma	Associate Professor
18.	Shyam Kumawat	Assistant Professor
19.	Charkapani Upadhyay	Associate Professor
20.	Mohammad Akram	Professor
21.	Vinita Lavaniya	Associate Professor
22.	Paresh Dwivedi	Assistant Professor
23.	Raju Singh	Assistant Professor
24.	Sumitra Sharma	Assistant Professor
25.	Taru Surana	RAS Officer
26.	Tulsi Ram Ameta	Social Welfare Officer

In 2020-21 two new Departments were established on the proposal of the Department of Sociology-

A. Department of Anthropology

B. Department of Social Work

Prof. P.M.Yadav is heading both new departments and Dr. Raju Singh and Dr. Rajkumari Ahir are Course Directors in PG Courses of these new Departments respectively.

Department of Urdu

Prof. Hadees Ansari
Head

Establishment and Evolution

The Department of Urdu was a one man department, when it was established along with the University in 1962 and today it has four sanctioned posts (Professor-01, Associate Professor-01, Assistant Professor-02) to its credit. In 1962, Noor Mohammad Shaikh was the first teacher in this department. The Department offers courses both at post-graduate and U.G. level, Diploma in Urdu language, Diploma in Multilingual DTP, etc.

Courses

M.Phil, Ph.D, Post Graduate, Under Graduate, Diploma in Urdu language, Diploma in Multilingual DTP etc.

Faculty

Former faculty members

- Mr. Noor Mohd. Shaikh Alig
- Prof. Sayed Saquib Rizvi
- Dr. Mansha Jahan Begum Rizvi
- Dr. RiyasatHusain Faruqui
- Dr. Raies Ahmed
- Prof. Mohd. Faruque

Present faculty members

- Prof.(Dr.) Hadees Ansari

Name and Tenure of Heads / Directors / In charge / (All)

- Dr. Noor Hasan Shaikh Alig (Former Head)
- Dr. Sayed Saquib Rizvi (Former Head)
- Dr. Mansha Jahan Begum Rizvi (Former Head)
- Dr. RiyasatHusain Faruqui (Former Head)
- Prof. Mohd. Farooq (Former Head)
- Prof. (Dr.) Hadees Ansari (Head Dept. of Urdu) from March 2014...

Achievements

Prof. Hadees Ansari

- Published Books by Professor Hadees Ansari - 5
- Published Research Papers in Peer Reviewed / UGC listed Journals- 36

- Researchers who have completed their research work under his guidance- 12
- On-Going Research Guidance - 10 students

Extension Lectures organized by the Department

Date	Topic	Resource Person
02-09-2014	Urdu Media	Rukhsana Jabeen, Director, AIR,(J&K)
18-09-2014	Prem Chand Aur Urdu Kahani	Prof. Saghir Afrahim, AMU, Aligarh
07-02-2015	Comemporary Urdu, Hindi Kahani	Prof. Aslam Jamshedpuri, M.U., Meerut
08-02-2015	Importance of Shibli Nomani in Comtemporary Age	Prof. Afaque Ahmad, B.U., Bhopal
29-1-2017	Method & Technique of Research in Urdu	Prof. I.M. Kayamkhani, Prof. Hadees Ansari, Prof. J.K. Jain, Dr. R.K. Vyas, UCSSH, MLSU, Udaipur

Seminars / Webinars organized by Department

Date	Topic	Participants
6-7Mar, 2019	Social Relevance of Iqbal in Contemporary Age	45
19 Sept, 2020	Responsibilities of Writers in Contemporary Age	75
26 Sept, 2020	Urdu Fiction Pace & Direction in 21st century	77
11 Nov, 2020	New Education Policy, 2020 & Urdu	52
07 Dec. 2020	Public Welfare and Character Building	65

Achievements of Former and Present Students

- **Dr. Sarwatunnisa Khan** has been the most successful student in this department. She has made a name for herself in Urdu literature due to her Novel, Afsana writing and her unique style. After doing a long period Urdu teaching she retired in 2020 from Meera Girls college Udaipur.
- **Following Students of the department have been selected by Rajasthan Public Service Commission as first, second, & third grade teachers and college teachers.**

S.No.	Name	Post Held	S.No.	Name	Post Held
1	Dr. Saye d Firoz Ali	School Education	9	Mr. Musavvir Mirza	College Education
2	Dr. Shama Khan	School Education	10	Mr. Moazzam Ali	College Education
3	TasleemMansoori	School Education	11	Miss. Sheeba Haider	College Education
4	Mr. Shahid Ahmed	School Education	12	Mr. Shahid Zaidi	College Education
5	Mr. Fareed Khan	School Education	13	Mr. Shakir Ali	College Education
6	Mr. Mr. Fahim Ahmad	School Education	14	Mr. Firoz Khan	College Education
7	Noor Jahan Bano	School Education			
8	Mrs. Roshan Ara	School Education			

Following are the Gold Medalist Students of the Department.

1. Naheed Fatima 2016
2. Shafiqa Bano 2019

Important positions held by the faculty members:

- **Prof. Hadees Ansari-** Director of Employment Cum advisory Bureau: From 2017 to 2020

Department of Visual Arts

Prof. Madan Singh Rathore
Head

Prof. Hemant Dwivedi
Professor

Dr. Dharamveer Vashishtha
Associate Professor

Dr. Shahid Parvez
Assistant Professor

Dr. Deepika Mali
Assistant Professor

Department of Visual Arts has been a major contributor in the field of Art and Current Art scenario not only in Rajasthan but at the National level as well. The department has won many prestigious awards and accolades which has brought the name of this beautiful heritage city 'Udaipur' at the forefront of National and International art scene.

There are five faculty members including two Professors, one Associate Professor and two Assistant Professors with a Ph.D, specialisation in their respective fields and are recipients of many prestigious awards at State, National and International level.

It is quite satisfactory for the department that our alumni have established themselves as professionals both in academics as well as practising fields through their creative skills in various fields of Art.

The department not only provides learning resources to its students in the form of library, computers and internet etc., it also encourages the students to go to eminent artists' studios, discourses, workshops and exhibitions, where they get opportunities to participate and interact with eminent artists. The department has been organising an annual Art Exhibition as a way to enhance the learning resources thereby making more outdoor classes available for receiving knowledge instead of just Indoor lectures. This gives our students an opportunity to interact with the society and especially with art lovers.

The departemnt organised almost forty Refresher courses, Art Camps, Exhibitions, Youth Festivals, Seminars, Extension lectures, demonstrations and Slide shows by renowned Indian and International artists.

The Department has over two hundred Research Papers that have been published in reputed journals. The faculty members from the department have published ten books, and have supervised over hundred Ph.D. students who have been awarded with their degrees, 50 students are currently pursuing their Ph.D. research work under the supervision of the department. The faculty members have shown an enthusiastic approach towards academic activities through their participation at State, National and International art exhibitions.

So far more than hundred students have qualified NET and SLET examination, we are proud to say that our students are also engaged in animation, advertising, designing and film industry. Many students have joined as teachers in higher educational institutions; almost 50 students are working in school education.

The department of Visual Art had organized art exhibitions and art awareness programs in collaboration with Zonal Cultural Centres, Rajasthan Lalit Kala Akademi (or Academy) and several other organisations from time to time, and therefore our students have established themselves as artists in society with many working as freelancers.

Establishment & Evolution

Department of Drawing & Painting, MLS University, Udaipur was established in 1965 and renamed as Department of Visual Arts in 2004. Further the Department was renamed Faculty of Visual Arts approved in December 2020.

Courses & Resources

- B.A., M.A. Drawing & Painting,
- B.V.A. and M.V.A program in all disciplines will start under the Faculty of Visual Arts from the Academic Session 2021-2022.
- Visual Art Skill Development Centre 2020-21(certificate courses in four disciplines)
- The department has 4 Labs., 4 Lecture Rooms, 7 Faculty Rooms, One Staff Room, 11 computers, One Laptop, 3Printers, and1 Photo state Machine

Faculty

Former Faculty

1. Kalaratna Parmanad Choyal
2. Kalavid Suresh Chandra Sharma
3. Shri Laxmi Lal Verma
4. Dr. Om D. Upadhyay
5. Dr. Shail Choyal

Present Faculty

- Prof. Hemant Dwivedi
- Prof. Madan Singh Rathore
- Dr. Dharamveer Vashistha
- Dr. Shahid Parvez
- Dr. Deepika Mali

Heads of Dept./Incharges

S.No.	Academic Session	Name of Head/ Incharge	Head/ Incharge
1-	1968-69 to 1981-82	Shri Parmanad Choyal	Head
2-	1982-83 to 1990- 91	Shri Suresh Chndra Sharma	Head
3-	1991-92 to 1993- 94	Dr. Om D. Upadhyay	Head
4-	1993-94 to 1995-96	Dr.Shail Choyal	Head
5-	1995-96 to 2003-04	Shri Lakshmi Lal Verma	Head
6-	2004-05 to 2006-07	Dr. Hemant Dwivedi	Incharge
7-	2007-08 to 2009-10	Prof. Hemant Dwivedi	Head
8-	2010-11 to 2012-13	Prof. Madan Singh Rathore	Head
9-	2013-14 to 2015-16	Dr. Dharamveer Vashistha	Head
10-	2016-17 to 2018-19	Prof. Hemant Dwivedi	Head
11-	2018-19 ----------	Prof. Madan Singh Rathore	Head

Achievements

Shri Parmanand Choyal

Associate Professor & Former Head

Shri P.N. Choyalthe eminent artist who placed Udaipur on the world map.He obtained diploma in art from Rajasthan School of Art and Crafts in 1948 and started art creation by dedicating his life to art. In 1953, He did a diploma from the School of Arts and joined Sledge College and Arts in London in the year 1961-62.

He established several paradigms of his art while teaching at Udaipur University. He exhibited extensively in India and abroad. Attended various art seminars held in Russia, Japan, France, Sao Paulo and London etc. Along with painting, Mr. Choyal also wrote several plays and staged them himself in the auditorium.

In his career, he has been decorated with numerous art awards and honours, elected the 'FELLOW' by Rajasthan Lalit Kala Akademy, Veteran Artist's honour by A.I.F.A.C.S. New Delhi - 1984. 'Kala Ratna' honour - 2007 by Lalit Kala Akademi, New Delhi. He received the National Award from Lalit Kala Academy, New Delhi in 1988. He has been awarded six times by Rajasthan Lalit Kala Academy Jaipur, three times by AIFACS New Delhi, and twice from Amritsar Fine Art Academy.

Shri Suresh Chandra Sharma

Associate Professor & Former Head

Eminent artist and one of Rajasthan's pioneers in abstract art. He graduated from Rajasthan University, Jaipur, and completed a diploma in Diploma-Fine Arts and Crafts, Kalabhavan, Shantiniketan, Vishva-Bharati, West Bengal 1962. In 1968-1970 he went to Brooklyn Museum Art School, Academy of Signs and Arts New York, USA, 'Special Studies in Printing 1969-1970 Pratt Institute, Graphic Centre New York, USA, for his higher Education.

He was Awarded Bachmann Memorial Scholarship - USA 1968-1970. Honoured as "Kalavid" by Rajasthan Lalitkala Academy 1985 he received Senior Fellowship by Department of Human Resources and Culture, New Delhi India'2000-02', "Kalaratna Membership", National Lalit Kala Akademi, New Delhi 2012, 'Life Time Achievement Award Rajasthan Lalit kala Akademi, Jaipur, 2015.

He put up about 10 solo shows including Graphic Exhibition Brooklyn Municipal Art Gallery, New York in 1969, Retrospect and Exhibition 2001 at J.K. K. Jaipur, and exhibited his works in India and abroad (United States of America, Japan, Singapore, Bangladesh) and attended several art camps.

Notable Exhibitions: Fourth Trinale Exhibition India Festival Japan (India Art), New Delhi 1988', India Festival Russia 1989, 'Binale, Bangladesh 1998,' Asian Art Exhibition Fukukao, Japan 1980, 'Silver Jubilee Year Exhibition 1985' organized by National Fine Arts Academy, Japan Tao Art Gallery, Mumbai 2001, 'Indian Abstract Art Exhibition Singapore 2006 by National Fine Arts Academy. He was invited to participate in the exhibition organized by the 42nd National Fine Arts Academy.

Dr. Suresh Sharma is the 'Founder Chairman of Takhman 28, Udaipur, Former Deputy Chairman, Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur, Member National Lalit Kala Academy, New Delhi 1972-80, 1984-88, 2008-2013' and Member Rajasthan University, Jaipur.

Dr. Om Dutt Upadhyay

Assiocate Professor & Former Head

An Artist and AcademicianDr.Om DuttUpadhyay was born in Ajmer, Rajasthan. He Graduated with G.D. art in Drawing and Painting and G. D. art in commercial art. A Gold Medallist from J. J school of art, Bombay.He won Scholarship of Government of Yugoslavia for obtaining his Master Painting Degree in Fresco Painting and Mosaics at The University of Fine Arts, Belgrade. Being a working artist and a theoretician, his basic concept of teaching art is to integrate the history of art, aesthetic and the practice of art in a prescriptive manner, He has participated and won recognition in various exhibitions, and has designed murals in India and abroad. To his credit are a number of papers on Art in various prestigious Art journals.

Dr. Hemant Dwivedi

Professor & Former Head, Chairmen Faculty of Humanities

Academician and artist Dr. Hemant Dwivedi did his M.A. (Drawing & Painting) with Gold Medal from M.L. Sukhadia University, Udaipur,1988 and Ph.D. in Drawing and painting (1991).

His Awards & Scholarships include, National Scholarship from Ministry of Education for the year 1986-87, State scholarship and Student Award in 1988 by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur, National Lalit Kala Academy sponsered Art Fair award by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur - 1999, A.I.F.A.C.S., Regional Art Exhibition annual award 2000, State Artist Award by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur - 2002, All India Annual award at Art Exhibition, by Fine Arts Academy, Amritsar - 2007, and "Rashtreey Swasti Samman" in the field of Art & Culture, felicitated by Kalawart Nyas Ujjain in 2019.

He exhibited his art works as One Man-Show of Paintings & Graphics W.Z.C.C. Udaipur - 1992 & 99,Jaipur Art fair in 1998-99 and Two ma show at Jehangir Art Gallery, Mumbai in 2005.

Professor Dwivedi has exhibited in several prestigious National and Internationalexhibitions like National Kala Mela organised by L.K.A. RabindraBhawan, New Delhi -1991, Takhman - 28 Group show at RabindraBhawan, New Delhi - 1995, Takhman - 28 Group show at Jehangir Art Gallery, Mumbai -1994, Rashtriya Kala Mela at Calcutta - 1996. Participated in '50 years of freedom', an art exhibition organized by Hutheesing Art Gallery, Kanoria Art Centre- Ahmedabad-1996, National Lalit Kala Academy, New Delhi - 1996, 99, 2001, Annual Exhibition organised by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur - 1994, 96, 97, 98, 99 and 2000'AUTUMN ENDEAVOURS', a group show, organized by ART PRANAYAM-2004. "Sahayog" Art Exhibition for the help of Earthquake Victim - March, 2001. Participated and organised "TSUNAMI" Art Exhibition - 2005,"Contemporary Art of Rajasthan" (Chain Exhibition - Chandigarh & Patiala, Organised by J.K.K., R.L.K.A. Jaipur & N.Z.C.C. Patiala). "The Magenta Flowers" an exhibition of contemporary Artists of Rajasthan,organised by Bougain Villaea art Gallery, Udaipur. "Art today in Rajasthan" A group exhibition, organised by Dhoomimal Art Centre, New Delhi - 2008, 'FIVE POINTS ON A COMPASS'-a group show at Kamal Nayan Bajaj Art Gallery, Mumbai-2010, and attended several art camps of State, National and Internatonal level.

He also made a video film 'Scoff......is it' in 2017.

He was an Art Consultant, Resource Person, Out side Expert, for Design Workshop, Painting workshop, Guru Govind Singh IndraprasthUniversity, New Delhi.

Prof. Hemant Dwivedi Curated and Coordinated State & National level art exhibitions, cultural events like National Youth Festival, Art's camp at Secure Meter, ' Bharthiya Samkalin Chitrakalaur Shahitya: Antahsambandh", All India multimedia camp, and delivered lecture at many academic & cultural agencies, designed several interiors, exteriors, book jackets and stage design since 1995. He also acted as a Judge in different state & National level art contests & exhibitions since 2000.

Dr. Madan Singh Rathore

Professor and Head

Academician and Artist Dr. Madan Singh Rathore Born in Jagsa, Barmer (Rajasthan) has been groomed as a multi talented student at 'Chaupasani High School' a Prestigious Institution in Jodhpur. He is a Post graduate in Drawing and Painting (1991) with Gold medal and Ph.D. in Fine Arts (1998) from Faculty of Fine Arts, University of Rajasthan, Jaipur.

Prof. Rathore has also been honoured and awarded with **"Maharani Padmini Award"** by Johar Smarti Sansthan, Chittorgarth, Rajasthan in 2019, **"Kala Ratna Award"**, Tonk, 2018, **"Rashtriye Swasti Samman"** by Kalawart Nyas Ujjain 2017, **"State Level Teacher Award"** by Rajiv Gandhi Sadbhavna evam Gramotthan Sansthan, Jaipur 2014, **State Annual Artist Award 2003, and 11th Annual Art fair Award**, by Rajasthan Lalit Kala Academy 2004, Jaipur and also National Merit Scholarship by H.R.D., New Delhi. 1989-91.

He exhibited his works as One Man-Show at, J.K.K., Jaipur 2004 Jaipur Art fair in 2003 and W.Z.C.C. Udaipur, 2005 and has participated in many prestigious group shows at 'Nehru Art Center Gallery' Mumbai 2005, W.Z.C.C. Art Gallery, Udaipur organized by Sanskar Bharti, Udaipur 2003 and Group Exhibition at W.Z.C.C. Art Gallery, Udaipur organized by VAST (working Artists as teachers of Raj. Universities & College) 2003.

Prof. Rathore Organized 27th and 33rd West Zone Youth Festival 'SAMVET' in 2011 and 2017 respectively as an Organizing Secretary and Director cum Cultural Coordinator, and Organized many International and National Seminars, Extension Lectures, Art Residency, Art Workshops/Camps like "DHAROHAR" (in water color) 2020, 7th SOWING SEEDS 2020 an International Art Residency on TRIBAL ART as Organizing Director, International Art Workshop on Tribal Art 'LOKLORE' 2019, National Art Camp 'VIBGYOR' 2018, 'WOMEN ART FESTIVAL' 2017, National Art Camp "Art & Cultural Heritage of Rajasthan" during Kumbhalgarh Festival 2016,2013,2012. International Art Workshop on "Traditional Miniature Paintings of Rajasthan and Present Art Scenario" Udaipur 2011 and National Art Camp on "Multimedia in Visual Art 2010" and has organized and attended 6 Extension Lectures and 10 Seminars to name a few.

Prof. Rathore has exhibited his Art Work in several prestigious National and International Exhibitions like National Art Exhibitions 'Shilp Gram Utsav' organized by 'W.Z.C.C. Udaipur, Dec. 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 4th National North Zone Art Exhibition organized by Camlin Art Foundation New Delhi 2004, 45th Annual Art Exhibition organized by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur 2004, 12th Annual Art Fair organized by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur 2004, 11th Annual Art Fair organized by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur, 2003, 44th Annual Art Exhibition organized by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur 2003.

He also attended several National and International Exhibitions, Seminars, Symposis, and Workshops like KRISHNCHARIT International Art Camp Organized by SSMM, Mandpiya and Chittorgarh Art Society, Chittorgarh 2017, National Art camp on "Art & Cultural Heritage of Rajasthan" during Kumbhalgarh Festival 2012, 2013 & 2016, with collaboration of Rajasthan Tourism at Kumbhalgarh, National Artist Camp at Jaipur Organized by Kalaneri Art Gallery, Jaipur 2012, National Artist camp at Pushkar Organized by Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur 2012, International artists' village residency camp at Sirohi, Rajasthan, Organized by Kamman Art Foundation, Jodhpur 2010, UGC sponsored National Creative workshop on, "Multimedia in Visual Art" Organized by Department of Visual Arts, MLSU, Udaipur 2010, National workshop on Multimedia organized by National Lalit Kala Academy New Delhi, at regional center Luckhnow 2010, National Artist camp at Kota Organized by Dept. of Tourism and District Administration Kota 2007, National workshop on Print Making organized by West Zone cultural center, Udaipur 2007.

From the past 26 years he is consistent with his duties at various responsible positions. Besides being Professor at Department of Visual Art, M.L.Sukhadiya University, Udaipur Dr. Rathore also holds the position as Head of the Department.

Shri Laxmi Lal Verma

Associate Professor & Former Head

Painter and academician Sh. Laxmi lal Verma did his M.A. in Drawing and Painting with a Gold Medal 1967, M.L.S. University Udaipur and also got Training in Mural at Banasthali Vidhyapith in 1967. He was Awarded Senior Fellowship by Department of Human Resources and Culture, New Delhi in 2005-2007, Rajasthan Lalit Kala Akademi Award,1967 ,69,73, First Prize by A.P. Council of Artists in Graphics artwork in 1969 and 1974.

He exhibited his works in India and abroad in many prestigious exhibitions including National Exhibition.

His solo exhibitions include Galleries like AIFACS, New Delhi in 1969,Art Gallery RavindraBhawan New Delhi 1972, Shri Dharani Art Gallery, Tansen Marg, New Delhi, 2009 and Jahangir Art Gallery Bombay 2013. Shri L.L. Verma was 'Former Member Karya Dharini Sabha National Center for Fine Arts, Lucknow 1993 to 1995. He has been a Member of the Gathering Board of Rajasthan School of Art College Directorate of Education, Jaipur 2001-

2006,Member of Academic Assembly, MOU University 1995-2004, Member of the Board of Studies of Maharshi DayanandSaraswati University, 2000-2005, Member of the Board of Studies of Rajasthan University 2000-2006, Member of National Fine Arts Administrative Committee 2005-08, Member of State Committee of National Fine Arts Center Orissa 2008-13 and Working Member Rajasthan Lalit Kala Academy 2011-13. He worked as a member of selection committees - UPSC New Delhi, R.P.S.C. Ajmer, DAV College Ajmer, Kendriya Vidyalaya Rajasthan.

Dr. Shail Choyal

Associate Professor & Former Head

A painter, Print maker, Dr.Shail Choyal was born in Kota, Rajasthan, He did his M.A.(Painting) in 1969 from the University of Udaipur, and Studied Printmaking at the Slade College of Art, London under British Council Scholarship-1975-76. He also attended Fresco & Mural Course at Banasthali Vidyapeeth in the year 1968. He was awarded Senior fellowship for painting by H.R.D. Ministry of Culture, Government of India in2000-2002, Junior Fellowship on 'Graphics and its Popularization' by the Ministry of Culture, Government of India in 1980-1982, British Council Fellowship to study Print making in Britain in the academic year 1975-76.

Some of Dr. Choyal's solo shows in many cities in India and abroad include Aunkan Gallery, Osaka in1994, show of graphics at ADOGI Gallery, Cadaques, Spain in1992. One man shows in Riga, Latvia.Teressera Biennal De la Habana, the international Art Biennale in Cuba 1989, show in Frankfurt in 1997organized by G.T.D. Atelier Spiserhus Gallery, Rheinfelden, Switzerland.

He has exhibited his art in several prestigious National and International exhibitions like 'De Art Event', UAE,4th International Beijing Biennale, Scapes 2001 contemporary Indian artists' - Group Show in Hong Kong, was invited to Langkawi international art festival, Malaysia, ADOGI, Mini Print International, Spain, Group show at Kyoto organized by ShiminGaiko, Japan.

Dr. Shail Choyal has also been honoured with Rajasthan Lalit Kala Akademi award in,1969,72,78, All India Fine Arts and Crafts Society, New Delhi.All India Kalidas Award, M.P, Bombay Art Society.All India Fine Arts and Crafts Society award for paintings, British Council Fellowship in 1974

1976 Academy of Fine Art, Calcutta. Rajasthan Lalit Kala Akademi. All India Mahakaushal Kala Parishad exhibition in1979, President of India Sh. NeelamSanjiva Reddy award by AIFACS,Academy of Fine Arts, Amritsar award in 1981. Graphic-80, merit award, Chandigarh in1980. National Award by Lalit Kala Akademi, New Delhi in1982, All India Exhibition, U.P State Lalit Kala. 1990, ADOGI Mini Print International award for printmaking, Barcelona, Spain in1991.

Mr. Choyal Acted as the Jury memeber, vice-chairmen, commissioner and member at different art festivals, administrative, academic bodies in india and abroad.

1978 Marlin Durrah, a filmmaker from Oregon, USA made a 20 minutes film on Shail's Art.

Shri Shail Choyal also directed a 16 mm film 'The Spirit is Alive' on Nathdwara Painting for Lalit Kala Akademi, New Delhi.

Dr. Dharmveer Vashistha

Associate Professor

Painter and Academician Dr. Vashistha did his Masters in Drawing and painting with first position from the University of Ajmer,1990 and Ph. D from University of Rajasthan in 1992.

Dr. Vashishtha was awarded by Directorate of Medical Health & Family Welfare Jaipur 1983, Inter -University Painting Competition Award, Bareilly in 1990, EktaManch Award, Univ. of Raj. Jaipur in 1992, Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, Delhi ,1995, Artist Award 9thKala Mela R.L.K.A. Jaipur, 2001, "ChitrakalaVisharad" by Kala Shrankhala Manch, Udaipur in2006, , Govt M.G. College, Udaipur, 2017, and by Rajasthan Hindi Granth Akadami, Jaipur, in 2019.

He put up five one man shows at Kala Mela, Art council of Rajasthan,Jaipur, 1991, Kala Mela, Rajasthan Lalit Kala Academy 1992 -1999, Jawahar Kala Kendra, Jaipur, 1994 and Sabha Shiromani Hall, City Palace, Udaipur, 2002.

He also participated in many National, International exhibitions & group shows like Graphic print exhibitionW.Z.C.C. Udaipur, Rajasthan school of arts, Jaipur. P.A.G. Drawings exhibition at Academy art gallery, Ravindra munch, Jaipur. Mati Painting Exhibition University of Rajasthan , Jaipur, Annual exhibition organized by Rajasthan school of arts, Jaipur, All India Art Exhibition , Rajasthan Lalit Kala Academy , Jaipur, Annual Exhibition, Rajasthan Lalit Kala Academy , Jaipur, Alumini Art Exhibition,M.L.S. University , Udaipur, Kala Mela, Jaipur, "SAHYOG , Jehangir Art Gallery, Mumbai, Art Access Week, The Seventh, Birla Academy of Art and Culture, Mumbai, W.Z.C.C. at Shilp Gram Utsav, Udaipur,Mahakoushal Prant,Jabalpur,M.P. Hindu Adhyatmevm Seva Sangam, at B.N. University Ground, Udaipur, Participated in Digital Paintings W.Z.C.C. Udaipur. International Art & Calligraphy Festival at Jawahar Kala Kendra, Jahangir Art Gallery, Mumbai, Spring Art Exhibition, organized by Department of Visual Arts, M.L. Sukhadia University Udaipur.

Dr. Shahid Parvez

Assistant Professor

Painter and print maker Shahid Parvez did his Masters Degree in Drawing & Painting with Gold Medal from M.L. Sukhadia University, Udaipur, 1993 and Ph.D. in 2018.

Dr. Shahid Parvezwas awarded Wales/Rajasthan Exchange Scholarship Award in 1998 by British Council, New Delhi.Maharana Raj Singh Award, Maharana Mewar Foundation,Udaipur 1990. 1993-94 Won Prizes for Cartooning, Poster Making, Painting and Collage in the National and West Zone Inter University Youth Festivals Appreciation Award, Mahakaushal Kala Parishad, Raipur. State Student and State Artist Award RLKA, Jaipur 1993,95 and 1997, AIFACS Award, New Delhi in 1997 and 2006, All India Art Binnale Award, RLKA, Jaipur 1999, Charles Wallace India Trust (CWIT) Award, British Council, New Delhi, The Royal West of England Academy Award, Bristol, UK,2005 and "Aranya2008" Kolkata, India 2008.

DR. Shahid's Solo exhibitions at different galleries in India and abroad include Information Centre Udaipur,1990, LTG Art Gallery, New Delhi,1997,James Harvey Gallery, Sydney, Australia 1999,Dhoomimal Art Centre, New Delhi 2001,06,08, and 2012, WZCC, Udaipur 2001,Galerie "LE Volcan" Paris, France,2002, Llanover Hall Arts Centre, Cardiff U.K. 2003, La Bicyclette Café, Paris, France 2004, Jahangir Art Gallery, Mumbai 2005, Art - Effect, De Galerie, Den Haag, Holland 2007, La Distillerie Art House, Bulle, Switzerland 2009, M art centre, Shanghai, China 2009, Interart Gallery, Heeswijk, Holland 2011, November 2012 "Lakdikikathi" Installation displayed at Manak chouk and Fateh sagar Lake Udaipur 2017 "On cloud nine" Bougainvillea art gallery, Udaipur 2017 and Gallery "Trace-Ecart" Bulle, Switzerland 2019.

He acted as an Art consultant, Resource Person, out side Expert, for Design and Painting workshop and Demonstration at Guru Govind Singh IndraprasthUniversity, New Delhi, conducted workshops, Slide shows at Dept. of Visual Arts.

Shahid's work has been a part of many prestigious groups shows in India and Abroad include National Art Exhibition, New Delhi, Bharat Bhwan Biennale Bhopal, "Ananya" Bajaj Capital Art house, Habitat Centre New Delhi, "Confluence des Arts" Gallery Artchill, Jaipur, "Open Book" International exhibition,Jaipur, Mini Print International Exhibition, SPAIN,"Relativities", U.K. "Wales Dunes" British Council, New Delhi, "Tradition to Modernity" Fulda, GERMANY, International d'art Miniature prints Exhibition, CANADA. International Triennial of Graphic Art Bitola, MACEDONIA. The 9th International Art on Paper Fair, Sydney, AUSTRALIA, IV Printmaking Festival of Evora, PORTUGAL, Mini Print triennial, FINLAND, Contemporary Chronicles, Art Alive Gallery New Delhi, "Beyond the Border" the Wales international storytelling festival, UK, "Entrusted" an exhibition of CWIT scholars, Frank Museum

of Art at Otterbein Collage in Ohio USA. ,7th International Biennial exhibition of Engraving, Paris, Wales-Raj Exchange Exhibition, British Council, New Delhi, International 'India Art Fair' exhibition ground, Okhla, New Delhi, , "Letting the Light in Udaipur a Slice of India" International exhibition, Bath, UK, Melbourne Affordable Art Fair, Australia and attend several art camps.

Dr. Deepika Mali

Assistant Professor

Painter Dr. Deepika Mali did her masters degree from Mohanlal Sukhadia University, Udaipur in 2009 and Ph. D in 2017.

Dr. Deepika was awarded by India Book of Records for Largest 'SANJA' wall art (25x25 Feet), Installation art work as World Record of India and also, she got an award in Online Art Competition, Jawahar kala Kendra, Jaipur, Bronze Medal in Sambhavanayen-2020 by Sambhavana Kala Manch.2019 5th State Level Photography award by TRI, Udaipur, Prafulla Dahanukar Art Foundation, Mumbai 2018, The Art Society of India, Mumbai.82nd All India Academy of Fine Arts, Amritsar. 2017.

Dr. Deepika's solo shows include Visible- Invisible, WZCC, and Udaipur. 2019, 'PLY-FLY' at Jehangir Art Gallery, Mumbai. 2018, 'PLY-FLY' at Studio Mumuksh, Udaipur. 2017,

19th Kala Mela, Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur. 2016. Dr.Deepika's work has been a part of many group shows in India and abroad including Diversity of line & Space" International Exhibition by Gallery Artoz, Udaipur. Open Hand Art International Exhibition. 'The Women 2020 International Online Miniature Art Exhibition Bangladesh. International Women's Art Online Exhibition Anila Art Foundation, Odisha, India.International Creative Art Competition 2020 Chitkara University, Punjab.Online International Art Exhibition, Prabal Pramanikk's Academy of Arts.Online National Painting Exhibition Sanskaar Bharti, Meerut, India.

National Kala Mela Org. by Lalit Kala Academy at J.J. School of Art atMumbai. 9th All India Digital Art Exhibition Org. All India Fine Arts & Crafts Society New Delhi. 8th All India Women

Artist Exhibition Org. Artscapes Chandigarh.7th & 8th All India Digital Art Exhibition AIFACS New Delhi. Bombay Art Society Mumbai. Annual Art Exhibition Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur. Focus Art 35 Third Edition Young Affordable Art, Mumbai, International Art Mart Khajuraho, Camel Art Foundation, Northern Region, New Delhi.79th Indian Academy of Fine Arts, Amritsar. Art Fusion Show Nehru Centre, Mumbai. Navi Mumbai Art Festival Mumbai and attended several art camps.

Achievements of Alumni

International Award

Abbas Batliwala - 7th International Triennale Award, New Delhi. Dr. Sandeep Kumar Meghwal- 16th Lessendra World Art prints Annual- Mini print 2017 Exhibition Award Organized by Lessendra Gallery & Contemporary Art Lozenetz, Bulgaria Country. International Awarded by M.S. Sultan fan Artist Group in Online Art Exhibition Bangladesh 2020. Dr.Shabbir Hasan Qazi- Honourable Mention Award, Second Asian Biennale Art Exhibition at Dhaka, Bangladesh.

National Award Lalit Kala Academy, New Delhi

Dr. Basant Kashyap, Prof. Chinmay Mehta C.P. Choudhry, Dr. Vidhyasagar Upadhyay, Rameshwar Singh, Dr. Shabbir Hasan Qazi (Honourable Mention Award) Lalit Sharma (Commendation).

All India Fine Arts and Crafts Society, New Delhi

Shabbir Hasan Qazi (2 times), **Dr. Jagmohan Mathodia, Lalit Sharma , Bashir Ahmed Parwez, Kamal Joshi, Bhupat Dudi, SUSHIL NIMBARK** (2 times), **Dr. Chimna Ram Dangi, Sunil Nimawat** (2 times), **Gourav Sharma, Virangana soni.**

All India Award (from different organizations)

Abbas Batliwala - Mahakaushal Kala Parishad, Raipur, **Amit Solanki** - 27 Art Point 3rd national online art competition.(2 times) **Basant Kashyap** - Bharat Kala Parishad, Andhra Pradesh.. The Indian academic of fine art, Amritsar. Maha Kaushal Kala Parishad Raipur, Madhya Pradesh, 'Creators" Ambala. IREDA, New Delhi, Bhupat Dudi Bombay art society art Award, at Mumbai, Ravi Jain art Award dhoomimal art gallery at Delhi. **Chhotu Lal** - National Kalidasa Exhibition, Ujjain, Annual Exhibition Birla Academy of Art & Culture, Kolkata. **C.P. Choudhary**- All India Kalidas Samaroh, Ujjain. **Dimple Chandat** - "28th All India Lokmanya Tilak Art Award in Graphics Pune, Maharashtra, India. 82nd The Indian Academy of Fine Arts, Amritsar, (2times) Punjab, Virsa vihar socity, Amritsar. Prafulla Dahanukar Art Foundation, Mumbai. **Deepshikha Vaishnava** - Gold Medal Varnika, Manav Sanket academy, Ujjain. **Dr. Chitra Sen** - Winner in National college student competition 'Varnika' (M.P.), Camlin art Foundation. **Dr.Chimna Ram Dangi** - 22nd All India Art Contest & Exhibition Graphic Award by S.C.Z.C.C. Nagpur, **Dr. Sandeep Kumar Meghwal**- "79th All India Exhibition of Art, Highly Commended Award in Graphics" Organized by Indian Academy of Fine Arts,2 Amritsar. Virsa vihar socity, Amritsar. All India Award by Sakshi D'vine - New Delhi. Highly commanded Award in 2nd All India Art Exhibition held by Eastern foundation of Art & Culture Odisha, 2017. Awarded by online art Completion by Indian Art Promoter Bhayander Mumbai 2020. **Dr. Jagmohan Mathodia** - "Limca Book of Records. **Dr. Mayank Sharma** - 19thAll India Art Contest by South Central Zone Culture Centre, Nagpur, Maharashtra. **Dr. Meena Baya** - First Award by 'WE' A group of Indian Contemporary Women Artist, Chandigarh, 'Creators', Ambala. **Dr. Shabbir Hasan Qazi** - U.P Lalit Kala Academy, Lucknow, Ministry of Art of Culture, Government of Bihar, Patna, **Dr. Sunil Nimawat**- 2010 6th India Royal Academy of Art & Culture Gulbarga Karnataka. **Dr. Vidhyasagar Upadhyay**- U.P Lalit Kala Academy, Lucknow, All India Award by Bihar Govt. on Painting. Jagdish Kumawat All India ART Exhibition JMI University, New Delhi. **Jyotika Rathore** - Highly Commendation Award by The Indian Academy of Fine Arts, Amritsar, Punjab. Lokmanya Tilak Award Pune, Art society of India, Mumbai. 27th Art Point 2017. **Lalit Sharma** - silver medal by kalankanprayas, dhanbad (JHARKHAND), Kalavart Nyas UJJAIN. Honour by Kala vartnyas, Ujjain. **Rameshwar Singh**- (The Indian Academy of Fine Art, Amritsar- 3 times) , U.P Lalit Kala Academy, Lucknow Hyderabad Art Society, Hyderabad, Andhra Pradesh Council of Artists, Hyderabad 2 times, Mahakaushal Kala Parishad, Raipur. (2 times). Bombay Art Society, Mumbai (2 times), Oriental Art Society Kolkata, Karnataka Chitrakala Parishad, Bangalore, 1990 Creators, Ambala Cantt. 2. South Central Zone Culture Centre, Nagpur. Banaras Artists Association, Banaras, 1st Indian Drawing Biennial, The Solids, Chandigarh. All India Art Biennial of Rajasthan, Jaipur. **Ranjana Jangid**- Won Gold Medal in National Competition (PRINT MAKING) organized by 27 ArtPoint. 3rd National Award (PRINT MAKING)organized by Eastern Foundation of Art & Culture, Odisha. **Sushil Nimbark**- All India P.T. Ready Memorial Kala Sangati Award, Hyderabad. The Indian academic of fine art, Amritsar.2 Camil Art Foundation. **Sharad Bhardwaj**- Limca Book of Records 2. National Young Kala Ratan Samman by 10th Tonk Art Festival-Tonk. Prafulla Dhanukar Award. **Sarla Moondra** - All India Lokmanya Tilak Award. **Vagaram Choudhary**- Student award by Camlin art foundation, New Delhi. **Rajesh Pandey**- by Indian Royal Academy of Art & Culture, Gulbarga, Karnataka. **Virangana Soni** - 2nd prize in an Online Art Competition, Jawahar Kala Kendra, Jaipur. **Yugal Kishor Sharma** - Kalidas Award, Kalidas Academy, Ujjen. All India Award, South Central Zone, Nagpur. U.P Lalit Kala Academy, Lucknow. Camlin Award. The Indian academic of fine art, Amritsar.

State (Artist) Award Rajasthan lalit kala academy Award, Jaipur

Abbas Batliwala ,Basant Kashyap(3times), Bhupat Dudi, C.P. Choudhary (3times), Charan Sharma (2 times), Chhotu Lal, Dr. Dipak Bhatt (2 times), Dr. Jagmohan Mathodia (2times), Dr. Meena Baya (3 times), Dr. Rekha Bhatnagar, Dr. Vishnu Prakash Mali, Dr.Chimna Ram Dangi, Jawan Singh Sisodia, Jyotika Rathore, Kamal Joshi (2times), Kiran Murdia (4times), Lalit Sharma (2times), Mayank Sharma, Ragunath Sharma, Rajaram Vyas, Ram Krishn Sharma, Rameshwar Singh, Ranjna Jangid, Shabbir Hasan Qazi (6 times), Sunil Nimawat,Suraj Soni, Surjeet Kaur Choyal, Sushil Nimbark, Trilok Shrimali, Vagaram Choudhary (2times), Yugal Kishor Sharma (2times), Sandeep Kumar Meghwal , Dilip Kumar Damor, Dimple Chandat, Mukta Sharma, Sharad Bhardwaj, Sharmila Rathore, Amit Solanki, Tulsi Khokhar.

State (Student) Award Rajasthan lalit kala academy Award, Jaipur

Dr. Jagmohan Mathodia, Trilok Shrimali (2 times), Mohammad Rafiq, Sushil Nimbark (2 times), Dr.Chimna Ram Dangi, Mayank Sharma, Sharad Bhardwaj, Dr. Nirmal Yadav, Sandeep Kumar Meghwal, Deepika Jhala, Jayesh sikligar, Kumudini Bharawa Soni, Ranjana Jangid.

State level Award (from different organizations)

Lalit Sharma (tulika kalakar parishad, Udaipur.), Rameshwar Singh- (tulika kalakar parishad, Udaipur. 2 times) Basant Kashyap (tulika kalakar parishad, Udaipur. 2 times), Chout Lal, Abbas Batliwala , **Dr. Meena Baya** (3 times) , **Dr. Chitra sen**, Kamal Joshi- State Young Artist Award by Jawahar Kala Kendra. **Manoj Kumar Yadav-** ankan Award, **Mayank Sharma** - ankan Award, TRI Photography Competition. **Deepshikha Vaisnava-** Aakriti Kala Sansthan, Bhilwara. **Dr. Nirmal Yadav** Aakriti Kala Sansthan, Bhilwara, **Dr. Sandeep Kumar Meghwal** Aakriti Kala Sansthan, Bhilwara, Photography Competition TRI, **Dilip Kumar Damor** - Aakriti Kala Sansthan, Bhilwara, **Dimple Chandat-** Aakriti Kala Sansthan, Bhilwara State level Photography Competition organized by TRI, Udaipur, Rajasthan, India. **Sunil Nimawat** Photography Competition TRI, **Dilip Damor** Photography Competition TRI, **Jyotika Rathore** Photography Competition TRI, **Rajesh Pandey** Photography Competition TRI, **Ranjana Jangid-** Rajasthan State Award (PRINT MAKING) in 2nd Annual Art Exhibition Organized by Kishangarh Lalit Kala Academy, Ajmer.

Maharana Mewar Foundation Award Udaipur.

Prof. Radhakrishna Vashistha- (Sajjan Singh Award)

Dr. Kahani Bhanawat- Maharana Raj Singh Award

Jagdish Kumawat- Maharana Raj Singh Award

Maqbool Ahmed Abbasi- Raj Singh Award

Chitra sen - Raj singh award by Maharana Mewar Foundation, Udaipur

Yugal Kishor Sharma- Raj Singh Award

Rahul Mali - Maharana mewarfatehsingh award, Udaipur.

Lalit Sharma

Charan Sharma - (Sajjan Singh Award)

Dr. Sandeep Kumar Meghwal- Raj Singh Award

Youth Festival Award

Jagdish Kumawat- National Youth Festival Gold medal,Dhanbad,Bihar, GoldMedal, West zone Youth festival, Indore

Jagdish Kumawat- International 13th youth festival award, North Korea.

Mohammad Rafiq- 1st Prize in 'Collage Painting' competition in International Youth Festival - Ghumar-96 by Rajasthan University, Jaipur

Dr. Nirmal Yadav- Inter University West Zone Festival, AURANGABAD.

Dr. Sandeep Kumar Meghwal West Zone Inter University Youth Festival In Udaipur,"

Jagdish Salvi - Won Second Prize in Installation in the Inter University Zonal (West) Youth Festival.

Jayesh sikligar - 2017 west zone youth festival, National youth festival 3rd price in poster making competition 3rd price in installation competition.

Mukta Sharma - zonal award of west zone in youth festival, national award for installation in youth festival 2018 held in Ranchi, Jharkhand from 16th-20th Feb.

Pragya garg - Zonal award of west zoneyouth festival.

Uday Lal Suthar - Won Second Prize in Installation in the Inter University Zonal (West) Youth Festival in 2017. Won Third Prize in Installation in the Inter University National Youth Festival in 2018.

Important posts held by Alumni

Shri Dinesh Kothari

RAS, Commissioner Nagar Nigam, Udaipur.

Director SIERT, RegistrarMPUATSecertry, UIT, Bikaner, CEO, Temple Board, Nathdwara, President Kala Mitra, Udaipur, Member Takhman.

Dr. Vidhyasagar Upadhyay

Head of department in Painting, Rajasthan School of Art, Jaipur between 1988-2007. Member Executive Board and General Council National Akademi of Fine Art New Delhi between 2000-2008 and also member for Finance Committee, Publication committee, Triennial Committee.Member Executive Board and GC Rajasthan Lalit KalaAkademi, Jaipur between 1971-2002.

President Jan Kala Sahitya ManchSansathan, a leading NGO, Jaipur since 1994.

Vice President Takhman 28 a group of experimental artists since 1971.

Treasurer Rajasthan Lalit Kala Akademi, Jaipur for 4 years.

Member advisory committee WZCC, Udaipur,CZCC, Allahabad, Jawahar Kala Kendra Jaipur, Beneshwar Lok Vikas Sansthan, Rajasthan, Neerja Modi Visual and Performing Art Centre, Jaipur, Vyom Art Centre, Jaipur. Regional Centre LKA, Lucknow and some important committees constituted by National Akademi, Rajasthan Government, Rajasthan Lalit Kala Akademi, DirectorRajasthan School of Art, Jaipur.

Board of Studies for drawing and painting Fine Art Education Rajasthan University and Sukhadia University, Udaipur.

Prof. Chinmay Mehta

Served as a senior university Professor and Deanof the Faculty of Fine Arts.

Chairman, Rajathan Lalit Kala Academy, Jaipur Chairperson, AAYAM- Institute of Art and Culture, Jaipur.Vice-President of Indian Music Congress.Chairperson-Co-coordinator-State Chapter SPIC MACAY. Member of the committee on applied arts and craftsAll India Board of Architecture andApplied Arts (constituted by AICTE Act 1987)

Prof. R. K.Vashishtha

HoD Painting Rajasthan University, Jaipur.

Nominated invited Mermber, Rajasthan Lalit Kala Academy, Jaipur

Prof. Shabir Hussain Quazi

Dean Faculty of Fine Arts, University of Rajasthan.

HoD Painting Rajasthan University, Jaipur.

Academic /Research /Publication and others

Dr. Hemant Dwivedi

Professor

Research Papers- 25

Books- Contemporary Rajasthan- a glance, Bougainvillaea art gallery, Udaipur.

Prof. M.S. Rathore

Research Papers- 32

Under his Supervision 20 Scholars have been awarded their Ph.D. Degree.

Books-

Surrealistic trends in Indian Modern Art - Reference Book, Sharma Publication House, Jaipur.

History of Indian art I, History of Indian art II - Text Book for School Education.

Published by Board of Secondary Education, Rajasthan, Ajmer. Bhartiya Kala ,2016.

Dr. DHARMVEER VASHISTHA

Books published : Marwarki Chitran parampara evm Chitrakar, Reference book, Rajasthan Hindi Granth Akadamy, Jaipur,2010

Kala Sarjak, 108 pages, Reference book, Kala Sarjan Sansthan & Himanshu Publication 2014

Art & Artist of Marwar Painting, Reference book, Kala Sarjan Sansthan under publication

Research Paper- 61

Dr. Shahid Parvez

Research Papers- 2

1-23 June 2018, Foundation course in Digital Cinematography, G.H. Raysoni University, Nagpur by FTII, Pune

Lecture and workshop at College due sud CSUD,1630 Bulle, Switzerland, 13th and 15th November, 2019.

Dr. Deepika Mali

Research Paper Published :-1

Events Organised by the Deptartment

Year	Name of the workshop/ seminar	Participants	Date From – To
2000	National seminar on कला में माध्यम वैविध्य एंव तकनीक	60	Feb.2000
2009	Calegraphy Workshop	30	2009
2010	Three days UGC - Sponsored National Creative Workshop on 'MultiMedia in Visual Art' camp	40	Nov. 2010
2011	International Art Camp, Shilpgram	50	Dec. 11-17
2012	Artist In Residency, Print Making workshop	25	Feb 24-28
2013	Printmaking workshop/ Residency	30	2013
2016	Bhartiya Samkalinchitra Kala Aur Hindi Sahitya; Antahsambandh	30	Nov 7-9
2012	Kumbhalgarh National art camp	20	Dec 1-3
2013	Kumbhalgarh National art camp	20	Jan 29-31
2016	Kumbhalgarh National art camp	20	Jan 29-31
2012	**Women Art Festival** National Art Camp	25	March
2018	**Vibgour** National Art Camp	40	Nov 17-21
2019	**Spring Udaipur** National Art Camp	50	Feb 19-28
2019	**Loklore** International Art Workshop	30	March 10-14
2020	**7th Sowing Seeds** International Art Residency	30	Jan 19-30
2020	**Dharohar** National Water Color Art Camp	15	March 1-6

Dignitaries who visited the Department

B. R. Udkar- 1971- Extension Lecture

N.S. Bendre - 1972- Extension Lecture

K.G. Subramaniam- 1973- Extension Lecture

S.A. Kadam- 1977- Extension Lecture

Prayag Shukl- 2004- Art Critic(Extension Lecture)

Achyut Pallav- 2009- Calligraphy Workshop

Manglesh Dabral- 2011- Art Critic

Vinod Bhardwaj- 2011- Art Critic

Prof. Shyam Sharma- 17 March 2018- Demonstration &Extension Lecture

Other Information

Prof. Hemant Dwivedi

Chairman, Faculty of Humanities.

Former HOD, Department of visual arts, UCSSH, MLS University, Udaipur.

Member, Academic Council, Committee of Courses, M.L.S.U. Udaipur

Menber Board of Studies, Kota University, Allahbad University, KumaunUniversuty

Member Research Board, Kota University, Pacific University

Acted as A.D.S.W., U.C.S.S.H. Udaipur.

Prof. Madan Singh Rathore

At present he is in consistence with his duties at various responsible positions. Besides being Professor at Department of Visual Art, M.L.Sukhadiya University, Udaipur Dr. Rathore also holds the position as Head of the Department. Along with this he has served as Dean, Student Welfare for the same University, Associate Dean, College of Social Sciences and Humanities, Officer In-charge University Central Library, Procter, University College of Social Sc. & Humanities, Program officer, NSS, Hostel Warden, Convener and Member of Affiliation and Inspection Committees, Member, Cultural Committee at University & College.

He also Contributed as Member of Syndicate and Board of Management and Convener of many Administrative, Academic Bodies & Societies of State Government and Universities like VC search committee at M.S.Brij University (Bharatpur), Govind Guru Tribal University (Banswara), Jai Narain Vyas University (Jodhpur), Kota Agriculture University(Kota), Kota

University (Kota), M.L. Sukhadia University(Udaipur), Hindi Granth Akademi (Jaipur), Rajasthan Lalit Kala Academy(Jaipur), Rajasthan University(Jaipur), Bhupal Nobel's University(Udaipur), CBSE and UGC (New Delhi) ,Banasthali Vidyapith (Tonk), M.S. University (Varodara), Patna University (Patna), IGONU (New Delhi), Bikaner University (Bikaner), Jain Vishva Bharti University (Ladnu, Nagor), Western regional center Udaipur for Anthropological survey of India, Maharana Mewar Education Trust (Udaipur), District Swimming Association (Udaipur).

Dr. Dharamveer Vashistha

Executive member Teacher Association, MLSukhadia University,

Former HoD, Department of visual arts, UCSSH, MLS University, Udaipur.

Dr. Shahid Parvez

Sector officer in Panchayat Election -2020, Udaipur.

पुस्तकालय

स्थापना एवं क्रमिक विकास

पुस्तकालय की स्थापना महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हुई। पुस्तकालय के विस्तार हेतु प्रो. आर.के. राय (तत्कालीन कुलपति) द्वारा दिनांक 23.10.1997 को नए भवन का शिलान्यास किया गया एवं दिनांक 18.03.1999 को प्रो. आर्य कुमार सिंह (तत्कालीन कुलपति) ने अपने करकमलों से उद्घाटन किया। पुस्तकालय में माह सितम्बर, 2009 में ई–लाइब्रेरी का उद्घाटन श्रीमती अर्पणा अरोड़ा, आई.ए.एस. (तत्कालीन कुलपति) द्वारा किया गया। दिनांक 26.09.2014 को प्रो. फरीदा शाह (तत्कालीन महाविद्यालय अधिष्ठाता) द्वारा उक्त ई–लाइब्रेरी को अपग्रेड किया गया।

वर्तमान में पुस्तकालय की ई–लाइब्रेरी में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु 10 कम्प्यूटर (इंटरनेट कनेक्शन सहित) उपलब्ध हैं। ई–लाइब्रेरी के प्रयोग से शोधार्थियों द्वारा ई–संसाधनों तक पहुँच आसान हो जाती है।

कार्मिक

वर्तमान में पुस्तकालय में निम्नलिखित सदस्य कार्यरत हैं–

1. श्री राजाराम भाट, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रभारी)
2. श्री शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया, जे.टी.ए.
3. श्री जितेन्द्र सुहालका, जे.टी.ए.

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

कुलपति महोदय प्रो. अमेरिका सिंह ने दिनांक 27.07.2020 को पुस्तकालय का दौरा किया एवं बेहतर सेवाओं हेतु निर्देशित किया। दिनांक 10.08.2020 को सार्वजनिक पुस्तकालय, जगदीश चौक, उदयपुर के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री भगवत सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने सार्वजनिक पुस्तकालय के विकास हेतु महाविद्यालय पुस्तकालय की प्रणाली के अवलोकन हेतु दौरा किया।

❑ ❑ ❑

13 प्रबंध अध्ययन संकाय
(Faculty of Management Studies)

Prof. Hanuman Prasad
Director & Faculty Chairman

Prof. Karunesh Saxena
Professor

Prof. Anil Kothari
Professor

Prof. Meera Mathur
Professor

Establishment and Evolution

❖ The Department was established in 1982.It was separated from UCCMS as the Faculty of Management Studies in the year 1996. The faculty also included Department of Hotel and Tourism Management. Thereafter, FMS was shifted from UCCMS campus to the new campus in 2000.The department of Hotel and Tourism Management was shifted to a new building in the year 2011.The department started with MBA Executive in the year 1982 which was changed to MBA Regular in1988.Two diplomas i.e. Diploma in Marketing and Diploma in Hotel and Tourism Management started in 1982,but were discontinued from 2003.A new course- MBA Service Sector Management (SSM), was started in 2005. The nomenclature of the course was changed to MBA Financial Services Management (FSM) in the year 2009.MBA E-Business was introduced in the year 2015. The nomenclature of the course was changed to MBA E-Commerce in the year 2019. It was again changed to MBA E-Business in the year 2020.Atal Bihari Centre for Entrepreneurship, Small Business and Skill Development (CESBD), was started in FMS to promote entrepreneurship among youth and to prepare them as Gen Next Entrepreneurs. To achieve the same goal, the course- BBA Entrepreneurship was also introduced in the year 2017.

❖ **Entrepreneurship Development Cell (EDC)-** EDC wishes to create entrepreneurial environment in India, especially in Rajasthan. Entrepreneurship is yet to reveal its hidden potential in India. It will not only help India to frontier with the world leaders but also unlock the quality of brains that we are proud of. With this objective the EDC is functioning in the premises of Faculty of Management Studies, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur. It aims at inculcating entrepreneurial acumen among students, budding professionals, and citizens. Along with this, it also organizes trainers training termed as Faculty Development Programs (FDP). The Cell also organizes student brainstorming sessions and competitions like business plan, entrepreneurship quizzes etc. startup showcases, e- talks, workshops, capacity development programs etc.

Courses and Resources

Earlier Courses

❖ Diploma in Marketing (1982-2003)

❖ Diploma in Tourism and Hotel Management (1987-2003)

❖ MBA Executive (1982-1988)

❖ MBA regular (1988-present)

Present Courses

❖ **Under Graduate**

BBA-Entrepreneurship Development, BBA in Hotel Management (BHM), BBA in Travel & Tourism Management (BTTM)

❖ **Post Graduate**

MBA-CMAT

MBA-FSM

MBA-E-Commerce

Master in Travel & Tourism Management

❖ **Doctoral**

Ph.D

Available Resources

The Department has adequate infrastructure with staff rooms, classrooms and seminar hall. It is also well equipped with latest instruments and ICT components including computers, projector, printer, wifi etc.

Faculty

Former Faculty Members

- Prof. K.R. Sharma
- Prof. B.P. Singh
- Prof. A.K.Singh
- Prof. Manoj Singh
- Prof. P.K. Jain
- Prof. Ashok Singh

Present Faculty Members

- Prof. Anil Kothari(1991)
- Prof. Karunesh Saxena (1997)
- Prof. Hanuman Prasad(1997)
- Prof. Meera Mathur(1997)

Names and Tenure of Heads/Directors/In charges

S.No.	Name	From	To
1.	Prof. B.P. Singh	1982	31-07-1984
2.	Prof. K.R. Sharma	01-08-1984	31-07-1985
3.	Prof. A.K. Singh	08-07-1985	31-07-1997
4.	Dr. P.K. Jain	01-08-1997	08-01-2000
5.	Dr. P.K. Jain	01-08-1997	08-01-2000
6.	Dr. K. Saxena(OFFTG.)	08-01-2000	30-04-2000
7.	Dr. P.K. Jain	01-05-2000	02-08-2000
8.	Dr. K. Saxena	02-08-2000	30-01-2001
9.	Prof. P.K. Jain	30-01-2001	07-09-2006
10.	Prof. N.S. Rao	08-09-2006	04-01-2007
11.	Prof. P.K. Jain	04-01-2007	04-01-2008
12.	Prof. K. Saxena	04-01-2008	04-01-2011
13.	Prof P.K. Jain	04-01-2011	04-01-2014
14.	Prof. K. Saxena	04-01-2014	04-01-2017
15.	Prof. Anil Kothari	06-01-2017	05-01-2020
16.	Prof.Hanuman Prasad	06-01-2020	--------

Achievements

Achievements of Former and Present Faculty Members

Prof. Karunesh Saxena

- Chair Professor of Business Studies by Indian Council for Cultural Relations (ICCR), Ministry of External Affairs, GoI. On deputation to University of Technology, Papua New Guinea, from February 2017 to August 2017.
- Designed and delivered training sessions to government officers at Kathmandu Nepal 2018, and at the University of Peradeniya, Kandy, Sri Lanka in 2018.
- Visiting Professor to Eurasian National University, Kazakhstan, 2013.
- Delivered the Keynote Address at various international conferences including in Bangkok, Singapore and Dubai.

- Presented Papers and also chaired a session at the "4th Global Conference on Business and Economics" organized by Oxford University, in June2005.
- Number of papers in referred Journals- 130 (Approx.)
- Books Authored: 6
- No. of Publications (in Books): 15
- Patent: Tourism and Handicraft Industry Management System for Rural People (June 2020), Dr. Sachin Gupta and Prof. (Dr.) Karunesh Saxena in Management, Intellectual Property India, Ministry of Commerce. Industry Patent office Journal No. -18/2020, Application No. 202011013639A

Prof.Anil Kothari

- Designed MBA-FSM course, which has been awarded as the Best Academic Input (Syllabus) in finance, by BSA & Dewang Mehta Trust, Mumbai.
- Designed and developed "Centre for Entrepreneurship, Small Business and Skill Development" for MLS University in the year 2017
- Financial Literacy Programme: Conducted More than 60 workshops conducted for SEBI.
- Designed, developed and implemented M.B.A. in Financial Service Management coursewhich is fetching revenue of Approx. 1.2 Cr per year (last 12 years) with a saving of more than70%.
- Awarded Major Research Projects from ICSSR and RUSA, MHRD.
- No. of Publications (In Journals/Periodicals/Souvenirs): 45
- No. of Publications (in Books): 5

Prof. Hanuman Prasad

- Conferred Best Business Academic of the Year (BBAY-2019) at the 72nd All India Commerce Conference, Dec. 2019
- Co-Chaired Technical Sessions at various national and international conferences in India and Abroad.
- Delivered Plenary Address at the International Conference organized by Faculty of Management studies, School of Business, Nepal in 2017.
- Alumni of IIM Ahmedabad, 2004-2005 Batch of Faculty Development Program.
- No. of Publications (in Books): 2
- No. of Publications (In Journals/Periodicals/Souvenirs): 50

Prof. Meera Mathur

- Woman of Substance Award, 2018.
- Best Researcher Management-Sustainable Consumption Award, 2017 by Integrated Intelligent Research.
- District level Excellent Teacher Award 2015, organized by My Gurukul andRajasthan Patrika, 2015, awarded by the Honorable Home Minister of Rajasthan.
- Senior Educator Researcher Award 2014, by National Foundation for Entrepreneurship Development.
- Recommended by UGC for Research Award July 22, 2015.
- Presented papers at various national and international conferences and received the best paper award several times and felicitated for her dedicated efforts as a teacher at the state level many times.
- No. of Publications (in Books): 30
- No. of Publications (In Journals/Periodicals/Souvenirs): 86

Prof. P.K. Jain(Former)

- Visiting Professor to Sri Lanka, and Saudi Arabia.
- Conducted training programme for senior civil servants and senior business executives of Sri Lanka.
- Associated with many Govt., Semi-Govt. and Private organizations for their in-house training programmes in the area of Inter-Personal Skills, Behavioural Modification, Team Building and Leadership. Notable organisations for whom training programmes are conducted on regular basis are: Central Reserve Police Force, Border Security Force, Life Insurance Corporation of India, Oil India Ltd. KRIBHCO, IFFCO, Indian Railway, All India Radio, Doordarshan.
- The prominent training modules widely accepted and acclaimed by the corporate world and the society: - The spouse management - The monk who sold his Ferrari. - The 8th habit. - The greatness guide.

Prof. Ashok Singh (Former)

- Articles Published in Newspapers:

\- Sarkari Udasinta ka Natija Hai Lapko ki Samasya, Rajasthan Patrika, 13 December, 2001

\- Sarkar Gambhirata Samjhe Paryatak Guide Ki, Dainik Bhaskar, 21 February, 2008

Ongoing &Completed Research Projects

Prof. Karunesh Saxena

- MHRD, RUSA 2.0 sponsored Research and Innovation Project titled "Stress Management using Training Intervention Techniques among the Adolescent Students:A Study of Major Cities of Rajasthan". (Sanctioned Amount: Rs. 10 Lacs), 2020
- UGC Sponsored MRP titled as "A Study of Applicability of Emotional Intelligence inIndian Higher Education System". (Sanctioned Amount: Rs.4.27 Lacs), 2011

Prof. Anil Kothari

- MHRD, RUSA 2.0 sponsored Research and Innovation project titled as Economies of Temple: An Empirical Study of Selected Temples of North India

Prof. Hanuman Prasad-

- Financial Literacy and Poverty: A Study of Southern Rajasthan
- MHRD, RUSA 2.0 sponsored Research and Innovation project titled as Digital Financial Awareness: A Study of "X" and "Y" Generation Citizens of Rajasthan

Prof. Meera Mathur

- A Study of ISO 14000 related practices in selected business organizations of Udaipur
- Dainik Bhaskar Readership Survey
- An Empirical study of issues, challenges &prospects of sustainable consumption in selected cities of Rajasthan & Gujarat.
- MHRD, RUSA 2.0 sponsored Research and Innovation project titled,"Study on Sustainable Consumption Behavior of Urban Consumers towards Electronic Products in Rajasthan".

Important Positions held by the Faculty Members

Prof. Karunesh Saxena

- Director, Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and CDC, MLSU.
- Ex- Director and Chairman, FMS, M.L. Sukhadia University, Udaipur during 2014-17.
- Served in different academic positions at Universities like Sagar University, Jammu University, VikramUniversity Ujjain and Indira Gandhi National Open University (IGNOU) New Delhi.

Prof. Anil Kothari

- Chairman and Director, Faculty of Management Studies, 06 Jan 2017 to 31Jan 2020.
- Course Director of B.B.A. (Entrepreneurship Development), 2017-2020.
- Course Director Tourism and Hotel Management Programme.
- Member Secretary, Self Finance Advisory Board (SFAB), MLSU.
- Chief Warden of MLSU, July 2014 to August 2017.
- Placement Officer of FMS for 16 years.
- Vice President, Sukhadia University Teacher's Association
- Member of various committees and boards at MLSU, as well as MDS University, Ajmer and GGT University Banswara

Prof. Hanuman Prasad

- Director, Faculty of Management Studies, M. L. Sukhadia University (7 January 2020...).
- Course Director, MBA (E Business, Rural Management) Program,
- Officer Incharge, University Central Library, MLSU, Udaipur
- Member of several boards and committees of MLSU, Udaipur, M.D.S. University, AjmerMewar University, Ganrar, UdaipurMarwari's University, Rajkot, Gujrat.

Prof. Meera Mathur

- Member of Board of Studies in MS University Baroda, Rajasthan Vidhyapeeth,IIS University Jaipur,MDS University Ajmer.

Achievements of the Department

Programmes/Seminars/Workshops Organized

S.No.	Name of Seminar/Programme/Workshops	No. of Participants	Date
1	National Webinar on "ANANDAM path to achi eve creativity and personality; Excerpts from Ramayana"	100	07.12.2020
2	National Webinar on "Anand Ki Amritvarsha: Mratyoma Amritam Gamay"	100	07.12.2020
3	National Webinar on ANANDAM: Exploration of Generosity	100	07.12.2020
19	National Webinar on Spiritual Knowledge: Foundation for developing a positive personality	100	07.12.2020
13	National Webinar on Transforming Management Education in conjunction with NEP-2020	100	11.11.2020
14	National Webinar on Implementation of New Education Policy 2020: Students Perspective	100	11.11.2020
15	National Webinar on Self Reliant India through increasing employability: A succession planned by NEP 2020	100	11.11.2020
12	Mask making at home: The beginning of self-dependence	100	05-10-2020
20	Motivational Session on Shunya se Shikhar Tak	100	26.10.2020
21	National Webinar on Strategies for Implementing New Education Policy:Issues and challenges	100	05.09.2020
7	Innovatium-2020	150	3.7.2020-4.7.2020
8	Workshop on "Understanding Business Analytics Using R"	60	22.7.2020-28.7.2020
	E-Brand Wars	250	29.7.2020-31.7.2020

S.No.	Name of Seminar/Programme/Workshops	No. of Participants	Date
9	Certificate Course on IFRS	60	22.6.2020-28.6.2020
5	Online FDP on Research Revisited: Reflection on Analytical Tools	60	1.6.2020-7.6.2020
6	Webinar Avlokan: Remodelling Curriculum of B- Schools	150	21.6.2020
3	International Webinar on "Resurgence of Business Growth post COVID 19: Challenges & Strategies"	290	8.5.2020- 9.5.2020

Important Dignitaries that Visited the Department

S.No	Name	Designation	Date	Purpose
1	Prof. Parimal H. Vyas	HVC MS University, Baroda	31July 2020	Closing ceremony E-Brand Wars 2020
2	Prof. Neena Sinha	Prof & Dean GGS Indraprasth University, New Delhi	31 July 2020	Closing ceremony E-Brand Wars 2020
3	Ms. Binita Thakur	Inspector General, Udaipur	1st March 2020	Inaugural ceremony MANFEST 2020
4	Prof. Ravikant Swami	Director, DME , Delhi	1st March 2020	Inaugural ceremony MANFEST 2020
5	Mr. Khuswinder Singh	Territory Manager, BPCL	1st March 2020	Inaugural ceremony MANFEST 2020
6	Prof. S.S Sarangdevot	HVC, JRNRV University Udaipur	2nd March 2020	Closing ceremony MANFEST 2020
7	Prof. Kapil Kumar	Director, STHSM, IGNOU	**29TH Nov 2019**	Inaugural ceremonyof International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
8	Prof.P. Kanagasabapathi	Member, ICSSR, New Delhi	**29TH Nov 2019**	Inaugural ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
9	Prof. C. P. Shrimali	Ex-Director, MDI, Gurgaon	**29TH Nov 2019**	Inaugural ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
10	Mr. Dilip Pithadia	Chairman, Pithadia Foundation, USA	**29TH Nov 2019**	Inaugural ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
11	Prof. Kailash Sodani	HVC,GGTU, Banswara	**30TH Nov 2019**	Valedictory ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025

S.No	Name	Designation	Date	Purpose
12	Prof. N. K. Kakkar	Director General, MAIMS, Delhi	**30TH Nov 2019**	Valedictory ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
13	Prof. Rajesh Kothari	Director, ICFAI, Jaipur	**30TH Nov 2019**	Valedictory ceremony of International Conference on New Paradigms in Management Education: Vision 2025
14	Prof. G.Soral	President, Indian Accounting Association , Department of Accountancy and Statistics MLSU	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
15	Prof. Sasmita Samanta	President Indian Commerce Association, Pro Vice-Chancellor Kalinga Institute of Industrial Technology Bhubaneswar	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
16	Dr. Nagesh Kumar	PhD , Director South and South-West Asia Office United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
17	Prof.S. K. Tandon	Vice-President The Indian Academy of Sciences Professor, The Indian Institute of Science Education & Research Bhopal	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
18	Prof.Manas Pandey	Executive Vice President Indian Commerce Association Department of Business Economics Faculty of Management Studies Coordinator , IQAC and RUSA VBS Purvanchal University, Jaunpur (U P)	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
19	Prof.(Dr.) Sunil Kumar	Director School of Performing and Visual Arts New Delhi	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"
20	Prof. D. S. Chundawat	Vice- Chairman Rajasthan State Higher Education Council Jaipur	**5th Sept 2020**	**National Webinar on** "Strategies for Implementing New Education Policy: Issues and Challenges"

S.No	Name	Designation	Date	Purpose
21	Prof. C. P. GUPTA	Department of Financial Studies South Campus, University of Delhi New Delhi	3rd July to 10th July, 2020	Online Faculty Development Program (FDP) On Remodelling Business Research: Opening New Vistas
22	Dr. H. K. Dangi	Associate Professor Department of Commerce University of Delhi, Delhi	3rd July to 10th July, 2020	Online Faculty Development Program (FDP) On Remodelling Business Research: Opening New Vistas
23	Dr. Dhaval Maheta	Assistant Professor Department of Business & Industrial Management Veer Narmad South Gujarat University, Surat	3rd July to 10th July, 2020	Online Faculty Development Program (FDP) On Remodelling Business Research: Opening New Vistas
24	Dr. Purna Bahadur Khand	Assistant Professor, School of Business Pokhara University Pokhara, Nepal	3rd July to 10th July, 2020	Online Faculty Development Program (FDP) On Remodelling Business Research: Opening New Vistas
25	Prof. Furqan Qamar	Ex-Director Centre of Management Studies, Jamia Millia Islamia University	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
26	Prof. Shyam S. Lodha	Professor and Chairman Southern and Connecticut State University , USA	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
27	Prof. Babs Surujlal	Deputy Dean Research and innovation , North west University, PotChefstroom, SA	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
28	Prof P.K. Singh	Director, MDI Gurgaon	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
29	Prof Radhe shankar Pradhan	Professor,Central Dept of Management, Tribhuvan University, Nepal	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
30	Prof. Bhumiphat Gilitiwala	Director MBA Assumption University, Bangkok , Thailand	8-9th May 2020	International Webinar on Resurgence of Business growth post Covid-19: Challenges and strategies
31	Late. Mrs Kiran Maheshwari	Former education minister of Rajasthan	**2017**	**Inauguration of BBA Entrepreneurship building**
32	Mr. Ashok Gehlot	Then Chief Minister of Rajasthan	**2000**	**Inauguration of FMS building new campus**
33	Mr. Jagjeet Singh	Director CBI		**Extension Lecture**
34	Dr. C.P. Joshi			**Retirement Ceremony**

S.No	Name	Designation	Date	Purpose
35	Mr. David Hind			**Extension Lecture**
36	Mr. Prabhu Chawala	Editorial Director of New Indian Express	Sept. 2003	International Conference on Media, Society and corporate work
37	Mr. Rajeev Sirdesai	NDTV	Sept. 2003	International Conference on Media, Society and corporate work
38	Mr. Prabal Pratap Singh	Aaj Tak	Sept. 2003	International Conference on Media, Society and corporate work

Achievements of Former and Present Students

S.No.	Year of award	Name of Student receiving awards/Prize from state level, national level, international level	Name of the award/ prize/ fellowship received from Government / Recognized Bodies	Level
1	2020	Saransh Luthra	English Debate(Audacity 2020) IIM U	National
2	2020	Yashraj Sen	Demystify Balicha (Audacity 2020) IIMU	National
3	2020	Itisha Agarwal	Ad-Zap(Prarabdh GITS Udaipur)	National
4	2020	Harshita Singh	Ad-Zap(Prarabdh GITS Udaipur)	National
5	2020	Nikita Matta	Volleyball (MLSU)	City
6	2020	Ritivika S. Reghu	Shotput (MLSU)	City
7	2020	Ritivika S. Reghu	Lawn Tennis	State
8	2020	Kartikeya Parakh	Cricket (MLSU)	City
9	2020	Tushar Soni	Chess (MLSU)	City
10	2019	Mohit Kumar Dalal	Tata Crucible Campus Quiz 2019	National
11	2019	Mohit Kumar Dalal	Aarohan 2019 - Annual Function (MLSU)	National
12	2019	Mohit Kumar Dalal	Demystify Balicha (Audacity 2019) IIMU	National
13	2019	Mohit Kumar Dalal	Roadies (Audacity 2019 IIMU)	National
14	2018	Himanshu Gurjar	Inter University Tournament (West Zone)	National
15	2018	Komal Sharma	Inter University Tournament (West Zone)	National
16	2018	Gaurav Bhatt	Inter Collegiate Tournament	National
17	2018	Mohit Kumar Dalal	Essay Competition	National
18	2018	Mohit Kumar Dalal	Debate Competition (Udaipur Insurance Institute)	National
19	2018	Mohit Kumar Dalal	Uniquest 2018 (Management Games)	National
20	2018	Mohit Kumar Dalal	Uniquest 2018 (Debate)	National
21	2018	Mohit Kumar Dalal	Green Parrot Award (Dainik Bhaskar)	National
22	2018	Mohit Kumar Dalal	Satyam 2018	National
23	2017	Archi Saraswat	Hindi debate (NSS)	National
24	2017	Rashmi Suthar	Poster making (NSS)	National
25	2017	Wahida Raj	Poster making (NSS)	National

S.No.	Year of award	Name of Student receiving awards/Prize from state level, national level, international level	Name of the award/ prize/ fellowship received from Government / Recognized Bodies	Level
26	2016	Yogesh Hinger	West Zone Universities Chess Championship in Year 2014-15, 2015-16.	National
27	2006	Vikrant Chawat	• Yonex Sunrise India Open(World Super Series), New Delhi • Syed Modi International Badminton Championships, Lucknow • India Grand Prix Gold • Syed Modi International	International

Important Posts held by Alumni

S.No.	Name	Designation	Organisation Name
1	Dr. Gopal Sharma	Assistant professor	Gautam Buddha P.G College Lucknow University
2	Hanumant Singh	Senior Manager	Rajasthan State Mines & Minerals Ltd
3	Dr. Shaheema Hameed	Assistant Professor	Banasthali Vidyapeeth
4	Charu Singhvi	Head HR	Obbserv Online Services Pvt Ltd
5	Amarjot Kaur	Analytics Consultant	Center of Business Analytics, University of Washington Tacoma
6	Kshama Sharma	Assistant Professor	Auro University
7	Dr. Paras Kothari	Professor	Madhav University
8	Ingita Jain	Asst Prof cum Placement Officer	Gujarat University
9	Dr. Kapil Shrimal	Assistant Professor	Symbiosis University of Applied Sciences Indore
10	Dr. Pankaj K. Agarwal	Professor of Finance and Dean (Research)	IMS Ghaziabad
11	Tarun Prakash Bhardwaj	Founder and Partner	The United Trading Company
12	Neeti Mathur	Assistant Professor	NIIT University, Neemrana, Alwar, Rajasthan
13	Sunil Khurana	Station Master	Indian Railways
14	Sandeep Sharma	Managing director	Ocean Event Management Private Limited
15	Manoj K Tolani	Regional Manager	Ambuja Cements Limited
16	Dr. Bharti Gehlot	Principal	Pragati College, Dungarpur
17	Mr.Deepak Choudhary	Mentor (team leader)	Amazon, North America
18	Aashish Bandi	Self Employed	DigiHakk
19	Mr.Chandan Verma	Chief Manager	Union Bank of India
20	Amit Kumar Verma	Senior manager	Yes Bank Ltd.

S.No.	Name	Designation	Organisation Name
21	Mohit	Manager	Bank of Baroda
22	Siddharth Bajpai	Principal Consultant & Owner	Mindsynergies
23	Ashish Sharma	Associate Consultant	Tata Consultancy Services
24	Chaitali Bhatnagar	Manager - NGO Relationship & Operations	Danamojo
25	Ravi Banga	Managing Director	Florence International School
26	Dr. Jyoti Jain	Assistant professor	Jecrc
27	Dwarika Uniyal	Dean	FLAME University
28	Ashish kachhara	Regional Head - Monitoring unit	Indusind bank
29	Dr. Kamal Singh Rathore	Associate Professor	BNCP, Udaipur
30	Manmohan Rahul	Professor	Sharda University
31	Sudhir Kumar	Manager	State Bank of India
32	Meenal Mehta	Head of Projects	Am Research Services
33	Priyabimb Barthwal	Commercial Lead - Ormco South East Asia, and Country Manager - Envista Dental Platform Malaysia & Philippines	Envista Holding Corporation
34	Anjan Datta	Jt. General Manager	Larsen & Toubro Ltd
35	Mukesh Kumar	Regional Auditor	SBI Life Insurance
36	Prashant Garg	Reservation Executive	Marriott
37	Deepak Jhirwal	Manager	IDBIbank Ltd.
38	Dr. Pallavi Kudal	Assistant Professor	Christ University
39	Jeta Ram Dewasi	Chief Administrative Officer	DAE, Government of India
40	Anuj Nath Galgotia	CEO, Corporate Galaxy Human Capital	Corporate Galaxy Human Capital
41	Surbhi Porwal	Accounts Head	Akme Fincon Ltd.
42	Shrawan Kumar Saini	Chief Manager	Indian Bank
43	Shivam Shukla	Assistant Officer	Alok IndustriesLtd.
44	Piyush Jani	Professor	MPUAT
45	Manoj kumar Sharma	Director	Fabyan textile OPCPrivate Limited
46	Ajitesh Rai	Banker	ICICI bank
47	Varun Baya	Assistant Manager	Venus Minerals and chemicals
48	Manoj Sukhwani	Chief Manager	ICICI Bank Ltd
49	Atish jain	Manager-LFS business	Raymond Apparel Ltd
50	Sajid Ali	Process Head, Commercial vehicle and Construction Equipment	ICICI Bank
51	Digvijay Singh Bika	Branch head	Bank of Baroda

S.No.	Name	Designation	Organisation Name
52	Poonam Mehta	Director	MAXPRO Training Solutions
53	Dharmendra Dang	Area Manager- Delhi NCR	PIAM
54	Hemant Bag	General Manager (Administration)	Navneet Motors
55	Rahul Mehta	BUSINESS	Manyavar
56	Kritika Singhvi	Senior Officer	Wonder Cement
57	Dhirender Rathore	Senior Manager	IDFC AMC
58	Deepak Jhirwal	Manager	IDBI bank ltd
59	Shaifali Parakh	Quality assurance manager	Vodafone idea ltd
60	Jaivardhan Singh	Sole Proprietor	Udaipur Careers
61	Sanjay Ratra	Managing Partner	White Board Financial Advisors
62	Arvind Sharma	Country Manager-india	Optimas OE solutions India private limited
63	Ritika Jain	Assistant Manager	The Udaipur Mahila Urban Co-op Bank
64	Siddharth Pandey	Founder	Goodybagz
65	Deepti Sharma	Director	FINNCARE
66	Arvind Sharma	Country manager	Optimas OE solutions India Private Limited
67	Anshu Kothari	Director	TIME Udaipur
68	Bhawna Debana	Director	Fabyan Textile Opc Private ltd
69	Rajeev Masih	AGM-HR,	Patrika Group
70	Mr. Fauja Singh	Owner	Friends Engineering Solutions

Other Important Achievements

- A well-established journal, "PRBANDH", has been published by the department from the past 35 years.
- National level advertising competition "KRITI" conducted by department from 1990.
- TULIKA - A souvenir for MANFEST 2020 was released in the year 2020.

Department of Tourism and Hotel Management

Prof. Anil Kothari
Course Director

Establishment and Evolution

The Tourism and Hotel Management Programme was initiated by the Faculty of Management Studies, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, in the year 1988. It was started with a one year Post Graduate Diploma in Tourism and Hotel Management. MTM (Master in Tourism Management) was introduced in 2003.

In the year 2011,a four year degree course, Bachelor of Hotel Management was also introduced. In 2017-18, BTTM(Bachelor of Tourism and Travel Management)was transferred from the College of Commerce & Management Studies to the Tourism and Hotel Management Programme. In 2020-2021, the programme became **Department of Tourism and Hotel Management** under the guidance of **Prof. Anil Kothari**, who is currently the Course Director of the Department.

Courses and Resources

Courses

Currently, it offers courses like B.B.A. (Hotel Management), B.B.A. (Travel and Tourism Management), B.H.M. (Bachelor of Hotel Management) and M.T.T.M (Master in Tourism and Travel Management).

Available Resources

The Department is well equipped with modern classrooms, library, training restaurant, fully equipped kitchen, practicing laboratory and cafeteria.

Faculty

Prof. Anil Kothari - Course Director

Achievements

Research Projects

- In 2003, a major Research Project was approved by the University Grants Commission.
- In 2005-06, a Research Project on Rural Tourism in collaboration with Government of Rajasthan and the Ministry of Tourism, GoI, was taken up in Haldighati, Rajsamand, Rajasthan, for the development of tourism in rural areas.

Other Achievements

From 2003 to 2007, various Training Programmes were organized for Tour Guides.

Achievements of Alumni

Students of the Department have attained jobs in Private and Government sector alike. The placements include the following- RTDC, JCO, SCO,Catering Officer, Place on Wheels, Circuit House, Food Inspector, IRCTC & Star Hotels, Restaurant, Malls, cruise, MNC, Airline, Group Sales Manager, Public Relations Manager, Reservation Agent, Convention Center Manager, Fast Food Center, Recreation Facility Manager, Event Manager, Tourist Officer and many have been self-employed as well.

The Alumni of DTHM are working in five star hotels like- Taj Hotels, The Oberoi, Trident Udaipur, Leela Group of Hotels, Fairmont Jaipur, Hilton Jaipur, Shangrila, Bengaluru etc.

छः दशक : राष्ट्रीय परिदृश्य

पहला दशक (1962-1972) : चीन एवं पाकिस्तान से युद्ध, प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (1968), खाद्यान्न संकट, बढ़ती जनसंख्या, अकाल एवं सूखा, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, इसरो की स्थापना, गरीबी हटाओ–नारा।

दूसरा दशक (1972-1982) : चिपको आन्दोलन, जे. पी. आन्दोलन, राष्ट्रीय आपातकाल, नसबंदी, चेचक मुक्त भारत, 42वाँ तथा 44वाँ संविधान संशोधन, प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार, 20 सूत्री कार्यक्रम, प्रथम परमाणु परीक्षण, समन्वित बाल विकास सेवाएँ, राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, उपग्रह (आर्यभट्ट) कार्यक्रम, हॉकी में स्वर्ण पदक (मास्को ओलम्पिक)।

तीसरा दशक (1982-1992) : जनसामान्य हेतु दूरदर्शन, तेजी से कम्प्यूटरीकरण शुरु, एशियाई खेल, क्रिकेट विश्व कप, भोपाल गैस त्रासदी, दूरसंचार सेवा क्रांति, अंतरिक्ष में भारतीय, रेलवे टिकिट कम्प्यूटर आरक्षण प्रणाली, मिसाइल विकास कार्यक्रम, दूसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (1986), मतदान की आयु 18 वर्ष करना, सुपर कम्प्यूटर निर्माण, लाइसेंस–कोटा–परमिट राज में ढ़ील, आर्थिक सुधार : उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण (LPG Era), अल्पसंख्यक कल्याण हेतु 15 सूत्री कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा : खुले–विश्वविद्यालय, मंडल आयोग तथा आरक्षण आंदोलन, अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण।

चौथा दशक (1992-2002) : प्राइवेट न्यूज चैनल्स, गठबंधन एवं अस्थिर सरकारों का दौर, स्थानीय स्वशासन को संवैधानिक स्तर एवं महिला आरक्षण, सामाजिक सुरक्षा के कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान, नैक, इन्टरनेट सेवाओं का प्रसार, पेसा कानून, जवाबदेय एवं पारदर्शी शासन के प्रयास : नागरिक अधिकार पत्र, पोखरण–II, कारगिल संघर्ष, स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग परियोजना, पल्स पोलियो अभियान, विनिवेश प्रक्रिया, ए. टी. एम. कार्ड, मिड–डे मील कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, मेट्रो ट्रेन, निःशक्त जन कल्याण।

पाँचवाँ दशक (2002-2012) : ई. गवर्नेंस पर राष्ट्रीय कार्ययोजना, नरेगा, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005, मोबाइल फोन क्रांति, चन्द्रयान–I, ओलम्पिक में प्रथम एकल स्वर्ण (अभिनव बिन्द्रा, 2008), विद्युत विकास एवं परमाणु समझौता, अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा अधिनियम, 2009, लोकपाल हेतु जनान्दोलन, आधार कार्ड शुरु, ई. वी. एम. से मतदान, ऑनलाईन प्रक्रियाएँ, तेजी से बढ़ती निजी शैक्षिक संस्थाएँ, वनाधिकार कानून, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रमंडल खेल, क्रिकेट विश्व कप, सोशल मीडिया, योगा, उच्च शिक्षा के नए सरकारी संस्थान।

छठा दशक (2012-2021) : पूर्ण बहुमत की सरकार, डिजिटल इण्डिया, स्वच्छ भारत, मंगलयान, पोलियो मुक्त भारत, जन–धन–योजना, स्किल इण्डिया, मेक इन इण्डिया, स्टार्ट–अप इण्डिया, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA), पंचवर्षीय योजनाएँ समाप्त, एन. आई. आर. एफ. रैंकिंग, नोटबंदी, वस्तु एवं सेवा कर, बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ योजना, मोबाईल गवर्नेंस, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को आरक्षण, आयुष्मान भारत, वैश्विक महामारी कोविड–19 का प्रकोप, ऑनलाईन शिक्षण, मूल्यांकन एवं प्रसार, वेबिनार्स, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020।

विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय – कार्मिक

विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय – कार्मिक

विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय – कार्मिक

विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय – कार्मिक

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय – कार्मिक
(शैक्षणिक वर्ग)

Left to Right (First Row Seating) : Dr. Anjali Singh, Dr. Anita Mehta, Dr. Rohini Trivedi, Dr. Harshada Joshi, Dr. Jyoti Chaudhary, Prof. L.S. Chouhan, Prof. M.S. Dhaka, Prof. K.B. Joshi, Dr. S.K. Gandhi (ADSW), Prof. G.S. Rathore (Associate Dean), Prof. Kanika Sharma (Dean), Prof. Amarika Singh (Hon'ble Vice-Chancellor), Prof. B.L. Ahuja, Prof. Sudhish Kumar, Prof. M.K. Jain, Prof. Atul Tyagi, Prof. C.P. Jain, Dr. G.S. Deora, Dr. Ritesh Purohit, Prof. N. Lakshmi, Prof. Aarti Prasad

Left to Right (Second Row Standing) : Ms. Kiran Meena, Dr. Rama Kanwar, Dr. Poonam Khandelwal, Dr. Anuya Verma, Dr. Auparajita Krishna, Dr. Chetna Ameta, Dr. Jaya Arora, Dr. Neetu Kumari, Dr. Tripta Jain, Dr. Maya Choudhary, Dr. Namita Ashish Singh, Dr. Juhi Pradhan, Dr. Shikha Agarwal, Dr. Girima Nagda, Dr. Himanshu Sharma, Dr. Kirti Kharudia, Ms.Deepti Shrimal, Dr. Gunjan Arora, Dr. Garima Joshi, Dr. Sunita Panchawat, Dr. Gangotri Pemawat

Left to Right (Third Row Standing) : Dr. Sourabh Kumar Sinha, Dr. Asha Ram Meena, Dr. Ajit Kumar Bhabhor, Dr. Dinesh Kumar Yadav (Proctor), Dr. Niranjan Mohanti, Dr. Ankush Shrivastava, Dr. Devendra Singh Rathore, Dr. Tarun Kumar, Dr. Prabhat Kumar Baroliya, Dr. Mukesh Kumar Meena (Pharm), Dr. Nitish Rai, Dr. Devendra Kumar, Dr. Kuldeep Sharma, Dr. Subhash Chandra Janagal, Dr. Mahesh Puri Goswami, Dr. Mangi Lal Chouhan, Dr. Dinesh Pandey, Dr. Deepak Rawal

Left to Right (Fourth Row Standing) : Mr. Vipin Khoker, Dr. Nitin Kumar, Dr. Avinash Marwal, Mr. Bharat Kumar Yadav, Mr. Mohit Gokhroo, Dr. Vivek Jain, Dr. Dhrendra Chajed, Dr. Akhil Kumar Dwivedi, Dr. Devendra Singh, Dr. Mukesh Meena (Bot), Dr. Amit Kumar Gupta, Dr. Harish, Dr. Siddharth Sharma, Dr. Lokesh Agarwal, Dr. Pradeep Kumar Vishwakarma

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय – कार्मिक
(अशैक्षणिक वर्ग)

Left to right (first row seating) : Shashi kala, Sunita Hinger, Sadhana Mehta, Pinky Chittora, Aarti Solanki, Saroj Sharma, Pratibha Choubisa, Ila Shrivastava, Renu Chandaliya, Prof. Kanika Sharma (Dean), Prof. Amarika Singh (Hon'ble Vice-Chancellor) , Prof. G.S. Rathore (Associate Dean), Suresh Kumar Nagda (Sr. A.O.) , Jeetmal Jat, Sanjay Bhatnagar, Pushkar Choudhary, Ankur Bhatnager, Praveen Kumar Dixit, Bharat Singh Chouhan, Shabbir Hussain, Gayatri Sharan Upadhyay

Left to Right (second row standing) : Sarju Nagda, Shanta Bheel, Vadankanwar, Chinmay Soni, Komal Gahlot, Durga Nagda, Divyani Sen, Pooja Verma, Hemkanwar Ranawat, Shipra Soni, Praveen Singh Sarangdevot, Rajesh Sharma, Man Singh Bhati, Rajeev Kumar Sharma, Khyali Lal Nagda, Pushkar Lal Gurjar, Harjeet Singh Bhambra, Mahendra Singh, Surya Prakash Sharma, Bhatat Suthar, Onkar Lal Teli, Hari Shankar Paliwal, Lokesh Kumawat, Bheru Singh Shaktwat, Ghanshyam Sen.

Left to Right (Third row standing) : Asha Bai, Pinki Bai, Nirmala Salvi, Vijay Gayari, Hemant Velot, Pushpendra Meena, Mohan Mali, Piyush Joshi, Devendra Kumar Salvi, Mukesh Nagda, Naveen Pandya, Mukesh Meghwal, Vivek Tak, Iftkar Ahemad, Harshwardhan, Vivek Jaiman, Kishore Sharma, Chagan Lal Rao, Swadhin Mathur, Chetan Khichi, Mohan Lal Meena, Mukesh, Rajesh Menaria

Left to Right (Fourth row standing): Anita Bai, Urmila Bai, Udai Lal, Dude Lal, Dude Lal Dangi, Dinesh Salvi, Madan Singh Rawat, Pushkar Lal Dangi, Chain Ram Dangi, Kalu Lal Bhoi, Manoj Rathore, Nana Lal Meena, Monahar Lal Salvi, Kishan Lal Dangi, Satya Prakash, Lokesh Sharma, Jeeven Nagda, Dhiraj Salvi, Sohan Singh, Ganpatlal Vijayvargia, Ram Lal Menaria, Sandeep Saini, Ashok Sharma, Om Prakash Upadhyay, Devi Lal Gameti, Mahesh

Left to Right (Fifth row standing): Chagan Lal, Dalla Gameti, Pyare Lal, Hemant Vaishnav, Mahaveer Joshi, Nahar Singh Mojawat, Keshu Lal Dangi, Nrendra Singh, Shankar Giri Goswami, Varda Ram Dangi, Kamal Singh, Deep Lal Menaria, Purna Shankar Paliwal, Vishal Chaparwal, Bheru Singh, Goverdhan Singh, Sohan Lal Meena, Mukesh Kumar Mehta, Khuman Singh, Mohan Lal Dangi, Bhanwar Ram, Ram Lal Rawat, Prakash Singh Rajput, J.N.Paliwal, Hemant Sharma

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय – कार्मिक
(शिक्षक वर्ग)

Left to Right (First Row Seating) Prof. Hadees Ansari, Prof. Sudha Choudhary, Prof. Seema Jalan, Prof. Neeraj Sharma, Dr. Kunjan Acharya, Prof. Madan Singh Rathore, Prof. Surendra Kumar Kataria, Prof. Jinendra Kumar Jain (Associate Dean), Prof. Amarika Singh (Hon'ble Vice-Chancellor), Prof. Seema Malik (Dean), Dr. Neha Paliwal (ADSW), Dr. Prabhat Singh Rajput (Proctor), Prof. Hemant Dwivedi, Prof. C. R. Suthar, Prof. Digvijay Bhatnagar, Prof. Pratibha, Prof. Anjana Paliwal

Left to Right (Second Row Standing) Dr. Dharma Veer Vashishtha, Dr. Sumat Kumar Jain, Dr. Pamil Modi, Dr. Raj Kumar Vyas, Dr. Jyoti Babu Jain, Dr. Gattu Lal Patidar, Dr. Sumitra Sharma, Dr. Deepa Soni, Dr. Sangeeta Athwal, Dr. Neeta Trivedi, Dr. Minakshi Jain, Dr. Neetu Parihar, Dr. Naveen Kumar Nandwana, Dr. Ashish Sisodia, Dr. Khushpal Garg, Dr. Giriraj Singh Chouhan, Dr. Shahid Parvej, Dr. Suresh Salvi, Dr. Tarun Kumar Sharma, Dr. Peeyush Bhadviya

Left to Right (Third Row Standing) Dr. Bhanupriya Rohila, Dr. Rashmi Singh, Dr. Varsha Sharma, Dr. Garima Mishra, Dr. Sabiha Khan, Dr. Deepika Mali, Dr. Vijaya Dixit, Dr. Kailash Chand Gurjar, Mr. Mahendra Singh Purohit, Dr. Manish Shrimali, Dr. Devendra Singh Chouhan, Dr. Rajkumari Ahir, Dr. Dolly Mogra, Mr. Murli Dhar Paliwal, Dr. Vijay Singh Meena, Mr. Raja Ram Bhat, Dr. Raju Singh

Left to Right (Fourth Row Standing) Ms. Anita Joya, Ms. Urmi Sharma, Mrs. Kopal Vats, Ms. Vinita Rajpurohit, Dr. Hema Kumari Mehar, Dr. Anjali Singh, Mrs. Snehlata Tailor, Dr. Balu Dan Barahth, Mr. Mukesh Kumar Meena, Dr. Hemraj Choudhary, Mr. Saurabh Meena, Dr. Bhanwar Vishvendra Raj Singh, Dr. Satish Chand

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय – कार्मिक (अशैक्षणिक वर्ग)

Left to Right (First Row Seating) Mr. Dinesh Chandra Joshi, Mr. Kuldeep Kumar, Mr. Nitesh Kumar Meena, Mr. Ramesh Lal Bagdi, Mr. Bhanwar Singh Chouhan, Mr. Harish Kumar Pandey (S.A.O.), Prof. Jinendra Kumar Jain (Associate Dean),

Prof Amarika Singh (Hon'ble Vice-Chancellor), Prof. Seema Malik (Dean), Dr. Neha Paliwal (ADSW), Dr. Prabhat Singh Rajput (Proctor), Dr. Kunjan Acharya, Mr. Gopal Gothawal, Mr. Subash C. Nagala, Mr. Ramesh Kumawat, Mr. Jitendra Suhalka

Left to Right (Second Row Standing) Mr. Shakti Singh Yaduvanshia, Mr. Manish Bansal, Mrs. Chandrakala, Mrs. Madhu Bala Singhvi, Mrs. Sadhna Babel, Mrs. Hemlata Sukhwal, Ms. Bhawana Ameta, Mrs. Sumitra Shamra, Mrs. Akta Sharma, Mrs. Sujata Vijayan, Mrs. Meenaxi Asawara, Mrs. Koumudi Vaishnav, Mr. Narayan Lal Salvi, Mr. Bheru Singh Kitawat,

Mr. Nilesh Meghwal, Mr. Ashok Kumar Dangi, Mr. Panna Lal Haijan, Mr. Kamlesh Joshi, Mr. Hem Shankar Paliwal

Left to Right (Third Row Standing) Mrs. Nutan Paliwal, Mrs. Nidhi Chhajed, Mrs. Maya Sen, Mrs. Bhagwati Gameti,

Mr. Gopal Dev Dangi, Mr. Prakash Bheel, Mr. Narayan Lal Vyas, Mr. Laxman Sigh Rathore, Mr. Prakash Chand Gameti,

Mr. Gopal Meghwal, Shailendra Singh, Mr. Raju Harijan, Mr. Prakash Dangi, Mr. Sunder Lal Meghwal, Mr. Prakash Chand Bhil, Mr. Bhim Singh Chouhan, Mr. Lokesh Chandra Nagda, Mr. Gajendra Kumawat, Mr. Rama Gameti

Left to Right (Fourth Row Standing) Mr. Roop Lal Gameti, Mr. Champa Lal Gameti, Mrs. Kavita Khokar, Mr. Prakash Salvi, Mr. Heera Lal

शिक्षा संकाय – कार्मिक

प्रबंध अध्ययन संकाय – कार्मिक

विश्वविद्यालय भू–संपदा कार्यालय – कार्मिक

विभिन्न छात्रावासों के कार्मिक

Proctorial Board

तब और अब (.... एक जमाना बीत गया)

क्र.सं.	सूचकांक	तब (1964–65)	अब (2019–20)	टिप्पणी
1	कुल विद्यार्थी	1472	13394	नौ गुणा वृद्धि
2	छात्राएँ	44	5472	124 गुणा वृद्धि
3	शिक्षक	108	185	71 प्रतिशत वृद्धि
4	शिक्षक–विद्यार्थी अनुपात	1:15.2	1:72.4	शिक्षक : विद्यार्थी अनुपात साढ़े चार गुणा वृद्धि
5	कुल स्टाफ	264 (189 SBSH + 75 प्रशासनिक कार्यालय)	484 (185 शिक्षक + 299 अन्य)	83 प्रतिशत वृद्धि
6	अजा/अजजा कार्मिक	22	98	साढ़े चार गुणा वृद्धि किन्तु पहले यह कुल कार्मिकों का 8.3 प्रतिशत था जो अब 20.2 प्रतिशत है।
7	महिला शिक्षक	03	73	पहले 2.77 प्रतिशत थी कुल शिक्षकों में, अब 39.45 प्रतिशत हैं।
8	कुल महिला कार्मिक	06	114	2.72 प्रतिशत महिला कार्मिक थी जो अब 23.55 प्रतिशत हैं।
9	संघटक महाविद्यालय	04	04	कृषि एवं पशुपालन संकाय पृथक हो चुके हैं।
10	सम्बद्ध महाविद्यालय	05	189	38 गुणा वृद्धि
11	अकादमिक विभाग (विषय)	18	34	लगभग दो गुणा वृद्धि
12	कुल पाठ्यक्रम	27	106	लगभग 400 प्रकार के प्रश्नपत्र छपवाने पड़ते थे जो अब लगभग 3000 प्रकार के हैं।
13	परीक्षा ड्यूटी मानदेय	रु. 04	रु. 150	साढ़े 37 गुणा वृद्धि
14	जे. आर. एफ. राशि	रु. 250	रु. 31000	124 गुणा वृद्धि
	वेतन			
15	कुलपति	रु. 2000	रु. 2,10,000	105 गुणा वृद्धि
16	आचार्य	रु. 1000	रु. 1,44,200	144 गुणा वृद्धि
17	सहायक आचार्य	रु. 460	रु. 57,700	125 गुणा वृद्धि
18	लिपिक	रु. 90	रु. 20,800	231 गुणा वृद्धि
19	सहायक कर्मचारी	रु. 45	रु. 17,700	393 गुणा वृद्धि

नोट: उक्त वर्णित आकड़े केवल पूर्ववर्ती SBSH (Education Wing) तथा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय से सम्बन्धित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. B.D. Agarwal, **Rajasthan District Gazetteers**, Udaipur, Directorate of District Gazetteers, Govt. of Rajasthan, Jaipur, 1979
2. Devnath Purohit, **Mewar History : Guide to Udaipur**, The Times of India Press, Bombay,1938
3. D. P. Sharma & N.S. Chundawat (Ed.), **Maharana Bhupal Singh Mewar: Birth Centenary Commemorative 1884-1984**, Pratap Shodh Pratishthan, Vidya Pracharini Sabha, Udaipur, 1984
4. **Golden Jubilee Commemorative Volume** (1962-2012), Mohanlal Sukhadia University, 2013.
5. **Information Bulletin**, Udaipur University (1976-77).
6. **Information Bulletin**, School of Basic Sciences & Humanities, 1983-84.
7. K.M. Munshi, **Pilgrimage to Freedom (1902-1950)**, Bhartiya Vidhya Bhavan, Bombay, 1967
8. R.M.Lodha, G.Soral, S. D. Purohit, **Compendium Academia**, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, 2000
9. R. Shore, **Medico-Topographical Account of Mewar**, Superintendent Govt. Printing, Calcutta, 1909
10. **Re-Accreditation Report**, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, 2013
11. Sir Sukhdeo Thakur Jasnagar, **Mewar Under Maharana Bhupal Singh ji**, The Leader Press, Allahabad, 1938
12. www.mlsu.ac.in
13. **उन्मेष**, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 2007–08
14. कमलेश माथुर, **मेवाड़ में शिक्षा का विकास (1818–1949)** पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर, 1989
15. **गजेटियर मेवाड़**, उदयपुर, 1901
16. प्रवीण चन्द्र छाबड़ा, **राजशाही की विदाई, नए युग में प्रवेश**, राजस्थान पत्रिका, जयपुर, दिनांक 30 मार्च, 2017
17. **मोहनलाल सुखाड़िया कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम**, 1984
18. **मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अधिनियम**, 1987
19. **राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम**, 1962
20. लक्ष्मी अग्रवाल, **महाराणा फतहसिंह जी और उनका काल (1884–1930 ई.)**, हिमांशु पब्लिकेशंस, उदयपुर, 1993
21. **वार्षिक विवरण/प्रतिवेदन**, (लगभग 35) विशेषतः 1962–63 (प्रथम), 1963–64, 1964–65, 1965–66, 1975–76, 1983–84, 1985–86, 1995–96, 2005–06, 2015–16, 2019–20, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर/उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर/ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
22. सुरेन्द्र कटारिया, **भारत में राज्य प्रशासन**, मलिक एण्ड कं., जयपुर, 2014
23. श्यामलदास, **वीर विनोद : मेवाड़ का इतिहास (महाराणाओं का आदि से लेकर सन् 1844 तक)**, महाराणा मेवाड़ हिस्टोरिकल पब्लिकेशन ट्रस्ट, उदयपुर
24. **हकीकत बहिड़ा : महाराणा श्री भूपाल सिंह (1930–1955) भाग–4**, महाराणा मेवाड़ हिस्टोरिकल पब्लिकेशंस ट्रस्ट, उदयपुर

Annexure - I

विश्वविद्यालय का प्रथम विधान

[First published in Rajasthan Gazette, Extraordinary Part IV-A, dated June 12, 1962]

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION Jaipur, June 11, 1962.

No. F. 7 (49-L/A/61-The following Act of the Rajasthan State Legislature received the assent of the Governor on the 6th day of June, 1962, and is published for general information:-

THE RAJASTHAN AGRICULTURAL UNIVERSITY ACT, 1962.

(Act No. 18 of 1962)

[Received the assent of the Governor on the 6th day of June, 1962.]

An

Act

To establish and incorporate an Agricultural University in the State of Rajasthan for the development of Agriculture.

Be it enacted by the Rajasthan State Legislature in the Thirteenth Year of the Republic of India as follows:-

1. Short title, extent and commencement- (1) This Act may be called the Rajasthan Agricultural University Act, 1962.

(2) It extends to the whole of the State of Rajasthan.

(3) It shall come into force at once.

2. *Definitions*- In this Act, unless the subject or context requires otherwise.

(a) "Academic Council" means the Academic Council of the University;

(b) "agriculture" means the basic and applied science of soil and water management, crop and livestock production and management, home science and betterment of the people;

(c) "Board" means the Board of Control of the University,

(d) "College" means a college of the University and, where a college has more campuses than one, includes each of such campuses;

(e) "Faculty" means a Faculty of the University;

(f) "Prescribed" means prescribed by the Statutes of the University;

(g) "Registered graduate" means a graduate registered under the provisions of this Act;

Annexure - II

महाराणा भूपाल कॉलेज की उदयपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

Appendix 'B'

GOVERNMENT OF RAJASTHAN

Agriculture Department—Cell III

No.F.6(7)Agr/III/64. Dated Jaipur, the 22nd June, 64.

ORDER

In exercise of the powers conferred by sub-section (4) (1) of section 3 of the Udaipur University Act, 1062 (Act No. 18 of 1962), the State Government hereby orders that the following Colleges will be dis-affiliated from the Rajasthan University, Jaipur with effect from the 1st July, 1964 and shall with effect from the same date stand associated with the University of Udaipur :—

1. M.B. College, Udaipur.
2. Meera Girls College, Udaipur.
3. Bhopal Nobles, College, Udaipur.
4. Govindram Seksaria Vidya Bhavan Teachers, Training College, Udaipur.
5. Sharamajivi College, Udaipur.
6. Udaipur School of Social Work, Udaipur.
7. Rajasthan Mahila Vidyalaya, Udaipur.

This order issues with the concurrence of the Education Department.

By Order

Sd/—

(R. D. Mathur)

Secretary Agriculture (Production)

Government of Rajasthan.

No.F.6(7) Agr/III/64. Dated, Jaipur the 22nd June, 64.

Copy to the :—

1. Vice-Chancellor, University of Udaipur, Udaipur. The University will kindly amend their Statutes

Annexure - III

उदयपुर विश्वविद्यालय का नाम मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय किये जाने सम्बन्धित विधान

Lab Department

NOTIFICATION

Jaipur, October 15, 1983.

No. F. 4 (13)Vidhi/83:-the following Ordinance promulgated by the by the governor the 15th day of October, 1983 is hereby published for general information:—

THE MOHAN LAL SUKHADIA UNIVERSITY (SECOND AMENDMENT) ORDINANCE, 1983

(Ordinance No.8 of 1983)

(Promulgated by the Governor and the 15th day of October 1983)

An

Ordinance

Further to amend the Mohan Lal Sukhadia University Act, 1962.

Whereas the RajasthanLegislative Assemble is not in session and the Governor is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (1) of Article 213 of the constitution the Governor of the state in Rajasthan is pleased to promulgate the following ordinance:-

1. ***Short title and commencement:- (1)*** This Ordinance may be cited as the Mohan Lal Sukhadia University (Second Amendment) Ordnance, 1983,

   (2) It shall come into forceimmediately after the withdrawal by the Governor, of the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment) Ordinance, 1983 (Ordinance No. 6 of 1983).

2. ***Change of name of the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University:*** -(i) the name of the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University incorporated under the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University Act, 1962 (Rajasthan Act 18 of 1962) shall as from the commencement of this Ordinance be Mohan Lal Sukhadia University,

(2) Any reference to the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University in any law for the time being in force or in any indenture, instrument or other documents shall be read and construed as a reference to that University under its name as altered by this ordinance.

(3) Nothing in thisOrdinance shall affect the continuity of the corporate status of the said University.

3. ***Citation of the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University Act, 1962***:- The Mohan Lal Sukhadia Agriculture University Act, 1962 shall henceforth be cited as the Mohan Lal Sukhadia University Act, 1962.
4. ***Amendment of Section 1 Rajasthan Act 18 of 1962 :-*** In sub-section (1) of section 1 of the Mohan Lal Sukhadia University Act, 1962 as amended by the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment) Ordinance, 1983 (Ordinance No. 6 of 1983) for the expression "Mohan Lal Sukhadia Agriculture University Act " the Expression" Mohan Lal Sukhadia University Act Shall be substituted
5. ***Amendment of Section 2, Rajasthan Act 18 of 1962.***-In section 2 of the Mohan Lal Sukhadia University Act 1962 (Rajasthan Act 18 of 1962), as it stood immediately before the commencement of the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment).

Ordinance 1983 (ordinance No.6 of 1983) hereinafter referred to as the principal Act.

(a) for clause . (a) the following clause shall be substituted namely:

"(a)" Academic Council" means either of the two Academic Councils of the University Constituted Under section 21;"

(b) for clause (b) the following clause shall substituted namely:-

"(b)" agriculture includes the basic and applied agriculture science agricultural technology and engineering land development soil and water management home science veterinary science animal science crop and livestock production and management and dairy science;";

(c) for clause (c) the following clause shall be substituted namely :-

"(c)" Board means the Board of Management of the University constituted under section 19;"; and

(d) for clause (d) thefollowing clause shall be substituted namely: -

"(d)" College" means a college falling under either of the two wings of the University and enumerated in or under section 25 and where such college has more campuses than one, it-includes each of such campuses;".

6. ***Amendment of section 3, Rajasthan Act 18 of 1962:*** - In-section 3 of the principal Act-

(a) for the existing marginal heading the following marginal heading shall be substituted namely: -

" The University its Wings and Jurisdiction. - "

(b) for clause (d) the following clause shall be substituted namely:-

"(1) The Chancellor the Vice-Chancellor and the members constituting theBoard of Management of the Mohan Lal Sukhadia Agriculture University in accordance with

Annexure - IV

महाराणा भूपाल कॉलेज से चार महाविद्यालयों का सृजन

राजस्थान राज-पत्र विशेषांक	Regd. No. RJ. 2539. RAJASTHAN GAZETTE *Extraordinary*
साधिकार प्रकाशित	*Published by Authority*

ज्येष्ठ 21, सोमवार, शाके 1906—जून 11, 1984

Jyaistha 21, Monday, Saka 1906—June 11, 1984

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (II)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये कानूनी आदेश तथा अधिसूचनाएं ।

शिक्षा (ग्रुप-3) विभाग

अधिसूचना

जयपुर, जून 11, 1984

एस. ओ. 50:—मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 (1962 का राजस्थान अधिनियम 18) की धारा 25 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से परामर्श करके राज्य सरकार इसके द्वारा उक्त विश्वविद्यालय की स्कूल आफ बेसिक साइन्सेज एण्ड ह्यूमेनिटीज की निम्नलिखित संकायों और निम्नलिखित महाविद्यालयों को, जिनके नाम प्रत्येक के सामने अंकित हैं, शिक्षा एवं महाविद्यालयों के रूप में प्रगणित करती है :—

संकायों/महाविद्यालयों के नाम	महाविद्यालयों के नाम
1. विज्ञान	विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर ।
2. वाणिज्य	वाणिज्य और प्रबन्ध अध्ययन महाविद्यालय, उदयपुर ।
3. कला	सामाजिक अध्ययन और मानविकी महाविद्यालय, उदयपुर ।
4. पत्राचार अध्ययन महाविद्यालय उदयपुर	पत्राचार अध्ययन महाविद्यालय, उदयपुर ।

(संख्या एफ. 15(7) शिक्षा/3/84)

राज्यपाल के आदेश से,
पी. बी. माथुर,
शासन सचिव,
शिक्षा ।

EDUCATION (Gr. III) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Jaipur, June 11, 1984

S. O. 50.—In exercise of the powers conferred by the proviso

to sub-section (1) of section 25 of the Mohan Lal Sukhadia University Act, 1962 (Rajasthan Act 18 of 1962) and in consultation with the Mohan Lal Sukhadia University, the State Government hereby enumerates the following faculties of the School of Basic Science and Humanities and the following College as the Education Wing Colleges of the said University with their names noted against each:—

Name of Faculties/College	Name of Colleges
1. Science	College of Science, Udaipur.
2. Commerce	College of Commerce and Management Studies, Udaipur.
3. Arts	College of Social Studies and Humanities, Udaipur.
4. College of Correspondence Studies, Udaipur.	College of Correspondence Studies, Udaipur.

[No. F. 15 (7) Edu. Gr. III/84.]

By Order of the Governor.

पी. बी. माथुर,

Secretary to the Government.

Government Central Press, Jaipur.

Annexure - V

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का विभाजन

सत्यमेव जयते	राजस्थान राज-पत्र विशेषांक	Regd. No. RJ. 2539 **RAJASTHAN GAZETTE** Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	श्रावण 9, शुक्रवार, शाके 1909 - जुलाई 31, 1987 Sravana 9, Friday, Saka 1909-July 31, 1987	

भाग 1 (ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञाएं।

AGRICULTURE (Gr.-2A) DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Jaipur, July 31, 1987

No. F. 5(14) Agri/Gr.2A/87 - In exercise of powers conferred by Section 36 of the Rajasthan Agriculture University, Bikaner Ordinance, 1987 (Ordinance No. 13 of 1987) read with sections 4 and 25 of the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment) Ordinance, 1987 (Ordinance No. 12 of 1987), the State Government hereby notify that all colleges, institutions, hostels, offices, research stations, extension centres and any other body or agency which are ceased to be affiliated or vested to the Mohan Lal Sukhadia University are hereby affiliated or vested or, as the case may be, transferred to the Rajasthan Agriculture University, Bikaner, with effect from 1st August, 1987.

Jaipur, July 31, 1987

No. F. 5(14) Agri/Gr.2A/87- In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 1 of the Rajasthan Agriculture University, Bikaner Ordinance, 1987 (Ordinance No. 13 of 1987), the State Government hereby appoints 1st August, 1987 as appointed date of the commencement of the said Ordinance.

BY Order of the Governor,
वी०पी० गोयल
Deputy Secretary to the Government

Government Central Press, Jaipur

Annexure - VI

भू–विज्ञान विभाग का राजस्थान विश्वविद्यालय से हस्तांतरण

Ordinance, 1987 (Ordinance No. 15 of 1987), the State Government hereby appoints 1st August, 1987 as appointed date for the commencement of the said Ordinance.

By Order of the Governor,
आर. एस. कुमार,
Secretary to the Government.

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

जयपुर, जुलाई 31, 1987

संख्या एफ. 15 (17) एज्यू. ग्रुप-3/85:–राजस्थान विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1987 (1987 का अध्यादेश सं. 15) द्वारा यथासंशोधित राजस्थान विश्वविद्यालय अधिनियम, 1946 की धारा 5 के साथ पठित, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1987 (1987 का अध्यादेश सं. 12) द्वारा यथासंशोधित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार इसके द्वारा, 1 अगस्त, 1987 से निम्नलिखित महाविद्यालयों, संस्थाओं और विभागों को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से संबद्ध या यथास्थिति, अन्तरित करना विनिर्दिष्ट करती है, अर्थात् :–

1. मीरा महिला महाविद्यालय, उदयपुर।
2. भूपाल नोबल्स महाविद्यालय, उदयपुर।
3. विद्या भवन रूरल इन्स्टीट्यूट, उदयपुर।
4. विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर।
5. राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर।
6. निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उदयपुर।
7. राजकीय महाराणा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, उदयपुर।
8. भू-गर्भ एवं खनन विभाग, उदयपुर।

राज्यपाल के आदेश से,
आर. एस. कुमार,
शासन सचिव।

EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Jaipur, July 31, 1987

No. F. 15 (17) Edu./Gr. 3/85.—In exercise of the powers conferred by Section 25 of the Mohan Lal Sukhadia University Act, 1962, as amended by the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment) Ordinance, 1987 (Ordinance No. 12 of 1987), read with section 5 of the University of Rajasthan Act, 1946, as amended by the University of Rajasthan (Amendment) Ordinance, 1987 (Ordinance No. 15 of 1987), the State Government hereby specify the following Colleges, Institutes and Departments to be affiliated or as the case may be transferred to the Mohan Lal Sukhadia University, with effect from 1st August, 1987, namely:—

1. Meera Girls College, Udaipur.
2. Bhoopal Nobles College, Udaipur.
3. Vidya Bhawan Rural Institute, Udaipur.
4. Vidya Bhawan Teachers Training College, Udaipur.
5. Rajasthan Teachers Training College, Udaipur.
6. Nimbark Teachers Training College, Udaipur.
7. Govt. Maharana Acharya Sanskrit College, Udaipur.
8. Department of Geology & Mining, Udaipur.

By Order of the Governor,
आर. एस. कुमार,
Secretary to the Government.

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

जयपुर, जुलाई 31, 1987

संख्या एफ. 15 (17) एज्यू–3/85:–मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1987 (1987 का अध्यादेश सं. 12) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार इसके द्वारा, 1 अगस्त, 1987 को उक्त अध्यादेश के प्रारम्भ के लिए नियत दिन के रूप में नियत करती है।

राज्यपाल के आदेश से,
आर. एस. कुमार,
शासन सचिव।

EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Jaipur, July 31, 1987.

No. F. 15 (17) Edu-3/85.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Mohan Lal Sukhadia University (Amendment) Ordinance, 1987 (Ordinance No. 12 of 1987), the State Government hereby appoints 1st August, 1987 as appointed date for the commencement of the said Ordinance.

By Order of the Governor,
आर. एस. कुमार,
Secretary to the Government.

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

जयपुर, जुलाई 31, 1987

संख्या एफ. 3 (13) एज्यु–IV/87:–अजमेर विश्वविद्यालय अध्यादेश, 1987 (1987 का अध्यादेश सं. 14) की धारा 1

CS Scanned with CamScanner

Annexure - VII

प्रथम दीक्षांत भाषण (2 फरवरी 1964)

CONVOCATION ADDRESS
delivered by
DR. V.K.R.V. RAO,

Mr. Chancellor, Mr Vice-Chancellor, new graduates of the year, ladies and gentlemen.

I would like to begin by expressing my deep sense of regret which I am sure you wholly share at the unavoidable absence of the Prime Minister from this function. As you know, he had agreed to deliver the first Convocation Address of this University. His acceptance of your University's invitation is an indication of the great and abiding interest he has in the welfare of the agricultural community and of his conviction that the application of science and technology to their problems will go a long way in improving their productivity and enhancing their levels of living. I am sure you all agree with me when I express the hope and the prayer that our beloved Prime Minister will soon be restored to his normal state of vigorous health so that he may continue to serve, for many more years, our people.

2. I am exceedingly grateful to your Vice-Chancellor for having done me the honour of inviting me to address this first convocation of the University of Udaipur. Udaipur has an undying name in the annals of Indian history; and I still remember the thrill of pride and excitement that I felt when as a small boy. I first read of the heroic deeds of the House of Mewar. The times have now changed and the centre of gravity has shifted from military prowess and soldierly heroism to economic development and the more humdrum but nevertheless exciting heroism of the individuals who have to take part in this development. In this task of economic development, farmers constitute the most important class, and among the tools they have to use for increasing their production is the application of science and technology. Hence the importance of this University. I am confident that the already rich prestige of Udaipur will be enlarged and enhanced by the scientific but practical contribution that the new seat of learning bearing the proud name of Udaipur will make.

3. I am glad that the Udaipur University has now extende. its scope to include the humanities, the social sciences and the natural sciences. A University should have several faculties as, only then, can its students get influenced by the cross-current of a variety of academic disciplines, which alone can give them a true perspective of the vast but integrated frontiers of knowledge. I am even more glad however that this has not led to any diminution in the bias that the University has for the agricultural sciences. Agriculture is basic to our economy and constitutes the bed-rock of all our plans. Quite apart from the fact that an overwhelming majority of our people are directly dependent on agriculture for their very existence, the productivity and prosperity of our agriculture is essential both for capital formation and for indust.'al development. It is imperative, therefore, that we go all out in our planning to maximise agricultural productivity. An essential condition for doing this is the transformation of agriculture from a mere way of living to an economic and business enterprise. In order to do this, we have not only to increase inputs, guarantee prices, and afford incentives, but also modernise the methods of cultivation and ensure the application to agriculture of the science and technology most appropriate to its varying conditions in different parts of the country. It is also important to instil in the cultivators the basic elements of business accounting so that they can look at their inputs and outputs from a commercial point of view and exercise their judgement in choosing methods most appropriate for maximising both productivity and profit. It is here that this new University has to play its vital role, for the quality of the education that it gives to its young agricultural graduates, the type of research that it undertakes on the practical production and marketing problems of the cultivators, and the kind of contact that it establishes with the farmers at the field level and the information and knowledge that it communicates to them, it is all these that will determine its contribution for the promotion of agriculture in the State of Rajasthan.

4. As you are all aware, your University is charged with three principal functions, namely, education, research and extension, the last of these functions distinguishing your University from other Universities like the one with which both I and your Vice-Chancellor have been connected for some years. Indeed I would go to the length of asserting that the most important end-product of your

University is extension, and, that both education and research are but means for giving machinery, content, and efficiency to extension. It is this aspect of your University which gives it its special place both in the academic world and in the realm of economic planning. It is, therefore, essential that, right from the start, the University should establish a living and continuing connection with the agricultural community. It has to be constantly aware of the problems of rural areas and take steps to find solution for the same. This means in turn that the whole approach of the University must go beyond the class room and the laboratory. Its statutes and rules therefore, must be such as will enable it to accept this wider responsibility with all its implications. Not only does this imply an absence of rigidity in its institution, its faculties, its academic council and its board of control, but also that both its staff and students must keep close to the people whose interests they have to serve. The University, therefore, cannot just content itself with tackling technical and scientfic problems of agriculture. It must also keep itself informed of the social and economic problems facing the agricultural community and be ready to lend its expertise and its informed judgment for the solution of these problems as also for sponsoring the solution before the authorities concerned. In other words, the Udaipur University would truly become the Rajasthan Farmers University; and every farmer in Rajasthan should learn to look at the University for both friendship and guidance in addition to knowledge and techniques for the solution of the many problems that confront them in their attempt to achieve higher productivity and play a more vital role in the general development of the State and the nation.

5. Let me begin with teaching, and the education that your University is expected to impart to its graduates. I think it is important to emphasise that what we want is not just the production of agricultural graduates who will seek white-collared jobs in Government departments. Indeed far too many of our agricultural graduates, at the conclusion of their University education, just drift into government service and become officers of one kind or another in agriculture departments. While no doubt they have been doing useful work as parts of the governmental machinery for agricultural improvement, they have not been able to make much impact on the way of life and agricultural practices amongst the farming community

at large, because, they go to them instead being a part of then. One reason for the setting up of Universities like your University here is to break this barrier between the agricultural graduates and the farming community. One way of doing this is to ensure to the maximum possible extent that those who go in for agricultural education come from the agricultural community, with not only a traditional background of agriculture but also having had some experience in assisting their parents or other relatives in the art of agriculture. One way of doing this would be for the University to establish contact with schools in rural areas and keeping a lookout for those farmers' sons or daughters—for I see no reason why peasant women cannot play an important role in agricultural education—who have the background, the interest, and the ability to take advantage of University education in agriculture and are also inclined to apply the knowledge thus acquired in the actual practice of agriculture. It may not be a bad idea for one officer in the University to be specially designated for this purpose who will go round high schools functioning in rural areas, keep contact with the headmasters thereof, interview promising students, and then help to find the facilities, financial or otherwise, for their being subsequently brought into the University as students. It is, not enough, however, to have students with an agricultural background. It is also important that the teaching they get from the University must involve practical acquaintance with the different aspects of agriculure, both as a technique and as an occupation. Mere class room studies of however high a standard will not give your alumni the necessary equipment to tackle the problems which he will face when he returns to the rural areas either for practice in agriculture or helping others to practise it better. The white collared approach cannot create an impression on our farmers. Our agricultural graduates should therefore possess both a sense of dignity of labour and the knowledge of the requisite farm skills so that they may be in a position to demonstrate or practise, as the case may be, their ideas in the field. This kind of ability and attitude cannot be acquired by the agricultural graduates through lectures or demonstrations. He has to do the work himself and know, by practical use, farm implements, improved agricultural practices, use of fertilisers and other inputs, agricultural accounting and marketing, and the place of agriculture in the economy. It may be possible to give your agricultural graduates this kind of education by alloting them plots of land which

…ey should, in appropriate groups, farm collectively for profits. They should not only plough the land, get acquainted with the use of fertilisers, insecticides and pesticides, learn about the problem of irrigation and drainage, and harvest the crops but also learn how to market the produce, keep accounts and show profits. I cannot stress too strongly the importance of integrating such practical training with the academic courses you give in the subject of agriculture and allied fields. Much of our farming today is drudgery. It is only when young and fresh minds with a scientific outlook apply themselves to the pratical task of farming that we shall begin to have an understanding and subsequent demonstration of the economies of time and motion that can help to free our farmers from the drudgery that is their lot in traditional agriculture. Ruskin once said : "It is only by labour that thought can be made healthy and only by thought that labour can be made happy; and the two cannot be separated with impunity". It is my earnest hope that you in this University, by an appropriate integration of the practical with the academic, turn out graduates who will bring about this fusion of thought and labour in our agriculture.

6. I should now like to go on to your second major function, namely, research. Research of course is a feature common to all Universities and, indeed, in some ways, it constitutes the most challenging as also the most rewarding part of University life. Obviously, therefore, research must play a very important role in your University as well. May I say however that research in your University cannot merely be fundamental and long-term in character but must also be practical and have possibilities of application in the short period. For the promotion of research both fundamental and applied in a University like yours, the first essential need is not merely the provision of adequate laboratory and allied facilities but, even more, the regulation of teaching loads within the levels that will enable the teaching staff to find time to conduct their research. In order to do this, it may be necessary not only to reduce the daily teaching load but also have a system by which teachers, who have the ability and show sufficient interest, can take one year out of every two or three years and do concentrated research during that period. In suitable cases, this facility could also be extended to one term out of every three terms. It is also important that emphasis in research should be on the many problems that confront the farmer

from day-to-day in his agricultural journey. One of the reasons why our agriculture has not made a significant advance is that we have not been able to take science to the door of the farmer. This is not just an extension problem; as much if not even more, it is because the science which we offer to the farmer is unrelated to his own immediate problems. As an illustration I may, perhaps with more daring than discretion, cite the field of soil conservation. We have done good research work on soil in the country, but so far we have been unable to make our farmers soil-conscious. We aim at perfecting soil analysis but are unable to have cheap and effective soil testing kits which can be used by the farmers themselves; nor are research workers in a position to go out themselves and do the testing on the innumerable local variations of soil that have relevance in the soil analysis. We need, therefore, simple soil testing techniques which would not only enable the required multiplication of our soil testing stations but also enable the research workers therein to give answers to the farmers on the very day they bring in their samples. This kind of thing is common in the land grant colleges of the United States, but we in India have not been able so far to offer facilities of a similar character. This is just one example. My main point is that while we must undoubtedly have centralisation and regionalisation of agricultural research, there is also great necessity for the wide dispersal of research facilities. Only in this way can we take care of the many and indeed almost innumerable variations in soil, climate, environment, rural sociology, agricultural practices, etc., which makes so difficult the simple application of research results obtained either in the central or even regional research stations. What we need are a large number of small but widely dispersed stations with their ears to the ground; and it would then be for the more advanced research workers located in the Universities like this to keep in touch with their problems, get their students to work on them, and tune in their research to their solutions. If this is done, then the research that your University will undertake will truly become a blessing to your farmers in their daily task of agriculture, and by so becoming, not only enhance your utility and prestige but also enable you to play a leading role in the task of spreading increased productivity over a large area and amongst many millions of farmers

7. The third and perhaps the most important of the functions that we all expect from your University is extension. Extension is

much used phrase and sometimes it seems to mean all things to all men. It is, therefore, necessary for us to have a clear idea of what it is that we expect from the University in regard to extension. As I understand it, the main object of extension activity is not only to carry to the farmer the fruits of modern science and the results of special research carried out for his benefit but also to induce in him the necessary mentality for making use of these results by creating an appropriate psychological climate. Extension work, ofcourse, will mainly be carried out by the members of the extension services whether in the agriculture or the community development departments; and we do not expect the University as such to make itself responsible for this type of work. But what the University can do is not merely to give the necessary equipment and knowledge and expertise in communication to the extension workers, but also help in creating the necessary psychological climate among the farming community such as will stimulate in them the desire to take advantage of the extension services offered to them by the appropriate government departments. To my mind, this second function is as important as the first for the University, if it is to succeed in its general function of extension. For this purpose, your University should become a clearing house for the agricultural problems of the people of your State. Your staff and students must be acquainted with the practical difficulties that farmers face in the fields and transmiting this information to the research workers, endeavour to find the answers that can then be taken back to the people. This involves a close and continued contact of the University staff and students with the farmers on the field. For this purpose there must be provision in your curriculum for field visits to one or more selected agricultural areas in the State by your students and the writing of reports thereon for submission to their University as part of their practical work for purposes of the University examination. It is also necessary to see that the teaching and research staff of the University also get frequent opportunities for spending some time on the field and keep a record of their impressions and a note on the problems they have come in contact with. These reports and records should form a part not only of the guide-lines they will give to the research workers but also of the teaching materials they will use when they give lectures on agricultural subjects to their students and, especially, when they illustrate the same by examples. It is also important to see that in the courses which are held on

extension either as part of the general course on agriculture or as se. special programme for agricultural graduates, sufficient importanceis is given to the communication aspect of knowledge. To ensure this, each of the major technical departments should have extension specialists working on their staff These could be a part of the regular departmental staff, but, as far as their practical work is concerned, they should be under the field supervision of the Director of Extension. Successful extension work involves both sound research and effective communication. It is not easy to break through the natural conservativeness of the farmer. At the same time, he is quick to respond to ideas which have been proved on the field and are demonstrably effective in increasing his income. The break-through can only come when the extension workers have something worthwhile to offer the farmer. It is here that the key role of the University lies by providing something worthwhile through its agricultural departments and providing this in a form which is easily communicable through its extension departments. This is a challenge which agriculture and the agricultural community poses to this and similar Universities, and it is on the manner and extent to which this challenge is met that the record of the University will be judged by the country.

8 The University can perform a variety of service functions to the farmers of the State without in any way impairing its academic status. Thus they can provide short courses, seminars and workshops, which will bring active member of the farming community to the University and give them an opportunity to know the University and get acquainted with the facilities that it offers for understanding and remedying some at least, of the problems which confront them in their daily life. This University would have ideally served its purpose when it creates a climate under which farmers all over Rajasthan will think that this is their University and to which they should turn for understanding, knowledge and inspiration.

9. Apart from teaching extension work to its agricultural graduates as a normal part of their curriculum and giving special courses in extension to their students, the University could use its technical and extension staff for operating in-service training courses for different levels of State employees who are concerned with agriculture and community development. These courses should

..ey

Th·:lude not only employees at the headquarters and the district f‹evels but also employees at the village and block levels. Apart o*rom the value of the training thus imparted, the University itself t will benefit from the presence on its campus and participation in its s academic life of a large number of persons who may not be students ' in the normal sense of the word but who come in search of knowledge against the background of their own rich and varied experience in the field. Such in-service training programmes will function like the quality of mercy, blessing both him who gives it and him who receives it. The in-service trainees will pose before the University the agriculturalists' problems as they see them in the field, while, in turn, the trainees will come back from the University with an abiding sense of its interest and technical ability in the agricultural field. This process will by itself be of most significant value to the University in effecting its break through in extension. The University should also endeavour to provide opportunities to field workers to take University degrees or diplomas and thereby improve their academic qualifications. The Government of India has introduced a scheme for advance training for village level workers who possess University entrance requirements and have completed five-years' service in the field. I understand that this scheme has been working successfully elsewhere and that these village level workers acquitted themselves well in the class as compared to the normal run of students who do not have their background. The Union Minister of Community Development has often stated that the village level workers of today can be the Development Commissioners of to-morrow. This is not intended to be a mere rhetorical statement. It is possible to give it content and reality, provided Universities like yours take interest in this matter and make special arrangements for enabling experienced village level workers with the necessary entrance requirements to make their way through your colleges and get University degrees and diplomas at the end.

10. There is one more subject which is dear to my heart and which I think is particularly relevant for the successful functioning of Universities like yours, which has such an important role to play in the practical tasks of economic development. As I have said before, the most important task of the University is to create conditions under which science, modern agricultural practices and business accounting methods could permeate through the length and

breadth of the countryside. I do not see how this can be done the bulk of the farmers continue to be illiterate. I also do not se.. how this can be done really effectively if those who seek to do this have had their education through a foreign medium of instruction and then have to struggle with the task of transmitting this knowledge through the local language. Would it not be far simpler if the medium of instruction itself becomes the regional language so that there is direct and simple communication between the University, its alumini and its clientele who constitute the farmers of the State, would it not also be an exciting task if the University, its staff, its ex-students, all together, make it a part of their social challenge to spread the gospel of literacy in the Rajasthan villages. Maybe, I am asking too much and maybe it will take time before all that I ask for can be conceded. I would urge you, however, to devote some thought to this problem and consider how far and in what manner this University can take practical steps for making the language of the people its medium of instruction and also to what extent it can take the lead in pressing the claims of adult literacy in the countryside as an essential pre-condition for the effective rapid extension work and for the effective utilisation by the farming community of the knowledge that they transmit through their graduates and other courses.

11. I wish this University well in the great task which it faces of changing the face of rural Rajasthan, modernising its society and raising its levels of economic and social well-being. To you, the young graduates of this University, I give my congratulations. You have a great responsibility. On the way in which you function and not only transmit your knowledge but also identify yourself with the well-being of rural Rajasthan would determine not only your own individual prestige and career but also the place of leadership which your University should rightly occupy in your State and in the country. This is a role which was assigned to the Land Grant Colleges in the United States when they were first set up nearly a 100 years ago; and this is the role the successful performance of which has made American agriculture a byword for agricultural efficiency and farmer prosperity. It is up to you to see that your University of Udaipur plays the same role and achieves the same results. You gentlemen, constitute the first advance guard which your University is sending out into the field for the purpose of waging war on inertia,

ıgnation and poverty in the countryside. On your performance will depend the success of those who will follow you in the coming years.

—

Annexure - VIII

महाराणा भूपाल कॉलेज का प्रथम स्टाफ (1964)

उदयपुर विश्वविद्यालय

आधारिक विज्ञान एवं मानवीकी संस्थान (एम. बी. कॉलेज) उदयपुर

३१ मार्च "६६ को कार्यरत कर्मचारी वृंद

क्रम सं० नाम	पद	वेतन
१. श्री भीमसेन	निदेशक	१२५०/- + १००/-जे.डी.सी. अधिदेय
वनस्पति विज्ञान		
२. डॉ. एच. डी. कुमार	आचार्य	१०००/-
३. श्री के. आर. बापना	प्राध्यापक	४६०/-
४. डॉ एल. एन. व्यास	,,	४६०/-
५. श्री के. डी. रामदेव	,,	४६०/- + ३०/- अधिदेय
६. ,, आर. एस. गुप्ता	प्राध्यापक	४६०/-
७. ,, पी. के. जैन	,,	४००/-
८. कुमारी मधु राव	कनिष्ठ प्राध्यापिका	३००/-
रसायन विज्ञान		
९. डॉ. जी. वी. बकोरे	आचार्य	१०००/- + २००/- अधिदेय
१०. ,, रमाशंकर	प्रवाचक	७००/-
११. ,, नाखरे	प्राध्यापक	४६०/-
१२. ,, डी. के मूर्ति	,,	४६०/-
१३ श्री पी. एन. लवर	,,	४६०/-
१४. ,, एम. एस. मूंडिया	,,	५५०/-
१५. ,, जी. के. शर्मा	,,	४६०/-
१६. ,, एस. एल. शर्मा	,,	४६०/-
१७. डॉ. नरेश चन्द्र भार्गव	,,	४१०/-
	,,	४३०/-

क. सं.	नाम	पद	वेतन
१८.	डॉ. एम. पी. त्यागी	प्राध्यापक	४००/-
१९.	श्री एस. एन. जोशी	,,	४६०/-
	वाणिज्य		
२०.	श्री आर. के. अग्रवाल	प्रवाचक	८६०/-
२१.	,, जे. एस. सक्सेना	प्राध्यापक	५८०/-
२२.	डॉ. सी. बी. मामोरिया	,,	५५०/-
२३.	,, एन. एल. हिंगोरानी	,,	४६०/-
२४.	श्री आर. डी. सक्सेना	,,	५२०/-
			+७५/-अधिदेय
२५.	,, एन. दास गुप्ता	,,	४६०/-
२६.	,, पी. सी. त्रिपाठी	,,	४६०/-
			७५/-अधिदेय
२७.	,, एम. एल. जोशी	,,	४६०/-
२८.	,, एस. एच. जैन	,,	४६०/-
२९.	,, रमेशचन्द्र	,,	४३०/-
३०.	कुमारी उषा सेठी	प्राध्यापिका	४००/-
			+७५/-अधिदेय
३१.	श्री शेषमल टोकरावत	कनिष्ठ प्राध्यापक	३००/-
	अर्थशास्त्र		
३२.	डॉ बी. के. टंडन	प्रवाचक	८२०/-
३३.	श्री बी. एल. धाकड़	प्राध्यापक	५८०/-
३४.	,, जी. जी. द्रविड़	,,	५२०/-
			+७५/-
३५.	श्रीमती कुसुल पाडलिया	,,	४३०/-
३६.	श्री जी. एल. शर्मा	,,	४३०/-
	अंग्रेजी		
३७.	डॉ. क. ल. शर्मा	प्रवाचक	७४०/-
३८.	श्री जे. डबल्यू हेनरी	प्राध्यापक	५५०/-

क्र सं०	नाम	पद	वेतन
३९.	श्री नियाज अहमद	प्राध्यापक	४९०/- +७५/-
४०.	,, एस. बी. माथुर	,,	४९०/-
४१.	,, विष्णुराम श्रीवास्तव	,,	४९०/- +७५/-
४२.	,, एम. जी. कपूर	,,	४६०/-
४३.	,, जे. जी मैंसो	,,	४६०/-
४४.	,, भंवरलाल समदानी	,,	४६०/-
४५.	,, स. न. जोशी	,,	४३०/-
४६.	,, ज्ञानमल महता	,,	४००/-
४७.	,, जे. एल. शर्मा	,,	४३०/-
	भूगोल		
४८.	डॉ. ए. एन. भट्टाचार्या	प्रवाचक	७८०/-
४९.	श्री एन, एल. गुप्ता	प्राध्यापक	४६०/-
५०.	,, डी. एन. चतुर्वेदी	,,	४६०/
५१.	, डी. सी. भारद्वाज	,,	४६०/-
५२.	डॉ. एल. एन. वर्मा	,,	४३०/-
५३.	श्री रा. स. राठौर	,,	४६०/-
	भू-गर्भ विज्ञान		
५४.	श्री जी. बी. दायले	,,	६८०/-
५५.	,, डी. एस. डूंगरपुरिया	,,	४६०/-
	हिन्दी		
५६.	डॉ. देवराज उपाध्याय	प्रवाचक	७००/- ५०/- योग्यता वेतन
५७.	,, के. सी. श्रोत्रिय	प्राध्यापक	५८०/- +७५/-
५८.	श्री एन. एन. जोशी	,,	४९०/-

क्रम सं०	नाम	पद	वेतन
५९.	श्री प्रकाश माथुर	प्राध्यापक	४६०/
			+७५/-
६०.	डॉ. रामगोपाल शर्मा	,,	४६०/-
६१.	श्री एन. के. शर्मा	,,	४३०/-
६२.	,, के. के. शर्मा	,,	४३ /-
	इतिहास		
६३.	श्री बी. एस. माथुर	प्रवाचक	७४०/-
६४.	डॉ. एल. पी. माथुर	प्राध्यापक	५२०/-
६५.	,, के. एस. गुप्ता	,,	४६०/-
	गणित		
६६.	डॉ. एस. पी. कौशिक	प्रवाचक	७४०/-
६७.	श्री एच. सोलमन	प्राध्यापक	४६०/-
६८.	,, राधेश्याम	,,	४६०/-
६९.	,, अंबालाल	,,	४६०/-
७०.	,, उत्तमचंद	,,	४६०/-
७१.	,, किशनसिंह भटनागर	,,	४६०/-
	दर्शन		
७२.	डॉ. ईश्वरचन्द्र	प्रवाचक	७००/-
७३.	,, के. सी. सोगानी	प्राध्यापक	४६०/-
	भौतिकी		
७४.	डॉ. जे. वर्मा	आचार्य	१०५०/-
७५.	श्री एस. के. वर्मा	प्राध्यापक	४६०/-
७६.	,, एम. एल. सोनी	,,	४६०/-
७७.	,, मुर्तजाबेग	,,	४६०/-
७८.	,, के. सी. भंडारी	,,	४६०/-
७९.	,, के. एन. सिंघल	,,	४६०/-
८०.	,, एम. पी. [redacted]जोंडा	,,	४६०/-
८१.	,, भोलाराम	,,	४३०/-
८२.	,, हरिमोहन गुप्ता	,,	४००/-

[illegible]	नाम	पद	वेतन
[illegible]	श्री बी. के. भार्गव	कनिष्ठ प्राध्यापक	३००/-
८४.	,, बी. आर. श्रीवास्तव	प्रदर्शक	३४५/- +३५/-
८५.	,, एस. के. विजयवर्गीय	प्राध्यापक	४३०/-
	राजनीति विज्ञान		
८६.	डॉ. रा. र. कासलीवाल	प्रवाचक	१०२०/-
८७.	श्री च. सि. नैनावटी	प्राध्यापक	५२०/- +७५/-
८८.	,, चाँ. म. जैन	,,	४६०/-
८९.	,, आर. के. वर्मा	,,	४६०/-
९०.	,, आर. एस. दरड़ा	,,	४६०/-
	संस्कृत		
९१.	श्री बी. आर. नागर	,,	५८०/-
९२.	,, मू. चं. पाठक	,,	४६०/-
	समाज शास्त्र		
९३.	डॉ. एस. एल. दोषी	प्राध्यापक	४६०/- +१०५/-
९४.	श्री के. एल. भाटिया	,,	४६०/-
९५.	,, बी. के. लवानिया	,,	४६०/-
९६.	,, गि. रा. गुप्ता	,,	४६०/-
	उर्दू		
९७.	श्री एल. एस. एच. रिजवी	,,	४३०/-
	प्राणी विज्ञान		
९८.	डॉ. एच.बी. तिवारी	आचार्य	१,०००/-+१००/-
९९.	श्री बी.एन. माथुर	प्राध्यापक	४६०/-
१००.	,, एस.बी. लाल	,,	४३०/-
१०१.	डॉ. बी. शिणादरी	,,	५५०/-
१०२.	,, जी.एस. डोगरा	[illegible]	४०८/-

क्रम सं०	नाम	पद	वेतन
	चित्रकला		
१०३.	श्री परमानन्द चोयल	प्रवाचक	७००/-
१०४.	,, सुरेशचन्द्र शर्मा	प्राध्यापक	४३०/-
१०५.	,, जे एस. भाटी	शरीर शिक्षा प्रशिक्षक	४३०/-
१ ६.	,, ए.के. भटनागर	,,	४३०/-
१०७.	,, डी.डी. नादमुनि	संगीत शिक्षिक	२८५/-३५/-
१०८.	,, राखीलाल	तबला वादक	१०२/-+२५/-
१०९.	,, बी.एल. भानावत	पुस्तकालयाध्यक्ष	४३०/-
११०.	,, गोपालदास	लेखापाल	२२५/-+३५/-
१११.	,, सोहनलाल पोरवाल	कार्यालयाध्यक्ष	३१०/-३५/-५०/-
११२.	,, जे.एस. कावड़िया	शीघ्रलिपिक	२२०/-३५/-
११३.	,, समुन्दरसिंह	वरिष्ठलिपिक	१३०/-२५/-१०/-
११४.	,, आर.एल. पोखरना	लेखालिपिक	१२५/-२५/-१०/-
			१०/-
११५.	,, बी.एस. सरूपरिया	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	१३५/-२५/-
११६.	,, गणेशलाल तलेसरा	वरिष्ठलिपिक	१४०/-३५/-१०/-
११७.	,, एस.एल. भोई	कनिष्ठलिपिक	११०/-२५/ ५/-
११८.	,, एस.एम. नन्दावत	,,	१००/-२५/ ५/-
			१०/-
११९	,, सो. ला. जारोली	,,	११०/-२५/-५/-
			२०/-
१ ०.	,, नन्दलाल महता	,,	६४/-४७/-
१२१.	,, सु.ला. बारबर	,,	६४/-४७/-
१२२.	,, ए.ल. शर्मा	,,	६४/-४७/-
१२३.	,, के.एल. जैन	,,	१०२/-२१/-
१२४.	श्रीमती प्रमिला सरुपरिया	,,	६४/-४७/-
१२५	श्री आर.एल. वर्दिया	,,	६४/-४७/-
१२६.	,, के.एल. पोखरना	,,	६४/-४७/-

क्र. सं.	नाम	पद	वेतन	
१२७.	श्री गोपालकृष्ण	कनिष्ठलिपिक	६०/-४५/-	
१२८.	,, एस.एस. महता	,,	६०/-४५/-	
१२९.	,, एन.एस. पोरवाल	,,	६०/-४५/-	
१३०.	,, फ.ल. बैरागी	प्रयोगशाला सहायक	२१०/ ३५/	मं.भत्ता
१३१.	,, मु. बि. माथुर	,,	१७०/-३५/-	,,
१३२.	,, डी.एस. कोठारी	,,	१२०/-२५/-	,,
१३३.	,, ए.के. ठाकुर	,,	१०६/-२५/-	,,
१३४.	,, ए.एच. खान	,,	१०६/-२५/-	,,
१३५.	,, आर.एम. शर्मा	,,	६४/-४७/-	,,
१३६.	,, ए.एल. मोई	,,	६४/-२ /-	,,
१३७.	,, एस.एल. सगावत	,,	६४/-४७/-	,,
१३८.	,, एम.एल. पुरोहित	,,	६४/-४७/-	,,
१३९.	,, एन.एल. लुहार	लिपिक एवं संग्रहागारिक	६०/-४५/-	,,
१४०.	,, ओंकारलाल मेनारिया	,,	६०/-	
१४१.	,, नन्दलाल	,,	९०/-	
१४२.	,, सुभाष भारद्वाज	कलाकार,	११०/-	
१४३.	,, डालचन्द शर्मा	सछेदक	१५०/-	
१४४.	,, टी.एस. राजपूत	वातिक	१०६/-	
१४५.	,, मोतीलाल शर्मा	विधुत्कार एवं नलकार	१०५/-	
१४६.	,, जगदीश चन्द्र शर्मा	यांत्रिक	७५/-	
१४७.	,, आनन्दीलाल जैन	पम्प अनुवर्ती	६०/-	

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

१४८.	श्री डालचन्द	जमादार	७४/-५/-
१४९.	,, नवलराम डांगी	पुस्त० बटुक	८०/-
१५०.	,, मंगलसिंह	,,	५६/-
१५१.	,, बी.एल. नागदा	,,	६८/-
१५२.	,, एच.एल. ओदिच्य	पुस्तकोत्तोलक	६८/-

क्र. स.	नाम	पद	वेतन
१५३.	श्री एन.एल. मेनारिया	पुस्त० बटुक	७२/-
१५४.	,, एन.आर. औदिच्य	,,	७२/-
१५५.	,, आर.एल. मोईल	,,	६७/-
१५६.	,, माणिकराम डांगी	,,	६७/-
१५७.	,, ना.ला. सुथार	,,	६७/-
१५८.	,, एस.एल. भोई	,,	६७/-
१५९.	,, छगनलाल भोई	,,	५६/-
१६०.	,, मगनलाल गूजर	,,	४६/-
१६१.	,, लक्ष्मणसिंह राना	,,	४६/-
१६२.	,, भैरूलाल सालवी	,,	४६/-
१६३.	,, गणेशलाल मेघवाल	,,	४६/-
१६४.	,, किशनलाल माली	,,	४६/-
१६५.	,, सुदेशकुमार मेहरा	,,	४६/-
१६६.	,, मग्गा गमेती	,,	४६/-
१६७.	,, मुरारीलाल आर्य	,,	४६/-
१६८.	,, पन्नालाल	,,	४५/-
१६९.	,, लोगरलाल	,,	४५/-
१७०.	,, भेरूलाल	,,	४५/-
१७१.	,, लेहरूलाल	,,	४५/-
१७२.	,, अम्बालाल भोई	,,	४५/-
१७३.	,, फत्ता डांगी	पशु-अवरोधक	४६/-
१७४.	,, मो० शरीफ	,,	४५/-
१७५	,, चेतराम	च० श्रे० कर्मचारी	६६/-
१७६.	,, कन्हाईराम	,,	६६/-
१७७.	,, संजा मीना	,,	४०/-
१७८.	,, चिम्मनलाल	,,	६६/-
१७९.	,, चूनीलाल	,,	६६/-
१८०.	,, नारायणलाल	,,	६६/-
१८१.	,, उदयलाल	,,	६६/-
१८२.	,, श्री लाल	,,	५६/-

क. स.	नाम	पद	वेतन
१८३.	श्री लालसिंह	च० श्री० कर्मचारी	६५/–
१८४	" कन्हा महतर	,	५६/–
१८५.	" बन्सीलाल राजपूत	"	५८/–
१८६.	" हीरालाल डांगी	"	५८/–
१८७.	" खेमा भोई	"	५८/–
१८८.	" डालू मेहतर	"	५८/–
१८९.	" चेतराम डांगी	"	५७/–
१९०.	" देवीसिंह	"	५६/–
१९१.	" ओंकारदास	"	५३/
१९२.	" सांवलसिंह	"	५१/–
१९३.	" चेतराम डांगी	"	४९/–
१९४.	श्रीमती चांदी	"	४९/–
१९५.	श्री चुन्नीलाला नागदा	"	४८/–
१९६.	श्रीमती मोहिनी सालवी	"	४७/–
१९७.	" बन्सीलाल राजपूत	"	४६/–
१९८.	" डालचन्द गमेती	"	४६/–
१९९.	" बन्सीलाल हरिजन	"	४६/–
२००.	" दाड़मचन्द	"	४६/–
२०१.	" हेमा गमेती	"	४६/–
२०२.	" गंगाराम डांगी	"	४६/–
२०३.	" उमाशंकर दाधीच	"	४६/–
२०४.	" अम्बालाल शक्तावत	"	४६/–
२०५.	" एस.एस. राव	"	४६/–
२०६,	" मालचन्द	"	४६/–
२०७.	" पेमा डांगी	"	४६/–

विश्वविद्यालय की वर्तमान पेंशनर्स सूची

Annexure - IX

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
1	Dr. J. Verma	PROFESSOR	PHYSICS	T
2	Dr. L.N. Vyas	PROFESSOR	BOTANY	T
4	Dr. K.C. Bhandari	ASSOC. PROFESSOR	PHYSICS	T
5	Smt. Anchi Bai	EX. S.O.	ADM	NT
7	Smt. Harku Bai Gharbara	ASSTT. REGISTRAR	UCOS	NT
13	Smt. Asha Nagar	PROF.CHEMISTRY	UCOS	T
14	Smt. Manorama Tiwari	ASSTT. REGISTRAR	ADM	NT
15	Smt. Asha Bhatnagar	SR. ASSTT.,	UCSSH	NT/F
16	Dr. K.S. Gupta	PROFESSOR	HISTORY	T
17	Smt. Iqbal Jahan Rizvi	PROF., URDU,	UCSSH	T
18	Dr. R.K. Saxena	ASSEC. PROFESSOR	C.S.S.H	T
20	Smt. Sarla Tripathi	PROFESSOR OF BUS. ADMN.	CCMS	T/F
21	Sh. Sobha Lal Bhoi	PROFESSIONAL ASSTT.	CENTRAL LIBRARY	NT
24	Dr. M.C. Pathak	PROFESSOR SANSKRIT	C.S.S.H	T
25	Sh. H. Soloman	ASSOC. PROF. OF MATHS	UCOS	T
26	Dr. (Smt.) K. Datta	ASSOC. PROF. OF ENGLISH	CSSH	T
27	Smt. Ram Bharosi Gupta	ASSOC. PROF. BOTANY	UCOS	T/F
29	Dr. N.K. Sharma	PROF. HINDI DEPTT.	CSSH	T
30	Dr. R.S. Darda	PROF. POL. SC.	CSSH	T
31	Smt. Manorama Kothari	DY. REGISTRAR	ADM	NT
33	Smt. Shyama Natani	ASST. LIBRARIAN	CENTRAL LIBRARY	T
34	Smt. Prabha Sharma	ASSOC. PROF.	CSSH	T/F
35	Smt. Seeta Devi Samdani	ASSOC. PROF. OF ENGLISH	CSSH	T/F
36	Dr. K.C. Mandot	ASSTT. PROF.	LAW	T
37	Smt. Basant Bala Lavania	PROF. SOCIOLOGY	CSSH	T
39	Smt. N. Mukherjee	PROF. ENGLISH	CSSH	T/F
40	Dr. B.L. Sharma	PROFESSOR OF GEOLOGY	GEOLOGY	T
41	Smt. Pramila Saruparia	PROFESSIONAL ASSIS.	CENTRAL LIBRARY	NT
44	Dr. B.C. Mehta	PROF. ECONOMICS	CSSH	T
46	Smt. Vimla Upadhyaya	ASSO. PROF. DRAWING	CSSH	T/F
49	Sh. Chain Ram Dangi	PEON	CSSH	NT/P
50	Dr. U.C. Jain	PROF. MATHEMATICS	UCOS	T
52	Sh. Ugam Lal Chaplot	SR. ASSISTANT	ADM	NT
54	Smt. Kamla Devi Suthar	CARPENTER	UCOS	NT/F/P
60	Smt. Shakuntala Rai	PROF.	UCSSH	T
61	Sh. S.N. Joshi	ASSOC. PROFESSOR	CSSH	T/F
62	Shri K.C. Mohan	WORKSHOP MANAGER	UCOS	NT
64	Smt. Bapna	U.D.C.	UCOS	NT
66	Sh. Bhola Ram	RETD. ASSOC. PROF. OF PHYSICS	UCOS	T
68	Sh. Suresh Chandra Sharma	ASSOCIATE PROFESSOR DRG. & PNT.	CSSH	T
69	Smt. Sita Devi Barbar	SENIOR ASSISTANT	CENTRAL LIBRARY	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
70	Sh. G.M.K. Madnani	PROF. ECONOMICS	CSSH	T
72	Mrs. Rama Srivastava	ASSOC. PROFESSOR	CCMS	T/F
73	Sh. G.K. Sharma	ASSOCIATE PROFESSOR CHEMISTRY	UCOS	T
75	Sh. M.P. Jonda	ASSOC. PROFESSOR PHYSICS	UCOS	T
77	Sh. R.L. Pokharna	SENIOR ACCOUNTS OFFICER	U.A.O	NT/F
78	Sh. R.S. Chandel	ASSOC. PROFESSOR MATHEMATICS	UCOS	T
79	Sh. U.R. Dhabai	TENNIS COACH	SPORTS BOARD	T
81	Smt. Nirmala Singhal	ASSOC. PROFESSOR PHYSICS	UCOS	T/F
83	Smt. Kanchan Chundawat	ASSOC. PROFESSOR, HISTORY	CSSH	T/F
84	Sh. S.L. Solanki	ASSTT. REGISTRAR	CSSH	NT
86	Smt. Kusum Padlia	ASSOC. PROFESSOR DEPTT. OF ECONOMICS	CSSH	T
87	Sh. M.L. Bohra	ASSTT. REGISTRAR	UCOS	NT
88	Smt. Pyari Bai	PEON, ADM	CSSH	NT/F/P
90	Dr. V.K. Sharma	PROF. BOTANY	UCOS	T
91	Smt. Geeta Vijayvergia	UCOS	UCOS	T/F
92	Smt. Sanadhya	ASSOC. PROFESSOR COMMERCE	CCMS	T
93	Smt. Lata Devi	SO,	ADM	NT/F
94	Smt. Veena Mehta	PROF. CHEMISTRY	UCOS	T
96	Sh. Hukmi Chand Sharma	ARTIST P.G. DEPTT. OF GEOLOGY	GEOLOGY	NT/F
97	Smt. Bhagwati Sharma	LDC,	UCOS	NT/F
99	Smt. Pushpa Devi Kothari	SENIOR LAB. ASSISTANT	UCOS	NT/F
100	Smt. Mehfuza	SO,	ADM	NT/F
101	Smt. Premlata Mogra	COE,	ADM	NT/F
102	Sh. B.V. Murdia	ASSOC. PROFESSOR MATHS	UCOS	T
103	Dr. B.P. Bhatnagar	ASSOC. PROFESSOR	CCMS	T
105	Smt. Razia Basid	ASSTT. PROF.,	UCSSH	T
106	Dr. C.V. Bhatt	ASSOC. PROFESSOR CHEMISTRY	UCOS	T
107	Sh. Chatter Singh Kothari	ASSTT. OF ADULT EDU. & EXT.	CSSH	NT
108	Smt. Mali	GARDNER	ESTATE OFFICE	NT/F/P
109	Dr. D.N. Purohit	PROF. CHEMISTRY	UCOS	T
110	Dr. R.L. Jain	ASSOC. PROF.	LAW	T
111	Dr. (Mrs.) Ila Chakravati	ASSOC. PROF. ECONOMICS	CSSH	T
112	Sh. Arvind K. Bhatnagar	SUPDT. PHYSICAL EDU.	CSSH	T
113	Sh. Shiv Nayaran Joshi	ASSOC. PROF. CHEMISTRY	UCOS	T/F
115	Dr. R.K. Rai	PROF. & VICE- CHANCELLOR	MLSU	T
116	Dr. A.B. Roy	PROF. GEOLOGY	GEOLOGY	T
117	Dr. R.P. Mathur	ASSOC. PROF. CHEMISTRY	UCOS	T
119	Sh. Bhagwati Prasad Vyas	DEPUTY REGISTRAR(SECRECY)	ADM	NT
120	Dr. (Miss) M.J.B. Rizvi	ASSOC. PROF. URDU	CSSH	T
121	Sh. R.S. Rathore	ASSOC. PROF. GEOGRAPHY	CSSH	T
122	Smt. Mahendri Devi	PEON,	UCSSH	NT/F/P

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F /P
123	Smt. Kusum Jaroli	PA,	ADM	NT/F
124	Sh. Abdul Hafeez Khan	SR. ASSTT.,	UCSSH	NT/F
126	Dr. S.B. Lall	ASSOC. PROF. ZOOLOGY	UCOS	T
128	Dr. A.K. Singh	PROF. F.M.S	FMS	T
129	Sh. M.C. Jain	SECTION OFFICER	ADM	NT
130	Dr. Arvind Durge	PROF., HINDI,	UCSSH	T
131	Dr. G.M. Mehta	PROF. ENGLISH	CSSH	T
132	Smt. Saroj Agarwal	PROF.,	UCCMS	T/F
133	Smt. Asha Meena	PEON,	UCSSH	NT/F/P
135	Sh. M.L. Goyal	SECTION OFFICER	ADM	NT
136	Smt. Laxmi Devi Vashishth	LAB. ASSISTANT PSYCHOLOGY	CSSH	NT/F/P
137	Sh. V.D. Kataria	SECTION OFFICER	UCOS	NT
138	Sh. Amba Lal Jain	SECTION OFFICER	ADM	NT
139	Sh. Laxmi Lal Menaria	JAMADAR	ADM	NT/F/P
140	Dr. Laxmi Narayan Verma	ASSOC. PROF. LIB. & INF. SCIENCE	CSSH	T
141	Dr. N.K. Bhargava	ASSOC. PROF. SOCIOLOGY	CSSH	T
142	Smt. Usha Saxena	ASSOC. PROF., UCOS		T/F
143	Smt. Krishna Pandit	ASSTT.	ADM	NT/F
144	Sh. Hema Ram Gameti	LAB. ATTENDENT PHYSICS	UCOS	NT/P
147	Sh. Murad Mohammed	DEGREE SECTION(EXAM.)	ADM	NT
149	Smt. Bansati Bai			NT/F
151	Dr. Shail Kumar Choyal	DRAWING & PAINTING DEPTT.	CSSH	T
153	Smt. Phep Kunwar	PEON, ADM		NT/F/P
154	Dr. P.C. Maloo	ASSOC. PROF. ENGLISH	CSSH	T
155	Dr. B.L. Ameta	ASSI. LIBRARIAN	LAW	T
156	Smt. Hansa Kumari	SO,	ADM	NT/F
157	Sh. N.L. Paliwal	SR. ASSTT.	ADM	NT
158	Dr. N.C. Bhargava	ASSOC. PROF. OF CHEMISTRY	UCOS	T
159	Sh. Asgar Ali Bohra	UDC EXAM. SECTION	UAO	NT
160	Smt. Kaushalya Sharma	SECTION OFFICER	CSSH	NT/F
161	Dr. R.M. Lodha	ASSOC. PROF. IN GEOGRAPHY	CSSH	T
162	Sh. Paras Chandra Kothari	UDC. AUDIT SECTION	ADM	NT
164	Sh. Shivdan Singh Talesara	SR. PERSONAL ASSTT.	LAW	NT
165	Smt. Nand Kunwar			NT/F
166	Sh. Ganpat Lal Vairagi	LAB. ASSISTANT	GEOLOGY	NT
168	Smt. Pramila Nagar			NT/F
169	Smt. Naval Bai	LAB. ATTED.,	ADM	NT/F/P
172	Dr. Kishore Gera	ASSOC. PROF. OF PSYCHOLOGY	CSSH	T
173	Sh. J.L. Sharma	ASSTT. REGISTRAR	ADM	NT
174	Smt. Mamta Shrivastav	PROF,	UCOS	T/F
175	Dr. V.R. Dwivedi	ASSOC. PROF. OF CHEM.	UCOS	T
176	Sh. M.L. Sadhwani	UDC. CHEQUE SECTION	ADM	NT
177	Smt. Hagami Bai Mali	PEON,	UCSSH	NT/F/P
178	Sh. Vein Ram Joshi	LABORATORY BEARER	GEOLOGY	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
179	Dr. C.M. Joshi	PROF. OF MATHEMATICS	UCOS	T
181	Dr. M.V. Murthy	ASSOC. PROF. OF PHYSICS	UCOS	T
182	Sh. Chunni Lal Nagda	JAMADAR	UCOS	NT/P
183	Smt. Neera Sharma	PROF. ZOOLOGY,	UCOS	NT/F
184	Sh. R.L. Mandowara	SECTION OFFICER	LAW	NT
185	Sh. Chain Ram Dangi	JAMADAR	UCOS	NT/P
186	Sh. Kamal Vaswani	SECTION OFFICER	ADM	NT
187	Dr. S.C. Choudhary	ASSOC. PROF. OF MATHEMATICS	UCOS	T
188	Dr. Saifuddin Bohra	SECTION OFFICER (PENSION)	ADM	NT
189	Dr. J.S. Sethi	ASSOC. PROF. OF ZOOLOGY	UCOS	T
190	Sh. Khem Raj Gujar	DRIVER	ADM	NT
191	Sh. Heera Lal Menaria	DRIVER	ADM	NT
192	Smt. Asha Dhabhai	PEON,	UCSSH	NT/F/P
193	Dr. Rajni Upadhyay	PROF,	UCOS	T/F
194	Dr. H.K. Paneri	ASSOC. PROF. OF HINDI	CSSH	T/F
195	Dr. Kamta Prasad	ASSOC. PROF. OF BOTANY	UCOS	T
196	Dr. (Mrs.) Sushma Singhvi	PROF,	UCSSH	T/F
197	Smt. Doli Bai Mali			NT/F
198	Smt. Sunita Nag	S.O.,	ADM	NT/F
199	Smt. Kanak Lata Menaria	DRIVER,	UCOS	NT/F
200	Smt. Picholia	PEON,	ADM	NT/F/P
201	Dr. S.C. Khosla	PROF. OF GEOLOGY	GEOLOGY	T
202	Sh. Khem Raj Nagda	J.T.A.	UCOS	NT/P
203	Dr. R.L. Jat	ASSOC. PROF.	LAW	T
204	Sh. Rajmal Jain	SECTION OFFICER(ACCTTS)	ADM	NT
206	Sh. Babu Lal Kumawat	ASSTT. REGISTRAR	UCCMS	NT
207	Sh. Dal Chand Dangi	PEON DRAWING & PAINITING	CSSH	NT
208	Dr. B.L. Verma	PROF. OF CHEMISTRY	UCOS	T
209	Sh. Mohan Lal Trivedi	PROF. ASSISTANT	CENTRAL LIBRARY	T
210	Dr. Chunni Lal Sharma	PROF. OF SOCIOLOGY	CSSH	T
211	Smt. Kanaktara Porwal	PROFESSIONAL ASSTT.		NT
212	Dr. Prem Suman Jain	PROF. OF JAINOLOGY & PRAKRIT	CSSH	T
213	Smt. Zarina Faruqui	ASSOC. PROF.,	UCSSH	T/F
214	Smt. Kashani Bai Kumhar	LAB. ASSISTANT	UCOS	NT/F/P
215	Smt. Amba Bai	PEON,	ADM	NT/F/P
216	Smt. Arpana Banerjee			T/F
217	Dr. Mohan Adwani	PROF. OF SOCIOLOGY	CSSH	T
218	Sh. Chandra Singh Kothari	SECTION OFFICER	ADM	T
220	Dr. P.R. Maliwal	ASSOC. PROF. OF HINDI	CSSH	T
221	Smt. Ramba Devi	PEON,	ADM	NT/F/P
222	Smt. Mohan Lal	BOOK ATTENDENT	GEOLOGY	NT/F
223	Sh. Naval Ram Gameti	CHOWKIDAR(PEON)	UCOS	NT/P
224	Smt. Lali Bai	PEON,	UCSSH	NT/F/P
225	Sh. T.C. Chatwani	ASSTT. REGISTRAR	CSSH	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
227	Sh. S.N. Nandawat	SECTION OFFICER(ACCTTS)	ADM	NT
228	Smt. Kanka Devi	BOOK LIFTER	GEOLOGY	NT/F/P
229	Sh. A.L. Chandaliya	ASSTT. REGISTRAR,	ADM	NT
230	Smt. Sushila Paliwal			NT/F
231	Sh. Vishnu Rebari	PEON DEPTT. OF GEOLOGY	GEOLOGY	NT/P
232	Smt. Nani Purbia	SO	ADM	NT/F
233	Smt. Nani Bai	PEON	UCCMS	NT/F/P
234	Sh. Lal Singh Rajput	PEON	ESTATE OFFICE	NT/P
235	Sh. Mohan Lal Menaria	PEON	LAW	NT/P
236	Dr. R.L. Bhatt	ASSOC. PROF.	LAW	T
237	Dr. S.S. Sharma	PROF. OF PHYSICS	UCOS	T
238	SH. Tej Singh Choudhary	UDC	ADM	NT
240	Sh. Onkar Lal Menaria	UDC	LAW	NT
241	Sh. K.L. Pokharna	SECTION OFFICER	ADM	NT
242	Sh. Ram Narayan Menaria	LAB. ASSISTANT PHYSICS	UCOS	NT/P
243	Sh. Ganga Ram Dangi	LAB. ATTENDENT	UCOS	NT/F/P
244	Sh. Ganesh Lal Meghwal	LAB. ATTENDENT BOTANY	UCOS	NT/P
245	Sh. Bansi Lal Rajput	LAB. ATTENDENT	UCSO	NT/P
246	Smt. Jayshree D/o Late Sh. G.K. Mehra	ASSTT. LIBRARIAN	CCMS	NT/F
247	Smt. Leela Bai	PEON,	UCL	NT/F/P
248	Dr. S.N. Vyas	ASSOCIATE PROF.	LAW	T
249	Smt. Sharda Kanwar	PEON	UCSSH	NT/F/P
251	Smt. Pema Dangi	PEON DEPTT. OF CHEM.	UCOS	NT/P
253	Smt. Shobha Devi Bhati	LAB. TECHNICIAN CHEM.	UCOS	NT/F
254	Smt. Shubra Agrawal	ASSOC. PROF. PHYSICS	UCOS	T
255	Sh. Laxmi Lal Verma	ASSOC. PROF. DEPTT. OF DRAWING & PAINTING	CSSH	T
256	Sh. K.R. Nagda	SENIOR PERSONAL ASSIS.	ADM	NT/P
257	Sh. Man Mal Kudal	SECTION OFFICER	ADM	NT
258	Dr. H.R. Tyagi	PROF. OF ZOOLOGY	UCOS	T
260	Smt. Jashoda Nagda	LAB. ATTENDENT	UCOS	NT/F/P
261	Smt. Kasturi Bai	PEON	UCCMS	NT/F/P
262	Sh. Moti Lal Salvi	CHOKIDAR(PEON)	FMS	NT/P
263	Dr. C.N. Mathur	PROF. PSYCHOLOGY	CSSH	T
264	Smt. Hansa Devi			NT/F
265	Sh. Ram Narayan Sharma	LAB. TECHNICIAN ZOOLOGY	UCOS	NT
266	Sh. Devi Lal Gandharva	LAB. ATTENDANT	CSSH	NT/F/P
268	Smt. Kaushalya Devi Vyas	LDC GEOLOGY	GEOLOGY	NT
269	Dr. K.C. Gyani	. PROF. GEOLOGY	GEOLOGY	T
270	Sh. S.S. Joshi	LAB. TECH. CHEMISTRY	UCOS	NT
271	Smt. Daya Trivedi	ASSTT. PROF.	UCSSH	T
272	Dr. B.L. Jain	ASSOC. PROF. SANSKRIT	CSSH	T
273	Dr. K.K. Sud	PROF. OF PHYSICS	UCOS	T
274	Sh. Lehru Lal Nagda	LAB. ATTENDENT PHYSICS	UCOS	NT/P

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
275	Sh. S.R. Kothari	SECTION OFFICER	LAW	NT
276	Sh. Shanker Lal Soti	PEON	CSSH	NT/P
277	Sh. Mour Singh	SECTION OFFICER	ADM	NT
278	Smt. Mohani Bai	PEON,	ADM	NT/F/P
279	Sh. H.M. Soni	SECTION OFFICER	ADM	NT
280	Smt. Roopa Bhoi	LABORATORY BEARER	GEOLOGY	NT/F/P
281	Sh. Mathura Lal Purohit	SENIOR PERSONAL ASSIS.	UAO	NT
282	Sh. D.C. Sharma	SECTION OFFICER	ADM	NT
283	Sh. J.C. Sharma	ACCO. OFFICER	ADM	NT
284	Sh. P.C. Jain	SECTION OFFICER	UCOS	NT
285	Sh. Bhanwar Singh Rajput	LAB. ATTENDANT	UCOS	NT/P
286	Smt. Vishva Prabha Pandya	UDC	ADM	NT/F
287	Smt. Chhagan Bai Paliwal	LAB. ATTED.	UCOS	NT/F/P
288	Sh. Roop Lal Gameti	PEON	GEOLOGY	NT/P
289	Sh. S.S. Singhwadia	UDC	CSSH	NT
290	Sh. Prem Shanker Nagda	LAB. ATTED.	UCSSH	NT
292	Sh. Bodu Ram Jat	PROFESSIONAL ASSTT.	UCL	NT
293	Sh. Jayani Prasad	S.O.	ADM	NT
295	Sh. Bishan Singh Rajput	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
296	Smt. Ratan Kunwar	LAB. BEARER	UCOS	NT/F/P
297	Sh. Tara Chand Meghwal	ASSTT. MECH.	UCOS	NT
298	Sh. A.L. Kheradi	S.O.	UCCMS	NT
299	Smt. Bhanwar Kanwar			NT/F
300	Dr. Arun Chaturvedi	PROF.	POLITICAL SCIENCE	T
301	Sh. M.L. Dhing	UDC	UCOS	NT
302	Sh. Dhan Lal Mali	LDC	UCOS	NT
303	Sh. Sheel Chand Jain	LDC	COL	NT
304	Sh. Tulsi Ram Mali	PEON	UCOS	NT
305	Smt. Mangi Bai Mojawat	CHOKIDAR	UCOL	NT/F/P
306	Sh. Bhagga Ram Gameti	LA. ATTED.	UCOS	NT/P
307	Sh. Roop Singh Rajput	JR. MECH.	UCOS	NT/P
308	Sh. Hari Om Verma	TABLA PLAYER	UCSSH	NT
310	Sh. Kumar Khabrani	UDC	UCSSH	NT
311	Sh. Satya Prakash Verma	UDC	FMS	NT
312	Smt. Sajni Bai	SWEEPER	UCCMS	NT/P
313	Smt. Bhagwati Bai	LAB. ATTED.	UCOS	NT/F
314	Sh. K.P. Goswami	UDC	ADM	NT
315	Smt. Sashi Dave	ASSTT. LIB.	UCOS	T/F
318	Sh. Kanhaiya Lal Dangi	UDC	UCCMS	NT
319	Sh. L.K. Soni	ASSOC. PROF.	UCCMS	T
320	Sh. Abdul Latif Shekh	LAB. ATTED	UCOS	NT/P
321	Smt. Sohan Kunwar	PEON	UCOS	NT/P
322	Dr. V.P. Bhatt	ASSOC. PROF.	UCSSH	T
323	Smt. Mohini Bai	PEON	UGH	NT/F/P

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
324	Sh. Amba Lal Bhoi	LDC	UCOS	NT
325	Sh. Prem Shankar Suthar	PEON	UGH	NT/P
326	Sh. Kalu Singh	PEON	UGH	NT/P
327	Sh. Hagami Lal	GARDNER	UCOS	NT/P
338	Sh. Himmat Singh Chhajed	S.O.	UCOL	NT
339	Sh. Amrit Lal Sahlot	DY. REGISTRAR	ADM	NT
340	Smt. Sarju Bai	PEON	ADM	NT/F/P
341	Sh. Prem Chand Jain	S.O.	ADM	NT
342	Sh. Ram Babu Gupta	TECH. ASSTT.	UCOS	NT
343	Sh. Arjun Lal Jain	S.O.	UCOS	NT
346	Smt. Champa Nagda	PEON	ADM	NT/P
347	Dr. Raj Kumar Malkani	ASSOC. PROF	UCOS	T
348	Sh. Chhagan La Harijan	PEON		NT/F/P
349	Sh. Ganesh Lal Gayari	BOOK LIFTER	UCOL	NT/F/P
350	Sh. B.L. Sharma	PROF.,SANSKRIT	UCSSH	T
351	Sh. Kesu Lal Paliwal	PEON	ADM	NT/P
353	Sh. Pratha Gameti	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
354	Sh. Shambhu Dayal	UDC	UCOS	NT
356	Sh. Puran Lal Harijan	SWEEPER	UCOL	NT/P
357	Sh. Shambhu Singh Ranawat	LAB. TECH.	UCOS	NT
358	Sh. Nand Lal Paliwal	SR. PA	ADM	NT
359	Smt. Dulari Mathur	PROFESSIONAL ASSTT., UCSSH	UCSSH	NT
360	Sh. Mohan Das	PEON	UCOL	NT/F/P
361	Sh. Lehri Bai	PEON	UCW	NT/F/P
362	Sh. Pratap Singh	PEON	ADM	NT
363	Sh. Sewa Ram Kumawat	ELECTRICIAN	UEO	NT/F
364	Dr. P.S. Ranawat	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
365	Smt. Mamta Shrivastav	LDC	ADM	NT
366	Sh. Prem PrakashBisaria	LAB. TECH.	UCOS	NT
368	Sh. Pratap Lal Meghwal	LAB. ATTEN.	UCOS	NT/P
369	Sh. K.C. Goyal	ASSTT. REGISTRAR	ADM	NT
370	Sh. Gajanand Audichya	S.O.	ADM	NT
371	Sh. Rajendra Jain H/o Late Smt. Kamla Jain	ASSOC. PROF.	UCSSH	T/F
373	Smt. Dhapu Bai	BELDAR	UEO	NT/F/P
374	Smt. Om Lata Sharma	S.O.	ADM	NT
375	Sh. Ramesh Chandra Nagar	S.O.	ADM	NT
376	Sh. Thawar Chand Jain	UDC	ADM	NT
377	Smt. Dali Bai	DRIVER	UCOS	NT/F/P
379	Sh. Kamal Das Veragi	LAB. ASSTT.	UCOS	NT/P
380	Dr. Suresh Chand Ameta	PROF., CHEMISTRY	UCOS	T
381	Sh. Chatur Bhuj Audichya	JR. TECH. ASSTT.	UCOS	NT
382	Sh. Suresh Kumar Bhatt	TECH. ASSTT.	UCOS	NT
383	Sh. Nazmul Hussain	CRICKET COACH	USB	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
384	Sh. Vagat Ram Gameti	GARDNER	UCW	NT/P
385	Sh. Babu Lal Dhobi	PEON	UCSSH	NT/P
386	Sh. Gopi Lal Bhoi	BOOK LIFTER	UCL	NT/P
387	Sh. Karan Mal Jaroli	S.O.	ADM	NT
388	Sh. Laxmi Lal Kaneria	UDC	UCSSH	NT
391	Sh. Madan Lal Nagda	LAB. ATTED.	ADM	NT/P
392	Sh. Jeevandhar Lal Jain	S.O.	UCSSH	NT
393	Dr. Umrao Singh Rao	S.O.	ADM	NT
394	Smt. Subha Singhvi	TECH. ASSTT.	(COUNSELLOR)	NT/F
395	Sh. Mana Lal Bhoi	PEON	ADM	NT/P
397	Sh. Mangi Lal Gurjar	UDC	ADM	NT
398	Dr. Devendra Kumar Bhatt	PROF.	ZEOLOGY UCOS	T
399	Dr. Ganpat Lal Talesara	PROF.	CHEMISTRY, UCOS	T
400	Sh. Prem Kumar Kapoor	UDC	UCCMS	NT
401	Dr. Prem Singh Bhandari	LECTURER, MUSIC	UCSSH	T
402	Dr. Anand Prakash Bhardwaj	CARTOGRAPHER(LEC.)	UCSSH	NT
403	Sh. Sohan Singh Ranawat	JAMADAR	UCOS	NT/P
404	Smt. Shakku Bai	PEON	UCOS	NT/F/P
405	Sh. Kalu Lal Sharma	HELPER MECH.	UCOS	NT
406	Sh. Anandi Lal Shrimali	COOK	U.G.H.	NT/P
407	Sh. Amrit Lal Obhawal	UDC	ADM	NT/F
408	Dr. M.L. Kalra	PROF. PHYSICS	UCOS	T
409	Sh. Jag Mohan Agrawal	LAB. TECH.	UCOS	NT
410	Sh. Roop Lal Menaria	BOOK LIFTE	UCSSH	NT/P
411	Sh. Shyam Sunder Chhajed	S.O	UCOS	NT
412	Sh. Pema Gameti	PEON	UCSSH	NT/P
413	Smt. Anita SinghW/o Late U.B. Singh	PROF.	UCCMS	T/F
414	Smt. Amba Bai	PEON	UCSSH	NT/F/P
416	Sh. Prithvi Raj Dangi	SEC. CUTTER	UCOS	NT
417	Smt. Rathore	UDC	UEO	NT/F
418	Dr. Ravindra Nath Vyas	PROF. GEOGRAPHY	UCSSH	T
421	Dr. Chandra Prakash Joshi	PROF., PSYCHOLOGY	UCSSH	T
423	Dr. S.R. Vyas	PROF., PHILOSOPHY	UCSSH	T
424	Sh. Shyam Lal Nagda	S.O	ADM	NT
425	Sh. C.L. Jain	S.O	ADM	NT
426	Sh. Mohan Singh	LAB. ATTD.	UCOS	NT/F/P
427	Sh. Neel Kanth Sharma	PEON	ADM	NT/P
428	Smt. Naval Mishra	UDC	ADM	NT
429	Sh. Dharam Lal Nagda	PEON	ADM	NT
430	Smt. Harsha Mendireta	LDC	UCSSH	NT
432	Sh. Sruesh Chandra Chittora	UDC	UCOL	NT
433	Smt. Neeta Gupta	LDC	ADM	NT/F
434	Sh. Tej Singh Bohra	PROFESSIONAL ASSTT.	UCL	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
435	Dr. Umesh Kumar Agrawal	ASSTT. LIB.	UCL	T
436	Sh. Tulsi Ram Dangi	UDC	ADM	NT
437	Sh. M.L. Dhing	UDC	UCOS	NT
438	Sh. Pratap Singh Talreja	JTA	UCSSH	NT
439	Sh. Ramesh Chand Sharma	TECH. LAB. ASST.	UCOS	NT
440	Sh. Modi Lal Meghwal	BOOK LIFTER	UCOL	NT/P
441	Sh. Satya Narain Chouhan	UDC	ADM	NT/F/P
442	Sh. Hari Singh Panwar	S.O	ADM	NT
443	Sh. Avinash Sanadhya	LDC	ADM	NT
444	Dr. (Miss) Girija Vyas	PROF., PHILOSOPHY	UCSSH	T
445	Sh. Kamal Kant Sharma	S.O	ADM	NT
446	Sh. Vinod Kumar Sharma	S.O	ADM	NT
447	Sh. Arvind Kumar Shrimali	S.O	ADM	NT
448	Dr. Madhu Sudan Sharma	PROF., ZOOLOGY	UCOS	T
449	Sh. Amba Lal Sharma	SENIOR MISTRY	UEO	NT/P
450	Sh. Manohar Singh Bomb	SR. P.A.	UCCMS	NT
451	Dr. Roshan Lal Jodhawat	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
452	Dr. (Mrs.) Vijay Laxmi Chouhan	PROF., PSYCHOLOGY	UCSSH	T
453	Sh. Nagendra Kumar Shrimali	LDC	ADM	NT
454	Smt. Kanta Shrivastava	LDC	UCOS	NT/F
455	Dr. Basanti Lal Hiran	PROF., CHEMISTRY	UCOS	T
456	Mr. Abdul Salam Khan	PS	ADM	NT
457	Dr. B.L. Choudhary	PROF., BOTANY	UCOS	T
458	Sh. Bhagwati Lal Jain	SO	ADM	T
459	Smt. Sheela Verma	LDC	ADM	NT
460	Dr. Zenab Banu	PROF., POLI.SCI.	UCSSH	T
461	Sh. Keshav Lal Dangi	UDC	UCSSH	NT/P
462	Sh. Bheru Lal Mali	PEON	UCSSH	NT/P
463	Sh. Mohan Lal Dave	JTA	UCSSH	NT
464	Dr. K.G. Ramawat	PROF., BOTANY	UCOS	T
465	Sh. Devi Lal Suthar	ASSTT. MECH.	UCOS	NT/P
466	Smt. Shakuntala Nahar	J.T.A.	UCOS	NT/F
467	Sh. Madan Singh Rajput	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
468	Dr. Hukum Chand Jain	PROF., JAINO. & PRAKRIT	UCSSH	T
469	Dr. S.S. Kateva	PROF., BOTANY	UCOS	T
470	Sh. Heera Lal Dangi	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
471	Dr. (Mrs.) Hemlata Bolia	PROF., SANSKRIT	UCSSH	T
472	Dr. Kusum Choudhary	ASSOC. PROF., SANSKRIT	UCSSH	T
473	Smt. Vartika Chhaiwani	LDC	UCW	NT/F
474	Sh. Lal Singh Rathore	JTA	UCOS	NT
475	Dr. Naresh Chand Aery	PROF., BOTANY	UCOS	T
476	Sh. Dalla Gameti	GRADNER	UEO	NT/P
478	Sh. Jagdish Lal Suthar	CARPENTER	UEO	NT/P
479	Sh. Chunni Lal Sharma	UDC	ADM	NT

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
480	Dr. P.C. Avadich	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
481	Sh. Ishwar Singh Chouhan	SR. P.A.	UCOS	NT
482	Sh. Mohan Das	PEON	ADM	NT/P
483	Smt. Hamani Bai	CHOWKIDAR	UCCMS	NT/F/P
484	Smt. Manjula Rathore	JTA	UCL	NT
485	Sh. Nan Singh	PEON	ADM	NT/P
486	Sh. Himmat Singh Murdia	S.O.	ADM	NT
487	Sh. Hukmi Chand Menaria	UDC	UCOS	NT
488	Smt. Kalawati	FITTER	UEO	NT/F/P
489	Smt. Kamla Devi	UDC	ADM	NT/F/P
490	Sh. Shubash Chandra Jain	UDC	UCOS	NT
491	Smt. Kishori Ratnu	ASSTT. PROF.	UCOS	T/F
492	Smt. Shakuntala Verdia	S.O.	UCOS	NT
493	Sh. Prakash Kataria	PROF.GEOLOGY	UCOS	T
494	Sh. Bhura Lal Joshi	UDC	UCSSH	NT
495	Dr. (Mrs.) Anju Kohli	PROF., ECONOMICS	UCSSH	T
496	Sh. Nathu Lal Dhing	LAB. TECH.	UCOS	NT
497	Sh. Ghanshyam Singh Bhati	LAB. TECH.	UCOS	NT
498	Smt. Lalita Verma	ASSTT. REGISTRAR	UCSSH	NT
499	Dr. Raghuveer Singh Chouhan	PROF., MATHS	UCOS	T
500	Smt. Pushpa Devi	UDC	ADM	NT/F
501	Dr. Manohar Singh Dulawat	PROF., MATHS	UCOS	T
502	Sh. Sajjan Singh Ranawat	S.O.	ADM	NT
503	Sh. Jagdish Chandra Menaria	LDC	ADM	NT
504	Sh. Madhav Lal Sharma	UDC	ADM	NT
505	Sh. Suresh Kumar Sharma	UDC	ADM	NT
506	Sh. Gouri Shanker Shrimali	COOK	UGH	NT/P
507	Sh. Prakash Chandra Gehlot	S.O.	UCOS	NT
508	Sh. Jitendra Kumar Shrimali	UDC	UCCMS	NT
509	Sh. Fateh Singh Rajput	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
510	Dr. S.N.A. Jaafrey	PROF., PHYSICS	UCOS	T
511	Smt. Surendra Mathur	S.O.	ADM	NT
512	Sh. Dul Chand Dangi	PEON	C.W.O	NT/F/P
513	Sh. Dulhe Singh	FARRASH	C.W.O	NT/P
514	Sh. Bhanwar Lal Dangi	BELDAR	E.O.	NT/P
515	Smt. Surendra Kaur	PROF. SOCIOLOGY	UCSSH	T/F
516	Sh. Yogesh Mehta	S.O.	ADM	NT
517	Dr. Rajesh Pandey	PROF.	PHYSICS	T
518	Sh. Pradeep Saruparia	SR. P.A.	ADM	NT
519	Dr. Basanti Lal Heda	ASSOC. PROF.	UCCMS	T
520	Smt. SHIV NARAYAN Joshi	JTA	UCCMS	NT/F
521	Sh. Gandev Vashistha	UDC	UCSSH	NT
522	Dr. T.D. Tilwani	ASSOC. PROF., LIB.	UCSSH	T
523	Dr. R.L. Tamboli	PROF.	UCCMS	T

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
524	Sh. Sunder Lal Lalawat	S.O.	ADM	NT
525	Sh. Devaji Gameti	**Helper**	EstateOffice	NT/P
526	Dr. Narendra Kumar Chouhan	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
527	Smt. Nirmala Diya	Lab.Bearer	U.COS	NT
528	Dr. Indra Vardhan Trivedi	PROF.	UCCMS	T
529	Sh. Veni Ram Dangi	Farrash	UCOS	NT/P
530	Dr. Vijay Kumar Pareek	Project Officer	UCSSH	T
531	Dr. Om Prakash Jain	ASSTT. PROF.	UCCMS	T
532	Shri Tara Chand Bhoi	UDC	UCSSH	NT
533	Shri Heer Singh Rathore	LAB. ATTENDENT	UCOS	NT/P
534	Smt. Vidhya Choudhary	JTA	UCOS	NT
535	Dr. Maheep Bhatnagar	PROF. ZOOLOGY	UCOS	T
536	Dr. Hemlata Joshi	PROF. GEOGRAPHY	UCSSH	T
537	Sh. Munna Khan	**Electrician Gr.II**		NT
538	Smt. Abha Lodha	UDC	UCOS	NT
539	Dr. Lal Chand Khatri	PROF. GEOGRAPHY	UCSSH	T
540	Dr. Vallabh Lal Mandowara	PROF. MATHS & STAT.	UCOS	T
541	Shri Mangi Lal Ameta	LAB. ASSTT.	UCSSH	NT
542	Sh. Subhash Chandra Nagla	S.O.	ADM	NT
543	Sh. Gajendra Singh Barhat	LAB. ATTENDENT	UCSSH	NT
544	Smt. Chunni Bai	PEON	C.W.O	NT/F/P
545	Dr. Dariyav Singh Chundawat	PROF. BUS.ADM.	UCCMS	T
546	Sh. Bhanwar Lal Dangi	LAB. ATTENDENT	UCOS	NT
547	Dr. K.C. Sodani	PROF. BUS.ADM.	UCCMS	T
548	Mr. Ashrafuddin Quazi	JUNIOR MECHANIC	UCOS	NT
549	Sh. Roop Chand Verma	SENIOR GLASS BLOWER	UCOS	NT
550	Sh. Bhanwar Singh Rajput	Electrician & PLUMBER	E.O.	NT
552	Sh. Rodi Lal Dangi	PEON	GUEST HOUSE	NT/P
553	Sh. Poonam Chand Agrawal	S.O.	ADM	NT
554	Sh. Parwat Singh Bhandari	U.D.C.	COL	NT
555	Smt. Nafisa Hatmi	PROF. ENGLISH	UCSSH	T
556	Smt. Manjula Kavdiya	PROF. ASSTT. LIB.	UCSSH	NT
557	Dr. Ashutosh Mohan	ASSOC. PROF. ENGLISH	UCSSH	T
558	Dr. Sandhya Tyagi	ASSTT. PROF., BOTANY	UCOS	T
559	Smt. Anita Mehta	ASSOC. PROF. CHEMISTRY	UCOS	T
560	Sh. Dalla Ram Gameti	ANIMAL CATCHER	USOC	NT/P
562	Sh. Mahendra Kumar Paliwal	ADDL. P.S.	ADM	NT
563	Smt. Hemlata Shrimal	JTA	UCL	NT
564	Shri S.L. Mathur	U.D.C.	ADM	NT
565	Smt. Nirmala Jain	PROF. PHILOSOPHY	UCSSH	T
566	Shri Mangi Lal Bhoi	PEON	ADM	NT/P
567	Prof. D.K. Nagori	ASSOC. PROF. GEOLOGY		T
568	Sh. Reva Shankar Nagda	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
569	Dr. A.K. Goswami	PROF. CHEMISTRY	UCOS	T

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
570	Dr. M.S. Shekhawat	BELDAR	E.O.	T
571	Sh. B.L. Gameti	PROF. GEOLOGY		NT/P
572	Sh. R.C. Joshi	S.O.	ADM	NT
573	Smt. Meena Pandey	PROF. GEOLOGY		T/F
574	Sh. Nana Lal Nai	PEON	UCSSH	NT/P
575	Smt. Kanku Devi Bhoi	BELDAR, E.O.		NT/F/P
576	Dr. S.D. Purohit	PROF. BOTANY	UCOS	T
577	Sh. Mahesh Kumar Bhatnagar	UDC	ADM	NT
578	Dr. (Mrs.) Meena Gaur	PROF. HISTORY	UCSSH	T
579	Dr. Vinod Agarwal	PROF. GEOLOGY		T
580	Sh. Ratan Lal Kumar	PEON	UCW	NT/P
581	Sh. Harjeet Singh Bhambra	LAB.TECH.	UCOS	NT
582	Sh. Bharat Vyas	UDC	UCOS	NT
583	Sh. Bhanwer Lal Gameti	PEON	UCCMS	NT
584	Sh. Shyam Lal Jain	S.O.	ADM	NT
585	Sh. Shyam Lal Harijan	PEON	UCSSH	NT/P
586	Smt. Kanchan Chundawat	BOOK LIFTER	UCOL	NT
587	Smt. Barkha Devi W/o Late Sh. Rajesh Kumar	PEON	UCOS	NT/F/P
588	Sh. Nisar Ahmed	S.O.	UCSSH	NT
589	Sh. Krishna Chandra Mishra	CLEARK GRADE-I	ADM	NT
590	Sh. Gajraj Chplot	CLEARK GRADE-I	ADM	NT
591	Smt. N. Lakshmi W/o Late K. Venugopalan	PROF. CHEMISTRY	UCOS	T/F
592	Sh. Ramesh Jaroli	PS	ADM	NT
593	Sh. Prof. Pradeep Kumar Jain	PROF.	FMS	T
594	Sh. Mohan Lal Dangi	PEON	ADM	NT
595	Sh. Shambhu Dayal Bairwa	S.O.	ADM	NT
596	Dr. Farida Shah ,	PROF., ECONOMICS	UCSSH	T
597	Dr. Dharm Raj Joshi	RESEARCH ASSTT.	PRC	T
598	Smt. Asha Meena	PEON	UCSSH	NT/P
599	Sh. . Chatar Singh Chauhan	CLEARK GRADE-I	ADM	NT
600	Sh. Gopal Chandra Vaishnav	S.O.	ADM	NT
601	Dr. Rekha Dashora	PROF. CHEMISTRY	UCOS	T
602	Hemant bhandari	ASSTT. ENG.	ADM	NT
603	Sh Lalit Parkesh Chittora	S.O.	ADM	NT
604	Sh.Bhanwar Singh Panwar	PEON	ADM	NT
605	Dr. Girdhari Singh Kumpawat	PROF., POLI.SCI.	UCSSH	T
606	Dr. Arun Prabha Choudhary	PROF., ECONOMICS	UCSSH	T
607	Dr. Sharad Chandra Srivastava	PROF., ENGLISH	UCSSH	T
608	Sh. Inder Singh Rajput	MUNSHI	E.O.	NT
609	Dr.Vinod kumar Sharma	ASSOC. PROF., CHEMISTRY	UCOS	T
610	Dr. Kalawati Munet	ASSOC. PROF.	UCOL	T

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
611	Dr. Durga Singh Rathore	LAB. TECH.	FMS	NT
612	Sh. Mahaveer Dutt Chaturvedi	LAB. TECH.	UCOS	NT
613	Dr.Ishaq Mohmmad Kayamkhani	PROF., GEOGRAPHY	UCSSH	T
614	Sh. Gopal Lal Vaishnav	CLEARK GRADE-I	UCOS	NT
615	Sh Girja Shankar Menaria	SEC. CUTTER	UCOS	NT
616	Sh Ramesh Chandra Chittora,	S.O.	ADM	NT
617	Sh Ram Lal Sharma	PEON	FMS	NT
618	Smt. Hansa Hinger	JTA	UCOS	NT
619	Dr.Chhaya Bhatnagar	ASSTT. PROF., CHEMISTRY	UCOS	T
620	Sh.Rantesh Kumar Sahlot	CLEARK GRADE-I	ADM	NT
621	Sh. Shobha Lal Mali	CHOWKIDAR	UCSSH	NT/P
622	Smt. Bholi Ram	BOOK LIFTER	UCOL	NT/P
623	Sh. Raghunath Dutt Mathur	LAB. TECH.	UCOS	NT
624	Smt. Uma Shrimali W/o Late Vijay Shrimali	PROF.	UCCMS	T/F
625	Sh. K. C. Barber	S.O.	ADM	NT
626	Sh. Sanjiv Agrawal	SYS. MANAGER	UCOS	T
627	Sh. Nathu Lal	SWEEPER	UCOL	NT/P
628	Smt. Resham kunwar W/O LATE NAHAR SINGH	LDC	ADM	NT/F
629	Sh. Tulsi Ram	PEON	UCOS	NT/P
630	Sh. Bhagga Gameti	CHOWKIDAR	UCSSH	NT/P
631	Sh. Jai Ram Nagda	PEON	UCSSH	NT/P
632	Prof. M.L. Nagori	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
633	Prof. Harsh Bhu	PROF., GEOLOGY	UCOS	T
634	Prof. C.M. Jain	PROF., ABST	UCCMS	T
635	Sh. Khyali Lal Joshi	GAS MISTRI	UCCMS	NT
636	sh. Ramesh Chandra Joshi	CLERK GRADE-I	UCOL	NT
637	Sh. Ratan Lal Kumawat	PEON	UCSSH	NT/P
638	Prof. Pinky Bala Punjabi	PROF.	UCOS	T
639	Prof. Monika Nagori	PROF.	UCSSH	T
640	Sh. Bhanwar Lal Rawat	PEON	UCOS	NT/P
641	Sh. Hav Lal	PEON	UCOS	NT/P
642	Smt. Lalita Soni	PEON	UCOS	NT/P
643	Sh. Samrath Lal Salvi	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
644	Sh. K. L. Paliwal	CLERK GRADE-I	ADM	NT
645	Smt. Kumhar W/o Late Sh. Yogesh Kumar Kumhar	PEON	UCOS	NT/F/P
646	Sh. A.K. Ajmera	CLERK GRADE-I	ADM	NT
647	Sh. Kamla Bai	PEON	UCSSH	NT/F/P
648	Sh.Udai Lal Dangi	PEON	UCSSH	NT/P
649	Sh. Hari Singh Ratnu	ADDI. P.S.	UCSSH	NT
650	Sh. Kesar Singh	PEON	UCSSH	NT/P
651	Smt. Amba Bai	PEON	UCW	NT/F/P
652	Prof. BRIJ MOHAN VYAS	PROF.	UCOS	T

PPO No.	Name	POST HELD ON RETIREMENT	DEPARTMENT	T/NT/F/P
653	Dr. Ashok kumar Nagar	PROF.	UCCMS	T
654	Sh. BHERU SINGH RAJPUT	LAB. TECH.	UCOS	NT
655	Sh. RAJKUMAR BHOI	PEON	UEO	NT/P
656	Sh. C.L. MEGHWAL	PEON	UCCMS	NT/P
657	Sh. PURAN MAL DANGI	PEON	ADM	NT/P
658	Sh. KHUMAN SINGH	PEON	UCSSH	NT/P
659	Sh. BHAGWAT SINGH	PEON	UCOS	NT/P
660	Sh. ABDUL RAJAK	DRIVER	ADM	NT
661	Sh.SURJA RAM JAKHAR	ASSTT. PROF., GEOLOGY	UCOS	T
662	Sh.HARJEE DANGI	PEON	UCSSH	NT/P
664	Prof. MAHESHWAR ROY	PROF.	UCOS	T
665	Prof. Ragini Sharma	PROF.	UCOS	T
666	Prof. Preeti Singh	PROF.	UCOS	T
667	Sh. Rajkumar Harijan	LAB. BEARER	UCOS	NT/P
668	Sh. Bhagwati Sharma	PEON	UCOS	NT/P
669	Sh. L.K. Jain	S.O.	ADM	NT
670	Prof. Renu Jatana	PROF.	UCCMS	T
671	Prof. Girdhar Soral	PROF.	UCCMS	T
673	Shri Praveen Singh Sarangdevot	LAB. ATTED.	UCOS	NT/P
674	Sh. Madhav Lal Sen	S.O.	ADM	NT
675	Prof. Ashok Singh Rathore	PROF.	FMS	T
NOTE: T : TEACHER, NT: NON TEACHING, P: PEON, F: FAMILY PENSION				

Annexure - X

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय

Chittorgarh

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
1	ACHARYA SHREE NANESH SAMTA MAHAVIDYALAYA, DANTA, CHITTORGARH	Acharya Shree Nanesh Samta Mahavidyalaya, Danta, Chittorgarh- 312202	9413372905	asnsvt@yahoo.com	PRIVATE
2	AKC COLLEGE, CHITTORGARH	A.K.C. College, Chittorgarh, Narbada Nagar, Chamti Khera Road, Chittorgarh-312201	9414202332	collegakc@gmail.com	PRIVATE
3	BAHUBALI T.T. COLLEGE,BADWAI, CHITTORGARH	Bahubali Teacher's Training College, Badwai, Tehsil-Dungla, Chittorgarh- 312402	9413480165, 6375737873	poonammihir123@gmail.com,	B.ED.
4	BHAGAWATI MAHILA T.T. COLLEGE, BASSI, CHITTORGARH	Bhagwati Mahila Teacher's Training College, Near Railway Station Opp. Ramdwara N.H. 27(76), Bassi, Chittorgarh-313022	7728984700	bmttcollegechittor@yahoo.in	B.ED.
5	DR.BHIMRAO AMBEDKER GOVT. P.G. COLLEGE,NIMBAHERA, CHITTORGARH	Dr.Bhimrao Ambedker Govt. P.G. College, Nimbahera, Chittorgarh-312601	9413047570	college.nimbahera@gmail.com	GOVT
6	Government College Gangrar Dist- Chittorgarh (Raj)	Government College Gangrar Dist- Chittorgarh (Raj)	9413043619	govtcollegegangrar@gmail.com	GOVT
7	GOVERNMENT COLLEGE, BEGUN, CHITTORGARH	Government College, Begun, Chittorgarh-312023	9079647189	principalbegun@gmail.com	GOVT
8	GOVT. COLLEGE, KAPASAN, CHITTORGARH	Govt. College, Kapasan, Chittorgarh-312202	8003275697	govtcollegekapasan@gmail.com	GOVT
9	GOVT. COLLEGE, RAWATBHATA, CHITTORGARH	Govt. College, Rawatbhata, Chittorgarh-323305	9414966808	rawatbhatacollege2016@gmail.com	GOVT
10	GOVT. GIRLS COLLEGE, CHITTORGARH	Govt. Girls College, Chittorgarh-312001	9414395827	girlscollegecor@gmail.com	GOVT
11	GOVT.COLLEGE, BARISADARI, CHITTORGARH 2018-19	Govt. College Barisadari, Chittorgarh-312403	9314121841	bhattarcr@gmail.com	GOVT
12	MAHARANA PRATAP COLLEGE, RAWATBHATA, CHITTORGARH	Maharana Pratap College, Rawatbhata, Near C.I.S.F Colony Chittorgarh Road, Rawatbhata, Distt- Chittorgarh-323305	9414377185	maharanapratapcollege@gmail.com	PRIVATE
13	MAHARANA PRATAP GOVT. P.G. COLLEGE, CHITTORGARH	Maharana Pratap Govt. P.G. College, Pratap Nagar, Chittorgarh-312001	9413641772	principalmppq@gmail.com, acadppg1962@gmail.com	GOVT
14	MAHARANA PRATAP LAW COLLEGE, CHITTORGARH	Maharana Pratap Law College, Chamti Khera Road, Roop Nagar, Chittorgarh- 312001	9413716774	mplawcollegechittorgarh@gmail.com	PRIVATE LAW
15	Mangalam College NH79 Chogawari road Gangrar Chittorgarh	Mangalam College NH79 Chogawari road Gangrar Chittorgarh	7014102705	rakesh9413111144@gmail.com	PRIVATE
16	MEERA MAHILA B.ED COLLEGE, CHITTORGARH	Meera Mahila B.Ed. College, Village- Semalpura, Chittorgarh-312001	9660661106	meeracollege@gmail.com	B.ED.
17	MEWAR GIRLS COLLEGE OF TEACHERS TRAINING, CHITTORGARH	Mewar Girls College of Teachers Training, Sector-5, Gandhi Nagar, Chittorgarh-312001	9414796788	mgctt06@yahoo.com	B.ED.
18	MEWAR GIRLS COLLEGE, CHITTORGARH	Mewar Girls College, Sectro-5 Gandhi Nagar Chittorgarh (Raj.) 312001	9414396303	mgimt04@yahoo.co.in	PRIVATE
19	NAVKAR TEACHER TRAINING COLLEGE, BHADESAR, CHITTORGARH	Navkar Teacher'sTraining College, Bhadesar, Chittorgarh-312602	9414618130	nttc20017@gmail.com	B.ED.
20	OM SHIV SANSTHAN COLLEGE SAGWADIYA, NIMBAHERA	OM SHIV SANSTHAN COLLEGE SAGWADIYA, NIMBAHERA	9414857959	omparmesh@gmail.com	Private
21	OM SHIV SANSTHAN COLLEGE, MANGALWAD, CHITTORGARH	Om Shiv Sansthan College, Mangalwad, Chittorgarh-312024	9001789644	omparmesh@gmail.com	PRIVATE

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
22	OM SHIV SANSTHAN T.T. COLLEGE, MANGALWAD, CHITTORGARH	OM Shiv Sansthan Teachers Training College, Mangalwad, Chittorgarh- 312024	9414857959	omparmesh@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-
23	Pragyan College Near Sbi Bank, Bus Stand Akola, Tehsil- Bhupal Sagar, Dist- Chittorgarh 2020-21	Pragyan College Near Sbi Bank, Bus Stand Akola, Tehsil- Bhupal Sagar, Dist- Chittorgarh	9828214376	pragyan14376@gmail.com	PRIVATE B.ED.
24	R.N.T LAW COLLEGE. CHITTORGARH	R.N.T Law College, Gandhi Nagar Chittorgarh (Raj) 312001	979950459	rntlawchittorgarh@gmail.com	PRIVATE LAW
25	R.N.T. P.G. COLLEGE, KAPASAN, CHITTORGARH	Ravindranath Tagore P.G. College,Kapasan. Near Matajee Tample Ke Pass Highway Road Kapasan. Chittorgarh- 312202	9460040118	rntkapasan1@gmail.com	PRIVATE
26	R.N.T. T.T. COLLEGE, KAPASAN, CHITTORGARH	R.N. T. College of Teacher Education. Near Mataji Temple, Kapasan. Chittorgarh- 312202	8239589903	rntkapasan1@gmail.com	B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
27	R.N.T.COLLEGE OF B.Ed.,. CHITTORGARH	R.N. T. College of B.Ed., Gandhi Nagar, Chittorgarh-312001	9587076385	rntbedcollege@gmail.com	B.ED.
28	R.N.T.COLLEGE OF TEACHERS EDUCATION, KAPASAN, CHITTORGARH	R.N. T. College of Teacher Education. Near Mataji Temple, Kapasan. Chittorgarh- 312202	8239589903	rntkapasan1@gmail.com	B.ED.
29	S.P COLLEGE, BADI SADRI, CHITTORGARH	Swami Puroshottam Acharya,College, Barisadri, Vinayaka Road,Barisadri , Chittorgarh - 312403	9829530947	spcollegebsr70@gmail.com	PRIVATE
30	S.R.K COLLEGE, BEGUN, CHITTORGARH	Shaheed Roopa Ji Kripa Ji College, Begun,.Chittorgarh - 312023	9414342622	srkc.begun@gmail.com	PRIVATE
31	SHARDHALAYA JAN JATI B.ED. COLLEGE, RAWATBHATA, CHITTORGARH	Shardhalaya Jan Jati B.Ed College, Rawatbhata, Chittorgarh- 323307	9521413942	drgirishsharma385@gmail.com	B.ED.
32	SHARDHALAYA WOMEN T.T. COLLEGE, RAWATBHATA CHITTORGARH	Shardhalaya Women Teacher's Training College, Adarsh Nagar, Rawatbhata. Chittorgarh-323307	9694227373	drgirishsharma385@gmail.com	B.ED.
33	SHREE NATH PHYSICAL TEACHER TRAINING COLLEGE, BARISADRI. CHITTORGARH	Shree Nath Physical Teachers Training College,Near Rly Gang Hut, Vinayaka Road Barisadri. Chittorgarh- 312403	7891668633	snttbped@gmail.com	B.PED
34	SHRI SANWALIYAJI GOVT. COLLEGE, MANDPHIYA, CHITTORGARH	Shri Sanwaria Ji Govt. College, Mandphiya, Chittorgarh-312027	9414258495	slkhatik1964@gmail.com.	GOVT
35	SHRINATH T.T. COLLEGE. BARISADRI, CHITTORGARH	Shrinath Teacher'sTraining College. Barisadri, Chittorgarh-312403	7891668633	sntt.barisadri@gmail.com	B.ED.
36	SUYASH COLLEGE OF EDUCATION. RASHMI, CHITTORGARH 2018-19	Suyash College Of Education. Rashmi Dindoli Main Road, Near Gandra Chouraha, Rashmi, Teshsil Rashmi, Chittorgarh-312203	9414164608	college.suyash@gmail.com	B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
37	SUYASH COLLEGE, RASHMI.	Suyash College,Rashmi,Rashmi Dindoli Main Road, Near Gandra Chouraha, Rashmi, Chittorgarh-312203	9414164608	college.suyash@gmail.com	PRIVATE
38	SUYASH T.T. COLLEGE, RASHMI, CHITTORGARH 2018-19	Suyash Teacher's Training College, Rashmi,Rashmi Dindoli Main Road, Near Gandra Chouraha, Rashmi, Chittorgarh-312203	9414164608	college.suyash@gmail.com	B.ED.
39	SWAMI VIVEKANAND MAHAVIDHYALAYA, BEGUN, CHITTORGARH 2018-19	Swami Vivekanand Mahavidhyalaya, Near Secondary School, Gangaur Vatika, Begun, Chittaurgarh-312023	9001407663	sharma262150@gmail.com	PRIVATE

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
40	U.S. OSTWAL SCIENCE, ARTS & COMMERCE TOLL PLAZA, MANGALWAD, CHITTORGARH	U.S Ostwal Science, Arts & Commerce College,Toll Plaza Mangalwad .Gram: Chapri, Panchayat: Negadia, Tehsil: Dungla, Narayanpura Toll Plaza, N. H. 76, Udaipur Road, Mangalwad, Chittorgarh - 313024	9116618991, 9166515020	usostwalprincipal@gmail.com	PRIVATE
41	VEER BHOMI GIRLS COLLEGE OF TECHNICAL AND MANAGEMENT STUDIES, BEGUN, CHITTORGARH	Veer Bhomi Girls College Of Technical And Management Studies, Begun, Chittorgarh-312023	9660275907	veerbhoomigc@gmail.com	PRIVATE
42	VISION COLLEGE OF COMMERCE, CHITTORGARH	Vision College of Commerce, Udaipur Road,, Chittorgarh 312001	9414156609	vision_mgmt@yahoo.com	PRIVATE
43	VISION COLLEGE OF TEACHERS TRAINING, CHITTORGARH (2020-21)	Udaipur Road,, Chittorgarh 312001	9414156611	vision_mgmt@yahoo.com	B.SC.-B.ED.

Rajsamand

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
44	B.N. P.G. GIRLS COLLEGE, KAKROLI, RAJASAMAND	B.N. P.G. Girls College, Kakroli, Rajsamand-313324	9414158352	bngc.kankroli@gmail.com	PRIVATE
45	GOVERNMENT COLLEGE, KUMBHALGARH, RAJASAMAND	Government College, Kumbhalgarh, Rajsamand-313325	8209444805	gckumbhalgarh2017@gmail.com	GOVT
46	GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, RAJASAMAND	Government Girls College, Rajsamand-313324	8209444805	ggcr.17@gmail.com	GOVT
47	GOVT COLLEGE RAILMANGARA, RAJSAMAND	GOVT COLLEGE RAILMANGARA, RAJSAMAND	9887884942	gcrailmagra@gmail.com	GOVT
48	GOVT. COLLEGE, BHIM, RAJASAMAND	Government College, Bhim, Rajsamand-305921	9413533647	prin.gcbhim@gmail.com	GOVT
49	GOVT. COLLEGE, DEOGARH, RAJASAMAND	Government College, Deogarh, Rajsamand-313331	8209444805	gcdevgarh@gmail .com	GOVT
50	Gyanoday Girls College , Jilola Amet Shanidev Mandir Vewar Mahadev Road Amet Distric Rajsamand 2020-21	Gyanoday Girls College , Jilola Amet Shanidev Mandir Vewar Mahadev Road Amet Distric Rajsamand	8503888865	gyanodaygirlscollege@gmail.com	
51	J.R. COLLEGE, RAILMAGRA, RAJASAMAND	J.R. College, Railmagra, Rajsamand-313329	9413830841	principaljrc@gmail.com	PRIVATE
52	KARNI GIRLS COLLEGE, DEOGARH, RAJSAMAND- 2019-20	Karni Girls College, Village Sangrampura, Th. Deogarh District Rajsamand-313331	9414733378	karnicollege.in@gmail.com	PRIVATE
53	KAUTILYA COLLEGE, KUNWARIYA, RAJASAMAND	Kautilya College Kunwaria, Shri Krishna Nagar Bhilwara Road Kankroli , Rajsamand-313324	8112276044	kautilyacollegeprempura@gmail.com	PRIVATE
54	MAHABALIDANI PANNADHYAY MAHILA T.T. COLLEGE, DELWARA, RAJASAMAND	Mahabaldani Pannadhay Mahila Teacher's Training College, Delwara, Rajsamand- 313202	9413424009	mbpmttcdelwara@gmail.com	B.ED.
55	MAHARSHI MAHILA T.T. COLLEGE, KANKROLI, RAJASAMAND	Maharshi Mahila Teacher's Trainig College, Bhilwara Road, Kankroli, Rajsamand- 313324	9929607862	mmttkankroli@gmail.com	B.ED.
56	N.L.S.G.M. GOVT. GIRLS COLLEGE, NATHDWARA, RAJASAMAND	Nitya Lisastha Tilkayat Shri Govind Lal Ji M. Lal Ji Maharaj Govt. Girls College. Lal Bagh , Nathdwara, Rajsamand- 313301	9414283160	ggcnathdwara@gmail.com	GOVT
57	NATHDWARA INSTITUTE OF BIOTECHNOLOGT & MANAGMANAT, ODEN, NATHDWARA, RAJASAMAND	Nathdwara Institute Of Biotechnolog & Management, Oden, Nathdwara, Rajsamand-313301	9950827065	principalnibm@gmail.com	PRIVATE And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
58	NATHDWARA LAW COLLEGE, OPALI ODEN, NATHDWARA, RAJASAMAND	Nathdwara Law College, Opali Oden, Nathdwara, Rajsamand-313301	9571345444	law@nathdwarainstitute.com	PRIVATE LAW

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT		
59	S.H.D.GOVT COLLEGE, AMET, RAJASAMAND	S.H.D.Govt College,, Deogarh Road, Amet. Rajsamand-312332	8764060406	govtcollegeametrajsamand@gmail.com	GOVT
60	S.R.K. GOVT. COLLEGE, RAJASAMAND	S.R.K. Govt. College, Near Police Line N.H. 8 Rajsamand-313301	9887884942	srkgovtcollegerajsamand@gmail.com	GOVT
61	SAINT MEERA LAW COLLEGE, NATHDWARA, RAJASAMAND	Saint Meera College Of Law Nh-8 Jagan Marble Road, Jhambutalab Nathdwara, Rajsamand-313301	8696735753	saintmeerasansthan@gmail.com	PRIVATE LAW
62	SAINT MEERA T.T. COLLEGE, NATHDWARA, RAJASAMAND	Saint Meera Teacher Training College, Nathdwara, Rajsamand-313301	9602222002	saintmeerasansthan@gmail.com	B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
63	SETH MATHURA DAS BINANI PG COLLEGE, NATHDWARA, RAJASAMAND	Seth Mathura Das Binani Pg College, Nathdwara, Rajsamnd-313301	9351153569	govtcollegenathdwara@gmail.com	GOVT
64	SHREE DWARKADHEESH INSTITUTE OF MANAGEMENT AND SCIENCE, KANKROLI, RAJASAMAND	Shree Dawrkadheesh Institute of Management & Science, SDIMS Campus, Bhilwara Road,Pratapura, Kankroli-Rajsamand-313324	8559906904, 9460969069	sdims.kank@gmail.com	PRIVATE
65	SHREE JI COLLEGE, NATHDWARA, RAJASAMNAD- 2019-20	Shree Ji College, behind DIET, Nathuwas, Nathdwara, District:- Rajsamand, 313301	9414155045	SHREEGOVINDAM.EDUCATIONAL@GMAIL.COM	PRIVATE
66	SHREE MAHAVEER COLLEGE, KHAMNOR	SOI KI BHAGAL TEHSIL KHAMNOR DISTTRICT RAJSAMAND	9460372195	SMVSGROUP@GMAIL.COM	PRIVATE
67	SHRI DATTATREYA COLLEGE KANKROLI, RAJASAMAND	Shri Dattatreya Collage , D-7,kalindi Vihar, Kankroli, Rajsamand-313324	9413402518	sdcollegeknk@gmail.com	PRIVATE
68	SHRI DWARKADHEESH T.T.COLLEGE, KANKROLI, RAJASAMAND	Shri Dwarkadheesh Teacher's Training College, Bhilwara Road, Villege- Pratap Pura, Panchayat- Bhawa, Kankroli, Rajsamand- 313324	8559906920, 9001010486	sdttc.kank@gmail.com	B.ED.
69	SHRINATHJI INSTITUTE OF BIOTECHNOLOGY & MANAGEMENT, UPALI ODEN, NATHDWARA, RAJASAMAND	Shrinath Institute Of Bio Technology & Management, Nathdwara, Upali Oden, Nathdwara, Rajsamand-313301	982922624	sitemanagement2006@gmail.com	PRIVATE
70	ST. MEERA MAHILA T.T. COLLEGE , NATHDWARA, RAJASAMAND	St. Meera Mahila T.T. College , Near Heli Pad Gunjol Chouraha Jagan Marble Road Jhambutalab, Gunjol Nathdwara, Rajsamand- 313301	9783383833	saintmeerabedcollege@gmail.com	B.ED.
71	THE ANKUR B.ED.COLLEGE , NATHDWARA, RAJASAMAND	The Ankur B.Ed College, Nathdwara, Rajsamand- 313301	9414385519	theankur1984@gmail.com	B.ED. And B.A. B.Ed.

Sirohi

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
72	ADARSH COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES, ABU ROAD, SIROHI	Adarsh College Of Professional Studies, Diesel Shed Road, Gandhinagar, Abu road, Dist-Sirohi-307026	9828166854	info.acpsabr@gmail.com	PRIVATE
73	GOVT P.G COLLEGE, SIROHI	Govt P.G College, Sirohi-307001	9414674379	collegesirohi@gmail.com	GOVT
74	GOVT. COLLEGE, PINDWARA, SIROHI 2018-19	Govt. College, Pindwara, Sirohi-307022	9414872044	priclpalggcsirohi@gmail.com	GOVT
75	GOVT. COLLEGE, REODAR, SIROHI 2018-19	Govt. College, Reodar, Sirohi-307514	9414674379	collegesirohi@gmail.com	GOVT
76	GOVT. GIRLS COLLEGE, SIROHI	Govt. Girls College, Sirohi-307001	9414872044	priclpalggcsirohi@gmail.com	GOVT

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
77	GOVT. LAW COLLEGE, SIROHI	Govt. Law College. , Sirohi-307001	9460072983	glcsirohi@gmail.com	GOVT LAW
78	GURUKUL MAHILA B.ED.COLLEGE, SIROHI	Gurukul Mahila B.Ed College, Mandwa Road, Sirohi-307001	8005710916, 9530084955	dr.nkpaliwal@gmail.com	B.ED.
79	J.R. COLLEGE, PINDWARA, SIROHI	J.R.College, Ajari Road Pindwara, Sirohi-307022	9461535469	jrcollegepindwara77@gmail.com	PRIVATE
80	RAJENDRA MUNI B.ED. COLLEGE, MOUNT ABU, SIROHI	Rajendra Muni B.Ed College, Mount Abu Sirohi- 307501	8058375761	drmbedcollege@yahoo.in	B.ED.
81	S.M.C.C. GOVT.COLLEGE,ABU ROAD, SIROHI	S.M.C.C. Govt.College, Abu Road, Sirohi-307026	9983610324	smcc.govtcollege@gmail.com	GOVT
82	S.M.P.B.J. GOVT COLLEGE, SHEOGANJ, SIROHI	S.M.P.B.J. Govt College, Sheoganj, Sirohi-307027	8764060406	govtcollegeametrajsamand@gmail.com	GOVT
83	S.P. COLLEGE, SIROHI	S.P. College, Sarvdham Campus, Near Police Line, Sirohi-307001	9694638641	liondrvktrivedi@yahoo.co.in	PRIVATE
84	SANSKAR T.T. COLLEGE, SHEOGANJ, SIROHI	Sanskar Teacher's Training College, Bajuriya Jav Colony, Shivganj, Sirohi- 302770	9694274672	sanskarttcollege97@gmail.com	B.ED.
85	SANT MEERA COLLEGE, SHEOGANJ, SIROHI	Sant Meera College, Bihind Govt Hospital Nagar Palika Road Sheoganj -307027	9829791775	SANTMEERACSSHEO@GMAIL.COM	PRIVATE
86	SHREE TEJENDRA PRASAD T. T. COLLEGE, ABU ROAD, SIROHI	Shri Tejendra Prasad Secondary Teacher's Training College, Abu Road, Sirohi- 307026	7597068695	tpbedcollageadr@gmail.com	B.ED.
87	SHRI KAMAL COLLEGE OF EDUCATION, BAMANWADJI, SIROHI	Shri Kamal College Of Education, Bamanwdi, Village Bamanwadji Post Veerwara Tehsil Pindwara, Sirohi-307022	8949350594	srkamalcollege@gmail.com	PRIVATE
88	SHRIMATI CHANDRAWAL GUPTA COLLEGE, VILLEGE- BASAN, TEHSIL-REODAR, SIROHI	Smt. Chandrawal Gupta College, Basan, Sirohi- 307514	7357641444	scgcreodar@rediffmail.com	B.ED.
89	SHRIMATI CHANDRAWAL GUPTA MAHILA T.T. COLLEGE, ABU ROAD, SIROHI	Smt. Chandrawal Gupta Mahila Teacher's Training College, Abu Road, Sirohi- 307026	9828024811	scgmc@rediffmail.com	B.ED.
90	SHRINATH B.Ed. COLLEGE, AMTHALA, ABU ROAD, SIROHI	Shrinath B.Ed College, Amthala, Abu Road, Sirohi-307026	9829246999	shreenatheducare@yahoo.com	B.ED.
91	SMT. CHANDRAWAL GUPTA COLLEGE, REODAR, SIROHI	Smt. Chandrawal College Reodar Awada Road, Reodar Sirohi -307514	8769179662	shailendramaurya78@gmail.com	PRIVATE
92	ST PAUL,S COLLEGE OF SCIENCE AND MANGEMANT, ABU ROAD, SIROHI	St. Paul's College Of Science & Management, Gandhi Nagar, Abu Road, Arbuda Industrial Area, Sirohi-307001	9928400050	jatsanwar23@gmail.com	PRIVATE
93	TRINITY TEACHER TRAINING COLLEGE, VILLAGE- JHADOLI, NH-14, TEHSIL- PINDWARA, SIROHI	Trinity Teacher's Training College, N.H. 14, Opp. Khetla Ji Temple, Jhadoli, Pindwara, Sirohi- 307022	979902208	trinityteacherstracollege@gmail.com	B.ED.
94	U.S.B COLLEGE OF TEACHER EDUCATION, ABUROAD, SIROHI	U.S. B. College of Teachers Training College, Abu Road, Sirohi-307026	9414323281	usbbed@gmail.com	B.ED.
95	UTTAM PRAKASH AGARWAL COLLEGE OF COMMERCE & ECONOMICS, ABU ROAD, SIROHI	Uttam Prakash Agarwal College of Commerce & Economics IP 4-5, RIICO Growth Centre, Phase-II, Mawal, Abu Road, Sirohi - 307026	9799111264	uttam@uttamcorporate.com	PRIVATE

Udaipur

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
96	AADINATH MAHILA T.T. COLLEGE, UDAIPUR 2018-19	Aadinath Mahila Teachers' Training College, Hiran Magri, Sector 11, Udaipur-313002	7976313364	aadinath_123@gmail.com	B.ED.
97	AAKAR COLLEGE, KHERWARA, UDAIPUR 2018-19	Aakar College, Mahudara, Rani Chani Road Near Patidar Hostel Kherwara, Udaipur- 313803	7405728742	aakarsansthan@gmail.com	PRIVATE
98	ADARSH KANYA MAHAVIDYALAYA, FATEHNAGAR, MAVLI.	Adarsh Kanya Mahavidyalaya, Fatehnagar, Mavli, Udaipur-	8290860863	shreesaipvtiti@gmail.com	PRIVATE
99	AISHWARYA COLLEGE OF EDUCATION SANSTHAN, UDAIPUR	Aishwarya College of Educaion Sansthan, 1-4, Block- D, Adarsh Nagar, University Road, Udaipur-313001	9001999452	principal@aishwaryacollege.ac.in	PRIVATE/B. Ed.
100	AISHWARYA T.T. COLLEGE. UDIPUR	Aishwarya Teachers Training College, 1-4, Block- D, Adarsh Nagar, University Road, Udaipur-313001	9799118605	principal@aishwaryacollege.ac.in	B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
101	AKME THE SCHOLARS ARENA GIRLS DEGREE COLLEGE, UDAIPUR	Akme The Scholars Arena Girls Degree College, Udaipur-313001	9829009390	dr.lokeshjain@gmail.com	PRIVATE
102	ANEKANT SEWA SANSTHAN T.T COLLEGE, SALUMBER. UDAIPUR	Anekant Seva Sansthan Teacher Training College, Salumber, Udaipur- 313027	9783272800	anecol10@gmail.com	B.ED.
103	ARAVALI COMMERCE AND SCIENCE COLLEGE, EKLINGPURA, UDAIPUR	Aravali Commerce And Science College, Eklingpura-Jhamarkotra Road -Near Patel Patrol Pump- Udaipur -313001	9414684138	aravali2007@gmail.com	PRIVATE
104	ARAVALI T.T.COLLEGE, EKLINGPURA, UDAIPUR	Aravali College of Teacher Training, Eklingpura, Udaipur-313002	9414684138	aravalicollege16@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
105	ARAVALI T.T.COLLEGE.AIRPORT ROAD, DEBARI, UDAIPUR	Aravali Teacher Training College, Airport Road, Debari, Udaipur-313024	9057519052	aravali2007@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
106	ARIHANT MAHILA B.ED.COLLEGE, DEBARI, UDAIPUR	Arihant Mahila Teacher's Training College, Debari, Udaipur-313024	9252013009	arihant.mttc.udr@gmail.com	B.ED.
107	ASIAN COLLEGE OF EDUCATION , UDAIPUR	Asian College of Education, Near Police Anveshan Bhawan, Badi Main Road, Udaipur-313004	8949316324	aca_ca@yahoo.com	B.ED.
108	ASPIRE DEGREE COLLEGE, BEMLA KURABAD, UDAIPUR 2018-19	Aspire Degree College Bemla, Kurabad Teh- Girwa, Distt Udaipur -313703	9414832244	adcbemla@gmail.com	PRIVATE
109	BHUPAL NOBLES GIRLS COLLEGE, SALUMBER, UDAIPUR	B.N. Girls College, Near Senior Sec. School Opposite Canara Bank, Udaipur Road, Salumber, Udaipur-313027	7230060824	bngirlssulumber@gmail.com	PRIVATE
110	CHANAKYA COLLEGE OF TEACHERS TRAINING, UDAIPUR	Chanakya Teachers Training College, Fatehsagar, Badi Road, Udaipur- 313001	9460084076	info@ccttudaipur.org	B.ED.
111	CHUNDA MAHILA T.T. COLLEGE, UDAIPUR	Chunda Mahila Teacher Training, Udaipur-313001	9887156772	cmttcudaipur@rediffmail.com	B.ED.
112	DR.ANUSHKA VIDHI MAHAVIDYALAYA UDAIPUR	Anushka Law College, Behind Transport Nagar, Pratap Nagar, Airport Road, Udaipur (Raj.) 313001	9887214600	info@anushkaacademy.com	PRIVATE LAW
113	DRONACHARYA COLLEGE, BHINDER, UDAIPUR	Dronacharya College, Giridhar Mohan Vatika, Bagichi Wale Hanuman Ji, Chandpol Bhindar, Udaipur-313603	7568666868	dronacharyacollegebhindar@gmail.com	PRIVATE

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
114	GEETANJALI COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE, DABOK, UDAIPUR - 2018-19	Geetanjali College of Science & Commerce, NH-76, Airport Road , Dabok Udaipur - 313022	8209062661	dirgits@gmail.com	PRIVATE
115	GOVERNMENT COLLEGE, LASADIYA, UDAIPUR	Government College, Lasadiya, Udaipur-313604	7297842182	gclasadiya@gmail.com	GOVT
116	GOVT. COLLEGE (B.ED.), KHERWARA, UDAIPUR	Govt. College,Kherwara, Khandi Oberi, Uplafala, Kherwara, Udaipur-313803	9929050417	kherwaragovtcollege@gmail.com	GOVT
117	GOVT. COLLEGE, GOGUNDA, UDAIPUR	Govt. College, Gogunda, Udaipur9313705	9414163285	gcgogunda@gmail.com	GOVT
118	GOVT. COLLEGE, JHADOL, UDAIPUR	Govt. College, Jhadol, Udaipur-313031	9413954772	gcjhadol14@gmail.com	GOVT
119	GOVT. COLLEGE, KOTRA, UDAIPUR	Govt. College, Kotra, Udaipur-307025	7014244146	govtcollegekotda@gmail.com	GOVT
120	GOVT. COLLEGE, MAVLI, UDAIPUR 2018-19	Govt. College, Mavli, Udaipur-313203	9461659202	governmentcollegemavli@gmail.com	GOVT
121	GOVT. GIRLS COLLEGE, KHERWARA, UDAIPUR	Govt. Girls College, Kherwara, Udaipur-313803	9414158932	govtgirlscollege.kherwara@gmail.com	GOVT
122	GOVT. MEERA GIRLS COLLEGE, UDAIPUR	Govt. Meera Girls College, Udaipur-313001	9460970397	meeragirlscollege@gmail.com	GOVT
123	GOVT.COLLEGE, SARADA, UDAIPUR	Govt.College, Sarada, Udaipur-313902	9414472186	govtcollegesarada@gmail.com	GOVT
124	GURU NANAK GIRLS COLLEGE, UDAIPUR	Guru Nanak Girl's P. G. College, Hiran Mangri, Sector-4, Udaipur- 313002	9414164030	gurunanak37.college@gmail.com	PRIVATE/B. Ed.
125	GURU PUSHKAR JAIN COLLEGE GOGUNDA, UDAIPUR	Guru Pushkar Nagar, Semtal Tehsil-Gogunda District-Udaipur-313705	9414472914	gpjcgogunda@gmail.com	PRIVATE
126	GURUKUL COLLEGE, VILLAGE-BUDHUAL, TESHIL, GIRWA, UDAIPUR	Gurukul College, Village Budal, Teh. Girwa, Udaipur-313703	7014689109	gurukulcollegebudal@gmail.com	B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
127	GURUKUL COLLEGE,SALUMBER, UDAIPUR 2019-20	Gurukul College , Krishna Nagar, Banswara Road, Salumber , Udaipur	7737500308	bindu.ramyadav@gmail.com	PRIVATE
128	HADA RANI GOVT. COLLEGE, SALUMBER,	Hada Rani Govt. College, Salumber, Udaipur-313027	9414315181	h.r.g.college@gmail.com	GOVT
129	HADI RANI T.T. COLLEGE, SHOBHAGPURA, UDAIPUR	Hadi Rani Teachers Training College, 100 Ft. Road, Near Panchayat Bhawan, Shobhagpura, Udaipur- 313001	8875705327	hrttcudaipur@gmail.com	B.ED.
130	INDO AMERICAN INSTITUTE, BALICHA, UDAIPUR	Indo American Institute, Opp. Sneh Resorts, N.H. -8, Villege-Balicha, Udaipur-313001	9784948832	indoamericaninstitute@gmail.com	B.ED.
131	INSTITUTE OF HOTAL MANAGEMENT & CATERING,BALICHA, UDAIPUR	Institute Of Hotel Management Catering & Tourism, 413-417, Seth Ji Ki Kundal,Balicha , Girva,Udaipur -313001	9929826136	ihmudr@gmail.com	PRIVATE
132	J.R. COLLEGE, VILLEGE-POST-GORELA, SISARAMA, UDAIPUR(2019-20)	J.R. College, Villege/Post-Gorela, Sisarama, Udaipur-313702	9983191285	virendrach28@gmail.com	PRIVATE
133	J.R. SHARMA COLLEGE, PHALASIA, UDAIPUR	J.R. College,Falasia,Village , post Phalashia Teh. Jhadol (ph) Dist. Udaipur -313031	8826221559	jrphalashin@gmail.com	PRIVATE
134	J.R. SHARMA COLLEGE, RISHABHDEO, UDAIPUR	J.R. Sharma College, Rishabhdeo, Udaipur-313802	7737008715, 9829443371	jrsrishbhdeo@gmail.com	PRIVATE
135	J.R.SHARMA GIRLS T.T. COLLEGE, JHADOL, UDAIPUR	J. R. Sharma Girls Teacher's Training College, Jhadol, Udaipur- 313031	9001785039	j.r.sharma.jhadol@gmail.com, jhadolbed126@gmail.com	B.ED.
136	J.R.SHARMA P.G. COLLEGE, JHADOL, UDAIPUR	J.R. Sharma College,Jhadol, V.& P. Jhadol (P) Tehsil-Jhadol (P), Udaipur-313702	9413262136	j.r.sharma.jhadol@gmail.com	PRIVATE

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
137	JYOTI BA PHULE T.T. COLLEGE, MANWAKHEDA, UDAIPUR	Jyoti Ba Phule Teacher Training College, Manwakheda, M.L.A. Bai Pass, Udaipur-313001	9214692569	jbpcollege@yahoo.com	B.ED.
138	KALA ASHRAM COLLEGE OF TEACHERS TRANING, BHUWANA, UDAIPUR	Kala Asharam College of Teachers Training, 186, Padmawati Complex, Bhuwana, Udaipur-313001	9214910890	nupurdk@yahoo.com, kacttudaipur@gmail.com	B.ED.
139	KAVYANJALI COLLEGE, CHAWAND, UDAIPUR	Kavyanjali College, Chawand, RKS Sansthan Campus Vidhya Vihar Pratap Nagar Chawand, Udaipur- 313904	9414289958	kgcchawand881@gmail.com	PRIVATE
140	KRISHNA COLLEGE OF PHYSICAL EDUCATION, MAVLI, UDAIPUR	Krishna College Of Phy. Edu. Vangroda, Udaipur Road, Mavli, Udaipur-313203	823379089	krishnacollege.bped@gmail.com	B.PED
141	KRISHNA MAHILA T.T. COLLEGE, SISARAMA,UDAIPUR	Krishna Mahila Teacher's Traning College, Sisarmam, Udaipur-313001	9928083643	mail@kmttcollege.com, hiteshgour35@yahoo.com, pankaj_1278@yhaoo.co.in	B.ED.
142	MAA VAISHNO T.T. COLLEGE, UMARDA, UDAIPUR	Maa Vaishno Teachers Training College, Umarda, Udaipur-313002	9414314559	mvttc175@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
143	MAHARAJA COLLEGE OF ARTS & EDUCATION, UDAIPUR	Maharaja College of Arts & Education, Hindusthan Zinc, Sakroda Road, Mal Ki Tus, Udaipur- 313022	9460801719	maharaja.bedcollege@gmail.com	B.ED.
144	MAHARANI GIRLS B.ED. COLLEGE, DEBARI, UDAIPUR	Maharani Girls B.Ed. College, Hindusthan Zinc, Sakroda Road, Mal Ki Tus, Udaipur- 313022	9414934786	maharajamgbc3@gmail.com	B.ED.
145	MAHARISHI INSTITUTE OF EDUCATION& RESEARCH, SUNDERWAS, UDAIPUR	Mahrshi Institute of Education & Research South Sunderwas, Udaipur- 313001	9414232958	mierudaipur.org@gmail.com	B.ED.
146	MAHAVEER AMBESH GURU COLLEGE, FATEHNAGAR, UDAIPUR	Mahaveer Ambesh Guru College, Purana Bazar , Fatehnagar Teh- Mavli Dist-Udaipur-313203	9414343805	mrcollegefnr@gmail.com	PRIVATE
147	MAHAVEER COLLEGE, BADGAON, KEER KI CHOUKI, BHINDER, UDAIPUR	Mahaveer College, Badgaon, Kir Ki Choki, Udaipur-313603	07665568838	mahaveerjvsansthan@yahoo.com, mjvsgroup@gmail.com	PRIVATE
148	MAHAVEER JAIN VIDHYALAYA SANSTHAN, KIR KI CHOKI, BADGAAV, BHINDER, UDAIPUR	Mahaveer Jain Vidhyalaya Saqnsthan, Keer Ki chowki, Badgaon, bhinder, Udaupur-313603	9414168838	mahaveerjvsansthan@yahoo.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
149	MANTRAM T.T. COLLEGE, KAMLI NOHARA, NAI, UDAIPUR	Mamtram Teacher's Training College, Village- Kamli, Panchayat- Nai, Udaipur-313031	9214202357, 9414830551	mttc.org@gmail.com	B.ED.
150	MATHESHWARI T.T. COLLEGE, UMARDA, UDAIPUR	Mateshwari Teacher's Training College, Apasara Bhawan, Umarda, Udaipur- 313001	8302044424	mttcollegeudaipur@gmail.com	B.ED.
151	MEENAKSHI EDUCATION SANSTHAN, SALUMBER, UDAIPUR 2019-20	Meenakshi Education Sansthan, Salumber, Udaipur	8696907762	Meenakshicollegesalumber@gmail.com	PRIVATE
152	NAGFANI DEGREE COLLEGE, KHERAWARA, UDAIPUR - 2019-20	Nagfani Degree College, Karnauva, Khandi Obri, Kherwara, District Udaipur	9001460252	nagfani2012@gmail.com	PRIVATE
153	NIMBARK T.T. COLLEGE, UDAIPUR	Nimbark Teacher's Training College, Surajpol, Udaipur-313001	9460558991	nimbarkprincipal@yahoo.com	B.ED.
154	PACIFIC COLLEGE, UDAIPUR	Pacific College, Near P.F. Office Chitrakut Nagar Udaipur-313001	9462700456, 9680068006, 7976946316	pacificcollege42@gmail.com	PRIVATE
155	PREMSHANTI NIKETAN T.T. COLLEGE, UDAIPUR	Premshanti Niketan Teacher Training College, Panerio Ki Madri, Udaipur-313001	9460253234	psnttc@gmail.com	B.ED.

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
156	PT. UDAI JAIN COLLEGE, KANORE, UDAIPUR	Pt. Udai Jain College, Kanore, Udaipur-313604	9414683080	pujc1976@gmail.com	PRIVATE
157	R.M.T.T. COLLEGE, UDAIPUR	Rajasthan Mahila Teacher'ss Training College, Gyan Marg, Near Gulab Bag, Udaipur-313001	9414157007	rmttc11@gmail.com	B.ED.
158	R.M.V. GIRLS COLLEGE, UDAIPUR	R.M.V. Girls College, Near Gulab Bagh Road, Udaipur-313001	9413955007	principalrmv2011@gmail.com	PRIVATE
159	R.P. GIRLS COLLEGE, BHINDER, UDAIPUR	R.P. Kanya Maha Vidyalaya, Ram Pole Bus Stand, Bhinder, Udaipur-313603	9460729936	rpgirlscollege@gmail.com	PRIVATE
160	R.P. PHYSICAL TEACHERS TRAINING COLLEGE, BHINDER, UDAIPUR	R.P. Phy. Edu. College, Hinta, Bhinder, Udaipur-313603	9928070715	rpphysicalcollege@gmail.com	B.PED
161	RAJDEV T.T. COLLEGE, SISARMA ROAD, UDAIPUR	Rajdev Teacher's Training College, 3 - Rata Khet, B - Block, Sajjan Nagar, Sisarma road, Udaipur-313001	9460402280	rdttcudaipur@gmail.com	B.ED.
162	RAM KISHAN T.T. COLLEGE , VILLAGE- BUDHAL, UDAIPUR	Ram Kirshan Shikshak Prashikshan Mahavidyalaya, Budel, Kurabad, Udaipur-313004	7014689109	ramkishantt@gmail.com	B.ED.
163	RANA PRATAP MAHILA T.T. COLLEGE, BHINDER, UDAIPUR	Rana Pratap Mahila Shikshak Parshikshan Mahavidhyalaya, Bhinder, Udaipur- 313603	7891190017	mewarsss@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
164	RANA PUNJA COLLEGE, VILLAGE-OGNA, TEHSIL- JHADOL, UDAIPUR	Rana Punja College, Village Post Ogna, Tehsil Jhadol, Udaipur -313906	8302150505	rpcogna@gmail.com	PRIVATE
165	RAVINDRA NATH THAKUR B.ED. COLLEGE, DEBARI, UDAIPUR	Ravindra Nath Thakur College of B.Ed. Tulsidas Ji Ki Saray, Debari, Udaipur-313024	9414730682	rntbedudr@gmail.com	B.ED.
166	S.B.S CHORDIA J.V.P. T.T. COLLEGE, KANORE, UDAIPUR	S.B. S. Chordia Jawahar Vidhyapith Teacher's Training College, Kanod, Udaipur-313604	7426905354, 9414471165	jvpttcknr@gmail.com	B.ED.
167	S.S COLLEGE OF EDUCATION(S.S. Shikshan Sansthan), UMARDA, UDAIPUR	S.S. College of Education, Dedkiya Road, Umarda, Udaipur-313002	9414067553	sscollegeofeducation@gmail.com	B.ED.
168	S.S. COLLEGE OF EDUCATION, SWAMI SHARANAM SHIKSHAN SANSTHAN , UMARDA, UDAIPUR	S.S. College of Education, Swami Sharnam Shikshan Sansthan, Jhamar Kotra Road, Umarda, Udaipur-313002	9460340708	sscollegeofeducation041@gmail.com	B.ED.
169	S.S. GURUKUL COLLEGE, JAITANA, UDAIPUR, 2019-20	S.S. Gurukul College, Village Post Jaitana, Tehsil Salumber, Udaipur	9414245586	gurukajaitana11@gmail.com	PRIVATE
170	SAGAR B.ED COLLEGE, KHERWARA, UDAIPUR	Sagar B.Ed College, Near Pancholi Hospital N.H. 8, Kherwara, Udaipur-313803	9799463082, 9414786867	sagarkherwara071@yahoo.com	B.ED.
171	SANJIVANI T.T. COLLEGE, BALICHA BY PASS, KAYA, UDAIPUR	Sanjeevani Teacher'ss Training College, Balicha, N.H. -8, Ahmedabad Road, Udaipur-313001	9460632927	sanjeevanittcollege@yahoo.in	B.ED.
172	SHREENATH MAHILA T.T. COLLEGE, MAVLI, UDAIPUR	Shreenath Mahila T.T. College, Mavli, Udaipur-313203	9460878793	girish6071@yahoo.com	B.ED.
173	SHRI RAM COLLEGE OF TEACHERS & EDUCATION, UDAIPUR	Shri Ram College of Teachers Education, 58, Gokulpura, Ayad, Udaipur- 313001	9413480476	srcte174@gmail.com	B.ED.
174	SINGHANIA LAW COLLEGE, PRATAP NAGAR EXTENSION, OPP. TRANSPORT NAGAR, NOKODA NAGAR, RAKAMPURA ROAD,UDAIPUR 2018-19	Singhania Law College, Pratap Nagar Extension, Opp. Transport Nagar, Nokoda Nagar, Rakampura Road, Udaipur-313001	9460826860	tushtid.nlu@gmai.com	LAW

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
175	SUN COLLEGE OF MANAGMANT & SCIENCE, KALADWAS, UDAIPUR	Sun College of Management & Science (SCMS) SUN Campus, Navkar, University Road, Udaipur -313001	9660658551	info@suneducation.org, admissions@suneducation.org	PRIVATE
176	SUNRISE COLLEGE, UMARDA, UDAIPUR 2018-19	Sunrise College Of Education, Near Bari Mata Temple , Jhamarkotra Road, Umarda, Udaipur -313003	029426501089	harishrajani19@gmail.com	PRIVATE
177	SWAMI VIVEKANAND COLLEGE VALLABHNAGAR, UDAIPUR	Swami Vivekanand College, By, Pass Choraha, Vallabhnagar, Udaipur -313601	9460894648	svcollege90@gmail.com	PRIVATE
178	T.T. COLLEGE, JHADOL, UDAIPUR	Teacher's Training College, Jhadol, Udaipur- 313001	9414621502, 8769866502	jhadolttcollege@gmail.com	B.ED.
179	TAXSHILA VIDHYAPEETH SANSTHAN B.ED. COLLEGE, CHIRVA, UDAIPUR	Taxshila Vidya Peeth Sansthan B.Ed. College, Chirwa, Udipur-313002	9605903954	tvps_udr@yahoo.in	B.ED.
180	THE GURUKUL COLLEGE, BUDAL, UDAIPUR	The Gurukul College, Budal, Paqnchayat Lalpura Tahasil Girva, Dist-Udaipur-313703	9772740999	thegurukulcollege2015@gmail.com	PRIVATE
181	THE NOBLES T.T. COLLEGE , KHERWARA, UDAIPUR	The Nobles Teacher's's Training Collge, Chhagan Colony, Badla, Kherwara, Udaipur- 313803	9414785170	thenoblesbed@gmail.com	B.ED.
182	THE SCHOLAR ARENA GIRLS B.ED. COLLEGE, UDAIPUR	The Scholar's Arena Girls B.Ed College, R.K. Puram, Near IOC Petrol Pump, Sector-9, Savina By Pass, Udaipur- 313001	9829009390	dr.lokeshjain@gmail.com	B.ED.
183	Tulsi Amrit Basanti Devi Tara Chand Parmar Balika Mahavidhyalay Kanod, Udaipur.2020-21	Tulsi Amrit Basanti Devi Tara Chand Parmar Balika Mahavidhyalay Kanod, Udaipur.	9413549533	tulsiamrit2018@gmail.com	PRIVATE
184	V.B.G.S.T.T. COLLEGE, UDAIPUR	V.B.G.S.T.T. College, Udaipur-313001	9828142429	vbcteudr@gmail.com	B.ED.
185	V.B.R.I. UDAIPUR	Vidhya Bhawan Rural Institute, Badgaon Road Udaipur-313011	8764270893	vbriudr@yahoo.com	PRIVATE
186	VIDHYA BHARTI T.T. COLLEGE, MAVLI, UDAIPUR	Vidhya Bharti Teacher's Training College, Mavali Road, Asoliyo Ki Madri,Udaipur-313203	9983467021	vbttc180@gmail.com	B.ED. And B.A.-B.ED./B.SC.-B.ED.
187	VIDHYA BHAWAN GANDHIAN INSTITUTE OF EDUCATION STUDIES, RAMGIRI, BADGAON, UDAIPUR	Vidhya Bhawan Gandhian Institute Of Education Studies, Ramgiri, Badgaon, Udaipur-313011	9414925807	vd_gies@yahoo.com	B.ED.
188	VINAYAK COLLEGE, KHERWARA, UDAIPUR	Vinayak College, Deepanjli Bhawan Front of Bsnl Office , Rani Road ,Kherwara, Udaipur-313803	9460701451	vinayakcollege1982@gmail.com	PRIVATE
189	VIVEKANAND COLLEGE OF B.ED, DABOK, UDAIPUR	Vuvekand College of B.Ed, Mavli Road, Dabok , Udaipur-313022	9828058477	vivekanand_college_2006@yahoo.com	B.ED.
190	WISDOM T.T. COLLEGE, MULLATALAI, UDAIPUR	Wisdom Teacher's Training College, Mulla Talai, Udaipur-313004	8233465024	siddiq4u18@yahoo.com	B.ED.

Sirohi

SRNO	COLLEGE NAME	ADDRESS	PRINCIPAL CONTACT	EMAIL ID	TYPE OF COLLEGE
191	Rajyoga Education & Research Foundation- Prajapita Bhrama Kumari Ishwariya Vishwa Vidhyala.	Shantivan Complex, Post box No-1 Abu Road (Raj.) 307510		info@brahmakumaris.com	

विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन मुख्य द्वार का प्रारूप

मूल्य : ₹ 600/-

मुद्रक : प्रियांशी ऑफसेट, उदयपुर